e-assuring iNDIA

India's №1 E-Commerce Govt. Company

51वीं वर्षिक रिपोर्ट 2015-16
51st Annual Report 2015-16

स्वर्ण जयंती वर्ष 50 एमएसटीसी 1964 - 2014

एम एस टी सी लिमिटेड (भारत सरकार का उपक्रम)

MSTC LIMITED (A GOVT. OF INDIA ENTERPRISE)

GOLDEN YEARS 50 MSTC 1964 - 2014

ई-गर्वनेंस के जरिए ई-कॉमर्स, अर्थनीति एवं पर्यावरण को प्रोत्साहन

Promoting e-commerce, economy & environment through e-governance

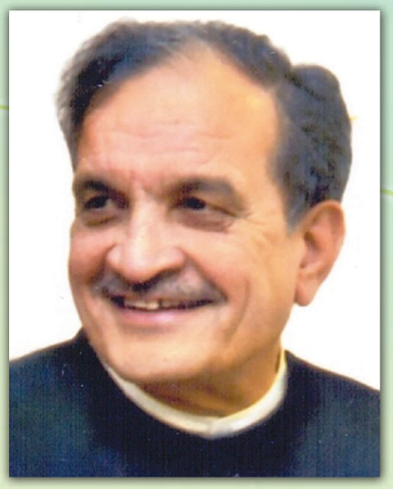

माननीय इस्पात एवं खदान मंत्री
चौधरी बीरेंद्र सिंह
Hon'ble Minister of Steel and Mines
Chaudhary Birender Singh

माननीय इस्पात राज्यमंत्री
श्री विष्णु देव साई
Hon'ble Minister of State for Steel
Shri Vishnu Deo Sai

श्रीमती अरुणा सुंदरराजन
सचिव (इस्पात), (दिनांक 28.7.2016 तक)
Mrs Aruna Sundarajan
Secretary (Steel), (Upto 28.07.2016)

डॉ. अरुणा शर्मा
सचिव (इस्पात), (दिनांक 29.7.2016 से)
Dr Aruna Sharma
Secretary (Steel), (From 29.07.2016)

श्री चौधरी वीरेन्द्र सिंह, माननीय इस्पात एवं खदान मंत्री, डॉ. अरुणा शर्मा, सचिव (इस्पात) तथा महिन्द्रा समूह के श्री जोरबेन भिवंडीवाला की उपस्थिति में एमएसटीसी के अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक, बी.बी. सिंह, महिन्द्रा इंट्रा ट्रेड लि. के प्रबंध निदेशक श्री सुमित इस्सर के साथ एक ऑटो श्रेडिंग प्लांट की स्थापना हेतु करारनामा पर हस्ताक्षर करते हुए

Shri BB Singh, CMD, MSTC signing J V Agreement to form an auto shredding plant with Shri Sumit Ishar, MD, Mahindra Intra Trade Ltd. in presence of Shri Chaudhury Birender Singh, Hon'ble Minister of Steel and Mines, Dr Aruna Sharma, Secretary (Steel) and Shri Zhorben Bhiwandiwala of Mahindra Group

51 वार्षिक रिपोर्ट
Annual Report

विषय सूची
Contents

निदेशक मंडल / Board of Directors	2
दृष्टि एवं ध्येय / Vision & Mission	4
अध्यक्षीय भाषण / Chairman's Statement	6
बोर्ड की रिपोर्ट / Board's Report	8
स्टैंडएलोन रिपोर्ट / Standalone Report	107
क) लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट / Auditors' Report	108
ख) कैग रिपोर्ट / CAG Report	125
ग) तुलन पत्र / Balance Sheet	126
घ) लाभ-हानि खाता/ Profit & Loss Accounts	127
ङ) वित्तीय विवरणों से संबंधित टिप्पणियां / Notes on Financial Statements	128
च) नगद प्रवाह ब्यौरा / Cash Flow Statement	152
समेकित रिपोर्ट / Consolidated Report	154
क) लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट / Auditors' Report	155
ख) कैग रिपोर्ट / CAG Report	169
ग) तुलन पत्र / Balance Sheet	170
घ) लाभ-हानि खाता/ Profit & Loss Accounts	171
ङ) वित्तीय विवरणों से संबंधित टिप्पणियां / Notes on Financial Statements	179
च) नगद प्रवाह ब्यौरा / Cash Flow Statement	209

निदेशक मंडल / Board of Directors

श्री बी. बी. सिंह

अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक

दिनांक 01.06.2016 से

Shri B. B. Singh

Chairman cum Managing Director

From 01.06.2016

श्री एस. के. त्रिपाठी

अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक

(दिनांक 31.05.2016 तक)

Shri S. K. Tripathi

Chairman cum Managing Director

Upto 31.05.2016

श्री सुनील बरथवाल

आई.ए.एस.

(दिनांक 16.01.2016 से)

Shri Sunil Barthwal, I.A.S.

(from 16.01.2016)

श्री एन. सी. झा

दिनांक 09.10.2015 तक

Shri N. C. Jha

Upto 09.10.2015

श्री सूरज भान

Shri Suraj Bhan

श्री ए. के. बासु

Shri A. K. Basu

श्री ए. के. गोयल

Shri A. K. Goyal

श्रीमती मॉली तिवारी

(दिनांक 15.08.2015 से 31.12.2015 तक)

Smt. Molly Tiwari

(from 15.08.2015 to 31.12.2015)

प्रबंधन दल / Management Team

श्री एस. अम्बष्ठ
मुख्य सतर्कता अधिकारी
Shri S. Ambastha
Chief Vigilance Officer

श्री एस.एस.चौधुरी
सीजीएम (एचआरएम)
दिनांक 31.01.2016 तक
Shri S. S. Chaudhuri
CGM (HRM)
Upto 31.01.2016

श्री तापस बसु
जीएम (सीपी)
Shri Tapas Basu
GM (CP)

श्री आर.के.चौधुरी
जीएम (एफ एण्ड ए)
Shri R.K.Chaudhuri
GM (F&A)

श्री सी.आर.गिरि
जीएम (सिस्टम्स)
Shri C. R. Giri
GM (Systems)

श्रीमती एस.आर्या
जीएम (मार्केटिंग)
दिनांक 31.10.2015 तक
Smt. S. Arya
GM (Marketing)
Upto 31.10.2015

श्री डी पी बहुगुणा
जीएम (बीओ)
Shri D. P. Bahuguna
GM (BO)

श्री सुब्रत कुमार राय
जीएम (कंपनी सचिव)
Shri Subrata Kumar Ray
GM & Company Secretary

श्री एम.पी.श्रीवास्तव
जीएम (सीसी)
Shri M. P. Shrivastava
GM (CC)

लेखा परीक्षक
राय एंड कं.
सनदी लेखापाल

Auditors
Ray & Co.
Chartered Accountants

बैंकर्स

एचडीएफसी बैंक	HDFC Bank
बैंक ऑफ इंडिया	Bank of India
इंडियन बैंक	Indian Bank
यूनियन बैंक ऑफ इंडिया	Union Bank of India
भारतीय स्टेट बैंक	State Bank of India
पंजाब नेशनल बैंक	Punjab National Bank
यूनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया	United Bank of India

रजिस्ट्रार एवं ट्रांसफर (अंतरण) एजेंट:
सी बी मैनेजमेंट सर्विसेज (प्रा.) लिमिटेड
पी-22, बोंडेल रोड, कोलकाता-700 019

Bankers

HDFC Bank	
Bank of India	
Indian Bank	
Union Bank of India	
State Bank of India	
Punjab National Bank	
United Bank of India	

Registrar and Transfer Agents :
C B Management Services (P) Ltd.
P-22, Bondel Road, Kolkata - 700 019

सचिवालय लेखा परीक्षक
सौम्य ज्योति सील, अभ्यासरत कंपनी सचिव

Secretarial Auditors
Saumayo Jyoti Seal, Practising Company Secretary

पंजीकृत एवं प्रधान कार्यालय
225-सी, आचार्य जगदीश चंद्र बोस रोड,
कोलकाता-700 020
दूरभाष : (+91 33) 2290 0964, 22877557/0568/9627
फैक्स : (+91 33) 2287 8547, 2240 4176
ई-मेल : mstcindia@mstcindia.co.in

Registered & Head Office
225-C, Acharya Jagadish Chandra Bose Road,
Kolkata - 700 020
Phone : (+91 33) 2290 0964, 22877557/0568/9627
Fax : (+91 33) 2287 8547, 2240 4176
e-mail : mstcindia@mstcindia.co.in

दृष्टि एवं ध्येय

दृष्टिकोण

ट्रेडिंग व्यवसाय में विशेष रूप से इस्पात उद्योग के क्षेत्र में प्रभावी बी2बी संस्थान बन कर उभरना

मिशन

एमएसटीसी जिन पदार्थों का व्यापार करता है उनके लिए बाजार को संगठित एवं विस्तार देने की कोशिश करेगा, जहां तक संभव होगा ई-कॉमर्स के माध्यम से पारदर्शिता के साथ व्यवसाय करेगा।

लक्ष्य

(क) देशी और अंतर्राष्ट्रीय दोनों स्रोतों से इस्पात उद्योग के लिए थोक कच्चा माल पर विशेष बल के साथ एक विविधीकृत व्यापार संस्था के रूप में उभरना और इस संदर्भ में क्रमिक रूप से अंतर्राष्ट्रीय व्यापार घरानों के साथ संयुक्त रूप से गंठबंधन बनाना, भंडारण पद्धति एवं लॉजिस्टिक का विकास करना।

(ख) सरकार और निजी दोनों क्षेत्रों के संगठनों के स्क्रैप और उद्भूत गौण माल, भंडार जो सेवा योग्य न हो इत्यादि के निपटारे की योजना बनाना, व्यवस्था करना तथा ई-नीलामी को लोकप्रिय बनाना।

(ग) उपरोक्त क्षेत्रों के साथ-साथ प्राइम प्रोडक्ट की लेनदेनगत विक्रय में ई-कॉमर्स/ई-लेनदेन को प्रोत्साहित करना।

(घ) लगाई गई पूंजी पर इष्टतम आय और कुल लागत पर 15 प्रतिशत आय प्राप्त करने के लिए उपरोक्त कार्य करना।

(ङ) ग्राहकों, प्रिंसिपलों और अन्य व्यापार प्रतिष्ठानों को त्वरित और दक्ष संव्यवहार देकर ग्राहक की संतुष्टि सुनिश्चित करना।

(च) एक सक्षम, प्रतिबद्ध और अभिप्रेरित कार्यस्थल का विकास करना और कायम रखना।

(छ) उपर्युक्त लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए संयुक्त उद्यम को प्रोत्साहित करना है। यह संयुक्त उद्यम माईनिंग, लॉजस्टिक, वेयरहाऊसिंग, बिक्री की वस्तुओं में मूल्य संयोजन के क्षेत्र में विशिष्ट डोमेन एक्सपर्ट के साथ किया जाना है।

Vision & Mission

VISION

To emerge as a dominant B2B player in the area of trading with particular emphasis on Steel Industry.

MISSION

MSTC will endeavour to organize and expand a market for various commodities handled by it making transactions as transparent as possible through extensive use of e-commerce.

OBJECTIVES

a) To emerge as a diversified trading house with particular emphasis on bulk raw materials for steel industry sourced both indigenously and internationally and towards this end gradually build up tie-ups with international trading houses, develop warehousing system and logistics.

b) To plan and organise disposal of scrap and secondary arisings, unserviceable stores, etc. of organisations, both in the public sector and private sector and to popularise e-auction.

c) To promote e-commerce / e-transactions in above areas and also in transactional sale of prime products.

d) To undertake these activities so as to ensure an optimum return on capital employed and to attain a return of 15% on the net worth.

e) To ensure customers' satisfaction by providing prompt and efficient dealing with customers, principals and other business associates.

f) To develop and maintain a competent, dedicated and motivated workforce.

g) To achieve the aforesaid objectives, promote joint ventures with selected domain experts in the area of mining, logistics, warehousing, value addition to the merchandise etc.

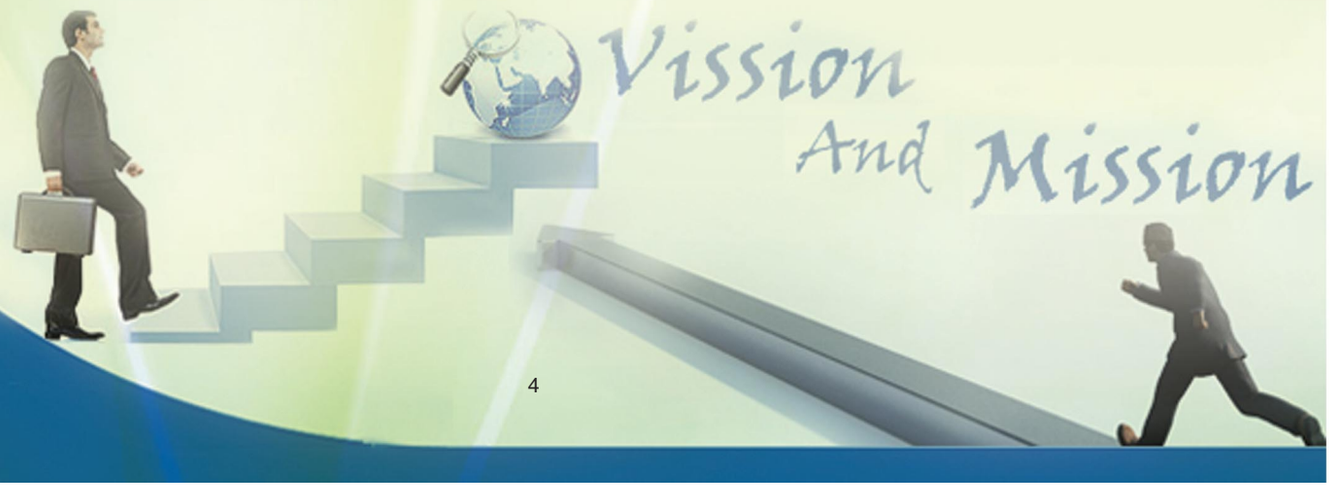

एमएसटीसी आज

एमएसटीसी ने 9 सितम्बर, 2015 को अपने अस्तित्व का 51 वर्ष सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है और विकास की एक लंबी यात्रा के 52वें वर्ष के लिए अपने रास्ते पर प्रशस्त है। एक छोटे से सरणीबद्ध एजेंसी से, यह अपने को ई–कॉमर्स की बी2बी सेक्टर की बड़ी कंपनी में तब्दील हो गया है और सार्वजनिक क्षेत्र में एकमात्र ऐसी कंपनी होने का गौरव प्राप्त किया है।

एमएसटीसी आज विभिन्न सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, केंद्र सरकार/राज्य एवं निजी क्षेत्र की कम्पनियों को नवीन दृष्टिकोण के कच्चे माल के समर्थन और ई–कॉमर्स सेवाओं के लिए इस्पात और पेट्रो रसायन क्षेत्र को अपनी सेवाएं दे रही है। कोयला ब्लॉकों की सफलतापूर्वक ई–ऑक्शन ने एमएसटीसी को कल की तुलना में आज और भी बेहतर स्थिति में खड़ा किया है। यह सबसे अधिक प्राथमिकता प्राप्त करने वाली सेवा प्रदाता कंपनी है और विभिन्न केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, राज्य सरकार एमएसटीसी को उसके सुदृढ़ मानदंड पर आधारित नामांकन के आधार पर कार्य में शामिल कर रही है।

एमएसटीसी आज इस्पात मंत्रालय, भारत सरकार के प्रशासनिक नियंत्रण अधीन श्रेणी–ख मिनी रत्न की सार्वजनिक क्षेत्र की अनुसूची बी कम्पनी है।

1964 में लघु ट्रेडिंग कंपनी के रूप में रु. 6 लाख की छोटी–सी पूंजी से शुरू हुआ था, विगत 51 वर्ष के में यह एक बड़ी बहु उत्पाद विविध कंपनी के रूप में विकसित हुआ है। एमएसटीसी ने तीन बार बोनस शेयर जारी किये हैं तथा शेयरधारकों के मूल्य वास्तव में बढ़ाए जा रहे हैं। इसने प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष कर के अलावा सरकारी कोष में पर्याप्त लाभांश का भुगतान किया है।

एमएसटीसी कच्चे माल के औद्योगिक उपयोग के लिए स्क्रैप के पुनश्चक्रण में सुविधा प्रदान करता है जिससे लागत खर्च में कमी आती है, ऊर्जा तथा प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण होता है और अंतत पर्यावरण की रक्षा होती है। इस तरह सरकार के 'स्वच्छ भारत मिशन' में सहयोग करते हैं।

एमएसटीसी अपने सीएसआर एवं सतत विकास की पहल के अन्तर्गत पर्यावरण तथा प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा करने, गरीबों एवं समाज के वंचित श्रेणियों के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध है।

एक लंबी छलांग लगाते हुई एमएसटीसी महिंद्रा ग्रुप के साथ संयुक्त उद्यम के जरिए श्रेडिंग संयंत्र की स्थापना की प्रक्रिया प्रारम्भ कर चुका है, जो भारत में अपने आप में प्रथम होगा और विशेष इस्पात के पुनश्चक्रण के मामले में काफी दूर तक जाने साथ इस तरह की सामग्रियों के आयात का प्रतिस्थापन का विकल्प बनेगा।

एमएसटीसी आज अपने 52वे वर्ष के अवसर पर कंपनी के प्रति विश्वास जताने के लिए देश के नागरिकों, सरकार, शेयरधारकों के प्रति आभार व्यक्त करती है। हम अपने सभी व्यवसायिक क्रियाकलापों को नैतिक व्यापार सिद्धांतों, सुशासन, प्रबंधन क्षमताओं तथा समाजिक उत्थान, पारदर्शिता तथा ईमानदारी के प्रति प्रतिबद्धता को पुनः दोहराती है।

एमएसटीसी ई–वाणिज्य एवं व्यापार में सर्वश्रेष्ठ बनने के लक्ष्य की और अग्रसर है। यह डिजिटल भारत अभियान, पारदर्शिता और स्वच्छ पर्यावरण को बढ़ावा देने वाली एक कंपनी के रूप में अग्रसर हो रही है।

MSTC Today

MSTC has successfully completed 51 years of its existence on 9th September 2015 and is moving on its way to 52nd year of a long journey of growth. From being a small canalized agency, it has transformed itself into e-commerce giant in B2B sector and has the distinction of being only such company in public sector.

MSTC today is rendering its services to steel and petrochemical sectors for raw material support and seamless e-commerce services with innovative approach to various PSUs, Central Government/State Government and private sector companies. Successful e-auction of coal blocks is yet another feather in MSTC's cap and MSTC today stands taller than yesterday. It is the most preferred service provider and various Central PSUs, State Governments are engaging MSTC on nomination basis based on its strong credentials.

MSTC today is category-I Mini Ratna Public Sector schedule 'B' company under the administrative control at Ministry of Steel, Govt. of India.

Incorporated in 1964 as a small trading company with a meagre capital of Rs. 6 lakhs, in last 51 years it has grown into a large multi-product diversified company. MSTC has issued bonus shares thrice and the shareholders' value has substantially being enhanced. It has paid substantial dividends to the Government exchequer apart from direct and indirect tax.

MSTC facilitates in recycling of scrap for industrial use in terms of raw materials and thereby reduces input cost, conserve energy & natural resources and ultimately protects the environment. Thus it contributes significantly to "Swachh Bharat" Mission of the Government.

MSTC is committed to protection of environment, natural resources, uplift of the poor and under privileged class under its CSR and Sustainability Development initiatives.

Taking a leap forward, MSTC is in the process of setting up a shredding plant througha JV company with Mahindra Group. This will be one of its own kind in India and go a long way in recycling special grade steels besides substituting imports for such materials.

MSTC today on its 52nd year of glorious existence expresses its gratitude to the people of the country, the Government, the stakeholders for reposing faith in the company. We reiterate our commitment to ethical business principles, desirable governance, management capabilities, social cause, transparency and fairness in all its business activities.

MSTC has envisioned to become a numero uno in e-commerce &trade. It is poised for becoming a company promoting digital India drive, transparency and cleaner environment.

अध्यक्षीय संबोधन | CHAIRMAN'S STATEMENT

प्रिय शेयरधारकगण,

मैं कंपनी की 51वीं वार्षिक साधारण सभा में आप सभी का स्वागत करता हूँ। मैं इस सभा में 7वीं बार आपके समक्ष हूँ एवं आप के साथ, निदेशक (वाणिज्य) के रूप में, बातचीत कर खुशी हुई थी, कम्पनी के मुख्य प्रबन्ध निदेशक के रूप यह मेरी पहली सभा है, सरकार, जो वृहद शेयरधारक हैं, की ओर से एक अहम भूमिका एवं जिम्मेवारी दी गई है । मैं आप सभी को एवं अन्य शेयरधारकों को जो यहां उपस्थित नहीं है, को विश्वास दिलाना चाहता हूँ कि कोई भी प्रयास बड़ा हो या छोटा, जिसका लक्ष्य एमएसटीसी को बड़ा करने, सुदृढ़ करने एवं प्रभावशाली संगठन, सर्वश्रेष्ठ सुशासन देने का है विफल नहीं होगा ।

बोर्ड की रिपोर्ट, लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट एवं वित्तीय विवरण आपको भेजा गया है एवं मैंने भी उसे पढ़ा है। वित्तीय रिपोर्ट वर्ष हेतु विविध प्रचलित कारणों की वजह से बहुत उत्साहवर्धक नहीं है। हमलोगों ने इस वर्ष का अंत कर पश्चात लाभ के उपरान्त विगत वर्ष के रु. 9,099 लाख की तुलना में रु. 5,988 लाख प्राप्त किया है। मात्रिक दृष्टि से हमलोग 3 प्रतिशत ऊपर हैं परन्तु सामग्रियों का मूल्य गिर रहा है (सेवा प्रभार में गिरने का कारण जो मात्र के साथ सम्पर्क है) एवं ई-कामर्स क्षेत्र में सेवा प्रभार कम करने हेतु हमारे ग्राहकों के दबाव के कारण हमे कम लाभ में समझौता करने लिए विवश होना पड़ रहा है। हम लाभ में एसी कमी को मात्रा में अधिक व्यापार कर के ठीक करने की इच्छा रखते हैं एवं इस तरह वर्ष 2016-17 हेतु नीचले वित्तीय स्तर से बेहतर स्थिति में पहुँच रहे हैं। आपकी कंपनी ई-कामर्स में एक प्रमुख कम्पनी है। केन्द्रीय सरकार, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम एवं राज्य सरकार ने एमएसटीसी को नामांकन आधार पर कार्य दिया है।

एकल कम्पनी, जो भी इसकी दक्षता है, कम्पनी के उच्चतर स्तर के रुझान से रोका नहीं जा सकता है। मैं इस्पात उद्योग में दबाव को संदर्भित कर रहा हूँ जो हमारे मुख्य व्यापार के खड़े होने अर्थात छोटे इस्पात संयंत्र हेतु कच्चे सामाग्रियों का आयात संगठित करता है। हमारे ग्राहकों द्वारा आयातीत सामग्रियां मांग में वृहत एवं अभूतपूर्व गिरावट की वजह से बिना व्यवहार के पड़ी हुई हैं एवं ग्राहक हमें भुगतान करने में समर्थ नहीं है, फलस्वरूप पार्टियों के पास पर्याप्त बकाया पड़ा हुआ है। अधिकांश ग्राहक जो बड़ी कंपनियां है बकाये को कम कर हमारा सहयोग कर रही है, परन्तु इसमें समय की अपेक्षिता है। आपके निदेशक इससे बाकिफ हैं एवं इस मामले को हल करने के लिए निकटवर्ती निगरानी कर रहे हैं।

Dear Shareholders,

I welcome you all to this 51st Annual General Meeting of the Company. I am before you in this meeting for the 7th time and had the pleasure of interacting with you, as Director (Commercial), this is my first meeting as CMD of the company, a role and responsibility bestowed upon me by the Government who is the major shareholder. I assure all of you and the other stakeholders who are not present here, that no effort, big or small, shall be missed, which aims to make MSTC a bigger, stronger and an efficient organisation, keeping best governing practices in place.

The Board's Report, Auditors' Report and Financial Statements have been sent to you and I take them as read. The financial results for the year have not been very encouraging due to various extraneous reasons. We have ended the year with a Profit after Tax (PAT) of Rs. 5,988 Lakh compared to Rs. 9,099 Lakh for the previous year. In volume, we are up by 3 %, but with the commodity prices falling (leading to fall in service charge which is linked to the value) and pressure from our clients to reduce service charge in e-commerce segment have compelled us to compromise at a lower profit. We intend to make good such decline in profit by doing more business in volume and thereby reaching a decent financial bottom-line for the year 2016-17. Your company is one of the premiere companies in e-commerce. Central Government, PSUs and State Governments have given job to MSTC on nomination basis.

An individual company, whatever efficient it may be, cannot be isolated from the macro level trends of the country. I am referring to depression in the steel industry which constitute our main business vertical i.e. import of raw material for the mini steel plants. The materials imported by our customers are lying unused due to huge and unprecedented slump in demand and customers are not able to pay us, resulting to a substantial outstanding from the parties. Most of the customers, who are fairly big companies are cooperating with us to bring down the outstanding, but it would require time. Your directors are concerned about it and close monitoring is done to solve this issue.

शेयरधारकों के इश्यू आ रहे हैं, विगत वार्षिक साधारण सभा में अनुमोदित 1:1 की दर से बोनस शेयर निर्गत किये जा रहे हैं जो सराकर द्वारा अनुमोदित है एवं शेयर आवंटित एवं डिस्पैच कर दिये गये हैं। मुझे घोषणा करते हुए खुशी होती है कि इस सभा में 1:1 के अनुपात में आगे बोनस जारी करने हेतु प्रस्ताव है। एक बार यह अनुमोदित होता है तो कम्पनी की शेयर पूंजी रु. 35.2 करोड़ हो जाएगी।

डिमेटेरियलाइज (कागज रहित बनाना) का आपका अनुरोध बोर्ड द्वारा स्वीकार कर लिया गया है। इस सभा में हमारे पास डिमेटेरियलाइज सुविधा के लिए कम्पनी के आर्टिकल ऑफ एसोसिएशन में परिवर्तन का प्रस्ताव है। यद्यपि हमारी ट्रेडिंग मात्रा काफी कम है, इलेक्ट्रॉनिक ट्रेडिंग शेयरधारकों हेतु लाभकारी होगा।

मैं जानकारी देना चाहता हूँ कि संगठन एवं मानव संसाधन नीतियों के कुछ आंतरिक पुनर्गठन किये जा रहे हैं, इसका इरादा निरंतरता के आधार पर अपने ग्राहकों को बेहतर सेवा देना है। आपकी कम्पनी ने विगत वर्ष के दौरान एक भी श्रम दिवस नहीं खोया है एवं औद्योगिक संबंध सौहार्दपूर्ण किया गया है।

मेरे पूर्वाधिकारी ने श्रेडिंग संयंत्र की नई परियोजना के बारे में संदर्भित किया था। आपको जानकारी देते हुए मुझे खुशी हो रही है कि ऐसे संयंत्र, भारत में अपनी तरह का पहला है, शीघ्र ही महिन्द्रा ग्रुप के साथ 50:50 ज्वाइंट वेंचर में स्थापित किया जाएगा। मस्तिष्क में लॉजिस्टिकल लाभ को रखते हुए देश के चतुर्दिक 3 स्थानों में संग्रह केंद्रों के साथ गुजरात या महाराष्ट्र आदर्श स्थल होगा। यह मात्र देश में परित्यक्त वाहनों एवं ह्वाईट गुड्स से मूल्य प्राप्त करने में ही मदद नहीं करेगा परन्तु पर्यावरण, प्राकृतिक संसाधनों एवं मूल्यवान विदेशी विनियम को भी सुरक्षित करेगा।

आप अवगत है कि एमएसटीसी सामाजिक रूप से जागरूक कम्पनी है एवं इसने देश भर में विविध सामाजिक उत्थान परियोजनाओं को लिया है। आपकी कम्पनी सर्वश्रेष्ठ एवं स्पष्ट व्यापार प्रथा का अनुसरण करती है। निगमित निर्णयों को लेने में नैतिक एवं सामाजिक मूल्य को स्थान दिया जाता है। यह विनियमन एवं डीपीई दिशा निर्देशों के अधीन सीजी के दिशा निर्देशों के अनुपालन से अलग है।

अंततः मैं सरकार जो वृहद स्टेक रखती है एवं कम्पनी के प्रशासनिक नियंत्रक हैं, गैर सरकारी शेयरधारकों, बैंकर्स, विविध राज्य सरकार एवं अंततः कम्पनी के कर्मचारी द्वारा मुझ पर एवं मेरी टीम पर विश्वास और भरोसा करने के लिए विनम्र स्वीकृति देता हूँ।

दूर्गापूजा एवं दीपावली की शुभकामनाएं

धन्यवाद

जयहिंद!

बी॰ बी॰ सिंह

बी. बी. सिंह
अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक

कोलकाता
28 सितम्बर, 2016

Coming to the shareholder's issue, the issue of bonus sharesat the rate of 1:1, approved in the last AGM, have been approved by the Government and the shares have been allotted and dispatched.I am happy to announce that we have a proposal for further bonus issue at the ratio of 1:1 in this meeting. Once this is approved, the share capital of the company shall stand at Rs. 35.2 Crore.

Your request of dematerialisation has been accepted by the Board. In this meeting we have a proposal to alter the Articles of Association of the Company to facilitate dematerialisation. Though our trading volume is very less, electronic trading would be beneficial to the shareholders.

I would like to inform that few internal restructuring of the organisation and HR Policies are being made, all with an intention to deliver better service to our clients and thereby be in business on sustained basis. Your Company has not lost a single manday during the last year and industrial relations have been cordial.

My predecessor had referred about a new project of shredding plant. I am happy to inform you that such plant, first of this kind in India, shall soon be installed by forming a 50:50 joint venture with the Mahindra group. Keeping the logistical benefits in mind, Gujarat or Maharashtra seems to be the ideal location with collection centers at 3 locations around the country, to start with. This will not only help the country to get value from the rejected vehicles and white goods, but would also save the environment, natural resources and precious foreign exchange.

You might be aware that MSTC is a socially aware company and have taken up various social upliftment projects throughout the country. Your company follows the best and fair trade practices. Ethical and social values do find a place in taking corporate decisions. This is apart from complying with CG Guidelines under the Regulations and DPE Guidelines.

Lastly I acknowledge humbly the trust and faith reposed on me and my team by Government, who holds majority stake and is administrative controller of the Company, the non-Government shareholders, the bankers, various State Governments and lastly the employees of the Company.

Best wishes for Durga Puja and Deepavali.

Thanking you,

Jai Hind!

B. B. Singh
Chairman cum Managing Director

Kolkata
28, September 2016

बोर्ड की रिपोर्ट

सेवा में,
शेयरधारकगण,
एमएसटीसी लिमिटेड

आपके निदेशक मंडल को 31 मार्च, 2016 को समाप्त वर्ष के लिए कंपनी के कारोबार और प्रचालन से संबंधित 51वीं वार्षिक रिपोर्ट और उसके साथ लेखा परीक्षित लेखे और लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए प्रसन्नता हो रही है।

क) एजेंसी व्यवसाय

इस साल एजेंसी व्यवसाय की कुल राशि **रु. 20,67,730 लाख** है। पिछले वर्ष 2014-15 में **रु. 19,95,312** लाख थी। वर्ष 2014-15 के समानांतर वर्ष 2015-16 का ब्रेक अप नीचे दिया जा रहा है :-

व्यापार क्षेत्र	*व्यवसाय की मात्रा (रु. लाख में)*	
	2015-16	2014-15
स्क्रैप और मैंगनीज ओर आदि की बिक्री	7,86,637	7,28,350
कोयले की बिक्री	8,18,444	6,13,644
आयरन ओर	5,62,649	6,53,318
कुल (क)	**20,67,730**	**19,95,312**

ख) ई-प्रोक्योरमेंट

व्यापार क्षेत्र	*व्यवसाय की मात्रा (रु. लाख में)*	
	2015-16	2014-15
ई-प्रोक्योरमेंट (ख)	5,75,975	3,02,422
कुल (क+ख)	**26,43,705**	**22,97,734**

BOARD'S REPORT

To
The Shareholders
MSTC Limited

Directors are pleased to present the 51st Annual Report on the business and operation of the Company together with audited accounts and auditors report for the year ended 31st March 2016.

A) AGENCY BUSINESS

This year the total volume of Agency Business stands at ₹ 20,67,730 Lakh against ₹ 19,95,312 Lakh in 2014-15. Break-up for the year 2015-16 vis-à-vis 2014-15 is as follows :

Business Segment	*Volume of Business (₹ in Lakh)*	
	2015-16	2014-15
Sale of Scrap & Manganese Ore etc.	7,86,637	7,28,350
Sale of Coal	8,18,444	6,13,644
Iron ore	4,62,649	6,53,318
Total (A) :	**20,67,730**	**19,95,312**

B) e- PROCUREMENT

Business Segment	*Volume of Business (₹ in Lakh)*	
	2015-16	2014-15
e-Procurement (B)	5,75,975	3,02,422
Total (A+B)	**26,43,705**	**22,97,734**

अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक श्री बी. बी. सिंह, निदेशक (वित्त) श्री ए. के. बासु तथा अन्य कर्मचारीगण स्वच्छ भारत अभियान के दौरान परिलक्षित
Shri B. B. Singh, CMD, Shri A. K. Basu, Director(Finance) and other employees during Swachh Bharat Abhiyan

ग) व्यापार

वर्ष 2014-15 में रु. 6,94,521 लाख की तुलना में इस वर्ष व्यापार प्रभाग के व्यवसाय की कुल मात्रा रु. 4,38,223 लाख है। वर्ष 2015-16 के साथ वर्ष 2014-15 का ब्रेक अप नीचे दिया गया है :

व्यापार क्षेत्र	*व्यवसाय की मात्रा (रु. लाख में)*	
	2015-16	**2014-15**
निम्नोक्त सामग्री का प्रोक्योरमेंट		
आयातित सामग्रियाँ	1,35,027	1,60,334
स्वदेशी सामग्रियाँ	3,03,196	5,34,187
कुल (ग)	**4,38,223**	**6,94,521**
महायोग (क+ख+ग)	**30,81,928**	**29,92,255**

कंपनी की वित्तीय खास बातें

पिछले वर्ष के रु. 9,099 लाख का लाभ की तुलना में करोपरांत लाभ रु. 5,988 लाख दर्ज किया गया है।

वर्ष 2015-16 एवं 2014-15 के लिए कंपनी के वित्तीय परिणाम नीचे दिए जा रहे हैं :-

(रु. लाख में)

	2015-16	**2014-15**
व्यवसाय की मात्रा	30,81,928	29,92,255
कर पूर्व लाभ (हानि)	9,134	13,147
कर	3,146	4,408
करोपरांत लाभ	5,988	9,099
प्रदत्त पूंजी (इक्विटी)	880	880
आरक्षित	72,368	68,543
लाभांश (%)	102.5	207
प्रति शेयर आय (रु.) *(अंकित मूल्य रु. 10/-)*	68	103
प्रति कर्मचारी पीबीटी	28.19	42.86

लाभांश

निदेशकों ने 31 मार्च, 2016 को समाप्त वर्ष के लिए 102.5% की दर से लाभांश का अनुमोदन किया है। जिन शेयरधारकों के नाम वार्षिक आम सभा के दिनांक में सदस्य रेजिस्टर में दर्ज रहेंगे सिर्फ उन्हें ही लाभांश का भुगतान किया जाएगा।

आरक्षित निधि

31 मार्च, 2015 को कंपनी की सामान्य आरक्षित निधि रु. 68,543 लाख थी। वर्ष के दौरान रु. 3,825 लाख लाभ एवं हानि खाते से सामान्य आरक्षित खाते में अंतरण किया गया है। वर्ष 2015-16 के लिए लाभांश एवं लाभांश वितरण कर विचार किए जाने के उपरांत 31 मार्च, 2016 को सामान्य आरक्षित निधि रु. 72,368 लाख है।

C) TRADING

The performance of Trading Division shows a total volume of business of ₹ 4,38,223 Lakh, against ₹ 6,94,521 Lakh in 2014-15. Break-up for the year 2015-16 vis-à-vis 2014-15 is as follows :

Business Segment	***Volume of Business (₹ in Lakh)***	
	2015-16	**2014-15**
Procurement of:		
Imported materials	1,35,027	1,60,334
Indigenous materials	3,03,196	5,34,187
Total: (C)	**4,38,223**	**6,94,521**
Grand Total (A+B+C)	**30,81,928**	**29,92,255**

FINANCIAL HIGHLIGHTS OF THE COMPANY

Profit after tax stands at ₹ 5,988 Lakh as against a profit of ₹ 9,099 Lakh last year.

Financial results of the company for the year 2015-16 and 2014-15 are given below : -

(₹ in Lakh)

	2015-16	**2014-15**
Volume of Business	30,81,928	29,92,255
Profit (Loss) before tax	9,134	13,147
Tax	3,146	4,408
Profit after tax	5,988	9,099
Paid up capital (Equity)	880	880
Reserves	72,368	68,543
Dividend (%)	102.5	207
Earning per share (₹) *(Face value ₹ 10/-)*	68	103
PBT Per Employee	28.19	42.86

DIVIDEND

The Directors have recommended a dividend of @ 102.5% for the year ended 31st March, 2016. Dividend shall be paid to the shareholders whose names will appear in the register of the members on as on the date of AGM.

RESERVES

General Reserves of the Company stood at ₹ 68,543 Lakh as on 31st March, 2015. During the year ₹ 3,825 Lakh have been transferred to General Reserve from Profit & Loss Account. After considering Dividend and Dividend Distribution tax for 2015-16 the General Reserves stand at ₹ 72,368 Lakh as on 31st March 2016.

श्री बी. बी. सिंह, सीएमडी, मेटल मंडी पर कार्यशाला करते हुए
Sri B. B. Singh, CMD speaking at workshop on Metal Mandi

वार्षिक विवरणी का निष्कर्ष

कंपनी (प्रबंधन एवं प्रशासन) नियम 2014 के नियम 12(I) तथा धारा 134(3)(ए), वित्त वर्ष 2015-16 के लिए एमजीटी-9 प्रारूप में वार्षिक प्रतिवेदन का निष्कर्ष इस प्रतिवेदन के साथ निर्धारित प्रारूप में परिशिष्ट V के रूप में संलग्न किया गया है।

सिस्टम प्रभाग

एमएसटीसी की आईटी संरचना देश में अत्यधिक आधुनिक और ई-कॉमर्स व्यवसाय को सुरक्षित और पारदर्शी तरीके से करने में सक्षम है।

एमएसटीसी का आईटी विभाग नवीनतम शक्तिशाली आईबीएम पावर सीरिज 740 सर्वर से सुसज्जित है, यह अधिक भार वहन करने की क्षमता रखता है और हजारों समवर्ती उपयोगकर्त्ता को सेवा प्रदान कर सकता है। यह सर्वर ऊर्जा के स्तर पर काफी सक्षम है, जिससे ऊर्जा की बचत होगी।

कोलकाता डाटा सेंटर के तर्ज पर समान रूप से मुंबई डिजास्टर रिकवरी साईट की भी स्थापना की गई है।

एमएसटीसी सूचना सुरक्षा के प्रति सचेत है। अधिकतम सुरक्षा प्राप्त करने के लिए फायरवाल, इंस्ट्रूशन प्रिवेंशन सिस्टम (आईपीएस), मैनेज्ड डिस्ट्रिब्यूटेड डिनायल ऑफ सर्विस (एमएमडीओएस) आदि की स्थापना करके सुरक्षा में कोई कमी नहीं रखी है।

एसएसएल एन्क्रिप्शन

एसएसएल (सिक्योर सॉकेट लेयर) वेब सर्वर एवं ब्राउजर के बीच एक गूढ़ संबंध स्थापित करने के लिए एक मानक सुरक्षा तकनीक है। यह लिंक वेब सर्वर एवं ब्राउजरों के बीच आदान-प्रदान होने वाले सभी आंकड़ों को असार्वजनिक एवं मौलिक रखने की सुनिश्चितता प्रदान करती है। हमने हमारे वेब सर्वर में 256-बिट एसएसएल लागू किया है।

सभी नेटवर्क उपकरणों मसलन, राउटर्स एवं स्वीच सिस्को से हैं और यह आईपीवी6 में जाने के लिए पूर्णतः तैयार है। सुरक्षा यंत्र जैसे फायरवाल एवं आईपीएस अनाधिकृत अनुचित हस्तक्षेप को रोकने के लिए लगाया गया है।

EXTRACT OF ANNUAL RETURN

In compliance of section 134(3)(a), and Rule 12(1) of the Company's (Management and Administrative) Rules 2014, extract of Annual Report is format MGT-9 for the financial year 2015-16 has been enclosed with this report as Annexure V in the prescribed format.

SYSTEMS

MSTC's IT infrastructure is by far the most sophisticated in the country to take up ecommerce services in a secure and transparent manner.

MSTC's IT Department is equipped with the latest powerful IBM Power Series 740 Servers having robust processing power and can serve thousands of concurrent users. The servers are highly energy efficient leading to saving of power.

Mumbai Disaster Recovery site is also having a similar set up as in Kolkata Data Center.

MSTC is concerned with information security issues and has left no stone unturned to achieve maximum security by installing Firewall, Intrusion Prevention System (IPS), Managed Distributed Denial of Service (MDDOS), etc.

SSL ENCRYPTION :

SSL (**Secure Sockets Layer**) is the standard security technology for establishing an **encrypted** link between a web server and a browser. This link ensures that all data passed between the web server and browsers remain private and integral. We have implemented 256-bit SSL in our web server.

All network equipment like routers, switches are from CISCO and are totally ready for IPV6 migration. Security Appliances like Firewalls, IPS are in place to prevent unauthorized intrusion with latest signatures.

पीरिऑडिकल अप्लिकेशन सिक्यूरिटी टेस्टिंग एसटीक्यूसी, भारत सरकार के एक विभाग, द्वारा संचालित किया जाता है। एमएसटीसी एसटीक्यूसी द्वारा अतिक्रमण एवं जोखिम तथा प्रदर्शन जांच के जरिए सुरक्षा सुनिश्चित करता है।

एमएसटीसी अपना व्यवसायिक परिचालन पूर्ण समर्पित 100 एमबीपीएस आईएलएल के जरिए करती है एवं विभिन्न प्रदाता से गृहित एक अतिरिक्त आईएलएल कनेक्टिविटी भी है। एमएसटीसी ने अपने क्षेत्रों एवं शाखाओं को वीपीएन के जरिए जोड़ दिया है। इसने केन्द्रीय आंतरिक एप्लिकेशनों को अतिरिक्त सक्षमता प्रदान किया जिससे सबके द्वारा ज्यादा सुरक्षित तरीके से इस्तेमाल होगा। यूजर्स सिस्टम को बाहरी स्पैन एवं वायरस से सुरक्षा प्रदान करने के लिए एक यूटीएम की स्थापना की गई है।

एमएसटीसी के ई-कॉमर्स को सीएमएमआई लेवल-3 के रूप में भी अभिप्रमाणित किया गया है एवं प्रशंसा प्राप्त हुई है। वर्तमान सीएमएम लेवल 3 से सीएमएम लेवल 5 हासिल करने के लिए सीएमएमआई डीईवी हाई मैच्यूरिटी प्रोसेस का होल्डिंग एवं प्रशिक्षण, अवधारणा एवं अधिकारियों को उसका कार्यान्वयन 11 दिसम्बर, 2015 से आरंभ किया गया है एवं 27 जनवरी, 2016 को पूरा किया गया।

एमएसटीसी सर्वर कोलकाता में वर्ष भर अनवरत कार्यशील है। सिस्टम विभाग वृत्तिक योग्यता से सुसज्जित है, जो कि लगातार अपने ज्ञान को अद्यतन तकनीक के साथ उन्नत करते रहते हैं।

एमएसटीसी का सिस्टम विभाग एसटीक्यूसी द्वारा आईएसओ 27001:2013 से प्रमाणित है।

एमएसटीसी का ई-कॉमर्स विभाग भी आईएसओ 9001:2008 गुणवत्ता से प्रमाणित है।

एमएसटीसी सिस्टम विभाग ने वर्ष 2015-16 में निम्नांकित मेजर मॉड्यूल्स को इन-हाउस विकसित एवं लागू किया है।

क) खदान मंत्रालय (एमओएम) की ओर से माइनिंग लीज एवं कम्पोजिट लाइसेंस हेतु दो-स्तरीय ई-ऑक्शन प्रणाली (पहले आईपीओ-प्रारम्भिक मूल्य प्रस्ताव के साथ तकनीकी बोली, तब फारवर्ड ई-ऑक्शन)

ख) विद्युत मंत्रालय (एमओपी) की ओर से लघु अवधि विद्युत क्रय समझौता हेतु दो-स्तरीय ई ऑक्शन प्रणाली (पहले आईपीओ के साथ तकनीकी बोली, तब मूल्य एवं परिमाण रिवर्स ई-ऑक्शन)

ग) विद्युत मंत्रालय की ओर से दीन दयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना हेतु दो-स्तरीय ई-बोली प्रणाली (पहले आईपीओ के साथ तकनीकी बोली, तब मूल्य एवं परिमाण रिवर्स ई-ऑक्शन)। आरएलएनजी रिवर्स ऑक्शन में बीडर्स को निगेटिव बीडिग की अनुमति थी, परिणाम स्वरूप भारत सरकार को विद्युत प्रणाली विकास निधि (पीएसडीएफ) में रु. 1400 करोड़ की सब्सिडी चुकता करने के बजाय 18 करोड़ राजस्व संग्रह हुआ।

ड) एनटीपीसी एवं डीवीसी के लिए बोली लगाने की बुक बिल्डिंग विधि के जरिए फ्लाई ऐश की बिक्री।

घ) वर्ष के दौरान, एमएसटीसी के सिस्टम विभाग ने प्राइम आयटम यथा मैंगनीज अयस्क जहाँ मूल्य एवं परिमाण बीडिंग आवश्यक है हेतु एंड्राइड एवं अन्य मोबाइल उपयोगकर्ता के जरिए मोबाइल बिडिंग प्रणाली विकसित किया है। उक्त प्रणाली को 9 फरवरी, 2016 को लाइव सर्वर में कार्यान्वित किया

Periodical Application Security Testing is conducted by STQC, a Govt. of India Department. MSTC ensures security through periodical penetration and vulnerability & performance testing by STQC.

MSTC conducts its business through a dedicated 100 Mbps ILL and has also a standby ILL connectivity taken from a different provider. MSTC has connected its regions and branches through VPN which enabled the centralized internal applications to be used by all in a more secured manner. Moreover an UTM has been installed for protecting the users systems from outside spams and viruses.

MSTC has developed an in-house complete e-Procurement solution. General Financial Rules, CVC guidelines, IT Act 2000 and its Amendment of 2008 have been adhered to in this e-Procurement Application and the said service has been certified by STQC.

MSTC e-Commerce has been appraised upto CMMI Level-3 Dev. For achieving CMMI Level 5 from existing CMMI Level 3, training and holding of CMMI DEV High Maturity Process, Concept and their implementation to officers started from 11th December, 2015 and completed on 27th January, 2016.

MSTC server in Kolkata is manned round-the-clock throughout the year. The Systems dept. is well equipped with qualified professionals whose skills are continuously upgraded with training on latest technology.

MSTC's System Department is ISO 27001:2013 certified from STQC.

MSTC e-commerce division is also ISO 9001:2008 Quality certified.

MSTC System department have developed in-house & implemented the following major modules in 2015-16:

a) Two-stage e-Auction System (Technical Bid with IPO-Initial Price Offer first, then Forward e-Auction) for Mining Lease & Composite License on behalf of Ministry of Mines(MOM)

b) Two-stage e-Auction System (Technical Bid with IPO first, then Price & quantity Reverse e-Auction) for Short Terms Power Purchase Agreement on behalf of Ministry of Power (MOP)

c) Two-stage e-Bidding System(Technical Bid with IPO first, then Price & Quantity Reverse e-Auction) for Deen-Dayal-Upadhyaya Gram JyotiYojana on behalf of Ministry of Power(MOPd). Negative bidding were allowed to bidders in RLNG reverse auction resulting revenue collection of INR 18 Crore to Government of India instead of disbursing INR 1400 Crore subsidy as Power System Development Fund(PSDF).

d) Sale of Fly Ash through Book Building Method of Bidding for NTPC & DVC.

e) During the year, MSTC's system Department have developed Mobile Bidding System through Android and other Mobile phone users for prime item like Manganese Ore where price and quantity bidding is necessary. The same system has been implemented in the Live Server on 9th February 2016.

गया है।

मानव संसाधन विकास (मा.स.वि)

एमएसटीसी लिमिटेड ने हमेशा अपनी श्रमशक्ति को अत्यंत महत्त्वपूर्ण संसाधन माना है। संगठन से सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों की संख्या में वृद्धि होने के कारण कंपनी ने कार्यपालक एवं कनिष्ठ कम्प्यूटर सहायक कैडर दोनों के प्रवेश स्तर पर भर्ती अभियान चलाया है। वर्ष के दौरान कुल 44 कर्मचारियों की हमारी कम्पनी में सीधे भर्ती के जरिए नियुक्त किया गया हैं।

मानव उन्मुखी कंपनी होने के नाते, मासवि के लिए कर्मचारियों के प्रशिक्षण को हमेशा प्रमुख वरीयता दी गई है। मानव संसाधान विभाग ने कार्यपालकों के प्रशिक्षण पर बल दिया है एवं कंपनी के लिए अहम भूमिका निभाने के लिए उन्हें सक्षम बनाया है। इस प्रयास के तहत कंपनी ने भविष्य के लिए मार्ग प्रशस्त करने के मद्देनजर अधिकारी वर्ग हेतु भविष्य की आगामी योजना तैयार करने के लिए अध्ययन कार्य भी सम्पन्न किया है। कंपनी ने विभिन्न विषयों में 63 कार्यपालकों को प्रशिक्षित किया है। 63 व्यक्तियों में से 13 व्यक्तियों को वरिष्ठ प्रबंधन विकास कार्यक्रम तथा 23 व्यक्तियों को कौशल विकास से संबंधित आईटी/ई-कॉमर्स में प्रशिक्षित किया है। वर्ष 2015-16 के लिए मा.सं. का एमओयू लक्ष्य भी सफलतापूर्वक हासिल कर लिया गया।

कमजोर वर्गों का कल्याण

कंपनी अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग/शारीरिक रूप से विकलांग उम्मीदवारों के लिए समय-समय पर राष्ट्रपति की ओर से जारी सरकारी नीतियां और प्रक्रिया की घोषणा आरक्षण, छूट, रियायत इत्यादि के संबंध में की जाती है, उसका विधिवत पालन होता है। कमजोर वर्गों की नियुक्ति एवं पदोन्नति के मामले में निर्देशों का पालन किया गया है। वर्ष के दौरान गठित सभी विभागीय पदोन्नति कमिटियों एवं चयन कमिटियों (नियुक्ति के मामले में) में एससी/एसटी समुदाय का प्रतिनिधित्व था। वर्ष भर के दौरान नियुक्ति मे 10 ओबीसी, 2 एसटी एवं 3 एसटी व्यक्तियों को लिया गया; 1 पीडब्ल्यूडी (वीएच) व्यक्ति को भी शामिल किया गया। वर्ष के दौरान कंपनी के 3 एससी, 3 एसटी एवं 16 ओबीसी कर्मचारियों को आंतरिक एवं संस्थानिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों दोनों के लिए प्रायोजित किया गया था, जिनमें से 1 कर्मचारी पीडब्ल्यूडी (वीएम) एवं 2 कर्मचारी अल्पसंख्यक से थे। इसके साथ ही एमएसटीसी एससी/एसटी इम्पलाइज काउंसिल, जिसका प्राथमिक कार्य इस कंपनी के इस वर्ग के कर्मचारियों के हित की रक्षा करना है, को भी सभी तरह का सहयोग और सहायता दी गई।

ऑनलाइन कार्य निष्पादन मूल्यांकन प्रणाली

कार्यनिष्पादन के मूल्यांकन एवं प्रबंधन प्रणाली में पारदर्शिता एवं तत्परता लाने के लिए कंपनी ने कार्यपालक से डीजीएम स्तर तक के लिए अपनी ऑनलाइन कार्यनिष्पादन मूल्यांकन प्रणाली का शुभारम्भ किया है।

नारी सशक्तिकरण

एमएसटीसी फोरम ऑफ वुमेन इन पब्लिक सेक्टर (डब्ल्यूआईपीएस) का आजीवन नैगमिक सदस्य है। वर्ष के दौरान, डब्ल्यूआईपीएस द्वारा आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए कई महिला कर्मचारियों को नामित किया गया था। इसके अलावा, हमारे एक कार्यपालिका डब्ल्यूआईपीएस की अध्यक्षा, पूर्वी

HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (HRD)

MSTC Limited has always considered its human resource as the most important resource. With the increase in volume of business and employees retiring from the Company, recruitment has been undertaken at the entry level of both executive cadre and Junior Computer Assistant posts. Total of 44 employees have joined our company through direct recruitment during the year.

Since we are a people oriented company, development of employees through training has been an important area of HR activities. Emphasis was laid on competency building of employees for higher roles in the Company. The company has trained 63 executives in various topics for capability enhancement and skill development. Out of 63, 13 persons were trained in Senior Management Development Program and 23 persons were trained in Skill Development relating IT/ e-commerce. The MOU targets for HR for the year 2015-16 were successfully achieved.

WELFARE OF WEAKER SECTIONS :

The Presidential Directives issued from time to time in regard to reservation, relaxation, concession, etc. for the SC/ST/OBC/ PWD candidates pertaining to the policies and procedures of the Government were duly observed. The directives in matters concerning recruitment and promotion regarding the weaker sections have been duly complied with. All Departmental Promotion Committees and Selection Committees (in case of recruitment) constituted during the year had representatives of SC/ST community. Out of 44 no of persons recruited during the year, 10 OBC, 2 SC and 3 ST persons were taken, of which 1 belong to PWD (HH). During the year, 3 SC, 3 ST and 16 OBC employees of the Company, were sponsored for training programmes, both In-house and Institutional training programmes, out of which 1 employee was PWD (VH) and 2 employees were from minority. In addition, all possible cooperation and assistance was provided to the MSTC SC/ ST Employees' Council, which function primarily to safeguard the interest of the reserved section of employees of the Company.

ONLINE PERFORMANCE APPRAISAL SYSTEM :

The Company has launched its Online Performance Appraisal System for executives up to DGM level for bringing transparency and promptness to the systems of Performance Evaluation and Management.

EMPOWERMENT OF WOMEN :

MSTC is a Corporate Life Member of Forum of Women in Public Sector (WIPS). During the year, several women employees were nominated in the programmes organized by WIPS. Besides, one of our executives is actively involved as the President, ER of WIPS. Internal Complaints Committees constituted in all the offices of MSTC have been functioning successfully. Periodical meetings and Complaint redressal,

क्षेत्र के रूप में पूरी सक्रियता के साथ शामिल है। एमएसटीसी के सभी कार्यालयों में आंतरिक शिकायत कमिटी का गठन किया गया है जो सफलतापूर्वक काम करती है। सावधिक बैठक के अलावा कमिटियों द्वारा शिकायत निवारण, जागरूकता कार्यक्रमों इत्यादि का भी परिचालन किया जाता है।

कार्यस्थल पर महिला के साथ यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध एवं निवारण) अधिनियम, 2013 की धारा 22 के अंतर्गत प्रकटीकरण

एमएसटीसी ने कार्यस्थल पर महिला कर्मचारियों के यौन उत्पीड़न की रोक-थाम एवं सुधार हेतु यांत्रिकी तैयार किया है। कार्यस्थल पर महिला के साथ यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध एवं निवारण) अधिनियम, 2013 की जरूरतों

awareness programs, etc. are also duly conducted by the Committees.

Disclosure under section 22 of the Sexual Harassment of Women at Workplace (Prevention, Prohibition and Redressal) Act, 2013.

MSTC has in place a mechanism for prevention and redressal of sexual harassment of women employees at the workplace in accordance with the Sexual Harassment of Women at Workplace (Prevention, Prohibition and Redressal) Act, 2013. Internal Complaints Committees (ICCs) have been set up in

(मा.स.प्र विभाग)

(HRM DEPARTMENT)

दिनांक 31.03.2016 की स्थिति के अनुसार एमएसटीसी की जनशक्ति

MANPOWER STATISTICS OF MSTC AS ON 31-03-2016

	एचओ HO	ईआरओ ERO	एनआरओ NRO/ JAIP	डब्ल्यूआरओ WRO	एसआरओ SRO	बैंगलोर BLR/ TRVN	वाइजैग VIZ	भोपाल BHPL	बड़ौदा VADO DARA	हैदराबाद HYD	भुवनेश्वर BHUB	लखनऊ LKNO	कुल TOTAL	1.4.15 को कुल TOTAL AS ON 1.4.14
कार्यपालक/EX	78	12	24	18	9	15	10	3	10	5	1	2	187	170
गैर-कार्यपालक/ NEX	45	13	18	15	11	9	12	3	8	2	0	1	137	137

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग/शारीरिक रूप से विकलांग/भूतपूर्व सैनिक (31.03.2016 की स्थिति)

SC/ST/OBC/PHYSICALLY HANDICAPPED/EX-SERVICEMEN STATUS AS ON 31-03-2016

ग्रुप **GROUP**	कुल **TOTAL**	एससी (%) **SC (%)**	एसटी (%) **ST (%)**	ओबीसी (%) **OBC (%)**	शारीरिक विकलांग (%) **PHYSICALLY HANDICAPPED (%)**
अ/A	187	26(13.90)	13(6.95)	43(22.99)	4(2.13)
ब/B	31	8(25.80)	1(3.22)	शून्य/NIL	2(6.45)
स/C	96	18(18.75)	4(4.16)	19(19.79)	3(3.12)
द/D	10	4(40.00)	1(10.00)	शून्य/NIL	शून्य/NIL
कुल/TOTAL	**324**	**56(17.28)**	**19(5.86)**	**62(19.13)**	**9(2.77)**

31.03.2016 को पुरुष/महिला की स्थिति / MALE/FEMALE AS ON 31-03-2016

	पुरुष / MALE	महिला / FEMALE	कुल / TOTAL
कार्यपालक / EX	151	36	187
गैर-कार्यपालक / NEX	115	22	137
कुल / TOTAL	266	58	324

के अनुसार उसके तर्ज पर कंपनी ने यौन उत्पीड़न विरोधी नीति तैयार की है। कम्पनी की सभी महिला कर्मचारियों को आवश्यक सहायता देने एवं शिकायतें, यदि कोई है, के निपटाने हेतु कम्पनी के सभी कार्यालयों में आंतरिक शिकायत कमिटी (आईसीसी) की स्थापना की गई है। इस नीति के दायरे में सभी कर्मचारी (स्थाई, अनुबंध, अस्थाई, प्रशिक्षु) आते हैं।

प्रत्येक कैलेंडर वर्ष के दौरान प्राप्त एवं निवारण की जा चुकी यौन उत्पीड़न शिकायतों का संक्षिप्त ब्यौरा नीचे उल्लेखित है।

* प्राप्त शिकायतों की सं.:1 (31.03.2016 को प्राप्त)

* निवारण की गई शिकायतों की सं.: शून्य

लोक शिकायत निवारण तंत्र

एमएसटीसी का अपने प्रत्येक कार्यालय में जन साधारण शिकायत निवारण प्रकोष्ठ है। प्रत्येक प्रकोष्ठ में तीन कार्यपालक शामिल है। संगठन के प्रधान कार्यालय, क्षेत्रों एवं शाखाओं में कुल आठ (08) प्रकोष्ठ है।

एमएसटीसी ने जन साधारण की शिकायतों की प्राप्ति एवं निपटान हेतु

all the offices of the Company for rendering necessary assistance to and dealing with complaints, if any, of all the women employees of the Company. All employees (permanent, outsourced, trainees etc.) are covered under this policy.

The following is a summary of sexual harassment complaints received and disposed off during each calendar year.

* No of complaints received : 1 (received on 31.03.2016)

* No of complaints disposed off : Nil

GRIEVANCE REDRESSAL MECHANISM

MSTC has Public Grievance Redressal cell in its each office. Each cell consists of three executives. There are total eight (08) cells in Head office, regions and branches of the organisation. MSTC has also implemented Centralized Public Grievance Redress and Monitoring System(CPGRAMS) for online receipt and disposal of public grievances, so that

रायपुर कार्यालय के उद्घाटन पर एमएसटीसी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री बी. बी. सिंह और निदेशक (वित्त) श्री ए. के. बसु
CMD MSTC, Shri B. B. Singh and Shri A. K. Basu, Director (Finance) at the inauguration of Raipur Office

केन्द्रीयकृत लोक शिकायत निवारण एवं निगरानी प्रणाली (सीपीजीआरएएमएस) कार्यान्वित किया है ताकि शिकायतों का यथाशीघ्र निपटान किया जा सके एवं मामलों के समाधान कार्यवाई की जा सके। बाह्य एवं संगठन के कर्मचारी से प्राप्त शिकायत निवारण हेतु कार्रवाई की गई है। शिकायतो की स्थिति के पुनर्विचार हेतु सामयिक बैठक आयोजित की जाती है। लोक शिकायत निवारण हेतु मासिक एवं त्रैमासिक रिपोर्ट प्रशासनिक मंत्रालय को भेजा जाता है।

वर्तमान तंत्र संतोषजनक रूप से कार्य कर रहा है। कर्मचारियों की शिकायतों का विभागीय एवं क्षेत्रीय/शाखों के प्रधान द्वारा भी ध्यान दिया जाता है। इसके अलावा, मानव संसाधन विभाग कार्यालय के रोज-ब-रोज परिचालन में कर्मचारियों से प्राप्त औपचारिक/अनौपचारिक शिकायतों का विभाग के प्रधान एवं कर्मचारी यूनियन, जो भी आवश्यक हो, के परामर्श में शामिल होता है। संगठन सेवाओं का सक्रिय प्रकटीकरण करता है तथा ग्रहकों एवं सामान्य लोगों एवं संगठन के लोक शिकायत अथॉरिटी सम्बद्ध विवरण प्रदान करता है।

वर्ष 2015-16 में 15 शिकायतें पंजीकृत की गई एवं वर्ष के दौरान सभी का निपटान कर दिया गया।

दिनांक 01.04.15 से 31.03.16 तक की अवधि के लिए सार्वजनिक शिकायतों का ब्यौरा

01.04.15 को शेष बची हुई शिकायतें	2015-16 में पंजीकृत शिकायतें	2015-16 में निपटान की गई शिकायतें	01.04.16 को शेष बची हुई शिकायतें
5	**15**	**15**	**शून्य**

सूचना अधिकार अधिनियम 2005

एमएसटीसी ने एक अपील प्राधिकारी, मुख्य सावर्जनिक सूचना अधिकारी (सीपीआईओ) को प्रधान कार्यालय में नामित किया है। प्रत्येक क्षेत्रीय/शाखा कर्यालय में भी एक पीआईओ और एक एपीआईओ आरटीआई के तहत प्राप्त आवेदनों के प्रभावशाली-निष्पादन के लिए नामित किया गया है। सूचना अधिकार अधिनियम 2005 के तहत प्राप्त आवेदन सूचना अधिकार अधिनियम 2005 के प्रावधान के अनुकूल निपटाए गए हैं। सभी तिमाही रिपोर्ट को ऑनलाईन प्रस्तुत किया गया। 1 अप्रैल 2015 से 31 मार्च 2016 के दौरान कुल 86 आवेदन एवं 3 पहला अनुरोध को प्राप्त किया गया और सभी का निपटान कर दिया गया। ऑनलाइन आरटीआई आवेदन पंजीयन सुविधा विकसित किया गया है। आरटीआई आवेदन आरटीआई वेब पोर्टल **https://rtionline.gov** के जरिए प्राप्त किये जाते एवं निपटान किये जाते हैं। ऑफलाइन एवं ऑनलाइन के जरिए प्राप्त आरटीआई आवेदन एवं अपील को शीघ्रता से संसाधित किया जाता है।

राजभाषा

राजभाषा त्रिमास का उद्घाटन 16 सितम्बर, 2015 को किया गया था। इस अवधि के दौरान हिंदी प्रतियोगिताएं और कार्यशालाओं का आयोजन प्रधान कार्यालय तथा क्षेत्रीय एवं शाखा कार्यालयों में किया गया। कुल 17 अधिकारीगण/कर्मचारीगण को हिंदी प्रतियोगिताओं एवं हिंदी परीक्षाओं में उत्तीर्ण होने के लिए पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कुल 14 अधिकारियों/कर्मचारियों को हिंदी शिक्षण योजना, राजभाषा विभाग, भारत सरकार द्वारा संचालित हिंदी परीक्षाओं के लिए नामित किया गया। तिमाही रिपोर्ट एवं वार्षिक रिपोर्ट मंत्रालय को भेजी गई। हिन्दी रिपोर्ट ऑन-लाइन भी जमा की जा रही है। नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (टीओएलआईसी) की बैठकों में नियमित रूप से उपस्थिति दर्ज की गई है।

grievance can be sorted out immediately and to take action to solve the cases. Action is taken to address and redress grievances received from outside and from staff of the organisation. Periodical meeting is held for review of the status of grievances. Monthly and quarterly reports for Public Grievance Redressal are sent to the Administrative Ministry.

Existing mechanism is working satisfactorily. Grievances from the employees are also taken care by the HOD's and Region/Branch Managers. Moreover, the HR Dept. attends to various formal/informal grievances received from the employees in day to day running of the office in consultation with the HOD's & Staff Unions, wherever necessary. The organisation makes proactive disclosure of services it provides to the clients and common man and contact details of public grievance authority of the organisation.

During 2015-16, 15(fifteen) grievances are registered and all have been redressed.

Statement of Public Grievances for the period of 01.04.15 to 31.03.16

Grievances outstanding as on 01.04.15	Grievances registered in 2015-16	Grievances redressed in 2015-16	Grievances outstanding as on 01.04.16
5	**15**	**15**	**Nil**

RIGHT TO INFORMATION ACT 2005

MSTC has nominated an Appellate Authority, a CPIO and a Nodal officer in Head office. Every region/branch has a PIO and an APIO as well for effectively processing the RTI applications received at various locations of the Company. Provisions of Right to Information Act 2005 have been duly complied for processing the applications/requests received under RTI Act 2005. All the quarterly reports have been submitted on-line. During 1st April 2015 to 31st March 2016, total 86 applications and 3 first appeals have been received and all have been disposed of. Online RTI application registration facility has been developed. RTI application can be received and disposed of through RTI web portal namely **https://rtionline.gov.in** RTI Applications and Appeals received Offline and Online are processed expeditiously.

OFFICIAL LANGUAGE

Rajbhasha Trimas was inaugurated on 16 September 2015. During this period, Hindi competitions and Hindi workshops were organized in Head office and in regional and branch offices. Total 17 officers/employees were awarded prizes for winning in Hindi competitions and for passing Hindi examinations. Total 14 employees were nominated for the Hindi examinations conducted by Hindi Teaching Scheme, Official Language Dept., Government of India, during the year. Quarterly reports and Annual Report were sent to the Ministry. Hindi reports are being submitted on-line also. TOLIC meetings were attended regularly.

OLIC meeting of Ministry of Steel held during the year was attended. OLIC meetings were arranged in the office. As per the Official Language Act, inspection was done in Head Office

वर्ष के दौरान आयोजित इस्पात मंत्रालय की राजभाषा कार्यान्वयन कमिटी (ओएलआईसी) बैठक में शामिल हुए। ओएलआईसी की बैठक की व्यवस्था कार्यालय में भी की गई। राजभाषा अधिनियम के अनुसार प्रधान कार्यालय, क्षेत्रीय कार्यालय एवं शाखा कार्यालयों में निरीक्षण किया गया था। मंत्रालय द्वारा निरीक्षण के समय सभी कागजात उपलब्ध कराए गए। 24 अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रोत्साहन प्रदान किया गया था।

एमएसटीसी, प्रधान कार्यालय ने शाखा कार्यालय (बदोदरा), एनआरओ (नई दिल्ली) में निरीक्षण किया है। राजभाषा की संसदीय कमिटी ने 08.10.2015 को बदोदरा शाखा का निरीक्षण किया। राजभाषा कार्यान्वयन हेतु निगरानी की गई। समय-समय पर राजभाषा अधिनियम 1963 की धारा 3(3) के कार्यान्वयन के लिए परिपत्र जारी किए गए। प्रधान कार्यालय के विभागों तथा पूर्वी क्षेत्रीय कार्यालय का निरीक्षण किया गया था।

राजाभाषा विभाग के आईएसओ 9001:2008 प्रमाण-पत्र का नवीकरण किया गया।

प्रधान कार्यालय एवं क्षेत्रीय और शाखा कार्यालयों के कम्प्यूटरों में यूनिकोड स्थापित किया गया।

राजभाषा अधिनियम की धारा 3(3) के अधीन जारी कागजातों को हिंदी में अनुवाद किया गया। आवश्यकतानुसार अंग्रेजी से हिंदी एवं हिंदी से अंग्रेजी अनुवाद उपलब्ध कराया जाता है। वार्षिक प्रतिवेदन तथा एमओयू का हिंदी संस्करण भी प्रस्तुत किया गया। राजभाषा अधिनियम का अनुपालन किया गया। इस्पात मंत्रालय एवं इसकी हिंदी सलाहकार समिति में राजभाषा अधिनियम के कार्यान्वयन के संबंध में अपने दिशा-निर्देश हमेशा प्रदान किए।

सतर्कता

एमएसटीसी सर्तकता विभाग का लक्ष्य स्पष्टता, ईमानदारी और कार्यकुशलता को सुनिश्चित करना है ताकि कम्पनी के सभी कार्यकलापों के कार्य पद्धति में पारदर्शिता एवं विश्वसनीयता बनी रहे। इसकी स्थापना भ्रष्टाचार अभ्यास की पहचान करना एवं व्यापारिक लेनदेन में मानव हस्तक्षेप को समाप्त करने के लिए उन्हें संस्थागत कार्यवाई करना है। एमएसटीसी सर्तकता विभाग आईएसओ 9001-2008 गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली का अनुपालन करता है जो प्रौद्योगिकी के उपयोग के जरिए प्रभावी रोकथाम मानकों को स्थापित करने पर जोर देता है।

and regional and branch offices. All materials for inspection were made available at the time of inspection done by the Ministry. Incentive was provided to 24 officers and employees.

MSTC, Head Office inspected branch office (Vadodara), NRO (New Delhi).Parliamentary Committee on Official Language inspected Vadodara branch on 08.10.2015. Monitoring for implementation of Official Language was done. Circular for implementation of section 3(3) of Official Language Act 1963 was issued from time to time. Departments of Head Office and Eastern Regional Office were inspected.

Re-certification of ISO 9001:2008 of Official Language Department was done.

Unicode was installed in the computers of Head Office and Regional / Branch Offices.

Documents coming under section 3(3) of Official Language Act were translated in Hindi. Translations from English to Hindi and vice versa have been provided as and when required. Hindi version of Annual report and MoU were also submitted. Official Language Act has been complied with. Ministry of Steel and its Hindi Salahkar Samity continuously provided their guidance about implementation of Official Language Act.

VIGILANCE

The aim of MSTC Vigilance Department is to ensure fairness, integrity and efficiency so that the transparency and accountability in the functioning of all activities of the Company. Its set-up is operative to identify the corrupt practices and to institutionalize them for diminishing the human intervention in the business transactions. MSTC Vigilance Department complies with the ISO 9001-2008 Quality Management System wherein the emphasis has been put to establish the effective preventive measures through the use of leveraging technology.

The functioning of MSTC is run by its own IT Infrastructure like e-Commerce i.e. e-auction, e-sale, e-reverse auction,

श्री ए. के. बसु, निदेशक (वित्त), राजभाषा पुरस्कार वितरण करते हुए
Shri A. K. Basu, Director (Finance) distributing prizes to winner of Rajbhasha Purashkar

एमएसटीसी का व्यवसायिक क्रियाकलापों का परिचालन अपनी निजी आईटी ढांचा यानी ई-नीलामी, ई-बिक्री, ई-निविदा सह ई- नीलीमी ई-रिवर्स नीलामी एवं ई-प्रोक्योरमेंट का ई-कॉमर्स परिचालन द्वारा किया जाता है, जिसे मानक जांच एवं गुणवत्ता प्रमाणन (एसटीक्यूसी) से प्रमाणित वेब पोर्टल के जरिए किया जाता है, जिसमें केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) के दिशानिर्देश अनुपालन किया जाता है। कारटेल फारमेशन को रोकने के लिए पारदर्शिता तथा निष्पक्षता सुनिश्चित करने हेतु इसके सॉफ्टवेयर में कई तरह के सन्निहित प्रावधान हैं। ई-नीलामी, ई-बिक्री, ई-प्रोक्योरमेंट प्रणाली को इस तरह से अभिकल्पित किया गया है कि एक नीलामी के दौरान विक्रेता, एमएसटीसी के कर्मचारीगण, बोलीदातागण तथा अन्य कोई भी व्यक्ति अपने प्रतियोगी बोलीदाताओं के विवरण को नहीं देख पाएंगे।

वर्ष के दौरान, एमएसटीसी के सतर्कता विभाग ने प्रतिष्ठान के कार्यकलापों में सुधार लाने के लिए कई तरह के कदम उठाएं हैं। प्राप्त हुई बीस शिकायतों के खिलाफ कार्यवाही की गई एवं प्रणालीगत सुधार के लिए आवश्यक सलाह दी गई। सीवीसी/इस्पात मंत्रालय (एमओएस) द्वारा जारी दिशानिर्देशों के आधार पर सतर्कता विभाग द्वारा उठाए गए कदमों में बिल ट्रैकिंग सिस्टम का कार्यान्वयन शामिल है, जिसका इस्तेमाल पोर्टल पर ठेकेदारों की लंबित बिलों के दर्शाने, एमएसटीसी की निजी ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल के जरिए सभी विभागों एवं शाखाओं में रु. 50,000 से अधिक की खरीददारी, नियुक्ति के नियमों की समीक्षा, एपीएआर के सम्पूर्ण प्रकटीकरण का कार्यान्वयन, एपीएआर का ऑनलाइन लेखन, एपीएआर की प्रतिकूल रिपोर्ट के प्रत्युत्तर में अभ्यावेदन करने का अवसर, एक प्रतिष्ठान में जोखिम की रूपरेखा तैयार करने, पारदर्शिता सूचकांक के घटकों को तैयार करने में किया जा सकता है। वर्ष 2015-16 के दौरान छह औचक एवं नियमित निरीक्षण किया गया। ऐसे निरीक्षण का मुख्य केंद्र बिंदू है भ्रष्टाचार के संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान करना, प्रणाली/प्रक्रिया को सरल बनाना तथा परिचर्चा के जरिए कर्मचारियों में भ्रष्टाचार रोधी मुद्दों/सतर्कता पर जागरूकता फैलाना है। जहाँ तक वार्षिक सम्पत्ति रिटर्न (एपीआर) के संबंध में सर्तकता विभाग ने कर्मचारियों के साथ अनवरत सम्पर्क बनाए रखा। 324 कर्मचारियों में से 308 ने एपीआर दाखिल किया है, जिनकी जांच जारी है।

e-tender cum e-auction and e-Procurement operation. These processes are carried out in compliance with STQC certified Web Portal as per CVC Guidelines. Its software has several in-built provisions which prevent cartel formation and ensure transparency and fairness. The system of e-auction, e-sale, e-procurement is designed in such a way that during the run of e-auction, no one can view the details of the bidders in competitions, despite having their login id and password.

During the year, MSTC Vigilance Department has taken various initiatives to improve the functioning of activities in the organization. The actions, against twenty numbers of complaints received, have been taken and necessary advice for both system and systemic improvements have been given for necessary compliance. On the basis of the directives issued by CVC/MOS, the initiatives undertaken by Vigilance Division include implementation of Bill Tracking System which can be utilized for the display of pending bills of contractors on the portal, professing purchases above ₹ 50,000.00, in all departments & branches through MSTC's own e-Procurement Portal, review of recruitment rules, implementation of full disclosure of APAR, online writing of APAR, opportunity to make representation in response to the adverse report in APARs, devising risk profile of an organization, framing the constituents of transparency index etc. Further, during the year 2015-16, six routine inspections and two surprise inspections were carried out. The major focus of such inspections has been on identifying vulnerable areas of corruption, streamlining of system/procedure and awareness on vigilance/anti-corruption issues amongst the employees through interactions. As far as Annual Property Returns (APR) are concerned, Vigilance department has maintained a continuous follow up with the employees. Out of 324 employees, 308 have submitted APRs; scrutiny of the same is in progress.

एमएसटीसी के कार्य-निष्पादन की समीक्षा करते हुए इस्पात मंत्रालय के अधिकारीगण
Ministry of Steel Officials reviewing performance of MSTC

निदेशक (वाणिज्यक) श्री बी. बी. सिंह, निदेशक (वित्त) श्री ए. के. बासु, सीवीओ, श्री एस अम्बष्ठ सतर्कता जागरूकता सप्ताह के उद्घाटन के दौरान
Director (Commercial), Shri B. B. Singh, Director (Finance), Shri A. K. Basu, CVO, Shri S. Ambastha during opening of Vigilance Awareness Week

सेवा वितरण प्रणाली को ज्यादा पारदर्शी बनाने के लिए एमएसटीसी सीपीजीआरएमएस (सेंट्रलाइज्ड पब्लिक ग्रिवांस रीड्रेसल एण्ड मोनिटरिंग सिस्टम) लिंक प्रदान करती है एवं सार्वजनिक प्रोक्योरमेंट में भ्रष्टाचार को रोकने के लिए इंटिग्रिटी पैक्ट कार्यान्वित किया गया है। एमएसटीसी की व्हीसल ब्लोअर पॉलिसी बेहतर विश्वास हासिल करने के लिए सभी कर्मचारियों के लिए अवसर प्रदान करता है। प्रशासन में नागरिक (सेवोत्तम) पहुंचने तथा सीधे सीवीओ तक शिकायत करने के लिए एक सतर्कता पेज भी दर्शाया गया है। सार्वजनिक उद्यम विभाग (डीपीई), भारत सरकार के निगमित अभिशासन दिशानिर्देशों का अनुपालन किया गया एवं बोर्ड के सभी सदस्यों एवं नामित सेवा प्रबंधक के लिए आचार संहिता का उल्लेख किया गया है। व्यवसायिक लेनदेन के विश्लेषण तथा एमएसटीसी के वर्तमान कार्यकलापों को ध्यान में रखते हुए प्रतिष्ठान का एमएसटीसी जोखिम रूपरेखा तैयार किया जा रहा है। एमएसटीसी द्वारा पारदर्शिता अभ्यास धरातल तक पहुंचने के लिए पारदर्शिता सूचकांक में संशोधन किया जा रहा है।

एमएसटीसी लिमिटेड एंड्रू यूल एंड कम्पनी लिमिटेड एवं ब्रिज एंड रूप कं. (इंडिया) लि. के सीवीओ ने संयुक्त रूप से अपने मध्य जेम्स स्कूल, इंटाली, कोलकाता में 17.11.2015 को वग्मिता प्रतियोगिता आयोजित किया। कुल मिला कर 13 छात्रों को "भ्रष्टाचार एक सामाजिक बुराई है" विषय पर 100 श्रोताओं की उपस्थित में बोलने के लिए चुना गया। तीन वक्ताओं को नगद पुरस्कार एवं प्रमाणपत्र प्रदान किये गये एवं अन्य दस प्रतिभागियों को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया। दर्शकों के मध्य एक सृजनात्मक लेखन प्रतियोगिता भी आयोजित गया, जो वग्मिता प्रतियोगिता में सूचीबद्ध नहीं थे। चयनित विषय था "भ्रष्टाचार उन्मूलन के लिए एक कदम"। कुल 22 प्रविष्टियां प्राप्त हुई थी एवं पांच प्रविष्टियों को नकद पुरस्कार प्रदान किया गया।

MSTC provides a link to CPGRMS (Centralized Public Grievance Redressal and Monitoring System) to make the service delivery system more transparent. Integrity Pact has been implemented to prevent corruption in public procurement. The Whistle Blower Policy of MSTC provides opportunity to all employees for access in good faith. Citizens in Administration (Sevottam) and also a Vigilance page for lodging complaints directly to CVO. Corporate Governance Guidelines by DPE (Department of Public Enterprise) has been complied with and Code of Conduct for all Board members and designated service management has been laid down. MSTC Risk Profile of the organization is being prepared keeping in mind the present activities of MSTC and analysis of the business transactions. Transparency Index is being revised for accessing the degree of transparency practiced by MSTC.

The CVOs of MSTC Limited, Andrew Yule & Company Limited and Bridge & Roof Co.(I) Ltd. coordinated among themselves to organize an elocution competition at St. James School, Entally, Kolkata on 17-11-2015. Altogether, 13 students were finalized to speak on the topic "Corruption is a Social Evil" in presence of 100 audiences. Cash Prizes and Certificates were awarded to the best three speakers and consolation prizes were also awarded to other 10 participants. A creative writing competition was also organized amongst the audience, who were not enlisted as speaker in the elocution competition. The topic selected was "Steps to Eradicate Corruption". A total of 22 entries were received and best 5 entries were awarded cash prizes.

एमएसटीसी सतर्कता विभाग नें केन्द्रीय सर्तकता आयोग नई दिल्ली से प्राप्त दिशा-निर्देशों के अनुसार 26.10.2015 से 31.10.2015 तक एमएसटीसी के बीच विविध कार्यालयो में सतर्कता जागरूकता सप्ताह आयोजित किया। अवसर को यादगार बनाने के लिए एमएसटीसी सतर्कता ने अखिल भारतीय स्तर पर लेख प्रतियोगिता एवं स्लोगन लेखन का आयोजन किया जिसका विषय था "अच्छे गर्वनेन्स के औजार के रूप में निवारण सतर्कता"। अपने सक्रिय भागीदारी हेतु उन्हें प्रोत्साहित करने के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रविष्ठी हेतु कर्मचारियों में पुरस्कार वितरण किया गया। इसके अलावा, प्रधान कार्यालय कोलकाता में सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2015 को आयोजित किया गया, जिसमें कम्पनी के सीएमडी, निदेशक, विभागीय प्रधान एवं कर्मचारी/अधिकारी शामिल हुए। श्री ए. के. सिन्हा, इंडीपेंडेंट एक्सटर्नल मॉनिटर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे उन्होंन अपने महत्वपूर्ण टिप्पणी में अच्छे प्रशासन के लिए नैतिक सिद्धांतों एवं नैतिक मूल्य पर बल दिया। उन्होंने स्पष्ट एवं पारदर्शी सरकारी लेनदेन प्रोन्नति करन में एमएसटीसी ई-कामर्स के योगदान को भी स्वीकार किया। सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधी मानदंडों के प्रति सभी को अवगत कराने के लिए मुख्यालय के साथ क्षेत्रीय/शाखा कार्यालयों के विशिष्ट सार्वजनिक स्थानों पर उपयुक्त बैनर प्रदर्शित किए गए। सतर्कता जागरूकता सप्ताह का पालन करने के लिए एक पुस्तिका का भी लोकापर्ण किया गया। इस पुस्तिका में भ्रष्टाचार की चुनौती का सामना करने के साथ प्रशासन में वर्गीकरण के प्रत्येक स्तर पर जवाबदेही देने के लिए परिपूर्ण ई-कॉमर्स समाधान विकसित करने में एमएसटीसी की भूमिका को प्रदर्शित किया गया। कंपनी के अंदर एवं बाहर काफी संख्या में इस पुस्तिका की प्रतिलिपियां वितरित की गई।

नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की टिप्पणी

कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 143(3)(बी) के अनुरूप कंपनी के वार्षिक लेखा पर सीएजी की टिप्पणी को निदेशक मंडल की रिपोर्ट के अंश के रूप में माना जाएगा।

MSTC Vigilance Department organized "Vigilance Awareness Week" in various offices of MSTC from 26.10.2015 to 31.10.2015 as per the directives received from the Central Vigilance Commission, New Delhi. To mark the occasion, MSTC Vigilance conducted Essay Competition and Slogan Writing was organized amongst the employees on all-India basis on the theme "Preventive Vigilance as a tool of Good Governance". Prizes were distributed to the employees for the best entries to motivate them for their active participation. In addition, a workshop was organized at HO, Kolkata in consonance with the theme for Vigilance Awareness Week-2015, which was attended by CMD, functional Directors, HODs & employees/officers of the company. Shri A.K.Sinha, External Independent Monitor was the Chief Guest & on his key note address emphasized on the role of cultivating ethical principles and moral values to be an essential ingredient of good Governance. He also acknowledged the contribution of MSTC e-Commerce platform in promoting fair and transparent government transactions. Suitable banners were displayed at conspicuous public places in the premises of the Headquarters as well as Regional/Branch offices to sensitize one and all on the vigilance and anti-corruption measures. A brochure was unveiled to commemorate the occasion of Vigilance Awareness Week, highlighting the role played by MSTC in developing end-to-end e-commerce solutions that can provide the accountability at every level of hierarchies in administration as well as address the challenge of corruption. Copies of brochure have been widely circulated within and outside the Company.

COMMENTS BY COMPTROLLER AND AUDITOR GENERAL OF INDIA (C&AG)

Comments of C&AG on the Annual accounts of company in terms of section 143(3)(b) of the Companies Act, 2013, shall be deemed as part of Directors' Report.

एक सतर्कता संबंधी चर्चा के दौरान मुख्य सतर्कता अधिकारी श्री एस. अम्बष्ठ अपने विचार व्यक्त करते हुए। इस अवसर पर निदेशक (वित्त) श्री ए.के. बासु भी परिलक्षित
Shri S. Ambastha, CVO, speaking during a Vigilance interaction meeting. Also seen is Shri A. K. Basu, Director (Finance)

निदेशक मंडल का उत्तरदायित्व

कंपनी (संशोधन) अधिनियम, 2013 की धारा 134(5) के प्रावधानों के अपेक्षानुसार, निदेशक मंडल ने बताया है कि:-

वार्षिक लेखा तैयार करते वक्त प्रयोजनीय लेखा मानकों को पूरी तरह से अनुपालन किया गया है एवं जहां इन मानकों से हटकर कार्रवाई की गई है, वहां उसके साथ समुचित स्पष्टीकरण दिए गए हैं।

निदेशकों ने इस तरह की लेखा नीतियों को चुना है, उनका बराबर अनुसरण किया है एवं इस तरह के निर्णय लिए हैं, और प्राक्कलन तैयार किए हैं, जो युक्तिपूर्ण और तर्कसंगत हैं एवं जिनसे कंपनी के 31.03.2016 के कार्यकलापों की एवं वित्त वर्ष 2015-16 में कंपनी के लाभ की सही और सटीक तस्वीर प्रकट होती है।

निदेशकों ने कंपनी की परिसम्पत्तियों की सुरक्षा के वास्ते एवं धोखाधड़ी एवं अन्य अनियमिताओं को रोकने व पकड़ने हेतु कंपनी अधिनियम, 2013 के प्रावधानों के अनुरूप उचित लेखा प्रतिवेदन के रखरखाव हेतु उचित एवं पर्याप्त ध्यान रखा है।

निदेशकों ने 31 मार्च, 2016 को समाप्त वर्ष के लिए जारी कारोबार के आधार पर वार्षिक लेखा तैयार किया है।

निदेशकों ने प्रयोज्य सभी कानूनी प्रावधानों के अनुपालन को सुनिश्चित करते हुए उचित प्रणाली तैयार की है तथा इन सभी प्रणालीयों ने उचित एवं प्रभावी ढंग से कार्य किया है।

लेखा परीक्षक

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 143(5) के अनुपालन के तहत, नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक ने वर्ष 2015-16 के लिए मेसर्स राय एण्ड कंपनी, सनदी लेखापाल को कंपनी के संवैधानिक लेखा परीक्षक के रूप में नियुक्त किया है। लेखा परीक्षक का प्रतिवेदन कंपनी के वार्षिक लेखों के साथ संलग्न कर दिया गया है। लेखा परीक्षकों की टिप्पणियों/अवलोकनों पर प्रबंधन के जवाब को निदेशकों के प्रतिवेदन के अनुलग्नक VIII में दिया गया है।

निदेशकगण

वर्तमान में एमएसटीसी लि. के निदेशक मंडल में श्री बी.बी. सिंह, अध्यक्ष -सह-प्रबंध निदेशक, श्री ए.के बसु, निदेशक (वित्त) हैं, जो पूर्ण कालिक निदेशक है, श्री श्री एस के त्रिपाठी 31.05.2016 तक सीएमडी थे। उनकी सेवानिवृत्रि पर श्री बी.बी. सिंह सीएमडी बने, इसके अतिरिक्त उन्हें निदेशक (वाणिज्य) का भी कार्यभार सौंपा गया है। श्री सुनिल बरथवाल, संयुक्त सचिव, इस्पात मंत्रालय एवं श्री सूरज भान, आर्थिक सहलाकार, इस्पात मंत्रालय सरकारी नामित निदेशक थे। श्री ए.के. गोयल, पूर्व सदस्य, रेलवे बोर्ड, एक मात्र स्वतंत्र निदेशक हैं। श्री एन.सी. झा, पूर्व सीएमडी, कोल इंडिया लि. बोर्ड के स्वतंत्र निदेशक थे जिनका कार्यकाल, जो 09.10.2015 को समाप्त हो गया।

निदेशक मंडल ने कम्पनी के सीएमडी के रूप में श्री एस. के. त्रिपाठी द्वारा दिये गये मूल्यवान मार्ग दर्शन एवं सहयोग के लिए उनकी प्रशंसा की।

Directors Responsibility Statement

As required under the provisions of Section 134(5) of the Companies (Amendment) Act, 2013, Board of Directors state that :

In the preparation of annual accounts the applicable accounting standards have been followed along with proper explanation relating to material departures.

Directors have selected such accounting policies and applied them consistently and made judgments and estimates that are reasonable and prudent so as to give a true and fair view of the state of affairs of the company as at 31.03.2016 and of the profit of the company for the financial year 2015-16.

Directors have taken proper and sufficient care for the maintenance of adequate accounting records in accordance with the provisions of the Companies Act, 2013 for safeguarding the assets of the Company and for preventing and detecting frauds and other irregularities.

Directors have prepared the annual accounts for the year ended 31st March, 2016 on a going concern basis.

Directors had devised proper systems to ensure compliance with the provisions of all applicable laws and that such systems were adequate and operating effectively.

AUDITORS

Pursuant to Section 143(5) of the Companies Act, 2013, the Comptroller and Auditor General of India, has appointed M/s. Ray & Co, Chartered Accountants, as Statutory Auditors of the Company for the year 2015-16. The report of the Auditors is attached to the annual accounts of the Company. Management replies on the comments/observations of the Auditors are placed at Annexure VIII to Directors' Report.

DIRECTORS

Board of Directors of MSTC Ltd. presently consists of Shri B.B. Singh, Chairman-cum-Managing Director, Shri A.K. Basu, Director (Finance), who are whole time directors. Shri S.K. Tripathi was CMD upto 31.05.2016. On his superannuation Shri B.B. Singh has taken over as CMD. He is also holding additional charge of Director (Commercial). Shri Sunil Barthwal, Joint Secretary, Ministry of Steel and Shri Suraj Bhan, Economic Adviser, Ministry of Steel are Government nominee directors. Shri A. K. Goyal, former Member, Railway Board, is the only Independent Director. The term of Shri N.C. Jha, ex-CMD, Coal India Ltd., as independent director in the Board, expired on 09.10.2015.

The Board of Director placed on record their deep appreciation of the valuable guidance and contribution made by Shri S.K.Tripathi as CMD of the company.

सचिवीय लेखा परीक्षा

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 204 के अनुसार सौम्यों ज्योति सील, अभ्यासरत कंपनी सचिव को वर्ष 2015-16 के लिए कंपनी का सचिवीय लेखा परीक्षक के रूप में नियुक्त किया गया है। सचिवीय लेखा परीक्षा की निर्धारित रिपोर्ट इस प्रतिवेदन के अनुलग्नक VII के रूप में संलग्न है।

संबंधित पार्टी लेनदेन

कंपनी (लेखा) अधिनियम, 2014 की धारा 8(2) के अनुसार प्रपत्र एओसी-2 में धारा 188(1) में उल्लिखित संबंधित पार्टियों के साथ संविदाओं का विवरण इस प्रतिवेदन के अनुलग्नक III के रूप में संलग्न है।

अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक, निदेशक (वित्त) एवं कंपनी सचिव धारा 2(51) के साथ धारा 2(76) के अधीन वर्णित संबंधित पार्टी के रूप में मुख्य प्रबंधकीय कार्मिक (केएमपी) हैं। अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक एवं निदेशक (वित्त) का नियोजन भारत सरकार द्वारा निर्णित शर्तों के अधीन अनुबंधकीय नियोजन के अंतर्गत किया गया है। फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड (एफएसएनएल) जैसी सहायिका कंपनी में निदेशक(वित्त) नामित निदेशक हैं।

एफएसएनएल के बिक्रय एजेंट के रूप में एमएसटीसी कार्य करती है, जो एमएसटीसी के लिए एक सामान्य व्यवसायिक कार्य है तथा अन्य कंपनियों के लिए साधारण तौर पर लागू सेवा दर भी वसूलती है। एमएसटीसी गोदाम के प्रबंधन के लिए एफएसएनएल को संरक्षक सेवा शुल्क का भुगतान कर चुकी है जो एफएसएनएल के लिए सामान्य व्यवसायिक कार्य है। अत: एमएसटीसी एवं एफएसएनएल के बीच लेनदेन सम्बद्ध पार्टी लेनदेन के रूप में विचार नहीं किया गया है।

नैगमिक सामाजिक दायित्व

सामाजिक विकास के लिए कंपनी गंभीर रूप से प्रतिबद्ध है। कंपनी अधिनियम, 2013 के तर्ज पर तथा डीपीई के दिशानिर्देशों के अनुसार कंपनी की एक सीएसआर कमिटी है, जो सरकार के दिशानिर्देशों तथा कंपनी की सीएसआर नीति के अनुसार कार्य करती है। कंपनी की सीएसआर पॉलिसी बोर्ड द्वारा अनुमोदित किया गया है एवं वह कंपनी की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

कंपनी (निगमित सामाजिक दायित्व नीति) नियम, 2014 के नियम 8 के अंतर्गत आवश्यक निगमित सामाजिक दायित्व पर वार्षिक प्रतिवेदन अनुलग्नक VI के रूप में संलग्न है।

निगमित अभिशासन

निगमित अभिशासन एवं प्रबंधन के विचार-विमर्श का ब्यौरा और व्याख्या अनुलग्नक II में प्रस्तुत किया गया है और वह इस वार्षिक प्रतिवेदन का हिस्सा है। निगमित अभिशासन प्रतिवेदन में अनुलग्नक के रूप में अनुपालन लेखा परीक्षण रिपोर्ट संलग्न है।

SECRETARIAL AUDIT

In compliance with section 204 of the Companies Act, 2013, Saumayo Jyoti Seal, practicing company secretary has been appointed as the Secretarial Auditor for the year 2015-16. Report of the Secretarial Auditor as prescribed is enclosed as Annexure VII to this report.

RELATED PARTY TRANSACTIONS

Pursuant to Rule 8(2) of Companies (Accounts) Rules, 2014 the particulars of contracts with related parties referred in section 188(1) in Form AOC- 2 are enclosed as Annexure III to this report.

CMD, Director (Finance) and Company Secretary are Key Managerial Personnel (KMP) under section 2(51) as well as related party as defined under 2(76). CMD and Director (Finance) are employed under contractual employment under terms decided by Government of India. Director (Finance) is also a nominated director in subsidiary company i.e. Ferro Scrap Nigam Limited (FSNL).

MSTC functions as selling agent to FSNL which is a normal course of business for MSTC and charges service charges at a rate which is normally charged to other companies. MSTC has paid custodian service charges for warehouse management to FSNL which is a normal course of business for FSNL. Therefore transaction between MSTC and FSNL is not considered as related party transaction.

CORPORATE SOCIAL RESPONSIBILITY

Company is seriously committed to social uplift. In line with the Companies Act, 2013 and also DPE guidelines, Company has a CSR Committee which functions as per Govt. guidelines and Company CSR policy. CSR Policy of the Company has been approved by the Board and is hosted on the website of the Company.

Annual Report on Corporate Social Responsibility as required under Rule 8 Companies (Corporate Social Responsibility Policy) Rules, 2014 is placed as Annexure VI.

CORPORATE GOVERNANCE

Separate details on Corporate Governance and Management Discussion and Analysis are attached herewith as Annexure-II and form part of this Directors Report. Compliance Audit Report is placed as Annexure to Corporate Governance Report.

बोर्ड की बैठक की संख्या

वित्त वर्ष 2015-16 के दौरान बोर्ड की पाँच बैठकें हुईं। इसका सम्पूर्ण ब्यौरा इस प्रतिवेदन के अनुलग्नक II के अधीन उपलब्ध है।

निदेशकों की स्वतंत्रता का विवरण

बोर्ड के सभी स्वतंत्र निदेशकों ने कंपनी नियम, 2013 की धारा 149(7) के अनुसार स्वतंत्रता का विवरण दाखिल किया है।

बोर्ड की कमिटियां

एमएसटीसी ने लेखा परीक्षक कमिटी, पारिश्रमिक कमिटी, शेयर अंतरण कमिटी तथा निगमित सामाजिक दायित्व कमिटी के रूप में बोर्ड की चार कमिटियां गठित की है।

पारिश्रमिक कमिटी

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 178 के साथ पठित कंपनी (बोर्ड की बैठक एवं उसके अधिकार) नियम, 2014 के नियम 6 अनुसार कंपनी के पास एक नामांकन एवं पारिश्रमिक कमिटी की अपेक्षा है। भारत सरकार की एक कंपनी होने के नाते निदेशक का नामांकन/नियुक्ति भारत सरकार द्वारा की गई है। हालांकि, पारिश्रमिक कमिटी का भी गठन कंपनी के लागू डीपीई के निगमित अभिशासन (सीजी) के अनुसार किया गया है।

निगमित सामाजिक दायित्व (सीएसआर) कमिटी

कंपनी (सीएसआर पॉलिसी) नियम 2014 के नियम 5 के साथ पठित धारा 135(1) के अनुसार बोर्ड की सीएसआर कमिटी का गठन किया गया है।

उपरोक्त उल्लिखित कमिटियों का विस्तृत विवरण इस प्रतिवेदन के अनुलग्नक II में वर्णित है।

स्टेकहोल्डर की संबंध कमिटी

शेयरधारकों की संख्या एक हजार से कम होने की वजह से अधिनियम की धारा 178(5) के अधीन स्टेकहोल्डर की संबंध कमिटी का गठन कंपनी के लिए लागू नहीं है। हालांकि, शेयर अंतरण कमिटी का गठन किया गया है।

सहायक कंपनी - फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड

फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड कंपनी की 100% सहायिकी कंपनी है। दो वर्षों का परिचालन परिणाम नीचे दिया जा रहा है :-

(रु. लाख में)

	2015-16	2014-15
कुल राजस्व	34,707	27,671
कर पूर्व लाभ/(हानि)	3,252	2,358
करोपरांत लाभ/(हानि)	2,111	1,710

NUMBER OF MEETINGS OF THE BOARD

Board met 5 times during the FY 2015-16. Details are available under Annexure II of this report.

STATEMENT OF INDEPENDENCE OF DIRECTORS

All independent directors in the Board have submitted Statement of Independence in compliance of section 149(7) of the Companies Act, 2013.

COMMITTEES OF THE BOARD

MSTC has constituted four committees of the Board viz., Audit Committee, Remuneration Committee, Share Transfer Committee and Corporate Social Responsibility Committee.

REMUNERATION COMMITTEE

Pursuant to section 178 of the Company's Act, 2013, read with Rule 6 of the Company's (Meeting of Board and its powers) Rules, 2014, Company is supposed to have a Nomination and Remuneration Committee. Being a Govt. India Company, the nomination/appointment of director is made by Govt. of India. However, Remuneration Committee is in place which is also in compliance of Corporate Governance (CG) guidelines by DPE which apply to the Company.

CORPORATE SOCIAL RESPONSIBILITY (CSR) COMMITTEE

In compliance of section 135(1) read with Rule 5 of the Company's (CSR Policy) Rules 2014, Company has constituted CSR Committee of the Board.

Details of the above Committees are mentioned under Annexure II of this report.

STAKEHOLDERS' RELATIONSHIP COMMITTEE

Constitution of Stakeholder's Relationship Committee as provided under section 178(5) of the Act do not apply to the Company as number of shareholders are below one thousand. However, share transfer committee is in place.

Subsidiary Company - Ferro Scrap Nigam Limited

Ferro Scrap Nigam Limited is the 100% Subsidiary of the Company. The Operational result of two years is given below:

(₹ in Lakh)

	2015-16	**2014-15**
Total Revenue	34,707	27,671
Profit/(Loss) Before Tax	3,252	2,358
Profit/(Loss) After Tax	2,111	1,710

एमएसटीसी के महाप्रबंधक एवं कंपनी सचिव श्री एस.के राय भारत सेवाश्रम संघ घाटशिला के कमिटी सदस्यों को एम्बुलेंस की चाभी सौंपते हुए

Shri S. K. Ray, GM & CS, handing over keys of ambulance to the Committee members of Bharat Sevashram Sangha, Ghatshila

कंपनी (लेखा) नियम के नियम 5 के साथ पठित कंपनी अधिनियम की धारा 129 के अनुसार प्रपत्र एओसी-1 में अनुलग्नक IV के रूप में सहायिकी कंपनी से संबंधित विस्तृत जानकारी प्रदान की गई है।

समेकित वित्तीय विवरण धारक कंपनी, एमएसटीसी लिमिटेड के वित्तीय विवरण के साथ संलग्न है।

आभार ज्ञापन

निदेशक मंडल, वर्ष के दौरान कंपनी को दिए गए उनके मूल्यवान सहयोग एवं मार्ग दर्शन के लिए माननीय केन्द्रीय इस्पात मंत्री, सचिव (इस्पात), अपर सचिव एवं एफए (इस्पात) एवं इस्पात मंत्रालय के अन्य अधिकारियों, रक्षा मंत्रालय, कोयला मंत्रालय एवं विभिन्न केन्द्रीय सरकारी मंत्रालयों, सभी राज्य सरकारों, विभिन्न केंद्र एवं राज्य सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, निजी कंपनियों, बैंकरों, हमारे प्रिंसिपल एवं अन्य लोगों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करता है। निदेशकगण अपने सभी ग्राहकों, स्टेकहोल्डरों और आपूर्तिकर्ताओं द्वारा साल-दर-साल कंपनी के प्रति दिखाए गए भरोसे एवं विश्वास के लिए उनका आभारी हैं।

आपके निदेशकगण कर्मचारियों की लगनशीलता और परिश्रम की भी हार्दिक सराहना करते हैं, जिसकी बदौलत पिछले कीर्तिमानों को पीछे छोड़ते हुए और आगे बढ़ना संभव हुआ है।

निदेशक मंडल के लिए तथा उनकी ओर से

बी० बी० सिंह

(बी.बी. सिंह)
अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक

The detailed information relating to the subsidiary company is placed as annexure IV in form AOC-1 in compliance of section 129 of the Companies Act, read with Rule 5 of Companies (Account) Rules.

Consolidated Financial Statement has been attached to with the Financial Statement of the holding company, MSTC Ltd.

ACKNOWLEDGEMENT

The Board of Directors wish to place on record their gratitude to the Hon'ble Union Minister for Steel, Secretary (Steel), Additional Secretary and FA (Steel), and other officials of the Ministry of Steel, Defence Ministry, Coal Ministry and various other Central Government Ministries, all State Governments, various Central and State public sector undertakings, private companies, the bankers, our principals and others for their valuable assistance and guidance extended to the Company during the year. The Directors express their gratitude to all stake holders, customers and suppliers for the trust and confidence reposed by them on your Company year after year.

Your Directors also place on record the appreciation of the sincere efforts made by employees which has resulted in excellent performance of the Company.

For & on behalf of Board of Directors

(B. B. Singh)
Chairman-cum-Managing Director

अनुलग्नक : I

निदेशक मंडल की रिपोर्ट का अनुलग्नक

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 134 के साथ पठित कंपनी (लेखा) नियम, 2014 के नियम 8(3) के अनुसार ऊर्जा संरक्षण, तकनीकी समाविष्ट, विदेशी विनिमय आय एवं खर्चों का विवरण।

ऊर्जा संरक्षण तथा तकनीकी समाविष्ट

कंपनी ने अपने सर्वर को नवीनतम आईपीवी6 में उन्नत किया है जिसमें काफी कम मात्रा में विद्युत की खपत होती है एवं ऊर्जा का संरक्षण होता है। सूचना प्रौद्योगिकी उन्मुखी कंपनी होने के नाते, तकनीकी सुधार एमएसटीसी में एक नियमित प्रक्रिया है तथा आपकी कंपनी द्वारा इस लक्ष्य को पूरी तरह से हासिल किया गया है।

विदेशी मुद्रा आय एवं खर्च

वर्ष 2014-15 के रु. 1,60,348 की तुलना में वर्ष 2015-16 के दौरान सामनों के आयात एवं अन्य हेतु कुल विदेशी मुद्रा व्यय रु. **1,35,953 लाख** था। कम्पनी ने वर्ष 2015-16 के दौरान विदेशी मुद्रा में रुपये रु. 5 लाख अर्जित की है। विगत वर्ष अर्थात 2014-15 में विदेशी मुद्रा की आय रु. **13 लाख** थी।

अनुलग्नकः II

निगमित अभिशासन

निगमित अभिशासन पर एसएसटीसी की नीति

कंपनी के उद्देश्यों को हासिल करने के वातावरण उपलब्ध कराने के लिए प्रभावशाली निगमित अभिशान के अभ्यास आपकी कंपनी का बुनियादी प्रबंधन सिद्धांत है।

साझेदारों द्वारा कंपनी के प्रबंधन पर बताए गए भरोसे को बरकरार रखने के उद्देश्य से एमएसटीसी अपने प्रबंधन के हर स्तर पर पारदर्शिता और अखंडता के लिए प्रयत्नशील रहता है।

निगमित अभिशासन के अनिवार्य दिशा-निर्देशों के अनुपालन के अलावा एमएसटीसी व्यवसाय के दौरान उच्च मूल्य मानदंड, मूल्य प्रतिबद्धता, पारदर्शिता तथा वाणिज्यिक संविदाओं के बीच उचित तत्परता एवं सर्वोत्तम कार्य प्रणाली के अनुसरण की अभिलाषा रखता है, जिससे निगमित अभिशासन प्रणाली को सर्वोत्तम तरीके से लागू किया जा सके। निगमित अभिशासन के लिए केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्रों के उपक्रम के लिए कारपोरेट अभिशासन की ओर से मई, 2010 में जो दिशा-निर्देश दिए गए हैं, उनका अनुपालन वर्ष 2015-16 में किया गया तथा भविष्य में भी किया जाएगा।

निदेशक मंडल

गठन

वर्तमान में एमएसटीसी लि. के निदेशक मंडल में श्री बी.बी. सिंह, अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक, श्री ए के बसु, निदेशक (वित्त), जो पूर्णकालिक निदेशक हैं। श्री एस.के. त्रिपाठी 31.05.2016 तक सीएमडी थे, उनके सेवा-निवृत्ति के उपरान्त श्री बी.बी. सिंह ने सीएमडी के रूप में कार्यभार संभाल लिया है, वे निदेशक (वाणिज्यक) का अतिरिक्त प्रभार भी संभाल रहे हैं। श्री सुनिल भरथवाल, संयुक्त सचिव, इस्पात मंत्रालय, एवं श्री सूरज भान, आर्थिक सलाहकार, इस्पात मंत्रालय सरकार के नामित निदेशक हैं। श्री ए.के गोयल, पूर्व सदस्य, रेलवे बोर्ड, एकमात्र स्वतंत्रण निदेशक हैं। श्री एन.सी. झा, पूर्व-सीएमडी, कोल इंडिया लि. की अवधि बोर्ड में स्वतंत्र निदेशक के रूप में 09.10.2015 को समाप्त हो गई।

Annexure: I

ANNEXURE TO DIRECTORS REPORT

Particulars of conservation of energy, technology absorption, foreign exchange earnings and outgo as per section 134 of the Companies Act, 2013, as read with Rule 8(3) of the Companies (Accounts) Rules, 2014.

CONSERVATION OF ENERGY AND TECHNOLOGY ABSORPTION

Company has upgraded its Server to the latest IPV6 which consumes much less electrical power and conserves energy. Being IT oriented company, technological upgradation is a continuous process in MSTC and has been fully achieved by your Company.

FOREIGN EXCHANGE EARNINGS & OUTGO

The total foreign exchange outgo during the year 2015-16 for import of goods and others was ₹ 1,35,953 **Lakh** as against ₹ 1,60,348 **Lakh** in the year 2014-15. The company has earned ₹ 5 Lakh in foreign exchange during the year 2015-16. In the previous year i.e. 2014-15, the foreign exchange earning was ₹ **13 Lakh**.

Annexure: II

CORPORATE GOVERNANCE

MSTC's Policy on Corporate Governance

Effective corporate governance practices to provide for an environment in achieving the objectives of the company have been the basic management philosophy of your company.

All out efforts are made for transparency and integrity at all levels of management in order to retain confidence reposed in its management by the stakeholders.

MSTC aspires to follow high ethical standards, commitment to values while doing business, maintain transparency, conduct due diligence in commercial contracts and follows best governing practices. The guidelines on Corporate Governance for Central Public Sector Enterprises as issued on May 2010, have been complied with in the year 2015-16 and shall be complied with in future also.

BOARD OF DIRECTORS

Composition

Board of Directors of MSTC Ltd. presently consists of Shri B.B. Singh, Chairman-cum-Managing Director, Shri A.K. Basu, Director (Finance), who are whole time directors. Shri S.K. Tripathi was CMD upto 31.05.2016, on his Superannuation Shri B.B. Singh has taken over as CMD, he is also holding additional charge of Director (Commercial). Shri Sunil Barthwal, Joint Secretary, Ministry of Steel, and Shri Suraj Bhan, Economic Adviser, Ministry of Steel are Government nominee directors. Shri A. K. Goyal, former Member, Railway Board, is the only Independent Director. The term Shri N.C. Jha, ex-CMD, Coal India Ltd., as independent director in the Board expired on 09.10.2015.

श्री एस. के. त्रिपाठी, सीएमडी, श्री ए. के. बसु, निदेशक (वित्त) और श्री बी. बी. सिंह, निदेशक (वाणिज्यिक) की उपस्थिति में आर एम (एसआरओ) को सर्वश्रेष्ठ क्षेत्र ट्रॉफी देते हुए
Shri S. K. Tripathi, CMD, handing over best Region trophy to RM, SRO in presence of Shri A. K. Basu, Director (Finance) and Shri B. B. Singh Director (Commercial)

नव नियुक्त निदशकों का संक्षिप्त परिचय

सुश्री मॉली तिवारी

सुश्री मॉली तिवारी, उप सचिव, इस्पात मंत्रालय को निदेशक के रूप में दिनांक 15.8.2015 को नियुक्ति हुई तथा वे इस पद पर दिनांक 31.12.2015 तक नियुक्त थी।

श्री सुनील बरथवाल

वर्ष के दौरान श्री सुनील बरथवाल, भा.प्रा.से, इस्तात मंत्रालय में संयुक्त सचिव को सरकारी नामित निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया है।

निदेशकों को पारिश्रमिक

स्वतंत्र निदेशक बोर्ड एवं बोर्ड कमिटी मीटिंग में शामिल होने के लिए बैठक शुल्क के अलावा किसी पारिश्रमिक के अधिकारी नहीं हैं। सरकारी निदेशकों को बैठक शुल्क नहीं दिया जाता है। सीएमडी, एवं अन्य दो कार्यकारी निदेशक सरकार द्वारा जारी पूर्णकालिक कर्मचारी सेवा शर्तों के अनुरूप पारिश्रमिक पाने के अधिकारी हैं। पारिश्रमिक कमिटी सरकारी दिशानिर्देशों के अनुसार पूर्णकालिक निदेशकों को देय प्रदर्शन आधारित भुगतान सुनिश्चित करती है। वर्ष 2015-16 के दौरान अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक एवं दो कार्यकारी निदेशक ने वेतन एवं भत्ता के रूप में रु. 150 लाख का पारिश्रमिक प्राप्त किया, जिनमें वर्ष 2015-16 हेतु पीएफ के लिए कंपनी का योगदान रु. 7 लाख एवं चिकित्सा व्यय की प्रतिपूर्ति के लिए रु. 2 लाख का है। कंपनी की ओर से अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक, निदेशक (वित्त) एवं निदेशक (वाणिज्यिक) को कार भी दिए गए हैं। वे डीपीई के दिशा-निर्देशों एवं बोर्ड की पारिश्रमिक कमिटी के अनुमोदन के अनुरूप प्रदर्शन आधारित भुगतान (पीआरपी) के भी अधिकारी हैं।

निदेशकों की उपस्थिति का रिकॉर्ड

वित्तीय वर्ष 2015-16 में हुई एमएसटीसी लि. के निदेशक मंडल की बैठकों में निदेशकों की उपस्थिति का रिकार्ड नीचे दर्शाया गया है। वर्ष के दौरान हुई

Brief information of the newly appointed directors

Ms. Molly Tiwari

Ms. Molly Tiwari, Dy. Secy, Ministry of Steel was appointed Director on 15.8.2015 and continued upto 31.12.2015.

Shri Sunil Barthwal

During the year Shri Sunil Barthwal, IAS, Joint Secretary in the Ministry of Steel has been appointed as Govt. Nominee Director.

REMUNERATION TO THE DIRECTORS

Independent Directors are not entitled to any remuneration other than sitting fees for attending Board and Board Committee Meeting. Sitting fees are not given to Government Directors. CMD, and other two functional directors, being in whole time employment, are entitled to remuneration as per the terms of the appointment issued by Govt. The Remuneration Committee determines the Performance Related Pay payable to whole time directors in line with Govt. guideline.

Remuneration received by CMD and two functional directors as salary and allowances is Rs 150 Lakh, Company's contribution to PF is ₹ 7 Lakh and reimbursement of medical expenses is ₹ 2 Lakh for the year 2015-16. CMD, D(F) and D(C) are also provided car by the Company. They are also entitled to Performance Related Pay (PRP) as per DPE Guidelines and as recommended by Remuneration Committee of the Board.

DIRECTORS' ATTENDANCE RECORD

Record of Attendance of the Directors during the Board Meetings of MSTC Ltd held in the F.Y. 2015-16 is placed

बोर्ड की सभी बैठकों में सीएमडी उपस्थित थे।

बोर्ड बैठक सं.	बोर्ड बैठक की तिथि	श्री एन.सी. झा	श्री ए.के. गोयल	श्री सूरज भान	श्री सुनील बरथंवाल
265	24.04.2015	अनु.	उप.	उप.	अनु.
266	09.07.2015	अनु.	उप.	उप.	उप.
267	17.10.2015	x.	उप.	उप.	x
268	14.01.2016	x.	उप.	उप.	x
269	18.02.2016	x.	उप.	उप.	उप.

बोर्ड बैठक सं.	बोर्ड बैठक की तिथि	श्री एस.के. त्रिपाठी	श्री ए.के. बसु	श्री बी.बी सिंह	सुश्री मॉली तिवारी
265	24.04.2015	उप.	उप.	उप.	x
266	09.07.2015	उप.	उप.	उप.	x
267	17.10.2015	उप.	उप.	उप.	x
268	14.01.2016	उप.	उप.	उप.	x
269	18.02.2016	उप.	उप.	उप.	x

उप. - उपस्थित, अनु. - अनुपस्थित एवं x - कार्यालय में नहीं

अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक, निदेशक (वित्त) एवं निदेशक (वाणिज्य) 14 सितम्बर, 2015 को आयोजित विगत एजीएम में उपस्थित थे।

हमारे निदेशक अन्य कंपनियों में निदेशक के पद पर

श्री ए. के बसु, निदेशक (वित्त) फेरो स्क्रैप निगम लि. में एमएसटीसी के नामित निदेशक भी है। श्री सूरज भान, सरकारी नामित निदेशक, एमएसटीसी, एवं ए.के. गोयल एमएसटीसी के स्वतंत्र निदेशक किसी अन्य कम्पनी में निदेशक पद धारण नहीं करते हैं। श्री सुनील बरथवाल, संयुक्त सचिव, इस्पात मंत्रालय, सरकारी नामित निदेशक है जो स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया (सेल) एवं हिन्दुस्तान कंस्ट्रक्शन स्टील वर्क्स लिमिटेड (एचसीएल) में भी सरकारी नामित निदेशक हैं।

निदेशक मंडल की समितियाँ

एमएसटीसी ने निदेशक मंडल की चार समितियाँ बनायी है। यह कमिटियां हैं लेखा परीक्षण समिति, पारिश्रमिक समिति, शेयर अंतरण समिति एवं सीएसआर समिति।

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 178 के साथ पठित कंपनी (बोर्ड की बैठक एवं उसकी शक्ति) नियम 2014 के नियम 6 के अनुसार कंपनी के पास एक नामांकन एवं पारिश्रमिक समिति होनी चाहिए। भारत सरकार की एक कंपनी होने के नाते, निदेशक के नामांकन/नियुक्ति भारत सरकार द्वारा की जाती है। हालांकि, वर्तमान पारिश्रमिक समिति जो कंपनी के लिए प्रयोज्य डीपीई के सीजी दिशानिर्देशों का भी अनुपालन करती है।

कंपनी (सीएसआर नीति) नियम, 2014 के नियम 5 के साथ पठित धारा 135(1) के अनुपालन के अनुसार कंपनी बोर्ड की सीएसआर समिति गठित की है। कमिटी में शामिल हैं श्री ए.के.गोयल, स्वतंत्र निदेशक, अध्यक्ष के रूप में एवं सीएमडी एवं हाल के निदेशक (वाणिज्य) श्री बी.बी. सिंह तथा निदेशक (वित्त) का अतिरिक्त प्रभार भी संभाल रहे।

शेयरधारकों की संख्या एक हजार से कम होने के कारण कंपनी अधिनियम की धारा 135(5) के अधीन प्रावधानों के अनुसार स्टेकहोल्डर की संबंध समिति का गठन कंपनी के लिए प्रयोज्य नहीं है। हालांकि, शेयर अंतरण समिति का गठन किया गया है।

below. CMD was present in all the Board Meetings during the year.

Board Meeting No.	Board Meeting Date	Shri N.C.Jha	Shri A.K. Goyal	Shri Suraj Bhan	Shri Sunil Barthwal
265	24.04.2015	a	p	p	a
266	09.07.2015	a	p	p	p
267	17.10.2015	x	p	p	x
268	14.01.2016	x	p	p	x
269	18.02.2016	x	p	p	p

Board Meeting No.	Board Meeting Date	Shri S.K. Tripathi	Shri A.K. Basu	Shri B.B. Singh	Smt. Molly Tiwari
265	24.04.2015	p	p	p	x
266	09.07.2015	p	p	p	x
267	17.10.2015	p	p	p	x
268	14.01.2016	p	p	p	x
269	18.02.2016	p	p	p	x

p – present, a – absent and x – not in office

CMD, Director (Finance) and Director (Commercial) attended the last AGM held on 14th September 2015.

Directorship Held By The Directors

Shri A.K Basu, Director (Finance) is also MSTC nominee director in Ferro Scrap Nigam Ltd. Shri Suraj Bhan, Government Nominee Director, MSTC, and Shri A. K. Goyal, Independent Director of MSTC are not holding directorship in any other company. Shri Sunil Barthwal, Joint Secretary, MOS, is a Govt. nominee director who is also a Govt. nominee director in Steel Authority of India Limited (SAIL) and Hindustan Steelworks Construction Limited (HSCL).

Committees of the Board

MSTC has constituted four committees of the Board viz, Audit Committee, Remuneration Committee, Share Transfer Committee and CSR Committee.

Pursuant to section 178 of the Company's Act, 2013, read with Rule 6 of the Company's (Meeting of Board and its powers) Rules, 2014, Company is supposed to have a Nomination and Remuneration Committee. Being a Govt. India Company, the nomination/appointment of director is made by Govt. of India. However, Remuneration Committee is in place which is also in compliance of CG guidelines by DPE which applies to the Company.

In compliance of section 135(1) read with Rule 5 of the Company's (CSR Policy) Rules 2014, Company has constituted CSR Committee of the Board. The Committee comprises of Shri A.K. Goyal, Independent Director, as Chairman and Shri B.B.Singh, CMD and presently holding additional charge of Director (Commercial) and D(F).

Constitution of Stakeholder's Relationship Committee as provided under section 135(5) of the Act do not apply to the Company as number of shareholders is below one thousand. However, share transfer committee is in place.

i) लेखा परीक्षण समिति

श्री एन. सी. झा, स्वतंत्र निदेशक, लेखा परीक्षण समिति के अध्यक्ष हैं तथा श्री ए के गोयल, स्वतंत्र निदेशक एवं श्री सूरज भान, सरकार के नामित निदेशक इस समिति के सदस्य हैं। श्री एन.सी. झा की 09.10.2015 को अवधि की समाप्ति के उपरान्त, श्री ए. के. गोयल अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किये गये थे। चूंकि अन्य कोई स्वतंत्र निदेशक नहीं है इसलिए कमिटी में मात्र दो सदस्य शामिल हैं।

लेखा परीक्षण समिति डीपीई द्वारा जारी लेखा समिति से संबंधित निगमित अभिशासन के दिशा-निर्देशों का पालन करती है।

वित्त वर्ष 2015-16 में एमएसटीसी लिमिटेड की लेखा परीक्षण समिति की बैठकों में निदेशकों की उपस्थिति

बैठक की सं.	बैठक की तारीख	श्री एन.सी. झा	श्री सूरज भान	श्री ए.के. गोयल
36	27.05.2016	उप.	उप.	उप.
37	03.07.2015	उप.	उप.	उप.
38	28.10.2015	x	उप.	उप.
39	16.12.2015	x	उप.	उप.
40	05.02.2016	x	उप.	उप.

उप-उपस्थित, अनु-अनुपस्थित, -कार्यालय में नहीं

ii) पारिश्रमिक समिति

श्री एन.सी. झा, स्वतंत्र निदेशक, अध्यक्ष के रूप में श्री ए.के. गोयल, स्वंत्रण निदेशक, सदस्य के रूप में एवं श्री सूरज भान, सरकारी नामित निदेशक सदस्य के रूप में यह समिति गठित की गई थी। 09.10.2015 को श्री एन.सी. झा की अवधि समाप्ति पर श्री ए.के. गोयल को अध्यक्ष के रूप में नियुक्ति किया गया है। चूंकि अन्य स्वतंत्र निदेशक नहीं है इसलिए कमिटी में मात्र दो सदस्य शामिल हैं। यह समिति मई 2010 में जारी निगमित अभिशासन पर डीपीई के दिशा-निर्देशों के अनुसार कार्य करती है एवं निदेशकों के साथ-साथ पूर्णकालीन कर्मचारियों के लिए पीआरपी की सिफारिश करती है। यह कंपनी अधिनियम, 2013 की

i) Audit Committee

Audit Committee comprised of Shri N.C. Jha, independent director, as chairman with Shri A. K Goyal, independent director and Shri Suraj Bhan, Government nominee director as members. On the expiry of term of Shri N.C. Jha on 09.10.2015, Shri A.K Goyal was appointed Chairman. As there is no other Independent director, the committee consists of two members only.

The Audit Committee complies with the guidelines issued by DPE on Corporate Governance relating to Audit Committee.

ATTENDANCE OF THE DIRECTORS IN THE AUDIT COMMITTEE MEETINGS OF MSTC LTD HELD IN THE F.Y. 2015-16

Meeting No.	Meeting Date	Shri N.C. Jha	Shri Suraj Bhan	Shri A.K. Goyal
36	27.05.2016	p	p	p
37	03.07.2015	p	p	p
38	28.10.2015	x	p	p
39	16.12.2015	x	p	p
40	05.02.2016	x	p	p

p – present, a – absent and x – not in office

ii) Remuneration Committee

The committee was constituted with Shri N.C.Jha, independent director as chairman, Shri A.K.Goyal, independent director, as member and Shri Suraj Bhan, Government nominee director, as member. On the expiry of term of Shri N.C. Jha on 09.10.2015, Shri A.K Goyal has been appointed Chairman. As there is no other Independent director, the committee consists of two members only. The committee functions as per DPE guidelines on Corporate Governance issued in May 2010 and recommends PRP to whole time employees

स्वच्छ भारत अभियान पहल के अधीन अपने **निगमित** सामाजिक दायित्व के अन्तर्गत एमएसटीसी द्वारा वित्त पोषित शौचालय ब्लॉक

Toilet Block financed by MSTC under its Corporate Social Responsibility, under Swachh Bharat Abhiyan initiative

एमएसटीसी ने स्वयं सेवकों के प्रशिक्षण के लिए स्वयं सेवक रक्त दाता संघ के लिए क्रय किए गए फर्नीचरों का वित्त उपलब्ध कराया

MSTC financed purchase of furniture to Association of Voluntary Blood Donors for training of Volunteers

धारा 178 के साथ पठित कंपनी (बोर्ड की बैठक एवं उसकी शक्ति) नियम, 2014 के नियम 6 का अनुपालन करती है।

भारत सरकार की एक कंपनी होने के नाते नामांकन/नियुक्ति भारत सरकार द्वारा की जाती है। कर्मचारियों का पारिश्रमिक डीपीई, भारत सरकार के दिशानिर्देशों के अनुसार तय की जाती है।

iii) शेयर हस्तांतरण समिति

शेयर धारकों को अच्छी सेवाएं प्रदान करने हेतु बोर्ड ने एक शेयर हस्तांतरण समिति गठित की है। इसमें श्री ए के बसु, निदेशक (वित्त) और श्री बी बी सिंह, निदेशक (वाणिज्यिक) शामिल हैं, यद्यपि श्री सिंह ने अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक पद संभाल लिया है, वह कमिटी के सदस्य के रूप में बने रहेंगे। यह समिति डुप्लीकेट एवं विभाजित शेयर प्रमाण पत्र जारी करने का निर्णय भी लेती है।

iv) निगमित सामाजिक दायित्व (सीएसआर) समिति

बोर्ड द्वारा सीएसआर समिति का गठन किया गया है जिसमें स्वतंत्र निदेशक श्री ए. के. गोयल इसके अध्यक्ष तथा निदेशक (वित्त) एवं निदेशक (वाणिज्य) इसके सदस्य हैं। यह समिति कंपनी के सीएसआर कार्यकलापों की निगरानी करती है। निदेशक (वाणिज्य) ने सीएमडी के रूप में कार्यभार संभाला है इसलिए कमिटी के पुनर्गठन की आवश्यकता होगी।

आचार संहिता

डीपीई द्वारा निगमित अभिशासन के लिए दिए गए दिशा-निर्देशों के अनुकूल एमएसटीसी ने निदेशक मंडल एवं एमएसटीसी के नामित वरिष्ठ प्रबंधन के लिए एक आचार संहिता बनायी है। यह आचार संहिता कंपनी के वेबसाइट **www.mstcindia.co.in** पर उपलब्ध है। बोर्ड के सभी सदस्य और नामित वरिष्ठ प्रबंधक कार्मिकों ने इस आचार संहिता के अनुपालन की सहमति दी है। इससे संबंधित मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) द्वारा हस्ताक्षरित घोषणा इस रिपोर्ट के अंत में संलग्न किया गया है।

जोखिम प्रबंधन नीति

निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित कंपनी की एक **जोखिम प्रबंधन नीति** है, जिसकी समीक्षा बोर्ड द्वारा समय-समय पर की जाती है।

including directors. This complies with section 178 of the Companies Act, 2013 read with Rule 6 of the Companies (Meeting of Board and its Powers) Rules, 2014.

Being a Government of India Company nomination/ appointment is made by Government of India. Remuneration of the employees is as per DPE, Government of India guidelines.

iii) Share Transfer Committee

In order to render better services to the shareholders Board has constituted a share transfer committee comprising of Shri A.K. Basu Director (Finance) and Shri B.B. Singh Director (Commercial), though Shri Singh has take over as CMD, he continues to be the member of the committee. This committee also decides on issue of duplicate and split share certificates.

iv) Corporate Social Responsibility (CSR) Committee

CSR Committee is constituted by Board with an independent director, Shri A.K. Goyal as Chairman and Director(Finance) and Director(Commercial) as members. Committee monitors the CSR activities of the Company. With Director (Commercial) taking over as CMD the committee needs to be reconstituted.

Code of Conduct

A Code of Conduct for all Board members and designated senior Management of MSTC Ltd. has been laid down in accordance with the Guidelines on Corporate Governance by DPE. The Code of Conduct is available on the website of the company **www.mstcindia.co.in** All Board members and designated senior Management personnel have affirmed compliance with the Code of Conduct. A declaration signed by the Chief Executive Officer (CEO) to this effect is enclosed at the end of this report.

Risk Management Policy

Company has a **Risk Management Policy** approved by the Board of Directors which is reviewed from time to time by the Board.

धोखाधड़ी रोकथाम नीति

निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित कंपनी की एक **धोखाधड़ी रोकथाम नीति** है, जिसकी समीक्षा बोर्ड द्वारा समय-समय पर की जाती है। संबंधित नीतियां कंपनी की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

निगरानी तंत्र

ह्वीसल ब्लोअर नीति

निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित कंपनी की एक **ह्वीसल ब्लोअर नीति** है, जिसकी समीक्षा बोर्ड द्वारा समय-समय पर की जाती है। संबंधित नीतियां कंपनी की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

निदेशक मंडल को दी गई सूचना

- वार्षिक प्रचालन योजना तथा बजट और कोई अद्यतन सूचना।
- पूंजीगत बजट और कोई अद्यतन सूचना।
- कंपनी तथा इसके प्रचानल प्रभागों अथवा कारोबार सेगमेन्टों का वित्तीय परिणाम।
- बोर्ड की लेखा परीक्षा समिति तथा अन्य समितियों की बैठकों के कार्यवृत्त।
- मुख्य वित्तीय अधिकारी तथा कंपनी सचिव की नियुक्ति अथवा हटाने सहित बोर्ड स्तर से एक श्रेणी नीचे के स्तर के वरिष्ठ अधिकारियों की भर्ती और पारिश्रमिक से संबंधित जानकारी।
- कारण बताओं, डिमांड प्रॉसिक्यूशन नोटिस तथा पेनाल्टी नोटिस जो कि विषय की दृष्टि से महत्त्वपूर्ण हैं।
- घातक अथवा गंभीर दुर्घटनाएँ, खतरनाक घटनाएँ, कोई भौतिक बहिस्राव अथवा प्रदूषण समस्या।
- कंपनी के लिए अथवा कंपनी द्वारा वित्तीय बाध्यताओं में कोई महत्त्वपूर्ण चूक अथवा कंपनी द्वारा बेचे गए सामान के लिए काफी मात्रा में भुगतान प्राप्त नहीं होना।
- किसी निर्णय अथवा आदेश जो कंपनी के आचरण के संबंध में निंदा प्रस्ताव पारित कर सकता है अथवा दूसरे उपक्रम के बारे में प्रतिकूल

Fraud Prevention Policy

Company has a **Fraud Prevention Policy** approved by the Board of Directors which is reviewed from time to time by the Board. The policy is available at the company website.

Vigil Mechanism

Whistle Blower Policy

Company has a **Whistle Blower Policy** approved by the Board of Directors which is reviewed from time to time by the Board. The policy is available at the company website.

Information Placed Before The Board Of Directors

- Annual operating plans and budgets and any updates
- Capital budgets and any updates
- Financial results for the company and its operating divisions or business segments
- Minutes of meetings of audit committee and other committees of the board
- The information on recruitment and remuneration of senior officers just below the board level, including appointment or removal of Chief Financial Officer and the Company Secretary
- Show cause; demand prosecution notices and penalty notices which are materially important
- Fatal or serious accidents, dangerous occurrences, any material effluent or pollution problems
- Any material default in financial obligations to and by the company or substantial non-payment for goods sold by the company
- Any issue, which involves possible public or product liability claims of substantial nature, including any

अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक श्री बी. बी. सिंह, एमएसटीसी के ई-शॉपिंग मॉल मेटल मंडी पर कार्यशाला करने के अवसर पर परिलक्षित

Shri B. B. Singh, CMD, at a workshop on Metal Mandi, the e-shopping mall of MSTC

विचार ले सकता है जिसका कंपनी पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है सहित संभावित जो अथवा काफी संख्या में उत्पाद देयता दावों से संबंधित कोई मुद्रा।

- किसी संयुक्त उद्यम अथवा सहयोग करार का ब्यौरा।
- ऐसे लेन-देन जिनमें सदभाव, ब्राण्ड ईक्विटी अथवा बौद्धिक सम्पत्ति के लिए काफी भुगतान किया जाना है।
- महत्त्वपूर्ण श्रम समस्याएं और उसका प्रस्तावित समाधान। वेतन समझौता हस्ताक्षरित करने, स्वैच्छिक सेवा निवृत्त योजना का कार्यान्वयन आदि जैसे मानव संसाधन/औद्योगिक संबंधों में कई महत्त्वपूर्ण विकास।
- निवेश, सहायक कंपनियों, परिसम्पत्तियों जो कारोबार के समान्य रूप में नहीं हैं, के भौतिक स्वरूप की बिक्री।
- विदेशी मुद्रा एक्सपोजर का तिमाही ब्यौरा और विदेशी मुद्रा दर के प्रतिकूल उतार चढ़ाव, यदि भौतिक हो, के जोखिम को सीमित करने के लिए प्रबंधन द्वारा उठाए गए कदम।
- किसी विनियामक, सांविधिक का अनुपालन नहीं करना और शेयरधारक सेवा जैसे लाभांश का भुगतान प्राप्त नहीं होना, शेयर हस्तांतरण में विलम्ब आदि।

प्रबंधन विमर्श एवं विश्लेषण

1. कंपनी का व्यवसाय

एमएसटीसी लि. के दो प्रमुख व्यवसाय क्षेत्र हैं - पहला ई-कॉमर्स और दूसरा ट्रेडिंग। ई-कॉमर्स में एक सेवा प्रदाता के रूप में यह एक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है तथा इस क्षेत्र में यह सबसे अग्रणी है। अपने ग्राहकों को पारदर्शी, उचित एवं निरंतर सेवाएं प्रदान करने जैसी वजह से इसे अधिकांश कार्य केंद्र/पीएसयू/राज्य सरकार के विभागों तथा कुछ निजी प्रतिष्ठानों में भी सेवा प्रदान करने का गौरव प्राप्त है।

ई-कॉमर्स व्यवसाय

ई-कॉमर्स व्यवसाय में अग्रेषण ई-ऑक्शन एवं ई-रिवर्स ऑक्शन शामिल हैं। फॉरवर्ड ई-ऑक्शन में स्क्रैप, परित्यक्त मदों, पुराने संयंत्र एवं मशीनरी, अधिशेष भंडारों, लैंड पार्सल, एनपीए इत्यादि के लिए सेलिंग एजेंसी का व्यवसाय हैं तथा खनिज जैसे कोयला, लिगनाइट, बारईट, क्रोम ओर, आयरन ओर तथा सामग्रियां जैसे कच्चा पेट कोक, मानव केश के लिए ई-बिक्री है।

ई-प्रोक्योरमेंट में, एमएसटीसी गुणवत्ता सम्पन्न जरूरतों के लिए अनिवार्य एसटीक्यूसी प्रमाणपत्र द्वारा ई-टेंडर एवं ई-रिवर्स ऑक्शन सेवाएं प्रदान करती है। यद्यपि, एमएसटीसी ने वित्तीय वर्ष 2013-14 के दौरान अच्छी शुरुआत की थी, परंतु वित्तीय वर्ष 2015-16 में और भी महत्त्वपूर्ण वृद्धि हुई है एवं भविष्य में तेजी से विकास की ओर अग्रसर है।

वित्तीय वर्ष 2015-16 के दौरान कंपनी के कुल व्यवसाय का करीब 86 प्रतिशत (वर्ष 2014-15 में 77 प्रतिशत) ई-कॉमर्स से है तथा इस क्षेत्र में व्यापार वृद्धि की असीम संभावना है। कुल परिचालनगत आय में इसकी हिस्सेदारी 76 प्रतिशत (वर्ष 2014-15 में 79 प्रतिशत) की है।

ट्रेडिंग व्यवसाय:

वित्तीय वर्ष 2015-16 के दौरान व्यवसाय की कुल मात्रा का 14 प्रतिशत (वर्ष 2014-15 में 23 प्रतिशत) ट्रेडिंग व्यवसाय का है। एसएसटीसी फेसिलिटेटर का काम करता है और मुख्य रूप से क्रेता की ओर से सेकेंडरी इस्पात उत्पादक एवं पेट्रोकेमिकल उद्योग के लिए कच्चे माल की प्राप्ति का वित्त

judgment or order which, may have passed strictures on the conduct of the company or taken an adverse view regarding other enterprises that can have negative implications on the company

- Details of any joint venture or collaboration agreement
- Transactions that involve substantial payment towards goodwill, brand equity or intellectual property
- Significant labour problems and their proposed solutions. Any significant development in Human Resources/ Industrial Relations Front like signing of wage agreement, implementation of Voluntary Retirement Scheme etc
- Sale of material nature, of investments, subsidiaries, assets, which is not in normal course of business
- Quarterly details of foreign exchange exposures and the steps taken by management to limit the risks of adverse exchange rate movement, if material
- Non-compliance of any regulatory, statutory requirements and shareholders service such as non-payment of dividend, delay in share transfer etc

MANAGEMENT DISCUSSION AND ANALYSIS

1. Company's Business

MSTC has two core business segments namely e-commerce & trading. MSTC plays a very important role as a service provider in e-commerce and is a market leader in this sector. It has the distinction of serving majority of Central/PSUs/State Govt. Department and a few Private Institutions for providing transparent, fair & seamless e-Commerce services to its clients.

E-Commerce Business

e-Commerce business consists of forward e-Auction and e-Reverse auction. Forward e-Auction is considered as Selling Agency Business for scraps, condemned items, old plant & machinery, surplus stores, land parcels, NPAs etc. and e-sales for minerals like coal, lignite, barytes, chrome ore, iron ore and also commodities like raw pet coke, human hair to name a few.

In e-procurement, MSTC provides e-Tender and e-Reverse auction services backed by mandatory STQC certificate for quality requirements. Although, MSTC made a modest beginning in FY 2013-14 but it has made a significant growth in the FY 2015-16 and is poised for exponential growth in future.

e-Commerce business constitutes about **86% (77% in 2014-15)** of the total volume of business of the company during FY 2015-16 and has the potential to grow exponentially. It contributed **76% (79% in 2014-15)** of the total operational income.

TRADING BUSINESS

In trading business, which constituted **14%** (23% on 2014-15) of the total volume of business during FY 2015-16, MSTC acts as a facilitator for procurement of raw material for

पोषण करता है। इस कार्य के लिए एमएसटीसी प्रतिशत के आधार पर मार्क अप प्राप्त करता है।

यह व्यवसाय कंपनी के कुल परिचालन से आय में 24 प्रतिशत (वर्ष 2011-15 में 21 प्रतिशत) का योगदान किया।

2. ई-कॉमर्स व्यवसाय

व्यवसाय के इस क्षेत्र में एमएसटीसी सेलिंग एजेंसी व्यवसाय, ई-सेल्स एवं ई-प्रोक्योरमेंट के लिए सेवा प्रदाता के रूप में काम करता है।

सेलिंग एजेंसी व्यवसाय

इस पोर्टफोलियों में एमएसटीसी स्क्रैप, पुराने प्लांट एवं मशीनरी, ई-वेस्ट, अवशिष्ट भंडार, जोखिम सामग्री, आदि के निपटान तथा डेलिवरी आदेश के जारी करने हेतु ऑक्शन कैटलॉग के तैयार करने के लिए बिना अवरोध सेवा ऑफर करने के लिए सेलिंग एजेंट के रूप में कार्य करता है।

ई-सेल्स

व्यवसाय के इस पोर्टफोलियो के अंतर्गत, मुख्य उत्पाद यानी कोयला, लिग्नाइट, आयरन ओर, क्रोम ओर, मैंग्नीज ओर, बारईट, रॉक फॉस्फेट, चाय, कच्चा पेट कोक इत्यादि तथा मानव केश की भी बिक्री स्वविकसित एक विशेषताप्राप्त एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर की मदद से ई-नीलामी द्वारा की जाती है।

वित्तीय वर्ष 2015-16 के दौरान, एमएसटीसी ने पहली बार लाल सैंडर की लकड़ी (एक वन उत्पाद) को ई-बिक्री में शामिल किया है, जो वन उत्पादों यानी लकड़ी, जब्त लाल सैंडर, साल के बीज, लकड़ी के कुंदे, मसाले इत्यादि की अत्यंत जरूरी ई-नीलामी का मार्ग प्रशस्त करेगी। पारदर्शी एवं निष्पक्षता के साथ एमएसटीसी ने इस्पात, सीमेंट तथा ऊर्जा क्षेत्र तथा राज्य स्वामित्व वाले प्रतिष्ठानों को कोयला खदान ब्लॉकों की सफलतापूर्वक नीलामी कर इतिहास रचा है। देश में पहली बार केरल राज्य में वन की लकड़ियों तथा चंदन की लकड़ियों की बिक्री के लिए ई-नीलामी की भी शुरुआत की है।

एनटीपीसी लिमिटेड, डीवीसी, एनएलसी आदि की ओर से बुक बिल्डिंग विधि के जरिए एमएसटीसी ने देश में पहली बार ताप विद्युत संयंत्र से निकलने वाले फ्लाई ऐश की ई-नीलामी का संचालन किया। रु. 3500 करोड़ की विद्युत प्रणाली विकास निधि के इस्तेमाल कर देश में अप्रयुक्त मानक गैस आधारित विद्युत संयंत्रों के पुनरुत्थान के लिए ई-रिवर्स नीलामी के संचालन हेतु ऊर्जा मंत्रालय ने एमएसटीसी लिमिटेड को नियुक्त किया है।

इस क्षेत्र में एनपीए, लैंड पार्सल्स, पोर्ट लैंड भूमि की लीजिंग, कृषि उत्पाद, बड़े एवं छोटे मिनिरल ब्लॉक्स, कोल लिंकेज के कतिपय उभरते अवसरो ई-ऑक्शन है।

ई-प्रोक्योरमेंट

एमएसटीसी ने ई-प्रोक्योरमेंट से संबंधित सभी गतिविधियों को शामिल करते हुए एक अद्योपांत पैकेज समाधान तैयार किया है। इसमें ई-निविदा एवं ई-रिवर्स नीलामी दोनों के लिए मांग पत्र तैयार करने से लेकर क्रय आदेश जारी करना तक शामिल है। एमएसटीसी ई-प्रोक्योरमेंट में व्यापक व्यावसायिक संभावनों का लाभ उठाने के लिए पूरी तरह से तैयार है तथा केंद्र सरकार/पीएसयू में संभावित ग्राहकों को अपने क्षेत्र बनाने का प्रयास कर रही है।

यहां यह उल्लेख करना प्रासंगिक है कि सीवीसी के दिशा-निर्देशों तथा आईटी अधिनियम 2000 तथा उसके संशोधन के अनुसार एसटीक्यूसी की अनिवार्य आवश्यकताओं को एमएसटीसी पूरी तरह से सम्पूर्ण करती है तथा सिस्टम जीएफआर के नियमों के बिल्कुल अनुकूल है।

secondary steel producers and petrochemical industry on behalf of buyers and charge mark-up on percentage basis.

This business contributed **24% (21% in 2014-15)** of the total operational income of the company.

2. E-Commerce Business

In this segment of business, MSTC acts as service provider for selling agency business, e-sales and e-procurement.

Selling Agency Business

In this portfolio, MSTC acts as selling agent for disposal of scrap, old Plant & Machinery, e-waste, surplus store, hazardous items, obsolete items, etc and offers seamless services from preparation of the auction catalogue to the issuance of delivery order.

E-Sales

Under this portfolio of business, the prime products such as coal, lignite, iron ore, chrome ore, manganese ore, barytes, rock phosphate, tea, raw pet coke etc. and also human hair are sold by way of e-auction through specialized application software developed in-house.

During FY 2015-16, MSTC added e-sales of Red sanders wood (a forest produce) for the first time which may pave way for much needed e-auction of forest products such as timber, confiscated Red Sander, Sal Seeds, logs, spices, etc., MSTC created history by successfully auctioning coal mining blocks to Steel, Cement and Power sector and state owned entities in a transparent and fair manner. The Company also introduced e-auction for sale of Forest timber and sandal wood in the state of Kerala for the first time in the country.

MSTC conducted e-auction of Fly-ash emanating from Thermal Power Plant for the first time in the country through Book Building method on behalf of NTPC Ltd, DVC, NLC, etc., Ministry of Power engaged MSTC Ltd. to conduct e-reverse auction for revival of underutilized Standard Gas Based Power plants in the country utilizing Power system Development Fund of ₹ 3,500 Crore.

Some of the emerging opportunities in this segment are e-auction of NPAs, land parcels, leasing of Port Land, agri forest produce, major & minor mineral blocks, coal linkages.

E-Procurement

MSTC offers end-to-end solution for e-procurement starting from raising of indents to issuance of Letter of Intent/Purchase Order for both e-tender and e-reverse auction. MSTC is fully geared up to tap the immense business potential in e-procurement and trying to rope in potential customers in Central Govt. /PSUs, state PSUs & private Companies.

It is relevant to mention here that the mandatory requirements of STQC Certificate as per CVC guidelines and IT Act 2000 & its amendment are fully met by MSTC and the system is in conformity with GFR norms.

पैकेज को एमएसटीसी द्वारा स्वयं विकसित किया गया है तथा इसमें सरल प्रचालन के प्रावधान के साथ ही साथ इसे ग्राहकों द्वारा जैसे एवं जब आवश्यकता के अनुसार अनुकूल बनाया जा सकेगा।

एमएसटीसी आयतित खनिजों जैसे थर्मल कोयला, कोकिंग कोल, रॉक फॉस्फेट की ई-रिवर्स नीलामी आरम्भ करने के अग्रिम चरण में है, जो ई-प्रोक्योरमेंट व्यवसाय में नए अवसर प्रदान करेगा।

ई-कॉमर्स के क्षेत्र में एमएसटीसी के सभी मक्केल को अनवरत सेवाएं प्रदान करने के लिए सक्रिय रूप हैं :-

i) एमएसटीसी एकल सेवा प्रदाता है तथा किसी भी ई-कॉमर्स क्रियाकलापों के लिए बाहरी एजेंसी की सेवा प्राप्त नहीं करती है।

ii) संबंधित क्षेत्र में डोमेन ज्ञान रखने वाले उच्च उत्प्रेरित प्रोग्रामरों एवं अभियंताओं की एक दल द्वारा आंतरिक रूप से इस्तेमाल किए जाने वाले सॉफ्टवेयर पोर्टलों को विकसित एवं आवश्यकता के अनुसार अनुकूल बनाया गया है।

ई-कॉमर्स की बुनियादी ढांचा

एमएसटीसी का ई-कॉमर्स प्रभाग आईबीएम निर्मित नवीनतम पी सीरिज (आई/पीवी-6) सर्वर से सुसज्जित है। यह सर्वर प्रतिबिम्ब सहित एक साथ 10,000 कॉनकरेंट हीट ले सकता है। यह मुंबई में डिजास्टर रिकवरी सर्वर के रूप में काम करता है। इस प्रभाग को आईएसओ 9001:2008 से प्रमाणित किया गया है और प्रणाली आईएसओ 27001:2013 से प्रमाणित है।

The package has been developed in-house and will provide ease of operation as well as customization as and when needed by the clients.

MSTC has commenced e-reverse auction for imported thermal coal and geared up for coking coal, rock phosphate and other minerals which will open up window of opportunity in e-procurement business.

The enabling factors for providing seamless services to all MSTC's clients in e-Commerce segment are:-

i) MSTC is standalone service provider and does not outsource any of the e-commerce activities to outside agency

ii) The development of application software portals, customization is done in-house by team of highly motivated programmers and engineers having domain knowledge in respective areas

E-Commerce Infrastructure :

MSTC e-commerce division is equipped with latest P series (I/PV-6) server of IBM make capable of taking 10,000 concurrent hits with a mirror image server acting as a disaster recovery server located at Mumbai. The division is accredited with ISO 9001:2008 and the system has the ISO 27001:2013 certification.

अहमदाबाद में मेटल मंडी-'एम3' की कार्यशाला प्रगति पर
Workshop on Metal Mandi-'M3' in progress at Ahmedabad

ग्राहकों को अत्याधिक पारदर्शी एवं निष्पक्ष पद्धति से सेवा सुनिश्चित करने के लिए एमएसटीसी ई-कॉमर्स सिस्टम ने सीवीसी के नवीनतम दिशा-निर्देशों एवं आईटी अधिनियम 2000 और उसमें हुए संशोधन का पालन किया है।

एमएसटीसी ने अपने क्षेत्रीय/शाखा कार्यालयों के साथ तत्काल संचार के लिए वीपीएन नेटवर्क कार्यान्वित किया है।

सीवीसी के दिशा-निर्देशों के अनुसार एसटीक्यूसी द्वारा निर्धारित अवधि पर सिस्टम प्रभाग की परीक्षा की जाती है। एसटीक्यूसी भारत के सूचना तकनीकी एवं संचार मंत्रालय के तहत एक स्वतंत्र थर्ड पार्टी एजेंसी है। ऊपर उल्लिखित सभी पहलुओं ने सिस्टम को अनमोल, अद्यतन और सर्वोत्कृष्ट बनाया है।

एमएसटीसी ने अपने प्रिंसिपल एवं ग्राहकों को ई-कॉमर्स सेवा उपलब्ध कराने हेतु ई-कॉमर्स मॉड्युल (एमएसटीसी ई-कॉमर्स एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर) बनाया है। इस एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर को आंतरिक व्यवस्थाओं के माध्यम से बनाया गया है। विभिन्न प्रिन्सिपलों की जरुरतों के अनुसार समय समय पर इसका कॉस्टोमाइजेशन किया जाता है। एमएसटीसी ने इसके लिए पेटेंट प्राप्त किया एवं भारत सरकार के कॉपी राइट के उप-रजिस्टर द्वारा पंजीकृत है।

एमएसटीसी सीवीसी परिपत्र सं. 1-1-2012 दिनांक 12.01.2012 के आदेश के अनुसार ई-प्रोक्योरमेंट की गुणवत्ता जरूरतों के लिए एसटीक्यूसी प्रमाणपत्र हासिल करने वाली पहली कंपनी है।

एमएसटीसी ने सभी खनिज हेतु माईनिंग लीज सह कम्पोजिट लाइसेंस हेतु अद्वितीय एसटीक्यूसी प्रमाण-पत्र भी प्राप्त किया है और वह कोयले की ई-नीलामी हेतु समान प्रमाण-पत्र को प्राप्त करने की उन्नततम अवस्था में है।

एमएसटीसी को अपने ई-कॉमर्स सॉफ्टवेयर के विकास के लिए सीएमएमआई इंस्टीट्यूट, कारनेज मेलन, यूएसए से सीएमएमआई लेवल 3 पर मूल्यांकन प्राप्त हुआ है। सीएमएमआई लेवल 3 का वर्णन निम्नानुसार है :-

परिपक्वता लेवल 3 पर मूल्यांकन का अर्थ है संगठन एक परिभाषित स्तर पर कार्य निष्पादन कर रही है। इस लेवल पर, प्रक्रिया विशेषता प्राप्त एवं ज्ञात हैं तथा मानकों, विधियों, उपकरणों एवं तरीकों में वर्णित है। संस्थान की मानक प्रक्रिया, जो परिपक्वता लेवल 3 का आधार है, संस्थापित एवं समय-समय पर उन्नत किया गया है।

कुल ई-कॉमर्स व्यवसाय का प्रभागवार ब्यौरा नीचे दिया गया है:

एजेंसी व्यवसाय

स्क्रैप का निपटान

वर्ष 2015-16 के दौरान, कुल व्यवसाय की मात्रा रु. 2,59,412 लाख है, जबकि पिछले वर्ष यह आंकड़ा ₹ 3,26,703 लाख था।

ई-सेल्स

वर्ष 2015-16 के दौरान, कुल ई-सेल्स व्यवसाय रु. 1808,318 **लाख** है। पिछले वर्ष रु. 16,68,610 **लाख** था। यह विगत वर्ष की तुलना में **8.37 प्रतिशत** अधिक है। कोयला, लिग्नाइट, कच्चा पेट कोक, बारईट, अन्य

MSTC e-commerce system complies with latest CVC guidelines and Information Technology Act 2000 & its subsequent amendments to ensure services to customers in a most transparent and fair manner.

MSTC has implemented VPN network for quick communication across its Regional/Branch offices.

As per the CVC guidelines, the system is periodically audited by STQC, and independent third party agency under Ministry of Communication and Information Technology, Government of India. All the aforesaid features make the system an unique, state-of-the-art and par excellence.

MSTC developed e-Commerce Modules (MSTC e-commerce application Software) for providing e-commerce services to its principals and customers. This Application Software designed in house is being customized from time to time to suit the requirement of various principals. A patent to the effect has been earned by MSTC and registered by the Deputy Registrar of Copyrights, Government of India.

MSTC is the first company to have obtained STQC certification for quality requirement of e-procurement as per the mandate of CVC circular no: 1-1-2012 dated 12-01-2012.

MSTC has also obtained unique STQC Certificate for Mining Lease Cum Composite License (MLCL) for all minerals and is in the advanced stage of obtaining the same for e-auction of Coal.

MSTC has been appraised at CMMI Level 3 from CMMI Institute, Carnegie Mellon, USA for its e-commerce Software Development expertise. CMMI Level 3 states as follows:-

"An appraisal at maturity level 3 indicates the organization is performing at a "defined" level. At this level, processes are well characterized and understood and are described in standards, procedures, tools and methods. The organization's set of standard process which is the basis for maturity level 3, is established and improved over time."

Total e-commerce business is given as under :

Agency Business :

Scrap Disposal

During the year 2015-16, the total volume of business achieved is ₹ **2,59,412** Lakh against previous year's achievement of ₹ **3,26,703** Lakh.

e-Sales

The total e-sales business during 2015-16 was ₹ **18,08,318 Lakh** as against the corresponding figure of ₹ **16,68,610 Lakh**; an increase of **8.37%** over previous year. The volume of sales

एमएसटीसी के अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक श्री बी. बी. सिंह, केरल के कोट्टायम के कुमाराकॉम में बिल्डर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया की बैठक में प्रेजेन्टेशन की प्रस्तुति करते हुए
CMD, MSTC, Shri B. B. Singh making a presentation at builders association of India meeting at Kumarakom, Kottayam, Kerala

खनिज, मानव केश, चाय इत्यादि की बिक्री की मात्रा नीचे दी गई है :

(रु. **लाख में**)

उत्पाद	2015-16	2014-15
कोल	**8,18,444**	6,13,644
लिग्नाइट	**12,486**	23,855
आयरन ओर	**4,62,649**	6,53,318
मैंगनीज ओर	**9,389**	13,011
मानव केश	**12,881**	17,711
चाय	**-**	6,059
क्रोम ओर	**19,555**	58,108
रा पेट कोक	**48,518**	55,284
रॉक फॉस्फेट	**28**	10,780
बाराइट ओर	**22,925**	-
लाल सैंडर्स	**17,926**	87,931
कोयला ब्लॉक	**2,050**	86,200
विद्युत सब्सिडी वितरण	**2,71,248**	-
कृषि, वन उत्पाद एवं अन्य	**19,916**	5,613
नैप्था	**-**	15,420
टिम्बर एवं सैंडर	**21,327**	-
लैंड पार्सल/सम्पत्ति	**61,335**	20,476
फ्लाई ऐश	**7,641**	1,200
कुल	**18,08,318**	**16,68,610**

ई-प्रोक्योरमेंट

ई-प्रोक्योरमेंट में कंपनी काफी ऊंची छलांग लगाई है, वित्त वर्ष 2015-16 में

of coal, lignite, raw pet coke, barytes, other minerals, human hair, tea, etc., are given as under :

(₹ in Lakh)

Item	2015-16	2014-15
Coal	**8,18,444**	6,13,644
Lignite	**12,486**	23,855
Iron Ore	**4,62,649**	6,53,318
Manganese Ore	**9,389**	13,011
Human Hair	**12,881**	17,711
Tea	**-**	6,059
Chrome Ore	**19,555**	58,108
Raw Pet Coke	**48,518**	55,284
Rock Phosphate	**28**	10,780
Baryte Ore	**22,925**	-
Red Sanders	**17,926**	87,931
Coal Block	**2,050**	86,200
Power Subsidy Distribution	**2,71,248**	-
Agri, Forest Produce & Others	**19,916**	5,613
Naphtha	**-**	15,420
Timber & Sander	**21,327**	-
Land Parcel/Property	**61,335**	20,476
Fly ash	**7,641**	1,200
Total	**18,08,318**	**16,68,610**

e-Procurement

Taking a big leap forward in e-procurement, the volume of

कंपनी का व्यवसाय रु. 5,75,975 **लाख** था। जबकि, पिछले वर्ष के दौरान व्यवसाय रु. 3,02,422 **लाख** था। सीवीसी दिशा-निर्देशों के अनुसार ई-प्रोक्योरमेंट के लिए अनिवार्य एसटीक्यूसी प्रमाणपत्र हासिल करने के उपरांत, एमएसटीसी ने खरीददारी के लिए इलेक्ट्रॉनिक तरीके के अपनाने की सरकारी कंपनियों में बढ़ते प्रचलन के अवसर का भरपूर लाभ उठाने के लिए पूरी तरह से समर्पित है।

अर्जित सेवा शुल्क रु. 634**लाख** था। जबकि, पिछले वर्ष के दौरान यह राशि रु. 206 **लाख** था। कम मात्रा में सेवाएं शामिल होने की वजह से अन्य ई-कॉमर्स व्यवसाय की तुलना में औसतन सेवा आय साधारणतः कम है। ग्राहकों से ज्यादा मात्रा में व्यवसाय सुनिश्चित होने से ऊपर उल्लेखित आंकड़े कई गुना बढ़ेगी।

संक्षेप में, एमओयू में निर्धारित लक्ष्य (बहुत अच्छा) ई-कॉमर्स व्यवसाय के कुल मात्रा के लिए रु. 20,500 करोड़ की तुलना में एमएसटीसी ने रु. 26,43,706 **लाख** का आंकड़ा प्राप्त किया, जो एमओयू लक्ष्य से **28.96 प्रतिशत** अधिक है एवं पिछले वर्ष के संबंधित आंकड़ों की तुलना में **15.06 प्रतिशत** अधिक है।

यहां यह उल्लेख करना प्रासंगिक है कि ई-कॉमर्स सेवा शुल्क आय में कमी, वर्ष 2014-15 में. रु. 13,139 लाख से वित्तीय वर्ष 2015-16 के दौरान रु. 12,228 लाख, वृद्धि व्यवसाय के आयतन में वृद्धि के समानुपातिक नहीं है।

चूंकि एमएसटीसी का सेवा प्रभार प्रतिशत पर आधारित है जो **परिचालन के बजाय स्क्रैप एवं मिनिरल्स के मूल्य में गिरावट के कारण सेवा प्रभार की आय में कमी आयी हैं।**

यद्यपि, भविष्य में व्यापक संभावनाएं तथा तुलनात्मक तौर पर कम जोखिम भरा व्यवसाय होने की वजह से दीर्घ काल में ई-कॉमर्स व्यवसाय ही एमएसटीसी का मुख्य आधार बना रहेगा।

ट्रेडिंग व्यवसाय

ट्रेडिंग टॉप लाईन एवं बॉटम लाइन दोनों के लिए उल्लेखनीय योगदान करती है। सेकेंड्री इस्पात उत्पादों एवं पेट्रोकेमिकल उद्योग की ओर से एसएसटीसी कच्चे मालों की खरीददारी के लिए वित्त पोषण करती है। एमएसटीसी के व्यवसाय का मुख्य आधार है ट्रेडिंग। एमएसटीसी एक फेसिलेटेटर के रूप में काम करता है अथवा क्रय-विक्रय मोड में तथा सेकेंडरी इस्पात उत्पादक तथा उससे संबंधित उद्योगों की ओर से कच्चे माल के क्रय का वित्त पोषक के रूप में कार्य करता है।

आयात के लिए एमएसटीसी अपनी उचित उद्यम के पश्चात चयनित क्रेताओं की ओर से विदेशी आपूर्तिकर्ता पर एवं क्रेता के स्पेशिफिकेशन के अनुसार कच्चे माल की आपूर्ति के लिए रिस्क मैनेजमेंट पॉलिसी (आरएमपी) के नियमानुसार तथा कीमत और सुपुर्दगी शर्त पर क्रेता की सहमति से एल/सी खोलती है। सामग्री को 'हाई-सी' सेल के आधार पर क्रेता को बेचा जाता है, जिसे एमएसटीसी के पास बंधक रखा जाता है और सामग्री का मालिकाना क्रेता के पास होता है। आयतित सामग्री या देशीय स्रोत से प्राप्त सामग्री को एमएसटीसी की कस्टडी में क्रेता की जगह पर रखा जाता है। इसके लिए एक कस्टोडियन की नियुक्ति के माध्यम से क्रेता की जमीन पर रखा जाता है और एमएसटीसी, कस्टोडियन और क्रेता के बीच एक तीन तरफा करार होता है। क्रेता को भुगतान करके 'कैश एंड कैरी' आधार पर अपनी आवश्यकता के अनुसार सामग्री उठाने की अनुमति होती है।

वर्ष के दौरान इस सिगमेंट से सेवा प्रभार रु. **3,906** लाख था।

business in FY 2015-16 was ₹ **5,75,975** Lakh as against corresponding figure of ₹ **3,02,422** Lakh during last year. After obtaining the mandatory STQC certificate for e-procurement as per CVC guidelines, MSTC went full steam for capitalizing the opportunity of growing tendency of Govt. companies in switching over to electronic mode for the purchases.

The service charge earned was ₹ **634** Lakh as against corresponding figure of ₹ **206** Lakh in the previous year. The percentage service income is usually less compared to other e-commerce business due to less content of services involved. This figure is stated to raise manifold as we secure more volume of business from clients.

In nutshell, against the MoU target (very good) of ₹ **20,500** Crore for total volume of e-Commerce business, MSTC achieved a figure of ₹ **26,43,706** Lakh, which is an increase of 28.96% over MOU target and an increase of 15.06% as compared to the corresponding figure of last year.

It is pertinent to mention here the decrease in e-Commerce service charge income from ₹ **13,139** Lakh in 2014-15 to ₹ **12,228** Lakh during FY 2015-16 are not commensurate with the increase in volume of business.

Since MSTC's service charge is based on % age basis, the service charge income declined sharply due to reduction in prices of scrap and minerals despite handling more through put.

However, e-commerce business remains to be mainstay of MSTC in the long run due to its immense potential in future and comparatively less risk involved in the business.

Trading Business

Trading contributes significantly to both top line and bottom line. MSTC provides finance for the procurement of raw materials on behalf of the secondary steel producers and petrochemical industry. Trading has been the mainstay of MSTC's business. MSTC acts in a facilitator mode or purchase-sale mode and finances the procurement of raw materials on behalf of primarily the secondary steel producers and its allied industries.

For imports, MSTC opens L/C on overseas supplier on behalf of buyers who are selected after their due diligence and as per Risk Management Policy (RMP) norms for supply of raw materials as per the buyers' specification and consent for price and delivery terms. The material is sold to buyers on 'High-Sea' sale basis wherein the material is pledged to MSTC and the ownership rests with the buyers. The materials thus sourced through import or from domestic sources are kept in the custody of MSTC at the premise of buyers through a custodian appointed for this purpose after signing a tripartite agreement between MSTC, the custodian and the buyers. The buyers are allowed to lift the material against their requirement on payment under 'Cash & Carry' basis.

Service charge earned from this segment was ₹ **3,906** Lakh during the year.

थर्मल कोल का आयात

भारत के विभिन्न ऊर्जा क्षेत्र में बढ़ती हुई आयातित थर्मल कोल की पूर्ति के आशय से एमएसटीसी ने थर्मल कोल की आपूर्ति के व्यवसाय में संबंधित क्रेताओं को डोर डिलीवरी के आधार पर कदम रखा है। एमएसटीसी अपने व्यावसायिक सहयोगियों (जिनका चयन एमएसटीसी द्वारा वार्षिक आधार पर खुले टेंडर के माध्यम से किया जाता है) के माध्यम से बैक-टू-बैक के आधार पर थर्मल कोल की आपूर्ति के लिए क्रेताओं द्वारा जारी टेंडरों में शामिल होता है। एमएसटीसी ने रु. 2,51,811 **लाख** कीमत का **5.62** मीलियन एम टी आयातित थर्मल कोल की सफलतापूर्वक आपूर्ति की, जो पिछले वर्ष के दौरान की गई आपूर्ति 3.04 मीलियन टन से कम है।

आयातित थर्मल कोयले की मांग और आपूर्ति के बीच की दूरी को मिटाने के लिए एक अभिनव समाधान के तौर पर एमएसटीसी ने भारत में क्रेताओं की ओर से आयातित थर्मल कोयले की रिवर्स ई-ऑक्शन मॉडल विकसित किया है। इस समाधान के अंतर्गत भारतीय ग्राहक द्वारा दिए गए कोल स्पेसिफिकेशन के अनुसार एमएसटीसी रिवर्स ई-ऑक्शन संचालन करेगा। जो एमएसटीसी के साथ पंजीकृत होगा वे ई-ऑक्शन में डोर डेलिवरी के आधार अथवा एफओबी आधार पर पर एल-1 होने के लिए बोली लगाएगी। **एमएसटीसी ने भारत में ग्राहकों हेतु एक सफलतापूर्वक रिवर्स ऑक्शन संचालित किया है जिसके परिणामस्वरूप आयात मूल्य में अकाल्पनिक कमी आयी हैं।**

वैश्विक अर्थव्यवस्था मुख्यतया इस्पात सेक्टर में लंबे समय से मंदी के कारण ट्रेडिंग के कारोबार में इस्पात के मांग में कमी है जिससे हल्की गिरावट आई है।

आयातीत थर्मल कोल के लिए व्यापार के सम्बन्ध में घरेलू बाजार में थर्मल कोल की मांग में कमी आई है जिसके परिणामस्वरूप वर्ष 2015-16 में कम गुणवत्ता का कोयला आयत किया गया। इसके अतिरिक्त एमएसटीसी आयातीत कोयला के मूल्य का प्रतिशत आधार पर मार्क अप किया जिससे थर्मल कोल के वैश्विक मूल्य में कमी आने के कारण सेवा आय में भारी गिरावट आया है।

वित्त वर्ष 2015-16 में ट्रेडिंग प्रभाग का कुल व्यवसाय रु. **4,38,223 लाख** है। जबकि एमओयू लक्ष्य (बहुत अच्छा) रु. **5,95,000 लाख** का था जो लक्ष्य का 73.65 प्रतिशत है।

संवृद्धि एवं भावी विकास के लिए नए क्षेत्र की तलाश

1. एमएसटीसी प्रथम ऑटो श्रेडिंग प्लांट की स्थापना करने की महत्वाकांक्षी परियोजना पर लगातार कार्य कर रही है। इसके लिए कच्चे माल हेतु परित्यक्त ऑटोमोबाइलों एवं ह्वाईट गुड्स इत्यादि की आवश्यकता है। मंत्रालय की सहायता से एमएसटीसी इस परियोजना को शीघ्रता से शुरू करने का प्रयास कर रही है।
2. अन्य विकसित एवं विकासशील देशों में लागू नियमों के अनुसार वाहनों की वैधता समय के समाप्त होने पर स्क्रैपिंग की अनिवार्यता को प्रोत्साहित करने के कानून लागू करने के लिए एमएसटीसी सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, भारी उद्योग मंत्रालय, सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैनुफैक्चरर्स (एसआईएएम) तथा इस तरह के अन्य निकायों से चर्चा शुरू कर चुकी है। **भारत सरकार इस सबंध में शीघ्र ही एक नीति निर्धारण करने वाली हैं।**
3. एमएसटीसी विभिन्न क्षेत्रों जैसे कोयला ब्लॉक की नीलामी, लाल सैंडर वुड की नीलामी, चंदन लकड़ी की नीलामी तथा मानव केश, विभिन्न खनिजों, कृषि एवं वन उत्पाद, एनपीए इत्यादि में ई-कॉमर्स व्यवसाय को विस्तारित करने का कठोर प्रयास कर रही है। इसके अलावा

Import of Thermal Coal

In order to meet the demand of imported thermal coal by the various power utilities in India, MSTC has been supplying thermal coal to such buyers on door delivery basis. MSTC participates in the tenders floated by the buyers for supply of thermal coal through its business associates (empanelled annually through an open tender by MSTC) on back-to-back basis. MSTC had supplied successfully 5.62 million MT of imported thermal coal valued at **₹ 2,51,811** Lakh which is less than 3.04 million MT supplied in the previous year.

Taking an innovative solution for import of thermal coal to meet demand supply gap MSTC has developed a reverse e-auction model for imported thermal coal on behalf of the buyers in India. In this solution, MSTC conduct e-reverse auction as per the coal specification provided by Indian buyers. The suppliers who will be registered with MSTC will participate in the reverse e-auction and bid to become L-1 on Door Delivery basis or on FOB basis. MSTC will charge its mark-up on per ton of coal delivered. MSTC has conducted successfully reverse e-auctions for one of the customers in India which has resulted in drastic reduction in import price.

Due to prolonged slowdown in the Global economy, particularly in the steel sector, the trading business was subdued due to slump in demand for steel.

With regard to the business for Imported thermal coal, the demand had shrunk due to glut situation of thermal coal in the domestic market which has resulted in less quantity of Coal imported during the year 2015-16. In addition, MSTCs mark up is based on % age basis of the price of imported coal, there was huge reduction in the service income due to steep fall in the global prices of thermal coal.

The total performance of Trading Division during FY 2015-16 stands at **₹ 4,38,223** Lakh as against MOU Target (very good) of **₹ 5,95,000** Lakh which is 73.65% of Target.

Diversification for growth and future developments :

1. MSTC is consistently pursuing the ambitious project of setting up of the first Auto Shredding Plant in India for which input raw materials like condemned automobiles, white goods etc are required. MSTC with the help of the Ministry is making efforts to implement this project.
2. MSTC is already in talks with the Ministry of Road Transport and Highways, Ministry of Heavy Industries, Society of Indian Automobile Manufacturers (SIAM) and other such bodies for enactment of a Law for incentivizing compulsory scrapping of End of Life Vehicles as existing in other developed and developing countries. Govt. of India is shortly coming up with a policy in this regard.
3. MSTC has also diversified its e-Commerce activities in various domains like Coal and Non-Coal Mining Block Auctions, red sander wood auctions, sandal wood auctions and human hair, various minerals, agri and forests produce, NPAs etc. In addition MSTC is further looking forward to expand its e-Commerce presence into

एमएसटीसी अपने ई-कॉमर्स की उपस्थिति को अन्य विविध क्षेत्रों यानी ई-रिटेल व्यवसाय के साथ भारतीय डाक एवं उसके लॉजिस्टिक की सहायक सेवाओं में विस्तारित करने प्रयास कर रही है। इसके लिए प्रारम्भिक चर्चा आरम्भ हो चुकी है।

4. औद्योगिक/अभियांत्रिकी मालों के लिए विशेष कर इस्पात उत्पादों के लिए बी2बी मोड में ई-शॉपिंग मॉल के लिए एक पोर्टल जारी करने का प्रयास जारी है। यह पोर्टल विकसित हो चुका है एवं पंजीयन होने वाला है। इसका आगामी 4-5 महीने में औपचारिक शुभारंभ होगा।

5 एमएसटीसी अपने ग्राहकों को उनकी खरीददारी हेतु सम्पूर्ण समाधान के लिए ई-प्रोक्योरमेंट सेवाओं की शुरुआत की है। इसके अलावा, थर्मल कोयले की आयात के लिए ई-रिवर्स ऑक्शन पोर्टल विकसित किया गया है, जिसके जरिए आसान, झंझट से मुक्त एवं किफायती तरीके से कोयले आयात किया जाएगा।

भविष्य की रूपरेखा

एमएसटीसी देश में वृहत एकमात्र ई-कामर्स सेवा प्रदाता बन चुकी है। एमएसटीसी व्यापार के नये एवं विविध क्षेत्र यथा कृषि उत्पाद में चाय, साबूदाना, मखाना, वन उत्पादन में तेंदू पत्ता, टिम्बर, साल सीड, मानव केश, फ्लाई ऐश आदि में प्रयास कर रही है। इसके अलावा एमएसटीसी ने भूमि, अपार्टमेंट, बैंक्स एनपीए एवं डीआरटी आदि के अधीन सम्पत्ति का कार्य प्रारम्भ किया है।

पीपीपी मॉडल के अधीन एक ई-वेस्ट रीसाइकलिंग की स्थापना का भी पता लगाया जा रहा है। बोर्ड ने प्रस्तावित ऑटो श्रेडिंग प्लांट जिससे ई-वेस्ट में मौजूद मूल्यवान मेटल को निकालने एवं ठीक किये जा सकते हैं के साथ ई-वेस्ट रीसाइकलिंग प्लांट के शामिल करने की संभावना की तलाश का अनुमोदन किया है।

एमएसटीसी माइनिंग ब्लॉक्स (दोनों कोल एवं गैर कोल), मिनिरल्स, कृषि एवं वन उत्पाद एवं ई-प्रोक्योरमेंट के ई-ऑक्शन पर ध्यान केंद्रीत करने के साथ उपलब्ध ई-कामर्स कारोबार क्षमता का विस्तार कर रही है।

एमएसटीसी ने मेटल के साथ ही साथ हस्तशिल्प, एपेरल्स, पेंटिंग आदि हेतु कुटीर उद्योगों को विविध राज्य में प्रोन्नति के लिए ई-शापिंग माल का शुभारम्भ करने की योजना बनाई। तथापि कमोडिटी मूल्य एवं अंतरराष्ट्रीय तथा घरेलू बाजार में कमी के कारण ट्रेडिंग कारोबार में यह धीमी गति से चल रहा है।

कतिपय प्रमुख अवसर जिसमें एमएसटीसी प्रयास कर रही है :

1. विद्युत मंत्रालय रु. 3,500 करोड़ के विद्युत प्रणाली विकास निधि (पीएसडीएफ) व्यवहार करने हेतु देश में **अव्यवहृत एवं फंसे हुए गैस आधारित विद्युत प्लांट हेतु ई-रिवर्स ऑक्शन** संचालित करने के लिए एमएसटीसी को कार्य में शामिल किया है। ई-रिवर्स ऑक्शन का पहला खेप सफलतापूर्वक पूरा हो चुका हैं एवं 900 करोड़ का सब्सिडीज अनुमोदित हो चुका हैं। वर्ष 2015-16 के दौरान दिये गये रु. 2,712.48 करोड़ गैर सब्सिडीज अनुमोदित हो चुका हैं।

2. केरल के तर्ज पर विभिन्न राज्यों में वन उत्पादन की बिक्री हेतु ई-ऑक्शन का शुभारम्भ किया जिसमें स्थानीय कारीगरों एवं शिल्पकारों एवं असंगठित क्षेत्र के कारोबार में शामिल लोगों को बेहद लाभ हो सकता है।

3. एमएसटीसी एनटीपीसी लि. की दो इकाइयों की ओर से देश में पहली बार थर्मल पावर प्लांट से निर्गत फ्लाई ऐश का ई-ऑक्शन संचालित करती है। इससे एनटीपीसी को राजस्व के मामले में काफी लाभ हुआ है। फ्लाई ऐश जो रद्दी उत्पाद है का वाणिज्यिक उपयोग से पर्यावरण में सुधार होगा एवं सीमेंट उद्योग जो सीमेंट बनाने वाले हेतु फ्लाई ऐश के 30-40 प्रतिशत व्यवहार कर

various other arenas like e- Retail business along with India Post and its logistic services support. Discussion for the same is going on.

4. Plans are afoot to float a portal for e-shopping mall in B2B and B2C mode for metal goods particularly steel products to start with. The portal has already been developed and registrations are going on. This will be formally launched within next 4-5 months.

5. MSTC has launched e-procurement services providing end-to-end solution to the clients for their purchases. In addition, it has developed and implemented e-reverse auction portal for imported Thermal Coal which has made import of coal easy, hassle free and economical.

Future Outlook :

MSTC has become a major standalone e-commerce service provider in the country. MSTC is attempting new & diverse lines of business such as tea, sago, gorgon nut (makhana) in agri-products, tendu leaves, timber, sal seed in forest products, human hair, fly ash etc. Apart from this, MSTC has also undertaken the e-auction of land, apartment, banks' NPAs and also assets under DRT etc.

Setting up of an e-Waste recycling Plant is under PPP model also being explored. The Board has recommended exploring the possibility of inclusion of e-Waste recycling plant with the proposed Auto Shredding Plant which can also extract & recover precious metals present in the e-Waste.

MSTC is increasing the e-commerce Business exponentially to exploit the available potential with a focus on e-auction of mining blocks (both coal & non-coal), minerals, agri.& forest produce and e-procurement.

MSTC has plans to launch 'e-Shopping Mall' for metal as well as for handicrafts, apparels, painting, etc in various states to promote Cottage Industries. However, it is going slow in the Trading business due to volatility in commodity prices and slump in international and domestic market.

Some of the major opportunities MSTC is pursuing are :

1. Ministry of Power engaged MSTC to conduct **e-Reverse Auction for revival of under-utilized and Stranded Gas Based power plants** in the country utilizing Power System Development Fund(PSDF) of ₹ 3500 Crore. The 1st tranche of e-Reverse auction has already been completed successfully and subsidies worth ₹ 900 Crore have been auctioned. During 2015-16, gas subsidy worth ₹ 2712.48 Crore to be disbursed, have been auctioned.

2. Introduction of e-auction for sale of Forest Produce in different states on the lines of Keralacan immensely benefit the local artisans, craftsmen and people involved into business in unorganized sector.

3. MSTC conducted e-auction of Fly-ash emanating from Thermal Power plant for the first time in the country on behalf of two units of NTPC Ltd. This has given considerable benefit in terms of revenue to NTPC. Commercial utilization of Fly-ash which is a waste product will improve the environment and provide business opportunity for the local people in building cement bricks

रही है सहित बिल्डिंग सीमेंट ईंट में स्थानीय लोगों हेतु कारोबार का अवसर प्रदान करता है। अन्य विद्युत उद्योग फ्लाई ऐश के ई-ऑक्शन हेतु एमएसटीसी पोर्टल की उपलब्धता हेतु सम्पर्क कर रहे है।

4. तेलांगना सरकार ने आंध्र प्रदेश सरकार के तर्ज पर 3 वर्षों की अवधि हेतु परिपूर्ण ई-कामर्स सेवाओं हेतु एमएसटीसी को कार्य में शामिल किया है। सरकारी आदेश के अधीन एमएसटीसी राज्य में सभी विभागों को ई-कामर्स सेवा प्रदान करेगी।

5. गुजरात, राजस्थान, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, आंध्र प्रदेश की सरकारों ने संबंधित राज्यों में मिनिरल ब्लॉक्स के ई-ऑक्शन हेतु एमएसटीसी के साथ इकरारनामा पर हस्ताक्षर किया है।

   एमएसटीसी ने विभिन्न राज्यों द्वारा आयरन ओर, लाइम स्टोन एवं गोल्ड माइन्स हेतु सफलतापूर्वक ई-ऑक्शन संचालित किया है।

6. एसएसटीसी पहले फेज में मेट्रोपोलिटन शहर में बड़े मंडी या उत्पादक स्थल में फल एवं सब्जियों हेतु ई-ऑक्शन तथा दूसरे फेज में उसके भंडारण एवं परिवहन के लिए लॉजिस्टिक हेतु उपयुक्त पार्टनर के साथ साफ्टवेयर परियोजना के लेने की संभावना तलाश रही है।

7. एमएसटीसी ई-वेस्ट के रिसाइकलिंग में वृहद भूमिका निभा रही है एवं अपने ग्राहकों हेतु परित्यक्त से संपत्ति की बनाने में मदद करता है। एमएसटीसी शीघ्र ही ई-वेस्ट रिसाइकलिंग इकाई की स्थापना की संभावना तलाश रही है।

8. ई-प्रोक्योरमेंट एवं ई-रिवर्स ऑक्शन अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्र है जिसमें एमएसटीसी व्यापर के प्रगति की संभावना तलाश रही है।

9. ट्रेडिंग व्यापार में, एमएसटीसी इस व्यापार के रूप में व्यापार बढ़ाने हेतु बहुत उत्साहित नहीं है जिसमें जोखिम अधिक है। अतः एमएसटीसी कतिपय अच्छे साख एवं विगत प्रदर्शन वाली कुछ चयनित पार्टियों के साथ व्यापार कर रही है। एमएसटीसी अपने आयरन ओर एवं रोक फासफेट्स आदि के साथ वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के जरिए खाद्यान्न हेतु ट्रेडिंग व्यापार के वैकल्पिक पद्धति को आगे बढ़ाने का प्रयास कर रही है।

10. एमएसटीसी बोर्ड ने लाइफ वेहिकल्स (ईएलवी) एवं अन्य ह्वाईट गुड्स की समाप्ति पर श्रेडेड स्क्रैप जो सेकंडरी इस्पात संयंत्र का महत्वपूर्ण कच्ची सामग्री है में परिवर्तन कर पहली बार स्वचालित श्रेडिंग प्लांट की स्थापना का अनुमोदन करती है। इस पद्धति द्वारा अच्छे गुणवत्ता के इस्पात, आयरन ओर आदि के प्रारम्भिक व्यवहार के बनिस्पत लगभग 47 प्रतिशत कम ऊर्जा से उत्पादित किया जा सकता है एवं विदेशी मुद्रा विनिमय बचत होगा मेक इन इंडिया के रूप में एक प्रयास होगा। मेसर्स महिन्द्रा इंटर ट्रेड लि. (महिंद्रा पार्टनर्स का एक भाग) के साथ 28 अप्रैल, 2016 को उनके साथ जेवी के अधीन पहली ऑटो श्रेडिंग प्लाटं की स्थापना हेतु हस्ताक्षर किया है। ज्वाइंट वेंचर समझौता शीघ्र ही हस्ताक्षरित होना है।

11. एमएसटीसी पावर प्रोक्योरमेंट हेतु ई-बिडिंग हेतु राष्ट्रीय पोर्टल को भी अंतिम रूप दिया है जिसका नामकरण डीईईपी (डिस्कवरी ऑफ इफिसिएंट इलेक्ट्रिसीटी प्राइस) के रूप में किया गया है। पोर्टल का नई दिल्ली में अप्रैल 2016 में

out of it including cement industry who are using 30-40% of Fly-ash for cement making. Other power utilities are being approached for availing MSTC portal for e-Auction of fly ash.

4. **Government of Telangana** has engaged MSTC for complete e-commerce services in line with that of **Government of Andhra Pradesh** for a period of 3 years. Under the Government order, MSTC will render e-Commerce services to all the departments in the state.

5. Governments of **Gujarat, Rajasthan, Maharashtra, Madhya Pradesh, Chhattisgarh, Jharkhand, Odisha, Andhra Pradesh** have signed agreements with MSTC for e-Auction of mineral blocks in the respective states.

   MSTC has successfully conducted so far e-Auction for Iron Ore, Lime stone and Gold mines offered by various states.

6. MSTC is exploring possibility of taking software projects in alliance with a suitable partner for e-auction for fruit & vegetable either at big Mandi in metropolitan city or at the growers site in the first phase and thereafter, logistics for its storage & transportation in second phase.

7. MSTC plays a major role in recycling of e-waste and helps create wealth from the waste for its customers. MSTC is exploring the possibility to set up e-waste recycling unit at the earliest.

8. E-procurement and E-reverse auction is another potential area in which MSTC is making a rapid stride to grab the business.

9. In trading business, MSTC is not very upbeat to increase business as this business is fraught with risks. Hence, MSTC will have business with few selected parties having good credibility and past performance. MSTC will renew its effort to pursue alternate mode of trading business for iron ore and rock phosphate etc. besides food grains through Ministry of Commerce & Industries.

10. MSTC Board has approved to set up first Auto Shredding Plant for recycling End of Life Vehicles (ELVs) and other white goods by converting these into shredded scrap which is vital raw material of secondary steel plant. By this method the good quality steel could be produced with about 47% less energy than the primary route using Iron Ore etc. and also save foreign exchange which will be an item as 'Make in India'. A MoU has been signed with M/s Mahindra Intertrade Ltd. (a part of Mahindra Partners) on April 28, 2016 for setting up the first Auto Shredding Plant under JV with them. Joint Venture Agreement is to be signed shortly.

11. MSTC also finalized the national portal for e-bidding for power procurement which has been named as DEEP (Discovery of Efficient Electricity Price). The portal was formally inaugurated by the Hon'ble Minister for Coal

औपचारिक रूप में माननीय कोयला एवं विद्युत मंत्री द्वारा उद्घाटन किया गया। पोर्टल का उद्देश्य देश में विविध डीआईएससीओएम द्वारा अनुसरित प्रोक्योरमेंट प्रक्रिया में एकरूपता लाने एवं उनके इलेक्ट्रिसिटी बिल्स में कमी लाना है।

12. पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने एमएसटीसी को ई-कॉमर्स सेवा प्रदाता के रूप में पता लगे छोटे ऑयल एवं गैस फिल्ड के ई-लोकेशन हेतु विकसित करने एवं उपलब्ध कराने के लिए नियुक्ति किया है।

13. एमएसटीसी छोटे एवं मझौले क्षेत्र के उद्यम हेतु वर्चुअल मार्केट प्लेस विकसित किया है। पोर्टल एमएसटीसी मेटल मंडी (एम३) छोटे एवं मध्यम क्षेत्र उत्पादक एवं ट्रेडर्स के इस्पात उत्पाद की बिक्री पर प्रारम्भ में ध्यान केंद्रित करेगा। पोर्टल में बिक्री एवं क्रय निर्णय में विकास, पारदर्शिता एवं स्वच्छता एवं शीघ्रता लाने हेतु क्षमता है। पोर्टल भारत सरकार के अभियान यथा डिजिटल इंडिया, मेक इन इंडिया, इजी ऑफ डूइंग बिजनेस आदि को सुदृढ़ता प्रदान करेगा। पोर्टल का आगामी 4-5 महीने में शुभारम्भ होगा।

14. कोयला मंत्रालय ने गैर विद्युत क्षेत्र के उपभोगता यथा स्पंज आयरन, सीमेंट, सीपीपी, इस्पात एवं अन्य को एमएसटीसी के ई-ऑक्शन पोर्टल के जरिए फ्यूल आपूर्ति समझौता प्रदान करने का निर्णय लिया है। एमएसटीसी कोल इंडिया को कोल लिंकेज हेतु ई-ऑक्शन सेवा प्रदान कर रही है। स्पंज आयरन एवं सीमेंट सेक्टर हेतु ई-ऑक्शन का पहला फेज पूरा हो गया है।

15. भारत सरकार ने एमएसटीसी को उनके ई-कामर्स पोर्टल के जरिए अभिनव योजना के अपने विविध फ्लैगशिप के लागू करने हेतु कार्य में शामिल किया है जिसमें कतिपय पहले से क्रियान्वित हो चुका है एवं कतिपय आनेवाले हैं।

सचेतक अभियुक्ति :

प्रबंधन विमर्श तथा विश्लेषण कंपनी की आंकलन, प्रक्षेपित तथा आंकलन के तहत अभियुक्ति है। वास्तविक परिणाम ऐसी परिक्षेपना से भिन्न हो सकती है तथा यह आर्थिक स्थिति तथा संबंधित देशीय एवं अंतर्देशीय बाजार में उद्योग मांग पर निर्भर करती है। प्रक्षेपण तथा आंकलन को सरकार के विनियम, जिसमें वित्तीय रेगुलेशन तथा अन्य आकस्मिक कारक हैं, भी प्रभावित कर सकती है।

प्रचालन एवं निष्पादन से संबंधित वित्तीय मानदंडों पर विचार-विमर्श कार्यनिष्पादन

क) एजेंसी व्यवसाय

इस साल एजेंसी व्यवसाय की कुल राशि रु. 20,67,731 लाख है। पिछले वर्ष 2014-15 में रु. 19,95,312 लाख थी। वर्ष 2015-16 के समानांतर वर्ष 2014-15 का विवरण नीचे दिया जा रहा है:

व्यापार क्षेत्र	व्यवसाय की मात्रा (रु. लाख में)	
	2015-16	2014-15
स्क्रैप और मैंगनीज की बिक्री	7,86,637	7,28,350
कोयले की बिक्री	8,18,444	6,13,644
आयरन ओर	4,62,649	6,53,318
कुल (क)	**20,67,730**	**19,95,312**

and Power in April 2016 in New Delhi. The portal is aimed at bringing uniformity in the procurement process being followed by various DISCOMs in the country and to reduce their electricity procurement bills.

12. Ministry of Petroleum and Natural Gas has appointed MSTC as the e-Commerce service provider to develop and make available a portal for e-Allocation of Discovered Small Oil and Gas fields.

13. MSTC developed a virtual market place for small and medium sector enterprise. The portal 'MSTC Metal Mandi'(M3) will initially focus on sale of steel products of small & medium sector producers and traders. The portal has a potential to bring growth, transparency, fairness and promptness in sale & purchase decisions. The portal will provide strength to the campaigns of Government of India like Digital India, Make in India, Ease of Doing Business etc. The portal will be launched within next 4-5 months.

14. Ministry of Coal decided to award Fuel Supply Agreements to Non-Power Sector Consumer viz. Sponge Iron, Cement, CPP, Steel and Others through e-Auction portal of MSTC. MSTC is providing the e-Auction service to Coal India for Coal Linkages. First Phase of e-Auction for Sponge Iron and Cement sectors is concluded.

15. Govt. of India has engaged MSTC for implementation of its various flagship of Innovative schemes through its e-Commerce portal some are already implemented and some are upcoming.

Cautionary Statement :

Statements under "Management Discussion and Analysis" are on company's estimates, projections and estimates. Actual results may materially differ from such projections and depend on economic condition and industry demand in the relevant domestic and international market. Government regulations including fiscal regulations and other incidental factors may also affect the projections and estimates.

DISCUSSION ON FINANCIAL PARAMETERS WITH RESPECT TO OPERATIONS AND PERFORMANCE

PERFORMANCE

A) AGENCY BUSINESS

This year the total volume of Agency Business stands at **₹ 20,67,731 Lakh** against **₹ 19,95,312 Lakh** in 2014-15. Break-up for the year 2015-16 vis-à-vis 2014-15 is as follows:

Business Segment	Volume of Business (₹ in Lakh)	
	2015-16	**2014-15**
Sale of Scrap & Manganese Ore etc.	7,86,637	7,28,350
Sale of Coal	8,18,444	6,13,644
Iron ore	4,62,649	6,53,318
Total (A) :	**20,67,730**	**19,95,312**

ख) ई-प्रोक्योरमेंट

व्यापार क्षेत्र	व्यापार की मात्रा (रु. लाख में)	
	2015-16	**2014-15**
ई-प्रोक्योरमेंट **(ख)**	5,75,975	3,02,422
कुल (क+ख)	**26,43,705**	**22,97,734**

ग) व्यापार

इस साल विपणन विभाग के व्यवसाय की कुल राशि **रु. 4,38,223 लाख** है। पिछले वर्ष 2014-15 में **रु. 6,94,521 लाख** थी। वर्ष 2015-16 के समानांतर वर्ष 2014-15 का विवरण नीचे दिया जा रहा है:-

व्यापार क्षेत्र	व्यवसाय की मात्रा (रु. लाख में)	
	2015-16	**2014-15**
निम्नोक्त सामग्रियों का प्रोक्योरमेंट		
आयातित सामग्रियां	1,35,027	1,60,334
स्वदेशी सामग्रियां	3,03,196	5,34,183
कुल (ग)	**4,38,223**	**6,94,521**
महायोग (क+ख+ग)	**30,81,928**	**29,92,255**

B) e-PROCUREMENT

Business Segment	Volume of Business (₹ in Lakh)	
	2015-16	**2014-15**
e-Procurement **(B)**	5,75,975	3,02,422
Total (A+B)	**26,43,705**	**22,97,734**

C) TRADING

The performance of Marketing Division shows a total volume of business of **₹ 4,38,223 Lakh** against **₹ 6,94,521 Lakh** in 2014-15. Break-up for the year 2015-16 vis-à-vis 2014-15 is as follows :

Business Segment	Volume of Business (₹ in Lakh)	
	2015-16	**2014-15**
Procurement of :		
Imported materials	1,35,027	1,60,334
Indigenous materials	3,03,196	5,34,183
Total: (C)	**4,38,223**	**6,94,521**
Grand Total (A+B+C)	**30,81,928**	**29,92,255**

बोलपुर (शांतिनिकेतन) स्टेशन पर आंनद भरी यात्रा सह वार्षिक पिकनिक में एमएसटीसी रिक्रियेशन क्लॉब के सदस्यगण।
Members of MSTC Employees Recreation Club at Bolpur (Shantiniketan) Station on pleasure trip cum annual picnic

सॉट (SWOT) विश्लेषण

शक्ति और कमजोरियां

एमएसएसटी की शक्तियां स्क्रैप और अधिशेष मदों के व्यवसाय, प्राथमिक उत्पाद की ई-बिक्री एवं कच्चे उत्पादों के साधन के लिए ठोस अनुभव पर निर्भर करती है। अनुभवी कर्मचारी वर्ग, सुसज्जित अद्यतन अवसंरचना, विवेकपूर्ण निर्धारित पॉलिसी सभी मिलकर एमएसटीसी को एक दक्ष सेवा प्रदाता बनाती है।

अद्यतन अवसंरचना के साथ एमएसटीसी के योग्य कार्यपालक द्वारा ई-कॉमर्स सेवा को हैंडल किया जाता है। सिस्टम में आईटी एक्ट, 2000 एवं इसके अनुवर्ती संशोधन तथा सीवीसी के दिशा निर्देश द्वारा अनिवार्य अद्यतन विशेषताएं हैं तीसरी पार्टी एजेंसी एसटीक्यूसी, संचार तथा सूचना एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अधीन एक विभाग, भारत सरकार द्वारा समय-समय पर लेखा परीक्षा की जाती है। एमएसटीसी एसटीक्यूसी के दिशानिर्देशों के लिए अनुपालन प्रमाणपत्र हासिल करने वाली देश की एक मात्र कंपनी है, जो ई-प्रोक्योरमेंट सेवा प्रदाता के रूप में सेवा प्रदान करने के लिए वित्त मंत्रालय की अधिसूचना के अनुसार आवश्यक मानदंडों में से एक मानदंड है।

एमएसएसटी की ई-कॉमर्स सेवा के लिए 50000 से ज्यादा ग्राहक हैं, जिनके लिए निरंतर सेवा उपलब्ध कराई जाती है। देश के कोने-कोने में प्रत्येक ग्राहकों को कम समय में दक्ष सुगम सेवाएं प्रदान की जाती है। एमएसटीसी का अस्तित्व भारत के प्रायः सभी शहरों में है एवं अपने ग्राहकों को दक्षता के साथ अल्प समय में परेशानी से मुक्त आरामदायक सेवा प्रदान करती है।

आयात क्षेत्र में, बहुत सारे बड़े उद्योग कच्चे माल सोर्सिंग के लिए एमएसटीसी पर निर्भर करता है। इसका कारण है कि विदेशी आपूर्तिकर्ताओं, बैंकरों, अन्य स्टेक होल्डरों एवं ग्राहकों के साथ उत्तम व्यावसायिक संबंध।

कमजोरी के बगैर कोई व्यवसायिक मॉडल नहीं हो सकता है, जो कम उत्पाद ज्ञान (चूंकि एमएसटीसी विभिन्न प्रकार के उत्पादों का लेनदेन करती है), सामग्रियों की कीमत में उतार-चढ़ाव तथा ग्राहक कंपनियों के कम राजस्व निर्भर व्यवसाय पर आश्रित है। ट्रेडिंग व्यवसाय के लिए अन्य के आश्रित होने की वजह से भी कमजोरी हो सकती है। ट्रेडिंग व्यवसाय के लिए अवसंरचना की कमी और एक्जिम व्यवसाय के लिए कैनालाइजिंग एजेंटों की शून्य स्थिति की कमजोरियां हो सकती है। ट्रेडिंग व्यवसाय में यह हमारे साथी जैसे एमएमटीसी, एसटीसी आदि के विपरीत है। एमएसटीसी में 324 कर्मचारी हैं, जो सीधे आयात, निर्यात या देशीय व्यापार में शामिल होने के लिए सुसज्जित नहीं हैं।

संभावनाएं एवं संकट

विविध वस्तुओं विशेषकर खनिज, कृषि उत्पाद तथा वन उत्पादों के ई-कॉमर्स के लिए व्यापक संभावनाएं हैं। कंपनी के लिए स्क्रैप, लौह एवं इस्पात संसाधन में रण-नीतिक वायदा एकीकरण, लॉजिस्टिक में संयुक्त उद्यम, ई-रद्दी पुनर्चक्रण कार्यकलाप कुछ उद्भव्य संभावनाएं हैं। ई-प्रोक्योरमेंट एवं कृषि उत्पाद की ई-मार्केटिंग में भी एमएसटीसी के लिए पर्याप्त संभावनाएं हैं। सरकार द्वारा विभिन्न राज्यों में खनिज के अवैध खनन के प्रतिबंध की संभावना एवं ई-ऑक्शन के माध्यम से खानों के उपज की बिक्री के लिए उद्भूत सहमति एमएसटीसी के व्यवसाय के लिए अच्छा है।

आज के दिन में कोई भी व्यवसाय आशंका रहित नहीं है। एमएसटीसी के लिए चेतावनी विषय है आयात और निर्यात पर भारत सरकार की नीति, अन्य ट्रेडिंग कंपनियों की ओर ग्राहकों का पलायन अथवा सीधे आयात करना, छोटी कंपनियों द्वारा कम प्रभार शुल्क का प्रस्ताव देना। बहरहाल, एमएसटीसी इस

SWOT ANALYSIS

Strengths & Weaknesses

MSTC's strength lies in substantial experience in dealing with scrap, surplus items, e-sale of prime products and sourcing of raw-materials. The experienced people, equipped with latest infrastructure, transparency, prudentially laid down policies together make MSTC an efficient service provider.

The e-commerce service is handled by well competent persons and backed by state of the art infrastructure. The system has the latest features as mandated by CVC guidelines & IT Act 2000 and its subsequent amendments and is being audited periodically by third party agency namely STQC, a Dept. Under Ministry of Communications and IT, Govt. of India. Shortly, MSTC is the only company in the country to have achieved the compliance certificate from STQC for its guidelines which is one of the essential criteria as per the Ministry of Finance notification for serving as e-procurement service provider.

MSTC has largest client base of 50000 plus for e-commerce services which depicts its customer orientation & seamless services being made available to them. MSTC's presence at almost all major cities in India provides comforts in terms of efficient, less time consuming hassle free services available to its customers.

In the import segment, many big industries have relied upon MSTC for sourcing of raw-materials due to excellent business relationship with overseas suppliers, bankers, other stake holders and buyers.

There can be no business model without weaknesses which can be attributed to low product knowledge (since MSTC deals with various types of products), volatility in price of materials and less revenue dependent business of the customer companies. Weaknesses may also be attributed to dependence of others for trading business. Also MSTC has nil status of canalizing agent for Exim business unlike our peer companies such as MMTC, STC, etc. have in trading business. MSTC has a small work force of 324 employees spread across the country and therefore is not equipped to indulge in direct export/ import or domestic trade.

Opportunities & Threats

Opportunity seems to be quite substantial for e-commerce business of various commodities particularly in minerals, agricultural and forest products. Strategic forward integration in processing of scrap, iron & steel, joint venture in shredding plant, e-waste recycling are some of the emerging opportunities for the company. There also exist ample opportunities for MSTC in e-Procurement and e-Marketing of agri-products. The likely ban in illegal mining of various minerals in the states by the Government and the consensus emerging for sale of mines produce through e-auction augers well for MSTC's business.

Any business, now a days is not without threat. For MSTC, threat is Government policy on import and export, customers shifting to other trading companies or choosing to make direct imports, small players coming in and offering lesser service

तरह की आशंकाओं के प्रति सतर्क है और इन आशंकाओं के निवारण के लिए पद्धतियां हमेशा बनाती रहती है।

तकनीकी विकास की वजह से स्क्रैप का सेकेंडरी उद्भवन कम हो गया है, जिसकी वजह से एजेंसी व्यवसाय के क्षेत्र में व्यवसाय की मात्रा कम हुई है।

ई-कॉमर्स की छोटी कंपनियों के पास अपर्याप्त संरचना है और उनके सिस्टम में सुरक्षा की व्यवस्थाएं कम हैं। ऐसी छोटी कंपनियां कुकुरमुत्ते की तरह उग आए हैं और असंगत कम सेवा प्रभार दर पर व्यवसाय प्राप्त कर रहे हैं।

मौजूदा ग्राहक एमएसटीसी को सेवा प्रभार कम करने के लिए दबाव डाल रहे हैं, जिससे व्यवसाय बॉटम लाइन हिट हो सकता है जब तक समग्र व्यवसाय में आनुपातिक वृद्धि न हो। इसके अलावा, ग्राहक खुद ही निविदा में भाग ले रहे हैं, जिससे असामान्य स्थिति में एमएसटीसी के लिए टेंडर पाने की संभावना कम हो जाता है।

जोखिम और सरोकार

एजेंसी व्यवसाय

सेलिंग एजेंसी व्यवसाय में पारंपरिक जोखिम है। क्योंकि प्रिंसिपल किसी भी समय अपना माल खुद बेचने का निर्णय ले सकता है। प्रिंसिपल टेंडर का सहारा ले रहे हैं और छोटी कंपनियां कम सेवा प्रभार मांग रही हैं क्योंकि

charges. However, MSTC is aware of such threats and always makes strategies to come out of these threats.

Technological development has reduced secondary arising of scrap leading to lower trading volume in agency business segment.

Small players in e-commerce space having scanty infrastructure and less security features in their system are mushrooming and eating away business on their strength of unreasonably lower service charges rates.

Existing customers are forcing MSTC to reduce service charge which may hit bottom-line unless there is commensurate increase in overall volume of business. Besides this, customers are also resorting to tenders in which case, MSTC's chance to win the tender gets diminished mainly due to skewed and non levels playing field conditions.

RISKS AND CONCERNS

Agency Business

Selling agency business has inherent risk since principal can any time decide to do the selling job themselves. Of late,

एमएसटीसी इमप्लाइज क्लब द्वारा आयोजित रक्त दान शिविर में रक्त दान करते हुए कर्मचारीगण
Employees donating blood in blood donation camp organised by MSTC Employees' Recreation Club

उनकी संरचना में निवेश कम है और सीवीसी के दिशा-निर्देश और आईटी एक्ट, 2000 के प्रति उनका कोई दायित्व नहीं है। बहरहाल, गुणवत्ता और पारदर्शिता की वजह से एमएमटीसी इस क्षेत्र में अपने अधिकांश व्यवसाय को कायम रखे हुए हैं।

सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम होने के नाते एमएसटीसी के लिए यह अनिवार्य है कि वह सीवीसी के दिशा-निर्देशों का आईटी एक्ट, 2000 के निर्देशों का तथा एसटीक्यूसी के लेखा परीक्षण की आवश्यकताओं से संबंधित दिशा-निर्देशों का पालन करें। इसके लिए एमएसटीसी को सिस्टम की संरचना में बड़ी राशि का निवेश करना पड़ता है। लेकिन निजी कंपनियों के ऊपर इस तरह का कोई प्रतिबंध नहीं। अगर सरकारी विभाग तथा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम अपने टेंडर दस्तावेज में सेवा प्रदाता के लिए सीवीसी के दिशा-निर्देशों के पालन की अनिवार्यता का प्रावधान नहीं करते हैं तो एमएसटीसी के लिए आदेश पाना क्रमशः कठिन होता जाएगा। क्योंकि निजी कंपनियों के पास अपर्याप्त संरचना है और उनके लिए कम सेवा दर पर का करना मुमकिन हो जाता है।

ट्रेडिंग व्यवसाय (आयात एवं निर्यात)

इस क्षेत्र में मुख्यतः उद्योगों के लिए आयात या देशीय स्रोतों से कच्चे माल की व्यवस्था करने का कार्य करता है। सामग्रियां एमएसटीसी के प्रतिभूत में रहता है तथा भुगतान के आधार पर सुपुर्दगी की जाती है। ग्राहकों के नियत उत्पादन में परिवर्तन एवं बाजार में अस्थिरता के कारण उनके द्वारा बनाए गए समय सारणी के अनुसार सामग्रियों को न उठाने का जोखिम रहता है।

जोखिम, आंतरिक नियंत्रण प्रणाली एवं उनकी उपयुक्तता

वर्ष 2008-09 में जोखिम प्रबंधन नीति को एमएसटीसी में लागू किया गया। 24 अप्रैल, 2015 में यह नीति को संशोधित किया गया है। एमएसटीसी यह सुनिश्चित करती है कि कंपनी की आंतरिक नियंत्रण प्रणाली जोखिम लेने की क्षमताओं के भीतर एवं इसे और बेहतर एवं प्रभावी बनाने हेतु अधिक सुरक्षा उपायों को शामिल कर रही है।

व्यापार के अन्य क्षेत्रों के लिए जोखिम प्रबंधन निति अर्थात ई-कामर्स इस वर्ष इस व्यापार में आवश्यक सुराक्षा उपयों के लिए भी प्रारम्भ किया गया।

मेसर्स एम. सी. भंडारी एंड कं. सनदी लेखापाल को इस वर्ष के लिए कंपनी की आंतरिक लेखा परीक्षण के लिए नियुक्त किया गया था और उनके प्रतिवेदन को प्रबंधन के समक्ष नियमित अंतराल पर रखा जाता है एवं महत्वपूर्ण मुद्दों का संक्षिप्त विवरण को लेखा समिति के समक्ष रखा जाता है। समिति आंतरिक नियंत्रण प्रणाली के कार्यों की समीक्षा करती है और समिति की अनुशंसाओं को निदेशक मंडल के समक्ष पेश किया जाता है और वे निदेशक मंडल के विचार के अनुसार लागू करते हैं। लेखा समिति विभिन्न वित्तीय विवरणों का भी जोखिम विश्लेषण एवं नियंत्रण के लिए कार्य करती है।

ऊर्जा एवं संसाधनों का संरक्षण

एमएसटीसी मुख्यतः विभिन्न ग्राहकों के लिए स्क्रैप सामग्री विशेषतः फेरस स्क्रैप तथा इन स्क्रैप की रीसाइक्लिंग के लिए व्यापार करता है। इस तरह एमएसटीसी प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण, प्रदूषण कम करने में, दोबारा इस्तेमाल के योग्य फेरस स्क्रैप के पुनः चक्रण द्वारा ऊर्जा के संरक्षण के क्षेत्र में काम करता है एवं ग्राहक द्वारा प्रक्रिया के बाद पुनः व्यवहार के लिए विभिन्न प्रकार के स्क्रैप की नीलामी करती है।

principals are resorting to tendering and small players are quoting very less rate of service charge owing to their less investment in infrastructure and nil obligations towards CVC guidelines and IT Act, 2000. However, because of quality and transparency, MSTC has retained most of the business in this segment.

Being a PSU, MSTC has to follow all the guidelines issued by CVC, regulation of IT Act 2000 and other audit requirements of STQC for which, MSTC has to invest huge amount towards Systems infrastructure, whereas, the private players are not under any such obligation. Therefore, unless Government Departments and PSUs insist upon fulfillment of criteria in line with CVC guidelines by the service providers in the tender documents, it would be increasingly difficult for MSTC to get orders, since private players, having scanty infrastructure, can afford to quote very low service charge.

Trading Business (import & export)

This segment mainly functions as sourcing of raw materials for industries either through import or domestically. The materials remain pledged to MSTC and delivery is given to the customer on payment basis. There is an inherent risk of not lifting material as per schedule by the customers mainly due to change in their production schedule and volatility in the market.

RISKS, INTERNAL CONTROL SYSTEMS AND THEIR ADEQUACY

Risk Management Policy in MSTC was introduced in the year 2008-09. The policy has been revised since 24th April, 2015. MSTC makes it certain that the internal control system functions within the risk appetite of the company and is being fine tuned to include more safeguards for being more effective.

Risk Management Policy for another segment of business i.e. e-commerce is also introduced this year to have necessary safeguards in this business too.

M/s. M.C. Bhandari & Co., Chartered Accountants, was assigned with the internal audit function of the company for the year and their reports are put up to the management at regular intervals and summarized statement of important issues are placed before the Audit Committee. The committee analyses the functions of the internal control system and recommendations of the committee are put up to the Board and those are implemented as per the considerations of the Board. Audit Committee also considers various financial statements for risk analysis and control.

CONSERVATION OF ENERGY AND RESOURCES

MSTC works primarily in the field of procurement of scrap materials, especially ferrous scraps from different consumers and trading of those scraps for recycling. Thus, MSTC works for the conservation of the natural resources, reduction in pollutants, conservation of energy by recycling ferrous scraps into a re-useable form. MSTC is in a way recycling company that consolidates facilities and auctions scrap of various types for reuse after processing by its buyers.

मानव संसाधन के विकास पर सूचनाएं, औद्योगिक संबंध और निगमित सामाजिक दायित्व का उल्लेख निदेशक मंडल की रिपोर्ट में किया गया है।

एमएसटीसी द्वारा नियोजित ऑटो श्रेडिंग संयंत्र भारत में अपने तरह का प्रथम संयंत्र होगा। यह आईएफ एवं ईएएफ रूटों के इस्तेमाल द्वारा भारत में सेकेंडरी स्टील के निर्माण को बढ़ावा देगी। इस प्रक्रिया में कम ऊर्जा की खपत होती है एवं बीएफ एवं कनवर्टरों इत्यादि के प्रयोग करने की प्राथमिक प्रक्रिया की तुलना में कम प्रदूषण फैलाती है।

इस रूट के अधीन उत्पादकता भी पारम्परिक विधि की तुलना में अधिक है।

निगमित अभिशासन के दिशा-निर्देशों के अनुसार अन्य उद्घोषणाएं

1. व्यापारियों के साथ व्यावसायिक लेन-देन से संबंधित ऐसा कोई विशेष मामला नहीं हैं, जो कंपनी के हित में द्वंद्व की संभावना हो।
2. कंपनी की ओर से अनअनुपालन का मामला नहीं देखा गया है और न ही इसकी कोई सूचना है। सांविधिक प्राधिकरण द्वारा विगत तीन वर्षों में भारत सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के मामलों के संबंध में न कोई कठोर पत्राचार किया है और न ही कोई दंड दिया है और न ही कोई मामला दर्ज है।
3. भारत सरकार द्वारा दिशा निर्देशित एवं निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित व्हिसल ब्लोअर पॉलिसी कंपनी ने लागू किया है। लेखा परीक्षण समिति के समक्ष किसी भी व्यक्ति के पहुंच को इंकार नहीं किया गया है और कंपनी ने व्हिसल ब्लोअर से व्यक्तिगत हानि से बचाव किया है।
4. निगमित अभिशासन के दिशा-निर्देशों का अनुपालन किया गया है तथा निगमित अभिशासन पर एक पृथक प्रतिवेदन वार्षिक प्रतिवेदन में अनुलग्नक के रूप में संलग्न किया गया है।
5. वर्तमान वर्ष तथा पिछले 3 वर्षों के दौरान कंपनी द्वारा अध्यक्षीय सभी दिशा-निर्देशों का अनुपालन किया गया है।
6. लेखा पुस्तिकाओं में व्यय के किसी भी मदों को उल्लेख नहीं किया गया है, जो व्यवसायिक उद्देश्य के लिए नहीं है।
7. ऐसे कोई भी व्यय नहीं किया गया है, जो निदेशक मंडलों तथा शीर्ष प्रबंधन के लिए व्यक्गित प्रकृति के हैं।
8. प्रशासनिक व्यय कुल व्यय का 2% है।
9. वित्तीय परिणाम कंपनी की वेबसाइट यानी www.mstcindia.co.in पर उपलब्ध है। समय-समय पर उसे निगमित विज्ञापनों के जरिए भी प्रकाशित किया गया है।

निदेशक मंडल के लिए तथा उनकी ओर से

बी॰ बी॰ सिंह

(बी. बी. सिंह)
अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक

Information on development of HR, Industrial Relations and Corporate Social Responsibility is mentioned in the Directors' Report.

Auto Shredding Plant being planned by MSTC will be first of its kind in India, will promote Secondary Steel making in India using IF and EAF routes. These processes consume less energy and pollute less than primary process of utilizing BFs and Convertors etc.

The productivity under this route is also much higher than the conventional methods.

FURTHER DISCLOSURES AS PER CORPORATE GOVERNANCE GUIDELINES

1. There is no materially significant related party transaction that may have potential conflict with the interest of the company.
2. No non-compliance by the company has been observed /reported. No statutory authority has issued any strictures or levied penalty or any matted related to any guidelines issued by the Government during last three years.
3. Company has formulated a whistle blower policy in line with Government guidelines duly approved by Board. No person has been denied personal access to Audit Committee and company has protected whistle blower from adverse personal action.
4. Corporate Governance guidelines have been complied with and a separate report on Corporate Governance is placed as Annexure to Annual Report.
5. All Presidential guidelines have been complied with by the Company for the year and also during last 3 years.
6. No items of expenditure have been debited in books of accounts, which are not for the purpose of business.
7. No expenses are incurred which are personal in nature for the Board of Directors and Top Management.
8. Administrative expenses are 2% of total expenses.
9. The financial results are available in the website of the company i.e. www.mstcindia.co.in. From time to time they are also published in corporate advertisements.

For & on behalf of Board of Directors

(B. B. Singh)
Chairman-cum- Managing Director

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का प्रमाणीकरण

मैं यह घोषणा करता हूँ कि कंपनी के निदेशक मंडल ने 27 जून, 2008 को अपनी 229वीं बैठक में निदेशक मंडल के सदस्यों और वरिष्ठ प्रबंधन के लिए भारी उद्योग एवं सार्वजनिक उपक्रम मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रसारित व्यवसायिक आचार संहिता एवं मूल्यों के मॉडल कोड को ग्रहण किया है एवं सभी बोर्ड सदस्य एवं सभी वरिष्ठ प्रबंधकों ने इस वर्ष के लिए इस आचार संहिता के अनुपालन की पुष्टि की है।

कृते एवं निदेशक मंडल की ओर से

बी० बी० सिंह

(श्री बी. बी. सिंह)
अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक

CMD'S CERTIFICATION

I declare that the Model Code of Business Conduct and Ethics for Board Members and Senior Management issued by the Government of India, Ministry of Heavy Industries and Public Enterprises was adopted by the Board of Directors of the company in its 229th meeting held on 27-06-08 and all the Board Members and Senior Management have affirmed compliance with the Code of Conduct for the current year.

For & on behalf of Board of Directors

(B. B. Singh)
Chairman-cum-Managing Director

CS SAUMAYO JYOTI SEAL
Phone : 9038065836
8100909418

City off :
49A,Nirmal Chandra Street, Kolkata
Rege.off :
324, Bunokalitala, Chinsurha,
Hooghly-712101, W.B.

निगमित अभिशासन अनुपालन प्रमाणपत्र

कॉरपोरेट आईडेंटिफिकेशन नंबर : **U27320WB1964GOI026211**

अधिकृत पूंजी : रु. **50,00,00,000/-**

सेवा में,
एमएसटीसी के सदस्यगण
225/सी, ए जे सी बोस रोड
कोलकाता-700020

मैंने केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के लिए निगमित अभिशासन पर सार्वजनिक उद्यम विभाग (डीपीई) दिशानिर्देश 2010 में किए गए निर्धारण के अनुरूप निगमित अभिशासन की शर्तों के अनुपालन के अभिप्रमाणन के उद्देश्य के लिए समाप्त वर्ष 31 मार्च, 2016 हेतु एमएसटीसी के सभी सम्बद्ध रिकार्डों की जांच की। मैंने सभी सूचनाएं एवं व्याख्या प्राप्त किये जो प्रमाणीकरण के उद्देश्य हेतु मेरे ज्ञान एवं विश्वास से आवश्यक थे।

निगमित अभिशासन की शर्तों के अनुपालन का दायित्व प्रबंधन का है। मेरी जांच केवल प्रक्रिया और उसके अनुपालन तक सीमित थी, जिसे कंपनी में निगमित अभिशासन के लिए अपनाया गया था।

प्रस्तुत किए गए रिकार्डों एवं व्याख्या तथा सूचनाओं की जांच के आधार पर मैं यह प्रमाणित करता हूँ कि कम्पनी ने समुचित रिकार्डों का अनुरक्षण किया है तथा दो अवसरों में निगमित अभिशासन पर तिमाही रिपोर्ट दाखिल करने में लघु विलम्ब के अलावा 31 मार्च, 2016 को समाप्त वर्ष हेतु केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों हेतु निगमित अभिशासन पर डीपीई दिशानिर्देश 2010 में निर्धारित निगमित अभिशासन की शर्तों का अनुपालन किया है।

SAUMAYO JYOTI SEAL * KOLKATA * COMPANY SECRETARY : CP-11169

सौम्यो ज्योति सील
पेशेवर कम्पनी सचिव
सी.पी. नं. : 11169

स्थान : कोलकाता
दिनांक : 12/7/2016

ई-मेल : seal.saumayo@gmail.com

CS SAUMAYO JYOTI SEAL
Phone : 9038065836
8100909418

City off :
49A,Nirmal Chandra Street, Kolkata
Rege.off :
324, Bunokalitala, Chinsurha,
Hooghly-712101, W.B.

CORPORATE GOVERNANCE COMPLIANCE CERTIFICATE

CORPORATE IDENTIFICATION NUMBER : **U27320WB1964GOI026211**

Authorized Capita : **Rs. 50,00,00,000/-**

To
The Members of
MSTC Ltd.
225/C, A J C Bose Road
Kolkata - 700 020

I have examined all the relevant records of MSTC Ltd. for the year ended 31st March, 2016 for the purpose of certifying compliance of the conditions of Corporate Governance as stipulated in Department of Public Enterprises (DPE) Guideline 2010 on Corporate Governance for Central Public Sector Enterprises. I have obtained all the information and explanations which to the best of my knowledge and belief were necessary for the purpose of certification.

The compliance of Corporate Governance is the responsibility of the management. My examination was limited to the procedure and implementation process adopted by the Company for ensuring the compliance of conditions of Corporate Governance.

On the basis of my examination of the records produced and the explanations and information furnished, I certify that the Company has maintained proper records and complied with the conditions of Corporate Governance as stipulated in DPE Guidelines 2010 on Corporate Governance for Central Public Sector Enterprises for the financial year ending 31st March, 2016, except with marginal delay in filing Quarterly Report on Corporate Governance in two occasions.

SAUMAYO JYOTI SEAL * KOLKATA * COMPANY SECRETARY : CP-11169

SAUMAYO JYOTI SEAL
Practicing Company Secretary
C.P. No. : 11169

Place : Kolkata
Date : 12/7//2016

e-mail : seal.saumayo@gmail.com

अनुलग्नक-III

प्रपत्र सं. एओसी-2

(कम्पनीज (लेखा) नियम, 2014 के अधिनियम की धारा 134 की उप-धारा (3) के खंड (एच) एवं नियम 8(2) के तहत)

कम्पनीज अधिनियम, 2013 की धारा 188 की उप-धारा (1) में संदर्भित सम्बद्ध पार्टियों से कम्पनी द्वारा शामिल ठेका/व्यवस्थाओं के विवरण की प्रकटीकरण हेतु फार्म जिसमें शामिल है उसके तीसरे प्रावधान के अधीन कतिपय आर्म्स लेंथ ट्रांजेक्शन।

1. ठेकेदारों या व्यवस्थापकों या लेनेदेन के विवरण आर्म्स लेंथ आधार पर नहीं। (यह भाग कम्पनी हेतु लागू नहीं है)

   (क) सम्बद्ध पार्टियों के नाम एवं सम्बन्ध का स्वरूप

   (ख) ठेकों/व्यवस्थाओं/लेनदेन का स्वरूप

   (ग) ठेकों/व्यवस्थाओं/लेनदेन की अवधि

   (घ) ठेका या व्यवस्था या लेनदेन सहित मूल्य, यदि कोई है, की मुख्य शर्तें

   (ङ) ऐसे ठेकों या व्यवस्थाओं या लेनदेन में शामिल होने का औचित्य

   (च) बोर्ड द्वारा अनुमोदन की तारीखें

   (छ) अग्रिम के रूप में चुकता की गई राशि, यदि कोई हैः

   (ज) साधारण सभा में पारित की गई विशेष प्रस्ताव की तारीख जो धारा 188 के पहले नियम के अधीन अपेक्षित है।

2. आर्म्स लेंथ आधार के अनुसार सामग्री ठेका या व्यवस्था या लेनदेने के विवरण

   (क) सम्बद्ध पार्टी का नाम एवं संबंध का स्वरूप

   फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड (एफएसएनएल), एक 100% सहायक कम्पनी।

   (ख) ठेकाओं/व्यवस्थाओं/लेनदेन का स्वरूप :

   अभिरक्षा सेवाएं :

   (i) सहायक कम्पनी, फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड (एफएसएनएल) नियंत्रक कम्पनी को सामान्य सेवा प्रभार में वेयरहाउस/स्टॉकयार्ड प्रबंधन हेतु अभिरक्षा सेवाएं प्रदान करती है।

   विक्रय एजेंसी:

   (ii) एमएसटीसी लिमिटेड (नियंत्रक कम्पनी) सहायक कम्पनी, फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड (एफएसएनएल) द्वारा उत्पन्न स्क्रैप एवं अधिशेष सामग्रियों के निपटान हेतु बिक्री एजेंसी के रूप में कार्य करती है।

   (ग) ठेका/व्यवस्था लेने की अवधि:

   अभिरक्षा सेवाएं :

   त्रिपक्षीय समझौता के स्वरूप में एफएसएनएल एवं तीसरी पार्टियों के साथ लगभग 20 संविदायें हैं।

   संविदाओं की अवधि 1 वर्ष है।

   विक्रय एजेंसी :

   एमएसटीसी ने अनवरत आधार पर एफएसएनएल के साथ विक्रय एजेंसी समझौता किया है।

   (घ) मूल्य, यदि कोई है, सहित ठेका या व्यवस्था या लेनदेन की मुख्य शर्तें

   (i) अभिरक्षा सेवाएं :

   ग्राहकों द्वारा एमएसटीसी को प्रतिज्ञित कच्चे सामग्रियों के भंडारन करने हेतु अभिरक्षा सेवाओं के लिए एमएसटीसी के नाम में एफएसएनएल एक इन्वॉयस जारी करता हैं।

   (ii) विक्रय एजेंसीः

   एमएसटीसी एफएसएनएल के स्क्रैप एवं अधिशेष सामग्रियों के निपटान हेतु ई-ऑक्शन संचालित करता है।

   (ङ) बोर्ड द्वारा अनुमोदित तारीखें, यदि कोई है :

   लागू नहीं है।

   (च) अग्रिम के रूप में चुकता की गयी राशि, यदि कोई है :

   कोई अग्रिम चुकता नहीं किया गया है.

कृते एमएसटीसी लिमिटेड

बी. बी. सिंह
अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक

Annexure–III

FORM NO. AOC – 2

(Pursuant to clause (h) of sub-section (3) of section 134 of the Act and Rule 8(2) of the Companies (Accounts) Rules, 2014)

Form for disclosure of particulars of contracts/ arrangements entered into by the company with related parties referred to in sub-section (1) of section 188 of the Companies Act, 2013 including certain arms length transactions under third proviso thereto

1. Details of contracts or arrangements or transactions not at arm's length basis (This part is not applicable to the company)

   (a) Name(s) of the related party and nature of relationship

   (b) Nature of contracts/arrangements/transactions

   (c) Duration of the contracts/arrangements/transactions

   (d) Salient terms of the contracts or arrangements or transactions including the value, if any

   (e) Justification for entering into such contracts or arrangements or transactions

   (f) Date(s) of approval by the Board

   (g) Amount paid as advances, if any:

   (h) Date on which the special resolution was passed in general meeting as required under first proviso to section 188

2. Details of material contracts or arrangement or transactions as arm's length basis

   (a) Name(s) of the related party and nature of relationship:

   Ferro Scrap Nigam Limited (FSNL), a 100% subsidiary company.

   (b) Nature of contracts/arrangements/transactions :

   Custodial Service :

   (i) Subsidiary company, Ferro Scrap Nigam Limited (FSNL) renders custodian services for warehouse/ stockyard management at normal service charge to the holding company.

   Selling Agency :

   (ii) MSTC Limited (holding company) functions as selling agency for disposal of scrap and surplus materials generated by the subsidiary company, Ferro Scrap Nigam Limited (FSNL)

   (c) Duration of the contracts/arrangements/transactions:

   Custodial Service :

   There are approx, 20 contracts with FSNL and third parties in nature of tripartite agreement.

   Duration of the contracts is 1 year.

   Selling Agency :

   MSTC has Selling Agency agreement with FSNL on continuous basis.

   (d) Salient terms of the contracts or arrangements or transactions including the value, if any :

   (j) Custodial Services :

   FSNL raises an invoice in the name of MSTC for custodial services for storing raw materials pledged to MSTC by customers.

   (ii) Selling Agency :

   MSTC conducts e-auction for disposal of scrap and surplus materials of FSNL.

   (e) Date(s) of approval by the Board, if any :

   Not Applicable

   (f) Amount paid as advances, if any :

   No advances have been paid.

FOR MSTC LIMITED

B. B. Singh

Chairman cum Managing Director

अनुलग्नक-IV

प्रपत्र सं. एओसी-1

1.	क्र.सं.	1
2.	सहायक कंपनी का नाम:	फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड
3.	सम्बद्ध सहायक कंपनी हेतु रिपोर्टिंग अवधि, यदि नियंत्रक कम्पनी की रिपोर्टिंग अवधि से अलग है।	लागू नहीं
4.	विदेशी सहायक कंपनी के मामले में वित्तीय वर्ष की अंतिम तारीख को रिपोर्टिंग मुद्रा एवं विनिमय दर :	लागू नहीं
5.	शेयर पूंजी:	₹ 2,00,00,000
6.	आरक्षित एवं अधिशेष :	₹ 1,70,65,15,000
7.	कुल परिसम्पत्तियां :	₹ 3,68,37,00,000
8.	कुल दायित्व :	₹ 3,68,37,00,000
9.	निवेश :	शून्य
10.	टर्नओवर	₹ 3,47,06,87,000
11.	कर-निर्धारण पूर्व लाभ :	₹ 32,52,54,000
12.	कर का प्रावधान :	₹ 11,41,65,000
13.	कर-निर्धारण उपरान्त लाभ :	₹ 21,10,89,000
14.	प्रस्तावित लाभांश :	लागू नहीं
15.	शेयरधारकों का % :	100%

टिप्पणी:

विवरण के अंत में निम्नलिखित सूचनाएं दी गई हैं.

1. सहायक कंपनी का नाम जिसका परिचालन अभी प्रारम्भ होना है
2. सहायक कंपनी जो वर्ष के दौरान लिक्यूइडेटेड हो चुकी है या बिक्री हो गयी है।

Annexure–IV

FORM NO. AOC – 1

1.	Sl. No.	1
2.	Name of the Subsidiary :	Ferro Scrap Nigam Limited
3.	Reporting period for the subsidiary concerned, if different from the holding company's reporting period :	N.A.
4.	Reporting currency and Exchange rate as on the last date of the Financial Year in the case of foreign subsidiaries :	N.A.
5.	Share Capital :	₹ 2,00,00,000
6.	Reserves & Surplus :	₹ 1,70,65,15,000
7.	Total Assets :	₹ 3,68,37,00,000
8.	Total Liabilities :	₹ 3,68,37,00,000
9.	Investments :	NIL
10.	Turnover	₹ 3,47,06,87,000
11.	Profit before taxation :	₹ 32,52,54,000
12.	Provision for taxation :	₹ 11,41,65,000
13.	Profit after taxation :	₹ 21,10,89,000
14.	Proposed Dividend :	N.A.
15.	% of shareholding :	100%

Notes :

The following information shall be furnished at the end of the statement.

1. Name of subsidiaries which are yet to commence operations.
2. Name of subsidiaries which have been liquidated or sold during the year.

अनुलग्नक- V

प्रपत्र सं. एमजीटी-9

वार्षिक रिटर्न का सारांश

31 मार्च, 2015 को समाप्त वित्तीय वर्ष

[कम्पनीज अधिनियम, 2013 की धारा 92(3) एवं कम्पनीज (प्रबंधन एवं प्रशासन) नियम, 2014 का नियम 12(1) के तहत]

I. पंजीयन एवं अन्य विवरण :

i) सीआईएन :	U27320WB1964GOI026211
ii) पंजीयन की तारीख :	09/09/1964
iii) कम्पनी का नाम :	एमएसटीसी लिमिटेड
iv) कम्पनी की श्रेणी/उप-श्रेणी :	शेयरों द्वारा कम्पनी लिमिटेड/ सरकारी कम्पनी
v) पंजीकृत कार्यालय का पता एवं सम्पर्क विवरण :	225/सी, आचार्य जगदीश बोस रोड, कोलकाता, पश्चिम बंगाल, भारत-700020
vi) क्या यह सूचीबद्ध कम्पनी है हाँ/ नहीं	नहीं
vii) रजिस्ट्रार एवं ट्रान्सफर एजेंट, यदि कोई है, का नाम, पता एवं सम्पर्क विवरण	सी बी मैनेजमेंट सर्विसेज (पी) लिमिटेड सीआईएन : U74140WB1994PTC062959 पी-22, बोंडेल रोड कोलकाता- 700019 दूरभाष, सं. : 401167002280 फैक्स : 40116739 ई-मेल : rta@cbmsl.com

Annexure–V

Form No. MGT-9

EXTRACT OF ANNUAL RETURN as on the financial year ended on 31st March, 2015

[Pursuant to section 92(3) *of the Companies Act, 2013* and rule 12(1) of the Companies (Management and Administration) Rules, 2014]

I. REGISTRATION AND OTHER DETAILS :

i) CIN :	U27320WB1964GOI026211
ii) Registration Date	09/09/1964
iii) Name of the Company	MSTC Limited
iv) Category / Sub-Category of the Company	Company limited by shares/Government Company
v) Address of the registered office and contact details	225/C, Acharya Jagadish Bose Road Kolkata, West Bengal, India – 700 020
vi) Whether listed company Yes / No	No
vii) Name, Address and Contact details of Registrar and Transfer Agent, if any	C B Management Services (P)Limited CIN : U74140WB1994PTC062959 P-22, Bondel Road Kolkata – 700019 Telephone No: 401167002280 Fax : 40116739 e-mail : rta@cbmsl.com

II. कम्पनी की प्रमुख व्यावसायिक गतिविधियाँ

कम्पनी के कुल टर्नओवर का 10% या अधिक सभी व्यवसायी गतिविधियों का योगदान नीचे दिया गया है :-

क्र.सं.	मुख्य उत्पादों/सेवाओं का नाम	उत्पाद/सेवाओं का एनआईसी कोड	कम्पनी के कुल टर्नओवर का %
1	एजेंसी व्यापार	लागू नहीं	4.42
2	विपणन	लागू नहीं	95.58

III. नियंत्री, सहायक एवं सहयोगी कम्पनियों का ब्यौरा

क्र.सं.	कम्पनी का नाम एवं पता	सीआईएन/जीएलएन	नियंत्री/सहायक/सहयोगी	धारित शेयरों का %	लागू धारा
1.	फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड	U27102CT1989GOI00548	सहायक	100	2(87)

IV. शेयर धारण करने की पद्धति (कुल इक्वीटी के प्रतिशत के अनुसार इक्वीटी शेयर पूंजी का ब्रेकअप)

i) श्रेणीवार शेयर होल्डिंग

शेयर धारकों की श्रेणी	वर्ष के प्रारम्भ में धारित शेयरों की संख्या				वर्ष के अंत में धारित शेयरों की संख्या				वर्ष के दौरान %
	डीमेट	भौतिक	कुल	कुल शेयर का %	डीमेट	भौतिक	कुल	कुल शेयरों का %	परिवर्तन
क. प्रोमोटर्स									
(1) भारतीय									
ए) व्यक्तिगत/एचयूएफ	0	0	0	0.0000	0	0	0	0.0000	0.0000
बी) केन्द्रीय सरकार	0	7906400	7906400	89.8455	0	7906400	7906400	89.8455	0.0000
सी) राज्य सरकारे	0	0	0	0.0000	0	0	0	0.0000	0.0000
डी) निगम निकाय	0	0	0	0.0000	0	0	0	0.0000	0.0000
ई) बैंक/वित्तीय संस्थान	0	0	0	0.0000	0	0	0	0.0000	0.0000
एफ) कोई अन्य	0	0	0	0.0000	0	0	0	0.0000	0.0000
				0.0000				0.0000	
				0.0000				0.0000	
उप-योग (ए)(1):-	0	**7906400**	7906400	89.8455	**0**	**7906400**	7906400	89.8455	0.0000
				0.0000				0.0000	
(2) विदेश				0.0000				0.0000	
ए) एनआरआई -व्यक्तिगत	0	0	0	0.0000	0	0	0	0.0000	0.0000
ल) अन्य- व्यक्तिगत	0	0	0	0.0000	0	0	0	0.0000	0.0000
ल) निकाय निगम	0	0	0	0.0000	0	0	0	0.0000	0.0000
व) बैंक/ वित्तीय संस्थान	0	0	0	0.0000	0	0	0	0.0000	0.0000
श) कोई अन्यः.	0	0	0	0.0000	0	0	0	0.0000	0.0000
उप-योग (ए) (2):-	**0**	**0**	0	0.0000	**0**	**0**	0	0.0000	0.0000
				0.0000				0.0000	
प्रोमोटर का कुल शेयरहोल्डिंग (ए)= (ए)(1)+(ए)(2)	**0**	**7906400**	7906400	89.8455	**0**	**7906400**	7906400	89.8455	0.0000

II. PRINCIPAL BUSINESS ACTIVITIES OF THE COMPANY

All the business activities contributing 10% or more of the total turnover of the company shall be stated :

Sl. No.	Name and Description of main products / services	NIC Code of the Product / service	% to total turnover of the company
1	Agency Business	NA	4.42
2	Marketing	NA	95.58

III. PARTICULARS OF HOLDING, SUBSIDIARY AND ASSOCIATE COMPANIES

Sl. No.	Name and Address of the Company	CIN/GLN	Holding/ Subsidiary/ Associate	% of shares held	Applicable Section
1.	FERRO SCRAP NIGAM LIMITED	U27102CT1989GOI00548	SUBSIDIARY	100	2(87)

IV. SHARE HOLDING PATTERN (Equity Share Capital Breakup as percentage of Total Equity)

i) Category-wise Share Holding

Category of Shareholder	No. of Shares held at the beginning of the year				No. of Shares held at the end of the year				% Change during the year
	Demat	Physical	Total	% of Total	Demat	Physical	Total	% of Total shares	
A. Promoters									
(1) Indian									
a) Individual/HUF	0	0	0	0.0000	0	0	0	0.0000	0.0000
b) Central Govt.	0	7906400	7906400	89.8455	0	7906400	7906400	89.8455	0.0000
c) State Govt.(s)	0	0	0	0.0000	0	0	0	0.0000	0.0000
d) Bodies Corp.	0	0	0	0.0000	0	0	0	0.0000	0.0000
e) Banks / FI	0	0	0	0.0000	0	0	0	0.0000	0.0000
f) Any Other….	0	0	0	0.0000	0	0	0	0.0000	0.0000
				0.0000				0.0000	
				0.0000				0.0000	
Sub-total (A) (1):-	0	**7906400**	7906400	89.8455	**0**	**7906400**	7906400	89.8455	0.0000
				0.0000				0.0000	
(2) Foreign				0.0000				0.0000	
a) NRIs - Individuals	0	0	0	0.0000	0	0	0	0.0000	0.0000
b) Other – Individuals	0	0	0	0.0000	0	0	0	0.0000	0.0000
c) Bodies Corp.	0	0	0	0.0000	0	0	0	0.0000	0.0000
d) Banks / FI	0	0	0	0.0000	0	0	0	0.0000	0.0000
e) Any Other….	0	0	0	0.0000	0	0	0	0.0000	0.0000
Sub-total (A) (2):-	**0**	**0**	0	0.0000	**0**	**0**	0	0.0000	0.0000
				0.0000				0.0000	
Total shareholding of Promoter (A)= (A)(1)+(A)(2)	**0**	**7906400**	7906400	89.8455	**0**	**7906400**	7906400	89.8455	0.0000

शेयर धारकों की श्रेणी	वर्ष के प्रारम्भ में धारित शेयरों की संख्या				वर्ष के अंत में धारित शेयरों की संख्या				वर्ष के दौरान % परिवर्तन
	डीमेट	भौतिक	कुल	कुल शेयर का %	डीमेट	भौतिक	कुल	कुल शेयरों का %	
				0.0000				0.0000	
बी. सार्वजनिक शेयरधारिता				0.0000				0.0000	
1. **संस्थान**				0.0000				0.0000	
ए) म्यूचुअल फंड्स	0	0	0	0.0000	0	0	0	0.0000	0.0000
बी) बैंक/वित्तीय संस्थान	0	0	0	0.0000	0	0	0	0.0000	0.0000
सी) केन्द्रीय सरकार	0	0	0	0.0000	0	0	0	0.0000	0.0000
डी) राज्य सरकार	0	0	0	0.0000	0	0	0	0.0000	0.0000
ई) वेंचर केपिटल फंड्स	0	0	0	0.0000	0	0	0	0.0000	0.0000
एफ) इंश्योरेन्स कम्पनियां	0	0	0	0.0000	0	0	0	0.0000	0.0000
जी) एफआईआई	0	0	0	0.0000	0	0	0	0.0000	0.0000
एच) विदेश वेंचर कैपिटल फंड्स	0	0	0	0.0000	0	0	0	0.0000	0.0000
i) अन्य (निर्दिष्ट)	0	0	0	0.0000	0	0	0	0.0000	0.0000
				0.0000				0.0000	
उप-योग (बी)(1) :	**0**	**0**	0	0.0000	**0**	**0**	0	0.0000	0.0000
				0.0000				0.0000	
2. गैर-संस्थान				0.0000				0.0000	
ए) निकाय निगम				0.0000				0.0000	
i) भारतीय	0	279950	279950	3.1813	0	279950	279950	3.1813	0.0000
ii) समुद्रीयपार	0	0	0	0.0000	0	0	0	0.0000	0.0000
बी) व्यक्तिगत	0	0	0	0.0000	0	0	0	0.0000	0.0000
i) व्यक्तिगत शेयरधारक रु. 1 लाख तक नॉमिनल शेयर केपिटल धारित कर रहे हैं।	0	382300	382300	4.3443	0	370800	370800	4.2136	-0.1307
ii) व्यक्तिगत शेयर धारक रु. 1 लाख से अधिक नॉमिनल शेयर केपिटल धारित कर रहे हैं।	0	229350	229350	2.6063	0	240850	240850	2.7369	0.1307
सी) अन्य (निर्दिष्ट)	0	0	0	0.0000	0	0	0	0.0000	0.0000
i) योग्य विदेशी निवेशक	0	0	0	0.0000	0	0	0	0.0000	0.0000
ii) ट्रस्ट और मूलाधार	0	0	0	0.0000	0	0	0	0.0000	0.0000
ii) अनिवासी व्यक्तियों	0	2000	2000	0.0227	0	2000	2000	0.0227	0.0000
				0.0000				0.0000	
उप-योग (बी)(2) :	**0**	**893600**	**893600**	**10.1545**	**0**	**893600**	**893600**	**10.1545**	**0.0000**
				0.0000				0.0000	
कुल सार्वजनिक शेयरधारिता (बी)=(बी)(1)+(बी)(2)	**0**	**893600**	**893600**	**10.1545**	**0**	**893600**	**893600**	**10.1545**	**0.0000**
सी. जीडीआर एवं एडीआर हेतु अभिरक्षा द्वारा धारित शेयर	0	0	0	0.0000	0	0	0	0.0000	0.0000
कुल योग (ए+बी+सी)	**0**	**8800000**	**8800000**	**100.0000**	**0**	**8800000**	**8800000**	**100.0000**	**0.0000**

Category of Shareholders	No. of Shares held at the beginning of the year				No. of Shares held at the end of the year				% Change during the year
	Demat	Physical	Total	% of Total	Demat	Physical	Total	% of Total	
				0.0000				0.0000	
B. Public Shareholding				0.0000				0.0000	
1. Institutions				0.0000				0.0000	
a) Mutual Funds	0	0	0	0.0000	0	0	0	0.0000	0.0000
b) Banks / FI	0	0	0	0.0000	0	0	0	0.0000	0.0000
c) Central Govt	0	0	0	0.0000	0	0	0	0.0000	0.0000
d) State Govt(s)	0	0	0	0.0000	0	0	0	0.0000	0.0000
e) Venture Capital Funds	0	0	0	0.0000	0	0	0	0.0000	0.0000
f) Insurance Companies	0	0	0	0.0000	0	0	0	0.0000	0.0000
g) FIIs	0	0	0	0.0000	0	0	0	0.0000	0.0000
h) Foreign Venture Capital Funds	0	0	0	0.0000	0	0	0	0.0000	0.0000
i) Others (specify)	0	0	0	0.0000	0	0	0	0.0000	0.0000
				0.0000				0.0000	
Sub-total (B)(1) :	**0**	**0**	0	0.0000	**0**	**0**	0	0.0000	0.0000
				0.0000				0.0000	
2. Non-Institutions				0.0000				0.0000	
a) Bodies Corp.				0.0000				0.0000	
i) Indian	0	279950	279950	3.1813	0	279950	279950	3.1813	0.0000
ii) Overseas	0	0	0	0.0000	0	0	0	0.0000	0.0000
b) Individuals	0	0	0	0.0000	0	0	0	0.0000	0.0000
i) Individual shareholders holding nominal share capital upto Rs. 1 lakh	0	382300	382300	4.3443	0	370800	370800	4.2136	-0.1307
ii) Individual shareholders holding nominal share capital in excess of Rs. 1 lakh	0	229350	229350	2.6063	0	240850	240850	2.7369	0.1307
c) Others (specify)	0	0	0	0.0000	0	0	0	0.0000	0.0000
i) Qualified Foreign Investor	0	0	0	0.0000	0	0	0	0.0000	0.0000
ii) Trust & Foundations	0	0	0	0.0000	0	0	0	0.0000	0.0000
iii) Non-Resident Individuals	0	2000	2000	0.0227	0	2000	2000	0.0227	0.0000
				0.0000				0.0000	
Sub-total (B)(2) :	**0**	**893600**	**893600**	**10.1545**	**0**	**893600**	**893600**	**10.1545**	**0.0000**
				0.0000				0.0000	
Total Public Shareholding (B)=(B)(1)+(B)(2)	**0**	**893600**	**893600**	**10.1545**	**0**	**893600**	**893600**	**10.1545**	**0.0000**
C. Shares held by Custodian for GDRs & ADRs	0	0	0	0.0000	0	0	0	0.0000	0.0000
Grand Total (A+B+C)	**0**	**8800000**	**8800000**	**100.0000**	**0**	**8800000**	**8800000**	**100.0000**	**0.0000**

ii) प्रोमोटरों का शेयर होल्डिंग

क्र.सं.	शेयरधारकों का नाम	वर्ष के प्रारम्भ में शेयर होल्डिंग			वर्ष के अंत में शेयर होल्डिंग			
		शेयरों की संख्या	कम्पनी के कुल शेयरों का प्रतिशत	कुल शेयरों का प्रतिज्ञित / भारित शेयरों का प्रतिशत	शेयरों की संख्या	कम्पनी के कुल शेयरों का प्रतिशत	कुल शेयरों का प्रतिज्ञित / भारित शेयरों का प्रतिशत	वर्ष के दौरान धारित शेयरों में परिवर्तित प्रतिशत
1.	भारत के राष्ट्रपति	7906300	89.84		7906300	89.84		
2.	श्री बी बी सिंह *	20	0		20	0		
3.	श्री ए के बासु *	20	0		20	0		
4.	श्री सुब्रत कुमार राय *	20	0		20	0		
5.	श्री सुरज भान *	20	0		20	0		
6.	श्री एस.के. त्रिपाठी *	20	0		20	0		
	योग	**7906400**			**7906400**			

* भारत के राष्ट्रपति के नॉमिनी के रूप में

(iii) प्रमोटरों के शेयर होल्डिंग में परिवर्तन (कृपया निर्दिष्ट करें, यदि कोई परिवर्तन नहीं है): अपरिवर्तित

क्र.	फोलियो सं.	नाम	टिप्पणियों	वर्ष के प्रारम्भ में शेयर होल्डिंग			वर्ष के दौरान संचयी शेयर होल्डिंग	
				शेयरहोल्डिंग /लेनदेन की तारीख	शेयरों की संख्या	कंपनी के कुल शेयरों का प्रतिशत	शेयरों की संख्या	कंपनी के कुल शेयरों का प्रतिशत
1.	पी000003	भारत के राष्ट्रपति	वर्ष के प्रारम्भ में वर्ष के अंत में	01/04/2015 31/03/2016	7906300	89.84	7906300 7906300	89.84
2.	बी000010	बी बी सिंह	वर्ष के प्रारम्भ में वर्ष के अंत में	01/04/2015 31/03/2016	20	0.00	20 20	0.00 0.00
3.	सी000002	ए के बसु	वर्ष के प्रारम्भ में वर्ष के अंत में	01/04/2015 31/03/2016	20	0.00	20 20	0.00 0.00
4.	आर000003	श्री सुब्रत कुमार राय	वर्ष के प्रारम्भ में वर्ष के अंत में	01/04/2015 31/03/2016	20	0.00	20 20	0.00 0.00
5.	एस000040	सूरज भान	वर्ष के प्रारम्भ में वर्ष के अंत में	01/04/2015 31/03/2016	20	0.00	20 20	0.00 0.00
6.	टी000016	श्री एस के त्रिपाठी	वर्ष के प्रारम्भ में वर्ष के अंत में	01/04/2015 31/03/2016	20	0.00	20 20	0.00 0.00

(iv) शीर्ष के दस शेयर धारकों का शेयर होल्डिंग पैटर्न (निदेशक, प्रमोटर्स एवं जीडीआर तथा एडीआर के धारकों के अलावा) : अपरिवर्तित

क्र.	फोलियो सं.	नाम	टिप्पणियों	वर्ष के प्रारम्भ में शेयर होल्डिंग			वर्ष के दौरान संचयी शेयर होल्डिंग	
				शेयरहोल्डिंग /लेनदेन की तारीख	शेयरों की संख्या	कंपनी के कुल शेयरों का प्रतिशत	शेयरों की संख्या	कंपनी के कुल शेयरों का प्रतिशत
1.	एस000036	स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया	वर्ष के प्रारम्भ में वर्ष के अंत में	01/04/2015 31/03/2016	80000	0.91	80000 80000	0.91 0.91
2.	टी000008	टेक्समैको लिमिटेड	वर्ष के प्रारम्भ में वर्ष के अंत में	01/04/2015 31/03/2016	60000	0.68	60000 60000	0.68 0.68
3.	जे000001	जे के ट्रेडर्स लिमिटेड	वर्ष के प्रारम्भ में वर्ष के अंत में	01/04/2015 31/03/2016	48000	0.55	48000 48000	0.55 0.55

ii) Shareholding of Promoters

Sl No.	Shareholder's Name	Shareholding at the beginning of the year			Share holding at the end of the year			
		No. of Shares	% of total Shares of the company	%of Shares Pledged / encumbered to total shares	No. of Shares	% of total Shares of the company	%of Shares Pledged / encumbered to total shares	% change in share holding during the year
1.	President of India	7906300	89.84		7906300	89.84		
2.	Shri B B Singh *	20	0		20	0		
3.	Shri A K Basu *	20	0		20	0		
4.	Shri Subrata Kumar Ray *	20	0		20	0		
5.	Shri Suraj Bhan *	20	0		20	0		
6.	Shri S.K. Tripathi *	20	0		20	0		
	Total	**7906400**			**7906400**			

* As nominee of President of India

(iii) Change in Promoters' Shareholding (please specify, if there is no change) : NO CHANGE

Sl.	Folio No.	Name	Remarks	Shareholding at the begining of the year			Cumulative Share-holding during the year	
				Shareholding /Transaction Date	No. of Shares	% of Total Shares of the Company	No. of Shares	% of Total Shares of the Company
1.	P000003	President of India	At the begining of the year	01/04/2015	7906300	89.84	7906300	89.84
			At the end of the year	31/03/2016			7906300	
2.	B000010	B B Singh	At the begining of the year	01/04/2015	20	0.00	20	0.00
			At the end of the year	31/03/2016			20	0.00
3.	C000002	A K Basu	At the begining of the year	01/04/2015	20	0.00	20	0.00
			At the end of the year	31/03/2016			20	0.00
4.	R000003	Shri Subrata Kumar Ray	At the begining of the year	01/04/2015	20	0.00	20	0.00
			At the end of the year	31/03/2016			20	0.00
5.	S000040	Suraj Bhan	At the begining of the year	01/04/2015	20	0.00	20	0.00
			At the end of the year	31/03/2016			20	0.00
6.	T000016	Shri S K Tripathi	At the begining of the year	01/04/2015	20	0.00	20	0.00
			At the end of the year	31/03/2016			20	0.00

(iv) Shareholding Pattern of top ten Shareholders (other than Directors, Promoters and Holders of GDRs and ADRs) : No Change

Sl.	Folio No.	Name	Remarks	Shareholding at the begining of the year			Cumulative Share-holding during the year	
				Shareholding /Transaction Date	No. of Shares	% of Total Shares of the Company	No. of Shares	% of Total Shares of the Company
1.	S000036	Steel Authority of India Ltd.	At the begining of the year	01/04/2015	80000	0.91	80000	0.91
			At the end of the year	31/03/2016			80000	0.91
2.	T000008	Texmaco Limited	At the begining of the year	01/04/2015	60000	0.68	60000	0.68
			At the end of the year	31/03/2016			60000	0.68
3.	J000001	J K Traders Limited	At the begining of the year	01/04/2015	48000	0.55	48000	0.55
			At the end of the year	31/03/2016			48000	0.55

क्र.	फोलियो सं.	नाम	टिप्पणियों	वर्ष के प्रारम्भ में शेयर होल्डिंग			वर्ष के दौरान संचयी शेयर होल्डिंग	
				शेयरहोल्डिंग /लेनदेन की तारीख	शेयरों की संख्या	कंपनी के कुल शेयरों का प्रतिशत	शेयरों की संख्या	कंपनी के कुल शेयरों का प्रतिशत
4.	यू000001	अनसूया उदानी	वर्ष के प्रारम्भ में वर्ष के अंत में	01/04/2015 31/03/2016	22800	0.26	22800 22800	0.26 0.26
5.	सी000001	केनरा कार्यशालाओं लि.	वर्ष के प्रारम्भ में वर्ष के अंत में	01/04/2015 31/03/2016	20000	0.23	20000 20000	0.23 0.23
6.	टी000005	टाटा मोटर्स लिमिटेड	वर्ष के प्रारम्भ में वर्ष के अंत में	01/04/2015 31/03/2016	20000	0.23	20000 20000	0.23 0.23
7.	एन000003	श्रीमती सईदा इकबाल नथानी	वर्ष के प्रारम्भ में वर्ष के अंत में	01/04/2015 31/03/2016	18400	0.21	18400 18400	0.21 0.21
8.	के000015	जी कुमारसेन	वर्ष के प्रारम्भ में घटाव वर्ष के अंत में	01/04/2015 16/5/2015 31/03/2016	16850 1000	0.19 0.01	15850 15850 15850	0.19 0.18 0.18
9.	के000006	श्री मुकुन्द खैतान	वर्ष के प्रारम्भ में वर्ष के अंत में	01/04/2015 31/03/2016	16000	0.18	16000 16000	0.18 0.18
10.	एस000036	श्रीमती कल्पना शर्मा	वर्ष के प्रारम्भ में वर्ष के अंत में	01/04/2015 31/03/2016	12900	0.15	12900 12900	0.15 0.15

(v) निदेशकों का शेयरहोल्डिंग एवं प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक

क्र सं.		वर्ष के प्रारम्भ में शेयर होल्डिंग		वर्ष के दौरान संचयी शेयर होल्डिंग	
	प्रत्येक निदेशकों एवं केएमपी हेतु	शेयरों की सं.	कम्पनी के कुल शेयरों का प्रतिशत	शेयरों की संख्या	कम्पनी के कुल शेयरों का प्रतिशत
	वर्ष के प्रारम्भ में	100	0	100	0
	वर्ष के दौरान धारित शेयरों में तारीख वार वृद्धि/ह्रास वृद्धि/ह्रास हेतु कारणों को निर्दिष्ट करें (यथा : आवंटन/हस्तांतरण/बोनस उद्यमी इक्विटी आदि :	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
	वर्ष के अंत में	100	0	100	0

V. ऋणभार

बकाया/अर्जित ब्याज सहित कम्पनी का ऋणभार परन्तु भुगतान हेतु बकाया नहीं है **(रु. लाख में)**

	सुरक्षित ऋण जमा को छोड़कर	असुरक्षित ऋण	जमा	कुल ऋणभार
वित्तीय वर्ष के प्रारम्भ में ऋणभार				
i) प्रमुख राशि	84227	24362	0	108589
ii) बकाया ब्याज परन्तु चुकता नहीं किया गया	90	11	0	101
iii) अर्जित ब्याज परन्तु बकाया नहीं।	0	7889	0	7889
योग (i+ii+iii)	**84317**	**32262**	**0**	**116579**
वित्तीय वर्ष के दौरान ऋणभार में परिवर्तन				
i) संयोजन	0	10000	0	10000
ii) कटौती	55691	11	0	55702
शुद्ध परिवर्तन	-55691	9989	0	-45702
वित्तीय वर्ष के अंत में ऋणभार				
i) प्रमुख राशि	28446	34362	0	62808
ii) बकाया ब्याज परन्तु चुकता नहीं किया गया	0	0	0	0
iii) अर्जित ब्याज परन्तु बकाया नहीं।	0	7889	0	7889
योग i+ii+iii)	**28446**	**42251**	**0**	**70697**

Sl.	Folio No.	Name	Remarks	Shareholding at the begining of the year			Cumulative Share-holding during the year	
				Shareholding /Transaction Date	No. of Shares	% of Total Shares of the Company	No. of Shares	% of Total Shares of the Company
4.	U000001	Anasuya Udani	At the begining of the year	01/04/2015	22800	0.26	22800	0.26
			At the end of the year	31/03/2016			22800	0.26
5.	C000001	Canara Workshops Ltd.	At the begining of the year	01/04/2015	20000	0.23	20000	0.23
			At the end of the year	31/03/2016			20000	0.23
6.	T000005	Tata Motors Ltd.	At the begining of the year	01/04/2015	20000	0.23	20000	0.23
			At the end of the year	31/03/2016			20000	0.23
7.	N000003	Mrs. Saida Ikbal Nathani	At the begining of the year	01/04/2015	18400	0.21	18400	0.21
			At the end of the year	31/03/2016			18400	0.21
8.	K000015	G. Kumaresan	At the begining of the year	01/04/2015	16850	0.19	16850	0.19
			Decrease	16/5/2015	1000	0.01	15850	0.18
			At the end of the year	31/03/2016			15850	0.18
9.	K000006	Shri Mukund Khaitan	At the begining of the year	01/04/2015	16000	0.18	16000	0.18
			At the end of the year	31/03/2016			18400	0.18
10.	S000036	Shri Kalpana Sharma	At the begining of the year	01/04/2015	12900	0.15	12900	0.15
			At the end of the year	31/03/2016			12900	0.15

(v) Shareholding of Directors and Key Managerial Personnel: NO CHANGE

Sl. No.	For Each of the Directors and KMP	Shareholding at the beginning of the year		Cumulative Shareholding during the year	
		No. of shares	% of total shares of the company	No. of shares	% of total shares of the company
	At the beginning of the year	100	0	100	0
	Date wise Increase / Decrease in Share holding during the year specifying the reasons for increase / decrease (e.g. allotment / transfer / bonus/ sweat equity etc) :	NA	NA	NA	NA
	At the End of the year	100	0	100	0

V. INDEBTEDNESS

Indebtedness of the Company including interest outstanding/accrued but not due for payment (₹ in lakhs)

	Secured Loans excluding deposits	Unsecured Loans	Deposits	Total Indebtedness
Indebtedness at the beginning of the financial year				
i) Principal Amount	84227	24362	0	108589
ii) Interest due but not paid	90	11	0	101
iii) Interest accrued but not due	0	7889	0	7889
Total (i+ii+iii)	**84317**	**32262**	**0**	**116579**
Change in Indebtedness during the financial year				
Addition	0	10000	0	10000
Reduction	55691	11	0	55702
Net Change	-55691	9989	0	-45702
Indebtedness at the end of the financial year				
i) Principal Amount	28446	34362	0	62808
ii) Interest due but not paid	0	0	0	0
iii) Interest accrued but not due	0	7889	0	7889
Total (i+ii+iii)	**28446**	**42251**	**0**	**70697**

VI. निदेशकों एवं प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक का पारिश्रमिक

ए. प्रबंध निदेशक, पूर्ण कालिक निदेशकों और/या प्रबंधक : **(₹ लाख में)**

क्र.सं.	पारिश्रमिक का ब्यौरा	प्रबंध निदेशक/पूर्णकालिक निदेशक/प्रबंधक के नाम	कुल राशि
		1. श्री एस.के. त्रिपाठी (अध्यक्ष सह प्रबंधक निदेशक) 2. श्री ए.के. बसु निदेशक (वित्त) 3. श्री बी.बी. सिंह निदेशक (वाणिज्यिक)	
1.	सकल वेतन		150
	(क) आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 17(1) में शामिल प्रावधानों के अनुसार वेतन (ख) आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 17(2) के अधीन अनुलाभ का मूल्य (ग) आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 17(3) के अधीन वेतन के स्थान पर लाभ		
2.	विकल्प स्टॉक		शून्य
3.	स्वेट इक्विटी		शून्य
4.	कमिशन - लाभ के प्रतिशत के अनुसार - अन्य, विशिष्ट		शून्य
5	अन्य, कृपया निर्दिष्ट करें		
	सीपीएफ हेतु कम्पनी का सहयोग		7
	चिकित्सा व्यय की प्रतिपूर्ति		2
	कुल (ए) अधिनियम के अनुसार सीलिंग		**159**

बी. अन्य निदेशकों का पारिश्रमिक :

क्र.सं.	पारिश्रमिक का ब्यौरा	निदेशकों का नाम		कुल राशि
		श्री एन.सी. झा	श्री ए.के. गोयल	
	3. स्वतंत्र निदेशकगण			
	बोर्ड/कमिटी कमिटी में शामिल होने के लिए शुल्क	1,58,000	39,000	1,97,000
	कमिशन			
	अन्य, कृपया निर्दिष्ट करें			
	कुल (1)	**1,58,000**	**39,000**	**1,97,000**
	4. गैर कार्यपालक निदेशकगण			शून्य
	बोर्ड /कमिटी में शामिल होने के लिए शुल्क			
	कमिशन			
	अन्य, कृपया निर्दिष्ट करें			
	कुल (2)			
	कुल (बी)=(1+2)	**1,58,000**	**39,000**	**1,97,000**
	कुल प्रबंधकीय पारिश्रमिक			
	अधिनियम के अनुसार सम्पूर्ण सीलिंग			

VI. REMUNERATION OF DIRECTORS AND KEY MANAGERIAL PERSONNEL

A. Remuneration to Managing Director, Whole-time Directors and/or Manager : **(₹ in lakhs)**

Sl. No.	Particulars of Remuneration	Name of MD/WTD/ Manager	Total Amount
		1. Shri S.K.Tripathi (Chairman cum Managing Director) 2. Shri A.K.Basu Director (Finance) 3. Shri B.B.Singh Director (Commercial)	
1.	Gross salary		150
	(a) Salary as per provisions contained in section 17(1) of the Income-tax Act, 1961		
	(b) Value of perquisites u/s 17(2) Income-tax Act, 1961		
	(c) Profits in lieu of salary under section 17(3) Income-tax Act, 1961		
2.	Stock Option		NIL
3.	Sweat Equity		NIL
4.	Commission - as % of profit - others, specify…		NIL
5	Others, please specify		
	Company's Contribution to CPF		7
	Reimbursement of Medical expenses		2
	Total (A)		**159**
	Ceiling as per the Act		

B. Remuneration to other directors :

Sl. No.	Particulars of Remuneration	Name of Directors		Total Amount
		Shri N.C.Jha	Shri A.K.Goyal	
	3. Independent Directors			
	Fee for attending board / committee meetings	1,58,000	39,000	1,97,000
	Commission			
	Others, please specify			
	Total (1)	**1,58,000**	**39,000**	**1,97,000**
	4. Other Non-Executive Directors			
	Fee for attending board / committee meetings			NIL
	Commission			
	Others, please specify			
	Total (2)			
	Total (B) = (1+2)	**1,58,000**	**39,000**	**1,97,000**
	Total Managerial Remuneration			
	Overall Ceiling as per the Act			

सी. प्रबंध निदेशक/प्रबंधक/पूर्णकालिक निदेशक के अलावा प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक का परिश्रमिक (₹ लाख में)

क्र.सं.	परिश्रमिक का ब्यौरा	प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक			
		सीईओ	कंपनी सचीव	सीएफओ	योग
1.	सकल वेतन (क) आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 17(1) में शामिल प्रावधानों के अनुसार		38		38
	(ख) आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 17(2) के अंतर्गत पूर्वअपेक्षिता का मूल्य				
	(ल) आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 17(3) के अधीन वेतन के स्थान पर लाभ				
2.	स्टॉक विकल्प				
3.	स्वेट इक्विटी				
4.	कमिशन - लाभ के प्रतिशत के अनुसार -अन्य, निर्दिष्ट करें:				
5.	अन्य, कृपया निर्दिष्ट करें				
	योग		**38**		**38**

VII. जुर्माना/सजा/अपराध का प्रशमन : शून्य

ए. प्रबंध निदेशक, पूर्ण कालिक निदेशकों और/या प्रबंधक का पारिश्रमिक : **(₹ लाख में)**

प्रकार	कम्पनी अधिनियम की धारा	संक्षिप्त विवरण	जुर्माना/ सजा/ कम्पाउण्डिंग शुल्क का विवरण	प्राधिकारी आरडी/एनसीएलटी /कोर्ट	यदि कोई अपील किया गया (विवरण का उल्लेख करें)
क. कम्पनी					
जुर्माना					
सजा					
कम्पाउण्डिंग					
ख. निदेशक					
जुर्माना					
सजा					
कम्पाउंडिंग					
ग. अन्य दोषी अधिकारी					
जुर्माना					
सजा					
कम्पाउंडिंग					

C. Remuneration to Key Managerial Personnel other than MD/Manager/WTD (₹ in lakhs)

Sl. No.	Particulars of Remuneration	Key Managerial Personnel			
		CEO	Company Secretary	CFO	Total
1.	Gross salary (a) Salary as per provisions contained in section 17(1) of the Income-tax Act, 1961		38		38
	(b) Value of perquisites u/s 17(2) Income-tax Act, 1961				
	(c) Profits in lieu of salary under section 17(3) Income-tax Act, 1961				
2.	Stock Option				
3.	Sweat Equity				
4.	Commission - as % of profit - others, specify…				
5.	Others, please specify				
	Total		**38**		**38**

VII. PENALTIES / PUNISHMENT/ COMPOUNDING OF OFFENCES : NIL

A. Remuneration to Managing Director, Whole-time Directors and/or Manager : **(₹ in lakhs)**

Type	Section of the Companies Act	Brief Description	Details of Penalty / Punishment / Compounding fees imposed	Authority [RD / NCLT / COURT]	Appeal made, if any (give Details)
A. COMPANY					
Penalty					
Punishment					
Compounding					
B. DIRECTORS					
Penalty					
Punishment					
Compounding					
C. OTHER OFFICERS IN DEFAULT					
Penalty					
Punishment					
Compounding					

अनुलग्नक-VI

सीएसआर गतिविधियों पर वार्षिक प्रतिवेदन

1. **कम्पनी की सीएसआर नीति का संक्षिप्त रूपरेखा :**

(क) कम्पनी ने कम्पनीज अधिनियम 2013 के अनुसार सीएसआर एवं स्थायी विकास नीति का गठन किया है जो बोर्ड के विधिवत संगठित सीएसआर द्वारा संस्तुति एवं बोर्ड द्वारा अनुमोदित है। नीति कम्पनी की वेबसाइट : www.mstcindia.co.in पर उपलब्ध है।

(ख) नीति का लक्ष्य शिक्षा प्रोन्नति, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता, विभिन्न रूप से विकलांग लोगों को प्रोत्साहित आदि कर जरूरतमंद एवं वंचित नागरिकों को संस्कृति की देखभाल के लिए प्रेरित करना हैं।

(ग) बोर्ड चेयरमैन के रूप में स्वतंत्र निदेशक के साथ सीएसआर कमिटी का गठन करेगा। नोडल अधिकारी कमिटी द्वारा लिये गये निर्णय को कार्यान्वित करेगा। कम्पनी सचिव कमिटी के भी सचिव होंगे।

(घ) कमिटी बजट, के लिये किए जाने वाले प्रोजेक्ट एवं कार्यान्वयन की पद्धति को अनुमोदित करेगी। कमिटी एवं बोर्ड सुनिश्चित करेगा कि चालू वर्ष हेतु बजट विगत 3 वर्षों के औसत शुद्ध लाभ के कम से कम 2 प्रतिशत से कम नहीं हो।

(ङ) कार्यकलाप में कम्पनी के सीएसआर नीति के अनुलग्नक के अधीन आच्छादित सभी गतिविधियां होंगी जिसमें इंटर एलिया, कम्पनी अधिनियम 2013 की अनुसूची VII के अधीन प्रदत्त मदें एवं डीपीई दिशा-निर्देश शामिल होगा। इसके अतिरिक्त कमिटी/बोर्ड द्वारा सरकारी दिशानिर्देश अनुदेश पर विचार किया जाएगा।

(च) एमएसटीसी अन्य पीएसयू, सरकारी एजेंसी, एनजीओ को, यदि अपेक्षित हो, प्रोजेक्ट के मेरिट के आधार पर संयुक्त प्रोजेक्ट को भी प्रोत्साहित करेगा।

2. **सीएसआर कमिटी का गठन:**

कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 135 एवं सार्वजनिक उद्यम विभाग (डीपीई) दिशानिर्देश (जो सभी केन्द्रीय पीएसयू हेतु लागू है) के तहत बोर्ड स्तर सीएसआर कमिटी का गठन किया है जिसमें श्री ए.के. गोयल, स्वतंत्रण निदेशक, चेयरमैन के रूप में, श्री ए. के बसु, निदेशक (वित्त) एवं श्री बी.बी. सिंह, निदेशक (वाणिज्यिक) सदस्य के रूप में शामिल है। यह कमिटी कम्पनी की सीएसआर नीति के अनुसार कम्पनी की सीएसआर गतिविधियों पर नजर रखेगी। कम्पनी के पदस्त अधिकारी कम्पनी द्वारा लिये गये निर्णय को कार्यान्वित करेंगे।

3. **विगत तीन वित्तीय वर्ष (2012-13, 2013-14, 2014-15) हेतु कम्पनी का औसत शुद्ध लाभ :**

औसत शुद्ध लाभ रु. 50.56 करोड़ है।

4. **वर्ष 2015-16 हेतु निर्धारित सीएसआर व्यय बजट (उपरोक्त मद 3 में राशि का दो प्रतिशत) :**

रु. 1.45 करोड़

Annexure–VI

ANNUAL REPORT ON CSR ACTIVITIES

1. **Brief outline of the Company's CSR Policy :**

   (A) Company has formulated a CSR and Sustainable Development Policy in line with the Companies Act 2013 which has been recommended by duly constituted CSR Committee of the Board and approved by the Board. The policy is available at Company's website **www.mstcindia.co.in**

   (B) The vision of the Policy is to inculcate culture of care of the underprivileged and distressed citizen by promoting education, healthcare & hygiene, encouragement of differently abled persons, etc.

   (C) Board shall constitute a CSR Committee with an independent director as Chairman. Nodal officers shall implement the decisions taken by the Committee. Company Secretary shall be secretary to the Committee.

   (D) The Committee shall recommend budget, the projects to be taken up, and the method of implementation. The Committee and the Board shall ensure that at least 2% of the average net profit of preceding 3 years is the budget for the current year.

   (E) Activities shall include all activities covered under Annexure to the CSR Policy of the Company which includes inter alia, items as provided under schedule VII of the Companies Act, 2013 and DPE guidelines. Additionally any Govt. guideline instructions shall be considered by the Committee/Board.

   (F) MSTC shall also encourage collaborative projects with other PSUs, Govt. agencies, NGOs, if required, on the basis of merit of the project.

2. **Composition of the CSR Committee :**

   Pursuant to section 135 of the Companies Act, 2013 and Department of Public Enterprises (DPE) guidelines (which apply to all Central PSUs), a Board level CSR committee has been constituted with Shri A. K. Goyal, independent director, as chairman, Shri A. K. Basu, Director (Finance) and Shri B. B. Singh, Director (Commercial) as members. This committee oversees the CSR activities of the Company as per Company's CSR policy. Designated officers of the Company implement the decisions taken by the Committee.

3. **Average net profit of the company for last three financial years (2012-13, 2013-14, 2014-15) :** Average net profit is ₹ 50.56 crore.

4. **Prescribed CSR expenditure budget for 2015-16 (two percent of the amount as in item 3 above)** : **₹ 1.45 crore.**

5. वित्तीय वर्ष 2015-16 के दौरान सीएसआर का विवरण

(क) वित्तीय वर्ष में खर्च हुई कुल राशि : रु. 1.50 करोड़ (बजट का 103.45 प्रतिशत)

(ख) बची राशि, यदि कोई है : शून्य

(ग) वित्तीय वर्ष के दौरान खर्च राशि का तरीका निम्न रूप में विवरणीत है :

1	2	3	4	5	6	7	8
क्र. सं.	सीएसआर प्रोजेक्ट या चिह्नित गतिविधियां	प्रोजेक्ट जिस सेक्टर में शामिल है	प्रोजेक्ट या प्रोग्राम 1. लोकल एरिया या अन्य 2. राज्य या जिला निर्दिष्ट करें जहाँ प्रोजेक्ट या प्रोग्राम कार्य में शामिल किया गया है	आउटले राशि (बजट) प्रोजेक्ट या प्रोग्राम वार	समेकित व्यय रिपोर्टिंग अवधि तक	प्रोजेक्ट या प्रोग्राम पर व्यय राशि सब हेड : (1) प्रोजेक्ट या प्रोग्राम पर व्यय (2) ओवरहेड	व्यय राशि:- सीधे या कार्यान्वित एजेंसी के जरिए
1.	स्वच्छ विद्यालय अभियान के अधीन विद्यालयों में 21 शौचालय ब्लॉक्स का निर्माण	स्वास्थ्य एवं स्वच्छता	पश्चिम बंगाल	रु. 104 लाख	रु. 104 लाख	1. सीधे रु. 104 लाख 2. ओवरहेड-शून्य	सभी परियोजन लागू कर्ता एजेंसी मेसर्स हिंदुस्तान प्रेफेब लि., भारत सरकार का उपक्रम के जरिए
2.	थैलेसिमिया ओपीडी में डॉक्टरों के कमरे का निर्माण	स्वास्थ्य	कोलकाता, पश्चिम बंगाल	रु. 3 लाख	रु. 3 लाख	1. सीधे- रु. 3 लाख 2. ओवरहेड-शून्य	छात्र संघ (एनजीओ)
3.	प्राथमिक/सेकंडरी विशेष विद्यालय के शारीरिक एवं मानसिक विकलांग बच्चों हेतु ब्रेनस्टोर्म इवोकेशन रिस्पॉन्सिव ऑडियो मेट्रिक टेस्ट मशीन का क्रय	स्वास्थ्य	कोलकाता पश्चिम बंगाल	रु. 6.09 लाख	रु. 6.09 लाख	सीधे-6.09 लाख ओवरहेड-शून्य	इंस्टीट्यूट फार दि हैंडिकैप्ड एंड बैकवार्ड पिपल (एनजीओ)
4.	प्रथामिक विद्यालय भवन के भीतरी/ बाहरी दीवार, दरवाजे, खिड़कियों की प्लास्टरिंग	शिक्षा	अमिरा, दक्षिण 24 परगना (जिला) पश्चिम बंगाल	रु. 3.95 लाख	रु. 3.95 लाख	सीधे-रु. 3.95 लाख ओवरहेड-शून्य	अमिरा विवेकानंद अनुशीलन समिति (एनजीओ)
5.	सेकंडरी विद्यालय भवन के विद्यालय भवन की मरम्मत, जल एवं स्वच्छता सुविधाएं।	शिक्षा एवं स्वच्छता	कोलकाता पश्चिम बंगाल	रु. 5 लाख	रु. 5 लाख	सीधे 5 लाख ओवरहेड-शून्य	ऑवर चिल्ड्रेन फाउंडेशन (ट्रस्ट द्वारा प्राथमिक विद्यालय परिचालित)
6.	दूर-दराज गांवों में गरीब मरीजों को निःशुल्क चिकित्सा सेवा देने के लिये मोबाइल चिकित्सा वेन के क्रय हेतु आर्थिक सहायता	स्वास्थ्य	घाटशिला, झारखंड	रु. 6.58लाख	रु. 6.58 लाख	सीधे-रु. 6.58 लाख ओवरहेड-शून्य	भारत सेवाश्रम संघ (एनजीओ)

5. Details of CSR spent during the financial year 2015-16

(a) Total amount spent for the financial year: ₹ 1.50 crore (103.45% of budget)

(b) Amount unspent, if any : Nil

(c) Manner in which the amount spent during the financial year is detailed below :

1 Sl. No.	2 CSR project or activity identified	3 Sector in which the project is covered	4 Projects Or programs 1. Local area or other 2. Specify the state & district where projects or programs were undertaken	5 Amount outlay (budget) project or program wise	6 Cumulative expenditure up to the reporting period	7 Amount spent on the projects or programs Sub heads : 1. Direct expenditure on projects or programs 2. Overheads	8 Amount spent Direct or through implementing agency
1.	Construction of 21 Nos. toilet blocks in schools under Swachh Vidyalaya Abhiyan	Health and Sanitation	West Bengal	₹ 104 lakh	₹ 104 lakh	1. Direct - ₹ 104 lakh 2. Overheads-NIL	All projects through Implementing Agency M/s. Hindustan Prefab Ltd., a Govt. of India undertaking
2.	Construction of doctor's room at Thalassemia OPD Clinic	Health	Kolkata West Bengal	₹ 3 lakh	₹ 3 lakh	1. Direct - ₹ 3 lakh 2. Overhead-NIL	Chhatra Sangha (NGO)
3.	Purchase of Brainstorm Evocation Responsive Audio Metric test Machine for physically and mentally retarded children of the primary / secondary special school	Health	Kolkata West Bengal	₹ 6.09 lakh	₹ 6.09 lakh	Direct - 6.09 lakh Overheads - Nil	Institute for the Handicapped & Backward People (NGO)
4.	Plastering Inside/ outside walls, flooring, doors & windows of the primary school building	Education	Amira, South 24 Parganas (District) West Bengal	₹ 3.95 Lakh	₹ 3.95 Lakh	Direct - ₹ 3.95 Lakh Overheads - Nil	Amira Vivekananda Anushilan Samity (NGO)
5.	School building repair, water & sanitation facilities of a secondary school	Education & Sanitation	Kolkata West Bengal	₹ 5 Lakh	₹ 5 Lakh	Direct - ₹ 5 Lakh Overheads - Nil	Our Children Foundation (Primary School run by trust)
6.	Financial assistance for purchase of Mobile Medical Van	Health	Ghatsila, Jharkhand	₹ 6.58 Lakh	₹ 6.58 Lakh	Direct - ₹ 6.58 Lakh Overheads - Nil	Bharat Sevasram Sangha (NGO)

1	2	3	4	5	6	7	8
क्र. सं.	सीएसआर प्रोजेक्ट या चिह्नित गतिविधियां	प्रोजेक्ट जिस सेक्टर में शामिल है	प्रोजेक्ट या प्रोग्राम 1. लोकल एरिया या अन्य 2. राज्य या जिला निर्दिष्ट करें जहाँ प्रोजेक्ट या प्रोग्राम कार्य में शामिल किया गया है	आउटले राशि (बजट) प्रोजेक्ट या प्रोग्राम वार	समेकित व्यय रिपोर्टिंग अवधि तक	प्रोजेक्ट या प्रोग्राम पर व्यय राशि सब हेड : (1) प्रोजेक्ट या प्रोग्राम पर व्यय (2) ओवरहेड	व्यय राशि:- सीधे या कार्यान्वित एजेंसी के जरिए
7.	सुंदरवन क्षेत्र मे सूदूर गांव में नलकूप (सं 3)	पेयजल	जयनगर, दक्षिण 24 परगना पश्चिम बंगाल	रु. 5.14 लाख	रु. 5.14 लाख	सीधे-रु. 5.14 लाख ओवरहेड-शून्य	एकांत संघ (एनजीओ)
8.	कम्प्यूटर लैबरोटरी हेतु पीसी एवं प्रिंटर का क्रय	शिक्षा	सोनारपुर दक्षिण 24 परगना पश्चिम बंगाल	रु. 1.75 लाख	रु. 1.75 लाख	सीधे-रु. 1.75 लाख ओवरहेड-शून्य	कमराबंद गर्ल्स हाई स्कूल (उच्च माध्यमिक)
9.	भवन रखरखाव जल एवं स्वच्छता सुविधाएं	शिक्षा, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता	कोलकाता पश्चिम बंगाल	रु. 5 लाख	रु. 5 लाख	सीधे-5 लाख	
10.	कम्प्यूटर सेंटर का उन्नयन	शिक्षा	बर्दवान पश्चिम बंगाल	रु. 2.77 लाख	रु. 2.77 लाख	सीधे–2.77 लाख ओवरहेड-शून्य	स्वामी देवानंद आश्रम देवसंघ चैरिटबल ट्रस्ट (एनजीओ)
11.	गरीब बच्चें हेतु विद्यालय के लिए टेबल, चेयर एवं नलकूप	शिक्षा एवं पेयजल	कोलकाता पश्चिम बंगाल	रु. 6.23 लाख	रु. 6.23 लाख	सीधे-रु.6.23 लाख ओवरहेड-शून्य	नवदिगन्त हाई स्कूल (मॉडल) एच.एस.(एनजीओ)
12.	रक्तदान शिविर में वोलेंटियर्स के प्रशिक्षण हेतु टेबल कुर्सी आदि	स्वास्थ्य	कोलकाता पश्चिम बंगाल	रु. 0.75लाख	रु. 0.75	सीधे-रु.0.75 लाख ओवरहेड-शून्य	एसोसिएशन ऑफ वोलेंटियर ब्लड डोनर्स ऑफ वेस्ट बंगाल (एनजीओ)

6. यह उल्लेख किया गया है कि सीएसआर नीति का कार्यान्वयन एवं निगरानी कम्पनी के सीएसआर उद्देश्य एवं नीति के अनुरूप में है।

बी॰बी॰ सिंह

बी.बी. सिंह
(अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक)

ह/-
ए.के. गोयल
(चेयरमैन सीएसआर कमिटी)

1	2	3	4	5	6	7	8
Sl. No.	**CSR project or activity identified**	**Sector in which the project is covered**	**Projects Or programs 1. Local area or other 2. Specify the state & district where projects or programs were undertaken**	**Amount outlay (budget) project or program wise**	**Cumulative expenditure up to the reporting period**	**Amount spent on the projects or programs Sub heads : 1. Direct expenditure on projects or programs 2. Overheads**	**Amount spent Direct or through implementing agency**
	to render free medical service to poor patients in remote villages						
7.	Tubewell (3 Nos) in remote village in Sunderban area	Drinking Water	Joynagar, South 24 Parganas West Bengal	₹ 5.14 Lakh	₹ 5.14 Lakh	Direct - ₹ 5.14 lakh Overheads - Nil	Aikatan Sangha (NGO)
8.	Purchase of PC and printer for computer laboratory	Education	Sonarpur South 24 Parganas West Bengal	₹ 1.75 Lakh	₹ 1.75 Lakh	Direct - ₹ 1.75 lakh Overheads - Nil	Kamrabad Girl's High School (HS)
9.	Building maintenance, water & sanitation facilities	Education, Health & Sanitation	Kolkata West Bengal	₹ 5 Lakh	₹ 5 Lakh	Direct - ₹ 5 lakh	
10.	Upgradation of a computer centre	Education	Burdwan West Bengal	₹ 2.77 lakh	₹ 2.77 lakh	Direct - ₹ 2.77 lakh Overheads - Nil	Swami Debananda Ashram Debsanga Charitable Trust (NGO)
11.	Table, chair & tubewell for school for poor children	Education & Drinking Water	Kolkata West Bengal	₹ 6.23 lakh	₹ 6.23 lakh	Direct - ₹ 6.23 lakh Overhead - Nil	Navadiganta High School (Model) H.S. (NGO)
12.	Table, chair, etc. for training of volunteers & in the blood donation camp	Health	Kolkata West Bengal	₹ 0.75 lakh	₹ 0.75 lakh	Direct - ₹ 0.75 lakh Overhead - Nil	Association of Voluntary Blood Donors of West Bengal (NGO)

6. It is stated herewith that the implementation and monitoring of CSR Policy is in compliance with CSR Objective and Policy of the Company.

B. B. Singh

(Chairman cum Managing Director)

A. K. Goyal

(Chairman CSR Committee)

CS SAUMAYO JYOTI SEAL
Phone : 9038065836
8100909418

City off :
49A,Nirmal Chandra Street, Kolkata
Rege.off :
324, Bunokalitala, Chinsurha,
Hooghly-712101, W.B.

प्रपत्र-एमआर-3

सचिवीय लेखा परीक्षा प्रतिवेदन

31 मार्च 2016 को समाप्त हुए वित्त वर्ष हेतु

(कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 204 (1) एवं कंपनी (प्रबंधकीय कार्मिक की नियुक्ति एवं पारिश्रमिक) नियम, 2014 के नियम सं. 9 के तहत)

सेवा में,

सदस्यगण

एमएसटीसी लि.,

मैंने एमएसटीसी लि. (तत्पश्चत कंपनी के रूप में उल्लिखित) द्वारा किए गए अच्छे निगमित कार्यों के वैधानिक प्रावधानों और उसके अनुपालन की सचिवीय लेखा परीक्षा की है। सचिवीय लेखा परीक्षा वैधानिक अनुपालन के नियमों के अनुसार मूल्यांकन हेतु उचित आधार प्रदान करता है जिसके अनुसार मैं अपने विचार व्यक्त कर रहा हूँ।

एमएसटीसी लि. की पुस्तकों, दस्तावेज मिनट पुस्तिका, प्रपत्रों एवं दाखिल रिटर्न व अन्य अभिलेखों जिन्हें कम्पनी ने तैयार किया है उनकी जांच और कंपनी के अधिकारियों, एजेंटों व अधिकृत प्रतिनिधियों जिन्होंने लेखा परीक्षा के दौरान कंपनी का प्रतिनिधित्व किया, उनसे मिली जानकारियों और प्रबंधन द्वारा दी गयी जानकारी व अपनी जांच के आधार पर मैं यहां कंपनी के 31 मार्च, 2016 को समाप्त हुए वित्त वर्ष के लेखा परीक्षा अवधि के बारे में अपनी राय व्यक्त कर रहा हूँ। आमतौर पर कंपनी ने यहां के सूचीबद्ध वैधानिक प्रावधानों का अनुपालन किया। कंपनी ने बोर्ड की प्रक्रिया और अनुपालन की पद्धति का यहां दी गयी रिपोर्ट में उल्लेख के अनुसार पालन किया।

मैंने कंपनी की पुस्तकों/बुक्स, कागजात, मिनट पुस्तिका, प्रपत्रों, दाखिल रिटर्न व अन्य अभिलेखों को जिन्हें एमएसटीसी लि. ने 31 मार्च 2016 को समाप्त हुए वित्त वर्ष के लिए तैयार किया व जिन्हें मुझे उपलब्ध कराया गया। उनकी इन लागू प्रावधानों के अनुसार मैंने जांच की।

i. कंपनी अधिनियम 2013 (अधिनियम) और उसमें तैयार नियम जैसे लागू हों :

ii. सिक्यूरिटीज कांट्रेक्ट (रेगुलेशन) अधिनियम 1956 ('एससीआरए') व वहां बने नियम

iii. डिपजिटरी एक्ट 1996 एवं नियमन तथा उसमें तैयार किए गए उप कानूनों के अनुसार

लागू नहीं

SAUMAYO JYOTI SEAL
KOLKATA
COMPANY SECRETARY : CP-11169

ई-मेल : seal.saumayo@gmail.com

CS SAUMAYO JYOTI SEAL
Phone : 9038065836
8100909418

City off :
49A,Nirmal Chandra Street, Kolkata
Rege.off :
324, Bunokalitala, Chinsurha,
Hooghly-712101, W.B.

FORM NO. MR-3

SECRETARIAL AUDIT REPORT

FOR THE FINANCIAL YEAR ENDED 31ST MARCH, 2016

(Pursuant to Section 204 (1) of the companies act, 2013 and rule No. 9 of the Companies (Appointment and Remuneration of Managerial Personal) Rules, 2014)

To
The Members,
MSTC Ltd.

I have conducted the secretarial audit of the compliance of applicable statutory provision and the adherence to good corporate practices by MSTC Limited (hereinafter called the company). Secretarial Audit was conducted in a manner that provides me a reasonable basis for evaluating the corporate conducts/statutory compliances and expressing my opinion thereon.

Based on my verification of the MSTC Limited's books, paper, minute books, forms, and return filed and other records maintained by the company and also the information provided by the company, its officers, agents and authorized representative during the conduct of secretarial audit and as per the explanations given to me and the representation made by the management, I hereby report that in my opinion, the company has, during the audit period covering the financial year ended on 31st March, 2016 generally compiled with the statutory provisions listed hereunder and also that company has proper Board process and compliance mechanism in place to the extent, in the manner and subject to the reporting made hereinafter :

I have examined books, papers, minute books, forms and returns filed and other records made available to me and maintained by the MSTC Limited for the financial year ended on 31st March, 2015 according to the applicable provision of :

i. The Companies Act, 2013 ('the Act') and the rules made there under, as applicable :

ii. The Securities contract (Regulation) Act, 1956 ('SCRA') and the rules made there under

iii. The Depository Act, 1996 and the regulation and Bye-laws framed there under :

NOT APPLICABLE

SAUMAYO JYOTI SEAL * KOLKATA * COMPANY SECRETARY : CP-11169
Saumayo Jyoti Seal

e-mail : seal.saumayo@gmail.com

iv. विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम 1999 और प्रत्यक्ष विदेशी निवेश. प्रत्यक्ष समुद्रीयपार निवेश और विदेशी वाणिज्यिक लेनदारी के तहत बने नियमों एवं विनियम।

अप्रयोज्य

v. भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड अधिनियम, 1992 ('सेबी अधिनियम') के अंतर्गत निर्धारित निम्नलिखित नियमावली एवं दिशा-निर्देश

क. भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (पर्याप्त शेयरों के अधिग्रहण व खरीद) नियम, 2011

अप्रयोज्य

ख. भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (भीतरी ट्रेडिंग पाबंदी) नियम, 1992;

अप्रयोज्य

ग. भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (पूंजी एवं प्रकटीकरण आवश्यकताओं का मुद्दा) नियम, 2009 एवं

अप्रयोज्य

vi. प्रबंधन द्वारा किये गये अभ्यावेदन के अनुसार कम्पनी हेतु प्रायोज्य अन्य कानून

मैंने निम्न प्रयोज्य खंडों के अनुपालन की भी जांच की :

i. निर्दिष्ट बोर्ड एवं साधारण सभाओं के सम्बन्ध में इंस्टीट्यूट ऑफ कम्पनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया के सचिवीय मानक

ii. कंपनी द्वारा बीएसई व नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लि. के साथ किए गये सूचीबद्धता संबंधी समझौते

अप्रयोज्य

समीक्षा की अवधि में कंपनी ने मुझे दी गई जानकारी व स्पष्टीकरण तथा प्रबंधन द्वारा दी गयी जानकारी के अनुसार आमतौर पर अधिनियम के प्रावधान, नियमों, नियमनों, दिशा-निर्देशों आदि का पालन किया जैसा कि ऊपर उल्लेख किया गया है। तथापि, कतिपय प्रपत्र निर्धारित तारीख के उपरांत भरे गये थे। कुछ मामलों में शेयर सर्टिफिकेट के डिस्पैच में विलम्ब हुआ।

मैं और जानकारी देना चाहता हूँ कि

कंपनी के निदेशकों के बोर्ड का गठन समुचित रूप से कार्यकारी निदेशकों, गैर कार्यकारी निदेशकों व स्वतंत्र निदेशकों के समुचित संतुलन के साथ हुआ। निदेशकों के बोर्ड में परिवर्तन जो इस अवधि के दौरान हुए वे अधिनियम के अनुपालन के साथ हुए। बोर्ड की सभी बैठकों के बारे में सभी निदेशकों को कम से कम 7 दिन पहले पर्याप्त सूचना दी गयी। बैठक के मुद्दे व विस्तृत टिप्पणी अग्रिम रूप से भेज गए और बैठक के मुद्दों के बारे में सूचनाएं देने, स्पष्टीकरण आदि की प्रक्रिया अपनायी गयी, जिससे बैठक में सार्थक भागीदारी हो सके।

प्रबंधन द्वारा उपलब्ध कराई गयी जानकारी के अनुसार बोर्ड की बैठकों में आम सहमति से निर्णय लिए गए।

मैं आगे प्रबंधन की तरफ से, मुझे दिये गए स्पष्टीकरण एवं किए गये प्रतिनिधित्व के अनुसार प्रतिवेदन करता हूँ तथा मेरा जवाब उस पर निर्भर है, उस पर मेरे विश्वास के अनुसार कंपनी ने अपने आकार व परिचालन के अनुसार सभी लागू कानूनों, नियमों, विनियमों, दिशा-निर्देशों आदि को लागू करने की उपयुक्त पद्धति व प्रक्रिया अपनाया है।

मैं यह भी कहना चाहता हूं कि लेखा परीक्षा की अवधि में ऐसी कोई निर्दिष्ट घटना/कार्रवाई नहीं हुई जिसका कंपनी मामलो, उपरोक्त कानूनो, नियमों, नियमाकों, मानकों, आदि जैसा कि ऊपर उल्लेख है, को लागू करने में कोई असर पड़ा है।

यह रिपोर्ट मेरे आज की तारीख के पत्र, जो अनुलग्नक ए है और प्रपत्र के इस रिपोर्ट इंटेग्रल पार्ट के साथ पढ़ा जाए।

सेवा में,
सदस्यगण
एमएसटीसी लिमिटेड
आज की तारीख के मेरे रिपोर्ट को इस पत्र के साथ पढ़ा जाए।

1. सचिवीय रिकार्ड रखने की जिम्मेदारी कंपनी प्रबंधन की है और मेरा कार्य इन सचिवीय रिकार्डों पर आधारित लेखा परीक्षा पर विचार व्यक्त करना है।
2. सचिवीय रिकार्डों की सत्यता से जुड़े उपयुक्त आश्वासन की दिशा में मैंने ऑडिट कार्य व प्रक्रिया का पालन किया। लेखा परीक्षा इस आधार पर की गई है कि सचिवीय रिकार्डों की जांच के आधार पर सुनिश्चित हो और लेखा परीक्षा में सही तथ्य परिलक्षित हो। मैंने जो प्रक्रिया व पद्धति अपनायी उस आधार पर मेरे विचार व्यक्त करने के पर्याप्त आधार है।
3. मैंने कंपनी के वित्तीय रिकार्डों और खाता-बही की सत्यता व उपयुक्तता की जांच नहीं की।
4. जब भी जरूरत पड़ी, मैंने कंपनी के प्रतिनिधियों से नियमों और विनियमों तथा घटनाओं आदि के बारे में जानकारी ली।
5. निगमित व अन्य लागू कानूनों, नियमों, विनियमों मानकों के अनुपालन की जिम्मेदारी प्रबंधन की है। मेरी जांच इनकी परीक्षण प्रक्रिया के जांच के आधार पर रही।
6. सचिवीय लेखा परीक्षा प्रतिवेदन न तो कंपनी भविष्य की संभाव्यता का न तो आश्वासन है और न ही कंपनी मामलों में प्रबंधन के आचरण की दक्षता या प्रभाविकता का।

सीएस सौम्यो ज्योति सील
एसीएस : 30311
सी.पी. नं. : 11169

स्थान: कोलकाता
दिनांक : 30.6.2016

iv. Foreign Exchange Management Act, 1999 and the rules and regulations made there under to the extent of Foreign Direct Investment, Overseas Direct Investment and External Commercial borrowing :

NOT APPLICABLE

v. The following regulations and guidelines prescribed under the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 (SEBI Act') :

a. The securities and exchanges Board of India (Substantial Acquisition of Shares and Takeovers) Regulations, 2011 :

NOT APPLICABLE

b. The Securities and exchanges Board of India (Prohibition of Insider Trading) Regulation, 1992 :

NOT APPLICABLE

c. The Securities and exchanges Board of India (issue of Capital and disclosure Requirements) Regulation, 2009; and

NOT APPLICABLE

vi. Other laws applicable to the company as per the representations made by the Management.

I have also examined compliance with the applicable clauses of the following :

i. Secretarial Standards of the Institute of Company Secretaries of India with respect Board and general meetings.

ii. The Listing agreements entered into by company with BSE limited and National Stock Exchange of India limited.

NOT APPLICABLE

During the period under review and as per the explanations and clarifications given to me and the representation made by management, the company has generally complied with the provision of the Act, Rules, Regulations, Guidelines, etc. mentioned above. However, some forms were filed after the due dates. Dispatch of share certificates in some cases has been delayed.

I further report that

The Board of Directors of the company is duly constituted with proper balance of Executive Directors, Non-Executive Directors and Independent directors. The Changes in the composition of the Board of Directors that took place during the period under review were carried out in compliance with the provision of the Act. Adequate notices were given to all directors of at least sevent days in advance in case of all Board Meetings. Agenda and detailed notes on agenda were sent in advance and a system exists for seeking and obtaining further information and clarifications on the agenda items before the meeting and for meaningful participation at the meeting.

Decisions at the board meeting, as represented by the management, were taken unanimously.

I further report as per the explanation given to me and the representation made by the Managment and relied upon by me, there are adequate systems and processes in the company commensurate with the size and operations of the company to the monitor and ensure compliance with applicable laws, rules, regulations and guidelines.

I further report that during the audit period, no such specific events/actions having a major bearing on the company's affairs in pursuance of the above referred laws, rules, regulations, guidelines, standards, etc. referred to above, have taken place.

This report is to be read with my letter of even date which is Annexure A and forms an integral part of this report.

Annexure–A

To
The Members
MSTC Limited

My report of even date is to be read along with this letter.

1. Maintenance of secretarial records is the responsibility is to express an opinion on these secretarial records based on my audit.
2. I have followed the audit practices and process as were appropriate to obtain reasonable assurance about the correctness of the contents of the Secretarial records. The verification was done on test basis to ensure that correct facts are reflected in secretarial records. I believe that the process and practices, I followed provide a reasonable basis for my opinion.
3. I have not verified the correctness and appropriateness of financial records and Books of Accounts of the company.
4. Wherever required, I have obtained the management representative about the compliance of laws, rules, and regulations and happening of events etc.
5. The Compliance of the provision of corporate and other applicable laws, rules, regulation, standards is the responsibility of management. My examination was limited to the verification of procedure on test basis.
6. The secretarial audit report is neither an assurance as to the future viability of the company nor of the efficacy or effectiveness with which the management has conducted the affairs of the company.

CS SAUMAYO JYOTI SEAL

Place : Kolkata — ACS : 30311

Date : 30/6/2016 — C. P. No. : 11169

निदेशक मंडल की रिपोर्ट का अनुलग्नक-VIII/ए
Annexure-VIII/A to Directors' Report

31मार्च, 2016 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए एमएसटीसी लिमिटेड के एकल वित्तीय विवरण पर सांविधिक लेखा परीक्षक की टिप्पणियों/ अवलोकनों पर प्रबंधन का उत्तर

Management Replies to Comments/Observations of the Statutory Auditors on the Standalone Financial Statement of MSTC Ltd. for the financial year ending 31st March, 2016

लेखा परीक्षक की रिपोर्ट पैरा सं. Auditors' Report Para No.	टिप्पणियाँ/अवलोकन योग्य मत Comments / observations QUALIFIED OPINION	प्रबंधन के उत्तर Management's Replies
i.	निर्यात पर विदेशी मुद्रा के उतार-चढाव पर लाभ/हानि लेखे पर नोट के नोट सं. 15 (ए) पर संदर्भ आमंत्रित किए जाते हैं, जिसे एएस-11 के अनुसार लेखाबद्ध नहीं किया गया है। यदि एएस-11 का अनुपालन कंपनी करती तो मुद्रा लाभ वर्ष के दौरान रु. 5163 लाख बढ़ता गया है (संचयी रु. 31236 लाख दिनांक 31.03.2016 तक)। इसके परिणामस्वरूप व्यापार प्राप्त रु. 31236 लाख कम बताया गया है। करार के अनुसार, उपर्युक्त से संबंधित विदेशी मुद्रा का लाभ/हानि उस रकम तक संबद्ध आपूर्तिकर्त्ताओं पर डाल दिया गया है, जो उन्हें देय है। इस प्रकार व्यापार देय को रु. 30768 लाख कम बताया गया है और उपर्युक्त लाभ के शुद्ध प्रभाव के कारण वर्ष के लिए कंपनी का शुद्ध लाभ रु. 77 लाख कम दिखाया गया है (संचयी रु. 468 लाख दिनांक 31.03.2016 तक)।	खाते पर प्रभाव मात्र मार्क अप की सीमा तक उत्पन्न होता है (सामान्य स्वर्ण आभूषणों के निर्यात हेतु प्राप्य राशि पर मुद्रा विनिमय की दर में उतार-चढ़ाव के कारण लाभ के मार्जिन)। उनकी वसूली में अनिश्चितता के कारण, जो विचाराधीन भी है, प्रभाव (लाभ) को खाते में नहीं दिखाया गया है एवं वह लेखा नीति की पैरा 1.13 के अनुसार भी है।
	Reference is invited to Note No. 15 (a) of Notes on Account, Gain / Loss on Foreign Exchange Fluctuation on exports are not accounted for as per AS-11. Had the Company complied with AS-11, exchange gain would have been increased by ₹ 5163 lacs for the year (cumulative ₹ 31236 lacs upto 31.03.2016). Consequently Trade Receivables are understated by ₹ 31236 lacs. As per agreement, exchange gain / loss relating to above is passed on to associate suppliers upto the amount payable to them. Thus Trade Payables are understated by ₹ 30768 lacs and net effect of the above gain leads to understatement of profit of the Company by ₹ 77 lacs for the year (cumulative ₹ 468 lacs upto 31.03.2016).	The impact in the books arises only to the extent of mark up (profit margin on the amount of exchange fluctuation on export receivables against export of plain gold jewellery. Due to uncertainty in their realization, which is also subjudice, the impact (gain) has not been taken in books as a consistent practice and the same is also in line with para 1.13 of the Accounting Policy.
ii.	व्यापार से प्राप्य लंबित पुष्टीकरण/शेष राशि के मिलान तथा वर्तमान देयताएं तथा मिलान से उत्पन्न हो सकने वाले परिणामों समायोजन, जो शेष राशि के मिलान के उत्पन्न हो सकता है के विषय के संबंध में टिप्पणी सं. 28 के लिए संदर्भ आमंत्रित किया गया है।	कोई टिप्पणी नहीं
	Reference is invited to Note no. 28 of Notes on Account relating to pending confirmation / reconciliation of balances of Trade Receivables	No Comment.

लेखा परीक्षक की रिपोर्ट पैरा सं. Auditors' Report Para No.	टिप्पणियाँ/अवलोकन योग्य मत Comments/ observations QUALIFIED OPINION	प्रबंधन के उत्तर Management's Replies
	and Trade Payables and its consequential adjustment that may arise on reconciliation.	
iii.	जैसा कि लेखा पर टिप्पणी की टिप्पणी सं. 15 (बी) में बताया गया है, व्यापार प्राप्य में वर्ष 2008-09 में 46 पार्टियों से जुड़े स्वर्ण अलंकार के निर्यात के लिए रु. 59863 लाख शामिल है, जिसकी वसूली विभिन्न स्तरों पर कानूनी विवाद के अधीन है। सीबीआई एवं ईडी दिनांक 26.10.2010 से मामले की जांच कर रही है। ईसीजीसी के समक्ष रु. 45075 लाख का दावा प्रस्तुत किया गया है परंतु ईसीजीसी द्वारा दावे को नकार दिया गया। कंपनी ने ईसीजीसी के खिलाफ उनके द्वारा बीमाकृत क्रेताओं के विरुद्ध बकाया राशि के लिए राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग (एनसीडीआरसी) के पास मामला दायर किया। आयोग ने दिनांक 16.04.2014 को दिए आदेश में कहा कि इस मामले पर राय देने का न्यायाधिकार क्षेत्र उनका नहीं है। कंपनी ने इस मामले को मंत्री स्तर पर ले गई तथा माननीय सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष इस आदेश के खिलाफ संविधिक अपील दायर किया। मामले न्यायालय के समक्ष अब भी लंबित है। कंपनी ने यूएई, सिंगापुर तथा कुवैत में विदेशी क्रेताओं के खिलाफ 46 कानूनी मामले दायर किया है। सभी 46 मामलों का निर्णय एमएसटीसी के पक्ष में दिया गया एवं सभी निष्पादनाधीन है। परंतु इनके तहत अब तक कोई रकम वसूल नहीं हुई है। एक सहायिका मेसर्स उस्मा ज्वेलरी एंड पैकेजिंग एक्सपोर्ट्स (प्रा.) लि. ने रु. 12400 लाख कीमत की भू संपत्ति (सरकारी पंजीकृत मूल्यांकनकर्त्ता द्वारा वर्ष 2014 में मूल्यांकन) गिरवी रखी है। उक्त गिरवी पर रखी संपत्ति की बिक्री/अंतरण के लिए मुंबई उच्च न्यायालय में एक रिट याचिका दायर किया गया है। मामले की जांच कर रही सीबीआई एवं ईडी ने रु. 24040 लाख की संपत्तियां तथा परिसंपत्तियां (जिसमें रु. 12400 लाख की भूमि एवं रु. 3979 की चल संपत्ति शामिल है) जब्त की है। एमएसटीसी ने रु. 900 लाख की रकम के अंतरण के लिए सीबीआई न्यायालय को अनुरोध किया था, यह राशि वर्ष 2013-14 के दौरान प्राप्त हो गई। सीबीआई/ईडी द्वारा चल संपत्ति के रूप में जब्त की गई रु. 3079 लाख की शेष रकम के अंतरण के लिए आवेदन दाखिल किया है। हालांकि, पिछले वर्षों के दौरान किए गए रु. 900 लाख के प्रावधान के अतिरिक्त विगत वर्ष के दौरान अशोध्य एवं संदिग्ध ऋण के रूप में रु. 22678 लाख की रकम के लिए एक प्रावधान किया गया। हमें उपरोक्त व्यापार प्राप्य रकम की वसूली के प्रति संदेह है, जो 7 वर्षों से भी अधिक समय से बकाया है तथा हमारे विचार से रु. 35385 लाख की राशि हेतु एक और प्रावधान किया जाना चाहिए। इस वजह से लाभ अधिक दिखाया गया तथा प्रावधान में भी रु. 35385 लाख कम दिखाया गया है।	वर्ष 2008-09 में स्वर्ण अंलकार के निर्यात के खाते में रु. 59863 लाख का कुल प्राप्य है। क्रेताओं/बीमा कंपनियों से एकदम वसूली नहीं होने की स्थिति में उपरोक्त बकाया के तहत समायोजन के लिए ईएमडी के साथ एसोसियेट्स से रु. 2990 लाख की कुल राशि रखी गई। सीबीआई/ईडी ने अन्य विषयों के एसोसियेट्स से रु. 3979 लाख कीमत की चल संपत्तियां वसूल की है, जिसके अंतरण के लिए एमएसटीसी ने सीबीआई न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है तथा इसके तहत पहले ही रु. 900 लाख की राशि प्राप्त हुई है। एक प्राप्य क्रय अनुबंध के अधीन रु. 16916 लाख की कीमत का प्राप्य स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक (एससीबी) के पास बिक्री कर दी गई है तथा जिसके लिए एससीबी के पास एमएसटीसी के प्रति कोई वैध दावा नहीं है। इसके अलावा, मेसर्स उस्मा ज्वेलर्स एंड पैकेजिंग एक्सपोर्ट्स प्रा. लि., एक एसोसियेट्स, ने विदेशी क्रेताओं के भुगतान में चूक को पूरा करने के लिए एमएसटीसी के पास भू संपत्ति गिरवी रखी है, जिसका वर्तमान मूल्य रु. 12400 लाख है। उक्त संपत्ति की बिक्री की जा सकती है एवं उससे प्राप्त रकम को क्रेताओं एवं इंश्योरेंस दावों से भी गैर वसूली के मामले में समायोजित किया जा सकता है। उपरोक्त परिस्थितियों पर विचार करने के उपरांत, कुल शेष बकाया अनाच्छादित रकम रु. 23578 लाख है। एमएसटीसी ने राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग (एनसीडीआरसी) दिल्ली के समक्ष क्रेताओं द्वारा बीमित बकायों की वसूली हेतु ईसीजीसी के विरुद्ध 36 मामले दायर किए थे। दावे की रकम रु. 23578 लाख से कहीं अधिक है। दिनांक 16.04.2014 के एक आदेश द्वारा राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग (एनसीडीआरसी) ने मामले को सिविल कोर्ट या अन्य किसी भी समुचित फोरम में संदर्भित किया। एमएसटीसी ने इस आदेश के विरुद्ध सर्वोच्च न्यायालय में एक अपील दाखिल की। माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने दोनों पक्षों को अर्बिटेशन में जाने का निदेश दिया। तदनुसार यह मामला परमानेंट मेशीनरी ऑफ अर्बिटेशन (गवर्मेन्ट मेशीनरी फॉर अर्बिटेशन फॉर पीएसयू) को संदर्भित किया गया। अर्बिटेशन कार्य प्रगति में है। एमएसटीसी को ईसीजीसी से सम्पूर्म बीमा दावा प्राप्त होने की उम्मीद है। उपरोक्त के मद्देनजर, रु. 23578 लाख के पहले से किए गए प्रावधान के अलावा इस स्तर पर खाते में अन्य कोई प्रावधान की आवश्यकता नहीं है।

लेखा परीक्षक की रिपोर्ट पैरा सं. Auditors' Report Para No.	टिप्पणियाँ/अवलोकन योग्य मत Comments/ observations QUALIFIED OPINION	प्रबंधन के उत्तर Management's Replies
	As stated in Note no.15(b) of Notes on Account, Trade Receivables includes ₹ 59863 lacs for export trade receivable of gold jewellery done in the year 2008-09 involving 46 parties and recovery of which are under litigation at various levels. CBI and ED have been investigating the matter since 26.10.2010. Claims have been lodged with ECGC for ₹ 45075 lacs but the claims have been repudiated by the ECGC. The Company has initiated the cases against ECGC for the dues against buyers insured by them with National Consumer Disputes Redressal Commission (NCDRC) who has ordered the Company vide order on 16.04.2014 that it has no jurisdiction to judge the matter. The Company has taken up the matter at Ministry level and has filed statutory appeal to Hon'ble Supreme Court against this order. The matter is still pending before the Court. The company has filed 46 legal cases against the foreign buyers in UAE, Singapore and Kuwait. All the 46 judgments have been awarded in favour of MSTC and all the same are under execution. Till now no money has been recovered against these awards. One of the Associates, namely, M/s Ushma Jewellery & Packaging Exports (P) Ltd has mortgaged landed property worth ₹ 12400 lacs (valuation in 2014 by Govt. Registered valuer). A writ petition for sale/transfer of the said mortgaged property has been filed at the Mumbai High Court. CBI and ED investigating the matter have seized assets and properties worth ₹ 24040 lacs (including land valued ₹ 12400 lacs & liquid assets worth ₹ 3979 lacs). MSTC have approached CBI court requesting for permission to transfer of an amount of ₹ 900 lacs which had been received during the year 2013-14. Applications are being made for transfer of remaining amount seized by CBI/ED in the form of liquid assets worth ₹ 3079 lacs. However, a provision has been made for an amount of ₹ 22678 lacs as bad and doubtful debts during the previous year in addition to ₹ 900 lacs provisions made during earlier years. We are doubtful about the recovery of the above Trade Receivables which are due for more than 7 years and in our opinion, a further provision should be made for ₹ 35385 lacs. This has resulted in overstatement of profit and also understatement of provision by ₹ 35385 lacs.	There is total receivable of ₹ 59863 lacs on account of export of gold jewellery in the year 2008-09. A total amount of ₹ 2990 lacs has been retained from Associates including EMD which is available for adjustment against above dues in case of ultimate non-realization from buyers/insurance company. CBI/ED inter alia recovered liquid assets worth ₹ 3979 lacs from the Associates for transfer of which MSTC has approached CBI court and against this an amount of ₹ 900 lacs has already been received. Receivables worth ₹ 16916 lacs have already been sold to Standard Chartered Bank (SCB) under a Receivable Purchase Agreement and for which SCB do not have any valid claim on MSTC. Further, M/s. Ushma Jewellery and Packaging Exports Pvt. Ltd., one of the associates have mortgaged landed properties to MSTC to cover the default against the foreign buyers, the value of which is around ₹ 12400 lacs. The said properties can be sold and proceeds there from can be adjusted against aforesaid dues in case of non-realisation from buyers and also from insurance claims. After considering above, the net amount of dues remaining uncovered is ₹ 23578 lacs. MSTC had initiated 36 cases against ECGC for the dues against buyers insured by them with National Consumer Disputes Redressal Commission (NCDRC), Delhi, the claim amount is much more than the above amount of ₹ 23578 lacs. National Consumer Disputes Redressal Commission (NCDRC) by an order dated 16.04.2014 referred the matter to Civil Court or in other appropriate forum. MSTC filed an appeal to Hon'ble Supreme Court against this order. The Hon'ble Supreme Court directed both the parties to go for arbitration. Accordingly the matter has been referred to Permanent Machinery of Arbitration (Government Machinery for arbitration for PSU's) Arbitration is in progress. MSTC is hopeful to realise the full insurance claim from ECGC. In view of above, no further provision is required to be made in the books at this stage further to the provision of ₹ 23578 lacs already made.

लेखा परीक्षक की रिपोर्ट पैरा सं. Auditors' Report Para No.	टिप्पणियाँ/अवलोकन योग्य मत Comments/ observations QUALIFIED OPINION	प्रबंधन के उत्तर Management's Replies
iv.	व्यापार प्राप्य जिसमें सामग्रियों की आपूर्ति हेतु 31.03.2016 के अनुसार मेसर्स कनकास्ट स्टील एंड पावर लि. (सीएसपीएल) से रु. 14307 लाख का बकाया शामिल है। कम्पनी ने खाते में कतिपय प्रतिकूल विशेषताओं यथा मई, 2014 से पूर्व वृहद परिमाण में बिना उठाए गये प्रापण, भारतीय स्टेट बैंक से प्राप्त प्रतिकूल क्रेडिट जानकारी, प्रतिकूल क्षमता उपयोग आदि को अनदेखा करते हुए मई, 14 में एलएएम कोक के प्रांपण हेतु 5000 लाख की तदर्थ सीमा की अनुमति देने का निर्णय लिया है। कम्पनी ने जून 2014 से मार्च 2016 तक की अवधि के दौरान मात्र रु. 95 लाख प्राप्त किया था। आगे जमानत के रूप में दिये गये सीएसपीएल के चेक्स (पीडीसी) बैंक द्वारा डिसआनर्ड कर दिये गये थे एवं कम्पनी द्वारा एनआई अधिनियम 1881 की धारा 138 के तहत एक मामला दायर किया गया है। **सामग्री के मूल्य में अधिक कमी के कारण, एमएसटीसी का विगत समय में जोखिम बिक्री के प्रयास से कोई संतोषजनक परिणाम नहीं मिला एवं बकाये की वसूली की उम्मीद संदेहास्पद है।** रु. 8132 लाख की प्रतिज्ञित स्टॉक के वसूलीयोग्य बाजार मूल्य एवं रु. 10 लाख की जमानत राशि के विचार करने के उपरान्त हमारे विचार में वर्ष 2015-16 के दौरान रु. 6165 का प्रावधान करना चाहिए। इसके परिणामस्वरूप लाभ अधिक दर्ज किया गया एवं वर्ष 2015-16 हेतु प्रावधान रु. 6165 लाख कम दर्ज किया गया है। Trade Receivables includes ₹ 14307 lacs due from M/S Concast Steel & Power Ltd (CSPL) as at 31.03.2016 for supply of materials. The Company decided to allow an adhoc limit of ₹ 5000 lacs for procuring LAM Coke, in May'14 ignoring the several adverse features in the account like huge quantity of unlifted stock procured prior to May 2014, adverse credit information received from State Bank of India, adverse capacity utilization Etc. The Company had received only ₹ 95 lacs during the period June 2014 to March 2016. Further the cheques (PDC) of CSPL given as security were also dishonored by bank and a suit has been filed by the Company under Section 138 of NI Act 1881. Due to substantial decrease in price of the material, MSTC's attempt of risk sale in recent past didn't yield any fruitful results and the chances of recovery of the amount is doubtful. After considering the realizable market value of the pledged stock of ₹ 8132 lacs and security deposit of ₹ 10 lacs, in our opinion provision should be made for ₹ 6165 lacs during the year 2015-16.This has resulted in overstatement of profit and understatement of provision for the year 2015-16 by ₹ 6165 lacs.	पार्टियों से बकायों के निपटान हेतु नियमित फालो अप किया गया है। कनकास्ट ग्रुप हेतु एक सीडीआर पैकेज की मंजूरी इस शर्ते के साथ दी गई है कि बैंक द्वारा अदायगी विलयन के उपरान्त की जाएगी। माननीय कलकत्ता उच्च न्यायालय द्वारा 26.11.2015 को विलय की मंजूरी के परिणामस्वरूप कनकास्ट ग्रुप की सात कम्पनियां का कनकास्ट स्टील एवं पावर लि. के साथ पहले ही विलय हो गया है। तथापि, उनके बैंक से निधि का वितरण अभी प्रतिक्षित है। पार्टी द्वारा यह वादा किया गया है कि एक बार निधि के वितरण के प्रारम्भ होने पर थोक में नियमित रूप से भुगतान शुरू किया जाएगा। तथापि, यह लंबित, बहुत छोटी किस्तों में काफी कम क्षमता में प्लांट परिचालन के जरिए निधि के अपने निजी सृष्टि से भुगतान करेंगे। पार्टी दिक्कतों का भी सामना कर रही है यथा विगत 2/3 वर्षों से प्रतिकूल इस्पात बाजार सुविधा के कारण अन्य सभी एक ही रूप के कारोबार में है। यह बहुत हद तक उम्मीद की जा सकती है कि भारत सरकार द्वारा अपनायी गई विविध नीतियों के परिणामस्वरूप इस्पात बाजर में सुधार होगा, जिससे पार्टी से शीघ्रता से वसूली हो सकेगी। उपरोक्त की दृष्टि में यह कहना अपरिपक्वता होगा कि वसूली की उम्मीद दूरस्थ है। प्रतिज्ञित सामग्रियों का वसूलीयोग्य मूल्य 31.03.2016 के अनुसार रु. 14307 लाख के ऋण खाते के बाबत रु. 9944 लाख है। चूंकि सामग्रियां वसूलीयोग्य के बाबत मात्र अनुषांगिक जमानत के रूप में एमएसटीसी के पास प्रतिज्ञित है एवं सामग्रियों के मूल्य में अप्रत्याशित गिरावट के चलते उसके वसूलीयोग्य मूल्य में पर्याप्त कमी आई है, जिससे रु. 4363 लाख के अंतर राशि खाते में असुरक्षित ऋण के रूप में दर्शाया गया है। There has been a regular follow up with the party to clear the dues. A CDR package had been sanctioned for Concast Group with the condition that disbursement by banks would take place only after merger. Consequent upon sanction of merger by the Hon'ble Calcutta High Court on 26.11.2015, seven Companies of the Concast group have already been merged with Concast Steel & Power Ltd. However, disbursement of fund from their banks is still awaited. It had been committed by the party time and again that they would resume payment on a regular basis in bulk once the disbursement of funds start. However, pending this, they are making payment in very small instalments from their own generation of funds through plant operation at a very low capacity. The party is also facing difficulties like all others in the same line of business due to adverse steel market prevailing since last 2/3 years. It is very much expected that with the improvement in the steel market as a result of various policies being adopted by the Govt. of India, there will be faster realization from the party. In view of above, it is premature to say that the chances of recovery are remote. The pledged materials have a realizable value of ₹ 9944 lacs as on 31.03.2106 as against book debts of ₹ 14307 lacs. Since the materials have been pledged to MSTC only as a collateral security against the receivables and there is a substantial reduction in the realizable value of the same due to unexpected deep fall in commodity prices, differential amount of ₹ 4363 lacs has been shown as unsecured debtors in the books.

लेखा परीक्षक की रिपोर्ट पैरा सं. Auditors' Report Para No.	टिप्पणियाँ/अवलोकन योग्य मत Comments/ observations QUALIFIED OPINION	प्रबंधन के उत्तर Management's Replies
v.	वर्ष 2008-09 के दौरान सामग्रियों की आपूर्ति हेतु सेसा इंटरनेशनल लि. (सेसा) से 31.03.2016 में रु. 6056 की व्यापार वसूलीयोग्य राशि से सम्बद्ध खाते की टिप्पणी की टिप्पणी 15(सी) में जैसा की दिया गया है जिसके बाबत पंचाट प्रक्रिया कम्पनी द्वारा प्रारम्भ की गई है एवं प्रगति पर है। कम्पनी ने माननीय कलकत्ता उच्च न्यायालय में इंडियन ओवरसीज बैंक (आईओबी) के विरुद्ध रु. 3656 लाख की राशि के लिए कम्पनी के खाते में गलत डेबिट करने के हेतु एक मामला दायर किया है। बंदरगाह में पड़ी सम्पूर्ण सामग्री रु. 102 लाख में बिक्री की गई थी जो न्यायालय के आदेश के अनुसार रीसिवर के पास पड़ी है, इस मामले में अंति फैसला लंबित है। कम्पनी ने वर्ष 2015-16 के दौरान पहले से किये गये 3000 लाख के प्रावधान के अतिरिक्त इस वर्ष रु. 1000लाख का आगे प्रावधान किया है। इस तरह 2015-16 के अंत तक कुल किये गये प्रावधान रु. 4000 लाख है। हमे उपरोक्त व्यापार प्राप्त की वसूली में संदेह है एवं हमारे विचार में आगे रु. 2056 के अवशिष्ट राशि का प्रावधान करना चाहिए। इसके परिणामस्वरूप लाभ अधिक एवं वर्ष 2015-16 हेतु 2056 लाख प्रावधान कम दर्ज किया गया है।	एमएसटीसी ने कलकत्ता उच्च न्यायालय में आईओबी के विरुद्ध रु. 3656 लाख दावा सामग्रियों की प्रतिनिधित्व मूल्य एवं कानूनी व्यय गलत रूप में एमएसटीसी के बैंक खाते में डिबिट किया गया है जिसके लिए एलसी समझौता कागजात लंदन न्यायालय द्वारा असंगत पाया गया परन्तु आईओबी समय में **आपूर्तिकर्ता बैंक** को उसे वापस नहीं कर पाया है। कागजात के निरीक्षण के दौरान आईओबी कोई भी स्वीकारयोग्य कागजात प्रस्तुत करने में असफल रहा कि वे एमएसटीसी के अनुदेश के अधीन कागजात वापस रोके थे। मामले की सुनवाई शीघ्र ही प्रारम्भ हुई है। एमएसटीसी को उम्मीद है कि फैसला उसके पक्ष में होगा। तथापि, काफी एहतियात बरतने पर भी कुल रु. 4000 लाख अशोध्य एवं संदिग्ध अग्रिम के रूप में खाते में प्रदान किया गया है। यह समझा जा रहा है कि इस स्तर पर आगे किसी प्रावधान की आवश्यकता नहीं है।
v.	As stated in Note No 15 (c) of Notes on Account relating to Trade Receivables amounting to ₹ 6056 lacsas at 31.03.2016 from SESA International Ltd (SESA) for supply of materials during the FY 2008-09 against which arbitration proceedings have been initiated by the Company and are in progress . The Company has also filed a suit in Hon'ble Calcutta High Court against Indian Overseas Bank (IOB) for their wrong debit in the account of the Company for an amount of ₹ 3656 lacs. Stock of entire material lying at port was sold at ₹ 102 lacs which are kept with the receiver as per Court order pending the final judgment on this score. The Company has made a further provision of ₹ 1000l acs this year in addition to the provision of ₹ 3000 lacs already made during the FY 2014-15. Thus total provision made upto the end of 2015-16 is ₹ 4000 lacs. We are doubtful about the recovery of the above trade receivables and in our opinion further provision should be made for the balance amount of ₹ 2056 lacs. This has resulted overstatement of profit and understatement of provision for the year 2015-16 by ₹ 2056 lacs.	MSTC has filed a suit in Calcutta High Court against IOB claiming ₹ 3656 lacs representing the value of the materials and legal expenses wrongly debited to MSTC bank account for which LC negotiating documents were found to be discrepant by the London Court but IOB had defaulted in returning the same to the suppliers' bank on time. During inspection of documents IOB has failed to produce any acceptable document proving that they were holding back the documents under MSTC's instruction. Hearing against the suit is to commence shortly. MSTC is hopeful the judgement will come in its favour. However, as a measure of abundant precaution, a total amount of ₹ 4000 lacs have been provided in the accounts as bad and doubtful advance. It is felt no further provision is necessary at this stage.
vi	व्यापार प्राप्य में शामिल रु. 3556 लाख 31.03.2016 को मेसर्स कनकास्ट बंगाल इंडस्ट्रीज लि. से सामग्रियों की आपूर्ति	पार्टियों से बकायों के निपटान हेतु नियमित फालो अप किया गया है। कनकास्ट ग्रुप हेतु एक सीडीआर पैकेज की मंजूरी इस शर्ते के साथ दी गई

लेखा परीक्षक की रिपोर्ट पैरा सं. Auditors' Report Para No.	टिप्पणियाँ/अवलोकन योग्य मत Comments/ observations QUALIFIED OPINION	प्रबंधन के उत्तर Management's Replies
	हेतु दो वर्ष पूर्व से बकाया है जिसके बाबत मंजूरी की शर्तों के अनुरूप आने वाले समय कोई पुनर्भुगतान नहीं हुआ है। मेसर्स कनकास्ट बंगाल इंडस्ट्रीज लि. रु. 1611 जून 2014 से मार्च 2016 की अवधि के दौरान चुकता किया था जिसमें से रु. 30 लाख वर्ष 2015-16 के दौरा चुकता किया गया। बकाये राशि की वसूली की सम्भावना दूरस्थ है जैसा कि 26.05.2016 को स्टील बिलट्स का ई-ऑक्शन किसी क्रेता को आकर्षित करने में असफल रहा है। रु. 2645 लाख के प्रतिज्ञित स्टॉक के वसूलीयोग्य बाजार मूल्य के विचार करने एवं 10 लाख की जमानत जमा पर विचार करने के उपरान्त हमारे विचार में वर्ष के दौरान रु. 901 लाख का प्रावधान करना चाहिए। इसके परिणामस्वरूप लाभ अधिक दर्ज किया गया है एवं वर्ष 2015-16 के दौरान 901 लाख का प्रावधान कम दर्ज किया गया है।	है कि बैंक द्वारा अदायगी विलयन के उपरान्त की जाएगी। माननीय कलकत्ता उच्च न्यायालय द्वारा 26.11.2015 को विलय की मंजूरी के परिणामस्वरूप कनकास्ट ग्रुप की सात कम्पनियां का कनकास्ट स्टील एवं पावर लि. के साथ पहले ही विलय हो गया है। तथापि, उनके बैंक से निधि का वितरण अभी प्रतिक्षित है। पार्टी द्वारा यह वादा किया गया है कि एक बार निधि के वितरण के प्रारम्भ होने पर थोक में नियमित रूप से भुगतान शुरू किया जाएगा। तथापि, यह लंबित, बहुत छोटी किस्तों में काफी कम क्षमता में प्लांट परिचालन के जरिए निधि के अपने निजी सृष्टि से भुगतान करेंगे। पार्टी दिक्कतों का भी सामना कर रही है यथा विगत 2/3 वर्षों से प्रतिकूल इस्पात बाजार सुविधा के कारण अन्य सभी एक ही रूप के कारोबार में है। यह बहुत हद तक उम्मीद की जा सकती है कि भारत सरकार द्वारा अपनायी गई विविध नीतियों के परिणामस्वरूप इस्पात बाजर में सुधार होगा, जिससे पार्टी से शीघ्रता से वसूली हो सकेगी। उपरोक्त की दृष्टि में यह कहना अपरिपक्वता होगा कि वसूली की उम्मीद दूरस्थ है। प्रतिज्ञित सामग्रियों का वसूलीयोग्य मूल्य 31.03.2016 के अनुसार रु. 3556 लाख के ऋण खाते के बाबत रु. 3117 लाख है। चूंकि सामग्रियां वसूलीयोग्य के बाबत मात्र अनुषांगिक जमानत के रूप में एमएसटीसी के पास प्रतिज्ञित है एवं सामग्रियों के मूल्य में अप्रत्याशित गिरावट के चलते उसके वसूलीयोग्य मूल्य में पर्याप्त कमी आई है, जिससे रु. 439 लाख के अंतर राशि खाते में असुरक्षित ऋण के रूप में दर्शाया गया है।
	Trade Receivables includes ₹ 3556 lacs as at 31.03.2016 due from M/S Concast Bengal Industries Ltd for supply of materials two years back against which no repayment is forthcoming in conformity with the terms of sanction . M/s Concast Bengal Industries Ltd. had paid only ₹ 1611 lacs during the period June 2014 to March 2016 out of which only ₹ 30 lacs has been paid during 2015-16. Prospect of recovery of outstanding dues is remote as bid for e-auction of steel billets on 26.05.2016 has failed to attract any buyer. After considering the realizable market value of the pledged stock of ₹ 2645 lacs and security deposit of ₹ 10 lacs, in our opinion provision should be made for ₹ 901 lacs during the year. This has resulted in overstatement of profit and understatement of provision for the year 2015-16 by ₹ 901 lacs.	There has been a regular follow up with the party to clear the due. A CDR package had been sanctioned for Concast Group with the condition that disbursement by banks would take place only after merger. Consequent upon sanction of merger by the Hon'ble Calcutta High Court on 26.11.2015, seven Companies of the Concast group have already been merged with Concast Steel & Power Ltd. However, disbursement of fund from their banks is still awaited. It had been committed by the party time and again that they would resume payment on a regular basis in bulk once the disbursement of funds start. However, pending this, they are making payment in very small instalments from their own generation of funds through plant operation at a very low capacity. The party is also facing difficulties like all others in the same line of business due to adverse steel market prevailing since last 2/3 years. It is very much expected that with the improvement in the steel market as a result of various policies being adopted by the Govt. of India, there will be faster realization from the party. In view of above, it is premature to say that the chances of recovery is remote and the amount needs to be provided in the books. The pledged materials have a realizable value of ₹ 3117 lacs as on 31.03.2016 as against book debts of ₹ 3556 lacs. Since the materials have been pledged to MSTC only as a collateral security against the receivables and there is a substantial reduction in the realizable value of the same due to unexpected dip in commodity prices, differential amount of ₹ 439 lacs has been shown as unsecured debtors.

लेखा परीक्षक की रिपोर्ट पैरा सं. Auditors' Report Para No.	टिप्पणियाँ/अवलोकन योग्य मत Comments/ observations QUALIFIED OPINION	प्रबंधन के उत्तर Management's Replies
vii.	व्यापार प्राप्य जिसमें मेसर्स डानकुनी स्टील लि. से सामग्रियों की आपूर्ति हेतु रु. 3328 लाख शामिल है। एलएएम कोक माप 23500 मे. टन एवं कोक फिन्स 3634 मे. टन के ई-ऑक्शन हेतु सूचना एवं 09.08.2015 को प्रकाशित किया गया था जो किसी भी सम्भावित क्रेता को आकर्षित नहीं किया। मेसर्स डानकुनी ने जून 2014 से मार्च 2016 के दौरान मात्र रु. 250 लाख चुकता किया था। डानकुनी के साथ मार्च, 2014 से कोई व्यापार नहीं था एवं राशि की वसूली संभावन संदिग्ध है। रु. 1603 लाख के प्रतिज्ञित स्टॉक के वसूलीयोग्य बाजार मूल्य पर विचार करने के उपरान्त हमारे विचार में वर्ष के दौरान रु. 1725 लाख का प्रावधान करना चाहिए। परिणास्वरूप लाभ अधिक दर्ज किया गया है एवं वर्ष 2015-16 हेतु रु. 1725 लाख का प्रावधान कम दर्ज किया गया है।	पार्टियों से बकायों के निपटान हेतु नियमित फालो अप किया गया है। कनकास्ट ग्रुप हेतु एक सीडीआर पैकेज की मंजूरी इस शर्त के साथ दी गई है कि बैंक द्वारा अदायगी विलयन के उपरान्त की जाएगी। माननीय कलकत्ता उच्च न्यायालय द्वारा 26.11.2015 को विलय की मंजूरी के परिणामस्वरूप कनकास्ट ग्रुप की सात कम्पनियां का कनकास्ट स्टील एवं पावर लि. के साथ पहले ही विलय हो गया है। तथापि, उनके बैंक से निधि का वितरण अभी प्रतिक्षित है। पार्टी द्वारा यह वादा किया गया है कि एक बार निधि के वितरण के प्रारम्भ होने पर थोक में नियमित रूप से भुगतान शुरू किया जाएगा। तथापि, यह लंबित, बहुत छोटी किस्तों में काफी कम क्षमता में प्लांट परिचालन के जरिए निधि के अपने निजी सृष्टि से भुगतान करेंगे। पार्टी दिक्कतों का भी सामना कर रही है यथा विगत 2/3 वर्षों से प्रतिकूल इस्पात बाजार सुविधा के कारण अन्य सभी एक ही रूप के कारोबार में है। यह बहुत हद तक उम्मीद की जा सकती है कि भारत सरकार द्वारा अपनायी गई विविध नीतियों के परिणामस्वरूप इस्पात बाजर में सुधार होगा, जिससे पार्टी से शीघ्रता से वसूली हो सकेगी। उपरोक्त की दृष्टि में यह कहना अपरिपक्वता होगा कि वसूली की उम्मीद दूरस्थ है। प्रतिज्ञित सामग्रियों का वसूलीयोग्य मूल्य 31.03.2016 के अनुसार रु. 3328 लाख के ऋण खाते के बाबत रु. 2004 लाख है। चूंकि सामग्रियां एमएसटीसी के पास मात्र प्राप्य के बाबत अनुषांगिक जमानत के रूप में प्रतिज्ञित है एवं सामग्रियों के मूल्य में अप्रत्याशित गिरावट के चलते उसके वसूलीयोग्य मूल्य में पर्याप्त कमी आई है, जिससे रु. 1324 लाख के अंतर राशि खाते में असुरक्षित ऋण के रूप में दर्शाया गया है।
	Trade Receivables includes ₹ 3328 lacs due from M/S Dankuni Steel Ltd for supply of materials. Notice for e-auction of LAM Coke measuring 23500.00MT and Coke fines to the tune of 3634.00MT was published on 09.08.2015 which didn't attract any prospective buyer. M/s. Dankuni had paid only ₹ 250 lacsduring June 2014 to March 2016. There was no business with Dankuni since June 2014 and chances of recovery of the amount is doubtful. After considering the realizable market value of the pledged stock of ₹ 1603 lacs, in our opinion provision should be made for ₹ 1725 lacs during the year. This has resulted in overstatement of profit and understatement of provision for the year 2015-16 by ₹ 1725 lacs.	There has been a regular follow up with the party to clear the dues. A CDR package had been sanctioned for Concast Group with the condition that disbursement by banks would take place only after merger. Consequent upon sanction of merger by the Hon'ble Calcutta High Court on 26.11.2015, seven Companies of the Concast group have already been merged with Concast Steel & Power Ltd. However, disbursement of fund from their banks is still awaited. It had been committed by the party time and again that they would resume payment on a regular basis in bulk once the disbursement of funds start. However, pending this, they are making payment in very small instalments from their own generation of funds through plant operation at a very low capacity. The party is also facing difficulties like all others in the same line of business due to adverse steel market prevailing since last 2/3 years. It is very much expected that with the improvement in the steel market as a result of various policies being adopted by the Govt. of India, there will be faster realization from the party. In view of above, it is premature to say that the chances of recovery is remote and the amount needs to be provided in the books. The pledged materials have a realizable value of ₹ 2004 lacs as on 31.03.2016 rates as against book debts of ₹ 3328 lacs. Since the materials have been pledged to MSTC only as collateral security against the receivables and there is a substantial reduction in the realizable value of the same

लेखा परीक्षक की रिपोर्ट पैरा सं. Auditors' Report Para No.	टिप्पणियाँ/अवलोकन योग्य मत Comments/ observations QUALIFIED OPINION	प्रबंधन के उत्तर Management's Replies
		due to unexpected deep fall in commodity prices, differential amount of ₹ 1324 lacs has been shown as unsecured debtors.
viii.	व्यापार प्राप्त जिसमें रु. 3959 लाख मेसर्स क्रीस्ट स्टील एंड स्टील पावर लि. से सामग्रियों की आपूर्ति हेतु मई, 2013 से हेतु शामिल है। इस तरह उत्पादित सामग्रियों की अवधि 3 वर्षों से अधिक पुराना है जिससे निश्चित रूप से समय के गुजरने से उसके गुणवत्ता में नुकसान हुआ होगा। पार्टी पंचाट के आदेश को मानने में असफल हुआ है। कुल राशि में से मात्र 600 लाख मार्च, 16 तक चुकता करना था, वे मात्र 390 लाख मई, 2016 तक चुका पाये। अप्रैल एवं मई, 16 के दौरान चुकता की जाने वाली 150 लाख में से कुछ भी चुकता नहीं किया गया। आवश्यक निष्पादन याचिका 04.04.2016 को दायर किया गया है एवं पार्टी को सूचना निर्गत किया गया है। पहली सुनवाई की सम्भावित तारीख 15.06.2016 है। इस तरह ऋणी दबाववाली सम्पत्ति हो गये हैं एवं राशि के वसूली की उम्मीद दूरस्थ है। रु. 1750 लाख के प्रतिज्ञित स्टॉक के वसूलीयोग्य बाजार मूल्य एवं रु. 10 लाख के जमानत जमा पर विचार करने के उपरान्त हमारे विचार में वर्ष 2015-16 के दौरान रु. 2199 लाख का प्रावधान करना चाहिए। परिणास्वरूप लाभ अधिक दर्ज किया गया है एवं वर्ष 2015-16 हेतु रु. 2199 लाख का प्रावधान कम दर्ज किया गया है। Trade Receivables includes ₹ 3959 lacs due from M/S Crest Steel & Power Ltd for supply of materials prior to May, 2013. Thus age of procured materials are old over 3 years which obviously lost its quality with the passing of time. Party has failed to honor the award of Arbitration. Out of a total sum of ₹ 600 lacs to be paid upto March'16, they have paid only ₹ 390 lacs upto May 2016. Out of ₹ 150 lacs to be paid during April and May'16, nothing has been paid. Necessary execution petition has been filed on 04.04.2016 and notice has been issued to the Party. Tentative Date of first hearing is 15.06.2016. Thus, the Debtors has become Stressed Assets and the chances of recovery of the amount is remote. After considering the realizable market value of the pledged stock of ₹ 1750 lacs,and security deposit of ₹ 10 lacs, in our opinion provision should be made for ₹ 2199 lacs during the year 2015-16. This has resulted in overstatement of profit and understatement of provision for the year 2015-16 by ₹ 2199 lacs.	एमएसटीसी ने पार्टी के विरुद्ध पंचाट में आह्वान किया था जिसके तहत सभी बकाये राशि को चुकता करने के लिए एक निपटान समझौता हस्ताक्षरित किया गया था जो विद्वान पंचाट के समक्ष दायर किया था। चूंकि पार्टी निपटान आदेश के अनुसार चुकता नहीं कर रही है एवं 31.03.2016 तक रु. 372 लाख की छोटी राशि का भुगतान ही कर पायी है। 31.03.2016 के उपरान्त उन्होंने जुलाई, 2016 तक रु. 63 लाख की कुल राशि का भुगतान कर दिया है। यह उम्मीद की जाती है कि इस्पात बाजार में सुधार के साथ वे गिरावट को पूरा करने की स्थिति में आ जाएंगे। प्रतिज्ञित सामग्रियों का 31.3.2016 को रु. 3959 की बकाया के बाबत रु. 2344 का वसूलीयोग्य मूल्य है। चूंकि सामग्रियां एमएसटीसी के पास मात्र प्राप्य के बाबत अनुषांगिक जमानत के रूप में प्रतिज्ञित है एवं सामग्रियों के मूल्य में अप्रत्याशित गिरावट के चलते उसके वसूलीयोग्य मूल्य में पर्याप्त कमी आई है, जिससे रु. 1615 लाख के अंतर राशि खाते में असुरक्षित ऋण के रूप में दर्शाया गया है। MSTC had invoked Arbitration against the party pursuant to which a settlement agreement was signed to clear all the outstanding dues which was filed before the learned Arbitrator. Since the party is not making payment as per settlement order and has paid a meager amount of ₹ 372 lacs till 31.03.2016, an execution petition has been filed to put pressure. After 31.03.2016 they have paid a total amount of ₹ 63 lacs till July, 2016. It is expected with the improvement in the steel market they will be in a position to make up the shortfall. The pledged materials have a realizable value of ₹ 2344 lacs against the outstanding of ₹ 3959 lacs as on 31.3.2016. Since the materials have been pledged to MSTC only as collateral security against the receivables and there is a substantial reduction in the realizable value of the same due to unexpected deep fall in commodity prices, differential amount of ₹ 1615 lacs has been shown as unsecured debtors.
ix.	व्यापार प्राप्य जिसमें रु. 3039 मेसर्स ग्लोबल कोक लि. से पार्टी को सामग्रियो की खरीद एवं आपूर्ति हेतु दिसम्बर, 14	पार्टी से बकाए को चुकाने के लिए दृढ़तापूर्वक फालो अप किये जा रहे हैं। ध्यान दे सकते हैं कि जीसीएल वित्तीय वर्ष 2014-15 तक नियमित आधार

लेखा परीक्षक की रिपोर्ट पैरा सं. Auditors' Report Para No.	टिप्पणियाँ/अवलोकन योग्य मत Comments/ observations QUALIFIED OPINION	प्रबंधन के उत्तर Management's Replies
	तक शामिल है। वसूलीयोग्य सामग्रियों का वर्तमान मूल्य रु. 1279 लाख है। इस बीच जीसीएल ने बीआईएफआर को एवं बीआईएफआर कम्पनी के बीच सामग्रियों के निपटान हेतु संदर्भित किया है, कम्पनी ने बीआईएफआर से अनुमति लिया है जो आसान प्रक्रिया नहीं है। अतः कम्पनी कम से कम बकाए की वसूली हेतु सामग्री की बिक्री नहीं कर सकती है एवं कम्पनी को बीआईएफआर के परिणाम के आने तक इंतजार करना होगा। अतः रु. 1279 लाख के प्रतिज्ञित स्टॉक का बाजार मूल्य एवं 10 लाख की जमानत जमा पर विचार करने के उपरान्त कम्पनी के नुकसान का आकलन रु. 1750 लाख के रूप में किया गया जिसके लिए उनके लेखा खातों में आवश्यक प्रावधान किया गया है। उसके गैर प्रावधान के परिणामस्वरूप लाभ अधिक दर्ज किया गया है एवं रु. 1750 लाख का प्रावधान कम दर्ज किया गया है।	पर भुगतान किया है एवं वे केवल वित्तीय वर्ष 2014-15 में रु. 2397 भुगतान किये हैं। परन्तु वित्तीय वर्ष 2015-16 के प्रारम्भ से सस्ते कोक के आयात होने से, उनका परिचालन प्रभावित हो रहा, कोक बाजार में अत्धिक प्रतिकूल होने के कारण भुगतान की दर काफी धीमी है। जीसीएल ने बीआईएफआर को संदर्भित किया था। एमएसटीसी के पास अपने बकाये की वसूली हेतु पंचाट में आह्वान करने के अलावा अन्य को विकल्प नहीं है। दावा के निपटान दायर कर दिया गया है। जीसीएल ने विद्वान पंचाट के समक्ष निपाटन की सहमति की शर्ते शीघ्र करेंगे। अत; यह कहना ठीक नहीं होगा कि वसूली की संभावन दूरस्थ है। आगे, प्रतिज्ञित सामग्री का वसूलीयोग्य मूल्य 31.03.2016 को रु. 3039 लाख की बकाये के बाबत रु. 2568 लाख है। चूंकि सामग्रियां एमएसटीसी के पास मात्र प्राप्य के बाबत अनुषांगिक जमानत के रूप में प्रतिज्ञित है एवं सामग्रियों के मूल्य में अप्रत्याशित गिरावट के चलते उसके वसूलीयोग्य मूल्य में पर्याप्त कमी आई है, जिससे रु. 471 लाख के अंतर राशि खाते में असुरक्षित ऋण के रूप में दर्शाया गया है।
	Trade Receivables includes ₹ 3039 lacs due from M/S Global Coke Ltd for procuring and supply of materials to the party upto Decemeber'14. The present value of realizable materials are ₹ 1279 lacs. In the meantime, GCL has been referred to BIFR, and for disposing of material belongs to a BIFR Company, the Company has to take permission from BIFR which is not an easy process. Therefore, the Company can't sell the material to recover at least a part of its dues and had to wait till the outcome of BIFR is known to the Company. Hence, considering the realizable market value of pledged stock of ₹ 1279 lacs and security deposit of ₹ 10 lacs, the loss of the Company is assessed as ₹ 1750 lacs for which necessary provision is to be make in their books of account. Non-provision of the same has resulted in overstatement of profit and understatement of provision for ₹ 1750 lacs.	There has been a vigorous follow up with the party for clearing the dues. It may be noted that GCL has paid on regular basis till FY 2014-15 and they have paid ₹ 2397 lacs in FY 2014-15 alone. But from the beginning of FY 2015-16 there has been very slow rate of payment due to very adverse coke market on account of cheaper import of coke affecting their operations. GCL had since been referred to BIFR. MSTC had no other alternative but to invoke arbitration for recovery of its outstanding dues. Statement of claim has been filed. GCL has submitted before the Hon'ble Arbitrator that they would like to submit a consent terms of settlement shortly. Hence it is too early to say that the chances of recovery is remote. Further, the pledged materials have a realizable value of ₹ 2568 lacs as on 31.03.2016 against the outstanding of ₹ 3039 lacs. Since the materials have been pledged to MSTC only as collateral security and the realizable value of the same has reduced substantially as a result of general slump in commodity prices, the differential amount of ₹ 471 lacs has been shown as unsecured debtors.
x.	व्यापार प्राप्य से सम्बद्ध लेखा पर टिप्पणी के टिप्पणी सं. 15(ई) में कहे गये अनुसार 31.03.2016 में रु. 24083 लाख मेसर्स एसपीएस स्टील रोलिंग मिल्स लि. से अक्टूबर, 2012 तक पार्टी को सामग्रियों की खरीद करने एवं आपूर्ति हेतु लगभग साढ़े तीन वर्ष पूर्व का है। इस तरह समय के गुजरने से गुणवत्ता में कमी आई है एवं वांछित मूल्य पर भरोसा नहीं किया जा सकता है। एक इकरारनामा में एमएसटीस मई 2016 से आगे तीन खेप में प्रचलित बाजार दर में सामग्रियों को निर्धारित एवं मुक्त करने हेतु सहमत हुई थी, सामग्रियों के 3 बार उठाए जाने में से 2 बार एसपीएस को बजार मूल्य के साथ 20 प्रतिशत (एमएस बिलेट), 25	लेखा परीक्षक ने बकाया एवं बाजार मूल्य के बीच अंतर की गणना आकलन के साथ किया है जो बाजार मूल्य वर्तमान स्तर में पूरी अवधि में स्थिर रहेगा. परन्तु भारत सरकार द्वारा टैरिफ एवं गैर-टैरिफ मानकों एवं नीतियों अंतर के अपनाने के साथ बाजार मूल्य का झुकाव इस्पात बाजार के सुधार के साथ ऊपर की ओर है। इस घटना से रु. 3141 लाख के अंतर में महत्वपूर्ण कमी आएगी। लेखा परीक्षक कृपया ध्यान दें कि व्यवस्था बोर्ड के अनुमोदन से विवेचना के उपरान्त एमएसटीसी को भुगतान करने के लिए पार्टी को मात्र प्रोत्साहिक करने के लिए किया गया एवं कम मूल्य में बाजार से सामग्रियों के क्रय करने के स्थान पर स्टॉक से उठाया गया। आगे, एसपीएस के साथ निपटान के शर्तों में शामिल होने से पूर्व एमएसटीसी

लेखा परीक्षक की रिपोर्ट पैरा सं. Auditors' Report Para No.	टिप्पणियाँ/अवलोकन योग्य मत Comments/ observations QUALIFIED OPINION	प्रबंधन के उत्तर Management's Replies
	प्रतिशत (स्पंज अयस्क) एवं 30 प्रतिशत (लौह अयस्क/ पीलेट्स) लोडिंग के आधार पर एवं एक बार पंचाट आदेशानुसार (08.05.2016) अंकित मूल्य के आधार पर जारी किया गया। इस इकरारनामा के अनुसार एमएसटीसी रु. 24083 लाख के अग्रिम बकाया के बाबत जैसा रु. 20942 लाख वसूलीयोग्य होगा। एमएसटीसी पार्टी के साथ आज की तारीख तक रु. 3141 लाख की अवशिष्ट राशि वसूली हेतु किसी इकरारनामा में शामिल नही हुई है। उपरोक्त इकरारनामा के अनुसार जहाँ तक संभव है कोई लिफ्टिंग नहीं की गई। अतः इस इकरारनामा में से आशान्वित हानि रु. 3131 लाख है, रु. 10 लाख का शुद्ध वर्तमान जमानत जमा, जो वित्तीय वर्ष 2015-16 हेतु कम्पनी के वार्षिक खातों में प्रदान नहीं किया गया है। इसके परिणास्वरूप लाभ अधिक दर्ज किया गया है एवं रु. 3131 लाख का प्रावधान कम दर्ज किया गया है।	ने विख्यात वकीलों से कानूनी विचार प्राप्त किया था जिसमें उल्लिखित है कि 'यदि सामग्रियों कम लागत पर उठाने की अनुमति दी जाती है तो एमएसटीसी को निष्पादन में अवशिष्ट दावे की वसूली का अधिकार बना रहेगा... ' उपरोक्त की दृष्ट में इस स्तर में कोई प्रावधान करने की कोई आवश्यकता नहीं है। तथापि, रु. 3131 लाख की अंतर राशि खाते में असुरक्षित बकाये के रूप में दर्शाया गया है।
	As stated in Note No 15 (e) of Notes on Account relating to Trade Receivables amounting to ₹ 24083 lacs as at 31.03.2016 from M/S SPS Steel Rolling Mills Ltd for procuring and supply of materials to the party upto October, 2012, almost three and half years ago. Thus with the passage of time, quality has been deteriorated and it can't fetch the desirable price. In an agreement MSTC agreed to fix and release material at the prevailing market rate in three tranches from May 2016 onwards, out of 3 time lifting, 2 time lifting of material will be issued to the SPS at market price plus 20 percent (MS Billet), 25 percent (Sponge Iron) and 30 percent (Iron Ore/ Pellets) thereon as loading and one time on the basis of book value as per Award of Arbitration (08.05.2016). As per this arrangement, MSTC will be able to recover ₹ 20942 lacs as against their outstanding advance of ₹ 24083 lacs. No agreement was entered into by MSTC with the party to recover the balance amount of ₹ 3141 lacs till date. No lifting has been made so far in accordance with the said agreement. Hence the anticipated loss out of this agreement is ₹ 3131 lacs, net of existing Security Deposit of Rs 10 lacs, which has not been provided in the annual accounts of the Company for the FY 2015-16. This has resulted in overstatement of profit and understatement of provision for ₹ 3131 lacs.	Audit has calculated difference between outstanding and market price with the assumption that market price will remain static at current level throughout the tenure. But with the adoption of different tariff and non-tariff measures and policies by the Govt. of India, market price is showing upward trend with improvement of steel market. In that event, the difference of ₹ 3141 lacs will reduce significantly. Audit may please note that the arrangement has been made with approval of the Board after due deliberation only to encourage the party to pay to MSTC and lift from the stock instead of buying the material from the market at a lower price. Further, before entering into the terms of settlement with SPS, MSTC has obtained legal opinion from a reputed Advocate in which it is inter alia mentioned that ".....even if the materials are allowed to lift at lesser cost, MSTC would retain rights to recover the balance claims in execution....". In view of above, there is no need for making any provision at this stage. However, the differential amount of ₹ 3131 lacs has been shown as unsecured debtors in the books.
xi.	व्यापार प्राप्य जिसमें शामिल मेसर्स मर्मागोआ स्टील लि. से पार्टी को सामग्रियों की खरीद एवं आपूर्ति हेतु अक्टूबर, 2012 तक रु. 1917 लाख बकाया है। कम्पनी पार्टी की डगमगाती हुई वित्तीय स्थित से अच्छी तरह वाकिफ थी फिर	प्रतिज्ञित सामग्रियों का वसूली योग्य मूल्य रु. 873 लाख है जबकि बकाया रु. 1918 लाख है। रु. 1045 लाख के अंतर राशि के बाबत रु. 1424 हेतु खाते में पहले से प्रावधान किया गया है। अत; इस सत्र पर आगे किसी प्रावधान की आवश्यकता नहीं है।

लेखा परीक्षक की रिपोर्ट पैरा सं. Auditors' Report Para No.	टिप्पणियाँ/अवलोकन योग्य मत Comments/ observations QUALIFIED OPINION	प्रबंधन के उत्तर Management's Replies
	भी पार्टी ऐसे समय में वित्तीय सहायता की अनुमति दी जब कि पूर्व कन्साइनमेंट की सामग्री उठाई नहीं गई थी। बीआईएफआर संदर्भित कम्पनी से बकाये की वसूली की उम्मीद दूरस्थ प्रतीत होता है। वसूली के पक्ष पर विचार करने पर कम्पनी को आगे रु. 483 लाख प्रावधान करना चाहिए, वर्तमान रु. 1424 लाख के प्रावधान के अतिरिक्त पार्टी का सम्पूर्ण बकाया, रु. 10 लाख का शुद्ध जमानत जमा अच्छादित हो सके। इस गैर प्रावधान के फलस्वरूप लाभ अधिक दर्ज किया गया है एवं रु. 483 लाख प्रावधान कम दर्ज किया गया है।	
	Trade Receivables includes ₹ 1917 lacs due from M/S Marmagoa Steel Ltd for procuring and supply of materials to the party upto October, 2012. The Company was well aware of the dwindling financial condition of the party yet it allowed financial exposure to the party even at a time when the commodities of earlier consignments were not lifted. Therefore the chance of recovery of dues from BIFR referred Company seem remote. Considering the aspect of recovery the Company should have made a further provision ₹ 483 lacs, in addition to existing provision of ₹ 1424 lacs, covering the entire dues of the party, net of Security Deposit of ₹ 10 lacs. This non-provisioning has resulted in overstatement of profit and understatement of provision for ₹ 483 lacs.	The pledged materials have a realizable value of ₹ 873 lacs against the outstanding of ₹ 1918 lacs. Against the differential amount of ₹ 1045 lacs, provision has already been made in books for ₹ 1424 lacs. Hence no further provision is considered necessary at this stage.
xii.	व्यापार प्राप्य जिसमें रु. 2637 लाख बकाया मेसर्स रोहित फेरो-टेक लि. से जयपुर यूनिट के लिए मार्च 2016 तक पार्टी को सामग्रियों की खरीद एवं आपूर्ति हेतु शामिल है। इसके दोनों इकाई विष्णुपुर एवं हल्दिया बंद हैं। मार्च 16 के दौरान कोई मात्रिक आकलन फैक्टरी के क्लोजर के कारण नहीं किया जा सका है। उपयुक्त अंकेक्षण साक्ष्य की अनुपस्थिति में हम प्रतिज्ञित स्टॉक के वसूलीयोग्य बाजार मूल्य को सुनिश्चित करने में असमर्थ हैं। हम बकाया राशि की वसूली में संदेह है। 69 लाख की जमानत जमा पर विचार करने के उपारन्त हमारे विचार में वर्ष 2015-16 के दौरान रु. 2568 लाख का प्रावधान करना चाहिए। गैर प्रावधान के फलस्वरूप लाभ अधिक दर्ज किया गया है एवं वर्ष 2015-16 हेतु रु. 2568 लाख का प्रावधान कम दर्ज किया गया है।	प्रतिज्ञित सामग्रियों का वसूलीयोग्य मूल्य रु. 2263 लाख है जबकि बकाया रु. 2637 लाख है परन्तु लेखा परीक्षा में इस पर ध्यान नहीं दिया गया। **यह स्पष्ट नहीं है कि लेखा परीक्षा में उपुयक्त लेखा साक्ष्य की अनुपस्थिति में प्रावधान करने के लिए कैसे कहा गया है।** 31.03.2016 को सामग्रियों का मूल्य मात्र 1388 लाख विष्णुपुर प्लांट में पड़ी थी एवं अवशिष्ट सामग्री की कीमत रु. 1249 लाख बंदरगाह में पड़ी थी। हल्दिया एवं जयपुर इकाई में कोई सामग्री पड़ी हुई नहीं थी। यद्यपि सामग्रियां 2 वर्षों से अधिक से समय पड़ी हुई है बकाया का अंतर राशि 31.03.2016 को बाजार मूल्य के ऊपर रु. 374 लाख असुरक्षित बकाया के रूप में बगैर उसके किसी प्रावधान के दर्शया गया है। यह ध्यान देना चाहिए कि पार्टी ने भुगतान किया है एवं वित्तीय वर्ष 2016-17 में अगस्त, 2016 तक रु. 1025 लाख की सामग्रियों को उठाया है।
	Trade Receivables includes ₹ 2637 lacs due from M/S Rohit Ferro-Tech Ltd for procuring and supply of materials to the party upto March 2016 for Jajpur unit. Both its Bishnupur and Haldia units are closed. No volumetric assessment could have been undertaken during March '16 owing to closure of the factory.In absence of appropriate audit evidence we are unable to	The pledged materials have a realizable value of ₹ 2263 lacs against the outstanding of ₹ 2637 lacs but the same has been ignored by Audit. **It is not clear how the Audit has asked for provisioning in the absence of appropriate audit evidence.** As on 31.03.2016 materials valuing only ₹ 1388 lacs were lying at Bishnupur Plant and balance materials valuing ₹

लेखा परीक्षक की रिपोर्ट पैरा सं. Auditors' Report Para No.	टिप्पणियाँ/अवलोकन योग्य मत Comments/ observations QUALIFIED OPINION	प्रबंधन के उत्तर Management's Replies
	ascertain the realizable market value of the pledged stock. We are doubtful of the recovery of the outstanding amount. After considering security deposit of ₹ 69 lacs, in our opinion provision should be made for ₹ 2568 lacs during the year 2015-16, which has not provided by the company in its books of accounts for the year 2015-16..This non-provisioning has resulted in overstatement of profit and understatement of provision for the year 2015-16 by ₹ 2568 lacs.	1249 lacs were lying at ports. No material was lying at Haldia and Jajpur units. Although the materials are less than 2 years old, the differential amount of the outstanding over market value as on 31.03.2016 amounting to ₹ 374 lacs has been shown as unsecured debtors without making any provision for the same. It may be noted that the party has paid and lifted materials materials worth ₹ 1025 lacs in FY 2016-17 till August, 2016.
xiii.	व्यापार प्राप्य जिसमें मेसर्स टॉपवर्थ पाइप्स एवं ट्यूब्स लि. से ई-ऑक्शन की बिक्री प्रक्रिया समायोजन के उपरान्त परन्तु अवशिष्ट बकाया पर ब्याज के साथ सामग्रियों की खरीद करने एवं आपूर्ति हेतु बकाया शामिल है। टॉपवर्थ पाइप्स एवं ट्यूब्स लि. की सम्पूर्ण सामग्री कम्पनी द्वारा ई-ऑक्शन के जरिए निपटान कर दिया गया है एवं वास्तव में कोई स्टॉक नहीं है। इस तरह पार्टी का वर्तमान खाता में बकाया रु. 10 लाख के जमानत जमा के समायोजन के उपरान्त रु. 579 लाख है जो पूर्णतया असुरक्षित है एवं वर्ष 2015-16 के दौरान उसके लिए कोई प्रावधान नहीं किया गया है। इस गैर प्रावधान के फलस्वरूप लाभ अधिक दर्ज किया गया है एवं वर्ष 2015-16 हेतु रु. 579 लाख तक प्रावधान कम दर्ज किया गया है।	पार्टी ने अगस्त, 2016 तक रु. 122 लाख की राशि पहले ही भुगतान कर दिया है एवं बम्बे उच्च न्यायालय के समक्ष जनवरी, 2017 तक सम्पूर्ण बकाय को चुकता करने हेतु भुगतान अनुसूची दाखिल किया है जिसे आदेश दि. 14.07.16 के तहत न्यायालय द्वारा स्वीकार किया गया है। यह उम्मीद की जाती है कि वर्ष 2016-17 के दौरान सम्पूर्ण बकाया साफ हो जाएगा एवं इस स्तर में किसी प्रवाधान पर विचार करने की आवश्यकता नहीं है। तथापि रु. 579 लाख (जमानत जमा का शुद्ध बकाया) असुरक्षित बकाया के रूप में दर्शाया गया है।
	Trade Receivables includes ₹ 589 lacs due from M/S Topworth Pipes & Tubes Ltd for procuring and supply of materials after adjusting the sale proceeds of e-auction but including interest on outstanding balance. The Entire material of Topworth Pipes & Tubes Ltd. has been disposed off through e-auction by the Company and virtually there is no stock. Thus the present book dues of the party amounting ₹ 579 lacs, after adjustment of Security Deposit of ₹ 10 lacsis fully unsecured and no provision has been made for the same during the year 2015-16. This non-provisioning has resulted in overstatement of profit and understatement of provision for 2015-16 by ₹ 579 lacs.	Party has already paid an amount of ₹ 122 lacs till August, 2016 and submitted a payment schedule before Bombay High Court to clear the entire outstanding by Jan 2017 which has been accepted by the Court vide order dated 14.07.16 It is expected the entire dues will be cleared during 2016-17 and hence no provision is considered necessary at this stage. However ₹ 579 lacs (outstanding net of security deposit) has been shown as unsecured debtors.
xiv.	व्यापार प्राप्य जिसमें मेसर्स टॉपवर्थ स्टील्स एवं पावर्स लि. से फरवरी, 2014 तक सामग्रियों की खरीद एवं आपूर्ति हेतु रु. 10876 लाख बकाया शामिल है। 31.03.2016 को किये गये मात्रिक आकलन के अनुसार प्रापण सामग्री की मात्र में कमी था जिसके लिए पार्टी ने ठीक करने को कहा था जिसे अब तक पूरा नहीं किया गया है। रु. 4255 लाख के प्रतिज्ञित स्टॉक के वसूलीयोग्य बाजार मूल्य एवं रु. 10 लाख के जमान जमा पर विचार करने के उपरान्त हमारे विचार में वर्ष के दौरान 6611 लाख का प्रावधान करना चाहिए।	पार्टी ने एमएसटीसी द्वारा दायर वाइंडिंग अप याचिका के विरुद्ध मुम्बई उच्च न्यायालय के संशोधित आदेश दिनांक 29.03.2016 के अनुसार आज की तारीख तक भुगतान किया है। विगत मात्रिक आकलन के दौरान पाये गये रु. 416 लाख के कुल कमी में से रु. 267 लाख की राशि पार्टी से प्राप्त भुगतान के बाबत पहले ही समायोजित कर दिया गया है। प्रतिज्ञित सामग्री का वसूलीयोग्य मूल्य 5173 लाख है जबकि बकाया रु. 10876 लाख है। परन्तु सामग्री प्राप्त भुगतान के बाबत मात्र अंकित मूल्य में जारी की जा रही है एवं 31.03.2016 के अनुसार सामग्रियों के

लेखा परीक्षक की रिपोर्ट पैरा सं. Auditors' Report Para No.	टिप्पणियाँ/अवलोकन योग्य मत Comments/ observations QUALIFIED OPINION	प्रबंधन के उत्तर Management's Replies
	इसके फलस्वरूप लाभ अधिक दर्ज किया गया है एवं वर्ष 2015-16 हेतु रु. 6611 लाख तक कम प्रावधान दर्ज किया गया है।	वसूलीयोग्य मूल्य में कमी हेतु किसी प्रावधान के करने की आवश्यकता नहीं है। तथापि, चूंकि सामग्रियां बकाया के बाबत मात्र तदर्थ जमानत के रूप में प्रतिज्ञित की गई है एवं सामाग्री मूल्य में काफी गिरावट के फलस्वरूप 31.03.2016 के अनुसार जमानत के वसूलीयोग्य मूल्य में महत्वपूर्ण कमी आयी है अंतर राशि 5703 लाख असुरक्षित देनदार के रूप में दर्शाया गया है।
	Trade Receivables includes ₹ 10876 lacs due from M/S Topworth Steels & Powers Ltd for procuring and supply of materials upto February 2014. There was a shortage in quantum of procured materials as per volumetric assessment carried out w.r.t position as at 31.03.2016 for which the party was asked to make good the same which has not been carried out as yet. After considering the realizable market value of the pledged stock of ₹ 4255 lacs, and security deposit of ₹ 10 lacs, in our opinion provision should be made for ₹ 6611 lacs during the year. This has resulted in overstatement of profit and understatement of provision for 2015-16 by ₹ 6611 lacs.	The party has been paying till date as per the revised order dated 29.03.2016 of the Mumbai High Court against the winding up petition filed by MSTC. Out of the total shortage of ₹ 416 lacs detected during last volumetric assessment, an amount of ₹ 267 lacs has already been adjusted against the payments received from the party. The pledged materials have a realizable value of ₹ 5173 lacs against the outstanding of ₹ 10876 lacs. But the materials are being issued at the book price only against the payments received and hence there is no need to make any provision for the shortfall in realizable value of the materials as on 31.03.2016. However, since the materials have been pledged only as collateral security against the outstanding and there is a significant reduction in realizable value of the security as on 31.03.2016 as a result of huge dip in commodity prices, the differential amount of ₹ 5703 lacs has been shown as unsecured debtors.
xv.	व्यापार प्राप्य जिसमें मेसर्स जय बालाजी इंडस्ट्रीज लि. से जुलाई 2013 तक सामग्रियों की खरीद एवं आपूर्ति हेतु रु. 12193 लाख बकाया शामिल है। इस तरह सम्पूर्ण स्टॉक की उम्र 3 वर्ष से अधिक पुराना है एवं गुणवत्ता निश्चित रूप से वर्तमान बकाया को आच्छादित करने हेतु वांछित राशि में कमी आयी है फलस्वरूप बकाये की वसूली की सम्भावना दूरस्थ है। विगत वर्ष भी हमने ऐसे नुकसान के बाबत रु. 6273 लाख के प्रावधान करने की सलाह दी थी जिसका कम्पनी द्वारा अनुपालन नहीं किया गया एवं उक्त का लेखा योग्यता के रूप में हमारे द्वारा विचार किया गया है। इस वर्ष भी रु. 362 लाख पार्टी द्वारा पुनर्भुगतान किया गया है। न्यायालय में वादा करने के बावजूद भुगतान में बार-बार नहीं होने के कारण वसूली की सम्भावना संदिग्ध है। रु. 3922 लाख की प्रतिज्ञित स्टॉक के वसूलीयोग्य बाजार मूल्य विचार करने के उपरान्त हमारे विचार में वर्ष के दौरान रु. 8271 लाख का प्रावधान करना चाहिए। इसके परिणास्वरूप लाभ अधिक दर्ज किया गया एवं वर्ष 2015-16 हेतु रु. 8271 लाख कम प्रावधान दर्ज किया गया है।	प्रतिज्ञित सामग्री का वसूलीयोग्य मूल्य रु. 5229 लाख है जबिक बकाया रु. 12193 लाख है। सामग्रियां एमएसटीसी को बकाये के बाबत तदर्थ जमानत के रूप में प्रतिज्ञित है। चूंकि सामग्री मूल्य में काफी गिरावट के फलस्वरूप जमानत के वसूलीयोग्य मूल्य में महत्वपूर्ण कमी आई है, अंतर राशि रु. 6964 खाते में असुरक्षित देनदार के रूप में दर्शाया गया है। गिरावट स्थायी नहीं है एवं बाजार का रुझान ऊपर की ओर है। अत; गिरावट के लिए प्रावधान करना आवश्यक नहीं है।
	Trade Receivables includes ₹ 12193 lacs due from M/S Jai Balaji Industries Ltd. for procuring and supply of materials upto July 2013. Thus	The pledged materials have a realizable value of ₹ 5229 lacs against the outstanding of ₹ 12193 lacs. The materials have been pledged to MSTC has collateral security against

लेखा परीक्षक की रिपोर्ट पैरा सं. Auditors' Report Para No.	टिप्पणियाँ/अवलोकन योग्य मत Comments/ observations QUALIFIED OPINION	प्रबंधन के उत्तर Management's Replies
	the age of entire stock is old over 3 years and quality has been certainly degraded to fetch the desired amount to cover the present outstanding resulting remote possibility of recovery of dues. Previous year also we suggested for making a provision of ₹ 6273 lacsagainst such loss which was not adhered to by the Company and same was considered by us as audit qualification. This year too only ₹ 362 lacs has been repaid by the party. Due to such recurring defaults in payment despite commitment in court, the chances of recovery is doubtful. After considering the realizable market value of the pledged stock amounting to ₹ 3922 lacs,in our opinion provision should be made for ₹ 8271 lacs during the year.This has resulted in overstatement of profit and understatement of provision for 2015-16 ₹ 8271 lacs.	the outstanding. Since there is a significant fall in the realizable value of the security as a result of huge dip in commodity prices, the differential amount has been amount of ₹ 6964 lacs has been shown as unsecured debtors in the books. The shortfall is not permanent and there is already an upward trend in market price. Therefore, no provisioning is necessary for the shortfall.
xvi.	व्यापार प्राप्य जिसमें मेसर्स सिद्धार्थ ट्यूब्स लि. से फरवरी 2014 तक सामग्रियों की खरीद एवं आपूर्ति हेतु रु. 1870 लाख बकाया शामिल है। इस तरह सम्पूर्ण स्टॉक दो वर्ष से अधिक पुराना है एवं प्रोक्यूर्ड सामग्री के बाजार मूल्य में महत्वपूर्ण गिरावट के कारण बकाया राशि रु. 685 लाख तक असुरक्षित है, रु. 40 लाख शुद्ध जमानत जमा जो वर्ष 2015-16 हेतु लेखा के अपने खातों में कम्पनी द्वारा प्रावधान नहीं किया गया है। इस गैर प्रावधान के कराण वर्ष 2015-16 हेतु लाभ अधिक दर्ज किया गया है एवं रु. 685 लाख तक कम प्रावधान दर्ज किया गया है। Trade Receivables includes ₹ 1870 lacs due from M/S Siddhartha Tubes Ltd. for procuring and supply of materials upto February 2014. Thus the entire stock is old over two years and due to substantial fall in market price of the procured item,outstanding amount are unsecured to the tune of ₹ 685 lacs, net of security deposit amounting ₹ 40 lacs which has not been provided by the Company in its books of accounts for the year 2015-16. This non-provisioning has resulted in overstatement of profit and understatement of provision for 2015-16 by ₹ 685 lacs. **अन्य नियामक अपेक्षिता (सीएआरओ)** **Other Regulatory Requirement(CARO)**	पार्टी बकाये को कम करने के लिए धीरे-धीरे भुगतान कर रही है। वर्ष 2015-16 के दौरान भी उन्होंने रु. 464 लाख भुगतान किया है। प्रतिज्ञित सामग्री की वसूलीयोग्य मूल्य रु. 1313 लाख है जबकि बकाया रु. 1870 लाख है। चूंकि सामग्री एमएसटीसी को तदर्थ जमानत के रूप में प्रतिज्ञित किया गया है एवं सामग्री मूल्य में अभूतपूर्व गिरावट के रु. परिणामस्वरूप महत्वपूर्ण कमी आई है, रु. 557 लाख की अंतर राशि असुरक्षित देनदार के रूप में दर्शाया गया है। बहरहाल, अगस्त, 2016 में अंतर राशि रु. 557 लाख से कम होकर रु. 428 लाख हुआ है। अत; इस खाते में किसी प्रावधान की आवश्यकता नहीं है। The party has been paying to reduce the outstanding gradually. During the year 2015-16 also they have paid ₹ 464 lacs. The pledged materials have a realizable value of ₹ 1313 lacs against the outstanding of ₹ 1870 lacs. Since the materials have been pledged to MSTC as collateral security and the realizable price of the same has reduced significantly as a result of unprecedented dip in commodity prices, the differential amount of ₹ 557 lacs has been shown as unsecured debtors. However, the differential amount in August, 2016 has come down from ₹ 557 lacs to ₹ 428 lacs. Hence no provisioning is necessary on this account.

लेखा परीक्षक की रिपोर्ट पैरा सं. Auditors' Report Para No.	टिप्पणियाँ/अवलोकन योग्य मत Comments/ observations QUALIFIED OPINION	प्रबंधन के उत्तर Management's Replies
c.	निम्नलिखित मामलों को छोड़कर कम्पनी के नाम में अचल सम्पत्तियों के टाईटिल दस्तावेज रखे गये हैं ; **क्र. सं. / सम्पत्ति का विवरण / तुलनपत्र मूल्य (₹ राशि लाख में)** 1. ढाकुरिया, कोलकाता में 2 फ्लैट्स 11.53 2. फिनले टॉवर, मुम्बई में 4 फ्लैट्स 14.32 3. मलाड, मुम्बई में 4 फ्लैट्स 6.96 4. राहेजा सेंटर, मुम्बई में 2 फ्लैट्स 61.66 5. बांद्रा, मुम्बई में 1 फ्लैट 4.82	कम्पनी सभी सम्पत्तियों पर क्लीयर टाइटिल रखती है इसे लेखा के खातों में रखा गया है। बहुत अधिक पुराने प्रकृति के कारण सम्बद्ध कागजात सहज रूप से उपलब्ध नहीं है। कम्पनी उक्त को पुनःप्राप्त करने की प्रक्रिया में है।
	The title deeds of immovable properties are held in the name of the Company except for the following cases : **Sl No / Property Description / Balance Sheet Value (₹ in lacs)** 1. 2 Flats at Dhakuria Kolkata 11.53 2. 4 Flats at Finley Tower Mumbai 14.32 3. 4 Flats at Malad Mumbai 6.96 4. 2 Flats at Raheja Centre Mumbai 61.66 5. 1 Flat at Bandra Mumbai 4.82	The company holds clear title over all the assets it hold in the books of accounts. Due to very old in nature the relevant papers are not readily available. The company is in the process to retrieve the same.
VIII.	हमारे विचार में एवं जानकारियों तथा हमे दिये गये व्याख्यानों के अनुसार कम्पनी बैंक्स के बकाये के पुनर्भुगतन में डिफाल्ट नहीं है सिवाय इंडियन ओवरसीज बैंक से रु. 138 लाख के ऋण एवं स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक से रु. 14362 लाख जैसा कि लेखा पर टिप्पणी के टिप्पणी सं. 5 (ए) एवं 5 (बी) में उल्लिखित है। कम्पनी के पास किसी वित्तीय संस्थान या सरकार से कोई ऋण या कर्ज नहीं है और ना ही कोई डिवेंचर जारी किया है।	दोनों मामले न्यायिक है एवं लेखा पर टिप्पणी के टिप्पणी सं. 5 में पर्याप्त रूप में खुलासा किया गया है।
	In our opinion and according to the information and explanations given to us, the Company has not defaulted in repayment of dues to banks except for the loan from Indian Overseas Bank ₹ 138 lacs and Standard Chartered Bank ₹ 14362 lacs as mentioned in Note No. 5(a) and 5(b) of the Notes on Account. The Company did not have any loans or borrowings from financial institutions or government and has not issued any debentures.	Both the matters are subjudice and have been adequately disclosed in Note No.5 of the Notes on Accounts.

लेखा परीक्षक की रिपोर्ट पैरा सं. Auditors' Report Para No.	टिप्पणियाँ/अवलोकन योग्य मत Comments/ observations QUALIFIED OPINION	प्रबंधन के उत्तर Management's Replies
	अन्य नियामक अपेक्षिता पीटी 1 (अनुलग्नक ए) **Other Regulatory Requirement Pt 1 (Annexure A)**	
Pt 1.	अचल सम्पत्तियों का टाईटिल दस्तावेज कम्पनी के नाम में है सिवाय ढाकुरिया में अवस्थित 2 फ्लैट्स, फिनले टॉवर में 4 फ्लैट्स, मलाड में 4 फ्लैट्स, राहेजा सेंटर में 2 फ्लैट्स एवं बांद्रा, मुम्बई में 1 फ्लैट। The title deeds of immovable properties are held in the name of the company except for 2 flats situated at Dhakuria,4 flats at Finley Tower,4 flats at Malad,2 flats at Raheja Centre and 1 flat at Bandra, Mumbai.	कम्पनी सभी सम्पत्तियों पर क्लीयर टाइटिल रखती है इसे लेखा के खातों में रखा गया है। बहुत अधिक पुराने प्रकृति के कारण सम्बद्ध कागजात सहज रूप से उपलब्ध नहीं है। कम्पनी उक्त को पुनःप्राप्त करने की प्रक्रिया में है। he company holds clear title over all the assets it hold in the books of accounts. Due to very old in nature the relevant papers are not readily available. The company is in the process to retrieve the same.
	अन्य नियामक अपेक्षिता पीटी 3 कम्पनी के पास ग्राहक स्वीकृति, क्रेडिट मूल्यांकन एवं बिक्री के लिये ऋण सीमा संस्थापना हेतु उपयुक्त आंतरिक नियंत्रण प्रणाली नहीं था जो कंपनी में अंतिम संग्रह की उचित आवश्यकता को स्थापित किए बगैर राजस्व के पता लगाने का संभावित परिणाम है। अधिकतर मामलों में कम्पनी पार्टियों के ऋण पात्रता के मूल्यांकन में समर्थ नहीं है। **Other Regulatory Requirement Pt 3** The Company did not have an appropriate internal control system for customer acceptance, credit evaluation and establishing credit limits for sales, which could potentially result in the Company recognizing revenue without establishing reasonable certainty of ultimate collection. In most of the cases, the Company is not able to evaluate the credit worthiness of the parties.	ग्रहक के चयन, क्रेडिट मूल्यांकन एवं बिक्री हेतु क्रेडिट सीमा की संस्थापना आदि के क्षेत्र में आंतरिक नियंत्रण को सुदृढ़ करने के लिए जोखिल प्रबंधन नीति अपनायी गयी है। यह समय-समय पर नवीनीकृत होता है। 2008 में आरएमपी के शुभारम्भ के उपरान्त उसे दोबारा संशोधित किया गया, एक बार 04.11.2013 को एवं पुनः 24.04.2015 को अन्य बातों के साथ ही ग्राहकों के चयन के मानदंड, साख का निर्णय, जोखिम सीमा का निर्धारण आदि पर बल दिया गया है। कम्पनी द्वारा विगत तीन वर्षों के दौरान कोई नया ग्राहक चयन नही किया गया क्योंकि संभावित ग्राहक संशोधित आरएमपी के मानदंड पूरा नहीं किया गया है। इसके अलावा कम्पनी ने विगत कुछ वर्षों हेतु प्रतिकूल बाजार प्रचलन एवं व्यापार में निहित जोखिम होने के नाते ट्रेडिंग कारोबार धीरे-धीरे कम करने का संचेतन निर्णय लिया है। There is a Risk Management policy in place for strengthening internal control in the area of customer selection, credit evaluation and establishing credit limits for sales etc. It is also reviewed from time to time. After introduction of RMP in 2008, the same has been revised twice, once on 04.11.2013 and again on 24.04.2015 thereby inter alia improving upon the norms of selection of customers, judging of creditworthiness, fixation of exposure limit etc. More over, no new customer has been selected by the Company during last three years as the prospective customers did not fulfill the revised RMP criteria. More over, Company has taken a conscious decision to gradually reduce exposure in trading business on account of adverse market prevailing for last few years and also inherent risk in the business.
Pt 3g(b).	कम्पनी के पास पार्टी की ओर से कम्पनी द्वारा आयातीत कच्ची सामग्रियों के प्रतिज्ञित के सम्बन्ध में इन्वेंटरी हेतु उपयुक्त आंतिरक नियंत्रण प्रणाली नहीं है। मात्रिक आकलन हल्दिया पेट्रोकेमिकल्स लि. एवं रोहित फेरो टेक लि. हेतु संचालित नहीं किया गया था।	रोहित फेरो टेक लि. में मात्रिक आकलन फैक्टरी में जारी श्रमिक आन्दोलन के कारण नहीं किया जा सका। तथापि फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड के कस्टोडियन रिपोर्ट स्टॉक की उपलब्धता की पुष्टि हेतु नियमित आ रही हैं। यह मात्र बिखरा हुआ मामला है जहाँ स्थान नियंत्रण के बाहर होने के कारण मात्रिक आकलन नहीं किया जा सका जिसे

लेखा परीक्षक की रिपोर्ट पैरा सं. Auditors' Report Para No.	टिप्पणियाँ/अवलोकन योग्य मत Comments/ observations QUALIFIED OPINION	प्रबंधन के उत्तर Management's Replies
		प्रणाली विफलता के रूप में नहीं कहा जा सकता है। हल्दिया पेट्रोकेमिकल के मामले में 31.03.2106 को 21305.209 में टन स्टॉक था जो 22.03.2016 को 29547.533 मे.टन के कन्साइनमेंट का एक भाग था। उक्त अवशिष्ट स्टॉक एचपीएल द्वारा 04.04.2016 के भीतर अर्थात इस उद्देश्य हेतु शामिल एजेंसी के साथ परामर्श में मात्रिक आकलन हेतु अनुसूचित तारीख से काफी पहले उठाया गया था। कृपया आगे यह भी ध्यान दें कि प्रतिज्ञित सामग्रियों का मात्रिक आकलन नियमित आधार पर किया जा रहा है एवं रिपोर्ट लेखा परीक्षा कमिटी को दाखिल किया जाता है। मात्रिक आकलन वर्ष 2015-16 के दौरान अन्य ग्राहकों के लिए भी किया गया। उपरोक्त के अनुसार यह कहना सही नहीं है कि प्रतिज्ञित स्टॉक का मात्रिक आकलन के सम्बन्ध में समुचित आंतिरक नियंत्रण प्रणाली नही है।
The Company did not have an appropriate internal control system for inventory with regard to pledged of raw materials imported by the Company on behalf of the party. Volumetric assessment was not conducted for Haldia Petrochemicals Ltd and Rohit Ferro Tech Ltd.		Volumetric assessment could not be carried out at Rohit Ferro Tech Ltd. due to labour agitation continuing at the factory. However the custodian report of Ferro Scrap Nigam Limited is coming regularly confirming availability of stock. It is only a stray case where volumetric assessment could not be done for reasons beyond control which cannot be termed as a system failure. In case of Haldia Petrochemicals, there was a stock of 21305.209 MT as on 31.03.2106 which was a part of the consignment of 29547.533 MT received on 22.03.2016. The said balance stock was lifted by HPL within 04.04.2016 i.e. much earlier than the date scheduled for volumetric assessment in consultation with the agency engaged for this purpose. It may please further be noted that Volumetric assessment of pledged materials is being done on a regular basis and the reports are submitted to the Audit Committee. Volumetric assessment has also been done during 2015-16 for other customers. From above it may not be correct to infer that there is no proper internal control system in regard to volumetric assessment of pledged stock.

निदेशक मंडल के लिए तथा उनकी ओर से
For and on behalf of the Board of Directors

श्री ए. के. बसु, निदेशक (वित्त)
A. K. Basu, Director (Finance)

निदेशक मंडल की रिपोर्ट का अनुलग्नक-VIII/बी
Annexure-VIII/B to Directors' Report

31मार्च, 2016 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए एमएसटीसी लिमिटेड के समेकित वित्तीय विवरण पर सांविधिक लेखा परीक्षक की टिप्पणियों/ अवलोकनों पर प्रबंधन का उत्तर

Management Replies to Comments/Observations of the Statutory Auditors on the Consolidated Financial Statement of MSTC Ltd. for the financial year ending 31st March, 2016

लेखा परीक्षक की रिपोर्ट पैरा सं. Auditors' Report Para No.	टिप्पणियाँ/अवलोकन योग्य मत Comments / observations QUALIFIED OPINION	प्रबंधन के उत्तर Management's Replies
i.	नोट के नोट सं. 15(ए) पर ध्यान आकर्षित किया जाता है कि, एएस-11 के अनुसार निर्यात पर विदेशी मुद्रा के उतार-चढ़ाव पर लाभ/हानि लेखाबद्ध नहीं किया गया है। यदि एएस-11 का अनुपालन कंपनी करती तो मुद्रा लाभ वर्ष के दौरान रु. 5163 लाख बढ़ता गया है (संचयी रु. 31236 लाख दिनांक 31.03.2016 तक)। इसके परिणामस्वरूप व्यापार प्राप्त रु. 31236 लाख कम बताया गया है। करार के अनुसार, उपर्युक्त से संबंधित विदेशी मुद्रा का लाभ/हानि रकम तक संबद्ध आपूर्तिकर्त्ताओं पर डाल दिया जाता है। इस प्रकार व्यापार देय को रु. 30768 लाख कम बताया गया है और उपर्युक्त लाभ के शुद्ध प्रभाव के कारण वर्ष के लिए कंपनी का शुद्ध लाभ रु. 77 लाख कम दिखाया गया है (संचयी रु. 468 लाख दिनांक 31.03.2016 तक)।	खाते पर प्रभाव मात्र मार्क अप की सीमा तक उत्पन्न होता है (सामान्य स्वर्ण आभूषणों के निर्यात हेतु प्राप्य राशि पर मुद्रा विनिमय की दर में उतार-चढ़ाव के कारण लाभ के मार्जिन)। उनकी वसूली में अनिश्चितता के कारण, जो विचाराधीन भी है, प्रभाव (लाभ) को खाते में नहीं दिखाया गया है एवं वह लेखा नीति की पैरा 1.13 के अनुसार भी है।
	Reference is invited to Note No. 15 (a) of Notes on Account, Gain / Loss on Foreign Exchange Fluctuation on exports are not accounted for as per AS-11. Had the Company complied with AS-11, exchange gain would have been increased by ₹ 5163 lacs for the year (cumulative ₹ 31236 lacs upto 31.03.2016). Consequently Trade Receivables are understated by ₹ 31236 lacs. As per agreement, exchange gain / loss relating to above is passed on to associate suppliers upto the amount payable to them. Thus Trade Payables are understated by ₹ 30768 lacs and net effect of the above gain leads to understatement of profit of the Company by ₹ 77 lacs for the year (cumulative ₹ 468 lacs upto 31.03.2016).	The impact in the books arises only to the extent of mark up (profit margin on the amount of exchange fluctuation on export receivables against export of plain gold jewellery. Due to uncertainty in their realization, which is also subjudice, the impact (gain) has not been taken in books as a consistent practice and the same is also in line with para 1.13 of the Accounting Policy.
ii.	व्यापार प्राप्य एवं ब्यापार देयताए की लंबित पुष्टीकरण/शेष राशि के मिलान तथा शेष राशि के मिलान के उत्पन्न हो सकता है के परिणामी समायोजन, विषय के संबंध में टिप्पणी सं. 28 के लिए संदर्भ पर ध्यान आकर्षित किया गया है।	कोई टिप्पणी नहीं
	Reference is invited to Note no. 28 of Notes on Account relating to pending confirmation / reconciliation of balances of Trade Receivables and Trade Payables and its consequential adjustment that may arise on reconciliation.	No Comment.

लेखा परीक्षक की रिपोर्ट पैरा सं. Auditors' Report Para No.	टिप्पणियाँ/अवलोकन योग्य मत Comments/ observations QUALIFIED OPINION	प्रबंधन के उत्तर Management's Replies
iii.	जैसा कि लेखा पर टिप्पणी की टिप्पणी सं. 15 (बी) में बताया गया है, व्यापार प्राप्य में वर्ष 2008-09 में 46 पार्टियों से जुड़े स्वर्ण अलंकार के निर्यात के लिए रु. 59863 लाख शामिल है, जिसकी वसूली विभिन्न स्तरों पर कानूनी विवाद के अधीन है। सीबीआई एवं ईडी दिनांक 26.10.2010 से मामले की जांच कर रही है। ईसीजीसी के समक्ष रु. 45075 लाख का दावा प्रस्तुत किया गया है परंतु ईसीजीसी द्वारा दावे को नकार दिया गया। कंपनी ने ईसीजीसी के खिलाफ उनके द्वारा बीमाकृत क्रेताओं के विरुद्ध बकाया राशि के लिए राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग (एनसीडीआरसी) के पास मामला दायर किया। आयोग ने दिनांक 16.04.2014 को दिए आदेश में कहा कि इस मामले पर राय देने का न्यायाधिकार क्षेत्र उनका नहीं है। कंपनी ने इस मामले को मंत्रालय स्तर पर ले गई तथा माननीय सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष इस आदेश के खिलाफ सांविधिक अपील दायर किया। मामले न्यायालय के समक्ष अब भी लंबित है। कंपनी ने यूएई, सिंगापुर तथा कुवैत में विदेशी क्रेताओं के खिलाफ 46 कानूनी मामले दायर किया है। सभी 46 मामले का निर्णय एमएसटीसी के पक्ष में दिया गया एवं सभी निष्पादनाधीन है। परंतु इनके तहत अब तक कोई रकम वसूल नहीं हुई है। एक सहायिका मेसर्स उस्मा ज्वेलरी एंड पैकेजिंग एक्सपोर्ट्स (प्रा.) लि. ने रु. 12400 लाख कीमत की भू संपत्ति (सरकारी पंजीकृत मूल्यांकनकर्त्ता द्वारा वर्ष 2014 में मूल्यांकन) गिरवी रखी है। उक्त गिरवी पर रखी संपत्ति की बिक्री/अंतरण के लिए मुंबई उच्च न्यायालय में एक रिट याचिका दायर किया गया है। मामले की जांच कर रही सीबीआई एवं ईडी ने रु. 24040 लाख की संपत्तियां तथा परिसंपत्तियां (जिसमें रु. 12400 लाख की भूमि एवं रु. 3979 लाख की चल संपत्ति शामिल है) जब्त की है। एमएसटीसी ने रु. 900 लाख की रकम के अंतरण के लिए सीबीआई न्यायालय को अनुरोध किया था, यह राशि वर्ष 2013-14 के दौरान प्राप्त हो गई। सीबीआई/ईडी द्वारा चल संपत्ति के रूप में जब्त की गई रु. 3079 लाख की शेष रकम के अंतरण के लिए आवेदन दाखिल किया जा रहा है। हालांकि, पिछले वर्षों के दौरान किए गए रु. 900 लाख के प्रावधान के अतिरिक्त विगत वर्ष के दौरान अशोध्य एवं संदिग्ध ऋण के रूप में रु. 22678 लाख की रकम के लिए एक प्रावधान किया गया। हमें उपरोक्त व्यापार प्राप्य रकम की वसूली के प्रति संदेह है, जो 6 वर्षों से भी अधिक समय से बकाया है तथा हमारे विचार से रु. 35385 लाख की राशि हेतु एक और प्रावधान किया जाना चाहिए। इस वजह से लाभ अधिक दिखाया गया तथा प्रावधान में भी रु. 35385 लाख कम दिखाया गया है।	वर्ष 2008-09 में स्वर्ण अंलकार के निर्यात के खाते में रु. 59863 लाख का कुल प्राप्य है। क्रेताओं/बीमा कंपनियों से एकदम वसूली नहीं होने की स्थिति में उपरोक्त बकाया के तहत समायोजन के लिए ईएमडी के साथ एसोसियेट्स से रु. 2990 लाख की कुल राशि रखी गई। सीबीआई/ईडी ने साथ ही साथ एसोसियेट्स से रु. 3979 लाख कीमत की चल संपत्तियां वसूल की है, जिसके अंतरण के लिए एमएसटीसी ने सीबीआई न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है तथा इसके तहत पहले ही रु. 900 लाख की राशि प्राप्त हुई है। एक प्राप्य क्रय अनुबंध के अधीन रु. 16916 लाख की कीमत का प्राप्य स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक (एससीबी) के पास बिक्री कर दी गई है तथा जिसके लिए एससीबी के पास एमएसटीसी के प्रति कोई वैध दावा नहीं है। इसके अलावा, मेसर्स उस्मा ज्वेलर्स एंड पैकेजिंग एक्सपोर्ट्स प्रा. लि., एक एसोसियेट्स, ने विदेशी क्रेताओं के भुगतान में चूक को पूरा करने के लिए एमएसटीसी के पास भू संपत्ति गिरवी रखी है, जिसका वर्तमान मूल्य रु. 12400 लाख है। उक्त संपत्ति की बिक्री की जा सकती है एवं उससे प्राप्त रकम को क्रेताओं से गैर वसूली के मामले में समायोजित किया जा सकता है। उपरोक्त परिस्थितियों पर विचार करने के उपरांत, कुल शेष बकाया अनाच्छादित रकम रु. 23578 लाख है। एमएसटीसी ने राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग (एनसीडीआरसी) दिल्ली के समक्ष क्रेताओं द्वारा बीमित बकायों की वसूली हेतु ईसीजीसी के विरुद्ध 36 मामले दायर किए थे। दावे की रकम रु. 23578 लाख से कहीं अधिक है। दिनांक 16.04.2014 के एक आदेश द्वारा राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग (एनसीडीआरसी) ने मामले को सिविल कोर्ट या अन्य किसी भी समुचित फोरम में संदर्भित किया। एमएसटीसी ने इस आदेश के विरुद्ध सर्वोच्च न्यायालय में एक अपील दाखिल की। माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने दोनों पक्षों को अर्बिटेशन में जाने का निदेश दिया। तदनुसार यह मामला परमानेंट मेशीनरी ऑफ अर्बिटेशन (गवर्मेन्ट मेशीनरी फॉर अर्बिटेशन फॉर पीएसयू) को संदर्भित किया गया। अर्बिटेशन कार्य प्रगति में है। एमएसटीसी को ईसीजीसी से सम्पूर्म बीमा दावा प्राप्त होने की उम्मीद है। उपरोक्त के मद्देनजर, रु. 23578 लाख के पहले से किए गए प्रावधान के अलावा इस स्तर पर खाते में अन्य कोई प्रावधान की आवश्यकता नहीं है।

लेखा परीक्षक की रिपोर्ट पैरा सं. Auditors' Report Para No.	टिप्पणियाँ/अवलोकन योग्य मत Comments/ observations QUALIFIED OPINION	प्रबंधन के उत्तर Management's Replies
	As stated in Note no.15(b) of Notes on Account, Trade Receivables includes ₹ 59863 lacs for export trade receivable of gold jewellery done in the year 2008-09 involving 46 parties and recovery of which are under litigation at various levels. CBI and ED have been investigating the matter since 26.10.2010. Claims have been lodged with ECGC for ₹ 45075 lacs but the claims have been repudiated by the ECGC. The Company has initiated the cases against ECGC for the dues against buyers insured by them with National Consumer Disputes Redressal Commission (NCDRC) who has ordered the Company vide order on 16.04.2014 that it has no jurisdiction to judge the matter. The Company has taken up the matter at Ministry level and has filed statutory appeal to Hon'ble Supreme Court against this order. The matter is still pending before the Court. The company has filed 46 legal cases against the foreign buyers in UAE, Singapore and Kuwait. All the 46 judgments have been awarded in favour of MSTC and all the same are under execution. Till now no money has been recovered against these awards. One of the Associates, namely, M/s Ushma Jewellery & Packaging Exports (P) Ltd has mortgaged landed property worth ₹ 12400 lacs (valuation in 2014 by Govt. Registered valuer). A writ petition for sale/transfer of the said mortgaged property has been filed at the Mumbai High Court. CBI and ED investigating the matter have seized assets and properties worth ₹ 24040 lacs (including land valued ₹ 12400 lacs & liquid assets worth ₹ 3979 lacs). MSTC have approached CBI court requesting for permission to transfer of an amount of ₹ 900 lacs which had been received during the year 2013-14. Applications are being made for transfer of remaining amount seized by CBI/ED in the form of liquid assets worth ₹ 3079 lacs. However, a provision has been made for an amount of ₹ 22678 lacs as bad and doubtful debts during the previous year in addition to ₹ 900 lacs provisions made during earlier years. We are doubtful about the recovery of the above Trade Receivables which are due for more than 7 years and in our opinion, a further provision should be made for ₹ 35385 lacs. This has resulted in overstatement of profit and also understatement of provision by ₹ 35385 lacs.	There is total receivable of ₹ 59863 lacs on account of export of gold jewellery in the year 2008-09. A total amount of ₹ 2990 lacs has been retained from Associates including EMD which is available for adjustment against above dues in case of ultimate non-realization from buyers/insurance company. CBI/ED inter alia recovered liquid assets worth ₹ 3979 lacs from the Associates for transfer of which MSTC has approached CBI court and against this an amount of ₹ 900 lacs has already been received. Receivables worth ₹ 16916 lacs have already been sold to Standard Chartered Bank (SCB) under a Receivable Purchase Agreement and for which SCB do not have any valid claim on MSTC. Further, M/s. Ushma Jewellery and Packaging Exports Pvt. Ltd., one of the associates have mortgaged landed properties to MSTC to cover the default against the foreign buyers, the value of which is around ₹ 12400 lacs. The said properties can be sold and proceeds there from can be adjusted against aforesaid dues in case of non-realisation from buyers and also from insurance claims. After considering above, the net amount of dues remaining uncovered is ₹ 23578 lacs. MSTC had initiated 36 cases against ECGC for the dues against buyers insured by them with National Consumer Disputes Redressal Commission (NCDRC), Delhi, the claim amount is much more than the above amount of ₹ 23578 lacs. National Consumer Disputes Redressal Commission (NCDRC) by an order dated 16.04.2014 referred the matter to Civil Court or in other appropriate forum. MSTC filed an appeal to Hon'ble Supreme Court against this order. The Hon'ble Supreme Court directed both the parties to go for arbitration. Accordingly the matter has been referred to Permanent Machinery of Arbitration (Government Machinery for arbitration for PSU's) Arbitration is in progress. MSTC is hopeful to realise the full insurance claim from ECGC. In view of above, no further provision is required to be made in the books at this stage further to the provision of ₹ 23578 lacs already made.

लेखा परीक्षक की रिपोर्ट पैरा सं. Auditors' Report Para No.	टिप्पणियाँ/अवलोकन योग्य मत Comments/ observations QUALIFIED OPINION	प्रबंधन के उत्तर Management's Replies
iv.	व्यापार प्राप्य जिसमें सामग्रियों की आपूर्ति हेतु 31.03.2016 के अनुसार मेसर्स कनकास्ट स्टील एंड पावर लि. (सीएसपीएल) से रु. 14307 लाख का बकाया शामिल है। कम्पनी ने खाते में कतिपय प्रतिकूल विशेषताओं यथा मई, 2014 से पूर्व वृहद परिमाण में बिना उठाए गये प्रोक्युर्ड स्टॉक भारतीय स्टेट बैंक से प्राप्त प्रतिकूल क्रेडिट जानकारी, प्रतिकूल क्षमता उपयोग आदि को अनदेखा करते हुए मई, 14 में एलएएम कोक के प्रक्यूर हेतु 5000 लाख की तदर्थ सीमा की अनुमति देने का निर्णय लिया है। कम्पनी ने जून 2014 से मार्च 2016 तक की अवधि के दौरान मात्र रु. 95 लाख प्राप्त किया था। आगे जमानत के रूप में दिये गये सीएसपीएल के चेक्स (पीडीसी) बैंक द्वारा डिसआनर्ड कर दिये गये थे एवं कम्पनी द्वारा एनआई अधिनियम 1881 की धारा 138 के तहत एक मामला दायर किया गया है। सामग्री के मूल्य में ठोस कमी होंने की वजह से एमएसटीसी को हाल ही में उनके द्वारा जोखिमपूर्ण विक्रय से किसी भी सार्थक परिणाम नहीं मिली एवं राशि के वसूली का संभवना संदिग्ध है। रु. 8132 लाख की प्रतिज्ञित स्टॉक के वसूलीयोग्य बाजार मूल्य एवं रु. 10 लाख की जमानत राशि के विचार करने के उपरान्त हमारे विचार में वर्ष 2015-16 के दौरान रु. 6165 लाख का प्रावधान करना चाहिए। इसके परिणामस्वरूप लाभ अधिक दर्ज किया गया एवं वर्ष 2015-16 हेतु प्रावधान रु. 6165 लाख कम दर्ज किया गया है। Trade Receivables includes ₹ 14307 lacs due from M/S Concast Steel & Power Ltd (CSPL) as at 31.03.2016 for supply of materials. The Company decided to allow an adhoc limit of ₹ 5000 lacs for procuring LAM Coke, in May'14 ignoring the several adverse features in the account like huge quantity of unlifted stock procured prior to May 2014, adverse credit information received from State Bank of India, adverse capacity utilization Etc. The Company had received only ₹ 95 lacs during the period June 2014 to March 2016. Further the cheques (PDC) of CSPL given as security were also dishonored by bank and a suit has been filed by the Company under Section 138 of NI Act1881. Due to substantial decrease in price of the material, MSTC's attempt of risk sale in recent past didn't yield any fruitful results and the chances of recovery of the amount is doubtful. After considering the realizable market value of the pledged stock of ₹ 8132 lacs and security deposit of ₹ 10 lacs, in our opinion provision should be made for ₹ 6165 lacs during the year 2015-16.This has resulted in overstatement of profit and understatement of provision for the year 2015-16 by ₹ 6165 lacs.	पार्टियों से बकायों के निपटान हेतु नियमित फालो अप किया गया है। कनकास्ट ग्रुप हेतु एक सीडीआर पैकेज की मंजूरी इस शर्ते के साथ दी गई है कि विलयन के उपरान्त बैंक द्वारा संवितरण की जाएगी। माननीय कलकत्ता उच्च न्यायालय द्वारा 26.11.2015 को विलय की मंजूरी के परिणामस्वरूप कनकास्ट ग्रुप की सात कम्पनियां का कनकास्ट स्टील एवं पावर लि. के साथ पहले ही विलय हो गया है। तथापि, उनके बैंक से निधि का वितरण अभी प्रतिक्षित है। पार्टी द्वारा यह वादा किया गया है कि एक बार निधि के वितरण के प्रारम्भ होने पर थोक में नियमित रूप से भुगतान शुरू किया जाएगा। तथापि, यह लंबित, बहुत छोटी किस्तों में काफी कम क्षमता में प्लांट परिचालन के जरिए निधि के अपने निजी सृष्टि से भुगतान किया जा रहा हैं। विगत 2/3 वर्षों से प्रतिकूल इस्पात बाजार के कारण एक ही रूप के कारोबार में अन्य सभी की तरह पार्टी भी दिक्कतों का सामना कर रही है। यह बहुत हद तक उम्मीद की जा सकती है कि भारत सरकार द्वारा अपनायी गई विविध नीतियों के परिणामस्वरूप इस्पात बाजर में सुधार होगा, जिससे पार्टी से शीघ्रता से वसूली हो सकेगी। उपरोक्त की दृष्टि में यह कहना अपरिपक्वता होगा कि वसूली की उम्मीद दूरस्थ है। प्रतिज्ञित सामग्रियों का वसूलीयोग्य मूल्य 31.03.2016 के अनुसार रु. 14307 लाख के ऋण खाते के विरुद्ध रु. 9944 लाख है। चूंकि सामग्रियां वसूलीयोग्य के विरुद्ध मात्र अनुषांगिक जमानत के रूप में एमएसटीसी के पास प्रतिज्ञित है एवं सामग्रियों के मूल्य में अप्रत्याशित गिरावट के चलते उसके वसूलीयोग्य मूल्य में पर्याप्त कमी आई है, जिससे रु. 4363 लाख के अंतर राशि खाते में असुरक्षित ऋण के रूप में दर्शाया गया है। There has been a regular follow up with the party to clear the dues. A CDR package had been sanctioned for Concast Group with the condition that disbursement by banks would take place only after merger. Consequent upon sanction of merger by the Hon'ble Calcutta High Court on 26.11.2015, seven Companies of the Concast group have already been merged with Concast Steel & Power Ltd. However, disbursement of fund from their banks is still awaited. It had been committed by the party time and again that they would resume payment on a regular basis in bulk once the disbursement of funds start. However, pending this, they are making payment in very small instalments from their own generation of funds through plant operation at a very low capacity. The party is also facing difficulties like all others in the same line of business due to adverse steel market prevailing since last 2/3 years. It is very much expected that with the improvement in the steel market as a result of various policies being adopted by the Govt. of India, there will be faster realization from the party. In view of above, it is premature to say that the chances of recovery are remote. The pledged materials have a realizable value of ₹ 9944 lacs as on 31.03.2106 as against book debts of ₹ 14307 lacs. Since the materials have been pledged to MSTC only as a collateral security against the receivables and there is a substantial reduction in the realizable value of the same due to unexpected deep fall in commodity prices, differential amount of ₹ 4363 lacs has been shown as unsecured debtors in the books.

लेखा परीक्षक की रिपोर्ट पैरा सं. Auditors' Report Para No.	टिप्पणियाँ/अवलोकन योग्य मत Comments/ observations QUALIFIED OPINION	प्रबंधन के उत्तर Management's Replies
v.	वर्ष 2008-09 के दौरान सामग्रियों की आपूर्ति हेतु सेसा इंटरनेशनल लि. (सेसा) से 31.03.2016 में रु. 6056 लाख की व्यापार वसूलीयोग्य राशि से सम्बद्ध खाते की टिप्पणी की टिप्पणी 15(सी) में जैसा कर दिया गया है जिसके बाबत पंचाट प्रक्रिया कम्पनी द्वारा प्रारम्भ की गई है एवं प्रगति पर है। कम्पनी ने माननीय कलकत्ता उच्च न्यायालय में इंडियन ओवरसीज बैंक (आईओबी) के विरुद्ध रु. 3656 लाख की राशि के लिए कम्पनी के खाते में गलत डेबिट करने के हेतु एक मामला दायर किया है। बंदरगाह में पड़ी सम्पूर्ण सामग्री रु. 102 लाख में बिक्री की गई थी जो न्यायालय के आदेश के अनुसार रीसिवर के पास पड़ी है, इस मामले में अंतिम फैसला लंबित है। कम्पनी ने वर्ष 2014-15 के दौरान पहले से किये गये 3000 लाख के प्रावधान के अतिरिक्त इस वर्ष रु. 1000 लाख का आगे प्रावधान किया है। इस तरह 2015-16 के अंत तक कुल किये गये प्रावधान रु. 4000 लाख है। हमे उपरोक्त व्यापार प्राप्त की वसूली में संदेह है एवं हमारे विचार में आगे रु. 2056 लाख के अवशिष्ट राशि का प्रावधान करना चाहिए। इसके परिणामस्वरूप लाभ अधिक एवं वर्ष 2015-16 हेतु 2056 लाख प्रावधान कम दर्ज किया गया है।	एमएसटीसी ने कलकत्ता उच्च न्यायालय में आईओबी के विरुद्ध रु. 3656 लाख दावा कर मामला दर्ज किया है। इसका कारण सामग्रियों की मूल्य एवं कानूनी व्यय गलत रूप में एमएसटीसी के बैंक खाते में डिबिट किया गया है जिसके लिए एलसी समझौता कागजात लंदन न्यायालय द्वारा असंगत पाया गया परन्तु आईओबी समय में कि आपूर्तिकर्ता बैक को उसे वापस नहीं कर पाया है। कागजात के निरीक्षण के दौरान आईओबी कोई भी स्वीकारयोग्य कागजात प्रस्तुत करने में असफल रहा कि वे एमएसटीसी के अनुदेश के अधीन कागजात रोके थे। मामले की सुनवाई शीघ्र ही प्रारम्भ बताने के लिए। एमएसटीसी को उम्मीद है कि फैसला उसके पक्ष में होगा। तथापि, काफी एहतियात बरतने के लिए कुल रु. 4000 लाख अशोध्य एवं संदिग्ध अग्रिम के रूप में खाते में प्रदान किया गया है। यह समझा जा रहा है कि इस स्तर पर आगे किसी प्रावधान की आवश्यकता नहीं है।
v.	As stated in Note No 15 (c) of Notes on Account relating to Trade Receivables amounting to ₹ 6056 lacsas at 31.03.2016 from SESA International Ltd (SESA) for supply of materials during the FY 2008-09 against which arbitration proceedings have been initiated by the Company and are in progress . The Company has also filed a suit in Hon'ble Calcutta High Court against Indian Overseas Bank (IOB) for their wrong debit in the account of the Company for an amount of ₹ 3656 lacs. Stock of entire material lying at port was sold at ₹ 102 lacs which are kept with the receiver as per Court order pending the final judgment on this score. The Company has made a further provision of ₹ 1000l acs this year in addition to the provision of ₹ 3000 lacs already made during the FY 2014-15. Thus total provision made upto the end of 2015-16 is ₹ 4000 lacs. We are doubtful about the recovery of the above trade receivables and in our opinion further provision should be made for the balance amount of ₹ 2056 lacs. This has resulted overstatement of profit and understatement of provision for the year 2015-16 by ₹ 2056 lacs.	MSTC has filed a suit in Calcutta High Court against IOB claiming ₹ 3656 lacs representing the value of the materials and legal expenses wrongly debited to MSTC bank account for which LC negotiating documents were found to be discrepant by the London Court but IOB had defaulted in returning the same to the suppliers' bank on time. During inspection of documents IOB has failed to produce any acceptable document proving that they were holding back the documents under MSTC's instruction. Hearing against the suit is to commence shortly. MSTC is hopeful the judgement will come in its favour. However, as a measure of abundant precaution, a total amount of ₹ 4000 lacs have been provided in the accounts as bad and doubtful advance. It is felt no further provision is necessary at this stage.
vi	31.03.2016 को व्यापार प्राप्त में शामिल रु. 3556 लाख सामग्रियों की आपूर्ति हेतु मेसर्स कनकास्ट बंगाल इंडस्ट्रीज लि. से दो वर्ष	पार्टियों से बकायों के निपटान हेतु नियमित फालो अप किया गया है। कनकास्ट ग्रुप हेतु एक सीडीआर पैकेज की मंजूरी इस शर्ते के साथ दी गई है कि बैंक द्वारा संवितरण विलयन के उपरान्त की जाएगी। माननीय कलकत्ता

लेखा परीक्षक की रिपोर्ट पैरा सं. Auditors' Report Para No.	टिप्पणियाँ/अवलोकन योग्य मत Comments/ observations QUALIFIED OPINION	प्रबंधन के उत्तर Management's Replies
	पूर्व से बकाया है जिसके बाबत मंजूरी की शर्तों के अनुरूप आने वाले समय कोई पुनर्भुगतान नहीं हुआ है। मेसर्स कनकास्ट बंगाल इंडस्ट्रीज लि. रु. 1611 लाख जून 2014 से मार्च 2016 की अवधि के दौरान चुकता किया था जिसमें से रु. 30 लाख वर्ष 2015-16 के दौरान चुकता किया गया। बकाये राशि की वसूली की सम्भावना दूरस्थ है जैसा कि 26.05.2016 को स्टील बिलट्स का ई-ऑक्शन किसी क्रेता को आकर्षित करने में असफल रहा है। रु. 2645 लाख के प्रतिज्ञित स्टॉक के वसूलीयोग्य बाजार मूल्य एवं 10 लाख की जमानत जमा पर विचार करने के उपरान्त हमारे विचार में वर्ष के दौरान रु. 901 लाख का प्रावधान करना चाहिए। **वर्ष 2015-16 के दौरान 901 लाख का प्रावधान कम दर्ज किया गया है एवं लाभ अधिक दर्ज किया गया है।**	उच्च न्यायालय द्वारा 26.11.2015 को विलय की मंजूरी के परिणामस्वरूप कनकास्ट ग्रुप की सात कम्पनियां का कनकास्ट स्टील एवं पावर लि. के साथ पहले ही विलय हो गया है। तथापि, उनके बैंक से निधि का वितरण अभी प्रतिक्षित है। पार्टी द्वारा यह वादा किया गया है कि एक बार निधि के वितरण के प्रारम्भ होने पर थोक में नियमित रूप से भुगतान शुरू किया जाएगा। तथापि, यह लंबित, बहुत छोटी किस्तों में काफी कम क्षमता में प्लांट परिचालन के जरिए अपने निजी सृष्टि से निधि के भुगतान कर रहे हैं। **विगत 2/3 वर्षों से प्रतिकूल इस्पात बाजार के कारण एक ही रूप के कारोबार मे अन्य सभी की तरह पार्टी दिक्कतों का सामना कर रही है।** यह बहुत हद तक उम्मीद की जा सकती है कि भारत सरकार द्वारा अपनायी जा रही विविध नीतियों के परिणामस्वरूप इस्पात बाजार में सुधार होगा, जिससे पार्टी से शीघ्रता से वसूली हो सकेगी। उपरोक्त की दृष्टि में यह कहना अपरिपक्वता होगा कि वसूली की उम्मीद दूरस्थ है। प्रतिज्ञित सामग्रियों का वसूलीयोग्य मूल्य 31.03.2016 के अनुसार रु. 3556 लाख के ऋण खाते के **विरुद्ध** रु. 3117 लाख है। चूंकि सामग्रियां **प्राप्तयोग्य के विरुद्ध** मात्र अनुषांगिक जमानत के रूप में एमएसटीसी के पास प्रतिज्ञित है एवं सामग्रियों के मूल्य में अप्रत्याशित गिरावट के चलते उसके वसूलीयोग्य मूल्य में पर्याप्त कमी आई है, जिससे रु. 439 लाख के अंतर राशि खाते में असुरक्षित ऋण के रूप में दर्शाया गया है।
	Trade Receivables includes ₹ 3556 lacs as at 31.03.2016 due from M/S Concast Bengal Industries Ltd for supply of materials two years back against which no repayment is forthcoming in conformity with the terms of sanction . M/s Concast Bengal Industries Ltd. had paid only ₹ 1611 lacs during the period June 2014 to March 2016 out of which only ₹ 30 lacs has been paid during 2015-16. Prospect of recovery of outstanding dues is remote as bid for e-auction of steel billets on 26.05.2016 has failed to attract any buyer. After considering the realizable market value of the pledged stock of ₹ 2645 lacs and security deposit of ₹ 10 lacs, in our opinion provision should be made for ₹ 901 lacs during the year. This has resulted in overstatement of profit and understatement of provision for the year 2015-16 by ₹ 901 lacs.	There has been a regular follow up with the party to clear the due. A CDR package had been sanctioned for Concast Group with the condition that disbursement by banks would take place only after merger. Consequent upon sanction of merger by the Hon'ble Calcutta High Court on 26.11.2015, seven Companies of the Concast group have already been merged with Concast Steel & Power Ltd. However, disbursement of fund from their banks is still awaited. It had been committed by the party time and again that they would resume payment on a regular basis in bulk once the disbursement of funds start. However, pending this, they are making payment in very small instalments from their own generation of funds through plant operation at a very low capacity. The party is also facing difficulties like all others in the same line of business due to adverse steel market prevailing since last 2/3 years. It is very much expected that with the improvement in the steel market as a result of various policies being adopted by the Govt. of India, there will be faster realization from the party. In view of above, it is premature to say that the chances of recovery is remote and the amount needs to be provided in the books. The pledged materials have a realizable value of ₹ 3117 lacs as on 31.03.2016 as against book debts of ₹ 3556 lacs. Since the materials have been pledged to MSTC only as a collateral security against the receivables and there is a substantial reduction in the realizable value of the same due to unexpected dip in commodity prices, differential amount of ₹ 439 lacs has been shown as unsecured debtors.

लेखा परीक्षक की रिपोर्ट पैरा सं. Auditors' Report Para No.	टिप्पणियाँ/अवलोकन योग्य मत Comments/ observations QUALIFIED OPINION	प्रबंधन के उत्तर Management's Replies
vii.	व्यापार प्राप्य जिसमें सामग्रियों की आपूर्ति हेतु मेसर्स डानकुनी स्टील लि. से रु. 3328 लाख बकाया शामिल है। एलएएम कोक माप 23500 मे टन एवं कोक फिन्स 3634 मे टन के ई-ऑक्शन हेतु सूचना 09.08.2015 को प्रकाशित किया गया था जो किसी भी सम्भावित क्रेता को आकर्षित नहीं किया। मेसर्स डानकुनी ने जून 2014 से मार्च 2016 के दौरान मात्र रु. 250 लाख चुकता किया था। डानकुनी के साथ मार्च, 2014 से कोई व्यापार नहीं था एवं राशि की वसूली की संभावना संदिग्ध है। रु. 1603 लाख के प्रतिज्ञित स्टॉक के वसूलीयोग्य बाजार मूल्य पर विचार करने के उपरान्त हमारे विचार में वर्ष के दौरान रु. 1725 लाख का प्रावधान करना चाहिए। परिणामस्वरूप वर्ष 2015-16 हेतु र. 1725 लाख का प्रावधान कम एवं लाभ अधिक दर्ज किया गया।	पार्टियों से बकायों के निपटान हेतु नियमित फालो अप किया गया है। कनकास्ट ग्रुप हेतु एक सीडीआर पैकेज की मंजूरी इस शर्ते के साथ दी गई है कि बैंक द्वारा संवितरण विलयन के उपरान्त की जाएगी। माननीय कलकत्ता उच्च न्यायालय द्वारा 26.11.2015 को विलय की मंजूरी के परिणामस्वरूप कनकास्ट ग्रुप की सात कम्पनियां का कनकास्ट स्टील एवं पावर लि. के साथ पहले ही विलय हो गया है। तथापि, उनके बैंक से निधि का वितरण अभी प्रतिक्षित है। पार्टी द्वारा यह वादा किया गया है कि एक बार निधि के वितरण के प्रारम्भ होने पर थोक में नियमित रूप से भुगतान शुरू किया जाएगा। तथापि, यह लंबित, बहुत छोटी किस्तों में काफी कम क्षमता में प्लांट परिचालन के जरिए अपने निजी सृष्टि से निधि के भुगतान करेंगे। यह बहुत हद तक उम्मीद की जा सकती है कि भारत सरकार द्वारा अपनायी जा रही विविध नीतियों के परिणामस्वरूप इस्पात बाजार में सुधार होगा, जिससे पार्टी से शीघ्रता से वसूली हो सकेगी। उपरोक्त की दृष्टि में यह कहना अपरिपक्वता होगा कि वसूली की उम्मीद दूरस्थ है। प्रतिज्ञित सामग्रियों का वसूलीयोग्य मूल्य 31.03.2016 के अनुसार रु. 3328 लाख के ऋण खाते के विरूद्ध रु. 2004 लाख है। चूंकि सामग्रियां एमएसटीसी के पास मात्र प्राप्य के बाबत अनुषांगिक जमानत के रूप में प्रतिज्ञित है एवं सामग्रियों के मूल्य में अप्रत्याशित गिरावट के चलते उसके वसूलीयोग्य मूल्य में पर्याप्त कमी आई है, जिससे रु. 1324 लाख के अंतर राशि खाते में असुरक्षित ऋण के रूप में दर्शाया गया है।
	Trade Receivables includes ₹ 3328lacsdue from M/S Dankuni Steel Ltd for supply of materials. Notice for e-auction of LAM Coke measuring 23500.00MT and Coke fines to the tune of 3634.00MT was published on 09.08.2015 which didn't attract any prospective buyer. M/s. Dankuni had paid only ₹ 250 lacsduring June 2014 to March 2016. There was no business with Dankuni since June 2014 and chances of recovery of the amount is doubtful. After considering the realizable market value of the pledged stock of ₹ 1603 lacs, in our opinion provision should be made for ₹ 1725 lacs during the year. This has resulted in overstatement of profit and understatement of provision for the year 2015-16 by ₹ 1725 lacs.	There has been a regular follow up with the party to clear the dues. A CDR package had been sanctioned for Concast Group with the condition that disbursement by banks would take place only after merger. Consequent upon sanction of merger by the Hon'ble Calcutta High Court on 26.11.2015, seven Companies of the Concast group have already been merged with Concast Steel & Power Ltd. However, disbursement of fund from their banks is still awaited. It had been committed by the party time and again that they would resume payment on a regular basis in bulk once the disbursement of funds start. However, pending this, they are making payment in very small instalments from their own generation of funds through plant operation at a very low capacity. The party is also facing difficulties like all others in the same line of business due to adverse steel market prevailing since last 2/3 years. It is very much expected that with the improvement in the steel market as a result of various policies being adopted by the Govt. of India, there will be faster realization from the party. In view of above, it is premature to say that the chances of recovery is remote and the amount needs to be provided in the books. The pledged materials have a realizable value of ₹ 2004 lacs as on 31.03.2016 rates as against book debts of ₹ 3328 lacs. Since the materials have been pledged to MSTC only as collateral security against the receivables and there is a substantial reduction in the realizable value of the same due to unexpected deep fall in commodity prices, differential amount of ₹ 1324 lacs has been shown as unsecured debtors.

लेखा परीक्षक की रिपोर्ट पैरा सं. Auditors' Report Para No.	टिप्पणियाँ/अवलोकन योग्य मत Comments/ observations QUALIFIED OPINION	प्रबंधन के उत्तर Management's Replies
viii.	व्यापार प्राप्त जिसमें मई 2013 के पहले सामग्रियों के आपूर्ति हेतु मेसर्स कोस्ट स्टील एंड स्टील पावर लि. से रु. 3959 लाख बकाया शामिल है। इस तरह खरीदी गई सामग्रियों की अवधि 3 वर्षों से अधिक पुराना है जिससे निश्चित रूप से समय के गुजरने से उसके गुणवत्ता में नुकसान हुआ। पार्टी ने पंचाट के आदेश को मानने में असफल हुआ है। रु. 600 लाख कुल राशि मार्च, 16 तक चुकता करना था, वे मात्र रु. 390 लाख मई, 2016 तक चुका किये। अप्रैल एवं मई, 16 के दौरान चुकता की जाने वाली रु. 150 लाख में से कुछ भी चुकता नहीं किया गया। आवश्यक निष्पादन याचिका 04.04.2016 को दायर किया गया है एवं पार्टी को सूचना जारी किया है। पहली सुनवाई की सम्भावित तारीख 15.06.2016 है। इस तरह ऋणी दबावाली सम्पत्ति हो गये हैं एवं राशि के वसूली की उम्मीद दूरस्थ है। रु. 1750 लाख के प्रतिज्ञित स्टॉक के वसूलीयोग्य बाजार मूल्य एवं रु. 10 लाख के जमानत जमा पर विचार करने के उपरान्त हमारे विचार में वर्ष 2015-16 के दौरान रु. 2199 लाख का प्रावधान करना चाहिए। परिणास्वरूप वर्ष 2015-16 हेतु रु. 2199 लाख का प्रावधान कम एवं लाभ अधिक दर्ज किया गया है। Trade Receivables includes ₹ 3959 lacs due from M/S Crest Steel & Power Ltd for supply of materials prior to May, 2013. Thus age of procured materials are old over 3 years which obviously lost its quality with the passing of time. Party has failed to honor the award of Arbitration. Out of a total sum of ₹ 600 lacs to be paid upto March'16, they have paid only ₹ 390 lacs upto May 2016. Out of ₹ 150 lacs to be paid during April and May'16, nothing has been paid. Necessary execution petition has been filed on 04.04.2016 and notice has been issued to the Party. Tentative Date of first hearing is 15.06.2016. Thus, the Debtors has become Stressed Assets and the chances of recovery of the amount is remote. After considering the realizable market value of the pledged stock of ₹ 1750 lacs,and security deposit of ₹ 10 lacs, in our opinion provision should be made for ₹ 2199 lacs during the year 2015-16. This has resulted in overstatement of profit and understatement of provision for the year 2015-16 by ₹ 2199 lacs.	एमएसटीसी ने पार्टी के विरुद्ध पंचाट में आह्वान किया था जिसके तहत सभी बकाये राशि के चुकता करने के लिए एक निपटान समझौता हस्ताक्षरित किया गया था जो विद्वान पंचाट के समक्ष दायर किया था। चूंकि पार्टी निपटान आदेश के अनुसार चुकता नहीं कर रही है एवं 31.03.2016 तक रु. 372 लाख की छोटी राशि का भुगतान किया है। एक निष्पादन याचिक दवाव डालने के लिए दायर की गई है। 31.03.2016 के उपरान्त वे जुलाई, 2016 तक रु. 63 लाख की कुल राशि का भुगतान कर दिया है। यह उम्मीद की जाती है कि इस्पात बाजार में सुधार के साथ वे घाटा को पूरा करने की स्थिति में आ जाएंगे। प्रतिज्ञित सामग्रियों का 31.3.2016 को रु. 3959 लाख की बकाया के बाबत रु. 2344 लाख का वसूलीयोग्य मूल्य है। चूंकि सामग्रियां एमएसटीसी के पास मात्र प्राप्य के विरूद्ध अनुषांगिक जमानत के रूप में प्रतिज्ञित है एवं सामग्रियों के मूल्य में अप्रत्याशित गिरावट के चलते उसके वसूलीयोग्य मूल्य में पर्याप्त कमी आई है, जिससे रु. 1615 लाख के अंतर राशि खाते में असुरक्षित ऋण के रूप में दर्शाया गया है। MSTC had invoked Arbitration against the party pursuant to which a settlement agreement was signed to clear all the outstanding dues which was filed before the learned Arbitrator. Since the party is not making payment as per settlement order and has paid a meager amount of ₹ 372 lacs till 31.03.2016, an execution petition has been filed to put pressure. After 31.03.2016 they have paid a total amount of ₹ 63 lacs till July, 2016. It is expected with the improvement in the steel market they will be in a position to make up the shortfall. The pledged materials have a realizable value of ₹ 2344 lacs against the outstanding of ₹ 3959 lacs as on 31.3.2016. Since the materials have been pledged to MSTC only as collateral security against the receivables and there is a substantial reduction in the realizable value of the same due to unexpected deep fall in commodity prices, differential amount of ₹ 1615 lacs has been shown as unsecured debtors.
ix.	व्यापार प्राप्त जिसमें दिसंबर 14 तक सामग्रियों की खरीद एवं आपूर्ति हेतु मेसर्स ग्लोबाल कोक लि. से रु. 3039 लाख बकाया शामिल है।	पार्टी से बकाए को चुकाने के लिए दृढ़तापूर्वक फालो अप किये जा रहे हैं। ध्यान दे सकते हैं कि जीसीएल वित्तीय वर्ष 2014-15 तक नियमित आधार

लेखा परीक्षक की रिपोर्ट पैरा सं. Auditors' Report Para No.	टिप्पणियाँ/अवलोकन योग्य मत Comments/ observations QUALIFIED OPINION	प्रबंधन के उत्तर Management's Replies
	वसूलीयोग्य सामग्रियों का वर्तमान मूल्य रु. 1279 लाख है। इस बीच जीसीएल को बीआईएफआर में भेजा गया है। बीआईएफआर कम्पनी के सामग्री बेचने के लिए कम्पनी को अनुमति लेना है जो आसान प्रक्रिया नहीं है। अतः कम्पनी कम से कम बकाया की वसूली हेतु सामग्री की बिक्री नहीं कर सकती है एवं कम्पनी को बीआईएफआर के परिणाम के आने तक इंतजार करना होगा। अतः रु. 1279 लाख के प्रतिज्ञित स्टॉक का बाजार मूल्य एवं 10 लाख की जमानत जमा पर विचार करने के उपरान्त कम्पनी के नुकसान का आकलन रु. 1750 लाख के रूप में किया गया जिसके लिए उनके लेखा खातों में आवश्यक प्रावधान किया जाना है। उसके गैर प्रावधान के परिणामस्वरूप लाभ अधिक दर्ज किया गया है एवं रु. 1750 लाख का प्रावधान कम दर्ज किया गया है।	पर भुगतान किया है एवं वे केवल वित्तीय वर्ष 2014-15 में रु. 2397 लाख भुगतान किये हैं। परन्तु वित्तीय वर्ष 2015-16 के प्रारम्भ से सस्ते कोक के आयात होने से, उनका परिचालन प्रभावित हो रहा, इससे कोक बाजार अधिक प्रतिकूल होने के कारण भुगतान की दर काफी धीमी है। जब से जीसीएल को बीआईएफआर में भेजा गया, एमएसटीसी के पास अपने बकाये की वसूली हेतु पंचाट में आह्वान करने के अलावा अन्य कोई विकल्प नहीं था। दावा के विवरण दायर कर दिया गया है। जीसीएल ने विद्वान पंचाट के समक्ष जब प्रस्तुत किया कि वे निपाटन की सहमति की शर्तें शीघ्र ही प्रस्तुत करेंगे। अत; यह भी कहना जल्दबाजी होगी कि वसूली की संभावन दूरस्थ है। आगे, प्रतिज्ञित सामग्री का वसूलीयोग्य मूल्य 31.03.2016 को रु. 3039 लाख की बकाये के विरूद्ध रु. 2568 लाख है। चूंकि सामग्रियां एमएसटीसी के पास मात्र प्राप्य के बाबत अनुषांगिक जमानत के रूप में प्रतिज्ञित है एवं सामग्रियों के मूल्य में अप्रत्याशित गिरावट के चलते उसके वसूलीयोग्य मूल्य में पर्याप्त कमी आई है, जिससे रु. 471 लाख के अंतर राशि खाते में असुरक्षित ऋण के रूप में दर्शाया गया है।
	Trade Receivables includes ₹ 3039 lacs due from M/S Global Coke Ltd for procuring and supply of materials to the party upto Decemeber'14. The present value of realizable materials are ₹ 1279 lacs. In the meantime, GCL has been referred to BIFR, and for disposing of material belongs to a BIFR Company, the Company has to take permission from BIFR which is not an easy process. Therefore, the Company can't sell the material to recover at least a part of its dues and had to wait till the outcome of BIFR is known to the Company. Hence, considering the realizable market value of pledged stock of ₹ 1279 lacs and security deposit of ₹ 10 lacs, the loss of the Company is assessed as ₹ 1750 lacs for which necessary provision is to be make in their books of account. Non-provision of the same has resulted in overstatement of profit and understatement of provision for ₹ 1750 lacs.	There has been a vigorous follow up with the party for clearing the dues. It may be noted that GCL has paid on regular basis till FY 2014-15 and they have paid ₹ 2397 lacs in FY 2014-15 alone. But from the beginning of FY 2015-16 there has been very slow rate of payment due to very adverse coke market on account of cheaper import of coke affecting their operations. GCL had since been referred to BIFR. MSTC had no other alternative but to invoke arbitration for recovery of its outstanding dues. Statement of claim has been filed. GCL has submitted before the Hon'ble Arbitrator that they would like to submit a consent terms of settlement shortly. Hence it is too early to say that the chances of recovery is remote. Further, the pledged materials have a realizable value of ₹ 2568 lacs as on 31.03.2016 against the outstanding of ₹ 3039 lacs. Since the materials have been pledged to MSTC only as collateral security and the realizable value of the same has reduced substantially as a result of general slump in commodity prices, the differential amount of ₹ 471 lacs has been shown as unsecured debtors.
x.	व्यापार प्राप्य से सम्बद्ध लेखा पर टिप्पणी के टिप्पणी सं. 15(ई) में कहे गये अनुसार 31.03.2016 में रु. 24083 लाख मेसर्स एसपीएस स्टील रोलिंग मिल्स लि. से अक्टूबर, 2012 तक पार्टी को सामग्रियों की खरीद करने एवं आपूर्ति हेतु लगभग साढ़े तीन वर्ष पूर्व का है। इस तरह समय के गुजरने से गुणवत्ता में कमी आई है एवं वांछित मूल्य पर भरोसा नहीं किया जा सकता है। एक इकरारनामा में एमएसटीसी मई 2016 से आगे तीन खेप में प्रचलित बाजार दर में सामग्रियों को निर्धारित एवं मुक्त करने हेतु सहमत हुई थी, सामग्रियों के 3 बार उठाए जाने में से 2 बार एसपीएस को बजार मूल्य के साथ 20 प्रतिशत (एमएस बिलेट), 25 प्रतिशत (स्पंज लौह) एवं 30 प्रतिशत (लौह अयस्क/पीलेट्स)	लेखा परीक्षक ने बकाया एवं बाजार मूल्य के बीच अंतर की गणना आकलन के साथ किया है जो बाजार मूल्य वर्तमान स्तर में पूरी अवधि में स्थिर रहेगा. परन्तु भारत सरकार द्वारा टैरिफ एवं गैर-टैरिफ मानकों एवं नीतियों अंतर के अपनाने के साथ बाजार मूल्य का झुकाव इस्पात बाजार के सुधार के साथ ऊपर की ओर है। इस घटना से रु. 3141 लाख के अंतर में महत्वपूर्ण कमी आएगी। लेखा परीक्षक कृपया ध्यान दें कि व्यवस्था बोर्ड के अनुमोदन से विवेचना के उपरान्त एमएसटीसी को भुगतान करने के लिए पार्टी को मात्र प्रोत्साहिक करने के लिए किया गया एवं कम मूल्य में बाजार से सामग्रियों के क्रय करने के स्थान पर स्टॉक से उठाया गया। आगे, एसपीएस के साथ निपटान के शर्तों में शामिल होने से पूर्व एमएसटीसी ने विख्यात वकीलों से कानूनी विचार प्राप्त किया था जिसमें उल्लिखित है

लेखा परीक्षक की रिपोर्ट पैरा सं. Auditors' Report Para No.	टिप्पणियाँ/अवलोकन योग्य मत Comments/ observations QUALIFIED OPINION	प्रबंधन के उत्तर Management's Replies
	लोडिंग के आधार पर एवं एक बार पंचाट आदेशानुसार (08.05.2016) अंकित मूल्य के आधार पर जारी किया गया। इस इकरारनामा के अनुसार एमएसटीसी रु. 24083 लाख के अग्रिम बकाया के विरूद्ध रु. 20942 लाख वसूली करने में सक्षम होगा। एमएसटीसी पार्टी के साथ आज की तारीख तक रु. 3141 लाख की अवशिष्ट राशि वसूली हेतु किसी इकरारनामा में शामिल नही हुई है। उपरोक्त इकरारनामा के अनुसार जहाँ तक संभव है कोई लिफ्टिंग नहीं की गई। अतः इस इकरारनामा में से आशान्वित हानि रु. 3131 लाख है, रु. 10 लाख का शुद्ध वर्तमान जमानत जमा, जो वित्तीय वर्ष 2015-16 हेतु कम्पनी के वार्षिक खातों में प्रदान नहीं किया गया है। इसके परिणास्वरूप रु. 3131 लाख का प्रावधान कम एवं लाभ अधिक दर्ज किया गया है।	कि 'यदि सामग्रियों कम लागत उठाने की अनुमति दी जाती है तो एमएसटीसी को निष्पादन में अवशिष्ट दावे की वसूली का अधिकार बना रहेगा... ' उपरोक्त की दृष्टि में इस स्तर में कोई प्रावधान करने की कोई आवश्यकता नहीं है। तथापि, रु. 3131 लाख की अंतर राशि खाते में असुरक्षित बकाये के रूप में दर्शाया गया है।
	As stated in Note No 15 (e) of Notes on Account relating to Trade Receivables amounting to ₹ 24083 lacs as at 31.03.2016 from M/S SPS Steel Rolling Mills Ltd for procuring and supply of materials to the party upto October, 2012, almost three and half years ago. Thus with the passage of time, quality has been deteriorated and it can't fetch the desirable price. In an agreement MSTC agreed to fix and release material at the prevailing market rate in three tranches from May 2016 onwards, out of 3 time lifting, 2 time lifting of material will be issued to the SPS at market price plus 20 percent (MS Billet), 25 percent (Sponge Iron) and 30 percent (Iron Ore/ Pellets) thereon as loading and one time on the basis of book value as per Award of Arbitration (08.05.2016). As per this arrangement, MSTC will be able to recover ₹ 20942 lacs as against their outstanding advance of ₹ 24083 lacs. No agreement was entered into by MSTC with the party to recover the balance amount of ₹ 3141 lacs till date. No lifting has been made so far in accordance with the said agreement. Hence the anticipated loss out of this agreement is ₹ 3131 lacs, net of existing Security Deposit of Rs 10 lacs, which has not been provided in the annual accounts of the Company for the FY 2015-16. This has resulted in overstatement of profit and understatement of provision for ₹ 3131 lacs.	Audit has calculated difference between outstanding and market price with the assumption that market price will remain static at current level throughout the tenure. But with the adoption of different tariff and non-tariff measures and policies by the Govt. of India, market price is showing upward trend with improvement of steel market. In that event, the difference of ₹ 3141 lacs will reduce significantly. Audit may please note that the arrangement has been made with approval of the Board after due deliberation only to encourage the party to pay to MSTC and lift from the stock instead of buying the material from the market at a lower price. Further, before entering into the terms of settlement with SPS, MSTC has obtained legal opinion from a reputed Advocate in which it is inter alia mentioned that ".....even if the materials are allowed to lift at lesser cost, MSTC would retain rights to recover the balance claims in execution....". In view of above, there is no need for making any provision at this stage. However, the differential amount of ₹ 3131 lacs has been shown as unsecured debtors in the books.
xi.	व्यापार प्राप्य जिसमें अक्टूबर, 2012 तक सामग्रियों की खरीद एवं आपूर्ति हेतु मेसर्स मर्मागोआ स्टील लि. से रु. 1917 लाख बकाया शामिल है। कम्पनी पार्टी की	प्रतिज्ञित सामग्रियों का वसूली योग्य मूल्य रु. 873 लाख है जबकि बकाया रु. 1918 लाख है। रु. 1045 लाख के अंतर राशि के बाबत रु. 1424 लाख हेतु खाते में पहले से प्रावधान किया गया है। अत; इस स्तर पर आगे किसी

लेखा परीक्षक की रिपोर्ट पैरा सं. Auditors' Report Para No.	टिप्पणियाँ/अवलोकन योग्य मत Comments/ observations QUALIFIED OPINION	प्रबंधन के उत्तर Management's Replies
	डगमगाती हुई वित्तीय स्थित से अच्छी तरह वाकिफ थी फिर भी कम्पनी ऐसे समय में वित्तीय सहायता की अनुमति दी जब कि पूर्व कन्साइनमेंट की सामग्री उठाई नहीं गई थी। बीआईएफआर में भेजी गयी कम्पनी से बकाये की वसूली की उम्मीद दूरस्थ प्रतीत होता है। वसूली के पक्ष पर विचार करने पर कम्पनी को आगे रु. 483 लाख प्रावधान करना चाहिए, वर्तमान रु. 1424 लाख के प्रावधान के अतिरिक्त ताकि पार्टी के सम्पूर्ण बकाया एवं रु. 10 लाख का शुद्ध जमानत जमा अच्छादित हो सके। इस गैर प्रावधान के फलस्वरूप लाभ अधिक दर्ज किया गया है एवं रु. 483 लाख प्रावधान कम दर्ज किया गया है।	प्रावधान की आवश्यकता नहीं है।
	Trade Receivables includes ₹ 1917 lacs due from M/S Marmagoa Steel Ltd for procuring and supply of materials to the party upto October, 2012. The Company was well aware of the dwindling financial condition of the party yet it allowed financial exposure to the party even at a time when the commodities of earlier consignments were not lifted. Therefore the chance of recovery of dues from BIFR referred Company seem remote. Considering the aspect of recovery the Company should have made a further provision ₹ 483 lacs, in addition to existing provision of ₹ 1424 lacs, covering the entire dues of the party, net of Security Deposit of ₹ 10 lacs. This non-provisioning has resulted in overstatement of profit and understatement of provision for ₹ 483 lacs.	The pledged materials have a realizable value of ₹ 873 lacs against the outstanding of ₹ 1918 lacs. Against the differential amount of ₹ 1045 lacs, provision has already been made in books for ₹ 1424 lacs. Hence no further provision is considered necessary at this stage.
xii.	व्यापार प्राप्य जिसमें रु. 2637 लाख बकाया मेसर्स रोहित फेरो-टेक लि. से जयपुर यूनिट के लिए मार्च 2016 तक पार्टी को सामग्रियों की खरीद एवं आपूर्ति हेतु शामिल है। इसके दोनों इकाई विष्णुपुर एवं हल्दिया बंद हैं। मार्च 16 के दौरान कोई मात्रिक आकलन फैक्टरी के क्लोजर के कारण नहीं किया जा सका है। उपयुक्त अंकेक्षण साक्ष्य की अनुपस्थिति में हम प्रतिज्ञित स्टॉक के वसूलीयोग्य बाजार मूल्य को सुनिश्चित करने में असमर्थ हैं। हमें बकाया राशि की वसूली में संदेश है। 69 लाख की जमानत जमा पर विचार करने के उपरान्त हमारे विचार में वर्ष 2015-16 के दौरान रु. 2568 लाख का प्रावधान करना चाहिए जो वर्ष 2015-16 के लेखे खाते में नहीं दर्शाया गया है। गैर प्रावधान के फलस्वरूप लाभ अधिक दर्ज किया गया है एवं वर्ष 2015-16 हेतु रु. 2568 लाख का प्रावधान कम दर्ज किया गया है।	प्रतिज्ञित सामग्रियों का वसूलीयोग्य मूल्य रु. 2263 लाख है जबकि बकाया रु. 2637 लाख है परन्तु लेखा परीक्षा में इस पर ध्यान नहीं दिया गया। यह स्पष्ट नहीं है कि लेखा परीक्षा में उपुयक्त लेखा साक्ष्य के अनुपस्थिति में प्रावधान करने के लिए कैसे कहा गया है। 31.03.2016 को सामग्रियों का मूल्य मात्र 1388 लाख विष्णुपुर प्लांट में पड़ी थी एवं अवशिष्ट सामग्री की कीमत रु. 1249 लाख बंदरगाह में पड़ी थी। हल्दिया एवं जयपुर इकाई में कोई सामग्री पड़ी हुई नहीं थी। यद्यपि सामग्रियां 2 वर्षों से कम समय से पड़ी हुई है। बकाया का अंतर राशि 31.03.2016 को बाजार मूल्य के ऊपर 374 लाख असुरक्षित बकाया के रूप में बगैर उसके किसी प्रावधान के दर्शाया गया है। यह ध्यान देना चाहिए कि पार्टी ने भुगतान किया है एवं वित्तीय वर्ष 2016-17 में अगस्त, 2016 तक रु. 1025 लाख की सामग्रियों को उठाया गया है।
	Trade Receivables includes ₹ 2637 lacs due from M/S Rohit Ferro-Tech Ltd for procuring and supply of materials to the party upto March 2016 for Jajpur unit. Both its Bishnupur and Haldia units are closed. No volumetric assessment	The pledged materials have a realizable value of ₹ 2263 lacs against the outstanding of ₹ 2637 lacs but the same has been ignored by Audit. **It is not clear how the Audit has asked for provisioning in the absence of appropriate audit evidence.**

लेखा परीक्षक की रिपोर्ट पैरा सं. Auditors' Report Para No.	टिप्पणियाँ/अवलोकन योग्य मत Comments/ observations QUALIFIED OPINION	प्रबंधन के उत्तर Management's Replies
	could have been undertaken during March '16 owing to closure of the factory.In absence of appropriate audit evidence we are unable to ascertain the realizable market value of the pledged stock. We are doubtful of the recovery of the outstanding amount. After considering security deposit of ₹ 69 lacs, in our opinion provision should be made for ₹ 2568 lacs during the year 2015-16, which has not provided by the company in its books of accounts for the year 2015-16..This non-provisioning has resulted in overstatement of profit and understatement of provision for the year 2015-16 by ₹ 2568 lacs.	As as on 31.03.2016 materials valuing only ₹ 1388 lacs were lying at Bishnupur Plant and balance materials valuing ₹ 1249 lacs were lying at ports. No material was lying at Haldia and Jajpur units. Although the materials are less than 2 years old, the differential amount of the outstanding over market value as on 31.03.2016 amounting to ₹ 374 lacs has been shown as unsecured debtors without making any provision for the same. It may be noted that the party has paid and lifted materials materials worth ₹ 1025 lacs in FY 2016-17 till August, 2016.
xiii.	व्यापार प्राप्य जिसमें मेसर्स टॉपवर्थ पाइप्स एवं ट्यूब्स लि. से ई-ऑक्शन की बिक्री प्रक्रिया समायोजन के उपरान्त परन्तु अवशिष्ट बकाया पर ब्याज के साथ सामग्रियों की खरीद करने एवं आपूर्ति हेतु रु. 589 लाख बकाया शामिल है। टॉपवर्थ पाइप्स एवं ट्यूब्स लि. की सम्पूर्ण सामग्री कम्पनी द्वारा ई-ऑक्शन के जरिए निपटान कर दिया गया है एवं वास्तव में कोई स्टॉक नहीं है। इस तरह पार्टी का वर्तमान खाता में बकाया रु. 579 लाख है जो रु. 10 लाख के जमानत जमा के समायोजन के उपरान्त पूर्णतया असुरक्षित है एवं वर्ष 2015-16 के दौरान उसके लिए कोई प्रावधान नहीं किया गया है। इस गैर प्रावधान के फलस्वरूप वर्ष 2015-16 हेतु रु. 579 लाख तक प्रावधान कम एव लाभ अधिक दर्ज किया गया है।	पार्टी ने अगस्त, 2016 तक रु. 122 लाख की राशि पहले ही भुगतान कर दिया है एवं बम्बे उच्च न्यायालय के समक्ष जनवरी, 2017 तक सम्पूर्ण बकाय को चुकता करने हेतु भुगतान अनुसूची दाखिल किया है जिसे आदेश दि. 14.07.16 के तहत न्यायालय द्वारा स्वीकार किया गया है। यह उम्मीद की जाती है कि वर्ष 2016-17 के दौरान सम्पूर्ण बकाया परिशोध हो जाएगा एवं इस स्तर में किसी प्रवाधान पर विचार करने की आवश्यकता नहीं है। तथापि रु. 579 लाख (जमानत जमा का शुद्ध बकाया) असुरक्षित बकाया के रूप में दर्शाया गया है।
	Trade Receivables includes ₹ 589 lacs due from M/S Topworth Pipes & Tubes Ltd for procuring and supply of materials after adjusting the sale proceeds of e-auction but including interest on outstanding balance. The Entire material of Topworth Pipes & Tubes Ltd. has been disposed off through e-auction by the Company and virtually there is no stock. Thus the present book dues of the party amounting ₹ 579 lacs, after adjustment of Security Deposit of ₹ 10 lacsis fully unsecured and no provision has been made for the same during the year 2015-16. This non-provisioning has resulted in overstatement of profit and understatement of provision for 2015-16 by ₹ 579 lacs.	Party has already paid an amount of ₹ 122 lacs till August, 2016 and submitted a payment schedule before Bombay High Court to clear the entire outstanding by Jan 2017 which has been accepted by the Court vide order dated 14.07.16 It is expected the entire dues will be cleared during 2016-17 and hence no provision is considered necessary at this stage. However ₹ 579 lacs (outstanding net of security deposit) has been shown as unsecured debtors.
xiv.	व्यापार प्राप्य जिसमें मेसर्स टॉपवर्थ स्टील्स एवं पावर्स लि. से फरवरी, 2014 तक सामग्रियों की खरीद एवं आपूर्ति हेतु रु. 10876 लाख बकाया शामिल है। 31.03.2016 को किये गये मात्रिक आकलन के अनुसार प्रोक्योर्ड सामग्री की मात्र में कमी था जिसके लिए पार्टी को ठीक करने के लिए कहा गया था, जिसे अब तक पूरा नहीं किया गया है। रु. 4255 लाख के प्रतिज्ञित स्टॉक के वसूलीयोग्य बाजार मूल्य एवं रु. 10 लाख के जमानत जमा पर विचार करने के उपरान्त	पार्टी ने एमएसटीसी द्वारा दायर वाइंडिंग अप याचिका के विरुद्ध मुम्बई उच्च न्यायालय के संशोधित आदेश दिनांक 29.03.2016 के अनुसार आज की तारीख तक भुगतान किया है। विगत मात्रिक आकलन के दौरान पाये गये रु. 416 लाख के कुल कमी में से रु. 267 लाख की राशि पार्टी से प्राप्त भुगतान के बाबत पहले ही समायोजित कर दिया गया है। प्रतिज्ञित सामग्री का वसूलीयोग्य मूल्य 5173 लाख है जबकि बकाया रु. 10876 लाख है। परन्तु सामग्री प्राप्त भुगतान के बाबत मात्र अंकित

लेखा परीक्षक की रिपोर्ट पैरा सं. Auditors' Report Para No.	टिप्पणियाँ/अवलोकन योग्य मत Comments/ observations QUALIFIED OPINION	प्रबंधन के उत्तर Management's Replies
	हमारे विचार में वर्ष के दौरान रु. 6611 लाख का प्रावधान करना चाहिए। इसके फलस्वरूप वर्ष 2015-16 हेतु रु. 6611 लाख का प्रावधान कम एवं लाभ अधिक दर्ज किया गया है।	मूल्य में जारी की जा रही है एवं 31.03.2016 के अनुसार सामग्रियों के वसूलीयोग्य मूल्य में कमी हेतु किसी प्रावधान के करने की आवश्यकता नहीं है। तथापि, चूंकि सामग्रियां बकाया के बाबत मात्र संपार्श्विक जमानत के रूप में प्रतिज्ञित की गई है एवं सामाग्री मूल्य में काफी गिरावट के फलस्वरूप 31.03.2016 के अनुसार जमानत के वसूलीयोग्य मूल्य में महत्वपूर्ण कमी आयी है अंतर राशि 5703 लाख असुरक्षित देनदार के रूप में दर्शाया गया है।
	Trade Receivables includes ₹ 10876 lacs due from M/S Topworth Steels & Powers Ltd for procuring and supply of materials upto February 2014. There was a shortage in quantum of procured materials as per volumetric assessment carried out w.r.t position as at 31.03.2016 for which the party was asked to make good the same which has not been carried out as yet. After considering the realizable market value of the pledged stock of ₹ 4255 lacs, and security deposit of ₹ 10 lacs, in our opinion provision should be made for ₹ 6611 lacs during the year. This has resulted in overstatement of profit and understatement of provision for 2015-16 by ₹ 6611 lacs.	The party has been paying till date as per the revised order dated 29.03.2016 of the Mumbai High Court against the winding up petition filed by MSTC. Out of the total shortage of ₹ 416 lacs detected during last volumetric assessment, an amount of ₹ 267 lacs has already been adjusted against the payments received from the party. The pledged materials have a realizable value of ₹ 5173 lacs against the outstanding of ₹ 10876 lacs. But the materials are being issued at the book price only against the payments received and hence there is no need to make any provision for the shortfall in realizable value of the materials as on 31.03.2016. However, since the materials have been pledged only as collateral security against the outstanding and there is a significant reduction in realizable value of the security as on 31.03.2016 as a result of huge dip in commodity prices, the differential amount of ₹ 5703 lacs has been shown as unsecured debtors.
xv.	व्यापार प्राप्य जिसमें मेसर्स जय बालाजी इंडस्ट्रीज लि. से जुलाई 2013 तक सामग्रियों की खरीद एवं आपूर्ति हेतु रु. 12193 लाख बकाया शामिल है। इस तरह सम्पूर्ण स्टॉक की उम्र 3 वर्ष से अधिक पुराना है एवं गुणवत्ता निश्चित रूप से वर्तमान बकाया को अच्छादित करने हेतु वांछित राशि में कमी आयी है फलस्वरूप बकाये की वसूली की सम्भावना दूरस्थ है। विगत वर्ष भी हमने ऐसे नुकसान के बाबत रु. 6273 लाख के प्रावधान करने की सलाह दी थी जिसका कम्पनी द्वारा अनुपालन नहीं किया गया एवं उक्त का लेखा योग्यता के रूप में हमारे द्वारा विचार किया गया है। इस वर्ष भी रु. 362 लाख पार्टी द्वारा पुनर्भुगतान किया गया है। न्यायालय में वादा करने के बावजूद भुगतान में बार-बार नहीं होने के कारण वसूली की सम्भावना संदिग्ध है। रु. 3922 लाख की प्रतिज्ञित स्टॉक के वसूलीयोग्य बाजार मूल्य विचार करने के उपरान्त हमारे विचार में वर्ष के दौरान रु. 8271 लाख का प्रावधान करना चाहिए। इसके परिणास्वरूप वर्ष 2015-16 हेतु रु. 8271 लाख कम प्रावधान एवं लाभ अधिक दर्ज किया गया है।	प्रतिज्ञित सामग्री का वसूलीयोग्य मूल्य रु. 5229 लाख है जबिक बकाया रु.12193 लाख है। सामग्रियां एमएसटीसी को बकाये के बाबत तदर्थ जमानत के रूप में प्रतिज्ञित है। चूंकि सामग्री मूल्य में काफी गिरावट के फलस्वरूप जमानत के वसूलीयोग्य मूल्य में महत्वपूर्ण कमी आई है, अंतर राशि रु. 6964 लाख खाते में असुरक्षित देनदार के रूप में दर्शाया गया है। गिरावट स्थायी नहीं है एवं बाजार का रुझान ऊपर की ओर है। अत; गिरावट के लिए प्रावधान करना आवश्यक नहीं है।
	Trade Receivables includes ₹ 12193 lacs due from M/S Jai Balaji Industries Ltd. for procuring and supply of materials upto July 2013. Thus the age of entire stock is old over 3 years and	The pledged materials have a realizable value of ₹ 5229 lacs against the outstanding of ₹ 12193 lacs. The materials have been pledged to MSTC has collateral security against the outstanding. Since there is a significant fall in the realiz-

लेखा परीक्षक की रिपोर्ट पैरा सं. Auditors' Report Para No.	टिप्पणियाँ/अवलोकन योग्य मत Comments/ observations QUALIFIED OPINION	प्रबंधन के उत्तर Management's Replies
	quality has been certainly degraded to fetch the desired amount to cover the present outstanding resulting remote possibility of recovery of dues. Previous year also we suggested for making a provision of ₹ 6273 lacsagainst such loss which was not adhered to by the Company and same was considered by us as audit qualification. This year too only ₹ 362 lacs has been repaid by the party. Due to such recurring defaults in payment despite commitment in court, the chances of recovery is doubtful. After considering the realizable market value of the pledged stock amounting to ₹ 3922 lacs,in our opinion provision should be made for ₹ 8271 lacs during the year.This has resulted in overstatement of profit and understatement of provision for 2015-16 ₹ 8271 lacs.	able value of the security as a result of huge dip in commodity prices, the differential amount has been amount of ₹ 6964 lacs has been shown as unsecured debtors in the books. The shortfall is not permanent and there is already an upward trend in market price. Therefore, no provisioning is necessary for the shortfall.
xvi.	व्यापार प्राप्य जिसमें मेसर्स सिद्धार्थ ट्यूब्स लि. से फरवरी 2014 तक सामग्रियों की खरीद एवं आपूर्ति हेतु रु. 1870 लाख बकाया शामिल है। इस तरह सम्पूर्ण स्टॉक दो वर्ष से अधिक पुराना है एवं खरीदी गई सामग्री के बाजार मूल्य में महत्वपूर्ण गिरावट के कारण बकाया राशि रु. 685 लाख तक असुरक्षित है, रु. 40 लाख शुद्ध जमानत जमा जो वर्ष 2015-16 हेतु लेखा के अपने खातों में कम्पनी द्वारा प्रावधान नहीं किया गया है। इस गैर प्रावधान के कराण लाभ अधिक दर्ज किया गया है एवं रु. 685 लाख तक कम प्रावधान दर्ज किया गया है। Trade Receivables includes ₹ 1870 lacs due from M/S Siddhartha Tubes Ltd. for procuring and supply of materials upto February 2014. Thus the entire stock is old over two years and due to substantial fall in market price of the procured item,outstanding amount are unsecured to the tune of ₹ 685 lacs, net of security deposit amounting ₹ 40 lacs which has not been provided by the Company in its books of accounts for the year 2015-16. This non-provisioning has resulted in overstatement of profit and understatement of provision for 2015-16 by ₹ 685 lacs.	पार्टी बकाये को कम करने के लिए धीरे-धीरे भुगतान कर रही है। वर्ष 2015-16 के दौरान भी उन्होंने रु. 464 लाख भुगतान किया है। प्रतिज्ञित सामग्री की वसूलीयोग्य मलूय् 1313 लाख है जबकि बकाया रु. 1870 लाख है। चूंकि सामग्री एमएसटीसी को तदर्थ जमानत के रूप में प्रतिज्ञित किया गया है एवं सामग्री मूल्य में अभूतपूर्व गिरावट के परिणास्वूरप महत्वपूर्ण कमी आई है, रु. 557 लाख की अंत राशि असुरक्षित देनदार के रूप में दर्शाया गया है। तथा अगस्त, 2016 में अंतर राशि में 557 लाख से 428 लाख तक कम हुआ है। अत; इस खाते में किसी प्रावधान की आवश्यकता नहीं है। The party has been paying to reduce the outstanding gradually. During the year 2015-16 also they have paid ₹ 464 lacs. The pledged materials have a realizable value of ₹ 1313 lacs against the outstanding of ₹ 1870 lacs. Since the materials have been pledged to MSTC as collateral security and the realizable price of the same has reduced significantly as a result of unprecedented dip in commodity prices, the differential amount of ₹ 557 lacs has been shown as unsecured debtors. However, the differential amount in August, 2016 has come down from ₹ 557 lacs to ₹ 428 lacs. Hence no provisioning is necessary on this account.

लेखा परीक्षक की रिपोर्ट पैरा सं. Auditors' Report Para No.	टिप्पणियाँ/अवलोकन योग्य मत Comments/ observations QUALIFIED OPINION	प्रबंधन के उत्तर Management's Replies
	अन्य नियामक अपेक्षिता पीटी 1 (अनुलग्नक ए)	कम्पनी सभी सम्पत्तियों पर क्लीयर टाइटिल रखती है इसे लेखा के खातों में रखा गया है। बहुत अधिक पुराने प्रकृति के कारण सम्बद्ध कागजात सहज रूप से उपलब्ध नहीं है।
Pt 1.	अचल सम्पत्तियों का टाईटिल दस्तावेज कम्पनी के नाम में है सिवाय ढाकुरिया में अवस्थित 2 फ्लैट्स, फिनले टॉवर में 4 फ्लैट्स, मलाड में 4 फ्लैट्स, राहेजा सेंटर में 2 फ्लैट्स एवं बांद्रा, मुम्बई में 1 फ्लैट।	कम्पनी उक्त को पुनःप्राप्त करने की प्रक्रिया में है।
	Other Regulatory Requirement Pt 1 (Annexure A) The title deeds of immovable properties are held in the name of the company except for 2 flats situated at Dhakuria,4 flats at Finley Tower,4 flats at Malad,2 flats at Raheja Centre and 1 flat at Bandra, Mumbai.	he company holds clear title over all the assets it hold in the books of accounts. Due to very old in nature the relevant papers are not readily available. The company is in the process to retrieve the same.
	अन्य नियामक अपेक्षिता पीटी 2	
Pt 2g(a).	कम्पनी के पास ग्राहक स्वीकृति, क्रेडिट मूल्यांकन एवं बिक्री ऋण संस्थापना सीमा हेतु उपयुक्त आंतरिक नियंत्रण प्रणाली नहीं था जो कम्पनी में सम्भावित परिणाम को अंतिम संग्रह की उचित आवश्यकता को स्थापित किये बगैर राजस्व का पता लगाया जा सके। अधिकतर मामलों में कम्पनी पार्टियों के ऋण पात्रता के मूल्यांकन में समर्थ नहीं है।	ग्रहक के चयन, क्रेडिट मूल्यांकन एवं बिक्री हेतु क्रेडिट सीमा की संस्थापना आदि के क्षेत्र में आंतरिक नियंत्रण को सुदृढ़ करने के लिए जोखिल प्रबंधन नीति अपनायी गयी है। यह समय-समय पर नवीनीकृत होता है। 2008 में आरएमपी के शुभारम्भ के उपरान्त उसे दोबारा संशोधित किया गया, एक बार 04.11.2013 को एवं पुनः 24.04.2015 को अन्य बातों के साथ ही ग्राहकों के चयन के मानदंड, साख का निर्णय, जोखिम सीमा का निर्धारण आदि पर बल दिया गया है। अधिक से अधिक कम्पनी द्वारा विगत तीन वर्षों के दौरान सम्भावित ग्राहक जो संशोधित आरएमपी मानदंड को पूरा करते हो के रूप में चयनित नहीं किया गया। इसके अलावा कम्पनी ने विगत कुछ वर्षों हेतु प्रतिकूल बाजार प्रचलन एवं व्यापार में निहित जोखिम के नाते ट्रेडिंग कारोबार में धीरे-धीरे कम करने का संचेतन निर्णय लिया है।
	Other Regulatory Requirement Pt 2	
Pt 2g(a)	The Company did not have an appropriate internal control system for customer acceptance, credit evaluation and establishing credit limits for sales, which could potentially result in the Company recognizing revenue without establishing reasonable certainty of ultimate collection. In most of the cases, the Company is not able to evaluate the credit worthiness of the parties.	There is a Risk Management policy in place for strengthening internal control in the area of customer selection, credit evaluation and establishing credit limits for sales etc. It is also reviewed from time to time. After introduction of RMP in 2008, the same has been revised twice, once on 04.11.2013 and again on 24.04.2015 thereby inter alia improving upon the norms of selection of customers, judging of creditworthiness, fixation of exposure limit etc. More over, no new customer has been selected by the Company during last three years as the prospective customers did not fulfill the revised RMP criteria. More over, Company has taken a conscious decision to gradually reduce exposure in trading business on account of adverse market prevailing for last few years and also inherent risk in the business.
Pt 2g(b).	कम्पनी के पास पार्टी की ओरे से कम्पनी द्वारा आयातीत कच्ची सामग्रियों के प्रतिज्ञित के सम्बन्ध में इन्वेंटरी हेतु उपयुक्त आंतिरक नियंत्रण प्रणाली नहीं है। मात्रिक आकलन हल्दिया पेट्रोकेमिकल्स लि. एवं रोहित फेरो टेक लि. हेतु संचालित नहीं किया गया था।	रोहित फेरो टेक लि. में मात्रिक आकलन फैक्टरी में जारी श्रमिक आन्दोलन के कारण नहीं किया जा सका। तथापि फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड के कस्टोडियन रिपोर्ट स्टॉक की उपलब्धता को पुष्टि नियमित आ रहे हैं। यह मात्र बिखरा हुआ मामला है जहाँ मात्रिक आकलन स्थिति नियंत्रण के बाहर होने के कारण नहीं किया जा सका जिसे प्रणाली

लेखा परीक्षक की रिपोर्ट पैरा सं. Auditors' Report Para No.	टिप्पणियाँ/अवलोकन योग्य मत Comments/ observations QUALIFIED OPINION	प्रबंधन के उत्तर Management's Replies
		विफलता के रूप में नहीं कहा जाना चाहिए। हल्दिया पेट्रोकेमिकल के मामले में 31.03.2106 को 21305.209 मे टन स्टॉक था जो 22.03.2016 को संशोधित 29547.533 मेटन के कन्साइनमेंट का एक भाग था। उक्त अवशिष्ट स्टॉक एचपीएल द्वारा 04.04.2016 के भीतर अर्थात इस उद्देश्य हेतु शामिल एजेंसी के साथ परामर्श में मात्रिक आकलन हेतु अनुसूचित तारीख से काफी पहले उठाया गया था। कृपया आगे यह भी ध्यान दें कि प्रतिज्ञित सामग्रियों का मात्रिक आकलन नियमित आधार पर किया जा रहा है एवं रिपोर्ट लेखा परीक्षा किमिटी को दाखिल किया जाता है। मात्रिक आकलन वर्ष 2015-16 के दौरान अन्य ग्राहकों के लिए भी किया गया। उपरोक्त के अनुसार यह कहना सही नहीं है कि प्रतिज्ञित स्टॉक का मात्रिक आकलन के सम्बन्ध में समुचित आंतिरक नियंत्रण प्रणाली नहीं है।
The Company did not have an appropriate internal control system for inventory with regard to pledged of raw materials imported by the Company on behalf of the party. Volumetric assessment was not conducted for Haldia Petrochemicals Ltd and Rohit Ferro Tech Ltd.		Volumetric assessment could not be carried out at Rohit Ferro Tech Ltd. due to labour agitation continuing at the factory. However the custodian report of Ferro Scrap Nigam Limited is coming regularly confirming availability of stock. It is only a stray case where volumetric assessment could not be done for reasons beyond control which cannot be termed as a system failure. In case of Haldia Petrochemicals, there was a stock of 21305.209 MT as on 31.03.2106 which was a part of the consignment of 29547.533 MT received on 22.03.2016. The said balance stock was lifted by HPL within 04.04.2016 i.e. much earlier than the date scheduled for volumetric assessment in consultation with the agency engaged for this purpose. It may please further be noted that Volumetric assessment of pledged materials is being done on a regular basis and the reports are submitted to the Audit Committee. Volumetric assessment has also been done during 2015-16 for other customers. From above it may not be correct to infer that there is no proper internal control system in regard to volumetric assessment of pledged stock.

निदेशक मंडल के लिए तथा उनकी ओर से
For and on behalf of the Board of Directors

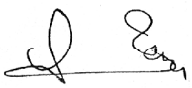

श्री ए. के. बसु, निदेशक (वित्त)
A. K. Basu, Director (Finance)

स्टैंडएलोन रिपोर्ट
STANDALONE REPORT

स्वतंत्र लेखा परीक्षकों का प्रतिवेदन

एमएसटीसी लिमिटेड के सदस्यों के प्रति,

स्टैंडएलोन वित्तीय विवरण का प्रतिवेदन

भारत के महालेखानियंत्रक एवं लेखा परीक्षक द्वारा अवलोकन के आधार पर, दिनांक 03/08/2016 को दी गयी रिपोर्ट में टाइपोग्राफिकल अशुद्धियों को शुद्ध करते हुए संशोधित लेखा परीक्षा रिपोर्ट प्रस्तुत किया गया है।

हमने एमएसटीसी लि. ('दि कंपनी') के स्टैंडएलोन वित्तीय विवरण का अंकेक्षण किया है जिसमें 31 मार्च, 2016 को समाप्त हुए वित्त वर्ष का तुलन–पत्र, लाभ–हानि के विवरण, नकद प्रवाह और महत्वपूर्ण लेखा नीतियों व विवरणयोग्य सभी जानकारियां भी शामिल है।

स्टैंड एलोन वित्तीय विवरण के लिए प्रबंधन का दायित्व

कंपनी के निदेशक मंडल इस स्टैंडएलोन वित्तीय विवरण को तैयार करने के संबंध में कंपनीज अधिनियम, 2013 ('अधिनियम') की धारा 134(5) में दिये गए विषयों के लिए जिम्मेवार है जो भारत में साधारणतया स्वीकृत लेखा सिद्धांतों सहित कम्पनीज (लेखा) नियम, 2014 की नियम 7 के साथ पठित अधिनियम की धारा 133 के अंतर्गत विशिष्ट लेखा मानक के संबंध में वित्तीय स्थिति, वित्तीय कार्यकलाप एवं नकद प्रवाह की सत्य एवं स्पष्ट दृष्टिकोण देता है। इस जिम्मेदारियों में शामिल है। कम्पनी की परिसम्पत्तियों की सुरक्षा एवं धोखाधड़ी एवं अन्य अनियमितताओं को रोकना एवं पता लगाना; उपयुक्त लेखा नीतियों का चयन एवं लागू करना, निर्णय लेना एवं अनुमान लगाना जो तर्क संगत और चातुर्यपूर्ण हो; एवं पर्याप्त भीतरी वित्तीय नियंत्रण की डिजाइन, क्रियान्वयन एवं रखरखाव, जो लेखा रिकार्डों की सत्यता एवं पूरा करने को सुनिश्चित करने के लिए प्रभावशाली रूप से परिचालित हो रहे थे, स्टैंडएलोन वित्तीय विवरणों को तैयार करने से सम्बद्ध एवं तैयार करना, जो सही एवं साफ–सुथरी छवि देता है एवं ठोस झूठे वक्तव्यों से मुक्त हो, चाहे वह गलती से हो या धोखाघड़ी से।

लेखा परीक्षक की जिम्मेदारी

हमारा दायित्व स्टैंडएलोन वित्तीय विवरण पर अपने अंकेक्षण के अनुसार विचार व्यक्त करना है।

हमने अधिनियम के प्रावधानों, लेखा एवं अंकेक्षण मानकों तथा उन विषयों को जो अधिनियम की धारा 143(11) के अंतर्गत उसमें बने अधिनियमों एवं नियमों तथा आदेश के अधिनियम के प्रावधानों एवं उसमें निहित नियमों के अंतर्गत अंकेक्षण रिपोर्ट में शामिल करने के लिए अपेक्षित है को शामिल किया है।

हमने अपना अंकेक्षण अधिनियम की धारा 143(10) के अंतर्गत निर्दिष्ट अंकेक्षण मानकों के अनुसार संचालित किया है। उन मानकों में इस बात की जरूरत है कि हम नैतिक जरूरतों व प्लानों को पूरा करें, ताकि इस संबंध में उचित आश्वास प्राप्त हो सके कि वित्तीय विवरण ठोस झूठे वक्तव्यों से मुक्त है।

अंकेक्षण प्रक्रिया पद्धति में वित्तीय विवरणों में राशि के बारे में अंकेक्षण साक्ष्य एवं प्रकटीकरण प्राप्त करना शामिल किया जाता है। वित्तीय विवरण चुनी गई प्रक्रियाएं लेखा परीक्षकों के निर्णय पर निर्भर करता है, जिसमें वित्तीय विवरणों व झूठे वक्तव्यों के जोखिम का आकलन भी शामिल है। चाहे वह धोखाधड़ी से हो या फिर गलती से। उन जोखिमों का आकलन करने में लेखा परीक्षक कंपनी के स्टैंडएलोन वित्तीय विवरण तैयार करने से सम्बद्ध आंतरिक वित्तीय नियंत्रण पर विचार करता है, जो वित्तीय विवरणों का कंपनी द्वारा तैयार करना तथा साफ–सुथरा प्रस्तुत करना जुड़ा होता है, परंतु इसके कंपनी के आंतरिक नियंत्रण को प्रभावशाली

INDEPENDENT AUDITORS' REPORT

To the Members of MSTC LIMITED

Report on the Standalone Financial Statements

On the basis of the observations made by the Comptroller & Auditor General of India, the revised audit report has been prepared in lieu of the earlier report dated 03/08/2016 to comply with the typographical errors.

We have audited the accompanying standalone financial statements of MSTC LIMITED ("the Company"), which comprise the Balance Sheet as at 31st March, 2016, the Statement of Profit and Loss, the Cash Flow Statement for the year then ended, and a summary of significant accounting policies and other explanatory information.

Management's Responsibility for the Standalone Financial Statements

The Company's Board of Directors is responsible for the matters stated in Section 134 (5) of the Companies Act, 2013 ("the Act") with respect to the preparation of these standalone financial statements that give a true and fair view of the financial position, financial performance and cash flows of the Company in accordance with the accounting principles generally accepted in India, including the Accounting Standards specified under Section 133 of the Act, read with Rule 7 of the Companies (Accounts) Rules, 2014. This responsibility also includes maintenance of adequate accounting records in accordance with the provisions of the Act for safeguarding the assets of the Company and for preventing and detecting frauds and other irregularities; selection and application of appropriate accounting policies; making judgements and estimates that are reasonable and prudent; and design, implementation and maintenance of adequate internal financial controls, that were operating effectively for ensuring the accuracy and completeness of the accounting records, relevant to the preparation and presentation of the financial statements that give a true and fair view and are standalone free from material misstatement, whether due to fraud or error.

Auditor's Responsibility

Our responsibility is to express an opinion on these standalone financial statements based on our audit.

We have taken into account the provisions of the Act, the accounting and auditing standards and matters which are required to be included in the audit report under the provisions of the Act and the Rules made thereunder and the Order under Section 143(11) of the Act.

We conducted our audit in accordance with the Standards on Auditing specified under Section 143(10) of the Act. Those Standards require that we comply with ethical requirements and plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free from material misstatement.

An audit involves performing procedures to obtain audit evidence about the amounts and the disclosures in the financial statements. The procedures selected depend on

बनाने पर विचार व्यक्त करने के उद्देश्य के लिए। इस्तेमाल की गई लेखा नीतियों की उपयुक्तता तथा प्रबंधन द्वारा किए गए लेखा अनुमान का औचित्य और साथ ही साथ वित्तीय विवरणों के समय प्रस्तुतिकरण का मूल्यांकन भी अंकेक्षण में शामिल होते हैं।

हमें विश्वास है कि हमे जो अंकेक्षण साक्ष्य प्राप्त हुआ है यह स्टैंडएलोन वित्तीय विवरणों पर हमारे योग्यताप्राप्त अंकेक्षण मत के लिए पर्याप्त और उचित आधार प्रदान करता है।

योग्य राय के आधार

i. लेखा पर द्रष्टव्यों की नोट सं. 15 (क) की ओर संदर्भ आमंत्रित किया जाता है, निर्यात पर विदेशी मुद्रा में उतार-चढ़ाव पर लाभ/हानि एएस-11 के अनुसार लेखांकित नहीं किया गया है। यदि कंपनी एएस-11 का पालन करती तो वर्ष का विनियम लाभ रु. 5163 लाख बढ़ जाता (दिनांक 31.03.2016 तक संचयी रु. 31236 लाख)। फलस्वरूप व्यापार प्राप्त रु. 31236 लाख कम दिखाया गया है। करार के अनुसार, उपर्युक्त के संबंधित विनिमय लाभ/हानि को सहयोगी आपूर्तिकर्त्ता को उन्हें देय रकम तक पास कर दिया जाता है। इस प्रकार व्यापार देय रु. 30768 लाख तक कम दिखाया गया है एवं उपरोक्त लाभ का शुद्ध प्रभाव से कंपनी के शुद्ध लाभ वर्ष हेतु रु. 77 लाख तक कम दिखाया गया है (दिनांक 31.03.2016 तक संचयी रु. 468 लाख)।

ii. व्यापार से प्राप्य एवं व्यापार के लिए देय की शेष राशि के मिलान/लंबित पुष्टीकरण से संबंधित नोट सं. 28 तथा मिलान से उत्पन्न होने वाले अनुवर्ती समायोजन हेतु संदर्भ आमंत्रित किया जाता है।

iii. लेखा पर द्रष्टव्यों की नोट सं. 15(ख) के उल्लेखानुसार, वर्ष 2008-09 में किए गए स्वर्ण अलंकार के निर्यात के लिए रु. 59863 लाख की राशि व्यापार से प्राप्य के रकम में शामिल है, जिसमें 46 पार्टियां शामिल हैं तथा उस रकम की वसूली मुकदमा के विभिन्न स्तर के अधीन है। सीबीआई एवं ईडी दिनांक 26.10.2010 से मामले की जांच कर रही है। ईसीजीसी के पास रु. 45075 लाख का दावा पेश किया गया है, परंतु उस दावे को ईसीजीसी द्वारा अस्वीकार कर दिया गया। कंपनी ने ईसीजीसी द्वारा बीमाकृत क्रेताओं से बकाया राशि प्राप्ति के लिए ईसीजीसी के खिलाफ नेशनल कंजूमर डिस्प्यूट्स रिड्रेसल कमिशन (एनसीडीआरसी) में मामला दर्ज किया, जिन्होंने कंपनी को दिनांक 16.04.2014 के जारी आदेश में कहा गया है कि यह मामला न्यायालय के अधिकार क्षेत्र में नहीं है। कम्पनी मामले को मंत्रालय स्तर पर ले गयी है एवं इस आदेश के विरुद्ध माननीय सर्वोच्च न्यायालय के पास वैधानिक अपील दायर किया गया है। न्यायालय के पास मामला अभी तक लंबित हैं।

कंपनी ने यूएई, सिंगापुर एवं कुवैत में विदेशी क्रेताओं के खिलाफ 46 मुकदमा दर्ज किया है। इनमें से सभी 46 मामले एमएसटीसी के पक्ष में हुए हैं एवं सभी निष्पादन के अधीन हैं। अब तक इन फैसलों के बाबत कोई भी रकम वसूल नहीं किया गया है।

मेसर्स उष्मा ज्वेलरी एंड पैकेजिंग एक्सपोर्ट्स (प्रा.) लि. नामक एक सहयोगी ने रु. 12400 लाख कीमत की भूमि संपत्ति (सरकारी पंजीकृत मूल्यांकनकर्त्ता द्वारा वर्ष 2014 में मूल्यांकन किया गया) गिरवी रखी है। मुंबई उच्च न्यायालय में गिरवी रखी गई उक्त संपत्ति की बिक्री/हस्तांतरण के लिए एक रिट

the auditor's judgement, including the assessment of the risks of material misstatement of the financial statements, whether due to fraud or error. In making those risk assessments, the auditor considers internal financial control relevant to the Company's preparation of the standalone financial statements that give a true and fair view in order to design audit procedures that are appropriate in the circumstances. An audit also includes evaluating the appropriateness of the accounting policies used and the reasonableness of the accounting estimates made by the Company's Directors, as well as evaluating the overall presentation of the financial statements.

We believe that the audit evidence we have obtained is sufficient and appropriate to provide a basis for our qualified audit opinion on the standalone financial statements.

Basis for Qualified Opinion

i. Reference is invited to Note No. 15 (a) of Notes on Account, Gain / Loss on Foreign Exchange Fluctuation on exports are not accounted for as per AS-11. Had the Company complied with AS-11, exchange gain would have been increased by ₹ 5163 lacs for the year (cumulative ₹ 31236 lacs upto 31.03.2016). Consequently Trade Receivables are understated by ₹ 31236 lacs. As per agreement, exchange gain / loss relating to above is passed on to associate suppliers upto the amount payable to them. Thus Trade Payables are understated by ₹ 30768 lacs and net effect of the above gain leads to understatement of profit of the Company by ₹ 77 lacs for the year (cumulative ₹ 468 lacs upto 31.03.2016).

ii. Reference is invited to Note no. 28 of Notes on Account relating to pending confirmation / reconciliation of balances of Trade Receivables and Trade Payables and its consequential adjustment that may arise on reconciliation.

iii. As stated in Note no. 15(b) of Notes on Account, Trade Receivables includes ₹ 59863 lacs for export trade receivable of gold jewellery done in the year 2008-09 involving 46 parties and recovery of which are under litigation at various levels. CBI and ED have been investigating the matter since 26.10.2010. Claims have been lodged with ECGC for ₹ 45075 lacs but the claims have been repudiated by the ECGC. The Company has initiated the cases against ECGC for the dues against buyers insured by them with National Consumer Disputes Redressal Commission (NCDRC) who has ordered the Company vide order on 16.04.2014 that it has no jurisdiction to judge the matter. The Company has taken up the matter at Ministry level and has filed statutory appeal to Hon'ble Supreme Court against this order. The matter is still pending before the Court.

The Company has filed 46 legal cases against the foreign buyers in UAE, Singapore and Kuwait. All the 46 judgements have been awarded in favour of MSTC and all the same are under execution. Till now no money has been recovered against these awards.

One of the associates, namely, M/s Ushma Jewellery & Packaging Exports (P) Ltd. has mortgaged landed

याचिका दायर की गई है। मामले की जांच कर रही सीबीआई एवं ईडी ने एवं रु. 24040 लाख (इसमें भूमि मूल्य रु. 12400 लाख एवं चल सम्पत्ति रु. 3979 लाख शामिल है) की संपत्तियां एवं परिसंपत्तियां जब्त कर ली गई है। एमएसटीसी ने सीबीआई अदालत में रु. 900 लाख की रकम के हस्तांतरण की अनुमति के सम्पर्क किया था जो वर्ष 2013-14 के दौरान प्राप्त कर लिया गया है। रु.3079 लाख की चल सम्पत्ति के रूप में सीबीआई/ईडी द्वारा जब्त की शेष राशि के हस्तांतरण के लिए आवेदन दाखिल किया जा रहा है।

हालांकि, पूर्ववर्ती वर्ष के दौरान किए गए 900 लाख के प्रावधान के अलावा इस वर्ष के दौरान अशोध्य एवं संदिग्ध कर्ज के रूप में रु.22678 लाख की राशि का प्रावधान किया गया है। हमलोग उन व्यापार से प्राप्य रकम की वसूली के प्रति संदिग्ध हैं जो 7 वर्षों से भी ज्यादा अवधि से बकाया है तथा हमारे विचार से रु. 35385 लाख का और एक प्रावधान किया जाना चाहिए। इसके फलस्वरूप, रु. 35385 लाख का लाभ में अधिक एवं प्रावधान कम दिखाया गया।

iv. व्यापार प्राप्ययोग्य में शामिल है सामग्रियों की आपूर्ति हेतु 31.03.2016 में मेसर्स कॉनकास्ट स्टील एवं पावर लि. (सीएसपीएल) से रु. 14307 लाख बकाया। कंपनी ने लेखा में कतिपय प्रतिकूल विशेषताएं यथा मई 2014 के पूर्व बिना उठाए गये स्टॉक अधिप्राप्ति, भारतीय स्टेट बैंक से प्राप्त प्रतिकूल क्रेडिट जानकारी, प्रतिकूल क्षमता प्रयोग आदि को नजरअंदाज करते हुए एलएएम कोक संग्रह करने के लिए रु. 5000 लाख की तदर्थ सीमा अनुमति देने का निर्णय लिया था।

कंपनी ने जून 2014 से मार्च 2016 तक की अवधि के दौरान मात्र रु. 95 लाख प्राप्त किया था। आगे जमानत के रूप में दिये गये सीएसपीएल के चेक्स (पीडीसी) बैंक द्वारा डिसऑनर्ड कर दिया गया एवं एनआई अधिनियम 1881 की धारा 138 के अधीन कंपनी द्वारा मामला दायर किया गया है।

सामग्री के मूल्य में पर्याप्त गिरावट के कारण, एमएसटीसी के हाल ही के जोखिम विक्रय के प्रयास से कोई लाभजनक परिणाम प्राप्त नहीं हुआ है और राशि की वसूली की संभावना संदेहास्पद है। गिरवी रखे स्टॉक के रु.8132 लाख के वसूलीयोग्य बाजार मूल्य और 10 लाख रुपए की प्रतिभूति जमा की राशि पर विचार करने के बाद, हमारी राय में वर्ष के दौरान रु.6165 लाख का प्रावधान बनाया जाना चाहिए। इसके फलस्वरूप वर्ष 2015-16 के लिए रु.6165 लाख का लाभ में अधिक और प्रावधान में कमी है।

v. वित्तीय वर्ष 2008-09 के दौरान सामग्रियों की आपूर्ति हेतु सेसा इंटरनेशनल लि. (सेसा) से 31.03.2016 में रु. 6056 लाख का व्यापार प्राप्य से सम्बद्ध राशि पर टिप्पणी के टिप्पणी 15(सी) में जैसा दिया गया है जिसके बाबत कंपनी द्वारा पंचाट कार्यवाही की गई है जो प्रगति में है। कंपनी ने माननीय कलकत्ता उच्च न्यायालय में इंडियन ओवरसीज बैंक (आईओबी) के विरुद्ध कंपनी के खाते में रु. 3656 लाख के गलत डेबिट करने हेतु भी मामला दायर किया है। पोर्ट में पड़ी सम्पूर्ण सामग्रियों के स्टॉक रु. 102 लाख में बिक्री की गई थी जो न्यायालय आदेश के अनुसार रीसिवर के पास पड़ी हुई, इस मामले में अंतिम निर्णय विचाराधीन है। कंपनी ने वर्ष 2014-2015 के दौरान पहले से किये गये रु. 3000 लाख के प्रावधान के अतिरिक्त इस वर्ष रु. 1000 लाख का आगे प्रावधान किया है। इस तरह वर्ष 2015-16 के अंत कुल प्रावधान रु. 4000 लाख है। हमें उक्त व्यापार प्राप्य की वसूली के बारे में संदेह है एवं हमारा विचार है कि आगे रु. 2056 लाख के अवशिष्ट राशि का प्रावधान किया जाना चाहिए। इसके परिणामस्वरूप रु. 2056 लाख का वर्ष 2015-16 हेतु लाभ अधिक दर्ज किया गया एवं प्रावधान कम दर्ज किया गया है।

property worth ₹ 12400 lacs (valuation done in 2014 by Govt. Registered valuer). A writ petition for sale/transfer of the said mortgaged property has been filed at the Mumbai High Court. CBI and ED investigating the matter have seized assets and properties worth ₹ 24040 lacs (including land valued ₹ 12400 lacs and liquid assets worth ₹ 3979 lacs). MSTC have approached CBI court requesting for permission to transfer of an amount of ₹ 900 lacs which had been received during the year 2013-14. Applications are being made for transfer of remaining amount seized by CBI/ED in the form of liquid assets worth ₹ 3079 lacs.

However, a provision has been made for an amount of ₹ 22678 lacs as bad and doubtful debts during the previous year in addition to ₹ 900 lacs provision made during the earlier years. We are doubtful about the recovery of the above Trade Receivable which are due for more than 7 years and in our opinion, a further provision should be made for ₹ 35385 lacs. This has resulted in overstatement of profit and also understatement of provision by ₹ 35385 lacs.

iv. Trade Receivables includes ₹ 14307lacs due from M/S Concast Steel & Power Ltd (CSPL) as at 31.03.2016 for supply of materials. The Company decided to allow an adhoc limit of ₹ 5000lacs for procuring LAM Coke, in May'14 ignoring the several adverse features in the account like huge quantity of unlifted stock procured prior to May 2014, adverse credit information received from State Bank of India, adverse capacity utilization etc.

The Company had received only ₹ 95 lacs during the period June 2014 to March 2016. Further the cheques (PDC) of CSPL given as security were also dishonoured by bank and a suit has been filed by the Company under Section 138 of NI Act, 1881.

Due to substantial decrease in price of the material, MSTC's attempt of risk sale in recent past didn't yield any fruitful results and the chances of recovery of the amount is doubtful. After considering the realizable market value of the pledged stock of ₹ 8132 lacs and security deposit of ₹ 10 lacs, in our opinion provision should be made for ₹ 6165 lacs during the year 2015-16. This has resulted in overstatement of profit and understatement of provision for the year 2015-16 by ₹ 6165 lacs.

v. As stated in Note No 15 (c) of Notes on Account relating to Trade Receivables amounting to ₹ 6056 lacs as at 31.03.2016 from SESA International Ltd (SESA) for supply of materials during the FY 2008-09 against which arbitration proceedings has been initiated by the Company and are in progress. The Company has also filed a suit in Hon'ble Calcutta High Court against Indian Overseas Bank (IOB) for their wrong debit in the account of the Company for an amount of ₹ 3656 lacs. Stock of entire material lying at port was sold at ₹ 102 lacs which are kept with the receiver as per Court order pending the final judgment on this score. The Company has made a further provision of ₹ 1000 lacs this year in addition to the provision of ₹ 3000 lacs already made

vi. व्यापार प्राप्य में दो वर्ष पूर्व सामग्रियों की आपूर्ति हेतु 31.03.2016 में मेसर्स कॉनकास्ट बंगाल इंडस्ट्रीज से रु. 3556 लाख का बकाया शामिल है जिसके बाबत संस्तुति के अर्थो में कोई पुनर्भुगतान की पुष्टि नहीं की गई है। मेसर्स कॉनकास्ट बंगाल इंडस्ट्रीज लि. ने मात्र रु. 1611 लाख जून 2014 से मार्च 2016 के दौरान भुगतान किया जिसमें से मात्र रु. 30 लाख वर्ष 2015-16 में चुकता किया गया। बकाया देय की वसूली की संभावन कम है जैसा कि 26.05.2016 को स्टील बिलेट्स के ई-ऑक्शन हेतु बोली ने किसी क्रेता को आकर्षित करने में असफल रहा है।

गिरवी रखे स्टॉक के रु.2645 लाख के वसूलीयोग्य बाजार मूल्य और 10 लाख रुपए की प्रतिभूति जमा की राशि पर विचार करने के बाद, हमारी राय में वर्ष के दौरान रु.901 लाख का प्रावधान बनाया जाना चाहिए। इसके फलस्वरूप वर्ष 2015–16 के लिए रु.901 लाख का लाभ में अधिक और प्रावधान में कमी है।

vii. सामग्रियों की आपूर्ति हेतु मेसर्स डानकुनी स्टील लि. से रु. 3328 लाख का बकाया व्यापार प्राप्य में शामिल है। एलएएम को माप 23500.00 मे टन एवं कोक फिन्स 3634.00 मे.टन के ई-ऑक्शन हेतु सूचना 09.08.2015 को प्रकाशित की गई थी जो किसी संभावित क्रेता को आकर्षित नहीं कर पायी। मेसर्स डानकुनी ने जून 2014 के दौरान रु. 250 लाख मात्र भुगतान किया था और राशि की वसूली की संभावना संदेहास्पद है। गिरवी रखे स्टॉक के रु.1603 लाख के वसूलीयोग्य बाजार मूल्य पर विचार करने के बाद, हमारी राय में वर्ष के दौरान रु.1725 लाख का प्रावधान बनाया जाना चाहिए। इसके फलस्वरूप वर्ष 2015–16 के लिए रु.1725 लाख का लाभ में अधिक और प्रावधान में कमी है।

viii. मई, 2013 से पूर्व सामग्रियों की आपूर्ति हेतु मेसर्स क्रेस्ट स्टील एवं पावर लि. से बकाया रु. 3959 लाख व्यापार प्राप्य शामिल है। इस तरह अधिप्राप्य सामग्री का समय 3 वर्ष से अधिक समय से है जिससे निश्चित रूप से समय के गुजरने के कारण गुणवत्ता में कमी आई होगी। कुल राशि में रु. 600 लाख मार्च 16 तक चुकता किया गया वे मात्र रु. 390 लाख मई, 2016 तक भुगतान किये है। रु. 150 लाख में से अप्रैल एवं मई 16 के दौरान भुगतान करना होगा, जिसमें से कुछ भी भुगतान नहीं किया गया। आवश्यक कार्रवाई याचिका 04.04.2016 को दायर किया गया एवं पार्टी को नोटिस जारी की गई है। सुनवाई की संभावित तारीख 15.06.2016 है। इस तरह, देनदार स्ट्रेस्ड एसेट्स हो गये है एवं राशि के भुगतान की उम्मीद कम है एवं गिरवी रखे स्टॉक के रु.1750 लाख के वसूलीयोग्य बाजार मूल्य और 10 लाख रुपए की प्रतिभूति जमा की राशि पर विचार करने के बाद, हमारी राय में वर्ष के दौरान रु.2199 लाख का प्रावधान बनाया जाना चाहिए। इसके फलस्वरूप वर्ष 2015-16 के लिए रु.2199 लाख का लाभ में अधिक और प्रावधान में कमी है।

ix. दिसम्बर, 14 तक पार्टी को सामग्रियों की अधिप्राप्ति एवं आपूर्ति हेतु मेसर्स ग्लोबल कोक लि. से रु. 3039 लाख बकाया का व्यापार प्राप्त शामिल है। वसूली सामग्रियों का वर्तमान मूल्य रु. 1279 लाख है। इस मध्य, जीसीएल को बीआईएफआर में भेजा गया और बीआईएफआर कम्पनी की सामग्रियों को बेचने के लिए कम्पनी को बीआईएफआर से अनुमति लेना है जो सरल प्रक्रिया नहीं है। इसलिए कम्पनी अपने

during the FY 2014-15. Thus total provision made upto the end of 2015-16 is ₹ 4000 lacs. We are doubtful about the recovery of the above trade receivables and in our opinion further provision should be made for the balance amount of ₹ 2056 lacs. This has resulted overstatement of profit and understatement of provision for the year 2015-16 by ₹ 2056 lacs.

vi. Trade Receivables includes ₹ 3556 lacs as at 31.03.2016 due from M/S Concast Bengal Industries Ltd for supply of materials two years back against which no repayment is forthcoming in conformity with the terms of sanction. M/s Concast Bengal Industries Ltd. had paid only ₹ 1611 lacs during the period from June 2014 to March 2016 out of which only ₹ 30 lacs has been paid during 2015-16. Prospect of recovery of outstanding dues is remote as bid for e-auction of steel billets on 26.05.2016 has failed to attract any buyer.

After considering the realizable market value of the pledged stock of ₹ 2645 lacs and security deposit of ₹ 10 lacs, in our opinion provision should be made for ₹ 901 lacs during the year. This has resulted in overstatement of profit and understatement of provision for the year 2015-16 by ₹ 901 lacs.

vii. Trade Receivables includes ₹ 3328 lacs due from M/S Dankuni Steel Ltd for supply of materials. Notice for e-auction of LAM Coke measuring 23500.00 MT and Coke fines to the tune of 3634.00 MT was published on 09.08.2015 which didn't attract any prospective buyer. M/S Dankuni had paid only ₹ 250 lacs during June 2014 and the chances of recovery of the amount is doubtful. After considering the realizable market value of the pledged stock of ₹ 1603 lacs, in our opinion provision should be made for ₹ 1725 lacs during the year. This has resulted in overstatement of profit and understatement of provision for the year 2015-16 by ₹ 1725 lacs.

viii. Trade Receivables includes ₹ 3959 lacs due from M/S Crest Steel & Power Ltd for supply of materials prior to May, 2013. Thus age of procured materials are old over 3 years which obviously lost its quality with the passing of time. Party has failed to honour the award of Arbitration. Out of a total sum of ₹ 600 lacs to be paid upto March'16, they have paid only ₹ 390 lacs upto May 2016. Out of ₹ 150 lacs to be paid during April and May'16, nothing has been paid. Necessary execution petition has been filed on 04.04.2016 and notice has been issued to the Party. Tentative Date of first hearing is 15.06.2016. Thus, the Debtor has become Stressed Assets and the chances of recovery of the amount is remote. After considering the realizable market value of the pledged stock of ₹ 1750 lacs and security deposit of ₹ 10 lacs, in our opinion provision should be made for ₹ 2199 lacs during the year 2015-16. This has resulted in overstatement of profit and understatement of provision for the year 2015-16 by ₹ 2199 lacs.

ix. Trade Receivables includes ₹ 3039 lacs due from M/S Global Coke Ltd for procuring and supply of materials to the party upto Decemeber'14. The present value of realizable materials are ₹ 1279 lacs. In the

बकाया के कम से कम एक भाग की वसूली हेतु सामग्रियों की बिक्री नहीं कर सकती है बीआईएफआर के प्रतित्युत्तर की प्रतीक्षा करना होगा, जिसकी कंपनी को जानते है। गिरवी रखे स्टॉक के रु.1279 लाख के वसूलीयोग्य बाजार मूल्य और 10 लाख रुपए की प्रतिभूति जमा की राशि पर विचार करने के बाद, कंपनी की हानि रु.1750 लाख के रूप में आकलित की गई है, जिसका आवश्यक प्रावधान उनके लेखा खाते में बनाया जाना है। उसके गैर-प्रावधान के फलस्वरूप, रु.1750 लाख का लाभ में अधिक एवं प्रावधान में कमी है।

x. अक्टूबर, 2012 तक पार्टी को सामग्रियों की अधिप्राप्ति एवं आपूर्ति हेतु मेसर्स एसपीएस स्टील रोलिंग मिल्स लि. से 31.03.2016 में रु. 24083 लाख की व्यापार प्राप्य राशि से सम्बद्ध लेखा पर टिप्पणी के टिप्पणी सं. 15(ई) में जैसा कि दिया है लगभग साढ़े तीन वर्ष पूर्व का है। इस तरह समय गुजरने से गुणवत्ता में कमी आई है एवं इसके वांछित मूल्य पर विश्वास नहीं किया जा सकता है। एक इकरानामा में एमएसटीसी समाधान एवं सामग्री को मई, 2016 एवं उससे आगे से तीन बार में बाजार दर में सामग्री को मुक्त करने हेतु सहमत हुई है, सामग्रियों के 3 बार उठाने में से 2 बार उठाने के लिए एसपीएस को बाजार मूल्य के साथ 20 प्रतिशत (एमएस बिलेट), 25 प्रतिशत (स्पंज आयरन) एवं 30 प्रतिशत (आयरन ओर/पेलेट्स) पंचाट के आदेश (08.05.2016) आदेश के अनुसार बूक मूल्य के आधार पर लोडिंग एवं एक बार जारी किया जाएगा। इस इकरारनामा के अनुसार एमएसटीसी रु. 24083 लाख के अपने अग्रिम बकाया में से रु. 20942 लाख वसूल करने में समर्थ होगा। एमएसटीसी द्वारा आज की तारीख तक रु. 3141 लाख की अवशिष्ट राशि की वसूली हेतु पार्टी के साथ कोई समझौता नहीं हुआ है। उक्त इकरारनामा के अनुसार अब तक कोई लिफ्टिंग नही की गई है। अतः इस इकरारनामा की संभावित हानि रु. 3131 लाख है, शुद्ध वर्तमान जमानत जमा रु. 10 लाख है जिसका वित्तीय वर्ष 2015-16 हेतु कम्पनी के वार्षिक खाते में प्रावधान नहीं किया गया है। इसके परिणास्वरूप रु. 3131 लाख का लाभ अधिक एवं प्रावधान कम दर्ज किया गया है।

xi. व्यापार प्राप्य जिसमें मेसर्स मारमागोवा स्टील लि. से अक्टूबर, 2012 तक पार्टी को सामग्रियों की अधिप्राप्ति एवं आपूर्ति हेतु रु. 1917 लाख का बकाया शामिल है। कंपनी पार्टी की डगमगाती वित्तीय स्थिति से अच्छी तरह वाकिफ थी फिर भी पार्टी को वित्तीय छूट की अनुमति दी जब कि पूर्व के कंसाइमेंट की सामग्री उठाई नहीं गई थी। अतः बीआईएफआर में भेजी गयी कम्पनी से बकाया की वसूली की उम्मीद कम ही नजर आती है। वसूली के पक्ष में विचार करने पर कंपनी को पार्टी के सम्पूर्ण बकाया आच्छादित करने के लिए रु. 1424 लाख के वर्तमान प्रावधान के अतिरिक्त आगे रु. 483 लाख का प्रावधान करना चाहिए, शुद्ध जमानत जमा रु. 10 लाख है। गैर प्रावधान के परिणामस्वरूप रु. 483 लाख का लाभ अधिक एवं प्रावधान कम दर्ज किया गया है।

xii. व्यापार प्राप्य जिसमें जयपुर यूनिट हेतु मार्च 2016 तक पार्टी को सामग्रियों की अधिप्राप्ति एवं आपूर्ति हेतु मेसर्स रोहित फेरो-टेक लि. से रु. 2637 लाख बकाया शामिल है। इसके दोनो विष्णुपुर एवं हल्दिया यूनिट बंद है। फैक्टरी के क्लोजर हेतु मार्च, 16 के दौरान वोल्यूमेट्रिक आंकलन नहीं किया जा सका। उचित लेखा परीक्षा साक्ष्य के अभाव में, हम गिरवी रखे स्टाक की वसूलीयोग्य बाजार मूल्य का पता लगाने में असमर्थ हैं। हमें बकाया राशि की वसूली के बारे में संदेह हैं। रु.69 लाख की सुरक्षा जमा विचार करने

meantime, GCL has been referred to BIFR, and for disposing of material belongs to a BIFR Company, the Company has to take permission from BIFR which is not an easy process. Therefore, the Company can't sell the material to recover at least a part of its dues and had to wait till the outcome of BIFR is known to the Company. Hence, considering the realizable market value of the pledged stock of ₹ 1279 lacs and security deposit of ₹ 10 lacs, the loss of the Company is assessed as ₹ 1750 lacs for which necessary provision is to be made in their books of account. Non-provision of the same has resulted in overstatement of profit and understatement of provision for ₹ 1750 lacs.

x. As stated in Note No 15 (e) of Notes on Account relating to Trade Receivables amounting to ₹ 24083 lacs as at 31.03.2016 from M/S SPS Steel Rolling Mills Ltd for procuring and supply of materials to the party upto October,2012, almost three and half years ago. Thus with the passage of time, quality has been deteriorated and it can't fetch the desirable price. In an agreement MSTC agreed to fix and release material at the prevailing market rate in three tranches from May 2016 onwards, out of 3 time lifting, 2 time lifting of material will be issued to the SPS at market price plus 20 percent (MS Billet), 25 percent (Sponge Iron) and 30 percent (Iron Ore/ Pellets) thereon as loading and one time on the basis of book value as per Award of Arbitration (08.05.2016). As per this arrangement, MSTC will be able to recover ₹ 20942 lacs as against their outstanding advance of ₹ 24083 lacs. No agreement was entered into by MSTC with the party to recover the balance amount of ₹ 3141 lacs till date. No lifting has been made so far in accordance with the said agreement. Hence the anticipated loss out of this agreement is ₹ 3131 lacs, net of existing Security Deposit of ₹ 10 lacs, which has not been provided in the annual accounts of the Company for the FY 2015-16. This has resulted in overstatement of profit and understatement of provision for ₹ 3131 lacs.

xi. Trade Receivables includes ₹ 1917 lacs due from M/S Marmagoa Steel Ltd. for procuring and supply of materials to the party upto October,2012. The Company was well aware of the dwindling financial condition of the party yet it allowed financial exposure to the party even at a time when the commodities of earlier consignments were not lifted. Therefore the chance of recovery of dues from BIFR referred Company seem remote. Considering the aspect of recovery the Company should have made a further provision ₹ 483 lacs, in addition to existing provision of ₹ 1424 lacs, covering the entire dues of the party, net of Security Deposit of ₹ 10 lacs. This non-provisioning has resulted in overstatement of profit and understatement of provision for ₹ 483 lacs.

xii. Trade Receivables includes ₹ 2637 lacs due from M/S Rohit Ferro-Tech Ltd. for procuring and supply of materials to the party upto March 2016 for Jajpur unit. Both its Bishnupur and Haldia units are closed. No volumetric assessment could have been undertaken during March '16 owing to closure of the factory. In

के बाद, हमारी राय में, रु.2568 लाख का प्रावधान किया जाना चाहिए, जो वर्ष 2015-16 के लिए कंपनी द्वारा अपनी खातों में उपलब्ध नहीं कराया गया है। इस गैर-प्रावधानीकरण से वर्ष 2015-16 के लिए रु.2568 लाख का लाभ में अधिक और प्रावधान में कमी हुई है।

xiii. व्यापार प्राप्य जिसमें बकाया अवशिष्ट ब्याज सहित ई-ऑक्शन की बिक्री प्रक्रिया के समायोजन के उपरान्त सामग्रियों की अधिप्राप्ति एवं आपूर्ति हेतु मेसर्स टॉपवर्थ पाइप्स एवं ट्यूब्स लि. से रु. 589 लाख बकाया शामिल है। कम्पनी द्वारा टॉपवर्थ पाइप्स एवं टूयब्स लि. की सम्पूर्ण सामग्री ई-ऑक्शन के जरिए निपटान कर दिया गया है एवं वास्तव में कोई स्टॉक नहीं है। इस तरह पार्टी का वर्तमान बकाया रु. 10 लाख जमानत जमा समायोजन के उपरान्त रु. 579 लाख है जो पूर्णतया अनिश्चित है एवं वर्ष 2015-16 के दौरान उक्त हेतु कोई प्रावधान नहीं किया गया है। इस गैर-प्रावधान के परिणामस्वरूप वर्ष 2015-16 हेतु रु. 579 लाख का अधिक लाभ एवं कम प्रावधान दर्ज किया गया है।

xiv. व्यापार प्राप्य जिसमें मेसर्स टॉपवर्थ स्टील एवं पावर्स लि. से फरवरी 2014 तक सामग्रियों की अधिप्राप्ति एवं आपूर्ति हेतु रु. 10876 लाख बकाया शामिल है। अधिप्राप्त सामग्रियों का परिमाण 31.03.2016 की स्थिति अनुसार मात्रिकी आकलन के अनुसार कम था जिसके लिए पार्टी को मेक गुड करने को कहा गया था जिसे अभी तक नहीं किया गया है। गिरवी रखे स्टॉक के रु.4255 लाख के वसूलीयोग्य बाजार मूल्य और 10 लाख रुपए की प्रतिभूति जमा की राशि पर विचार करने के बाद, हमारी राय में वर्ष के दौरान रु.6611 लाख का प्रावधान बनाया जाना चाहिए। इसके फलस्वरूप वर्ष 2015-16 के लिए रु.6611 लाख का लाभ में अधिक और प्रावधान में कमी है।

xv. व्यापार प्राप्य जिसमें मेसर्स जय बालाजी इंडस्ट्रीज लि. से जुलाई 2013 तक सामग्रियों की अधिप्राप्ति एवं आपूर्ति हेतु रु. 12193 लाख बकाया शामिल है। इस तरह सम्पूर्ण स्टॉक 3 वर्ष से अधिक पुराना हो गया है एवं गुणवत्ता निश्चित रूप से कम हुई है वर्तमान बकाया को पूरा करने के लिए वांछित राशि विश्वास करना संभव नहीं है परिणास्वरूप बकाया की वसूली कम संभव है। पिछले वर्ष भी हमने ऐसे नुकसान के लिए रु. 6273 लाख के प्रावधान की सलाह दिया था जिसका कम्पनी द्वारा अनुपालन नहीं किया गया एवं अंकेक्षण योग्यता के अनुसार हमारे द्वारा उक्त विचार किया गया था। इस वर्ष मात्र रु. 362 लाख का पार्टी द्वारा पुनर्भुगतान किया गया। न्यायालय में प्रतिबद्धता के बावजूद इस तरह भुगतान में आवर्ती चूक के कारण, वसूली की संभावना संदिग्ध है। गिरवी रखे स्टॉक के वसूलीयोग्य बाजार मूल्य रु.3922 लाख की राशि पर विचार करने के बाद, हमारी राय में वर्ष के दौरान रु.8271 लाख का प्रावधान किया जाना चाहिए। इसके फलस्वरूप 2015-16 के लिए रु.8271 लाख का लाभ में अधिक और प्रावधान में कमी है।

xvi व्यापार प्राप्य जिसमें मेसर्स सिद्धार्थ ट्यूब्स लि. से फरवरी, 2014 तक सामग्रियों की अधिप्राप्ति एवं आपूर्ति हेतु रु. 1870 लाख शामिल है। इस तरह सम्पूर्ण स्टॉक दो वर्ष से अधिक पुराना है एवं खरीदे गये वस्तुओं के बाजार मूल्य में सब्सटेन्सियल गिराबट के कारण, गिरवी रखे स्टाक की वसूलीयोग्य बाजार मूल्य रु.1145 लाख है, बकाया राशि रु.685 लाख असुरक्षित हैं। सुरक्षा जमा की शुद्ध राशि रु.40 लाख है, जो वर्ष 2015-16 के लिए कंपनी द्वारा अपनी खातों में उपलब्ध नहीं कराया गया है। इसके फलस्वरूप वर्ष 2015-16 के लिए रु.685 लाख का लाभ में अधिक और प्रावधान में कमी है।

absence of appropriate audit evidence, we are unable to ascertain the raalizable market value of the pledged stock. We are doubtful about the recovery of the outstanding amount. After considering the security deposit of ₹ 69 lacs in our opinion provision should be made for ₹ 2568 lacs which has not been provided by the Company in its books of accounts for the year 2015-16. This non-provisioning has resulted in overstatement of profit and understatement of provision for the year 2015-16 by ₹ 2568 lacs.

xiii. Trade Receivables includes ₹ 589 lacs due from M/S Topworth Pipes & Tubes Ltd. for procuring and supply of materials after adjusting the sale proceeds of e-auction but including interest on outstanding balance. The Entire material of Topworth Pipes & Tubes Ltd. has been disposed off through e-auction by the Company and virtually there is no stock. Thus the present book dues of the party amounting ₹ 579 lacs, after adjustment of Security Deposit of ₹ 10 lacs is fully unsecured and no provision has been made for the same during the year 2015-16. This non-provisioning has resulted in overstatement of profit and understatement of provision for 2015-16 by ₹ 579 lacs.

xiv. Trade Receivables includes ₹ 10876 lacs due from M/S Topworth Steels & Powers Ltd. for procuring and supply of materials upto February 2014. There was a shortage in quantum of procured materials as per volumetric assessment carried out w.r.t position as at 31.03.2016 for which the party was asked to make good the same which has not been carried out as yet. After considering the realizable market value of the pledged stock amounting to ₹ 4255 lacs and security deposit of ₹ 10 lacs, in our opinion provision should be made of ₹ 6611 lacs during the year. This has resulted in overstatement of profit and understatement of provision for 2015-16 by ₹ 6611 lacs.

xv. Trade Receivables includes ₹ 12193 lacs due from M/S Jai Balaji Industries Ltd. for procuring and supply of materials upto July 2013. Thus the age of entire stock is old over 3 years and quality has been certainly degraded to fetch the desired amount to cover the present outstanding resulting in remote possibility of recovery of dues. Previous year also we suggested for making a provision of ₹ 6273 lacs against such loss which was not adhered to by the Company and same was considered by us as audit qualification. This year only ₹ 362 lacs has been repaid by the party. Due to such recurring defaults in payment despite commitment in Court, the chances of recovery is doubtful. After considering the realizable market value of pledged stock amounting to ₹ 3922 lacs, in our opinion provision should be made for ₹ 8271 lacs during the year. This has resulted in overstatement of profit and understatement of provision for 2015-16 by ₹ 8271 lacs.

xvi. Trade Receivables includes ₹ 1870 lacs due from M/S Siddhartha Tubes Ltd. for procuring and supply of materials upto February 2014. Thus the entire stock is old over two years and due to substantial fall in market price of the procured item, the realizable market value

योग्य विचार

हमारे विचार एवं प्राप्त सर्वाधिक सूचनाओं तथा हमें दिए गए व्याखाओं के अनुसार, पैराग्राफ (i) से (xvi) में विवरणित विषयों के प्रभाव को छोड़ कर, योग्यताप्राप्त विचार हेतु आधार है, जिसका समग्र प्रभाव लाभ के रु. 72432 लाख के अधिक विवरण है, उपरोक्त स्टैंडएलोन वित्तीय विवरण अपेक्षित पद्धति में अधिनियम द्वारा आवश्यक जानकारी देता है एवं भारत में सामान्यतया स्वीकृत लेखा सिद्धांतों के साथ 31 मार्च, 2016 को कम्पनी के कार्यों की स्थिति एवं उसका लाभ तथा समाप्त वर्ष की तारीख को नकद प्रवाह की सत्य एवं स्पष्ट तस्वीर प्रस्तुत करता है। उपरोक्त रु. 72432 लाख का प्रावधान न किये जाने का अगर लेखे में प्रभाव होता तो रु. 5988 लाख का लाभ रु. 66444 लाख के हानि में बदल जाता।

बल देनेवाले मामले

हम नीचे दिए गए वित्तीय विवरणों की टिप्पणी में ध्यान आकर्षण करते है :

क) लेखा टिप्पणी की टिप्पणी सं. 15(डी) में दिये गये के अनुसार, हल्दिया पेट्रोकेमिल्स लि. द्वारा सामग्रियों की प्रतिज्ञित स्टॉक का अनाधिकृत उठाना कम्पनी के प्रतिज्ञित स्टॉक यंत्र की निगरानी में कमी दर्शाता है एवं बकाए राशि के रूप में ऋण की वसूली की अनिश्चितता प्रतिज्ञित स्टॉक द्वारा नहीं होती है एवं सहमति भुगतान निर्धारण बहुत दीर्घ है।

हमारे विचार इन मामलों के संबंध में संशोधित नहीं है।

अन्य विधिक एवं नियामक आवश्यकताओं पर रिपोर्ट

1. अधिनियम की धारा 143 (5) के अधीन भारत के नियंत्रक एवं महालेखाकार के निर्देश के अनुसार लेखा परीक्षक के रिपोर्ट में शामिल किये जानेवाले अन्य मामलों के सम्बन्ध में एवं कम्पनी के खाते एवं रिकाड्र्स की हमारी जांच के आधार पर भारत में सामान्यतय स्वीकृत सिद्धातों के अनुसार एवं हमें दी गई जानकारी एवं व्याखान के अनुसार सम्पन्न किया गया। हमलोगों ने कैग के निर्देशों में निर्दिष्ट विषयों पर अनुलग्नक 'ए' में दिए हैं।
2. अधिनियम की धारा 143 के उप-धारा (11) के अर्थों में भारत के केन्द्र सरकार द्वारा जारी कम्पनी (अंकेक्षण की रिपोर्ट) आदेश, 2016 ('आदेश') द्वारा अपेक्षित अनुसार, हमने उक्त आदेश के पैराग्राफ 3 एवं 4 में निर्दिष्ट मामलों पर अनुलग्नक 'बी' में एक विवरण दिये हैं।
3. अधिनियम की धारा 143(3) द्वारा अपेक्षित अनुसार, हम रिपोर्ट देते हैं कि

(ए) हमने सभी स्पष्टीकरण एवं सूचनाएं प्राप्त की हैं, जो हमारे सर्वोत्तम जानकारी तथा विश्वास के अनुसार हमारी लेखा-परीक्षा के लिए आवश्यक थे।

(बी) उपरोक्त पैराग्राफ योग्य विचार के आधार पर विवरणित विषय के प्रभाव को छोड़कर, हमारे विचार में विधि के अनुसार अपेक्षित समुचित लेखा के खाता कम्पनी द्वारा रखा गया है जैसा कि उन खातों की हमारी जांच से प्रतीत होता है।

of the pledged stock is ₹ 1145 lacs, outstanding amount are unsecured to the tune of ₹ 685 lacs, net of security deposit amounting ₹ 40 lacs which has not been provided by the Company in its books of accounts for the year 2015-16. This non-provisioning has resulted in overstatement of profit and understatement of provision for 2015-16 by ₹ 685 lacs.

Qualified Opinion

In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, except for the effects of the matter described in paragraph (i) to (xvi) of Basis for Qualified Opinion, the overall effect of which is overstatement of profit by ₹ 72432 lacs, the aforesaid standalone financial statements give the information required by the Act in the manner so required and give a true and fair view in conformity with the accounting principles generally accepted in India, of the state of affairs of the Company as at 31st March, 2016, and its profit and its cash flows for the year ended on that date. Had the effect of above non provisions amounting to ₹ 72432 lacs given in the accounts, then the net profit of ₹ 5988 lacs would have been converted to net loss of ₹ 66444 lacs.

Emphasis of matters :-

We draw attention to the following matters in the Notes to the financial statements :

a) As stated in Note no. 15(d) of Notes on Account, Unauthorized lift of pledged stock of materials by Haldia Petrochemicals Ltd. indicates lacuna in supervision of pledged stock mechanism of the company and the uncertainty of recovery of debts as outstanding amount is not backed by pledged stock and the agreed payment schedule is very long.

Our opinion is not modified in respect of these matters.

Report on Other Legal and Regulatory Requirements

1. With respect to the other matters to be included in the Auditor's Report in terms of the directions of the Comptroller and Auditor General of India (CAG) under Section 143(5) of the Act, and on the basis of our examination of the books and records of the company carried out in accordance with the generally accepted principles in India and according to the information and explanations given to us, we give in the Annexure A, statement on the matters specified in the directions of CAG.
2. As required by the Companies (Auditor's Report) Order, 2016 ("the Order") issued by the Central Government of India in terms of sub-section (11) of Section 143 of the Act, we give in the Annexure B a statement on the matters specified in paragraphs 3 and 4 of the said order.
3. As required by Section 143 (3) of the Act, we report that:
   a. We have sought and obtained all the information and explanations which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purpose of our audit.
   b. Except for the effects of the matter described in the Basis for Qualified Opinion paragraph above, in our opinion, proper books of account as required by

(सी) इस रिपोर्ट के साथ संव्यवहृत तुलना–पत्र, लाभ व हानि खाता तथा नकद प्रवाह लेखों के अनुरूप है।

(डी) उपरोक्त पैराग्राफ योग्य विचार हेतु विवरणित विषय के आधार पर प्रभाव को छोड़कर, हमारे विचार में उपरोक्त स्टैंडएलोन वित्तीय विवरण कम्पनीज (एकाउण्ट्स) नियम, 2014 के नियम 7 के साथ पठित अधिनियम की धारा 133 के अधीन निर्दिष्ट लेखा मानकों के साथ अनुपालन किया गया है।

(ई) उपरोक्त पैराग्राफ योग्य विचार हेतु विवरणित विषय के आधार पर, हमारे विचार में, कंपनी के कार्यकलाप पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

(एफ) उपरोक्त पैराग्राफ योग्य विचार हेतु लेखा के रखरखाव हेतु सम्बद्ध योग्यता एवं उससे सम्बद्ध अन्य मामले मूल्यांकन हेतु लिये गये हैं।

(जी) कम्पनी के वित्तीय रिपोर्ट के ऊपर अंतरिम वित्तीय नियंत्रण पर्याप्तता एवं ऐसे नियंत्रण के प्रभावशाली परिचालन के संबंध में हमारे पृथक रिपोर्ट अनुलग्न सी में दिये गए हैं।

(एच) कम्पनी (अंकेक्षण एवं अंकेक्षक) नियम, 2014 के नियम 11 के अनुसार लेखा परीक्षक रिपोर्ट में शामिल किये जाने वाले अन्य मामलों के सम्बन्ध में हमारे विचार एवं हमारी जानकारी तथा हमे दिये गये व्याख्यान के अनुसार दिये गये हैं :

i. कम्पनी ने लंबित मामलों के अपने वित्तीय स्थिति पर पड़ने वाले प्रभाव का वित्तीय विवरण में खुलासा किया है–वित्तीय विवरण हेतु संदर्भ टिप्पणी सं. 30

ii. कम्पनी ने डेरिवेटिव कांट्रैक्ट्स सहित ऐसा कोई दीर्घ कालीन ठेका नहीं किया है जिससे कोई सामग्रिक नुकसान हुआ हो।

iii. कम्पनी द्वारा निवेशक एडुकेशन एवं सुरक्षा निधि स्थानांतरण की जानेवाली अपेक्षित ट्रांसफेरिंग राशि में विलम्ब के निम्नलिखित घटना हैः

स्वरूप	घोषणा की तारीख	अंतरण की निर्धारित तारीख	अंतरण की तारीख	राशि (रु. लाख में)
बिनादावा लाभांश	15.09.2008	20.10.2015	22.11.2015	11.00

वास्ते राय एंड कं.
सनदी लेखाकार
एफआरएन 313124ई

सीए एस पी बसु
साझेदार
मो. नं. 050209

स्थान : कोलकाता
दिनांक : 29.08.2016

law have been kept by the Company so far as it appears from our examination of those books.

c. The Balance Sheet, the Statement of Profit and Loss, and the Cash Flow Statement dealt with by this Report are in agreement with the books of account.

d. Except for the effects of the matter described in the Basis for Qualified opinion paragraph above, in our opinion, the aforesaid standalone financial statements comply with the Accounting Standards specified under Section 133 of the Act, read with Rule 7 of the Companies (Accounts) Rules, 2014.

e. The matter described in the Basis for Qualified Opinion paragraph above, in our opinion, may have an adverse effect on the functioning of the Company.

f. The qualification relating to the maintenance of accounts and other matters connected therewith are as stated in the Basis for Qualified Opinion paragraph above.

g. With respect to the adequacy of the internal financial control over financial reporting of the Company and the operating effectiveness of such controls, refer to our separate report in Annexure C.

h. With respect to the other matters to be included in the Auditor's Report in accordance with Rule 11 of the Companies (Audit and Auditors) Rules, 2014, in our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us :

i. The Company has disclosed the impact of pending litigations on its financial position in its financial statements – Refer Note no. 30 to the financial statements

ii. The Company did not have any such long-term contracts including derivative contracts for which there were any material foreseeable losses.

iii. Following are the instances of delay in transferring amounts, required to be transferred, to the Investor Education and Protection Fund by the Company.

Nature	**Date of Declaration**	**Due Date of transfer**	**Transferred on**	**Amount (₹ in lacs)**
Unclaimed Dividend	15/09/2008	20/10/2015	22/11/2015	11.00

For Ray & Co.
Chartered Accountants
FRN. 313124E

CA. S P Basu
Partner
M no. 050209

Place : Kolkata
Date : 29.08.2016

अनुलग्नक–ए / **Annexure-A**

कम्पनी अधिनियम 2013 की धारा 143 (5) के अधीन निर्देश
Directions under section 143(5) of the Companies Act 2013

क्र.सं. Sl. No.	निर्देश Direction	अंकेक्षक का उत्तर Auditor's Reply
1.	क्या कम्पनी के पास क्रमशः फ्रीहोल्ड एवं लीजहोल्ड हेतु क्लीयर टाईटिल/लीज है? यदि नहीं है तो कृपया फ्रीहोल्ड एवं लीजहोल्ड के क्षेत्र का उल्लेख करें जिसके लिए टाईटिल/लीज दस्तावेज उपलब्ध नहीं है। Whether the Company has clear title/lease deeds for freehold and leasehold respectively? If not please state the area of freehold and leasehold land for which title/lease deeds are not available.	अचल सम्पत्तियों का टाईटिल दस्तावेज कम्पनी के नाम में मान्य है सिवाय ढाकुरिया में अवस्थि 2 फ्लैट्स, फिनले टॉवर में 4 फ्लैट्स, मलाड में 4 फ्लैट्स, राहेजा सेंटर में 2 फ्लैट्स एवं बांद्रा, मुम्बई में 1 फ्लैट। The title deeds of immovable properties are held in the name of the company except for 2 flats situated at Dhakuria, 4 flats at Finley Tower, 4 flats at Malad, 2 flats at Raheja Centre and 1 flat at Bandra, Mumbai.
2.	क्या ऋण/कर्ज/ब्याज आदि के छूट/राइट ऑफ का कोई मामला है, यदि हाँ तो उसका कारण एवं शामिल राशि का उल्लेख करें। Whether there are any cases of waiver/write off of debts/loans/interest etc., if yes, the reasons there for and amount involved.	वर्ष के दौरान ऐसा कोई मामला नहीं है। There is no such cases during the year.
3.	क्या थर्ड पार्टियों के पास पड़ी हुई इंवेंटरियों एवं सरकार या अन्य अथॉरिटियों से उपहार/स्वीकृत के रूप में प्राप्त सम्पत्तियों का हेतु समुचित रिकार्ड रखा गया है। Whether proper records are maintained for inventories lying with third parties & assets received as gift/grant(s) from Government or other authorities	कम्पनी ने थर्ड पार्टियों के पास पड़ी इन्वेंटरीज का समुचित रिकार्ड रखा है। कम्पनी ने सरकार या किसी अन्य अथॉरिटी से उपहार के रूप में कोई सम्पत्ति प्राप्त नहीं किया है। The Company has maintained proper records for inventories lying with third parties.The Company has not received any assets as gift from Govt. or any other authorities.

स्वतंत्र लेखा परीक्षकों के प्रतिवेदन का अनुलग्नक-बी

आज की तारीख तक हमारे रिपोर्ट के "अन्य विधिक एवं विनियामक अपेक्षिता" अनुभाग के अधीन पैराग्राम 2 के संदर्भ में।

एमएसटीसी लिमिटेड ("कम्पनी") के कम्पनी अधिनियम, 2013 ("अधिनियम") की धारा 143(11) के अर्थों में केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी कम्पनीज (अंकेक्षण रिपोर्ट) आदेश, 2016 ("आदेश") पर रिपोर्ट

I. (क) कम्पनी ने सामान्यतया समुचित रिकार्ड रखे हैं जिसमें इसकी स्थाई परिसंपत्तियों की स्थित एवं मात्रात्मक विवरण सहित पूरे विवरण दर्शाए गए हैं।

(ख) कम्पनी ने वर्ष के दौरान अपने स्थायी परिसम्पत्तियों का कोई भौतिक सत्यापन किया है। हमें दी गई जानकारी एवं विश्लेषण के अनुसार ऐसे सत्यापन हेतु कोई सामग्री विवरण पर ध्यानाकर्षित नहीं किया गया था।

(ग) अचल सम्पत्तियों का टाईटिल दस्तावेज कम्पनी के नाम में मान्य है सिवाय निम्नलिखित मामलों केः

क्र.सं.	संपत्ति का विवरण	तुलन पत्र मूल्य (राशि लाख में)
1.	ढाकुरिया, कोलकाता में 2 फ्लैट्स	रु.11.53
2.	फिनले टॉवर, मुम्बई में 4 फ्लैट्स	रु.14.32
3.	मलाड, मुम्बई में 4 फ्लैट्स	रु.6.96
4.	राहेजा सेंटर, मुम्बई में 2 फ्लैट्स	रु.61.66
5.	बांद्रा, मुम्बई में 1 फ्लैट	रु.4.82

II. जैसा कि हमें बताया गया, इंवेन्टरियों का प्रबन्धन द्वारा वर्ष के दौरान समुचित अंतराल पर भौतिक सत्यापन किया गया एवं भौतिक सत्यापन में कोई सामग्री विसंगति नहीं पाई गई।

III. कंपनी ने कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 189 के अधीन रखे गये रजिस्टर में आच्छादित कंपनियों, प्रतिष्ठानों या अन्य पार्टियों को और से न तो कोई सुरक्षित या असुरक्षित ऋण लिया है न ही दिया है। इसलिए, आदेश के खंड 3(ए) एवं 3 (बी) के प्रावधान लागू नहीं है।

IV. हमारे विचार में एवं हमें दी गई जानकारी तथा विश्लेषण के अनुसार कम्पनी ने कर्ज देने, निवेश करने तथा गारंटी एवं जमानत, जैसा कि लागू है के सम्बन्ध में अधिनियम की धारा 185 एवं 186 के प्रावधानों का अनुपालन किया है।

V. कंपनी ने अधिनियम के अर्थों में कोई जमा स्वीकार नहीं किया है। अतः भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी निर्देश एवं धारा 73 से 76 के

ANNEXURE-B to the INDEPENDENT AUDITOR'S REPORT

REFERRED TO IN PARAGRAPH 2 UNDER "REPORT ON OTHER LEGAL AND REGULATORY REQUIREMENTS" SECTION OF OUR REPORT OF EVEN DATE

Report on Companies (Auditor's Report) Order, 2016 ('the Order') issued by the Central Government in terms of Section 143(11) of the Companies Act, 2013 ('the Act') of MSTC LIMITED ('the Company')

I. a. The company has generally maintained proper records showing full particulars including quantitative details and situation of fixed assets;

b. The Company has physically verified its Fixed Assets during the year. According to the information and explanations given to us, no material discrepancies were noticed on such verification.

c. The title deeds of immovable properties are held in the name of the Company except for the following cases:

Sl No	Property Description	Balance Sheet Value (Amount in lacs)
1	2 Flats at Dhakuria, Kolkata	₹ 11.53
2	4 Flats at Finley Tower, Mumbai	₹ 14.32
3	4 Flats at Malad, Mumbai	₹ 6.96
4	2 Flats at Raheja Centre, Mumbai	₹ 61.66
5	1 Flat at Bandra, Mumbai	₹ 4.82

II. As explained to us, the inventories were physically verified during the year by the Management at reasonable intervals and no material discrepancies were noticed on physical verification.

III. The Company has neither granted nor taken any loan, secured or unsecured to and from companies, firms or other parties covered in the register maintained under section 189 of the Companies Act, 2013. Therefore, the provisions of clauses 3(a) & 3(b) of the Order are not applicable.

IV. In our opinion and according to the information and explanations given to us, the Company has complied with the provisions of Section 185 and 186 of the Act in respect of grant of loans, making investments and providing guarantees and securities, as applicable.

V. The Company has not accepted any deposits within the meaning of the Act. Hence, the directives issued by

प्रावधान या अधिनियम के अन्य कोई सम्बद्ध प्रावधान तथा उसके अधीन निर्मित कोई नियम समूह के लिए लागू नहीं है।

VI. जैसा कि हमें एवं सहायक कंपनी के अंकेक्षक को जानकारी दी गई है कि अधिनियम की धारा 148 की उप-धारा (1) के अधीन लागत रिकार्ड को रखना कंपनी के लिए प्रयोज्य नहीं है।

VII. ए. कंपनी के रिकार्ड के अनुसार, समूह नियमित रूप से निर्विवाद वैधानिक बकाया सहित भविष्य निधि, कर्मचारी राज्य बीमा, आयकर, बिक्री कर, वैल्यू एडेड टेक्स, संपत्ति कर, सेवा कर, सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क, सेस एवं अन्य वैधानिक बाकाए जैसा लागू है, उपयुक्त प्राधिकार के पास जमा कर रही है।

बी. बिक्री कर, सेवा कर, उत्पाद शुल्क, प्रवेश कर, आयकर एवं सीमा शुल्क के विवादित बकाए का विवरण जो जमा नहीं किये गये हैं निम्न रूप में हैं :

Reserve Bank of India and the provisions of Sections 73 to 76 or any other relevant provisions of the Act and the rules framed there under are not applicable to the Company.

VI. As informed to us, the maintenance of cost records under sub-section (1) of Section 148 of the Act is not applicable to the Company.

VII. a. According to the records of the Company, the Company is regular in depositing the undisputed statutory dues including provident fund, employees' state insurance, income tax, sales tax, value added tax, wealth tax, service tax, custom duty, excise duty, cess and any other statutory dues as applicable, with the appropriate authorities.

b. The details of disputed dues of Sales Tax, Service Tax, Excise Duty, Entry Tax, Income Tax and Custom Duty, which have not been deposited, are given below:

संविधि का नाम	बकाया राशि की प्रकृति		राशि रु.लाख में	जिस फोरम में विवाद लंबित
उत्तर प्रदेश वैल्यू एडेड टेक्स अधिनियम 2008	बिक्री कर प्राधिकरण द्वारा दावा	2001-02	1.93	उच्च न्यायालय इलाहाबाद में लंबित
जम्मू व कश्मीर सामान्य बिक्री कर अधिनियम 1962	बक्री कर प्राधिकरण द्वारा दावा	2008-09	2.56	डीसी (अपील) के समक्ष लंबित
		2011-12	0.32	जम्मू
पश्चिम बंगाल वैल्यू एडेड टेक्स अधिनियम 2003	बिक्री कर प्राधिकरण द्वारा दावा	2009 -10	426.33	एपेलेट रीविजन बोर्ड, कोलकाता के समक्ष
		2011 - 12	139.54	लंबित
आंध्र प्रदेश वैल्यू एडेड टेक्स अधिनियम 2005	बिक्री कर प्राधिकरण द्वारा दावा	1982 - 83	9.33	बिक्री कर ट्रिब्यूनल/बिक्री कर प्राधिकरण/उच्च
		1984- 85	54.17	न्यायालय के समक्ष लंबित
		1998 - 99	22.53	
		1999 - 00	44.42	
		2002 - 03	31.18	
		2004 - 05	9.08	
		2005 - 06	3.70	
		2006 - 07	0.76	
		2007 - 08	27.46	
		2008 - 09	42.66	
		2008 - 13	627.91	
ओडिशा बिक्री कर अधिनियम	बिक्री कर प्राधिकरण द्वारा दावा	1986- 87	269.00	उच्च न्यायालय के समक्ष लंबित
गुजरात वैल्यू एडेड टेक्स अधिनियम 2003	बिक्री कर प्राधिकरण द्वारा दावा	2002 - 03	52.25	बिक्री कर प्राधिकरण के समक्ष लंबित
		2003 - 04	369.45	
		2004 - 05	495.77	
उत्तराखंड वैट अधिनियम	बिक्री कर प्राधिकरण द्वारा दावा	2011-12	0.08	सीटीओ,उत्तराखंड के पास लंबित
सीमा शुल्क अधिनियम 1962	सीमा शुल्क विभाग द्वारा दावा	1995 - 96	240.00	बिक्री कर प्राधिकरण के समक्ष लंबित
सीमा शुल्क अधिनियम 1962	सीमा शुल्क विभाग द्वारा दावा	2001 - 02	203.81	उच्च न्यायालय/बिक्री कर प्राधिकरण
		2012 - 13	1542.49	के समक्ष लंबित
		2013 - 14	83.55	
आयकर अधिनियम, 1961	आयकर की मांग	2002 - 03	51.56	उच्च न्यायालय, कलकत्ता में लंबित
आयकर अधिनियम, 1961	आयकर की मांग	2004 - 05	1.06	अपीलीय प्राधिकरण के समक्ष लंबित
आयकर अधिनियम, 1961	आयकर की मांग	2006 - 07	11.64	अपीलीय प्राधिकरण के समक्ष लंबित
आयकर अधिनियम, 1961	आयकर की मांग	2008 - 09	67.62	आयकर ट्रिब्यूनल के समक्ष लंबित
आयकर अधिनियम,, 1961	आयकर की मांग	2011 - 12	21.34	अपीलीय प्राधिकरण के समक्ष लंबित
आयकर अधिनियम,, 1961	आयकर की मांग	2012 - 13	275.73	अपीलीय प्राधिकरण के समक्ष लंबित
वित्त अधिनियम 1994	सेवा कर की मांग	2003-05	22.02	अपीलीय प्राधिकरण के समक्ष लंबित
		2002-05	83.53	
		2005-08	15.03	
		2005-07	1490.10	
		कुल	**6740.00**	

Name of the Statute	Nature of Dues	Period to which the amount relates Financial Year	Amount (₹ in Lacs)	Forum where dispute is pending
Uttar Pradesh Value Added Tax Act, 2008	Claim by Sales Tax Authority	2001-02	1.93	Pending before HC Allahabad
Jammu & Kashmir General Sales Tax Act, 1962	Claim by Sales Tax Authority	2008-09 2011-12	2.65 0.32	Pending before DC (Appeal), Jammu
West Bengal Value Added Tax Act, 2003	Claim by Sales Tax Authority	2009 – 10 2011 – 12	426.33 139.54	Pending before Appellate Revision Board, Kolkata
Andhra Pradesh Value Added Tax Act 2005	Claim by Sales Tax Authority	1982 – 83 1984 – 85 1998 - 99 1999 - 00 2002 – 03 2004 – 05 2005 – 06 2006 – 07 2007 – 08 2008 – 09 2008 - 13	9.33 54.17 22.53 44.42 31.18 9.08 3.70 0.76 27.46 42.66 627.91	Pending before ST Tribunal/ ST Authority/HC
Odisha Sales Tax Act	Claim by Sales Tax Authority	1986 – 87	269.00	Pending before High Court
Gujrat Value Added TaxAct 2003	Claim by Sales Tax Authority	2002 – 03 2003 – 04 2004 – 05	52.25 369.45 495.77	Pending before ST Authority
Uttarkhand VAT Act	Claim by Sales Tax Authority	2011 – 12	0.08	Pending with CTO, Uttarakhand
Customs Act 1962	Claim by Customs Department	1995 – 96	240.00	Pending before ST Authority
Customs Act 1962	Claim by Customs Department	2001 – 02 2012 – 13 2013 – 14	203.81 1542.49 83.55	Pending before High Court ST Tribunal
Income Tax Act, 1961	Income Tax Demand	2002 – 03	51.56	Pending with HC Calcutta
Income Tax Act, 1961	Income Tax Demand	2004 – 05	1.06	Pending with Appellate Authority
Income Tax Act, 1961	Income Tax Demand	2006 – 07	11.64	Pending with Appellate Authority
Income TaxAct, 1961	Income Tax Demand	2008 – 09	67.62	Pending with IT Tribunal
Income Tax Act, 1961	Income Tax Demand	2011 – 12	21.34	Pending with Appellate Authority
Income Tax Act, 1961	Income Tax Demand	2012 – 13	275.73	Pending with Appellate Authority
Finance Act 1994	Service Tax Demand	2003 – 05 2002 – 05 2005 – 08 2005 – 07	22.02 83.53 15.03 1490.10	Pending with Appellate Authority
		TOTAL	**6740.00**	

सी. वह राशि जो अधिनियम के सम्बद्ध प्रावधानों एवं उसके अधीन बनाए गए नियमों के संबंध में निवेशक एडुकेशन एवं संरक्षण कोष को अंतरण करने के लिए अपेक्षित थी को समयानुसार ऐसे कोष में अंतरण नहीं किया गया है सिवाय धारित कंपनी के मामलों को छोड़ कर, जिसमें वर्ष 2007-08 के बिना दावा लाभांश के बाबत रु. 11 लाख की राशि 39 दिन विलम्ब से अंतरण की गई।

VIII. कंपनी बैंकों के बकाए के पुनर्भुगतान में डिफॉल्टेड नहीं है सिवाय रु. 138 लाख इंडियन ओवरसीज बैंक से एवं रु.14362 लाख चार्टर्ड बैंक से ऋण हेतु मामले में जैसा लेखा पर टिप्पणी के टिप्पणी सं. 5(ए) एवं 5(बी) में निर्दिष्ट है। कंपनी के पास किसी वित्तीय संस्थान या सरकार से कोई ऋण नहीं है और ना ही कोई डिवेंचर जारी किया है।

IX. कम्पनी ने पब्लिक ऑफर या आगे किसी पब्लिक ऑफर (ऋण प्रपत्र सहित) या आवधिक ऋण के माध्यम से धन उगाही नहीं किया है एवं अतः आदेश का खंड 3(ix) के अधीन रिपोर्टिंग प्रायोज्य नहीं है।

X. हमारे अधिकतम ज्ञान एवं हमें दी गई जानकारी तथा विश्लेषण के अनुसार वर्ष के दौरान कम्पनी द्वारा कोई धोखाधड़ी नहीं की गई है और न ही इसके अफसरों या कर्मचरियों द्वारा कम्पनी में किसी धोखाधड़ी की सूचना या रिपोर्ट की गई है।

XI. मेरे विचार में एवं हमें दी गई जानकारी एवं विश्लेषण के अनुसार कम्पनी ने अधिनियम की अनुसूची V के साथ पठित धारा 197 के प्रावधानों द्वारा अपेक्षित अनुमोदित अधिदेश के अनुसार प्रबंधकीय पारिश्रमिकी भुगतान/प्रदान किया है।

XII. कम्पनी एक निधि कम्पनी नहीं है एवं अतः आदेश के खंड 3(xii) के अधीन रिपोर्टिंग प्रायोज्य नहीं है।

XIII. मेरे विचार में एवं हमें दी गई जानकारी एवं विश्लेषण के अनुसार कम्पनी ने सम्बद्ध पार्टियों के साथ सभी लेन देन अधिनियम की धारा 177 एवं 188, जहाँ लागू है, का अनुपालन किया एवं सम्बद्ध पार्टी के लेनदेने के विवरण लागू लेखा मानकों द्वारा जैसा कि अपेक्षित है स्टैंडएलोन वित्तीय विवरण में प्रकटीकृत किया गया है।

XIV. वर्ष के दौरान कम्पनी ने कोई अधिमान्य आवंटन या शेयर का निजी पदस्थापन अथवा पूर्णतया या आंशिक कन्वर्टिबल डिवेंचर जारी नहीं किया है एवं अतः आदेश के खंड 3 (xiv) के अधीन सूचना कम्पनी हेतु प्रायोज्य नहीं है।

XV. मेरे विचार में एवं हमें दी गई जानकारी के अनुसार वर्ष के दौरान कम्पनी अपने निदेशकगण या अपने निदेशकगण से सम्बद्ध किसी व्यक्ति के साथ किसी गैर-नकदी लेनदेने में शामिल नहीं हुई है और अतः अधिनियम की धारा 192 के प्रावधान प्रायोज्य नहीं है।

XVI. कम्पनी को भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 की धारा 45-आईए के अधीन पंजीकृत होना अपेक्षित नहीं है।

वास्ते राय एवं कं.
सनदी लेखाकार
एफआरएन. 313124ई
सीए.एस.पी. बसु
पार्टनर
एम नं. 05029

स्थान : कोलकाता
दिनांक : 29.08.2016

c. The amount which were required to be transferred to the Investor Education and Protection Fund in accordance with the relevant provisions of the Act and rules made thereunder has not been transferred to such fund within time, except in case of Holding Company, there is a delay of transfer of 39 days amounting to ₹ 11.00 lacs towards unclaimed dividend for the year 2007-08.

VIII. In our opinion and according to the information and explanations given to us, the Company has not defaulted in repayment of dues to banks except for the loan from Indian Overseas Bank ₹ 138 lacs and Standard Chartered Bank ₹ 14362 lacs as mentioned in Note No. 5(a) and 5(b) of the Notes on Account. The Company did not have any loans or borrowings from financial institutions or government and has not issued any debentures.

IX. The Company has not raised moneys by way of public offer or further public offer (including debt instrument) or term loans and hence reporting under clause 3(ix) of the Order is not applicable.

X. To the best of our knowledge and according to the information and explanations given to us, no fraud by the Company and no fraud on the Company by its officers or employees has been noticed or reported during the year.

XI. In our opinion and according to the information and explanations given to us, the Company has paid/ provided managerial remuneration in accordance with the requisite approvals mandated by the provisions of Section 197 read with Schedule V to the Act.

XII. The Company is not a Nidhi Company and hence reporting under clause 3(xii) of the Order is not applicable.

XIII. In our opinion and according to the information and explanations given to us, the Company is in compliance with Section 177 and 188 of the Act, where applicable, for all transactions with the related parties and the details of related party transactions have been disclosed in the standalone financial statements as required by the applicable accounting standards.

XIV. During the year, the Company has not made any preferential allotment or private placement of shares or fully or partly convertible debentures and hence reporting under Clause 3(xiv) of the Order is not applicable to the Company.

XV. In our opinion and according to the information and explanations given to us, during the year the Company has not entered into any non-cash transactions with its Directors or persons connected to its Directors and hence provision of Section 192 of the Act is not applicable.

XVI. The Company is not required to be registered under section 45-IA of the Reserve Bank of India Act, 1934.

For Ray & Co.
Chartered Accountants
FRN. 313124E

CA. S P Basu
Partner
M no. 050209

Place : Kolkata
Date : 29.08.2016

स्वतंत्र लेखा परीक्षकों के प्रतिवेदन का अनुलग्नक-सी

आज की तारीख तक हमारे रिपोर्ट के "अन्य विधिक एवं विनियामक अपेक्षिता पर रिपोर्ट" के अधीन पैराग्राम 3(जी) के संदर्भ में।

कम्पनी अधिनियम, 2013 ("अधिनियम") की धारा 143 की उप-धारा 3 के खंड (i) के अधीन वित्तीय रिपोर्टिंग के ऊपर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण पर रिपोर्ट

हमने एमएसटीसी लिमिटेड ("कम्पनी") के समाप्त वर्ष हेतु कम्पनी के वित्तीय विवरण के हमारे अंकेक्षण के अनुसार 31 मार्च, 2016 को वित्तीय रिपोर्ट पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण लेखा परीक्षण किया है।

आंतरिक वित्तीय नियंत्रण हेतु प्रबंधन की जिम्मेवारी

कम्पनी का प्रबंधन इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउण्टेंट्स ऑफ इंडिया (गाइडेंस नोट) द्वारा जारी वित्तीय रिपोर्ट पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण के लेखा परीक्षण पर दिशा निर्देश टिप्पणी में दिये गये आंतरिक नियंत्रण के आवश्यक अवयवों पर विचार कर कम्पनी द्वारा स्थापित वित्तीय रिपोर्ट मानदंड पर आंतरिक नियंत्रण पर आधारित आंतरिक वित्तीय नियंत्रण स्थापित करने एवं मैन्टेन करने हेतु जिम्मेवार है। इन जिम्मेवारियों में पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की डिजाइन, कार्यान्वयन एवं रखरखाव जो अपने व्यापार के आगामी व्यवस्थित एवं प्रभावी आवरण हेतु प्रभावीरूप से परिचालन सहित कम्पनी की नीतियां, इसके संपत्तियों की सुरक्षा, संरक्षण एवं धोखाधड़ी एवं त्रुटी पता लगाना, लेखा रिकार्ड्स की सटिकता एवं पूर्णता तथा विश्वसनीय वित्तीय जानकारी समयबद्ध तैयार करना जैसा कि अधिनियम में अपेक्षित है शामिल है।

लेखा परीक्षक की जिम्मेवारी

हमारी जिम्मेवारी हमारे लेखा परीक्षण पर आधारित वित्तीय रिपोर्ट के ऊपर कम्पनी की आंतरिक वित्तीय नियंत्रण पर विचार व्यक्त करना है। हमने अधिनियम की धारा 143(10) के अधीन लेखा परीक्षण पर निर्धारित मानकों एवं दिशा निर्देश टिप्पणी, आंतिरक वित्तीय नियंत्रण के लेखा परीक्षण हेतु जहाँ तक लागू है, के अनुसार अपना लेखा परीक्षण संचालित किया है। उन मानकों एवं दिशा निर्देश टिप्पणी की अपेक्षिता होती है कि हम नीतिगत अपेक्षिता एवं योजना का अनुपालन करें एवं वित्तीय रिपोर्ट जो स्थापित एवं नियंत्रण किये गये थे के ऊपर क्या पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण किया गया एवं ऐसे नियंत्रण सभी वस्तुनिष्ट पहलुओं में प्रभावी रूप से संचलित किये गये के बारे में उपयुक्त सुनिश्चिता प्राप्त कर लेखा परीक्षण करना है।

हमारे लेखा परीक्षण में वित्तीय रिपोर्ट एवं उनके प्रभावी रूप से परिचालन के ऊपर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों के पर्याप्तता के बारे में लेखा परीक्षण साक्ष्य प्राप्त करने के लिए निष्पादित कार्यविधि शामिल है। हमारा वित्तीय रिपोर्ट के ऊपर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण के लेखा परीक्षण में शामिल है

ANNEXURE-C to the INDEPENDENT AUDITORS' REPORT

Referred to in paragraph 3(g)under "Report on Other Legal and Regulatory Requirements" section of our report of even date

Report on the Internal Financial Controls over Financial Reporting under Clause (i) of sub-section 3 of Section 143 of the Companies Act, 2013 ("the Act")

We have audited the internal financial controls over financial reporting of MSTC LIMITED ("the Company") as at 31st March 2016 in conjunction with our audit of the financial statements of the Company for the year ended on that date.

Management's Responsibility for Internal Financial Controls

The Company's management is responsible for establishing and maintaining internal financial controls based on the internal control over financial reporting criteria established by the Company considering the essential components of internal control stated in the Guidance Note on Audit of Internal Financial Controls over Financial Reporting issued by the Institute of Chartered Accountants of India (the "Guidance Note"). These responsibilities include the design, implementation and maintenance of adequate internal financial controls that were operating effectively for ensuring the orderly and efficient conduct of its business, including adherence to Company's policies, the safeguarding of its assets, the prevention and detection of frauds and errors, the accuracy and completeness of the accounting records, and the timely preparation of reliable financial information, as required under the Act.

Auditors' Responsibility

Our responsibility is to express an opinion on the Company's internal financial controls over financial reporting based on our audit. We conducted our audit in accordance with the Standards on Auditing prescribed under section 143(10) of the Act and Guidance Note, to the extent applicable to an audit of internal financial controls. Those Standards and Guidance Note require that we comply with the ethical requirements and plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether adequate internal financial controls over financial reporting was established and maintained and if such controls operated effectively in all material aspects.

Our audit involves performing procedures to obtain audit evidence about the adequacy of the internal financial controls system over financial reporting and their operating effectiveness. Our audit of internal financial controls over financial reporting included obtaining an understanding of

वित्तीय रिपोर्ट के ऊपर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की समझदारी प्राप्त करना, जोखिम जो वर्तमान सामग्री कमजोरी का निर्धारण करना, एवं जांच करना तथा आकलित जोखिम पर आधारित आंतरिक नियंत्रण प्रभावशाली डिजाइन एवं परिचालन का मूल्यांकन करना। चयनित कार्यविधि लेखा परीक्षण के निर्णय पर निर्भर करता है जिसमें शामिल है स्टैंडएलोन वित्तीय विवरण के सामग्रियों का गलत विवरण के जोखिम का आकलन, जो धोखाधड़ी या त्रुटी के कारण है।

हम विश्वास करते हैं कि हमने जो लेखा परीक्षण साक्ष्य प्राप्त किये है वह वित्तीय रिपोर्ट के ऊपर कम्पनी के आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली पर हमारे लेखा परीक्षण पर विचार हेतु पर्याप्त एवं उपयुक्त आधार है।

वित्तीय रिपोर्ट के ऊपर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण का तात्पर्य

वित्तीय रिपोर्ट के ऊपर कम्पनी का आंतरिक वित्तीय नियंत्रण वास्तविक वित्तीय रिपोर्ट के बारे में उचित सुनिश्चितता प्रदान करने के लिए परिकल्पित प्रक्रिया है एवं सामान्यतया स्वीकृत लेखा सिद्धांतों के अनुसार बाह्य उद्देश्य हेतु वित्तीय विवरण तैयार करना है। कम्पनी का वित्तीय रिपोर्ट के ऊपर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण जिसमें शामिल हैं वे नीतियां एवं प्रक्रिया जोः

1. रिकार्ड के रखरखाव के सम्बन्ध में जो उचित विवरण, सही एवं स्पष्ट लेनदेन एवं कम्पनी की सम्पत्तियों की गैर स्थिति दर्शाता हो।
2. उचित सुनिश्चिता प्रदान करता हो जो लेनदेने सामान्यतया लेखा सिद्धांतों के अनुसार वित्तीय विवरण के तैयार करने की अनुमति हेतु रिकार्ड किये गये हैं एवं कम्पनी की प्राप्ति एवं व्यय कम्पनी के प्रबंधन एवं निदेशकगण के मात्र अधिकृत के अनुसार किये गये हैं, एवं
3. अनाधिकृत अधिग्रहण, उपयोग, या कम्पनी की संपत्ति की गैरस्थिति को रोकना या समय पता लगाने के संबंध में उचित सुनिश्चितता प्रदान करता जिसका वित्तीय विवरण पर सामग्री प्रभाव पड़ सकता है।

वित्तीय रिपोर्ट के ऊपर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण का अंतर्निहित सीमा

क्योकि वित्तीय रिपोर्ट के ऊपर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की अंतर्निहित सीमा में शामिल है नियंत्रण का दूरभिसंधि या अनुचित प्रबंधन ओवरराइड, त्रूटी या धोखाधड़ी के कारण सामग्रियों ता गलत विवरण एवं पता नहीं लग पाना। भविष्य के वित्तीय रिपोर्ट के ऊपर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण का किसी मूल्यांकन का प्रक्षेपण जोखिम का विषय है जो वित्तीय रिपोर्ट के ऊपर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण स्थिति में परिवर्तन के कारण अपर्याप्त हो सकता है या नीतियों या प्रक्रियाओं के अनुपालन के अंश कमी हो सकती है।

योग्यतापूर्ण विचार

हमें दी गई जानकारी एवं विश्लेषण के अनुसार एवं हमारे लेखा परीक्षण पर आधारित निम्नलिखित सामग्री कमजोरी 31 मार्च 2016 को पहचान

internal financial controls over financial reporting, assessing the risk that a material weakness exists, and testing and evaluating the design and operating effectiveness of internal control based on the assessed risk. The procedures selected depend on the auditors' judgement, including the assessment of the risks of material misstatement of the standalone financial statements, whether due to fraud or error.

We believe that the audit evidence we have obtained is sufficient and appropriate to provide a basis for our audit opinion on the Company's internal financial controls system over financial reporting.

Meaning of Internal Financial Controls over Financial Reporting

A company's internal financial controls over financial reporting is a process designed to provide reasonable assurance regarding the reliability of financial reporting and the preparation of financial statements for external purposes in accordance with generally accepted accounting principles. A company's internal financial controls over financial reporting includes those policies and procedures that;

1. Pertain to the maintenance of records that, in reasonable detail, accurately and fairly reflect the transactions and dispositions of the assets of the company;
2. Provide reasonable assurance that transactions are recorded as necessary to permit preparation of financial statements in accordance with generally accepted accounting principles, and that receipts and expenditures of the company are being made only in accordance with authorizations of management and directors of the company; and
3. Provide reasonable assurance regarding prevention or timely detection of unauthorized acquisition, use, or disposition of the company's assets that could have a material effect on the financial statements.

Inherent Limitations of Internal Financial Controls over Financial Reporting

Because of the inherent limitations of internal financial controls over financial reporting, including the possibility of collusion or improper management override of controls, material misstatements due to error or fraud may occur and not be detected. Also, projections of any evaluation of the internal financial controls over financial reporting to future periods are subject to the risk that the internal financial controls over financial reporting may become inadequate because of changes in conditions, or that the degree of compliance with the policies or procedures may deteriorate.

Qualified Opinion

According to the information & explanations given to us and based on our audit, the following material weakness have

किया गया हैः

ए) कम्पनी के पास ग्राहक स्वीकृति, क्रेडिट मूल्यांकन एवं बिक्री हेतु स्थापित क्रेडिट सीमा के लिए उपयुक्त आंतरिक नियंत्रण प्रणाली नहीं है, जिससे अंतिम संग्रह की उचित सुनिश्चितता को स्थापित किये बगैर कम्पनी के राजस्व की पहचान में संभाव्य परिणाम हो सकता है।

बी) कम्पनी के पास ग्रहाकों की ओर से कम्पनी द्वारा संग्रह किये की कच्ची सामग्रियों के प्रतिज्ञित स्टॉक के सम्बन्ध में इंवेंटरी हेतु उपयुक्त आंतरिक नियंत्रण प्रणाली नहीं है। हल्दिया पेट्रोकेमिकल्स लि. एवं रोहित फेरो टेक लि. हेतु मात्रात्मक आंकलन संचालित नहीं किया गया।

'सामग्री कमजोरी' वित्तीय रिपोर्ट के ऊपर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण में एक कमी या कमियों का संयोजन है, जिससे कम्पनी के वार्षिक या अंतरिम वित्तीय विवरणों में सामग्रियों के गलत विवरण की समुचित संभावना है जिसे समय पर रोका या पता नहीं लगाया जा सकेगा।

हमारे विचार में नियंत्रण मानदंड के उद्देश्य की प्राप्ति पर उपरोक्त विवरणित सामग्री कमजोरी के संभावित प्रभाव को छोड़ कर कम्पनी ने सभी सामग्री पक्षों, वित्तीय रिपोर्ट के ऊपर पर्याप्त अंतरिम वित्तीय नियंत्रण प्रणाली मैन्टेन किया है एवं वित्तीय रिपोर्ट के ऊपर ऐसे आंतरिक वित्तीय नियंत्रण इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउण्टेंट्स द्वारा जारी वित्तीय रिपोर्ट के ऊपर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण के लेखा परीक्षण पर दिशा निर्देश टिप्पणी में दिये गये आंतरिक नियंत्रण के आवश्यक अवयवों विचार कर कम्पनी द्वारा स्थापित वित्तीय रिपोर्ट मानदंड के ऊपर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण पर आधारित 31 मार्च, 2016 को प्रभावशाली रूप से परिचालित किये गये थे।

वास्ते रे एवं कं.
चार्टर्ड एकाउण्टेंट
एफआरएन .313124ई
सीए एस.पी. बसु
पार्टनर
एम नं. 050209

स्थान : कोलकाता
दिनांक : 29 .08 .2016

been identified as at 31stMarch 2016:-

a) The Company did not have an appropriate internal control system for customer acceptance, credit evaluation and establishing credit limits for sales, which could potentially result in the Company recognizing revenue without establishing reasonable certainty of ultimate collection.

b) The Company did not have an appropriate internal control system for inventory with regard to pledged stock of raw materials procured by the Company on behalf of the customers. Volumetric assessment was not conducted for Haldia Petrochemicals Ltd andRohit Ferro Tech Ltd.

A 'material weakness' is a deficiency, or a combination of deficiencies, in internal financial control over financial reporting, such that there is a reasonable possibility that a material misstatement of the company's annual or interim financial statements will not be prevented or detected on a timely basis.

In our opinion, except for the possible effects of the material weaknesses described above on the achievements of the objectives of the control criteria, the Company has maintained, in all material aspects, adequate internal financial controls system over financial reporting and such internal financial controls over financial reporting were operating effectively as at 31st March 2016, based on the internal financial control over financial reporting criteria established by the Company considering the essential components of internal control stated in the Guidance Note on Audit of Internal Financial Controls Over Financial Reporting issued by the Institute of Chartered Accountants of India.

For Ray & Co.
Chartered Accountants
FRN. 313124E

CA. S P Basu
Partner
M no. 050209

Place : Kolkata
Date : 29.08.2016

31 मार्च, 2016 को समाप्त वर्ष हेतु एमएसटीसी लिमिटेड के वित्तीय विवरण पर कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 143(6)(बी) के अधीन भारत के महालेखा परीक्षक एवं नियंत्रक की टिप्पणी

कम्पनी अधिनियम, 2013 के अधीन निर्धारित वित्तीय प्रतिवेदन रूपरेखा के अनुसार 31 मार्च, 2016 को समाप्त वर्ष हेतु एमएसटीसी लिमिटेड के वित्तीय विवरण को तैयार करना कम्पनी के प्रबन्धन की जिम्मेवारी है। अधिनियम की धारा 139(5) के अधीन भारत के महालेखा एवं नियंत्रक द्वारा नियुक्त किये गये सांविधिक लेखा परीक्षक अधिनियम की धारा 143(10) के अधीन निर्धारित लेखा परीक्षा के मानकों के अनुसार स्वतंत्र लेखा परीक्षा पर आधारित अधिनियम की धारा 143 के अधीन वित्तीय विवरण पर विचार प्रस्तुत करने के लिए जिम्मेवार हैं। यह उनकी ऑडिट रिपोर्ट दिनांक 29 अगस्त, 2016 के तहत किया गया है।

भारत के महालेखा परीक्षक एवं नियंत्रक की ओर से मैंने 31 मार्च, 2016 को समाप्त वर्ष हेतु एमएसटीसी लिमिटेड के वित्तीय विवरण के अधिनियम की धारा 143 (6)(ए) के अंतर्गत अनुपूरक लेखा परीक्षा संचालित किया है। अनुरूपरक लेखा परीक्षा स्वतंत्र रूप से सांविधिक लेखा परीक्षक के कार्यरत कागजों की प्राप्ति के वगैर सम्पन्न किया गया है तथा सांविधिक लेखा परीक्षक एवं कम्पनी परसोनेल तथा कतिपय लेखा रिकार्ड्स की चयनित परीक्षा की जांच के अनुसार प्राथमिक रूप से समीति है। मेरे लेखा परीक्षा के आधार पर मेरे संज्ञान में कोई भी महत्वपूर्ण तथ्य नहीं आया है जिसे सांविधिक लेखा परीक्षक प्रतिवेदन पर कोई टिप्पणी अथवा पूरक प्रदान किया जा सके।

भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक
और उनकी ओर से

ह/-
(प्रवीर कुमार)
वाणिज्यिक लेखा परीक्षा के प्रधान निदेशक और
पदेन सदस्य, लेखा परीक्षा पार्षद-1
कोलकाता

स्थान कोलकाता
दिनांक : 12.09.2016

COMMENTS OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR GENERAL OF INDIA UNDER SECTION 143(6)(b) OF THE COMPANIES ACT, 2013 ON THE FINANCIAL STATEMENTS OF MSTC LIMITED FOR THE YEAR ENDED 31 MARCH, 2016

The preparation of Financial Statements of MSTC Limited for the year ended 31 March, 2016 in accordance with the financial reporting framework prescribed under the Companies Act, 2013 (Act) is the responsibility of the management of the company. The statutory auditor appointed by the Comptroller and Auditor General of India under Section 139(5) of the Act is responsible for expressing opinion on the financial statements under Section 143 of the Act based on independent audit in accordance with standards on auditing prescribed under section 143(10) of the Act. This is stated to have been done by them vide their Audit Report dated 29 August 2016.

I, on the behalf of the Comptroller and Auditor General of India, have conducted a supplementary audit under Section 143(6)(a) of the Act of the financial statements of MSTC Limited for the year ended 31st March, 2016. This supplementary audit has been carried out independently without access to the working papers of the statutory auditor and is limited primarily to inquiries of the statutory auditor and company personnel and a selective examination of some of the accounting records. On the basis of my audit nothing significant has come to my knowledge which would give rise to any comment upon or supplement to statutory auditors' report.

For and on behalf of the
Comptroller & Auditor General of India

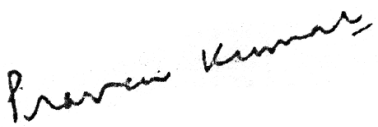

(Praveer Kumar)
Principal Director of Commercial Audit
& Ex-officio Member, Audit Board-I
Kolkata

Place : Kolkata
Date : 12.09.2016

एमएसटीसी लिमिटेड MSTC LIMITED

तुलन पत्र : 31 मार्च 2016 BALANCE SHEET AS AT 31 MARCH, 2016

(रु. लाख में)/(₹ in Lacs)

विवरण	Particulars	टिप्पणी सं. Note No.	As at 31.03.2016 को	As at 31.03.2015 को
I. ईक्विटी एवं देयताएं	**I. EQUITY AND LIABILITIES**			
1. शेयरधारकों की निधियां	**1. Shareholders' funds**			
(क) शेयर पूंजी	(a) Share Capital	2	880	880
(ख) आरक्षित एवं अधिशेष	(b) Reserves and Surplus	3	72,368	68,543
2 अप्रचलित देयताएं	**2. Non-current liabilities**			
(क) अन्य दीर्घावधि देयताएं	(a) Other Long term liabilities	4	842	941
3 चालू देयताएं	**3. Current Liabilities**			
(क) अल्पावधि ऋण	(a) Short-term Borrowings	5	62,808	1,08,589
(ख) व्यापारगत देय	(b) Trade Payables	6	2,11,594	3,00,604
(ग) अन्य चालू देयताएं	(c) Other Current Liabilities	7	88,449	90,422
(घ) अल्पावधि प्रावधान	(d) Short-term Provisions	8	3,749	4,064
कुल	**TOTAL**		**4,40,690**	**5,74,043**
II. परिसंपत्तियां	**II. ASSETS**			
1. गैर मौजूदा परिसंपत्तियां	**1. Non-Current Assets**			
(क) अचल परिसंपत्तिया	(a) Fixed Assets	9		
(i) भौतिक परिसंपत्तियां	(i) Tangible Assets		426	1,639
(ii) अमूर्त परिसंपत्तियां	(ii) Intangible assets		–	–
(iii) पूंजी कार्य जारी	(iii) Capital Work-in-Progress		–	–
(ख) अप्रचलित निवेश	(b) Non-Current Investments	10	1,581	1,581
(ग) आस्थगित कर परिसंपत्तियां (शुद्ध)	(c) Deferred Tax Assets (Net)	11	16,922	16,248
(घ) दीर्घावधि ऋण एवं अग्रिम	(d) Long-term Loans and Advances	12	1,273	1,875
(ङ) अन्य गैर मौजूदा परिसंपत्तियां	(e) Other Non-Current Assets	13	17	44
2. चालू परिसंपत्तियां	**2. Current Assets**			
(क) स्टॉक	(a) Inventories	14	1,529	14,683
(ख) व्यापारगत प्राप्य	(b) Trade Receivables	15	3,15,463	4,05,691
(ग) नकद एवं नकदी समतुल्य	(c) Cash and Cash Equivalents	16	94,505	1,23,698
(घ) अल्पावधि ऋण एवं अग्रिम	(d) Short-term Loans and Advances	17	8,725	7,815
(ङ) अन्य चालू परिसंपत्तियां	(e) Other Current Assets		249	769
कुल	**TOTAL**		**4,40,690**	**5,74,043**
महत्त्वपूर्ण लेखा नीतियां	Significant Accounting Policies	1		

संलग्न टिप्पणियां 1 से 32 वित्तीय विवरण के अभिन्न अंग हैं। The accompanying notes numbering 1 to 32 are an integral part of the Financial Statements.

यह तुलन पत्र सम तारीख के हमारे प्रतिवेदन के संदर्भ में है। This is the Balance Sheet referred to in our report of even date.

कृते एमएसटीसी लिमिटेड For MSTC Limited

कृते राय एंड कं.
सनदी लेखापाल
पंजीकरण सं. 313124ई

सीए एस पी बसु
साझेदार
एम नं. 050209

तारीख : 03.08.2016
स्थान : कोलकाता

For Ray & Co.
Chartered Accountants
Regn. No. 313124E

CA S P. Basu
Partner
M no. 050209

Dated : 03.08.2016
Place : Kolkata

(बी.बी. सिंह)
अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक

(B. B. Singh)
Chairman-cum-Managing Director

(आर के चौधुरी)
महाप्रबंधक (वित्त एवं लेखा)

(R. K. Chaudhuri)
General Manager (Finance & Accounts)

(ए के बासु)
निदेशक (वित्त)

(A. K. Basu)
Director (Finance)

(सुब्रत कुमार राय)
कंपनी सचिव

(Subrata Kumar Ray)
Company Secretary

एमएसटीसी लिमिटेड MSTC LIMITED

31 मार्च 2016 को समाप्त वर्ष के लिए लाभ एवं हानि का विवरण

STATEMENT OF PROFIT & LOSS FOR THE YEAR ENDED 31 MARCH, 2016

(रु. लाख में)/(₹ in Lacs)

विवरण	Particulars	टिप्पणी सं. Note No.	2015-2016	2014-2015
I. परिचालन से राजस्व	I. Revenue from Operations	18	2,89,155	5,42,497
II. अन्य आय	II. Other Income	19	7,603	8,151
III. **कुल राजस्व** (I+II)	III. **Total Revenue (I + II)**		**2,96,758**	**5,50,648**
IV. **व्ययः**	IV. Expenses :			
व्यापारगत माल की खरीददारी	Purchases of Stock-in-Trade	20	2,55,384	5,26,120
स्टॉक में बदलाव	Changes in Inventories	14	13,154	(11,078)
कर्मचारी हितलाभ पर व्यय	Employee Benefits Expense	21	4,273	3,889
वित्तीय व्यय	Finance Costs	22	9,642	8,649
मूल्यह्रास एवं परिशोधन व्यय	Depreciation and Amortization Expenses	9	361	(128)
अन्य व्यय	Other Expenses	23	4,810	10,049
कुल व्यय	**Total Expenses**		**2,87,624**	**5,37,501**
V. अतिविशिष्ट मद एवं कर से पूर्व लाभ (III-IV)	**V. Profit before Exceptional Items and Tax (III – IV)**		9,134	13,147
VI. अतिविशिष्ट मद	**VI. Exception Item**			
VII. **कर पूर्व लाभ** (**V-VI**)	**VII. Profit before Tax (V – VI)**		9,134	13,147
कर व्ययः	**VIII.** Tax Expense :			
(1) चालू कर	(1) Current Tax		3,820	6,789
(2) आस्थगित कर	(2) Deferred Tax		(674)	(2,741)
IX. अवधि के लिए लाभ (हानि) (VII-VIII)	**IX. Profit (Loss) for the period (VII – VIII)**		**5,988**	**9,099**
X. प्रति इक्विटी शेयर अर्जनः	X. Earnings per Equity Share :			
(i) बेसिक	(1) Basic		68	103
(ii) डायलूटेड	(2) Diluted		68	103
महत्त्वपूर्ण लेखा नीतियां	Significant Accounting Policies	1		

संलग्न टिप्पणियां 1 से 32 वित्तीय विवरण के अभिन्न अंग हैं। The accompanying notes numbering 1 to 32 are an integral part of the Financial Statements.
यह लाभ एवं हानि विवरण सम तारीख के हमारे प्रतिवेदन के संदर्भ में है। This is the Profit & Loss Statement referred to in our report of even date.

कृते एमएसटीसी लिमिटेड For MSTC Limited

कृते राय एंड कं.
सनदी लेखापाल
पंजीकरण सं. 313124ई

सीए एस पी बसु
साझेदार
एम नं. 050209

तारीख : 03.08.2016
स्थान : कोलकाता

For Ray & Co.
Chartered Accountants
Regn. No. 313124E

CA S P. Basu
Partner
M no. 050209

Dated : 03.08.2016
Place : Kolkata

(बी.बी. सिंह)
अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक
(B. B. Singh)
Chairman-cum-Managing Director

(आर के चौधुरी)
महाप्रबंधक (वित्त एवं लेखा)
(R. K. Chaudhuri)
General Manager (Finance & Accounts)

(ए के बासु)
निदेशक (वित्त)
(A. K. Basu)
Director (Finance)

(सुब्रत कुमार राय)
कंपनी सचिव
(Subrata Kumar Ray)
Company Secretary

31 मार्च, 2016 को समाप्त वर्ष के लिए वित्तीय विवरणों से संबंधित टिप्पणियां

1. महत्त्वपूर्ण लेखा नीतियां

1.1 लेखा का आधार

कंपनी ने अपना लेखा कंपनी अधिनियम, 2013 के संबंधित प्रावधानों के अधीन निर्धारित लेखा मानकों तथा कंपनी अधिनियम, 2013 के प्रावधानों के अनुरूप साधारण रूप से स्वीकृत लेखा नीतियों ("जीएएपी") के अनुसार पारंपरिक पद्धति के अनुसार तैयार किया है।

1.2 आंकलन का उपयोग

वित्तीय विवरणों की तैयारी के लिए जरूरत है आंकलन एवं अनुमानों, जो आस्तियों और देयताओं के उल्लिखित राशि को तथा वित्तीय विवरणों की तिथि को संभावित आस्तियों और दायित्व से संबंधित उद्घोषणाओं को तथा उल्लिखित आय और व्यय की उल्लिखित राशि को प्रभावित करता है। वास्तिवक परिणाम एवं आंकलन के अंतर को उसी अवधि में स्वीकृत किया गया है, जिस अवधि में वह ज्ञात/कार्यान्वित हुआ है।

1.3 आस्तियां एवं मूल्यह्रास

स्थाई आस्तियों को योग्य मोडवैट/सेनवैट की शुद्ध लागत से संचित मूल्यह्रास एवं क्षति, यदि कोई है, को घटाकर दिखाया गया है।

लीज पर ली गई जमीन को लीज अवधि तक दिखाया गया है।

सॉफ्टवेयर को, जहां यह संभावित है कि वह भविष्य में आर्थिक लाभ देगा, पूंजी में परिणत किया गया है तथा उसे अमूर्त आस्तियां के रूप में दिखाया गया है।

स्थाई आस्तियों पर मूल्यह्रास का प्रावधान कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची II में निर्धारित प्रारूप में सीधी-रेखा विधि के आधार पर किया गया है।

1.4 निवेश

जो निवेश एक वर्ष से अधिक लिए हैं/किए जाने हैं, उन्हें दीर्घकालीन निवेश माना जाता है। निवेशों की गणना लागत के अनुसार की जाती है। लाभ-हानि को केवल बिक्री के वक्त आय/खर्च के रूप में जोड़ा जाता है। वर्तमान निवेश की लागत कम आंका जाता है तथा उचित मूल्य का निर्धारण व्यक्तिगत निवेश के आधार पर किया जाता है।

1.5 स्टॉक

मार्गस्थ सामान सहित व्यापारगत स्टॉक की मूल्य गणना उसके लागत मूल्य या अनुमानित शुद्ध उगाहीयोग्य मूल्य, दोनों में जो भी कम हो, के आधार पर की जाती है।

1.6 राजस्व गणना

राजस्व की गणना वृद्धि के आधार पर किया जाता है एवं इसमें आईसीएआई द्वारा जारी एएस-9 के प्रावधानों के अनुसार नीचे उल्लेखित मदों को छोड़कर किया जाता है जिनकी गणना वास्तविक प्राप्ति पर की जाती है, चूंकि उन वस्तुओं की वसूली अनिश्चित है।

NOTES TO FINANCIAL STATEMENTS FOR THE YEAR ENDED 31st MARCH, 2016

1. SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES

1.1 BASIS OF ACCOUNTING

The Company maintains its accounts on accrual basis following the historical cost convention in accordance with generally accepted accounting principles ["GAAP"], in compliance with the provisions of the Companies Act, 2013 and the Accounting Standards as specified under the relevant provisions of the Companies Act, 2013.

1.2 USE OF ESTIMATES

The preparation of financial statements requires estimates and assumptions to be made that affect the reported amount of assets and liabilities on the date of the financial statements and the reported amount of revenues and expenses during the reporting period. The difference between the actual results and estimates, if any, are recognised in the period in which the results are known / materialised.

1.3 ASSETS AND DEPRECIATION

Fixed Assets are stated at cost net of eligible modvat / cenvat less accumulated depreciation and impairments, if any.

Leasehold land is amortised over the lease period. Software is capitalized where it is expected to provide future enduring economic benefits and same is shown under Intangible Assets.

Depreciation on fixed assets has been provided on Straight-line method in the manner prescribed in Schedule II of Companies Act, 2013.

1.4 INVESTMENTS

Investments held / intended to be held for a period exceeding one year are classified as long term investments and the same are stated at cost. Gains / losses on long term investments are considered as income/expenditure at the time of sale only. Current investments are stated at lower of cost and fair value determined on an individual investment basis.

1.5 INVENTORIES

Stock in trade including Material-in-transit is valued at cost or estimated net realisable value whichever is less.

1.6 REVENUE RECOGNITION

Revenue is recognized on accrual basis except in the following items which are accounted on actual realization since realizability of such items is uncertain in accordance with the provisions of AS-9 issued by ICAI.

i) निष्पादन के लिए लंबित आदेश/विवादित बकाया एवं उस पर ब्याज, यदि कोई है।

ii) अप्रतिदेय प्राप्य पर ब्याज, जहां पर वसूली अनिश्चित है।

iii) आपूर्तिकर्त्ताओं अथवा ठेकेदारों पर परिसमापन क्षति।

iv) आयकर/विक्रय कर/वैट तथा उस पर ब्याज की वापसी।

v) बीमा कंपनी द्वारा स्वीकार किए जाने पर दावा किए गए बीमा की गणना की जाती है।

vi) लाभांश पाने के अधिकार स्थापित होने पर लाभांश आय की गणना की जाती है।

क्रय

i) आयातित सामग्री को लदान-बिल की तारीख के आधार पर क्रय के रूप में लेखा में शामिल किया जाता है। जहां तक मूल्य का संबंध है, की गई खरीद को वास्तविक प्रेषण के आधार पर एवं जहां इस तरह का प्रेषण वित्त वर्ष के अंत तक नहीं हुआ हो, पर माल बुक किया गया हो वहां पहले से तय अग्रेषण विनिमय दरों या एफईडीएआई स्पॉट विनिमय दर अगर अग्रेषण पत्र नहीं लिया गया हो तो वित्त वर्ष के आखिरी दिन को लागू तत्कालीन विनिमय दरों पर, यथास्थिति, लेखा में सी एंड एफ/सीआईएफ के साथ दर्ज किया जाता है एवं तत्पश्चात अंतिम समायोजन अगले वित्त वर्ष में वास्तविक भुगतान पर किया जाता है।

ii) स्वदेशी सामग्री के मामले में, खरीददारी को परिवहन दस्तावेज एवं विक्रेता के चालान की तारीख के आधार पर लेखा में डाला जाता है। जहां तक मूल्य का संबंध है, चालानों पर अंकित मूल्य को ही खरीद मूल्य माना जाता है।

विक्रय

i) हाई-सी बिक्री को हाई-सी विक्रय पत्र निर्गत होने की तारीख के आधार पर लेखे में बुक किया जाता है। जहां तक लागत का संबंध है, यदि माल बुक किया गया हो तो, पहले से तय अग्रेषण-विनिमय दरों पर या अंनतिम रूप से बुक किया गया हो तो वित्त वर्ष के समापन की तारीख पर एफईडीएआई प्रचलित उपलब्ध विनिमय दरों पर, जहां अग्रेषण पत्र नहीं लिया गया है, मूल्य की गणना सी एंड एफ/सीआईएफ के साथ की जाती है तथा अंतिम समायोजन अगले वित्त वर्ष में भुगतान की तय तारीख पर कर दिया जाता है।

ii) स्वदेशी सामग्री के मामले में, की गई बिक्री को परिवहन दस्तावेज की तारीख के आधार पर तथा जहां तक मूल्य का संबंध है, चालान के मूल्य के आधार पर लेखा में शामिल किया जाता है। डोर डिलीवरी आधारित बिक्री के मामले में बिक्रय को बिक्रय के चालान की तारीख के आधार पर लेखा में शामिल किया जाता है।

iii) निर्यात के मामले में बिक्री को शिपमेंट की तारीख के आधार पर लेखा दर्ज किया जाता है। जहां तक मूल्यों का संबंध है, बिक्री या तयशुदा विनिमय दरों पर यदि बुक की गई है, या माल की निकासी दस्तावेज के अनुसार शिपमेंट की तारीख पर एफईडीएआई दरों में निर्यात के वास्तविक वसूली पर अंतिम समायोजन के बाद लेखे में लिया जाता है।

i) Decrees pending for execution/contested dues and interest thereon, if any.

ii) Interest on overdue recoverables where realizability is uncertain.

iii) Liquidated damages on suppliers or contractors.

iv) Refund of Income-Tax/Sales Tax/VAT and interest thereon.

v) Insurance claims are accounted for on being accepted by the Insurance Company.

vi) Dividend income is recognized when right to receive dividend is established

PURCHASES

i) Imported materials are accounted for as purchase on the basis of date of bill of lading. As regards value, purchase are booked on the basis of actual remittance and where such remittance are outstanding at the close of the year, on the basis of contracted forward exchange rates, if booked, or FEDAI spot exchange rates prevailing on the last date of the financial year, in case forward cover was not taken, as the case may be, which includes C&F / CIF price and usance interest followed by final adjustments on actual payment in subsequent financial year.

ii) In case of indigenous materials, purchases are booked on the basis of transport documents and as regards value, based on the value of invoices.

SALES

i) High sea sales are booked on the basis of date of issuance of high sea sale letter. As regards value, sales are booked either at contracted forward exchange rates, if booked, or provisionally on the basis of FEDAI spot exchange rates prevailing on the last date of the financial year, where forward cover was not taken, which includes C&F / CIF price, usance interest followed by final adjustment on due date of payment in subsequent financial year.

ii) In case of indigenous material, sales are accounted for on the basis of date of transport documents and as regards value,based on the value of invoices.In Case of sale on door delivery basis sales are booked on sales invoice dates.

iii) In case of export, sales are accounted for on the basis of date of shipment. As regards value, sales are booked either at contracted forward exchange rates, if booked, or at the FEDAI rate on the date of shipment as per custom clearance document, followed by final adjustment on actual realization of export proceeds.

सेवा शुल्क

फेसिलिटेटर मोड के माध्यम से विपणन विभाग में लेनदेन के लिए, प्रिंसिपलों की ओर से नीलामी, निविदा या अन्य विधियों से बिक्री/ खरीददारी कार्य करने के कार्य के वास्ते प्राप्त पारिश्रमिक को सेवा-शुल्क के रूप में लेखा में लिया जाता है।

(क) सेवा शुल्क को तयशुदा दरों पर आय के रूप में निम्नलिखित रूप से लेखा में शामिल किया जाता है :

(i) सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, रक्षा एवं अन्य सरकारी विभागों की ओर से की गई नीलामी-बिक्री/निविदाओं के मामले में, बिक्री आदेशों/डिलीवरी आदेशों के जारी होने पर।

(ii) ई-विक्रय की संतोषजनक समाप्ति पर।

उपरोक्त (i) एवं (ii) के संबंध में ऑक्शन के बोली मूल्य पर सेवा शुल्क लेखे में लिया जाता है समायोजन के साथ, अगर है, प्रिंसिपल द्वारा वास्तविक प्रेषण के आधार पर।

(iii) कार्यक्रम होने पर, अगर कार्यक्रम के आधार पर सेवा संविदा है।

(iv) ई-प्रोक्योरमेंट के मामले में सेवा शुल्क निम्न रूप में गणना की जाती हैः

पुराने संस्करण में, कार्यक्रम सम्पूर्ण होने पर, प्रिंसिपल से सेवा शुल्क संग्रहणीय है तथा नए संस्करण में बोलीदाताओं से प्राप्त रसीद पर लेन देन शुल्क लेखादेय है।

(ख) कार्यक्रम के सफलतापूर्वक संचालन पर ई प्रोक्योरमेंट लेनदेन शुल्क गणना की जाती है।

(ग) मध्यस्थ के रूप में क्रय से प्राप्त सेवा शुल्क को तयशुदा दर पर लदान बिल की/रेलवे रसीद/लॉरी रसीद की तारीख के आधार पर, यथा स्थिति, लेखा में लिया जाता है। आयातित सामग्री के लिए मूल्य-निर्धारण या तो अग्रेषण आवरणपत्र में अंकित दर या वित्तीय वर्ष के अंतिम तारीख को प्रचलित एफईडीएआई स्पॉट दर पर किया जाता है। अंतिम समायोजन वास्तविक भुगतान के आधार पर किया जाता है। स्वदेशी सामान के मामले में, मूल्य निर्धारण तयशुदा दर पर किए गए वास्तविक भुगतान के आधार पर किया जाता है।

ई-नीलामी पंजीकरण

ई-नीलामी पंजीकरण के लिए क्रेताओं से पंजीकरण शुल्क लिया जाता है। अगर पंजीयन की वैधता एक वर्ष के लिए है तो इसे चालू वर्ष की आय के रूप में माना जाता है। अगर पंजीकरण आजीवन अवधि के लिए है तो पंजीयन शुल्क की प्राप्त राशि को समान रूप से पांच वर्षों में बांट दिया जाता है।

1.7 आय पर कर

i) आयकर अधिनियम, 1961 के प्रावधान के अनुसार गणना किए गए कर योग्य आय के आधार पर चालू कर का निर्धारण किया जाता है।

ii) आस्थिगत कर की स्वीकृति निर्भर करता है, समय के अंतर के विवेचना से एक ही अवधि के कर योग्य आय और लेखा आय के भेद पर एवं एक या अधिक अवधि में पलटने में सक्षम है।

SERVICE CHARGES

Remuneration for transaction in Marketing Department through facilitator mode and for conducting sales/ procurement on behalf of Principals, by way of auctions, tenders, or any other means, are accounted for as service charges.

(a) Service charges are accounted for as income at contracted rates on:

i) Tender/Auction sale on behalf of Public Sector Undertakings, Defence and other Government Departments on issuance of sale orders / delivery orders.

ii) On satisfactory completion of e-sales.

In respect of (i) & (ii), service charges are accounted for on bid price of auction with adjustments, if any, on the basis of actual delivery by the Principals.

iii) On occurrence of event , in case of service contract on event basis.

iv) In case of E -Procurement Service charges are booked :

In old version where service charges are collectable from the Principal, on completion of event, and in the new version, transaction fees are accountable on receipt from the bidders.

(b) E Procurement transaction fees are accounted on successful conduct of event.

(c) Service charges accrued in respect of purchase as facilitator are accounted for at the contracted rate on the basis of date of bill of lading / railway receipt / lorry receipt as the case may be. For imported materials, value is ascertained either at forward cover rate or at FEDAI spot rate prevailing on the last date of the Financial Year. Final adjustment is made on actual payment. In case of indigenous materials, value is ascertained on the basis of actual payment at contracted rate.

E-AUCTION REGISTRATION

E-auction Registration fees collected from buyers is considered as income of the current year if the validity of registration is upto one year. In case of life long registration, the amount so collected is distributed in five years equally.

1.7 TAXES ON INCOME

i) Current tax is determined on the basis of taxable income computed in accordance with the provisions of the Income Tax Act, 1961.

ii) Deferred tax is recognised on timing differences between taxable and accounting income/expenditure that originates in one period and are capable of reversal in

iii) आस्थिगत कर आस्तियों की आगे ले जाने वाली रकम की समीक्षा प्रत्येक तुलन पत्र की तारीख को की जाती है।

1.8 पूर्व अवधि समायोजन

भारत के सनदी लेखापाल संस्थान द्वारा जारी एएस-5 के प्रावधानों के अनुसार "पूर्व अवधि समायोजन लेखा" शीर्षक के अधीन लेखाओं में पूर्ववर्ती वर्ष से संबंधित आय/व्यय को दर्शाया गया है।

1.9 प्रावधान एवं आकस्मिक देयताएं

परिमाप में आंकलन की पर्याप्त डिग्री सम्मिलित प्रावधानों की स्वीकृति तब दी जाती है जब पूर्ववर्ती घटनाओं के परिणाम स्वरूप वर्तमान दायित्व होता है एवं ऐसी संभावना हो कि संसाधनों का बहिर्प्रवाह होगा एवं दायित्व की रकम पर एक विश्वसनीय अनुमान बयाना जा सके। प्रत्येक तुलन पत्र की तिथि को इनकी समीक्षा की गई है तथा वर्तमान श्रेष्ठ आंकलन को प्रतिबिम्बित करने के लिए समायोजित किया गया है। आकस्मिक देयताओं, यदि है, का बर्हिप्रकाश टिप्पणियों द्वारा किया जाता है। प्रत्येक तुलन पत्र की तिथि को इनकी समीक्षा की गई है तथा प्रबंधन के वर्तमान आंकलन को प्रतिबिम्बित करने के लिए समायोजित किया गया है।

1.10 संदिग्ध ऋणों/अग्रिमों के लिए प्रावधान

साधारण तौर पर, बकाया राशि की अवधि की अपेक्षा किए बिना जहां पर वसूली की अनिश्चितता होती है संदिग्ध ऋणों/अग्रिमों के लिए प्रावधान किया जाता है।

विपणन ग्राहकों के लिए जहां पर बकाया राशि को साधारणतः बंधक स्टॉक द्वारा सुरक्षित किया जाता है, वहां उनकी वसूली के मद्देनजर प्रत्येक वित्तीय वर्ष के अंत में बकाया शेष राशि की वार्षिक समीक्षा की जाती है एवं तद्नुसार पर्याप्त प्रावधान किया जाता है।

ई-कॉमर्स ग्राहकों के लिए जिसमें मुख्य रूप से सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम तथा सरकारी विभाग शामिल होते हैं, जहां वसूली में साधारणतः अधिक समय लगता है। यद्यपि डिलीवरी आर्डरों के जारी होने पर बिल जमा किया जाता है परंतु वास्तविक रूप से डिलीवरी के समापन होने पर भुगतान किया जाता है। इस तरह के देनदारों के लिए तीन वर्षों से अधिक समय के बकाया के लिए पूरा प्रावधान किया जाता है जब तक न रकम को वसूली योग्य माना जाता है।

1.11 कर्मचारी लाभ

लघु अवधि लाभ

लघु अवधि कर्मचारी हित का लेखा उनके अनडिस्काउंटेड राशि के लिए उस वर्ष में ही किया जाता है, जिस वर्ष में सेवाएं प्रदान की गई हैं।

क) भविष्य निधि :

आयकर प्राधिकारियों द्वारा मान्यताप्राप्त न्यास द्वारा भविष्य निधि की देखरेख की जाती है एवं इस निधि में योगदान को राजस्व के लिए प्रभारित किया जाता है। पेंशनभोगी लाभों को कर्मचारी पेंशन योजना 1995 के जरिए सुरक्षित किया जाता है।

ख) सेवा ग्रेच्युटी :

सेवा ग्रेच्युटी खाते की देयता भारतीय जीवन बीमा निगम की ग्रुप ग्रेच्युटी लाइफ एश्योरेंस स्कीम के तहत रक्षित है एवं कंपनी द्वारा इस उद्देश्य के

one or more subsequent period(s).

iii) The Carrying amount of Deferred tax assets are reviewed at each balance Sheet date.

1.8 PRIOR PERIOD ADJUSTMENT

Expenditure/Income relating to previous year is shown in the accounts under the head " Prior period adjustment account" as per the provisions of AS-5 issued by the Institute of Chartered Accountants of India.

1.9 PROVISIONS AND CONTINGENT LIABILITIES

Provisions involving substantial degree of estimation in measurement (are recognized when there is a present obligation as a result of past events and it is probable that there will be an outflow of resources and a reliable estimate can be made of the amount of the obligation. These are reviewed at each balance sheet date and adjusted to reflect the current best estimate. Contingent liabilities,if material, are disclosed by way of notes. These are reviewed at each balance sheet date and are adjusted to reflect the current estimate of management.

1.10 PROVISIONS FOR DOUBTFUL DEBTS/ADVANCES

In general, provision for doubtful debts/advances is made where there is uncertainty of realization irrespective of the period of its dues.

For Marketing customers where dues are generally secured by pledged stock, outstanding balances are reviewed annually towards the end of each financial year with respect to their realisability and accordingly adequate provisions are made in the books.

For e-Commerce customers which mainly comprise of public sector undertakings and Govt. departments, the realization normally takes more time, although bills are raised on issuing delivery orders but payments are made on completion of actual delivery. For such debtors outstanding over three years full provision is made unless the amount is considered recoverable.

1.11 EMPLOYEE BENEFITS

Short term benefits

Short term employee benefits are accounted for at their undiscounted amount in the accounting period in which the services are rendered.

a) Provident Fund :

Provident Fund is administered by a Trust recognized by Income Tax Authorities and contribution to this Fund is charged to revenue. Pensioners Benefits are secured through Employees' Pension Scheme 1995.

(b) Service Gratuity :

Liability on account of service gratuity is covered under Group Gratuity Life Assurance Scheme of Life

लिए गठित एक पृथक स्थिर न्यास के जरिए प्रबंधित किया जाता है। इस योजना में योगदान को राजस्व के लिए प्राभारित किया जाता है।

(ग) **सेवानिवृत्ति के पश्चात चिकित्सा सुविधाएं :** अस्पताल में दाखिला जैसी इस उद्देश्य के लिए गठित एक न्यास द्वारा संचालित बीमा पॉलिसी के अंतर्गत रक्षित है। कंपनी द्वारा कोषित कॉरपोस फंड द्वारा न्यास संचालित होता है।

अवकाश प्राप्ति के पश्चात डोमिसिलीयरी चिकित्सा के लिए समय-समय पर निर्धारित अधिकार के अनुसार वास्तविक भुगतान पर चिकित्सा खर्चे लेखे में लिया गया है। **अगर कोई कमी है तो कंपनी द्वारा इसका प्रतिपूर्ति किया जा रहा है।**

(घ) अवकाश प्राप्ति पर छुट्टियों का नकदीकरण भारतीय जीवन बीमा निगम के ग्रुप लीव इंकैशमेंट स्कीम पॉलिसी के तहत रक्षित है।

1.12 संपत्तियों की हानि

आय स्रोत एवं संपत्तियों की लागत पर हानि निर्धारित की गई है तथा हानि को तभी माना जाता है जब प्राप्त राशि की तुलना में मूल लागत अधिक हो। शुद्ध प्राप्त राशि अथवा वर्तमान मूल्य में जो भी अधिक है वही प्राप्य राशि है। हानि को वर्ष में लाभ एवं हानि खाते में दिखाया जाता है, जिसमें सम्पत्ति को हानि के रूप में चिन्हित किया जाता है।

1.13 विदेशी मुद्रा अंतरण

विदेशी मुद्रा में लेनदेन को या तो वादया बुकिंग दर या हाजिर दर के अनुसार लेखे में लिया जाता है, एवं जहां वर्ष के समापन के वक्त ऐसी रकम (वसूली योग्य बकाया राशि जिसकी वसूली संदिग्ध है को छोड़कर) बकाया है वहां तयशुदा वायदा विनिमय दरों पर या फिर वित्त वर्ष की आखिरी तारीख को प्रचलित हाजिर विनिमय दरों के आधार पर, यथास्थिति, लेखा में लिया जाता है, अगले वर्ष में वास्तविक भुगतान के समायोजन के साथ। निर्यात के मामले में विदेशी मुद्रा में लेनदेन को फॉरवर्ड बुकिंग दर के आधार पर अथवा कस्टम के क्लीयरेंस प्रमाणपत्र के अनुसार शिपमेंट की तारीख को हाजिर दर पर रिकॉर्ड किया जाता है और वर्ष के अंत में अगर इस तरह की राशि बकाया है तो अगले वर्ष निर्यात के लिए वास्तविक रूप से मिली राशि का समायोजन किया जाता है।

स्पॉट दर एफईडीएआई दरों के अनुसार होती है। ग्राहकों के साथ किए गए अनुबंध के अनुसार विदेशी मुद्रा में उतार-चढ़ाव के कारण होने वाले अंतर का वहन ग्राहकों को करना होगा। विदेशी मुद्रा के लाभ/हानि को कंपनी के खाते में नहीं दिखाया जाता है।

1.14 कर्ज की लागत

(i) अधिग्रहण और विशेष आस्तियों के निर्माण के लिए ली गई निधि का पूंजीकरण उस आस्तियों को इस्तेमाल करने की तिथि तक तथा (ii) अन्य उद्देश्यों से ली गयी निधि से संबंधित ऋण लागत को लाभ एवं हानि लेखा में दिखाया गया है।

1.15 खंडावर रिपोर्टिंग

एएस-17 के नियमों के अनुसार कंपनी के पास विपणन एवं ई-कॉमर्स दो प्राथमिक रिपोर्ट करने योग्य व्यवसायिक खंड हैं। कोई भी सेकेंडरी खंड नहीं है।

Insurance Corporation of India and is administered through a separate irrevocable trust created by the Company for this purpose. Contribution to the scheme is charged to revenue.

(c) **Post Retirement medical benefit :** Hospitalistion is covered by Insurance Policy administered by a trust formed for the purpose. The trust is managed with the corpus funded by the Company.

Medical expenses on account of post retirement domiciliary treatment are reimbursed by the said trust as per entitlement fixed from time to time. The deficit, if any, it being reimbursed by the Company.

(d) Leave Encashment on retirement are covered by Group Leave Encashment Scheme Policy of Life Insurance Corporation of India.

1.12 IMPAIRMENT OF ASSETS

Impairment of cash generating units / assets is ascertained and considered where the carrying cost exceeds the recoverable amount being the higher of net realisable amount and value in use**.** An impairment loss is charged to the profit & loss account in the year in which an asset is identified as impaired.

1.13 FOREIGN CURRENCY TRANSLATION

Transaction in foreign currency are recorded either on forward booking rate or on spot rate and where such remittance are outstanding at the close of the year (except for overdue recoverables where realisability is uncertain), on the basis of contracted forward exchange rates or spot exchange rates prevailing on the last date of the financial year, as the case may be,with an adjustment on actual remittance in subsequent year. In case of export, transaction in foreign currency are recorded either on forward booking rate or on spot rate on shipment date as per custom clearance document and where such remittance are outstanding at the close of the year, it is adjusted in the subsequent year on actual realization of export proceeds.

The spot rate is as per FEDAI rates. Wherever foreign exchange fluctuations are to be borne by the customers as per agreement with them, foreign exchange gain/ loss are not recognized in the books of the Company.

1.14 BORROWING COST

Borrowing Cost relating to (i) funds borrowed for acquisition/construction of qualifying assets are capitalized upto the dates the assets are put to use, and (ii) funds borrowed for other purposes are charged to Profit & Loss Account.

1.15 SEGMENT REPORTING

In terms of AS-17 the Company has identified Marketing and E-Commerce as its two Primary Reportable Business Segments. There is no Secondary Segment.

टिप्पणी 2 : शेयर पूंजी

Note 2 : Share Capital

(₹ in Lacs) / (रु. लाख में)

शेयर पूंजी Share Capital		31 मार्च, 2016 को As at 31 March 2016 संख्या Number	₹	31 मार्च, 2015 को As at 31 March 2015 संख्या Number	₹
प्राधिकृत	**Authorised**				
प्रत्येक रु. 10/- के इक्विटी शेयर	Equity Shares of ₹10/- each	5,00,00,000	5,000	5,00,00,000	5,000
जारी, अभिदत्त एवं पूर्णतः प्रदत्त	**Issued, Subscribed & fully Paid up**				
प्रत्येक रु. 10/- के इक्विटी शेयर	Equity Shares of ₹ 10/- each	88,00,000	880	88,00,000	880
कुल	**Total**	**88,00,000**	**880**	**88,00,000**	**880**

टिप्पणी 2(ए) : प्रतिवेदित अवधि के आरम्भ और समाप्ति पर बकाया शेयरों की संख्या के मिलान का प्राधिकृत विवरण

Note 2(a) : Reconciliation of the number of shares outstanding at the beginning and at the end of the reporting period :

विवरण Particulars		31 मार्च, 2016 को As at 31 March 2016 संख्या Number	₹	31 मार्च, 2015 को As at 31 March 2015 संख्या Number	₹
वर्ष के आरम्भ में बकाया शेयर	Shares outstanding at the beginning of the year	88,00,000	880	88,00,000	220
वर्ष की समाप्ति पर बकाया शेयर	Shares outstanding at the end of the year	88,00,000	880	88,00,000	880

टिप्पणी 2 (बी) : कंपनी में केवल एक ही श्रेणी का सामान्य शेयर (ईक्विटी शेयर) है, जिसकी कीमत प्रति शेयर रु. 10/- है। सामान्य शेयर (ईक्विटी शेयर) के प्रत्येक धारक प्रति शेयर के लिए एक वोट के हकदार और लाभांश के हकदार हैं तथा बंद किए जाने की स्थिति में अधिशेष यदि है, के भागीदार हैं।

Note 2(b) : The Company has only one class of ordinary shares ('Equity Shares') having a par value of ₹10 each. Each holder of ordinary shares ('Equity Shareholders') is entitled to one vote per share and are entitled to dividend and to participate in surplus, if any, in the event of winding up.

टिप्पणी 2 (सी) : कंपनी के शेयरों की कुल मात्रा का 5 प्रतिशत से ज्यादा शेयर रखने वाले शेयर धारकः

Note 2(c) : Shares in the company held by each shareholder holding more than 5 percent shares:

शेयरधारक का नाम Name of Shareholder		31 मार्च, 2016 को As at 31 March 2016 धारित शेयरों की संख्या No. of Shares held	धारण का % प्रतिशत % of Holding	31 मार्च, 2015 को As at 31 March 2015 धारित शेयरों की संख्या No. of Shares held	धारण का % प्रतिशत % of Holding
भारत के राष्ट्रपति	President of India	79,06,400	89.85%	79,06,400	89.85%

टिप्पणी 2(डी) : वर्ष 2012-13 के दौरान 3:1 के अनुपात में 66,00,000 बोनस शेयरों को जारी किया गया।

Note 2(d) : 66,00,000 bonus shares has been issued during Financial Year 2012-13 in the ratio of 3:1.

टिप्पणी 3 : आरक्षित एवं अधिशेष :

Note 3 : Reserves and Surplus :

(रु. लाख में)/(₹ in Lacs)

विवरण		Particulars	31 मार्च 31 March 2016	31 मार्च 31 March 2015
ए. सामान्य आरक्षित	**a.**	**General Reserve**		
आरम्भिक जमा		Opening Balance	68,543	61,721
(+/–) वर्तमान वर्ष का अंतरण		(+/–) Current Year Transfer	3,817	6,906
(-) दिनांक 1.4.14 को इस्तेमाल योग्य जीवन काल समाप्त होने वाली सम्पत्तियों पर शेष मूल्यह्रास		(-) Balance depreciation on assets whose useful life is over as on 1.4.14	–	(84)
(+) रिटेन बैक डीडीटी के लिए अतिरिक्त प्रावधान		(+) Excess provision for DDT written back	8	–
अंतिम शेष		**Closing Balance**	**72,368**	**68,543**
बी. अधिशेष	**b.**	**Surplus**		
आरम्भिक जमा		Opening balance	–	–
चालू वर्ष के लिए (+) शुद्ध लाभ/शुद्ध हानि		(+) Net Profit/(Net Loss) For the current year	5,988	9,099
(-) प्रस्तावित लाभांश		(-) Proposed Dividends	1,804	1,822
(-) लाभांश वितरण कर		(-) Dividend Distribution Tax	367	371
(-) आरक्षित में अंतरण		(-) Transfer to Reserves	3,817	6,906
अंतिम शेष		Closing Balance	–	–
कुल		**Total**	**72,368**	**68,543**

टिप्पणी 4: अन्य दीर्घावधि देयताएं

Note 4 : Other Long Term Liabilities:

विवरण		Particulars	31 मार्च 31 March 2016	31 मार्च 31 March 2015
(ए)	(a)	Trade Payable	2	2
(बी)	(b)	Income received in advance - E auction Registration	368	291
(सी)	(c)	Liability for staff benefit	187	198
(डी)	(d)	Deposit from customers	259	424
(ई)	(e)	Others	26	26
कुल		**Total**	**842**	**941**

दिनांक 31.03.2016 को सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों से कोई भी बकाया नहीं हैं (पिछला वर्ष कुछ नहीं)।

There are no outstanding with Micro, Small and Medium Enterprises as at 31.03.16. (Perevious year Nil).

टिप्पणी 5 : अल्पावधि कर्ज :

Note 5 : Short Term Borrowings :

विवरण	Particulars	31 मार्च 31 March 2016	31 मार्च 31 March 2015
प्रतिभूत	**Secured**		
मांग पर ऋण प्रतिदेय	**Loans repayable on demand**		
बैंकों से	From Banks	19,060	41,786
(मियादी जमा रसीद पर लियेन द्वारा प्रतिभूत रु. 55.200 लाख, गत वर्ष रु. 71.327 लाख)	(Secured by lien on FDR ₹ 55,200 Lacs, Previous year ₹ 71,327 Lacs)		
कार्यशील पूंजी ऋण (चालू आस्तियों के बदले में प्रतिभूत) टिप्पणी (ए)	Working Capital loan (Secured against Current Assets) Note(a)	9,386	42,441
		28,446	84,227
अप्रतिभूत	**Unsecured**		
मांग पर ऋण प्रतिदेय	**Loans repayable on demand**		
बैंकों से टिप्पणी (बी)	From Bank Note(b)	34,362	24,362
		34,362	24,362
कुल	**Total**	**62,808**	**1,08,589**

उपरोक्त में शामिल है :

क) इंडियन ओवरसिज बैंक (आईओबी) से ऋण राशि रु. 138 लाख (दिनांक 19.9.2011 से पड़ा हुआ)

यह राशि बैंक अपने दावे की प्रतिरक्षा के लिए कानूनी कार्यवाही शुल्क के रूप में भुगतान किया है। यह कंपनी इसका बैंक के समक्ष प्रतिवाद कर रही है। इसके अतिरिक्त एमएसटीसी ने माननीय कोलकाता उच्च न्यायालय के पास आईओबी के विरुद्ध रु. 3656 लाख (जिसमें रु. 2798 लाख एलसी मूल्य डेबिट हेतु एवं रु. 858 लाख कानूनी खर्च के लिए डेबिट शामिल है) के लिए मामला दायर किया है।

ख) स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक से रु. 14362 लाख का ऋण :

वित्तीय वर्ष 2008-09 के दौरान स्वर्ण आभूषण के निर्यात का कुल प्राप्य रु. 63821 लाख में से स्टैंडर्ड चार्डर्ड बैंक (एससीबी) ने रिसिवल परचेज एग्रीमेंट के तहत रु. 18466 लाख का प्राप्य खरीदा था। इस खाते में बकाया राशि रु. 16916 लाख के तहत, एससीबी ने एमएसटीसी के जमा खाते से रु. 2500 लाख एवं रु. 54 लाख का एकीकृत समायोजन किया तथा दिनांक 31.3.2015 को बकाया शेष राशि रु. 14362 लाख है। एससीबी ने विदेशी ग्राहकों से इस राशि को डेबिट किया एवं प्रारंभिक रूप से प्रत्येक ग्राहकों के लेखे के विरुद्ध एमएसटीसी में क्रेडिट किया है एवं ग्राहकों से प्राप्त भुगतान डेबिट के विरुद्ध है। वर्ष 2009 में इन सभी भुगतान की देय तिथि समाप्त हो चुकी है। चूंकि तब से ग्राहकों से भुगतान नहीं आ रहा था, मार्च, 2012 में एससीबी ने कुल शेष को बकाया बीजक में अंतरण किया है। ब्याज सहित कुल रु.19,158 लाख एमएसटीसी का बकाया ऋण है एवं एमएसटीसी के विरुद्ध डीआरटी, मुंबई में मामला दर्ज किया है। एससीबी ने खरीदारों द्वारा भुगतान करने में असमर्थ होने के लिए आईसीआईसीआई लॉम्बार्ड के साथ प्राप्य क्रय करार के तहत उनके द्वारा कुल खरीदी गई राशि के तहत बीमा किया है। हालांकि, एससीबी ने तदुपरांत बीमा कंपनी आईसीआईसीआई लॉम्बार्ड के विरुद्ध बम्बई उच्च न्यायालय में मामला दायर किया है। उनके दावे को इंकार किए जाने से संबंधित मामला उच्च न्यायालय में लंबित है। आईसीआईसीआई लॉम्बार्ड के विरुद्ध मामला दर्ज करने के बदले एससीबी ने पहले अवैध रूप से बकाया को एससीबी के पास एमएसटीसी के ऋण में अंतरण किया है और जैसे कि ऊपर में बताया गया है कि एमएससीटी के विरुद्ध डीआरटी में प्रक्रिया किया है। एमएसटीसी ने इसको डीआरटी में आपत्ति की एवं आईसीआईसीआई लॉम्बार्ड एवं एससीबी के विरुद्ध अलीपुर कोर्ट में अलग मामला दर्ज किया है कि उनके प्राप्य को एससीबी द्वारा ऋण में परिवर्तन करने की रोकथाम में तथा एससीबी को बीमाकर्त्ता से उनके दावे को प्राप्त करने के लिए लगे रहना चाहिए।

कंपनी ने इसके बुक में एससबी के रु. 31366 लाख के कुल दावे के विरुद्ध ब्याज सहित रु. 22251 लाख देयताओं में दर्शाया है। रु. 9115 लाख शेष दावे को आकस्मिक देयताओं में दर्शाया गया है, कानूनी मामले का निर्णय लंबित है।

Above includes :

a) Loan from Indian Overseas Bank (IOB) amounting to ₹ 138 lacs: (lying since 19.9.2011)

This amount represents legal fees paid by the bank in defending their claims to which the Company has lodged its protest with the Bank. MSTC has filed a case in Hon'ble High Court of Calcutta against IOB for ₹ 3656 lacs (which includes ₹ 2798 lacs towards debit of LC value & ₹ 858 lacs as debit towards legal expenses).

b) Loan from Standard Chartered Bank of ₹ 14362 lacs :

Out of the total export of ₹ 63821 lacs on account of export of gold jewellery during FY 2008-09, Standard Chartered Bank (SCB) had purchased receivables amounting to ₹ 18466 lacs under a Receivable Purchase Agreement. Against amount outstanding ₹ 16916 lacs on this account, SCB has unilateraly adjusted ₹ 2500 lacs and ₹ 54 lacs from MSTC's deposit with thereon. Balance amount of ₹ 14362 lacs remains outstanding as on 31.03.2016. SCB had debited this amount to the foreign buyer and credited the amount to MSTC against each individual buyer's account initially and set off the payments received from the buyers against the debit. The due dates of all these payments expired by 2009. As payments were not forthcoming from the buyers since then, in March 2012, SCB converted the total balance against the outstanding invoices including interest aggregating to ₹ 19158 lacs into outstanding debt of MSTC and filed a case against MSTC in DRT, Mumbai. SCB had also insured the total amount purchased by them against the Receivable Purchase Agreement with ICICI Lombard for default in payment by the buyers. SCB has subsequently filed a suit against ICICI Lombard, the Insurance Co. in hon'ble Bombay. High Court for repudiation of their claim which is pending. Instead of initiating a legal case against ICICI Lombard, SCB first illegally converted the outstanding as debt of MSTC to SCB and proceeded in DRT against MSTC as stated above. MSTC challenged this in DRT and also filed a seperate case against SCB and ICICI Lombard in Alipore Court to stop giving effect of converting their receivables into debt by SCB and also that SCB should pursue its claim with the insurer and not against MSTC.

Against the total claim of ₹ 31366 lacs of SCB, the Company has already shown as liability in its books for ₹ 22251 lacs inclusive of interest. Balance claim of ₹ 9115 lacs has been shown as contingent liability, pending the outcome of the legal cases.

टिप्पणी 6 : व्यापारगत देयताएं :

Note 6 : Trade Payables :

(रु. लाख में) / (₹ in Lacs)

	विवरण **Particulars**	31 मार्च, 2016 **31 March 2016**	31 मार्च, 2015 **31 March 2015**
व्यापारगत देय	Trade Payables	211594	300604
कुल	**Total**	**211594**	**300604**

दिनांक 31.03.2016 तक (पिछला वर्ष कुछ नहीं) ऐसा कोई भी सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों के पास कोई राशि बकाया नहीं है।

There are no outstanding with Micro, Small and Medium Enterprises as at 31.03.16 (Previous year Nil).

टिप्पणी 7 : अन्य चालू देयताएं :

Note 7 : Other Current Liabilities :

विवरण	**Particulars**	31 मार्च **31 March 2016**	31 मार्च **31 March 2015**
(ए) ब्याज प्रद्भूत लेकिन उधार पर देय नहीं	(a) Interest accrued but not due on borrowings	7889	7889
(बी) ब्याज प्रद्भूत एवं उधार पर देय	(b) Interest accrued and due on borrowings	0	101
(सी) ई-नीलामी पंजीकरण से अग्रिम आय प्राप्ति	(c) Income received in advance - E auction Registration	218	206
(डी) अप्रदत्त लाभांश	(d) Unpaid dividends	61	59
(ई) अन्य देय	(e) Other payables		
i) लेखा परीक्षकों का पारिश्रमिक	i) Auditor's Remuneration	5	5
ii) देय बिक्री कर	ii) Sales Tax Payable	697	1758
iii) देय टीडीएस	iii) TDS Payable	320	630
iv) पार्टियों से अग्रिम	iv) Advance from parties	470	434
v) ईएमडी/सुरक्षा जमा	v) EMD/Security Deposit	75440	76070
vi) अन्य*	vi) Others*	3349	3270
कुल	**Total**	**88449**	**90422**

* पार्टियों से प्राप्त की गई राशि, बकाया खर्चे आदि शामिल हैं।

* Includes amount received from Parties, Outstanding Expenses etc.

टिप्पणी 8 : अल्पावधि प्रावधान :

Note 8 : Short Term Provisions :

विवरण	**Particulars**	31 मार्च, 2016 **31 March 2016**	31 मार्च, 2015 **31 March 2015**
(ए) कर्मचारी हित के लिए प्रावधान*	**(a) Provision for employee benefits***	1382	1871
(बी) अन्य-	**(b) Others -**		
i) लाभांश पर कर के लिए प्रावधान (शुद्ध अग्रिम कर एवं टीडीएस)	i) Provision for Income Tax (net of Advance Tax and TDS)	196	–
ii) प्रस्तावित लाभांश का प्रावधान	ii) Provision for Tax on Dividend	367	371
iii) प्रस्तावित लाभांश	iii) Proposed Dividend	1804	1822
कुल	**Total**	**3749**	**4064**

* ₹ 1108 लाख (पिछले साल ₹ 1014 लाख) कर्मचारियों के पेंशन लाभ के लिए प्रावधान करने की दिशा में मंत्रालय द्वारा इस योजना के अनुमोदन के लिए लंबित मामला शामिल है।

* Includes 1108 lakhs (previous year 1014 lakhs) towards provision for pension benefit of employees, pending approval of the scheme by the Ministry

टिप्पणी 9 : अचल सम्पत्तियां

Note 9 : Fixed Assets

(रु. लाख में) / (₹ in Lacs)

अचल सम्पत्तियाँ / Fixed Asset	सकल सम्पत्ति / Gross Block			संचित मूल्यह्रास / Accumulated Depreciation				शुद्ध सम्पत्ति / Net Block	
	1 अप्रैल 2015 को शेष Balance as at 1 April 2015	जोड़/ (निपटान)/समायोजन Additions/ (Disposals)/ (Adjustments)	31 मार्च 2016 को शेष Balance as at 31 March 2016	1 अप्रैल 2015 को शेष Balance as at 1 April 2015	वर्ष के लिए मूल्यह्रास Depreciation for the year	निपटान समायोजन Disposals Adjustments	31 मार्च 2016 को शेष Balance as at 31 March 2016	31 मार्च 2016 को शेष Balance as at 31 March 2016	31 मार्च 2015 को शेष Balance as at 31 March 2015
गैर भौतिक सम्पत्तियां Intangible Asset									
ई-कॉमर्स एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर e-Commerce Application Software	0	0	0	0	0	0	0	0	0
भौतिक सम्पत्तियां Tangible Assets									
पट्टे वाली भूमि एवं बिल्डिंग Leasehold Land & Buildings	1285	(1285)	0	232	174	(406)	0	0	1053
कंपनी के फ्लैट्स Company Flats	171		171	66	2		68	103	105
एयर कंडीशनर एवं वाटर कूलर Air Conditioner & Water Cooler	77		77	40	12		52	25	37
फर्नीचर एवं फिक्सचर Furniture and Fixtures	326		326	207	47		254	72	119
कार्यालय के उपकरण Office equipments	187	(3)	184	167	7	(5)	169	15	20
पार्टिशन एवं क्यूबिकल्स Partition & Cubicles	256	4	260	155	47	(1)	201	59	101
मोटर वाहन Motor vehicles	16		16	6	3	(2)	7	9	10
ईडीपी EDP equipments	694	(5)	689	500	69	(23)	546	143	194
कुल Total	**3012**	**(1289)**	**1723**	**1373**	**361**	**(437)**	**1297**	**426**	**1639**
विगत वर्ष Previous Year	3036	(24)	3012	1498	(114)	(11)	1373	1639	1538
पूंजी डब्ल्यूआईपी Capital WIP	0	0	0					0	0
विगत वर्ष Previous Year	84	(84)	0					0	84

(ए) : वर्ष 2015-16 के दौरान हल्दिया डक कॉम्प्लेक्स को लीज होल्ड लैंड सुपुर्द कर दिया गया है। तदनुसार अवशिष्ट मूल्य, सुपुर्द की तारीख को शुद्ध सुपुर्द मूल्य वित्तीय वर्ष 2015-16 के दौरान प्रभार मुक्त कर दिया गया है।

बी) अमूर्त संपत्ति के अधीन दर्शाया गया ई-कामर्स एप्लीकेशन साफ्टवेयर इन-हाउस साफ्टवेयर एप्लीकेशन के रूप में विकसित किया गया है जिसकी लागत सुनिश्चत नहीं की जा सकती है।

(a) : During the year 2015-16 the lease hold land has been surrendered to Haldia Dock Complex. Accordingly the residual value, net of surrender value as on the date of surrender has been charged off during F.Y. 2015-16.

(b) : e-Commerce application software shown under intangible assets represents software application developed in house for which cost couldnot be ascertained.

टिप्पणी 10 : गैर-पारंपरिक निवेश :

Note 10 : Non- Current Investment :

(रु. लाख में) / (₹ in Lacs)

	विवरण **Particulars**	31 मार्च **31 March 2016**	31 मार्च **31 March 2015**
व्यापार निवेश (निम्नांकित संदर्भ में)	**Trade Investments (Refer below)**		
इक्विटी इंस्ट्रूमेंट में निवेश	Investment in Equity instruments	1581	1581
कुल	**Total**	**1581**	**1581**

व्यापार निवेश का विवरण

Details of Trade Investments

कारपोरेट बॉडी का नाम **Name of the Body Corporate**	**शेयरों की सं.** **No. of Shares**		**रकम (रु लाख में)** **Amount (₹ in lacs)**		**क्या लागत बताया गया है** **Whether stated at Cost**
	2016	**2015**	**2016**	**2015**	
पूर्ण प्रदत्त, अनकोटेड, पूर्ण निजी सहायक कंपनी के इक्विटी शेयर में निवेश Investement in Equity Shares of Wholly Owned Subsidiary Company, Unquoted, Fully paid up					
फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड (अंकित मूल्य रु. 1000/- प्रत्येक) Ferro Scrap Nigam Limited Face Value ₹ 1000/- each)	20000	20000	1581	1581	हां Yes
कुल / Total			**1581**	**1581**	

टिप्पणी 11 : आस्थिगत कर परिसंपत्तियों (देयताएं) निम्न हैं : (रु. लाख में)

Note 11 : Deferred Tax Assets/(Liabilities) are as under : (₹ in lacs) :

विवरण	Particulars	31.03.2015 को As on 31.03.2015	वर्ष के लिए प्रभावी कर / Tax effect for the year	31.03.2016 को As on 31.03.2016
संदिग्ध व्यापारगत प्राप्य के लिए प्रावधान	Provision for Doubtful Trade Receivables	15039	631	15670
अन्य व्यय 40(ए), 43बी के तहत प्रावधान	Provision against other expenses 40(a), 43B	1258	0	1281
मूल्यह्रास में अंतर	Difference in depreciation	(72)	43	(29)
	कुल / Total	**16248**	**674**	**16922**

टिप्पणी 12 : दीर्घावधि ऋण एवं अग्रिम :

Note 12 : Long Term Loans and Advances :

(रु. लाख में) / (₹ in Lacs)

विवरण	Particulars	31 मार्च 31 March 2016	31 मार्च 31 March 2015
ए. जमा	**a. Deposits**		
अनारक्षित असंदेहात्मक*	Unsecured, considered good *	713	671
बी. अन्य ऋण एवं अग्रिम	**b. Other loans and advances**		
प्रतिभूत, असंदेहात्मक - कर्मचारी अग्रिम	Secured, considered good - Staff advances	550	508
आयकर एवं टीडीएस का अग्रिम भुगतान (शुद्ध प्रावधान)	Advance Payment of Income Tax & TDS (net of provisions)	–	690
अनारक्षित, असंदेहात्मक - पार्टी को अग्रिम	Unsecured, considered good - Advance to parties	10	6
कुल	**Total**	**1273**	**1875**

* केएमपी से बकाया राशि रु. 1 लाख (पिछले वर्ष रु. 1 लाख)

* बिक्री कर प्राधिकरण के पास जमा रु. 520 लाख (रु. 478 लाख) शामिल है। यह जमा उनके द्वारा उठाए गए दावे के विरुद्ध है। लेकिन कंपनी ने इसका विरोध किया है।

* Amount due from KMP ₹ 1 lac (Previous year ₹ 1 lac)

* Includes ₹ 520 lac (previous year ₹ 478 lac) deposit with Sales Tax Authorities against demand raised by them which have been contested by the Company.

टिप्पणी 13 : अन्य गैर-वर्तमान परिसंपत्तियां :

Note 13 : Other Non-Current Assets :

विवरण	Particulars	31 मार्च 31 March 2016	31 मार्च 31 March 2015
सुरक्षित, अच्छा माने जाने वाला - कर्मचारी ऋणों पर बकाया ब्याज	Secured, considered good – Interest due on employee loans	5	7
असुरक्षित, अच्छा माने जाने वाला - पूर्वदत्त व्यय	Unsecured, considered good – prepaid expenses	12	37
कुल	**Total**	**17**	**44**

टिप्पणी 14 : स्टॉक :

Note 14 : Inventories :

(रु. लाख में) / (₹ in Lacs)

विवरण	Particulars	31 मार्च 31 March 2016	31 मार्च 31 March 2015
भंडारगत-माल (लागत मूल्य)	Stock-in-trade (Valued at cost)		
मार्गस्थ सामग्री	Goods-in transit		
प्रारम्भिक शेष	Opening Balance	14683	3605
(–) अंतिम शेष	(–) Closing Balance	1529	14683
स्टॉक में बदलाव	**Changes in Inventories**	**13154**	**(11078)**

टिप्पणी 15 : व्यापार प्राप्य :

Note 15 : Trade Receivables :

विवरण	Particulars	31 मार्च 31 March 2016	31 मार्च 31 March 2015
भुगतान की देय तिथि से छह महीने से ज्यादा अवधि के लिए बकाया व्यापार प्राप्त	Trade receivables outstanding for a period exceeding six months from the date they are due for payment		
प्रतिभूत, असंदेहात्मक	Secured, considered good	68407	109982
अनारक्षित, असंदेहात्मक	Unsecured, considered good	64088	76968
अनारक्षित, संदेहात्मक	Unsecured, considered doubtful	45279	43454
घटाएं : संदेहात्मक ऋण के लिए प्रावधान	Less: Provision for doubtful debts	45279	43454
		132495	186950
भुगतान की देय तिथि से छह महीने कम अवधि के लिए बकाया व्यापार प्राप्त	Trade receivables outstanding for a period less than six months from the date they are due for payment		
प्रतिभूत, असंदेहात्मक	Secured, considered good	152322	216954
अनारक्षित, असंदेहात्मक	Unsecured, considered good	30646	1787
		182968	218741
कुल	**Total**	**315463**	**405691**

15 (ए) : 31.03.2016 को वर्ष समाप्ति पर अप्राप्त निर्यात ऋण यूएस डॉलर 137,498,823.73 (वित्तीय वर्ष 2008-09 के दौरान रु. 59863 लाख के बराबर) था, इतना ही वित्त वर्ष की शुरुआत में था। वित्त वर्ष के अंतिम दिन पर व्याप्त विनिमय दर (यूएसडी 1 = रु. 66.255) को लेते हुए ऋण का वर्षांत शेष रु. 31236 लाख बढ़ कर रु. 91099 लाख हो गया होता तथा लेनदारी में रु. 30768 लाख का इजाफा होता। इस खाते में अनुमानित रु. 468 लाख की आय होती जिसमें स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक द्वारा क्रय किए गए प्राप्यों के खाते में रु. 132 लाख शामिल है। लेखा नीति की पैरा 1.13 के तहत विचाराधीन होने के चलते बकाया राशि की वसूली में अनिश्चितता के कारण शुद्ध लाभ रु. 336 लाख का लेखा नहीं किया गया है। यह भी विचाराधीन है।

15 (बी) : वित्त वर्ष 2008-09 में कुल निर्यात राशि यूएस डॉलर 146,971,624.00 (रु. 63821 लाख के बराबर) में से 31.03.2015 को बकाया राशि यूएसडी 137,498,823.73 (रु. 85937 लाख के बराबर) था एवं इस वर्ष के लिए लेखाबंद तारीख यानी 31.03.2016 को वही है। (दिनांक 31.03.2016 को व्याप्त विनिमय दर यूएसडी 1 = रु. 66.255 में रु. 91099 लाख के बराबर है)। ईसीजीसी के पास रु. 45075 लाख का दावा किया गया है। इसी प्रकार स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक ने आईसीआईसीआई लॉम्बर्ड जनरल इंश्योरेंस कंपनी के पास यूएसडी 36762828.14 (वित्त वर्ष के अंतिम दिन व्याप्त विनिमय दर यूएसडी 1 = रु. 66.255 में रु. 24357 लाख के बराबर है)। निर्दिष्ट इंश्योरेंस कंपनी द्वारा दोनों दावें इंकार कर दिए गए हैं। एमएसटीसी ने क्रेताओं के ऋण के लिए ईसीजीसी द्वारा बीमाकृत क्रेताओं के लिए ईसीजीसी के विरुद्ध 36 मामले राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग, दिल्ली (एनसीडीआरसी) के पास आरम्भ किए हैं। राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग, दिल्ली (एनसीडीआरसी) द्वारा दिनांक 16.4.2014 को दिए गए आदेश के अनुसार मामले को सिविल कोर्ट अथवा अन्य उपयुक्त फोरम में जाने को कहा गया है। एमएसटीसी ने इस आदेश के खिलाफ सर्वोच्च न्यायालय में एक अपील दायर की है। माननीय उच्चतम न्यायालय ने दोनों पार्टियों की पंचाट निर्णय पर जाने का निर्देश दिया है। तदनुसार मामले को पंचाट निर्णय के स्थायी मशीनरी। पर भेजा गया है (सार्वजनिक क्षेत्रों के पंचाट निर्णय हेतु सरकारी मशीनरी) पंचाट निर्णय प्रगति पर है। एमएसटीसी ने यूएई, सिंगापुर एवं कुवैत में विदेशी क्रेताओं के विरुद्ध 46 कानूनी मामले दायर किए हैं। एमएसटीसी के पक्ष में 46 निर्णय दिए गए हैं, जिसके लिए उक्त अदालतों को निष्पादन के लिए आग्रह किया गया है।

एशोसिएट्स सप्लायर्स द्वारा नामित विदेशी क्रेताओं के बकाया भुगतान की क्षतिपूर्ति के लिए सभी छह एशोसिएट सप्लायर्स के विरुद्ध पंचाट कार्रवाही भी जारी है। बाद में ईसीजीसी एवं आईसीआईसीआई लॉम्बार्ड जनरल इंश्योरेंस कंपनी द्वारा अनुमोदित है। तीन मामले में, एमएसटीसी के पक्ष में अवार्ड मिला है, जो निष्पादन की प्रक्रिया में है।

एशोसिएट्स में से एक मेसर्स उस्मा ज्वेलरी एण्ड पैकेजिंग एक्सपोर्ट्स (प्रा.) लि. ने रु. 12400 लाख (सरकार पंजीकृत मूल्यांनकर्त्ता द्वारा वर्ष 2014 में मूल्यांकन) मूल्य का स्थावर संपत्ति गिरवी रखा है। उक्त गिरवी संपत्ति के विक्रय/हस्तांतरण के लिए मुंबई उच्च न्यायालय में रिट याचिका दायर की गई है। सीबीआई एवं ईडी विषय की जांच कर रहे हैं तथा रु. 24040 लाख (रु. 12400 लाख मूल्य की जमीन एवं रु. 3979 लाख की चल संपत्ति सहित) की परिसंप्तियां तथा संपत्तियां जब्त कर लिया है। एमएसटीसी ने

15 (a) : At the year end 31.03.2016 unrealized export debtors remains USD 137498823.73 (equivalent to ₹ 59863 lacs during the FY 2008-09) which were the same as were at the beginning of the financial year. Considering the exchange rate (i.e. USD 1 = ₹ 66.255) prevailing on the last day of the financial year, the closing balance of debtors would have been increased by ₹ 31236 lacs to ₹ 91099 lacs and the creditors would have increased by ₹ 30768 lacs. There would have been a notional gain of ₹ 468 lacs on this account which includes an amount of ₹ 132 lacs on account of receivables purchased by Standard Chartered Bank. The net gain of ₹ 336 lacs has not been accounted for due to uncertainty in realisation of the dues in terms of para 1.13 of accounting policy. This is also sub-judice.

15 (b) : Out of total export of USD 146971624.00 (equivalent to ₹ 63821 lacs) during the financial year 2008-09, there was an outstanding balance of USD 137498823.73 (equivalent to ₹ 85937 lacs) as on 31.3.2015 and the same is continued for this year on closing date i.e 31.3.2016 (equivalent to ₹ 91099 lacs at the exchange rate of USD 1 = ₹ 66.255 prevailing on 31.03.2016). Claims have been lodged with ECGC for ₹ 45075 lacs. Similarly Standard Chartered Bank has also lodged claims with ICICI Lombard General Insurance Company for USD 36762828.14 (equivalent to ₹ 24357 lacs considering the exchange rate as USD 1 = ₹ 66.255 prevailing on the last day of the financial year). Both the claims have been repudiated by the respective Insurance Companies. MSTC initiated 36 cases against ECGC for the dues against buyers insured by them with National Consumer Disputes Redressal Commission (NCDRC), Delhi. National Consumer Disputes Redressal Commission (NCDRC) by an order dated 16.04.2014 has referred the matter to Civil Court or in other appropriate forum. MSTC has filled an appeal to Hon'ble Supreme Court against this order. The Hon'ble Supreme Court directed both the parties to go for arbitration. Accordingly matter has been referred to Permanent Machinery of Arbitration (A Government machinery for arbitration for PSUs). Arbitration is in progress. MSTC has filed 46 legal cases against the foreign buyers in UAE, Singapore and Kuwait. All the 46 judgments have been awarded in favour of MSTC and all the same are under execution.

Arbitration proceedings have also been initiated against all the six associate suppliers for indemnifying against the failure in payment by the foreign buyers nominated by them and later on approved by ECGC and ICICI Lombard General Insurance Co. Award has been received in favour of MSTC in three cases,which is also in the process of execution.

One of the Associates, namely, M/s Ushma Jewellery & Packaging Exports (P) Ltd has mortgaged landed property worth ₹ 12400 lacs (valuation done in 2014 by Govt Registered valuer). A writ petition for sale/transfer of the said mortgaged property has been filed at the Mumbai High Court. CBI and ED investigating the matter have seized assets and properties worth ₹ 24040 lacs (including land valued ₹ 12400 lacs & liquid assets worth ₹ 3979 lacs). MSTC had approached

रु. 900 लाख मूल्य को अपने पक्ष में हस्तांतरण की अनुमति के लिए सीबीआई कोर्ट में अनुरोध किया, यह रकम वित्त वर्ष 2013-14 के दौरान प्राप्त हो गई।

प्रबंधन विदेशी क्रेताओं/इंश्योरेंस कंपनियों/एशोसिएट सप्लायरों से यथासंभव ब्याज, कानूनी खर्चे सहित कर्ज वसूली के लिए हर संभव कदम उठा रहा है। तथापि, बकाया राशि के पांच वर्ष पुरानी हो जाने की वजह से वास्तव रूप में वसूली के लिए लंबित अशोध्य एवं संदिग्ध कर्ज के रूप में रु. 23578 लाख रकम के लिए प्रावधान किया गया है।

15 (सी) : व्यापार प्राप्त में शामिल रु. 6055 लाख, जो सेसा इंटरनेशनल के पास बकाया है। पार्टी ने दस्तावेज में विसंगतियों के कारण इसको स्वीकार करने से इंकार किया है। एमएसटीसी द्वारा तदनुरूप इंडियन ओवरसीज बैंक (बैंक) को सूचित किया गया है। बैंक पर विदेशी अदालतों के आदेश अनुसार विभिन्न तिथियों पर बैंक ने आदेश के तहत एमएसटीसी खाते से डेबिट कर सप्लायर्स के बैंक को रकम भेज दी है। चूंकि यह समझौता ज्ञापन की शर्तों के अनुसार अदालत के आदेश के विरुद्ध है, सेसा इंटरनेशनल एमएसटीसी की क्षतिपूर्ति के लिए बाध्य है।

तदनुसार, एमएसटीसी ने सेसा इंटरनेशनल के विरुद्ध मध्यस्थम कार्रवाई शुरू किया है, जो प्रक्रियाधीन है। अतएवं प्रबंधन रकम वसूली के प्रति आशान्वित है। पोर्ट में स्थित सामग्रियों के निपटान के विरुद्ध कोर्ट ने रु. 223 लाख प्राप्त किए हैं, जिसे व्यापारगत प्राप्य के तहत समायोजित कर दिया गया है। कोर्ट के आदेश के अनुसार रु. 102 लाख की शेष सामग्री की विक्रय प्रक्रिया प्रापक के पास मियादी जमा के रूप में रखा गया है। एमएसटीसी ने आईओबी के विरुद्ध एमएसटीसी खाते में रु. 3656 लाख गलत डेबिट किए जाने के खिलाफ भी मामला दायर किया है, जिसमें एमएमटीसी की स्थिति काफी मजबूत है। रु. 4000 लाख के पंचाट/कानूनी मामलों के लंबित निपटान पहले से अशोध्य एवं संदेहास्पद अग्रिम के रूप में खातों में उल्लेख कर दिये गये हैं।

15 (डी) : व्यापार से प्राप्य में हल्दिया पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड (एचपीएल) से बकाया रु. 34376 लाख शामिल है। इसके विरुद्ध रु. 5997 लाख गिरवी स्टॉक उपलब्ध है। एचपीएल ने वित्त वर्ष 2013-14 में एमएसटीसी से बिना कोई स्वीकृति प्राप्त किए गिरवी रखे गए स्टॉक 74655 एमटी नैप्था उठा लिया। एचपीएल एवं कंपनी के बीच पारस्परिक सहमति के अनुसार, माननीय कलकत्ता उच्च न्यायालय ने दिनांक 05.05.2015 को अनुमोदित, एचपीएल बकाया शेष राशि फरवरी, 2021 तक चुकाने को सहमति जताई है। एचपीएल ने न्यायालय के आदेश के अनुसार अप्रैल, 2015 से भुगतान आरम्भ कर दिया है।

15 (ई) : मेसर्स एसपीएस स्टील रोलिंग मिल्स लिमिटेड से व्यापार से प्राप्य रु. 24083 लाख बकाया है। माननीय न्यायाधीश ने जून 2018 तक मूल राशि भुगतान करने के संबंध में दिनांक 19.07.2014 को एक आदेश जारी किया है तथा उस पर ब्याज की राशि उसके उपरांत 12 महीने के अंदर भुगतान करने का आदेश दिया है। वित्त वर्ष 2015-16 के दौरान पार्टी ने रु. 2400 लाख का भुगतान किया है।

15 (एफ) : व्यापार प्राप्त साधारणतया या तो कम्पनी के पास ग्राहकों द्वारा प्रतिज्ञित स्टॉक्स के माध्यम से या दायित्व द्वारा जहाँ सहायक आपूर्तिकर्ताओं के साथ बैक-टू-बैक व्यवस्था है। यदि इन प्राप्तियो के खाते मूल्य के बाबत ऐसे प्रतिज्ञित स्टॉक के मूल्य की वसूली में महत्वपूर्ण कमी आती है तो अंतर राशि को 'असुरक्षित' के अधीन दर्शाया जाता है।

CBI Court requesting for permission to transfer of an amount of ₹ 900 lacs which had been received during FY 2013-14.

The Management is taking all possible steps to recover the dues as much as possible along with interest, legal expenses, etc. from the foreign buyers/Insurance Cos/Associate suppliers.However,since the dues have become very old, a provision has already been made for an amount of ₹ 23578 lacs as bad and doubtful debts pending actual realisation.

15 (c) : Trade Receivables includes ₹ 6055 lacs due from Sesa International. The party had refused to accept the documents due to discrepancy therein, which have been intimated to Indian Overseas Bank ('Bank') accordingly by MSTC. But pursuant to Foreign Court order on Bank, they have remitted to supplier's Bank by debiting MSTC's account on various dates. As it is against Court order, as per MOA terms Sesa International is bound to indemnify MSTC.

Accordingly, MSTC have invoked arbitration proceeding against Sesa International which is under process and the management is hopeful to recover the amount. Against disposal of goods lying at port through Court receiver an amount of ₹ 223 lacs has been received which has been adjusted against Trade Receivables. Sale proceeds for balance material amounting to ₹ 102 lacs is kept with the receiver as fixed deposit as per Court order. MSTC has also filed a suit against IOB for their wrong debit to MSTC account for an amount of ₹ 3656 lacs in which MSTC is in a very strong position. Pending disposal of arbitration/legal suit an amount of ₹ 4000 lacs has already been provided in accounts as bad & doubtful advance.

15 (d) : Trade Receivables includes ₹ 34376 lacs due from Haldia Petrochemicals Ltd(HPL). Pledged stock of 5997 lacs is available against this. HPL had lifted the pledged stock of Naptha of 74655 MT without any authorisation from MSTC in the F.Y 2013-14. As per mutual settlement between HPL and the company, as approved by the Honb'le Calcutta Highcourt on 05.05.2015, HPL have agreed to liquidate the outstanding balance by February 2021. HPL has been making payment from April 2015 as per court order.

15 (e) : Trade Receivable includes ₹ 24083 lacs due from M/s SPS Steel Rolling Mills Ltd. Ld. Arbitrator passed an award on 19.07.2014 for payment of principal amount within June 2018 and accrued interest thereafter within 12 months. During the F.Y 2015-16 the party have paid ₹ 2400 lac.

15 (f) : Trade Receivables are generally secured either by way of stocks pledged by the customers with the Company or by liability where there is back to back arrangement with the associate suppliers. In case there is a significant depletion in realizable valueof such pledged stock against the book value of the corresponding receivables, the differential amount has been shown under 'Unsecured'.

टिप्पणी 16 : नकद एवं नकद समान :
Note 16: Cash & Cash equivalents :

(रु. लाख में) / (₹ in Lacs)

विवरण	Particulars	31 मार्च 31 March 2016		31 मार्च 31 March 2015	
क. बैंक शेष	a. Balances with banks				
चालू खाता में	In Current Accounts		25405		34586
लाभांश लेखा में	In Dividend Accounts		61		59
सावधि जमा खाता में	In Term Deposit Accounts				
स्थायी जमा	Fixed Deposit		69038		89052
समाहित :	This includes :				
ऋण के विरुद्ध सिक्योरिटी	Security against borrowings	55200		71327	
गारंटी	Guarantees	903		4706	
एलसी मार्जिन	LC Margin	0		4986	
12 महीने से अधिक अवधि की परिपक्वता हेतु बैंक में जमा	Bank deposits with more than 12 months maturity	4		504	
ख. नकद राशि हाथ में	b. Cash and Stamps in hand		1		1
कुल	**Total**		**94505**		**123698**

टिप्पणी 17 : अल्पावधि ऋण एवं अग्रिम :
Note 17 : Short-term loans and advances :

विवरण	Particulars	31 मार्च 31 March 2016	31 मार्च 31 March 2015
प्रतिभूत, असंदेहात्मक - कर्मचारी अग्रिम*	Secured, considered good - Staff advances*	135	243
अनारक्षित, असंदेहात्मक - अन्य	Unsecured, considered good - Others	996	1007
बिक्री कर एवं वैट पर अग्रिम भुगतान	Advance Payment of Sales Tax & VAT	22	24
जमानत जमा	Security Deposits	7569	6539
आगत सेवा कर	Input Service Tax	3	2
कुल	**Total**	**8725**	**7815**

* केएमपी से बकाया रकम रु. 2 लाख (विगत वर्ष रु. 1 लाख)।
*Amount due from KMP ₹ 2 lac (previous year ₹ 1 lac).

टिप्पणी 18 : परिचालन से राजस्व :

Note 18 : Revenue from operations :

(रु. लाख में) / (₹ in Lacs)

विवरण	Particulars	2015-2016	2014-2015
सामग्री की बिक्री	Sale of Goods	269480	518052
सेवा शुल्क	Service Charges	15192	16627
अन्य परिचालित राजस्व	Other Operating Revenues	4483	7818
कुल	**Total**	**289155**	**542497**

(ए) वर्ष के दौरान ई-नीलामी पंजीकरण हेतु रु. 369 लाख (विगत वर्ष रु. 264 लाख) संग्रह किया गया था। चालू वर्ष के समय संग्रह से रु. 296 लाख (विगत वर्ष रु. 211 लाख) देयताओं के पास रखा गया है, जो चार वर्षों में वितरित किया जाएगा, क्योंकि यह पंजीकरण आजीवन वैध है। अवितरित शेषों का संचयन 31.03.2016 को रु. 586 लाख (विगत वर्ष रु. 497 लाख) है। शेष राशि, जिसके लिए पंजीकरण एक वर्ष के लिए वैध है उसको चालू वर्ष के आय के रूप में लिया जाता है।

(बी) अन्य परिचालित राजस्वों में पार्टियों से ब्याज रु. 2493 लाख (विगत वर्ष रु. 6453 लाख) शामिल है।

(सी) सेवा शुल्क पर कर की कटौती एवं ब्याज आय रु. 1756 लाख (विगत वर्ष रु. 1597 लाख) है।

(a) During the year, an amount of ₹ 369 lacs (previous year ₹ 264 lacs) was collected towards E-auction Registration. Out of total collection of current year, an amount of ₹ 296 lacs (previous year ₹ 211 lacs) has been kept in liabilities to be distributed in subsequent four years, since related registration is valid for life long. Accumulated undistributed balance standing as on 31.03.2016 is ₹ 586 lacs (previous year ₹ 497 lacs). Balance amount for which registration is valid upto one year is accounted for as income during the current year.

(b) Other Operating Revenues includes Interest from parties ₹ 2493 lacs (previous yr. ₹ 6453 lacs).

(c) Tax deducted at source on Service Charge and Interest income amounts to ₹ 1756 lacs (previous year ₹ 1597 lacs).

टिप्पणी 19 : अन्य आय

Note 19 : Other Income :

विवरण	Particulars	2015-2016	2014-2015
ब्याज से आय	Interest Income		
i) स्थायी जमा पर ब्याज	i) Interest on fixed deposit	6210	7644
ii) कर्मचारी द्वारा लिए गए अग्रिम पर ब्याज	ii) Interest on Employee Advances	39	36
iii) अन्य ब्याज	iii) Interest others	1	1
लाभांश आय	Dividend Income	642	468
पुनः लिखी गई देयताएँ	Liability written back	710	–
विविध आय	Miscellaneous Income	1	2
कुल	**Total**	**7603**	**8151**

बैंक जमा के ऊपर ब्याज से स्रोत पर कर कटौती रु. 574 लाख (विगत वर्ष रु. 663 लाख)।

Tax deducted at source from interest on bank deposits amounted to ₹ 574 lacs (previous year ₹ 663 lacs).

टिप्पणी 20 : भंडारगत माल का क्रय :

Note 20 : Purchase of Stock-in-Trade :

(रु. लाख में) / (₹ in Lacs)

विवरण	Particulars	2015-2016	2014-2015
सामग्री की खरीद	Purchase of goods	255384	526120
कुल	**Total**	**255384**	**526120**

टिप्पणी 21 : कर्मचारी हितलाभ व्यय :

Note 21 : Employee Benefits Expense :

विवरण	Particulars		2015-2016	2014-2015
(ए) वेतन एवं इनसेंटिव	(a)	Salaries and incentives	3302	3001
(बी) पीएफ में नियोक्ता का अंशदान	(b)	Employer Contribution to PF	231	211
(सी) ग्रेच्यूटी निधि में अंशदान	(c)	Gratuity fund contributions	29	44
(डी) कर्मचारी कल्याण पर व्यय	(d)	Staff welfare expenses	411	442
(ई) अवकाश नकदीकरण	(e)	Leave encashment	300	191
कुल	**Total**		**4273**	**3889**

रु. 94 लाख (विगत वर्ष रु. शून्य) का इस्पात मंत्रालय से लंबित अनुमोदन कर्मचारियों के पेंशन लाभ के लेखा खातों में उल्लेख कर दिये गये हैं।

निर्दिष्ट लाभ दायित्वों के संबंध में "कर्मचारी लाभों" पर लेखा मानक - 15 (संशोधन 2005) के अंतर्गत आवश्यक प्रकटीकरण:-

तालिका में 31.03.16 के कर्तव्य के दायित्व मूल्य में परिवर्तन दर्शाया गया है

Pending approval from Ministry of Steel ₹ 94 lakhs (previous year ₹ NIL) has been provided for in the books of accounts on account of pension benefit of employees.

Disclosure as required under Accounting Standard – 15 (Revised 2005) on "Employees Benefits" in respect of Defined Benefit obligations:-

Table showing changes in present value of obligation as on 31.03.16

विवरण	Particulars	उपदान Gratuity	छुट्टी वेतन Leave Salary
दायित्वों का वर्तमान मूल्य वर्ष के प्रारम्भ में	Present value of obligations as at beginning of the year	1213	1122
ब्याज लागत	Interest cost	97	90
वर्तमान सेवा लागत	Current service cost	25	77
चुकाए गए लाभ	Benefits paid	(241)	(164)
दायित्व पर बीमांकिक (लाभ/हानि)	Acturial (Gain)/Loss on obligations	38	(79)
वर्षांत में दायित्व की वर्तमान स्थिति	Present value of obligations as at end of the year	1132	1046

तालिका 31.03.2016 तक की योजना संपत्ति के उचित मूल्य में परिवर्तन को प्रकट कर रही है।

Table showing changes in the fair value of plan assets as on 31.03.16

विवरण	Particulars	उपदान Gratuity	छुट्टी वेतन Leave Salary
वर्ष के प्रारम्भ में योजना संपत्ति का उचित मूल्य	Fair value of plan assets at beginning of the year	1405	1079
योजना संपत्ति पर संभावित आय	Expected return on plan assets	108	86
अंशदान	Contributions	25	43
चुकाए गए हित	Benefits paid	(241)	(164)
योजना संपत्ति पर बीमांकिक (लाभ/हानि)	Acturial gain/(loss) on plan assets	–	–
वर्षांत में योजना संपत्ति का उचित मूल्य	Fair value of plan assets at the end of the year	1297	1044
निधिक स्थिति	Funded status	165	(2)

31.03.2016 को बीमांकित लाभ/हानि के रूप में पहचान।
Acturial Gain/Loss recognized as on 31.03.16

(रु. लाख में) / (₹ in Lacs)

विवरण	Particulars	उपदान Gratuity	छुट्टी वेतन Leave Salary
दायित्व पर बीमांकिक (लाभ)/हानि	Actuarial (gain)/loss on obligations	(38)	79
वर्ष की योजना संपत्ति के लिए बीमांकिक (लाभ)/हानि	Actuarial (gain)/loss for the year – plan assets	–	–
दायित्व पर बीमांकिक (लाभ)/हानि	Actuarial (gain)/loss on obligations	38	79
वर्ष में बीमांकिक (लाभ)/हानि के रूप में पहचान	Actuarial (gain)/loss recognized in the year	38	79

तुलन-पत्र एवं लाभ हानि लेखा के विवरण में स्वीकृत राशि।
The amounts to be recognized in the balance sheet and statements of profit and loss.

विवरण	Particulars	उपदान Gratuity	छुट्टी वेतन Leave Salary
वर्षांत में दायित्व का वर्तमान मूल्य	Present value of obligations as at the end of the year	1132	1046
वर्षांत में योजना संपत्ति का उचित मूल्य	Fair value of plan assets as at the end of the year	1297	1044
निधिक स्थिति	Funded status	165	(2)
तुलन-पत्र में स्वीकृत निवल आस्तियां (देयताएं)	Net asset/(liability) recognized in balance sheet	165	2

लाभ एवं हानि लेखा विवरण में स्वीकृत खर्च
Expenses recognized in statement of Profit and loss.

विवरण	Particulars	उपदान Gratuity	छुट्टी वेतन Leave Salary
वर्तमान सेवा लागत	Current service cost	25	77
ब्याज लागत	Interest cost	97	90
योजना संपत्तियों पर संभावित आय	Expected return on plan assets	(108)	(86)
वर्ष में बीमांकिक निवल (लाभ)/हानि	Net actuarial (gain)/loss recognized in the year	38	79
स्वीकृत खर्च लाभ-हानि लेखा विवरण में	Expenses recognized in statement of profit and loss	52	2

टिप्पणी : 22 : वित्त लागत :
Note 22 : Finance Costs :

विवरण	Particulars	2015-2016	2014-2015
ब्याज व्यय	Interest expense	9642	8649
कुल	**Total**	**9642**	**8649**

टिप्पणी : 23 : अन्य व्यय :
Note 23 : Other Expenses :

(रु. लाख में) / (₹ in Lacs)

विवरण	Particulars	2015-2016	2014-2015
मरम्मत एवं रखरखाव	Repairs and Maintenance	157	147
ईडीपी व्यय	EDP Expenses	280	200
बीमा	Insurance	1	1
किराया	Rent	307	294
दर एवं कर	Rates and Taxes	31	54
बैंक शुल्क	Bank Charges	687	566
यात्रा व्यय	Travelling Expenses	273	230
विदेश यात्रा	Foreign Travelling	26	13
गाड़ी किराया प्रभार	Car Hire Charges	109	74
बैठक एवं सम्मेलन	Meeting and Conference	73	19
प्रशिक्षण	Training	16	8
निदेशक बैठक शुल्क	Directors' Sitting Fees	2	2
लेखा परीक्षा शुल्क*	Audit Fees*	6	6
आउट ऑफ पॉकेट व्यय (सांविधिक लेखा परीक्षक)	Out-of-Pocket Expenses (Statutory Auditor)	4	3
स्टॉक यार्ड व्यय	Stock Yard Expenses	55	27
टेलेक्स, पोस्टेज एवं टेलीग्राम	Telex, Postage and Telegram	47	48
इलेक्ट्रिसिटी	Electricity	129	115
प्रिंटिंग एवं स्टेशनरी	Printing and Stationery	42	40
मनोरंजन	Entertainment	22	18
टेलीफोन शुल्क	Telephone Charges	41	38
विज्ञापन	Advertisement	96	74
संविधिक व्यय**	Legal Expenses**	290	261
कंसलटैंसी शुल्क	Consultancy Charges	35	158
आंतरिक लेखा परीक्षा शुल्क	Internal Audit fees	2	2
आउट ऑफ पॉकेट व्यय (आंतरिक लेखा परीक्षक)	Out-of-Pocket Expenses (Internal Auditor)	3	3
विविध व्यय	Miscellaneous Expenses	15	15
कर्मचारी नियुक्ति व्यय	Staff Recruitment Expenses	11	6
समाचारपत्र, किताब एवं पत्रिकाएं	Newspaper, Books and Periodicals	5	4
नैगमिक सामाजिक दायित्व	Corporate Social Responsibility	147	128
नीलामी/निविदा व्यय	Auction Tender Expenses	74	101
अशोध्य एवं संदेहात्मक ऋण के लिए प्रावधान	Provision for Bad & Doubtful Debts	1824	7380
पूर्व अवधि उत्पाद (भूमि एवं भवन का ह्रास)	Prior Period Item (Depreciation on land and building)	–	14
कुल	**Total**	**4810**	**10049**

*कर लेखा परीक्षा शुल्क रु. 1 लाख शामिल है (विगत वर्ष रु. 1 लाख)।
**स्वर्ण आभूषण निर्यात से संबंधित मामले के लिए रु. 36 लाख (लगभग) शामिल है। विगत वर्ष के लिए रु. 53 लाख (लगभग) है।

* Includes Tax Audit fees of ₹ 1 lac (previous yr. ₹ 1 lac)

** Includes ₹ 36 lacs (approx.) prev.yr ₹ 53 lacs (approx.) pertains to cases relating to Gold Jewellary Export.

टिप्पणी : 24 (ए) : विदेशी मुद्रा में व्यय :
Note 24 (a) : Expenditure incurred in Foreign Currency :

रु. लाख में) / (₹ in Lacs)

विवरण	Particulars	2015-2016	2014-2015
सामानों का आयात	Import of Goods	135936	160334
यात्रा व्यय एवं अन्य	Travelling Expenses & other	17	14
कुल	**Total**	**135953**	**160348**

टिप्पणी : 24 (बी) : विदेशी मुद्रा में व्यय :

Note 24 (b) : Earnings in Foreign Currency : (रु. लाख में) / (₹ in Lacs)

विवरण	Particulars	2015-2016	2014-2015
ई-नीलामी पंजीयन शुल्क	E-auction Registration fees	5	13
कुल	**Total**	**5**	**13**

टिप्पणी : 25 : प्रबंधकीय पारिश्रमिक :

Note 25 : (a) Managerial Remuneration :

(क) प्रबंधकीय पारिश्रमिक

(रु. लाख में) / (₹ in Lacs)

विवरण	Particulars	2015-2016	2014-2015
निदेशकों के वेतन एवं भत्ते	Director's Salaries & Allowances	150	94
भविष्य निधि में कंपनी का योगदान	Company's Contribution to Provident Fund	7	7
चिकित्सा व्यय की प्रतिपूर्ति	Reimbursement of Medical expenses	2	2

बी) चूंकि निदेशकों को कंपनी द्वारा लिमिटेड माइलेज के लिए कार के निजी व्यवहार की सुविधा प्रदान की गई हैं, उस सुविधा को हित लाभ/अनुलाभ के रूप में नहीं लिया गया है।

सी) ग्रुप इंश्योरेंस/ग्रुप ग्रैच्यूटी स्कीम की मॉस्टर पॉलिसी के लिए प्रीमियम का भुगतान किया गया है, जो निदेशकों के लिए भी किया जाता है, अनुलाभ के रूप में नहीं लिया गया है क्योंकि यह अनिश्चित है।

डी) उपरोक्त में वास्तविक भुगतान के आधार पर कार्यनिष्पादन से संबंधित भुगतान शामिल है।

b) Since the facility of private use of car for limited mileage is provided by the Company to Directors, such facility has not been considered as benefit / perquisite.

c) Premium paid for Master policy of Group Gratuity Scheme / Group Insurance which also covers Directors has not been considered as perquisite since it is unascertainable.

d) The above includes Performance related pay on actual payment basis.

टिप्पणी : 26 : संबंधित पार्टी का प्रकटीकरण

Note 26 : Related party disclosure

1.ए) शीर्ष प्रबंधकीय कार्मिक -

श्री एस के त्रिपाठी, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
श्री ए के बसु, निदेशक (वित्त)
श्री बी बी सिंह, निदेशक (वाणिज्य)
श्री एस.के. राय - कंपनी सचिव

1.a) Key Managerial Personnel (KMP) :

Shri S K Tripathi – Chairman-cum-Managing Director
Shri A.K.Basu – Director (Finance)
Shri B.B. Singh – Director (Commercial)
Shri S.K. Ray – Company Secretary

बी) वर्ष के दौरान संबंधित पार्टियों से लेनदेन :

b) Transaction with related party during the year :

लेनदेन की प्रकृति	केएमपी
Nature of Transaction	KMP
प्रदत्त प्रबंधकीय पारिश्रमिक	₹ 197 लाख
Managerial Remuneration Paid	₹ 197 lacs
	(₹ 125 लाख)
	(₹ 125 lacs)
सी) शेष बकाया	₹ 3 लाख
c) Balance outstanding:	₹ 3 lac
	(₹ 2 लाख)
	(₹ 2 lac)

2. फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड (कंपनी की पूर्ण स्वामित्व वाली आनुषंगिक कंपनी)

2.क. कंपनी को सीएमडी के लिए व्यय की प्रतिपूर्ति के रूप में एफएसएनएल से रु. शून्य (विगत वर्ष : रु. 7 लाख) प्राप्त हुआ है।

2.ख. कंपनी को एफएसएनएल से ई-नीलामी के सेवा शुल्क के रूप में रु. 1 लाख (विगत वर्ष : रु. 4 लाख) प्राप्त हुआ है।

2.ग. कंपनी ने माल गोदाम के प्रबंधन के लिए संरक्षण सेवाओं के तहत एफएसएनएल को रु. 256 लाख (विगत वर्ष : रु. 341 लाख) का भुगतान किया।

2. Ferro Scrap Nigam Limited (Wholly owned subsidiary company)

2.a. The company has received ₹ Nil (Previous Year : ₹ 7 lacs) as reimbursement of expenses for CMD from FSNL.

2.b. The company has received service charges for e-auction from FSNL ₹ 1 lacs (Previous Year : ₹ 4 lacs)

2.c. The company has paid ₹ 256 lacs (Previous Year : ₹ 341 lacs) towards custodian services for ware house management to FSNL.

टिप्पणी : 27 : एएस-17 के अनुसार विभाजित रिपोर्टिंग :

Note 27: Segmental Reporting as per AS – 17:

कंपनी ने एएस-17 की शर्तों के अनुसार ई-कॉमर्स एवं विपणन को अपने दो प्राथमिक व्यवसाय प्रभाग के रूप में चिन्हित किया है। यहां कोई गौण क्षेत्र नहीं है।

In terms of AS-17 the Company has identified Marketing and E-Commece as its two Primary Reportable Business Segments. There is no Secondary Segment

(रु. लाख में) / (₹ in Lacs) / (विगत वर्ष) / (previous year)

विवरण **Particulars**	विपणन **Marketing**	ई-कॉमर्स **E-Commerce**	अन्य (अनाबंटित) **Others (unallocated)**	कुल **Total**
कुल राजस्व	281147	12775	2836	296758
Total Revenue	(535637)	(13694)	(1317)	(550648)
कुल व्यय	278843	378	8403	287624
Total Expenses	(524245)	(313)	(12943)	(537501)
परिणाम (कर पूर्व लाभ/हानि (-)	2304	12397	(5567)	9134
Result (Profit/Loss(-) before Tax)	(11392)	(13393)	(–11638)	(13147)
कर व्यय				3146
Tax expenses				(4048)
अवधि के लिए लाभ/हानि (-)				5988
Profit/ Loss(-) for the period				(9099)

आस्तियों एवं देयताओं के अनाबंटित प्रकृति के कारण विभाजित नहीं किया जा सका।

Assets & liabilities could not be segmented due to their unallocable nature.

टिप्पणी : 28 : व्यापार से प्राप्य का शेष, व्यापारगत भुगतेय एवं अग्रिमों में शामिल शेष पुष्टिकरण/मिलान एवं परिणाम स्वरूप समायोजन का विषय है। यदि कोई हो, मिलान को जारी आधार पर लिया गया है। प्रावधान, जहां पर जरूरी है, किया गया है।

Note 28 : Balances of Trade Receivables, Trade Payables and Advances include balances subject to confirmation/reconcilliation and consequential adjustment, if any. Reconciliations are carried out on on-going basis. Provisions, wherever considered necessary, have been made.

टिप्पणी : 29 : प्रति शेयर आय की गणना निम्नानुसार किया है:-

Note 29 : Earning per share has been computed as under :-

(रु. लाख में) / (₹ in Lacs)

विवरण	Particulars	2015-2016	2014-2015
करोपरांत-लाभ (रु. लाख में)	Profit after Tax (₹ in lacs)	5988	9099
शेयरों की संख्या (अदद)	No. of shares (Nos.)	8800000	8800000
करोपरांत लाभ पर प्रति शेयर आय (प्रति शेयर अंकित मूल्य रु.10/-) बेसिक/डाइलूटेड (रु.)*	Earnings per share on profit after tax (face value ₹ 10/- per share) – Basic/Diluted (₹)*	68	103

टिप्पणी : 30 : आकस्मिक देयताएं एवं प्रतिबद्धता (सीमा तक प्रदान नहीं किया गया)

आकस्मिक देयताओं में शामिल कंपनी के विरुद्ध दावे को ऋण के रूप में नहीं लिया गया :-

Note 30 : Contingent Liabilities and Commitments (to the extent not provided for)

Contingent Liabilities include claims against the Company not acknowledged as debt :-

(रु. लाख में) / (₹ in Lacs)

विवरण	Particulars	205 - 2016	2014 - 2015
बिक्री कर एवं सीमा शुल्क	Sales Tax & Customs	4700	4531
नौवहन वाद	Money Suits	15605	12875
विवाचन	Arbitration	2655	4717
विधिक व्यय	Legal Expenses	325	325
आयकर	Income Tax	429	677
सेवा कर	Service Tax	1611	1612
कुल	**Total**	**25325**	**24737**

टिप्पणी : 31 (ए) : 31 मार्च 2016 को समाप्त वर्ष के लिए शुरुआती स्टॉक, क्रय, विक्रय एवं समाप्त स्टॉक का विवरण :

Note 31 (a) : Statement of Opening Stock, Purchases, Sales and Closing Stock for the year ended 31st March, 2016

(विगत वर्ष) / (previous year) / (मात्रा '000 टन) / (Qty '000 Tonnes) / (रु. लाख में) / (₹ in Lacs)

सामग्री का विवरण	शुरुआती स्टॉक		क्रय		विक्रय		बंद स्टॉक	
Description of material	**Opening Stock**		**Purchases**		**Sales**		**Closing Stock**	
	मात्रा Qty.	मूल्य Value	मात्रा Qty.	मूल्य Value	मात्रा Qty.	मूल्य Value	मात्रा Qty.	मूल्य Value
क्रूड ऑयल	0	0	0	0	0	0	0	0
Crude Oil	0	0	(155)	(55066)	(155)	(55754)	0	0
कोक/कोल	337	14683	5658	254935	5955	269023	40	1529
Coke / Coal	(86)	(3605)	(11240)	(470809)	(10989)	(461983)	(337)	(14683)
				253406		269023		
				(525875)		(517737)		
जोड़ :			अंतिम बिल समायोजन	449		457		
Add :			Final Bill Adj.	(245)		(315)		
				255384		269480		
				(526120		(518052)		

टिप्पणी 31 (बी) : ऊपर के अलावा कंपनी ने फेसिलेटर के रूप में निम्नोक्त के अनुसार सामग्री खरीदी है :

Note 31 (b) : In addition to above the Company have also purchased material as facilitator as per details below :

(विगत वर्ष) / **(previous year)** / (मात्रा '000 टन) / **(Qty '000 Tonnes)** / (रु. लाख में) / **(₹ in Lacs)**

सामग्री का विवरण **Description of material**	**मात्रा** **Qty**	**खरीद मूल्य** **Purchase Value**	**अर्जित सेवा प्रभार** **Service Charges Earned**
एच आर क्वायल्स H R Coils	1 (1)	120 (394)	3 (8)
कोक/कोल Coke / Coal	500 (629)	25840 (66748)	741 (1378)
बिलेट्स Billets	0 (6)	0 (2294)	0 (43)
नेफ्था Naptha	382 (95)	91281 (65376)	1134 (1409)
आयरन ओर Iron Ore / Pellete	525 (503)	24870 (27506)	722 (514)
मैंगेनीज ओर Manganese Ore	18 (44)	1246 (3872)	50 (93)
पिग आयरन Pig Iron	0 (7)	0 (2212)	0 (43)
क्रोम Chrome	4 0	359 0	16 0
विद्युत उपकरण Electrical Equipment		16119 0	298 0
कुल / Total	**1430**	**159835**	**2964**
	(1285)	**(168402)**	**(3488)**

टिप्पणी 32 : विगत वर्ष के आकडों को जहां जरूरत है वहां पुनः व्यवस्थित एवं पुनः समूहित किया गया है।

Note 32 : Figures for the previous year have been rearranged and regrouped wherever necessary to make it comparable.

कृते एमएसटीसी लिमिटेड For MSTC Limited

कृते राय एंड कं.
सनदी लेखापाल
पंजीकरण सं. 313124ई

सीए एस पी बसु
साझेदार
एम नं. 050209

तारीख : 03.08.2016
स्थान : कोलकाता

For Ray & Co.
Chartered Accountants
Regn. No. 313124E

CA S P. Basu
Partner
M no. 050209

Dated : 03.08.2016
Place : Kolkata

(बी.बी. सिंह)
अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक
(B. B. Singh)
Chairman-cum-Managing Director

(आर के चौधुरी)
महाप्रबंधक (वित्त एवं लेखा)
(R. K. Chaudhuri)
General Manager (Finance & Accounts)

(ए के बासु)
निदेशक (वित्त)
(A. K. Basu)
Director (Finance)

(सुब्रत कुमार राय)
कंपनी सचिव
(Subrata Kumar Ray)
Company Secretary

एमएसटीसी लिमिटेड MSTC LIMITED

31 मार्च, 2016 को समाप्त वर्ष के लिए नकद प्रवाह विवरण

CASH FLOW STATEMENT FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH 2016

(रु. लाख में) / (₹ in Lacs)

		2015-16	2014-15
परिचालन गतिविधियों से नकद प्रवाह	**Cash Flow from Operating Activities :**		
कराधन पूर्व निवल लाभ एवं असाधारण सामग्री	Net Profit before Taxation and Extraordinary Items	9134	13147
मूल्यह्रास हेतु समायोजन	Adjustment for Depreciation	361	(128)
पूर्वाअवधि मूल्यह्रास हेतु सामग्री	Adjustment for Prior period item	–	14
लाभांश से आय हेतु समायोजन	Adjustment for Dividend Income	(642)	(468)
समाप्त सीडब्ल्यूआईपी के लिए समायोजन	Adjustment for writing off CWIP	–	84
ब्याज से आय हेतु समायोजन	Adjustment for Interest Income	(6250)	(7681)
कार्यकारी पूंजी परिवर्तन से पूर्व परिचालन लाभ	**Operating Profit before Working Capital Changes**	**2603**	**4968**
व्यापार प्राप्य में (वृद्धि)/कमी	(Increase)/Decrease in Sundry Debtors/Trade Receivables	90228	(22694)
अन्य चालू /गैर चालू आस्थियों में (वृद्धि)/कमी	(Increase)/Decrease in Other Current/Non Current Assets	547	214
दीर्घावधि/अल्पावधि ऋण एवं अग्रिम में (वृद्धि)/कमी	(Increase)/Decrease in Long term/Short term Loans & Advances	(998)	(1458)
स्टॉक/इनवेंटरी में (वृद्धि)/कमी	(Increase)/Decrease in Stock/Inventories	13154	(11078)
विविध लेनदारों/व्यापार देनदारों/चालू देयताएं/प्रावधानों में वृद्धि/(कमी)	Increase/(Decrease) in Sundry Creditors/Trade Payables Current/Non Current Liabilities/Provisions	(91571)	21019
प्रचालन से नकद प्राप्ति	**Cash Generated from Operation**	**13963**	**(9029)**
अग्रिम आयकर भुगतान	Advance Income Tax Paid	(2934)	(7326)
प्रचालन गतिविधियों से शुद्ध नकद प्रवाह : (ए)	**Net Cash Flow from Opertaing Activities : (A)**	**11029**	**(16355)**
निवेश गतिविधियों से नकद प्रवाह	**Cash Flow from Investing Activities :**		
अचल परिसम्पत्तियों/सीडब्ल्यूआईपी की खरीद	Purchase of Fixed Assets(Net)	852	(71)
प्राप्त लाभांश	Dividend Received	642	468
प्राप्त ब्याज	Interest Received	6250	7681
निवेश गतिविधियों से निवल नकद प्राप्ति (बी)	**Net Cash generated from Investing Activities (B)**	**7744**	**8078**
वित्तीय गतिविधियों से नकद प्रवाह :	**Cash Flow from Financing Activities :**		
अल्पावधि उधार से प्राप्ति	Proceeds from Short Term Borrowings	(45781)	22371
प्रदत्त लाभांश	Dividend Paid	(1822)	–
लाभांश पर कर	Tax on Dividend	(363)	–
वित्तीय गतिविधियों में लगा निवल नकद (सी)	**Net Cash used in Financing Activites (C)**	**(47966)**	**22371**
नकद एवं नकद समानक में निवल वृद्धि (ए+बी+सी)	**Net Increase in Cash & Cash Equivalent (A+B+C)**	**(29193)**	**14094**
नकद एवं नकद समानक-प्रारम्भिक	**Cash & Cash Equivalent – Opening**	123698	109604
नकद एवं नकद समानक-अंतिम	**Cash & Cash Equivalent – Closing**	**94505**	**123698**
टिप्पणी 16 के अनुसार नकद एवं नकद समानक	**Cash & Cash Equivalent as per Note 16**		
नकद एवं स्टैम्प हाथ में	Cash and Stamp on hand	1	1
चालू खाता	Current Accounts	25405	34586
लाभांश खाता	Dividend Accounts	61	59
जमा खाता	Deposit Accounts	69038	89052
		94505	**123698**

टिप्पणी : अवधि के अंत में नकदी एवं नकदी समानक में शामिल दावा नहीं किए गए लाभांश रु. 61 लाख एवं दावे के विरुद्ध सावधि जमा रु. 903 लाख प्रतिभूति (गारंटी) स्वरूप रखे गए हैं, जो कंपनी के प्रयोग के लिए उपलब्ध नहीं है।

Note : Cash and Cash equivalents at the end of the period include Unclaimed Dividend of ₹ 61 lacs Term Deposit of ₹ 903 lacs furnished as guarantee against claims which are not available for use to the Company.

सम तारीख के हमारे प्रतिवेदन के संदर्भ में है।

In terms of our report of even date.

कृते एमएसटीसी लिमिटेड For MSTC Limited

कृते राय एंड कं.
सनदी लेखापाल
पंजीकरण सं. 313124ई

सीए एस पी बसु
साझेदार
एम नं. 050209

तारीख : 03.08.2016
स्थान : कोलकाता

For Ray & Co.
Chartered Accountants
Regn. No. 313124E

CA S P. Basu
Partner
M no. 050209

Dated : 03.08.2016
Place : Kolkata

(बी.बी. सिंह)
अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक

(B. B. Singh)
Chairman-cum-Managing Director

(आर के चौधुरी)
महाप्रबंधक (वित्त एवं लेखा)

(R. K. Chaudhuri)
General Manager (Finance & Accounts)

(ए के बासु)
निदेशक (वित्त)

(A. K. Basu)
Director (Finance)

(सुब्रत कुमार राय)
कंपनी सचिव

(Subrata Kumar Ray)
Company Secretary

समेकित रिपोर्ट
CONSOLIDATED REPORT

स्वतंत्र लेखा परीक्षकों का प्रतिवेदन

एमएसटीसी लिमिटेड के सदस्यों के प्रति

समेकित वित्तीय विवरण पर प्रतिवेदन

भारत के महालेखानियंत्रक एवं लेखा परीक्षक द्वारा अवलोकन के आधार पर, दिनांक 03/08/2016 को दी गयी रिपोर्ट में टाइपोग्राफिकल अशुद्धियों को शुद्ध करते हुए संशोधित लेखा परीक्षा रिपोर्ट प्रस्तुत किया गया है।

हमने 31 मार्च, 2016 को समेकित तुलन पत्र को शामिल कर एमएसटीसी लिमिटेड (तदुपरांत यहां "नियंत्री कंपनी' के रूप में संदर्भित) एवं इसकी सहायक कंपनी (नियंत्री कंपनी एवं इसकी सहायक कंपनी को एक साथ "समूह" के रूप में संदर्भित) के समेकित वित्तीय विवरण के साथ लेखा परीक्षण किया है जिसमें उसी तारीख को समाप्त हुए वर्ष के लाभ एवं हानि, समेकित नकद प्रवाह विवरण एवं महत्वपूर्ण लेखा नीतियां तथा अन्य व्याख्यात्मक जानकारियां (तदुपरान्त यहाँ "समेकित वित्तीय विवरण" के रूप में संदर्भित) शामिल की गई हैं।

समेकित वित्तीय विवरण हेतु प्रबन्धन का उत्तरदायित्व

नियंत्री कंपनी के निदेशक मंडल कंपनी अधिनियम, 2013 ('अधिनियम' के रूप में संदर्भित) की अपेक्षिताओं के संदर्भ में इस समेकित वित्तीय विवरण को तैयार करने के लिए उत्तरदायी हैं जो समेकित वित्तीय स्थिति, समेकित वित्तीय कार्यकलाप एवं भारत में सामान्यतया स्वीकृत लेखा सिद्धांतों के सम्बन्ध में समूह का समेकित नकद प्रवाह सहित अधिनियम की धारा 133 के अधीन विशिष्ट लेखा मानकों का सत्य और स्पष्ट तस्वीर प्रस्तुत करता है। समूह में शामिल कंपनियों के सम्बन्धित निदेशक मंडल की जिम्मेदारी है कि समूह की परिसम्पत्तियों की सुरक्षा के लिए एवं धोड़ाधड़ी को रोकने व पता लगाने तथा अन्य अनियमितताओं के लिए अधिनियम के प्रावधानों के सम्बन्ध में पर्याप्त लेखा रिकाड्र्स रखें, उपयुक्त लेखा नीतियों का चयन एवं लागू करना, उचित एवं विवेकपूर्ण निर्णय एवं अनुमान करना, एवं पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की डिजाइन, लागू करना एवं बनाए रखना, जो लेखा रिकाड्र्स की सटिकता एवं पूर्णता को सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी ढंग से संचालित थे, तथ्यात्मक वित्तीय विवरण को तैयार एवं प्रस्तुत करना जो सत्य एवं स्पष्ट तस्वीर प्रस्तुत करता हो एवं सामग्रियों के गलत विवरण, चाहे वो धोखा या त्रुटी के कारण हो, जो पूर्वोक्त के रूप में नियंत्री कंपनी के निदेशक द्वारा समेकित वित्तीय विवरण को तैयार करने के उद्देश्य हेतु व्यवहार किये गये हैं।

लेखा परीक्षक का उत्तरदायित्व

हमारी जिम्मेदारी हमारे लेखा परीक्षा के आधार पर इन समेकित वित्तीय विवरण पर अपना विचार प्रस्तुत करना है। जब लेखा परीक्षा संचालित होती है, हम अधिनियम के प्रावधानों, लेखा एवं लेखा परीक्षा मानकों एवं ऐसे विषय जो अधिनियम के प्रावधानों एवं उसके अन्तर्गत बने नियमों के अधीन लेखा परीक्षा रिपोर्ट में शामिल करना आवश्यक है को ध्यान में रखते हैं।

हमलोगों ने अधिनियम की धारा 143(10) के अधीन निर्दिष्ट अंकेक्षण के मानकों के अनुसार लेखा परीक्षा संचालित किया। उन मानकों में इस बात की जरूरत होती है कि हम नैतिक आवश्यकता व योजना को पूरा करें तथा वित्तीय विवरण गलत बयानी से मुक्त है के बारे में उचित आश्वासन

INDEPENDENT AUDITORS' REPORT

To the Members of MSTC LIMITED

Report on the Consolidated Financial Statements

On the basis of the observations made by the Comptroller & Auditor General of India, the revised audit report has been prepared in lieu of the earlier report dated 03/08/2016 to comply with the typographical errors.

We have audited the accompanying consolidated financial statements of MSTC LIMITED (hereinafter referred to as "the Holding Company") and its subsidiary (the Holding Company and its subsidiary together referred to as " the Group"), comprising of the Consolidated Balance Sheet as at 31st March, 2016, the Consolidated Statement of Profit and Loss, the Consolidated Cash Flow Statement for the year then ended, and a summary of significant accounting policies and other explanatory information (hereinafter referred to as "the consolidated financial statements").

Management's Responsibility for the Consolidated Financial Statements

The Holding Company's Board of Directors is responsible for the preparation of these consolidated financial statements in terms of the requirement of the Companies Act, 2013 (hereinafter referred to as "the Act") that give a true and fair view of the consolidated financial position, consolidated financial performance and consolidated cash flows of the Group in accordance with the accounting principles generally accepted in India, including the Accounting Standards specified under Section 133 of the Act. The respective Board of Directors of the companies included in the Group are responsible for maintenance of adequate accounting records in accordance with the provisions of the Act for safeguarding the assets of the Group and for preventing and detecting frauds and other irregularities; the selection and application of appropriate accounting policies; making judgements and estimates that are reasonable and prudent; and the design, implementation and maintenance of adequate internal financial controls, that were operating effectively for ensuring the accuracy and completeness of the accounting records, relevant to the preparation and presentation of the financial statements that give a true and fair view and are free from material misstatement, whether due to fraud or error, which have been used for the purpose of preparation of the consolidated financial statements by the Directors of the Holding Company, as aforesaid.

Auditor's Responsibility

Our responsibility is to express an opinion on these consolidated financial statements based on our audit. While conducting the audit, we have taken into account the provisions of the Act, the accounting and auditing standards and matters which are required to be included in the audit report under the provisions of the Act and the Rules made thereunder.

We conducted our audit in accordance with the Standards on Auditing specified under Section 143(10) of the Act. Those Standards require that we comply with ethical requirements and plan and perform the audit to obtain reasonable

प्राप्त कर लेखा परीक्षा निष्पादित करें।

एक लेखा परीक्षा में शामिल होता है रकमों एवं समेकित वित्तीय विवरण के खुलासे के बारे में अंकेक्षण साक्ष्य को प्राप्त कर प्रक्रियाओं को निष्पादित करना। चुनी गई प्रक्रियाएं लेखा परीक्षकों के निर्णय पर निर्भर करता है, जिसमें समेकित वित्तीय विवरणों व झूठे वक्तव्यों के जोखिम का आकलन भी शामिल है, चाहे वह धोड़ाधड़ी से हो या गलती से। उन जोखिमों का आकलन करने में लेखा परीक्षक समेकित वित्तीय विवरण की नियंत्री कंपनी की तैयारी हेतु सम्बद्ध आंतरिक वित्तीय नियंत्रण पर विचार करता है जो अंकेक्षण प्रक्रिया की डिजाइन करने के क्रम में सत्य एवं स्पष्ट तस्वीर प्रस्तुत करता है जो परिस्थितियों के लिए उपयुक्त हैं लेकिन विचार प्रस्तुत करने के उद्देश्य हेतु नहीं चाहे नियंत्री कंपनी के पास वित्तीय रिपोर्टिंग पर पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली एवं ऐसे नियंत्रणों का प्रभावशाली परिचालन ही क्यों न हो। एक लेखा परीक्षा में नियंत्री कंपनी के निदेशक मंडल द्वारा बनाई गयी लेखा अनुमान का व्यवहृत लेखा नीतिया एवं तर्कसंगत उनकी उपयुक्तता का मूल्यांकन के साथ ही साथ समेकित वित्तीय विवरण की सम्पूर्ण प्रस्तुति का मूल्यांकन भी शामिल होता है।

हमें विश्वास है कि हमारे द्वारा प्राप्त लेखा साक्ष्य एवं नीचे अन्य विषय के पैराग्राफ के उप-पैराग्राम (ए) से सम्बद्ध उनके रिपोर्ट के अर्थों में अन्य अंकेक्षक द्वारा प्राप्त लेखा परीक्षा साक्ष्य समेकित वित्तीय विवरण पर हमारे योग्य अंकेक्षण रिपोर्ट विचार हेतु आधार प्रदान करने के लिए पर्याप्त एवं उपयुक्त हैं।

योग्य विचार के आधार

i. लेखा पर टिप्पणी की टिप्पणी सं 15 (ए) हेतु संदर्भ आमंत्रित किया जाता है, निर्यात पर विदेशी मुद्रा में उतार-चढ़ाव पर लाभ/हानि एएस-11 के अनुसार लेखांकित नहीं किया गया है। यदि कंपनी एएस-11 का पालन करती तो वर्ष हेतु विनियम लाभ रु. 5163 लाख बढ़ जाता (दिनांक 31.03.2016 तक रु. 31236 लाख संचित)। परिणामस्वरूप व्यापार प्राप्य रु. 31236 लाख कम दिखाया गया है। समझौते के अनुसार, उपरोक्त से सम्बद्ध विनिमय लाभ/हानि को सहयोगी आपूर्तिकर्ता को उन्हें देय राशि तक पारित कर दिया गया है। इस प्रकार व्यापार देय रु. 30768 लाख कम दिखाया गया और उपर्युक्त लाभ का शुद्ध प्रभाव से कंपनी का लाभ वर्ष हेतु रु. 77 लाख कम दिखाया गया है (31.03.2016 तक संचित रु. 468 लाख)।

ii. व्यापार प्राप्य एवं व्यापार देय तथा उसका अनुवर्ती समायोजन जो मिलान से सृष्टि हो सकता है की शेष राशि के लंबित पुष्टिकरण/मिलान से सम्बद्ध लेखा टिप्पणी की टिप्पणी सं. 28 हेतु संदर्भ आमंत्रित किया जाता है।

iii. लेखा पर टिप्पणी की टिप्पणी सं. 15(बी) में उल्लेखानुसार, व्यापार प्राप्य जिसमें शामिल वर्ष 2008-09 में किए गए स्वर्ण अलंकार के निर्यात व्यापार प्राप्य हेतु रु. 9863 लाख जिसमें 46 पार्टियां शामिल हैं एवं जिसकी वसूली विभिन्न स्तर पर न्यायिक प्रक्रिया के अधीन है। सीबीआई एवं ईडी 26.10.2010 से मामले की जांच कर रही है। ईसीजीसी के पास रु. 45075 लाख का दावा दायर किया गया है लेकिन ईसीजीसी ने दावे को खारिज कर दिया है। कंपनी ने ईसीजीसी के विरुद्ध राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग से

assurance about whether the consolidated financial statements are free from material misstatement.

An audit involves performing procedures to obtain audit evidence about the amounts and the disclosures in the consolidated financial statements. The procedures selected depend on the auditor's judgement, including the assessment of the risks of material misstatement of the consolidated financial statements, whether due to fraud or error. In making those risk assessments, the auditor considers internal financial control relevant to the Holding Company's preparation of the consolidated financial statements that give a true and fair view in order to design audit procedures that are appropriate in the circumstances but not for the purpose of expressing an opinion on whether the Holding Company has an adequate internal financial controls system over financial reporting in place and the operating effectiveness of such controls. An audit also includes evaluating the appropriateness of the accounting policies used and the reasonableness of the accounting estimates made by the Holding Company's Board of Directors, as well as evaluating the overall presentation of the consolidated financial statements.

We believe that the audit evidence obtained by us and audit evidence obtained by the other auditor in terms of their report referred to in sub-paragraph (a) of the Other Matters paragraph below, is sufficient and appropriate to provide a basis for our qualified audit opinion on the consolidated financial statements.

Basis for Qualified Opinion

i. Reference is invited to Note No. 15 (a) of Notes on Account, Gain / Loss on Foreign Exchange Fluctuation on exports are not accounted for as per AS-11. Had the Company complied with AS-11, exchange gain would have been increased by ₹ 5163 lacs for the year (cumulative ₹ 31236 lacs upto 31.03.2016). Consequently Trade Receivables are understated by ₹ 31236 lacs. As per agreement, exchange gain / loss relating to above is passed on to associate suppliers upto the amount payable to them. Thus Trade Payables are understated by ₹ 30768 lacs and net effect of the above gain leads to understatement of profit of the Company by ₹ 77 lacs for the year (cumulative ₹ 468 lacs upto 31.03.2016).

ii. Reference is invited to Note no. 28 of Notes on Account relating to pending confirmation / reconciliation of balances of Trade Receivables and Trade Payables and its consequential adjustment that may arise on reconciliation.

iii. As stated in Note no. 15(b) of Notes on Account, Trade Receivables includes ₹ 9863 lacs for export trade receivable of gold jewellery done in the year 2008-09 involving 46 parties and recovery of which are under litigation at various levels. CBI and ED have been investigating the matter since 26.10.2010. Claims have been lodged with ECGC for ₹ 45075 lacs but the claims have been repudiated by the ECGC. The Company has initiated the cases against ECGC for the dues against buyers insured by them with National Consumer

उनके द्वारा बीमाकृत क्रेताओं के विरुद्ध बकाए के लिए मामला प्रारम्भ किया जिसमें कंपनी को 16.04.2014 के आदेश के तहत कंपनी को आदेश दिया गया है कि यह मामला न्याय करने के लिए उसके क्षेत्राधिकार में नहीं है। कंपनी मामले को मंत्रालय स्तर में ले गई हैं एवं इस आदेश के विरुद्ध माननीय सर्वोच्च न्यायालय में अपील की गई है। मामला अभी तक विचाराधीन है।

कम्पनी ने यूएई, सिंगापुर एवं कुवैत में विदेशी क्रेताओं के विरुद्ध 46 कानूनी मामले दायर किये। सभी 46 फैसले एमएसटीसी के पक्ष में दिये गये तथा सभी निष्पादन के अधीन है। अब तक इन आदेशों के बाबत कोई रकम वसूली नहीं जा सकी है।

मेसर्स उष्मा ज्वेलरी पैकेजिंग एक्सपोर्ट्स (प्रा.) लि. नामक एक सहयोगी ने 12400 लाख कीमत की भूमि संपत्ति (सरकारी पंजीकृत मूल्यांकनकर्ता द्वारा वर्ष 2014 में मूल्यांकन) गिरवी रखी है। मुंबई उच्च न्यायालय में गिरवी रखी गई उक्त संपत्ति की बिक्री/हस्तांतरण के लिए एक रिट याचिका दायर की गई है। मामले की जांच कर रही सीबीआई एवं ईडी ने रु.24040 लाख की परिसम्पत्ति एवं सम्पत्तियो (जिसमें शामिल भूमि रु. 12400 लाख एवं रु. 3979 लाख की चल परिसम्पत्ति) को जब्त किया है। एमएसटीसी ने रु. 900 लाख की रकम जो वर्ष 2013-14 के दौरान प्राप्त किया गया के अंतरण की अनुमति हेतु अनुरोध करने के लिए सीबीआई न्यायालय में सम्पर्क किया है। रु. 3079 लाख की चल सम्पत्ति के रूप में सीबीआई/ईडी द्वारा जब्त शेष राशि के अंतरण हेतु आवेदन किया गया है।

हालांकि, विगत वर्षों के दौरान किए गए रु. 900 लाख के प्रावधान के अलावा पिछले वर्ष के दौरान अशोध्य एवं संदिग्ध कर्ज के रूप में रु. 22678 लाख की राशि का प्रावधान किया गया है। हमलोग उक्त व्यापार प्राप्य की वसूली के प्रति संदिग्ध हैं जो 7 वर्षों से भी ज्यादा समय से बकाया है तथा हमारे विचार से रु. 35385 लाख का आगे प्रावधान किया जाना चाहिए। इसके परिणामस्वरूप रु. 35385 लाख का लाभ अधिक एवं प्रावधान कम दिखाया गया है।

iv. व्यापार प्राप्यों में मेसर्स कॉनकास्ट स्टील पावर लि. (सीएसपीएल) से सामग्रियों की आपूर्ति हेतु 31.03.2016 को रु. 14307 लाख शामिल है। कतिपय प्रतिकूल कारणों यथा मई 2014 के पूर्व बिना उठाए गये वृहद परिमाण स्टॉक, भारतीय स्टेट बैंक से प्राप्त प्रतिकूल क्रेडिट जानकारी, प्रतिकूल क्षमता उपयोग आदि के बावजूद मई 2014 में कम्पनी ने एलएएम कोक के खाते में प्रांपण हेतु रु. 5000 लाख की तदर्थ सीमा की स्वीकृति का निर्णय लिया है।

कम्पनी ने जून 2014 से मार्च 2016 की अवधि के दौरान रु. 95 लाख प्राप्त किया था। आगे जमानत राशि के रूप में दिये गये सीएसपीएल के चेक्स (पीडीसी) भी बैंक द्वारा डिसआनर्ड कर दिया गया था एवं कम्पनी द्वारा एनआई अधिनियम 1881 की धारा 138 के अधीन मामला दायर किया गया है।

सामग्री के मूल्य में पर्याप्त गिरावट के कारण, एमएसटीसी के हाल ही के जोखिम विक्रय के प्रयास से कोई लाभजनक परिणाम प्राप्त नहीं हुआ है और राशि की वसूली की संभावना संदेहास्पद है। गिरवी रखे स्टॉक के रु.8132 लाख के वसूलीयोग्य बाजार मूल्य और 10 लाख रुपए की प्रतिभूति जमा की राशि पर विचार करने के बाद, हमारी राय में वर्ष के दौरान रु.6165 लाख का प्रावधान बनाया जाना चाहिए। इसके फलस्वरूप वर्ष 2015-16 के लिए रु.6165 लाख का लाभ में अधिक और प्रावधान में कमी है।

v. जैसा कि वर्ष 2008-09 के दौरान सामग्रियों की आपूर्ति हेतु सेसा इंटरनेशनल से 31.03.2016 में रु. 6056 लाख का व्यापार प्राप्य से सम्बद्ध लेखा की टिप्पणी की टिप्पणी 15(सी) दिया गया है जिसके विरुद्ध कम्पनी द्वारा पंचाट कार्यवाही प्रारम्भ किया गया है जो

Disputes Redressal Commission (NCDRC) who has ordered the Company vide order on 16.04.2014 that it has no jurisdiction to judge the matter. The Company has taken up the matter at Ministry level and has filed statutory appeal to Hon'ble Supreme Court against this order. The matter is still pending before the Court.

The Company has filed 46 legal cases against the foreign buyers in UAE, Singapore and Kuwait. All the 46 judgements have been awarded in favour of MSTC and all the same are under execution. Till now no money has been recovered against these awards.

One of the associates, namely, M/s Ushma Jewellery & Packaging Exports (P) Ltd. has mortgaged landed property worth ₹ 12400 lacs (valuation done in 2014 by Govt. Registered valuer). A writ petition for sale/transfer of the said mortgaged property has been filed at the Mumbai High Court. CBI and ED investigating the matter have seized assets and properties worth ₹ 24040 lacs (including land valued ₹ 12400 lacs and liquid assets worth ₹ 3979 lacs). MSTC have approached CBI court requesting for permission to transfer of an amount of ₹ 900 lacs which had been received during the year 2013-14. Applications are being made for transfer of remaining amount seized by CBI/ED in the form of liquid assets worth ₹ 3079 lacs.

However, a provision has been made for an amount of ₹ 22678 lacs as bad and doubtful debts during the previous year in addition to ₹ 900 lacs provision made during the earlier years. We are doubtful about the recovery of the above Trade Receivable which are due for more than 7 years and in our opinion, a further provision should be made for ₹ 35385 lacs. This has resulted in overstatement of profit and also understatement of provision by ₹ 35385 lacs.

iv. Trade Receivables includes ₹ 14307 lacs due from M/S Concast Steel & Power Ltd (CSPL) as at 31.03.2016 for supply of materials. The Company decided to allow an adhoc limit of ₹ 5000 lacs for procuring LAM Coke, in May'14 ignoring the several adverse features in the account like huge quantity of unlifted stock procured prior to May 2014, adverse credit information received from State Bank of India, adverse capacity utilization Etc.

The Company had received only ₹ 95 lacs during the period June 2014 to March 2016. Further the cheques (PDC) of CSPL given as security were also dishonored by bank and a suit has been filed by the Company under Section 138 of NI Act, 1881.

Due to substantial decrease in price of the material, MSTC's attempt of risk sale in recent past didn't yield any fruitful results and the chances of recovery of the amount is doubtful. After considering the realizable market value of the pledged stock of ₹ 8132 lacs and security deposit of ₹ 10 lacs, in our opinion provision should be made for ₹ 6165 lacs during the year 2015-16. This has resulted in overstatement of profit and understatement of provision for the year 2015-16 by ₹ 6165 lacs.

v. As stated in Note No 15 (c) of Notes on Account relating to Trade Receivables amounting to ₹ 6056 lacs as at

प्रगति में है। कंपनी ने कलकत्ता उच्च न्यायालय में इंडियन ओवरसीज बैंक (आईओबी) के विरुद्ध 3656 लाख की रकम का एमएसटीसी खाते से उनके द्वारा गलत डेबिट किए जाने के लिए मामला दायर किया है। पोर्ट में पड़ी सम्पूर्ण सामग्रियों के स्टॉक रु. 102 लाख में बिक्री की गई थी जो न्यायालय आदेश के अनुसार रीसिवर के पास पड़ी हुई, इस मामले में अंतिम निर्णय विचाराधीन है। कंपनी ने वर्ष 2014-2015 के दौरान पहले से किये गये रु. 3000 लाख के प्रावधान के अतिरिक्त इस वर्ष रु. 1000 लाख का आगे प्रावधान किया है। इस तरह वर्ष 2015-16 के अंत कुल प्रावधान रु. 4000 लाख है। हमें उक्त व्यापार प्राप्य की वसूली के बारे में संदेह है एवं हमारा विचार है कि आगे रु. 2056 लाख के अवशिष्ट राशि का प्रावधान किया जाना चाहिए। इसके परिणामस्वरूप रु. 2056 लाख का वर्ष 2015-16 हेतु लाभ अधिक दर्ज किया गया एवं प्रावधान कम दर्ज किया गया है।

vi. व्यापार प्राप्य में दो वर्ष पूर्व सामग्रियों की आपूर्ति हेतु 31.03.2016 में मेसर्स कॉनकास्ट बंगाल इंडस्ट्रीज से रु. 3556 लाख का बकाया शामिल है जिसके बाबत संस्तुति के अर्थो में कोई पुनर्भुगतान की पुष्टि नहीं की गई है। मेसर्स कॉनकास्ट बंगाल इंडस्ट्रीज लि. ने मात्र रु. 1611 लाख जून 2014 से मार्च 2016 के दौरान भुगतान किया जिसमें से मात्र रु. 30 लाख वर्ष 2015-16 में चुकता किया गया। बकाया देय की वसूली की संभावन कम है जैसा कि 26.05.2016 को स्टील बिलेट्स के ई-ऑक्शन हेतु बोली ने किसी क्रेता को आकर्षित करने में असफल रहा है।

गिरवी रखे स्टॉक के रु.2645 लाख के वसूलीयोग्य बाजार मूल्य और 10 लाख रुपए की प्रतिभूति जमा की राशि पर विचार करने के बाद, हमारी राय में वर्ष के दौरान रु.901 लाख का प्रावधान बनाया जाना चाहिए। इसके फलस्वरूप वर्ष 2015–16 के लिए रु.901 लाख का लाभ में अधिक और प्रावधान में कमी है।

vii. सामग्रियों की आपूर्ति हेतु मेसर्स डानकुनी स्टील लि. से रु. 3328 लाख का बकाया व्यापार प्राप्य में शामिल है। एलएएम को माप 23500.00 मे टन एवं कोक फिन्स 3634.00 में.टन के ई-ऑक्शन हेतु सूचना 09.08.2015 को प्रकाशित की गई थी जो किसी संभावित क्रेता को आकर्षित नहीं कर पायी। मेसर्स डानकुनी ने जून 2014 के दौरान रु. 250 लाख मात्र भुगतान किया था और राशि की वसूली की संभावना संदेहास्पद है। गिरवी रखे स्टॉक के रु.1603 लाख के वसूलीयोग्य बाजार मूल्य और 10 लाख रुपए की प्रतिभूति जमा की राशि पर विचार करने के बाद, हमारी राय में वर्ष के दौरान रु.1725 लाख का प्रावधान बनाया जाना चाहिए। इसके फलस्वरूप वर्ष 2015–16 के लिए रु.1725 लाख का लाभ में अधिक और प्रावधान में कमी है।

viii. मई, 2013 से पूर्व सामग्रियों की आपूर्ति हेतु मेसर्स क्रेस्ट स्टील एवं पावर लि. से बकाया रु. 3959 लाख व्यापार प्राप्य शामिल है। इस तरह अधिप्राप्य सामग्री का समय 3 वर्ष अधिक समय से है जिससे निश्चित रूप से समय के गुजरने के कारण गुणवत्ता में कमी आई होगी। पार्टी ने पंचाट निर्णय का एवार्ड देने में विफल हुआ। कुल राशि में रु. 600 लाख मार्च 16 तक चुकता किया गया वे मात्र रु. 390 लाख मई, 2016 तक भुगतान किये है। रु. 150 लाख में से अप्रैल एवं मई 16 के दौरान भुगतान करना होगा, जिसमें से कुछ भी भुगतान नहीं किया गया। आवश्यक कार्रवाई याचिका 04.04.2016 को दायर किया गया एवं पार्टी को नोटिस जारी की गई है। सुनवाई

31.03.2016 from SESA International Ltd (SESA) for supply of materials during the FY 2008-09 against which arbitration proceedings has been initiated by the Company and are in progress. The Company has also filed a suit in Hon'ble Calcutta High Court against Indian Overseas Bank (IOB) for their wrong debit in the account of the Company for an amount of ₹ 3656 lacs. Stock of entire material lying at port was sold at ₹ 102 lacs which are kept with the receiver as per Court order pending the final judgment on this score. The Company has made a further provision of ₹ 1000 lacs this year in addition to the provision of ₹ 3000 lacs already made during the FY 2014-15. Thus total provision made upto the end of 2015-16 is ₹ 4000 lacs. We are doubtful about the recovery of the above trade receivables and in our opinion further provision should be made for the balance amount of ₹ 2056 lacs. This has resulted overstatement of profit and understatement of provision for the year 2015-16 by ₹ 2056 lacs.

vi. Trade Receivables includes ₹ 3556 lacs as at 31.03.2016 due from M/S Concast Bengal Industries Ltd. for supply of materials two years back against which no repayment is forthcoming in conformity with the terms of sanction. M/s Concast Bengal Industries Ltd. had paid only ₹ 1611 lacs during the period from June 2014 to March 2016 out of which only ₹ 30 lacs has been paid during 2015-16. Prospect of recovery of outstanding dues is remote as bid for e-auction of steel billets on 26.05.2016 has failed to attract any buyer.

After considering the realizable market value of the pledged stock of ₹ 2645 lacs and security deposit of ₹ 10 lacs, in our opinion provision should be made for ₹ 901 lacs during the year. This has resulted in overstatement of profit and understatement of provision for the year 2015-16 by ₹ 901 lacs.

vii. Trade Receivables includes ₹ 3328 lacs due from M/S Dankuni Steel Ltd for supply of materials. Notice for e-auction of LAM Coke measuring 23500.00 MT and Coke fines to the tune of 3634.00 MT was published on 09.08.2015 which didn't attract any prospective buyer. M/s. Dankuni had paid only ₹ 250 lacs during June 2014 to March 2016. There was no business with Dankuni since June 2014 and the chances of recovery of the amount is doubtful. After considering the realizable market value of the pledged stock of ₹ 1603 lacs, in our opinion provision should be made for ₹ 1725 lacs during the year. This has resulted in overstatement of profit and understatement of provision for the year 2015-16 by ₹ 1725 lacs.

viii. Trade Receivables includes ₹ 3959 lacs due from M/S Crest Steel & Power Ltd for supply of materials prior to May, 2013. Thus age of procured materials are old over 3 years which obviously lost its quality with the passing of time. Party has failed to honor the award of Arbitration. Out of a total sum of ₹ 600 lacs to be paid upto March'16, they have paid only ₹ 390 lacs upto May 2016. Out of ₹ 150 lacs to be paid during April and May'16, nothing has been paid. Necessary execution petition has been filed on 04.04.2016 and notice has been issued to the Party. Tentative Date of first hearing is

की पहली संभावित तारीख 15.06.2016 है। इस तरह, देनदार स्ट्रेस्ड एसेट्स हो गये है एवं राशि के भुगतान की उम्मीद कम है एवं गिरवी रखे स्टॉक के रु.1750 लाख के वसूलीयोग्य बाजार मूल्य और 10 लाख रुपए की प्रतिभूति जमा की राशि पर विचार करने के बाद, हमारी राय में वर्ष के दौरान रु.2199 लाख का प्रावधान बनाया जाना चाहिए। इसके फलस्वरूप वर्ष 2015-16 के लिए रु.2199 लाख का लाभ में अधिक और प्रावधान में कमी है।

ix. दिसम्बर, 14 तक पार्टी को सामग्रियों की अधिप्राप्ति एवं आपूर्ति हेतु मेसर्स ग्लोबल कोक लि. से रु. 3039 लाख बकाया का व्यापार प्राप्त शामिल है। वसूली सामग्रियों का वर्तमान मूल्य रु. 1279 लाख है। इस मध्य, जीसीएल को बीआईएफआर में किया है। कम्पनी को बीआईएफआर से अनुमति लेना है जो सरल प्रक्रिया नहीं है। इसलिए कम्पनी अपने बकाया के कम से कम एक भाग की वसूली हेतु सामग्रियों की बिक्री नहीं कर सकती है बीआईएफआर के प्रतित्युत्तर की प्रतीक्षा करना होगा जो कंपनी जानती है। गिरवी रखे स्टॉक के रु.1279 लाख के वसूलीयोग्य बाजार मूल्य और 10 लाख रुपए की प्रतिभूति जमा की राशि पर विचार करने के बाद, कंपनी की हानि रु.1750 लाख के रूप में आकलित की गई है, जिसका आवश्यक प्रावधान उनके लेखा खाते में बनाया जाना है। उसके गैर-प्रावधान के फलस्वरूप, रु.1750 लाख का लाभ में अधिक एवं प्रावधान में कमी है।

x. अक्टूबर, 2012 तक पार्टी को सामग्रियों की अधिप्राप्ति एवं आपूर्ति हेतु मेसर्स एसपीएस स्टील रोलिंग मिल्स लि. से 31.03.2016 में रु. 24083 लाख की व्यापार प्राप्य राशि से सम्बद्ध लेखा पर टिप्पणी के टिप्पणी सं. 15(ई) में जैसा कि दिया है लगभग साढ़े तीन वर्ष पूर्व का है। इस तरह समय गुजरने से गुणवत्ता में कमी आई है एवं इसके वांछित मूल्य पर विश्वास नहीं किया जा सकता है। एक इकरानामा में एमएसटीसी समाधान एवं सामग्री को मई, 2016 एवं उससे आगे से तीन बार में बाजार दर में सामग्री को मुक्त करने हेतु सहमत हुई है, सामग्रियों के 3 बार उठाने में से 2 बार उठाने के लिए एसपीएस को बाजार मूल्य के साथ 20 प्रतिशत (एमएस बिलेट), 25 प्रतिशत (स्पंज आयरन) एवं 30 प्रतिशत (आयरन ओर/पेलेट्स) पंचाट के आदेश (08.05.2016) आदेश के अनुसार बूक मूल्य के आधार पर लोडिंग एवं एक बार जारी किया जाएगा। इस इकरारनामा के अनुसार एमएसटीसी रु. 24083 लाख के अपने अग्रिम बकाया के बाबत रु. 20942 लाख वसूल करने में समर्थ होगा। एमएसटीसी द्वारा आज की तारीख तक रु. 3141 लाख की अवशिष्ट राशि की वसूली हेतु पार्टी के साथ कोई समझौता नहीं हुआ है। उक्त इकरारनाम के अनुसार अब तक कोई लिफ्टिंग नही की गई है। अतः इस इकरारनामा की संभावित हानि रु. 3131 लाख है, शुद्ध वर्तमान जमानत जमा रु. 10 लाख है जिसका वित्तीय वर्ष 2015-16 हेतु कम्पनी के वार्षिक खाते में प्रावधान नहीं किया गया है। इसके परिणास्वरूप रु. 3131 लाख का लाभ अधिक एवं प्रावधान कम दर्ज किया गया है।

xi. व्यापार प्राप्य जिसमें मेसर्स मारमागोवा स्टील लि. से अक्टूबर, 2012 तक पार्टी को सामग्रियों की अधिप्राप्ति एवं आपूर्ति हेतु रु. 1917 लाख का बकाया शामिल है। कंपनी पार्टी की डगमगाती वित्तीय स्थिति से अच्छी तरह वाकिफ थी फिर भी पार्टी को वित्तीय छूट की अनुमति दी जब कि पूर्व के कंसाइमेंट की सामग्री उठाई नहीं गई थी। अतः बीआईएफआर में भेजी गई कंपनी से बकाया की वसूली की उम्मीद कम ही नजर आती है। वसूली के पक्ष में विचार करने पर कंपनी को पार्टी के सम्पूर्ण बकाया आच्छादित करने के

15.06.2016. Thus, the Debtors has become Stressed Assets and the chances of recovery of the amount is remote. After considering the realizable market value of the pledged stock of ₹ 1750 lacs and security deposit of ₹ 10 lacs, in our opinion provision should be made for ₹ 2199 lacs during the year 2015-16. This has resulted in overstatement of profit and understatement of provision for the year 2015-16 by ₹ 2199 lacs.

ix. Trade Receivables includes ₹ 3039 lacs due from M/S Global Coke Ltd for procuring and supply of materials to the party upto Decemeber'14. The present value of realizable materials are ₹ 1279 lacs. In the meantime, GCL has been referred to BIFR, and for disposing of material belongs to a BIFR Company, the Company has to take permission from BIFR which is not an easy process. Therefore, the Company can't sell the material to recover at least a part of its dues and had to wait till the outcome of BIFR is known to the Company. Hence, considering the realizable market value of the pledged stock of ₹ 1279 lacs and security deposit of ₹ 10 lacs, the loss of the Company is assessed as ₹ 1750 lacs for which necessary provision is to be made in their books of account. Non-provision of the same has resulted in overstatement of profit and understatement of provision for ₹ 1750 lacs.

x. As stated in Note No 15 (e) of Notes on Account relating to Trade Receivables amounting to ₹ 24083 lacs as at 31.03.2016 from M/S SPS Steel Rolling Mills Ltd for procuring and supply of materials to the party upto October, 2012, almost three and half years ago. Thus with the passage of time, quality has been deteriorated and it can't fetch the desirable price. In an agreement MSTC agreed to fix and release material at the prevailing market rate in three tranches from May 2016 onwards, out of 3 time lifting, 2 time lifting of material will be issued to the SPS at market price plus 20 percent (MS Billet), 25 percent (Sponge Iron) and 30 percent (Iron Ore/ Pellets) thereon as loading and one time on the basis of book value as per Award of Arbitration (08.05.2016). As per this arrangement, MSTC will be able to recover ₹ 20942 lacs as against their outstanding advance of ₹ 24083 lacs. No agreement was entered into by MSTC with the party to recover the balance amount of ₹ 3141 lacs till date. No lifting has been made so far in accordance with the said agreement. Hence the anticipated loss out of this agreement is ₹ 3131 lacs, net of existing Security Deposit of ₹ 10 lacs, which has not been provided in the annual accounts of the Company for the FY 2015-16. This has resulted in overstatement of profit and understatement of provision for ₹ 3131 lacs.

xi. Trade Receivables includes ₹ 1917 lacs due from M/S Marmagoa Steel Ltd for procuring and supply of materials to the party upto October, 2012. The Company was well aware of the dwindling financial condition of the party yet it allowed financial exposure to the party even at a time when the commodities of earlier consignments were not lifted. Therefore the chance of recovery of dues from BIFR referred Company seem remote. Considering the aspect of recovery the Company should have made a further provision ₹ 483 lacs, in

लिए रु. 1424 लाख के वर्तमान प्रावधान के अतिरिक्त आगे रु. 483 लाख का प्रावधान करना चाहिए, शुद्ध जमानत जमा रु. 10 लाख है। गैर प्रावधान के परिणामस्वरूप रु. 483 का लाभ अधिक एवं प्रावधान कम दर्ज किया गया है।

xii. व्यापार प्राप्य जिसमें जयपुर यूनिट हेतु मार्च 2016 तक पार्टी को सामग्रियों की अधिप्राप्ति एवं आपूर्ति हेतु मेसर्स रोहित फेरो-टेक लि. से रु. 2637 लाख बकाया शामिल है। इसके दोनो विष्णुपुर एवं हल्दिया यूनिट बंद है। फैक्टरी के क्लोजर हेतु मार्च, 16 के दौरान वोल्यूमेट्रिक आंकलन किया जा सका। उचित लेखा परीक्षा साक्ष्य के अभाव में, हम गिरवी रखे स्टाक की वसूलीयोग्य बाजार मूल्य का पता लगाने में असमर्थ हैं। हमें बकाया राशि की वसूली के बारे में संदेह हैं। रु.69 लाख की सुरक्षा जमा विचार करने के बाद, हमारी राय में, रु.2568 लाख का प्रावधान किया जाना चाहिए, जो वर्ष 2015-16 के लिए कंपनी द्वारा अपनी खातों में उपलब्ध नहीं कराया गया है। इस गैर-प्रावधानीकरण से वर्ष 2015-16 के लिए रु.2568 लाख का लाभ में अधिक और प्रावधान में कमी हुई है।

xiii. व्यापार प्राप्य जिसमें बकाया अवशिष्ट ब्याज सहित ई-ऑक्शन की बिक्री प्रक्रिया के समायोजन के उपरान्त सामग्रियों की अधिप्राप्ति एवं आपूर्ति हेतु मेसर्स टॉपवर्थ पाइप्स एवं ट्यूब्स लि. से रु. 589 लाख बकाया शामिल है। कम्पनी द्वारा टॉपवर्थ पाइप्स एवं ट्यूब्स लि. की सम्पूर्ण सामग्री ई-ऑक्शन के जरिए निपटान कर दिया गया है एवं वास्तव में कोई स्टॉक नहीं है। इस तरह पार्टी का वर्तमान बकाया रु. 10 लाख जमानत जमा समायोजन के उपरान्त रु. 579 लाख है जो पूर्णतया अनिश्चित है एवं वर्ष 2015-16 के दौरान उक्त हेतु कोई प्रावधान नहीं किया गया है। इस गैर-प्रावधान के परिणामस्वरूप वर्ष 2015-16 हेतु रु. 579 लाख का अधिक लाभ एवं कम प्रावधान दर्ज किया गया है।

xiv. व्यापार प्राप्य जिसमें मेसर्स टॉपवर्थ स्टील एवं पावर्स लि. से फरवरी 2014 तक सामग्रियों की अधिप्राप्ति एवं आपूर्ति हेतु रु. 10876 लाख बकाया शामिल है। अधिप्राप्त सामग्रियों का परिमाण 31.03.2016 की स्थिति अनुसार मात्रिकी आकलन के अनुसार कम था जिसके लिए पार्टी ने मेक गुड करने को कहा था जिसे अभी नहीं किया गया है। गिरवी रखे स्टॉक के रु.4255 लाख के वसूलीयोग्य बाजार मूल्य और 10 लाख रुपए की प्रतिभूति जमा की राशि पर विचार करने के बाद, हमारी राय में वर्ष के दौरान रु.6611 लाख का प्रावधान बनाया जाना चाहिए। इसके फलस्वरूप वर्ष 2015-16 के लिए रु.6611 लाख का लाभ में अधिक और प्रावधान में कमी है।

xv. व्यापार प्राप्य जिसमें मेसर्स जय बालाजी इंडस्ट्रीज लि. से जुलाई 2013 तक सामग्रियों की अधिप्राप्ति एवं आपूर्ति हेतु रु. 12193 लाख बकाया शामिल है। इस तरह सम्पूर्ण स्टॉक 3 वर्ष से अधिक पुराना हो गया है एवं गुणवत्ता निश्चित रूप से कम हुई है। वर्तमान बकाया को पूरा करने के लिए वांछित राशि पर विश्वास करना संभव नहीं है परिणामस्वरूप बकाया की वसूली कम संभव है। पिछले वर्ष भी हमने ऐसे नुकसान के लिए रु. 6273 लाख के प्रावधान की सलाह दी थी जिसका कम्पनी द्वारा अनुपालन नहीं किया गया एवं अंकेक्षण योग्यता के अनुसार हमारे द्वारा उक्त विचार किया गया था। इस वर्ष मात्र रु. 362 लाख का पार्टी द्वारा पुनर्भुगतान किया गया। न्यायालय में प्रतिबद्धता के बावजूद इस तरह भुगतान में आवर्ती चूक के

addition to existing provision of ₹ 1424 lacs, covering the entire dues of the party, net of Security Deposit of ₹ 10 lacs. This non-provisioning has resulted in overstatement of profit and understatement of provision for ₹ 483 lacs.

xii. Trade Receivables includes ₹ 2637 lacs due from M/S Rohit Ferro-Tech Ltd for procuring and supply of materials to the party upto March 2016 for Jajpur unit. Both its Bishnupur and Haldia units are closed. No volumetric assessment could have been undertaken during March '16 owing to closure of the factory. In absence of appropriate audit evidence, we are unable to ascertain the raalizable market value of the pledged stock. We are doubtful about the recovery of the outstanding amount. After considering the security deposit of ₹ 69 lacs in our opinion provision should be made for ₹ 2568 lacs which has not been provided by the Company in its books of accounts for the year 2015-16. This non-provisioning has resulted in overstatement of profit and understatement of provision for the year 2015-16 by ₹ 2568 lacs.

xiii. Trade Receivables includes ₹ 589 lacs due from M/S Topworth Pipes & Tubes Ltd for procuring and supply of materials after adjusting the sale proceeds of e-auction but including interest on outstanding balance. The Entire material of Topworth Pipes & Tubes Ltd. has been disposed off through e-auction by the Company and virtually there is no stock. Thus the present book dues of the party amounting ₹ 579 lacs, after adjustment of Security Deposit of ₹ 10 lacs is fully unsecured and no provision has been made for the same during the year 2015-16. This non-provisioning has resulted in overstatement of profit and understatement of provision for 2015-16 by ₹ 579 lacs.

xiv. Trade Receivables includes ₹ 10876 lacs due from M/S Topworth Steels & Powers Ltd for procuring and supply of materials upto February 2014. There was a shortage in quantum of procured materials as per volumetric assessment carried out w.r.t position as at 31.03.2016 for which the party was asked to make good the same which has not been carried out as yet. After considering the realizable market value of the pledged stock amounting to ₹ 4255 lacs and security deposit of ₹ 10 lacs, in our opinion provision should be made of ₹ 6611 lacs during the year. This non-provisioning has resulted in overstatement of profit and understatement of provision for 2015-16 by ₹ 6611 lacs.

xv. Trade Receivables includes ₹ 12193 lacs due from M/S Jai Balaji Industries Ltd. for procuring and supply of materials upto July 2013. Thus the age of entire stock is old over 3 years and quality has been certainly degraded to fetch the desired amount to cover the present outstanding resulting in remote possibility of recovery of dues. Previous year also we suggested for making a provision of ₹ 6273 lacs against such loss which was not adhered to by the Company and same was considered by us as audit qualification. This year only ₹ 362 lacs has been repaid by the party. Due to such recurring defaults in payment despite commitment in

कारण, वसूली की संभावना संदिग्ध है। गिरवी रखे स्टॉक के वसूलीयोग्य बाजार मूल्य रु.3922 लाख की राशि पर विचार करने के बाद, हमारी राय में वर्ष के दौरान रु.8271 लाख का प्रावधान किया जाना चाहिए। इसके फलस्वरूप 2015-16 के लिए रु.8271 लाख का लाभ में अधिक और प्रावधान में कमी है।

xvi. व्यापार प्राप्य जिसमें मेसर्स सिद्धार्थ ट्यूब्स लि. से फरवरी, 2014 तक सामग्रियों की अधिप्राप्ति एवं आपूर्ति हेतु रु. 1870 लाख शामिल है। इस तरह सम्पूर्ण स्टॉक दो वर्ष से अधिक पुराना है एवं खरीदे गये वस्तुओं के बाजार मूल्य में सब्सटेन्सियल गिराबट के कारण, गिरवी रखे स्टाक की वसूलीयोग्य बाजार मूल्य रु.1145 लाख है, बकाया राशि रु.685 लाख असुरक्षित हैं। सुरक्षा जमा की शुद्ध राशि रु.40 लाख है, जो वर्ष 2015-16 के लिए कंपनी द्वारा अपनी खातों में उपलब्ध नहीं कराया गया है। इसके फलस्वरूप वर्ष 2015-16 के लिए रु.685 लाख का लाभ में अधिक और प्रावधान में कमी है।

योग्य विचार

हमारे विचार एवं प्राप्त सर्वाधिक सूचनाओं तथा हमें दिए गए व्याखाओं के अनुसार, पैराग्राफ (i) से (vi) में विवरणित विषयों के प्रभाव को छोड़ कर, योग्यताप्राप्त विचार हेतु आधार है, जिसका समग्र प्रभाव लाभ के रु. 72432 लाख के अधिक का विवरण है, उपरोक्त समेकित वित्तीय विवरण अपेक्षित पद्धति में अधिनियम द्वारा आवश्यक जानकारी देता है एवं भारत में सामान्यतया स्वीकृत लेखा सिद्धांतों के साथ 31 मार्च, 2016 को कम्पनी के कार्यों की स्थिति एवं उसका लाभ तथा समाप्त वर्ष की तारीख को नकद प्रवाह की सत्य एवं स्पष्ट तस्वीर प्रस्तुत करता है। उपरोक्त रु. 72432 का प्रावधान न किए जाने का अगर लेखे में प्रभाव होता तो रु. 7457 लाख का लाभ रु. 64975 लाख हानि में बदल जाता।

बल देनेवाले मामले

हमने समेकित वित्तीय विवरणों की टिप्पणी में निम्नलिखित विषयों की ओर ध्यान आकर्षण किया है।

क) लेखा टिप्पणी की टिप्पणी सं. 15(डी) में दिये गये अनुसार, हल्दिया पेट्रोकेमिल्स लि. द्वारा सामग्रियों की प्रतिज्ञित स्टॉक का अनाधिकृत उठाना कम्पनी के प्रतिज्ञित स्टॉक यंत्र की निगरानी में कमी दर्शाता है एवं बकाए राशि के रूप में ऋण की वसूली की अनिश्चितता प्रतिज्ञित स्टॉक द्वारा नहीं होती है एवं सहमति भुगतान निर्धारण बहुत दीर्घ है।
हमारे विचार इन मामलों के संबंध में संशोधित नहीं है।

अन्य मामले

ए) हमलोगों ने एक पूर्णतया स्वामित्व सहायक कम्पनी के वित्तीय विवरण/ वित्तीय जानकारी का अंकेक्षण नहीं किया है जिसका वित्तीय विवरण/ वित्तीय जानकारी 31 मार्च 2016 को कुल संपत्ति रु. 36837 लाख समाप्त वर्ष की अंतिम तारीख कुल राजस्व रु. 34707 लाख एवं शुद्ध नकद प्रभाव रु. 11320 लाख दर्शाता है जैसा कि समेकित वित्तीय विवरण में विचार किया गया है। समेकित वित्तीय विवरण में 31 मार्च, 2016 को समाप्त वर्ष हेतु रु. 2111 लाख के लाभांश भी शामिल है जैसा कि एक सहायक कम्पनी के सम्बन्ध में समेकित वित्तीय विवरण में विचार किया गया है जिसका वित्तीय विवरण/वित्तीय जानकारी का हमारे द्वारा अंकेक्षण नहीं किया गया है। यह वित्तीय विवरण/वित्तीय जानकारी अन्य लेखा परीक्षक द्वारा अंकेक्षित कराया गया है जिसकी रिपोर्ट प्रबंधन द्वारा हमे दिया गया है और समेकित वित्तीय विवरण पर हमारा विचार जहाँ तक राशि

Court, the chances of recovery is doubtful. After considering the realizable market value of pledged stock amounting to ₹ 3922 lacs, in our opinion provision should be made for ₹ 8271 lacs during the year. This has resulted in overstatement of profit and understatement of provision for 2015-16 by ₹ 8271 lacs.

xvi. Trade Receivables includes ₹ 1870 lacs due from M/S Siddhartha Tubes Ltd. for procuring and supply of materials upto February 2014. Thus the entire stock is old over two years and due to substantial fall in market price of the procured item, outstanding amounting are unsecured to the tune of ₹ 685 lacs, net of security deposit amounting ₹ 40 lacs which has not been provided by the Company in its books of accounts for the year 2015-16. This non-provisioning has resulted in overstatement of profit and understatement of provision for 2015-16 ₹ 685 lacs.

Qualified Opinion

In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, except for the effects of the matter described in paragraph (i) to (vi) of Basis for Qualified Opinion, the overall effect of which is overstatement of profit by ₹ 72432 lacs, the aforesaid consolidated financial statements give the information required by the Act in the manner so required and give a true and fair view in conformity with the accounting principles generally accepted in India, of the consolidated state of affairs of the Group, its subsidiary as at 31st March, 2016, and their consolidated profit and their consolidated cash flows for the year ended on that date. Had the effect of above non provisions amounting to ₹ 72432 lacs given in the accounts, then the net profit of ₹ 7457 lacs would have been converted to net loss of ₹ 64975 lacs.

Emphasis of matters :-

We draw attention to the following matters in the Notes to the consolidated financial statements :

a) As stated in Note no. 15(d) of Notes on Account, Unauthorized lift of pledged stock of materials by Haldia Petrochemicals Ltd. indicates lacuna in supervision of pledged stock mechanism of the company and the uncertainty of recovery of debts as outstanding amount is not backed by pledged stock and the agreed payment schedule is very long.

Our opinion is not modified in respect of these matters.

Other Matters

a) We did not audit the financial statements/ financial information of one wholly owned subsidiary, whose financial statements/ financial information reflect total assets of ₹ 36837 lacs as at 31st March 2016, total revenue of ₹ 34707 lacs and net cash flows amounting to ₹ 11320 lacs for the year ended on that date, as considered in the consolidated financial statements. The consolidated financial statements also include the share of profits of ₹ 2111 lacs for the year ended 31st March 2016 as considered in the consolidated financial statements in respect of one subsidiary whose financial statements/ financial information has not been audited by us. This financial statements/ financial information

एवं प्रकटीकरण से सम्बद्ध है इस सहायक कम्पनी के सम्बन्ध में शामिल किया गया है एवं हमारी रिपोर्ट अधिनियम की धारा 143 की उप धारा (3) एवं (11) के अर्थों में जहाँ तक उपरोक्त सहायक कम्पनी से सम्बद्ध है अन्य लेखा परीक्षक के रिपोर्ट पर पूर्णतया आधारित है।

हमारा समेकित वित्तीय विवरण एवं अन्य विधिक एवं नियमक अपेक्षिताओं पर विचार निम्न रूप है, किये गये काम एवं अन्य लेखा परीक्षक के रिपोर्ट पर हमारे विश्वास के सम्बन्ध में उपरोक्त मामलों के सम्बन्ध में सुधार नहीं किया गया है।

अन्य विधिक एवं नियामक आवश्यकताओं पर रिपोर्ट

1. अधिनियम की धारा 143 (5) के अधीन भारत के नियंत्रक एवं महालेखाकार के निर्देश के अनुसार में लेखा परीक्षक के रिपोर्ट में शामिल किये जानेवाले अन्य मामलों के सम्बन्ध में एवं कम्पनी के खाते एवं रिकाड्र्स की हमारी जांच का आधार भारत में सामान्यतया स्वीकृत सिद्धातों के अनुसार एवं हमें दी गई जानकारी एवं व्याखान के अनुसार सम्पन्न किया गया। हमलोगों ने कैग के निर्देशों में निर्दिष्ट विषयों पर अनुलग्नक ए में दिए हैं।
2. अधिनियम की धारा 143(3) द्वारा अपेक्षित अनुसार, हम रिपोर्ट देते हैं कि

क. हमने सभी स्पष्टीकरण एवं सूचनाएं प्राप्त की हैं, जो हमारे सर्वोत्तम जानकारी तथा विश्वास के अनुसार हमारी उपरोक्त समेकित वित्तीय विवरण के हमारे लेखा–परीक्षा उद्देश्य के लिए आवश्यक थे।

ख. उपरोक्त पैराग्राफ योग्य विचार के आधार पर विवरणित विषय के प्रभाव को छोड़कर, हमारे विचार में उपरोक्त समेकित वित्तीय विवरण के तैयार करने से सम्बद्ध विधि के अनुसार अपेक्षित समुचित लेखा के खाता कम्पनी द्वारा रखा गया है जैसा कि उन खातों की हमारी जांच अन्य लेखा परीक्षक की रिपोर्ट से प्रतीत होता है।

ग. समेकित वित्तीय विवरण के तैयार करने के उद्देय हेतु सम्बद्ध रखे गये लेखा खाते के साथ समेकित तुलना–पत्र, समेकित लाभ व हानि खाता तथा समेकित नकद प्रवाह विवरण इस रिपोर्ट द्वारा लेखों के अनुरूप है।

घ. हमारे विचार में उपरोक्त पैराग्राफ योग्य विचार हेतु विवरणित विषय के आधार पर प्रभाव को छोड़कर, उपरोक्त समेकित वित्तीय विवरण अधिनियम की धारा 133 के अधीन निर्दिष्ट लेखा मानकों के साथ अनुपालन किया गया है।

ङ. उपरोक्त पैराग्राफ योग्य विचार हेतु विवरणित विषय के आधार पर, हमारे विचार में, समूह के कार्यकलाप पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है।

च. उपरोक्त पैराग्राफ योग्य विचार हेतु लेखा के रखरखाव एवं उससे सम्बद्ध अन्य मामले से सम्बद्ध योग्यता मूल्यांकन हेतु लिये गये हैं।

छ. वित्तीय रिपोर्ट के ऊपर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की अपर्याप्तता एवं

has been audited by other auditor whose reports have been furnished to us by the Management and our opinion on the consolidated financial statements, in so far as it relates to the amounts and disclosures included in respect of this subsidiary and our report in terms of sub-sections (3) and (11) of Section 143 of the Act, in so far as it relates to the aforesaid subsidiary, is based solely on the report of the other auditor.

Our opinion on the consolidated financial statements, and our report on Other Legal and Regulatory Requirements below, is not modified in respect of the above matters with respect to our reliance on the work done and the report of the other auditor.

Report on Other Legal and Regulatory Requirements

1. With respect to the other matters to be included in the Auditor's Report in terms of the directions of the Comptroller and Auditor General of India (CAG) under Section 143(5) of the Act, and on the basis of our examination of the books and records of the Group carried out in accordance with the generally accepted principles in India and according to the information and explanations given to us, we give in the Annexure A, statement on the matters specified in the directions and sub-directions of CAG.
2. As required by Section 143 (3) of the Act, we report, to the extent applicable, that :
   a. We have sought and obtained all the information and explanations which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purposes of our audit of the aforesaid consolidated financial statements.
   b. In our opinion, except for the effects of the matters described in the Basis for Qualified Opinion paragraph above, proper books of account as required by law relating to the preparation of the aforesaid consolidated financial statements have been kept so far as it appears from our examination of those books and the reports of the other auditors.
   c. The Consolidated Balance Sheet, the Consolidated Statement of Profit and Loss, and the Consolidated Cash Flow Statement dealt with by this Report are in agreement with the relevant books of account maintained for the purpose of preparation of the consolidated financial statements.
   d. In our opinion, except for the effect of the matters described in the Basis for Qualified opinion paragraph above, the aforesaid consolidated financial statements comply with the Accounting Standards specified under Section 133 of the Act as applicable.
   e. The matter described in the Basis for Qualified Opinion paragraph above, in our opinion, may have an adverse effect on the functioning of the Group.
   f. The qualification relating to the maintenance of accounts and other matters connected therewith are as stated in the Basis for Qualified Opinion paragraph above.

ऐसे नियंत्रण के प्रभावशाली परिचालन के सम्बन्ध में हमारे रिपोर्ट के 'अनुलग्न बी' में संदर्भित है जो कम्पनी एवं भारत में इसकी सहायक कम्पनियों के लेखा परीक्षकों के रिपोर्ट पर आधारित है। हमारा रिपोर्ट कम्पनी एवं भारत में शामिल इसकी सहायकी कम्पनियों के वित्तीय रिपोर्ट के ऊपर आंतरिक वित्तीय नियंत्रों के अपर्याप्ता एवं प्रभावशाली परिचालन पर विचार व्यक्त करता है।

ज. कम्पनी (अंकेक्षण एवं अंकेक्षक) नियम, 2014 के नियम 11 के अनुसार लेखा परीक्षक रिपोर्ट में शामिल किये जाने वाले अन्य मामलों के सम्बन्ध में हमारे विचार एवं हमारी जानकारी तथा हमे दिये गये व्याख्यान के अनुसार दिये गये हैं :

i. समूह के वित्तीय समेकित वित्तीय स्थिति पर लंबित मामलों के समेकित वित्तीय विवरण पर पड़ने वाले प्रभाव को प्रकट करता है। समेकित वित्तीय विवरण हेतु संदर्भ टिप्पणी सं. 30

ii. कम्पनी ने डेरिवेटिव कांट्रैक्ट्स सहित ऐसा कोई दीर्घ कालीन ठेका नहीं किया है जिससे कोई सामग्रिक नुकसान हुआ हो।

iii. कम्पनी द्वारा निवेशक एडुकेशन एवं सुरक्षा निधि स्थानांतरण की जानेवाली अपेक्षित ट्रांसफेरिंग राशि में विलम्ब के निम्नलिखित घटना हैः

स्वरूप	घोषणा की तारीख	अंतरण की निर्धारित तारीख	अंतरण की तारीख	राशि (रु. लाख में)
बिनादावा लाभांश	15/09/2008	15/10/2015	23/11/2015	11.00

नियंत्री कंपनी द्वारा निवेशक एडुकेशन एवं सुरक्षा निधि हेतु अंतरण की जानेवाली अपेक्षित राशि के अंतरण में 39 दिनों का विलंब किया गया है।

वास्ते राय एंड कं.
सनदी लेखाकार
एफआरएन. 313124ई

सीए एस पी बसु
स्थान : कोलकाता **साझेदार**
दिनांक : 29/08/2016 **मो. नं. 050209**

g. With respect to the adequacy of the internal financial controls over financial reporting and the operating effectiveness of such controls, refer to our report in "Annexure B", which is based on the Auditors' Reports of the Company and its subsidiary companies incorporated in India. Our report expresses an adverse opinion on the adequacy and operating effectiveness of the internal financial controls over financial reporting of the Company and its subsidiary companies incorporated in India.

h. With respect to the other matters to be included in the Auditor's Report in accordance with Rule 11 of the Companies (Audit and Auditor's) Rules, 2014, in our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us:

i. The consolidated financial statements disclose the impact of pending litigations on the consolidated financial position of the Group - Refer Note no. 30 to the consolidated financial statements

ii. The Group did not have any material for eseeable losses on long-term contracts including derivative contracts.

iii. Following is the instance of delay in transferring amount, required to be transferred, to the Investor Education and Protection Fund by the Holding Company.

Nature	Date of Declaration	Due Date of transfer	Transferred on	Amount (₹ in lacs)
Unclaimed Dividend	15/09/2008	15/10/2015	23/11/2015	11.00

There has been a delay of 39 days in transferring amounts, required to be transferred, to the Investor Education and Protection Fund by the Holding company.

For Ray & Co.
Chartered Accountants
FRN. 313124E

CA. S P Basu
Partner
M no. 050209

Place : Kolkata
Date : 29/08/2016

अनुलग्नक–ए / **Annexure-A**

कम्पनी अधिनियम 2013 की धारा 143 (5) के अधीन निर्देश
Directions under section 143(5) of the Companies Act 2013

क्र.सं. Sl. No.	निर्देश Direction	अंकेक्षक का उत्तर Auditor's Reply
1.	क्या कम्पनी के पास क्रमशः फ्रीहोल्ड एवं लीजहोल्ड हेतु स्पष्ट टाईटिल/लीज दस्तावेज है? यदि नहीं है तो कृपया फ्रीहोल्ड एवं लीजहोल्ड भूमि का क्षेत्र बताएं जिसके लिए टाईटिल/लीज दस्तावेज उपलब्ध नहीं। Whether the Company has clear title/lease deeds for freehold and leasehold respectively? If not please state the area of freehold and leasehold land for which title/lease deeds are not available.	नियंत्री कम्पनी के मामले में :- अचल सम्पत्तियों का टाईटिल दस्तावेज कम्पनी के नाम में है सिवाय ढाकुरिया में अवस्थित 2 फ्लैट्स, फिनले टॉवर में 4 फ्लैट्स, मलाड में 4 फ्लैट्स, राहेजा सेंटर में 2 फ्लैट्स एवं बांद्रा, मुम्बई में 1 फ्लैट। सहायक कम्पनी के मामले में :- लेखा परीक्षक ने 33 वर्षों के परपेचुल लीज पर सेल-बीएसपी से अर्जित लीजहोल्ड भूमि के टाईटिल की जांच की है। In case of Holding Company:- The title deeds of immovable properties are held in the name of the company except for 2 flats situated at Dhakuria, 4 flats at Finley Tower, 4 flats at Malad, 2 flats at Raheja Centre and 1 flat at Bandra, Mumbai. In case of Subsidiary:- The auditor has examined the title of leasehold land acquired from SAIL-BSP on perpetual lease of 33 years.
2.	कृपया रिपोर्ट करें कि क्या ऋण/कर्ज/ब्याज आदि का कोई वेवर/राइट ऑफ का कोई मामला है, यदि है तो उसमें शामिल रकम की वजह स्पष्ट करें। Please report whether there are any cases of waiver/ write off of debts/loan/interest etc. If yes, the reason there for and amount involved	नियंत्री कम्पनी के मामले में :- वर्ष के दौरान ऐसा कोई मामला नहीं है। सहायक कम्पनी के मामले में : कम्पनी ने अशोध्य एवं संदेहास्पद ऋण हेतु लेखा खातों में वित्तीय वर्ष 2015-16 में 5.85 लाख प्रावधान किया है। In case of Holding Company:- There is no such cases during the year. In case of Subsidiary :- The company has made a provision for Bad & Doubtful Debt of ₹ 5.85 lacs in the books of account in the FY 2015-16.
3.	क्या थर्ड पार्टियों के पास पड़ी इन्वेंटरियों एवं सरकार या अन्य प्राधिकरण से उपहार/अनुदान के रूप में प्राप्त परिसम्पत्ति हेतु समुचित रिकार्ड रखे हैं। Whether proper records are maintained for inventories lying with third parties & assets received as gift/grant(s) from Government or other authorities	नियंत्री कम्पनी के मामले में :- नियंत्री कम्पनी ने थर्ड पार्टियों के पड़ी इन्वेंटरियों का समुचित रिकार्ड रखा है। समूह ने सरकार या किसी अन्य प्राधिकरण से उपहार के रूप में कोई सम्पत्ति प्राप्त नहीं की है। सहायक कम्पनी के मामले में : कम्पनी की इन्वेंटरी थर्ड पार्टी पड़ी हुई नहीं है। कम्पनी कोई परिसम्पत्ति प्राप्त नहीं किया है। In case of Holding Company: The Holding Company has maintained proper records for inventories lying with third parties. The Group has not received any assets as gift from Govt. or any other authorities. In case of Subsidiary: The inventory of the Company is not lying with third party. The company has not received any assets.

सहायक कम्पनी की कम्पनी अधिनियम 2013 की धारा 143(5) के अधीन भारत के नियंत्रक एवं महालेखाकार के उप-निदेश

Sub-Direction of Comptroller and Auditor General of India under Section 143(5) of the Companies Act 2013 of Subsidiary Company

सं. Sl. No.	उप-निदेश Sub-Directions	उत्तर Reply
1.	ग्रैच्यूटी एवं अन्य कर्मचारियों के लाभ के बाबत बीमांकिक दायित्व की गणना हेतु प्रबन्धन द्वारा आकलित वेतन में विस्तारित प्रतिशत जांच करें एवं रिपोर्ट करें कि क्या यह उक्त उचित था एवं बिमांकिक मूल्यांकन हेतु बिमांकन के लिए कम्पनी द्वारा प्रदान की गई स्रोत आंकड़े सत्य, परिपूर्ण एवं वैध थे।	ग्रेच्यूटी भारतीय जीवन बीमा द्वारा वित्तपोषित किया जाता है। निधि का बिमांकिक मूल्यांकन बीमांकक द्वारा कार्यान्वित किया गया है। उपरोक्त के अलावा, कम्पनी ने निम्नांकित हेतु बिमांकन मूल्यांकन के लिए अपने कर्मचारियों के लाभ का मूल्यांकन किया है : **i)** छुट्टी नकदीकरण योजना **ii)** अवकाश प्राप्त कर्मचारी हेतु चिकित्सा बीमा **iii)** निपटारा भत्ता **iv)** वर्तमान कर्मचारियों हेतु दीर्घ सेवा अवार्ड **v)** कर्मचारी परिवार लाभ योजना **vi)** अवकाश प्राप्त कार्यपालकों हेतु आवासीय चिकित्सा लाभ बेहतर समझारी के आधार पर, कम्पनी ने ग्रैच्यूटी हेतु उपरोक्त सभी मद (i) से (vi) के मूल्यांकन हेतु बीमांकन हेतु बीमांकक को समुचित एवं प्रयाप्त आंकड़े प्रदान किये हैं।
1	Examine the percentage escalation in salary assumed by the management for compute of actuarial liability against gratuity and other employee benefits and report whether the same was reasonable , and source data provided by the company to the Actuaries for actuarial valuation were correct, complete and valid.	The Gratuity is funded with Life Insurance Corporation of India. The actuarial valuation of the fund is carried out by the Actuary. Apart from above, the company evaluate its employee benefit through Actuarial valuation for the followings: i) Leave encashment scheme ii) Medical Insurance for retired employee iii) Settlement allowance iv) Long service award to the existing employees v) Employee family benefit scheme vi) Domiciliary medical benefit for retired executives Based on the understanding, the company has provided appropriate and adequate data to the actuaries for actuarial valuation of all the above items in (i) to (vi) and for Gratuity.

स्वतंत्र लेखा परीक्षकों के प्रतिवेदन का अनुलग्नक-बी

आज की तारीख तक हमारे रिपोर्ट के "अन्य विधिक एवं विनियामक अपेक्षिता पर रिपोर्ट" के अधीन पैराग्राफ 2(जी) के संदर्भ में।

कम्पनी अधिनियम, 2013 ("अधिनियम") की धारा 143 की उप-धारा 3 के खंड (i) के अधीन वित्तीय रिपोर्टिंग के ऊपर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण पर रिपोर्ट

हमने एमएसटीसी लिमिटेड ("कम्पनी") और भारत में स्थापित उनकी सहायक कम्पनियों के 31 मार्च, 2016 समाप्त वर्ष हेतु कम्पनी के हमारे अंकेक्षण के समेकित वित्तीय विवरण के अनुसार को वित्तीय रिपोर्ट पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण लेखा परीक्षण किया है।

आंतरिक वित्तीय नियंत्रण हेतु प्रबंधन की जिम्मेवारी

कम्पनी का प्रबंधन इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउण्टेंट्स ऑफ इंडिया (गाइडेंस नोट) द्वारा जारी वित्तीय रिपोर्ट पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण के लेखा परीक्षण पर दिशा निर्देश टिप्पणी में दिये गये आंतरिक नियंत्रण के आवश्यक अवयवों पर विचार कर कम्पनी तथा उसकी सहायक कम्पनियों द्वारा स्थापित वित्तीय रिपोर्ट मानदंड पर आंतरिक नियंत्रण पर आधारित आंतरिक वित्तीय नियंत्रण स्थापित करने एवं मैन्टेन करने होल्डिंग कम्पनी के संबंधित निदेशक मंडल और उसकी भारत में स्थापित सहायक कम्पनियों हेतु जिम्मेवार है। इन जिम्मेवारियों में पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की डिजाइन, कार्यान्वयन एवं रखरखाव जो अपने व्यापार के आगामी व्यवस्थित एवं प्रभावी आवरण हेतु प्रभावी रूप से परिचालन सहित कम्पनी की नीतियां, इसके संपत्तियों की सुरक्षा, संरक्षण एवं धोखाधड़ी एवं त्रुटी पता लगाना, लेखा रिकार्ड्स की सटिकता एवं पूर्णता तथा विश्वसनीय वित्तीय जानकारी समयबद्ध तैयार करना जैसा कि अधिनियम में अपेक्षित है, शामिल है।

लेखा परीक्षण की जिम्मेवारी

हमारी जिम्मेवारी हमारे लेखा परीक्षण पर आधारित वित्तीय रिपोर्ट के ऊपर कम्पनी की आंतरिक वित्तीय नियंत्रण पर विचार व्यक्त करना है। हमने अधिनियम की धारा 143(10) के अधीन लेखा परीक्षण पर निर्धारित मानकों एवं दिशा निर्देश टिप्पणी, आंतिरक वित्तीय नियंत्रण के लेखा परीक्षण हेतु जहाँ तक लागू है, के अनुसार अपना लेखा परीक्षण संचालित किया है। उन मानकों एवं दिशा निर्देश टिप्पणी की अपेक्षिता होती है कि हम नीतिगत अपेक्षिता एवं योजना का अनुपालन करें एवं वित्तीय रिपोर्ट जो स्थापित एवं नियंत्रण किये गये थे के ऊपर क्या पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण किया गया एवं ऐसे नियंत्रण सभी वस्तुनिष्ट पहलुओं में प्रभावी रूप से संचलित किये गये के बारे में उपयुक्त सुनिश्चिता प्राप्त कर लेखा परीक्षण करना है।

हमारे लेखा परीक्षण में वित्तीय रिपोर्ट एवं उनके प्रभावी रूप से परिचालन के ऊपर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों के पर्याप्तता के बारे में लेखा परीक्षण

ANNEXURE-B to the INDEPENDENT AUDITOR'S REPORT

Referred to in paragraph 2(g)under "Report on Other Legal and Regulatory Requirements" section of our report of even date.

Report on the Internal Financial Controls over Financial Reporting under Clause (i) of sub-section 3 of Section 143 of the Companies Act, 2013 ("the Act")

We have audited the internal financial controls over financial reporting of MSTC LIMITED (hereinafter referred to as "the Holding Company") and its subsidiary companies incorporated in India as at 31st March 2016 in conjunction with our audit of the consolidated financial statements of the Company for the year ended on that date.

Management's Responsibility for Internal Financial Controls

The respective Board of Directors of the Holding Company and its subsidiary companies incorporated in India, are responsible for establishing and maintaining internal financial controls based on the internal control over financial reporting criteria established by the Company and its subsidiary companies considering the essential components of internal control stated in the Guidance Note on Audit of Internal Financial Controls over Financial Reporting issued by the Institute of Chartered Accountants of India (the "Guidance Note"). These responsibilities include the design, implementation and maintenance of adequate internal financial controls that were operating effectively for ensuring the orderly and efficient conduct of its business, including adherence to Company's policies, the safeguarding of its assets, the prevention and detection of frauds and errors, the accuracy and completeness of the accounting records, and the timely preparation of reliable financial information, as required under the Act.

Auditors' Responsibility

Our responsibility is to express an opinion on the Company's internal financial controls over financial reporting based on our audit. We conducted our audit in accordance with the Guidance Note on Audit of Internal Financial Controls Over Financial Reporting issued by the ICAI and the Standards on Auditing, issued by ICAI and deemed to be prescribed under section 143(10) of the Act, to the extent applicable to an audit of internal financial controls, both issued by ICAI. Those Standards and Guidance Note require that we comply with the ethical requirements and plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether adequate internal financial controls over financial reporting was established and maintained and if such controls operated effectively in all material aspects.

Our audit involves performing procedures to obtain audit evidence about the adequacy of the internal financial controls

साक्ष्य प्राप्त करने के लिए निष्पादित कार्यविधि शामिल है। हमारा वित्तीय रिपोर्ट के ऊपर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण का लेखा परीक्षण में शामिल है वित्तीय रिपोर्ट के ऊपर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की समझदारी प्राप्त करना, जोखिम जो वर्तमान सामग्री कमजोरी का निर्धारण करना, एवं जांच करना तथा आकलित जोखिम पर आधारित आंतरिक नियंत्रण प्रभावशाली डिजाइन एवं परिचालन का मूल्यांकन करना। चयनित कार्यविधि लेखा परीक्षण के निर्णय पर निर्भर करता है जिसमें शामिल है स्टैंडएलोन वित्तीय विवरण के सामग्रियों के गलत विवरण के जोखिम का आकलन, जो धोखाधड़ी या त्रुटी के कारण है।

हम विश्वास करते हैं कि हमने जो लेखा परीक्षण साक्ष्य प्राप्त किये है एवं सहायक के अन्य लेखा परीक्षक द्वारा लेखा परीक्षण साक्ष्य निम्न पैराग्राफ में अन्य विषय में संदर्भित उनकी रिपोर्ट के अनुसार वह वित्तीय रिपोर्ट के ऊपर कम्पनी के आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली पर हमारे लेखा परीक्षण पर विचार हेतु पर्याप्त एवं उपयुक्त आधार है।

वित्तीय रिपोर्ट के ऊपर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण का तात्पर्य

वित्तीय रिपोर्ट के ऊपर कम्पनी का आंतरिक वित्तीय नियंत्रण वास्तविक वित्तीय रिपोर्ट के बारे में उचित सुनिश्चितता प्रदान करने के लिए परिकल्पित प्रक्रिया है एवं सामान्यतया स्वीकृत लेखा सिद्धांतों के अनुसार बाह्य उद्देश्य हेतु वित्तीय विवरण तैयार करना है। कम्पनी का वित्तीय रिपोर्ट के ऊपर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण जिसमें शामिल हैं वे नीतियां एवं प्रक्रिया जोः

1. रिकार्ड के रखरखाव के सम्बन्ध में जो उचित विवरण, सही एवं स्पष्ट लेनदेने एवं कम्पनी की सम्पत्तियो के गैर स्थिति दर्शाता हो।
2. उचित सुनिश्चिता प्रदान करता हो जो लेनदेने सामान्यतया लेखा सिद्धांतों के अनुसार वित्तीय विवरण के तैयार करने की अनुमति हेतु रिकार्ड किये गये हैं एवं कम्पनी की प्राप्ति एवं व्यय कम्पनी के प्रबंधन एवं निदेशकगण के प्राधिकरण मात्र के अनुसार किये गये हैं, एवं
3. अनाधिकृत अधिग्रहण, उपयोग, या कम्पनी की संपत्ति की गैरस्थिति को रोकना या समय पता लगाने के संबंध में उचित सुनिश्चितता प्रदान करता जिसका वित्तीय विवरण की सामग्री पर प्रभाव पड़ सकता है।

वित्तीय रिपोर्ट के ऊपर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की अंतर्निहित सीमा

क्योकि वित्तीय रिपोर्ट के ऊपर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की अंतर्निहित सीमा शामिल है नियंत्रण का दूरभिसंधि या अनुचित प्रबंधन ओवरराइड, त्रूटी या धोखाधड़ी के कारण सामग्रियों का गलत विवरण एवं पता नहीं लग पाना। भविष्य के वित्तीय रिपोर्ट के ऊपर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण का किसी मूल्यांकन का प्रक्षेपण जोखिम का विषय है जो वित्तीय रिपोर्ट के ऊपर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण स्थिति में परिवर्तन के कारण अपर्याप्त हो सकता है या नीतियों या प्रक्रियाओं के अनुपालन के अंश में कमी हो सकती है।

system over financial reporting and their operating effectiveness. Our audit of internal financial controls over financial reporting included obtaining an understanding of internal financial controls over financial reporting, assessing the risk that a material weakness exists, and testing and evaluating the design and operating effectiveness of internal control based on the assessed risk. The procedures selected depend on the auditors' judgement, including the assessment of the risks of material misstatement of the standalone financial statements, whether due to fraud or error.

We believe that the audit evidence we have obtained and the audit evidenced obtained by other auditor of the subsidiary company, in terms of their reports referred to in the Other Matter paragraph below, is sufficient and appropriate to provide a basis for our audit opinion on the Company's internal financial controls system over financial reporting.

Meaning of Internal Financial Controls over Financial Reporting

A company's internal financial controls over financial reporting is a process designed to provide reasonable assurance regarding the reliability of financial reporting and the preparation of financial statements for external purposes in accordance with generally accepted accounting principles. A company's internal financial controls over financial reporting includes those policies and procedures that;

1. Pertain to the maintenance of records that, in reasonable detail, accurately and fairly reflect the transactions and dispositions of the assets of the company;
2. Provide reasonable assurance that transactions are recorded as necessary to permit preparation of financial statements in accordance with generally accepted accounting principles, and that receipts and expenditures of the company are being made only in accordance with authorizations of management and directors of the company; and
3. Provide reasonable assurance regarding prevention or timely detection of unauthorized acquisition, use, or disposition of the company's assets that could have a material effect on the financial statements.

Inherent Limitations of Internal Financial Controls over Financial Reporting

Because of the inherent limitations of internal financial controls over financial reporting, including the possibility of collusion or improper management override of controls, material misstatements due to error or fraud may occur and not be detected. Also, projections of any evaluation of the internal financial controls over financial reporting to future periods are subject to the risk that the internal financial controls over financial reporting may become inadequate because of changes in conditions, or that the degree of compliance with the policies or procedures may deteriorate.

योग्यतापूर्ण विचार

हमें दी गई जानकारी एवं विश्लेषण के अनुसार एवं हमारे लेखा परीक्षण पर आधारित निम्नलिखित सामग्री कमजोरी 31 मार्च 2016 को पहचान किया गया है:

ए) कम्पनी के पास ग्राहक स्वीकृति, क्रेडिट मूल्यांकन एवं बिक्री हेतु स्थापित क्रेडिट सीमा के लिए उपयुक्त आंतरिक नियंत्रण प्रणाली नहीं है, जिससे अंतिम संग्रह की उचित सुनिश्चितता को स्थापित किये बगैर कम्पनी के राजस्व की पहचान में संभाव्य परिणाम हो सकता है।

बी) कम्पनी के पास ग्राहकों की ओर से कम्पनी द्वारा संग्रह किये की कच्ची सामग्रियों के प्रतिज्ञित स्टॉक के सम्बन्ध में इंवेंटरी हेतु उपयुक्त आंतरिक नियंत्रण प्रणाली नहीं है। हल्दिया पेट्रोकेमिकल्स लि. एवं रोहित फेरो टेक लि. हेतु मात्रात्मक आंकलन संचालित नहीं किया गया।

'सामग्री कमजोरी' वित्तीय रिपोर्ट के ऊपर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण में एक कमी या कमियों का संयोजन है, जिससे कम्पनी के वार्षिक या अंतरिम वित्तीय विवरणों में सामग्रियों के गलत विवरण की समुचित संभावना है जिसे समय पर रोका या पता नहीं लगाया जा सकेगा।

हमारे विचार में नियंत्रण मानदंड के उद्देश्य की प्राप्ति पर उपरोक्त विवरणित सामग्री कमजोरी के संभावित प्रभाव को छोड़ कर कम्पनी ने सभी सामग्री पक्षों, वित्तीय रिपोर्ट के ऊपर पर्याप्त अंतरिम वित्तीय नियंत्रण प्रणाली मैन्टेन किया है एवं वित्तीय रिपोर्ट के ऊपर ऐसे आंतरिक वित्तीय नियंत्रण इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउण्टेंट्स द्वारा जारी वित्तीय रिपोर्ट के ऊपर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण के लेखा परीक्षण पर दिशा निर्देश टिप्पणी में दिये गये आंतरिक नियंत्रण के आवश्यक अवयवों विचार कर कम्पनी द्वारा स्थापित वित्तीय रिपोर्ट मानदंड के ऊपर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण पर आधारित 31 मार्च, 2016 को प्रभावशाली रूप से परिचालित किये गये थे।

अन्य मामले

हमारा उपरोक्त रिपोर्ट अधिनियम की धारा 143(3)(i) के अधीन भारत में शामिल एक सहायक कम्पनी के रूप में वित्तीय रिपोर्ट के ऊपर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की पर्याप्तता एवं प्रभावशाली परिचालन भारत में शामिल ऐसी कम्पनी के लेखा परीक्षण के संबंधित रिपोर्ट पर आधारित है।

वास्ते रे एवं कं.
चार्टर्ड एकाउण्टेंट
एफआरएन.313124ई
सीए एस.पी. बसु
पार्टनर
एम नं. 050209

स्थान : कोलकाता
दिनांक : 29.08.2016

Qualified Opinion

According to the information & explanation given to us and based on our audit, the following material weakness have been identified as at 31stMarch 2016 :-

a) The Holding Company did not have an appropriate internal control system for customer acceptance, credit evaluation and establishing credit limits for sales, which could potentially result in the Company recognizing revenue without establishing reasonable certainty of ultimate collection.

b) The Holding Company did not have an appropriate internal control system for inventory with regard to pledged stock of raw materials procured by the Company on behalf of the customers. Volumetric assessment was not conducted for Haldia Petrochemicals Ltd andRohit Ferro Tech Ltd.

A 'material weakness' is a deficiency, or a combination of deficiencies, in internal financial control over financial reporting, such that there is a reasonable possibility that a material misstatement of the company's annual or interim financial statements will not be prevented or detected on a timely basis.

In our opinion, except for the possible effects of the material weaknesses described above on the achievements of the objectives of the control criteria, the Company has maintained, in all material aspects, adequate internal financial controls system over financial reporting and such internal financial controls over financial reporting were operating effectively as at 31st March 2016, based on the internal financial control over financial reporting criteria established by the Company considering the essential components of internal control stated in the Guidance Note on Audit of Internal Financial Controls Over Financial Reporting issued by the Institute of Chartered Accountants of India.

Other Matters

Our aforesaid reports under Section 143(3)(i) of the Act on the adequacy and operating effectiveness of the internal financial controls over financial reporting insofar as it relates to one subsidiary company, incorporated in India, is based on the corresponding reports of the auditor of such company incorporated in India.

For Ray & Co.
Chartered Accountants
FRN. 313124E

CA. S P Basu
Partner
M no. 050209

Place : Kolkata
Date : 29.08.2016

एमएसटीसी लिमिटेड के 31 मार्च, 2016 को समाप्त हुए वर्ष के समेकित वित्तीय विवरण पर कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 129(4) के साथ पठित धारा 143(6)(ख) के तहत भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की टिप्पणियाँ

कंपनी अधिनियम, 2013 के अंतर्गत विनिर्दिष्ट वित्तीय प्रतिवेदन के अधीन प्रदान रूपरेखा के अनुसार 31 मार्च, 2016 को समाप्त हुए वर्ष के लिए एमएसटीसी लिमिटेड का समेकित वित्तीय विवरण तैयार करना कंपनी के प्रबंधन का उत्तरदायित्व है। कंपनी अधिनियम की धारा 129(4) के साथ पठित धारा 139(5) के अंतर्गत भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक द्वारा नियुक्ति किए गए सांविधिक लेखा परीक्षक अधिनियम की धारा 143(10) के अधीन विनिर्धारित लेखांकन मानदण्डों के अनुसार स्वतंत्र लेखा परीक्षा के आधार पर कंपनी अधिनियम की धारा 129 (4) के साथ पठित धारा 143 के अंतर्गत इन वित्तीय विवरण पर विचार प्रकट करने के लिए उत्तरदायी हैं। यह उनकी लेखा परीक्षा रिपोर्ट दिनांक 29 अगस्त, 2016 के अनुसार उनके द्वारा किया गया बताया गया है।

मैंने, भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की ओर से 31 मार्च, 2016 को समाप्त वर्ष के लिए एमएसटीसी लिमिटेड के समेकित वित्तीय विवरणों का कंपनी अधिनियम की धारा 129(4) के साथ पठित धारा 143(6)(क) के अंतर्गत अनुपूरक लेखा परीक्षा का संचालन किया है। हमने उक्त तारीख को समाप्त वर्ष के लिए एमएसटीसी एवं उसकी सहायिकी कंपनी यानी फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड के वित्तीय परिणामों का अनुपूरक लेखा परीक्षा किया है। संविधिक लेखा परीक्षक के कार्यकारी कागजात को देखे बगैर यह अनुपूरक लेखा परीक्षा स्वतंत्र रूप से की गई है और मुख्यतः सांविधिक लेखा परीक्षकों एवं कंपनी के कार्मिकों की पूछताछ और कुछ लेखांकन अभिलेखों की चुनिंदा परीक्षा तक सीमित है।

मेरे लेखा परीक्षा के आधार पर मेरे संज्ञान में कोई भी महत्वपूर्ण तथ्य नहीं आया, जिससे कि सांविधिक लेखा परीक्षक प्रतिवेदन पर कोई टिप्पणी अथवा पूरक प्रदान किया जा सके।

भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक
हेतु और उनकी ओर से

ह/-
(प्रवीर कुमार)
वाणिज्यिक लेखा परीक्षा के प्रधान निदेशक और
पदेन सदस्य, लेखा परीक्षा पार्षद-1
कोलकाता

स्थान : कोलकाता
दिनांक : 12.09.2016

COMMENTS OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR GENERAL OF INDIA UNDER SECTION 143(6)(b) READ WITH SECTION 129(4) OF THE COMPANIES ACT, 2013 ON THE CONSOLIDATED FINANCIAL STATEMENTS OF MSTC LIMITED FOR THE YEAR ENDED 31 MARCH, 2016

The preparation of Consolidated financial statements of MSTC Limited for the year ended 31 March, 2016 in accordance with the financial reporting framework prescribed under the Companies Act, 2013 is the responsibility of the management of the company. The statutory auditor appointed by the Comptroller and Auditor General of India under Section 139(5) read with section 129(4) of the Act is responsible for expressing opinion on the financial statements under Section 143 read with section 129(4) of the Act based on independent audit in accordance with the standards on auditing prescribed under section 143(10) of the Act. This is stated to have been done by them vide their Audit Report dated 29 August 2016.

I, on behalf of the Comptroller and Auditor General of India, have conducted a supplementary audit under Section 143(6)(a) read with section 129(4) of the Act of the consolidated financial statements of MSTC Limited for the year ended 31st March, 2016. We have conducted a supplementary audit of the financial statements of MSTC and its subsidiary viz. Ferro Scrap Nigam Limited for the year ended on that date. This supplementary audit has been carried out independently without access to the working papers of the statutory auditor and is limited primarily to inquiries of the statutory auditor and company personnel and a selective examination of some of the accounting records.

On the basis of my audit nothing significant has come to my knowledge which would give rise to any comment upon or supplement to statutory auditors' report.

For and on behalf of the
Comptroller & Auditor General of India

Praveer Kumar

(Praveer Kumar)
Principal Director of Commercial Audit
& Ex-officio Member, Audit Board-I
Kolkata

Place : Kolkata
Date : 12.09.2016

एमएसटीसी लिमिटेड MSTC LIMITED

समेकित तुलन पत्र : 31 मार्च 2016 CONSOLIDATED BALANCE SHEET AS AT 31 MARCH, 2016

(रु. लाख में)/(₹ in Lacs)

विवरण	Particulars	टिप्पणी सं. Note No.	As at 31.03.2016 को	As at 31.03.2015 को
I. ईक्विटी एवं देयताएं	**I. EQUITY AND LIABILITIES**			
1. शेयरधारकों की निधियां	**1. Shareholders' funds**			
(क) शेयर पूंजी	(a) Share Capital	2	880	880
(ख) आरक्षित एवं अधिशेष	(b) Reserves and Surplus	3	88085	82920
2 अप्रचलित देयताएं	**2. Non-current liabilities**			
(क) अन्य दीर्घावधि देयताएं	(a) Other Long term liabilities	4	1217	1287
(ख) दीर्घायु प्रावधान	(b) Long term provisions	4a	4580	4399
3 चालू देयताएं	**3. Current Liabilities**			
(क) अल्पावधि ऋण	(a) Short-term Borrowings	5	65332	110612
(ख) व्यापारगत देय	(b) Trade Payables	6	214672	302949
(ग) अन्य चालू देयताएं	(c) Other Current Liabilities	7	93418	92382
(घ) अल्पावधि प्रावधान	(d) Short-term Provisions	8	7762	7212
कुल	**TOTAL**		**475946**	**602641**
II. परिसंपत्तियां	**II. ASSETS**			
1. गैर मौजूदा परिसंपत्तियां	**1. Non-Current Assets**			
(क) अचल परिसंपत्तिया	(a) Fixed Assets	9		
(i) भौतिक परिसंपत्तियां	(i) Tangible Assets		6154	7314
(ii) अमूर्त परिसंपत्तियां	(ii) Intangible assets		11	5
(iii) पूंजी कार्य जारी	(iii) Capital Work-in-Progress		415	124
(iv) विकास के अंतर्गत अमूर्त आस्तियाँ	(iv) Intangible assets under development		0	67
(ख) अप्रचलित निवेश	(b) Non-Current Investments	10	0	0
(ग) आस्थगित कर परिसंपत्तियां (शुद्ध)	(c) Deferred Tax Assets (Net)	11	17673	16852
(घ) दीर्घावधि ऋण एवं अग्रिम	(d) Long-term Loans and Advances	12	2267	2549
(ङ) अन्य गैर मौजूदा परिसंपत्तियां	(e) Other Non-Current Assets	13	201	258
2. चालू परिसंपत्तियां	**2. Current Assets**			
(क) स्टॉक	(a) Inventories	14	1827	15029
(ख) व्यापारगत प्राप्य	(b) Trade Receivables	15	330852	415366
(ग) नकद एवं नकदी समतुल्य	(c) Cash and Cash Equivalents	16	105825	135031
(घ) अल्पावधि ऋण एवं अग्रिम	(d) Short-term Loans and Advances	17	8948	8040
(ङ) अन्य चालू परिसंपत्तियां	(e) Other Current Assets	17a	1773	2006
कुल	**TOTAL**		**475946**	**502641**
महत्त्वपूर्ण लेखा नीतियां	Significant Accounting Policies	1		

संलग्न टिप्पणियां 1 से 47 वित्तीय विवरण के अभिन्न अंग हैं। The accompanying notes numbering 1 to 47 are an integral part of the Financial Statements.
यह तुलन पत्र सम तारीख के हमारे प्रतिवेदन के संदर्भ में है। This is the Balance Sheet referred to in our report of even date.

कृते एमएसटीसी लिमिटेड For MSTC Limited

कृते राय एंड कं.
सनदी लेखापाल
पंजीकरण सं. 313124ई

सीए एस पी बसु
साझेदार
एम नं. 050209

तारीख : 03.08.2016
स्थान : कोलकाता

For Ray & Co.
Chartered Accountants
Regn. No. 313124E

CA S P. Basu
Partner
M no. 050209

Dated : 03.08.2016
Place : Kolkata

(बी.बी. सिंह)
अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक

(B. B. Singh)
Chairman-cum-Managing Director

(आर के चौधुरी)
महाप्रबंधक (वित्त एवं लेखा)

(R. K. Chaudhuri)
General Manager (Finance & Accounts)

(ए के बासु)
निदेशक (वित्त)

(A. K. Basu)
Director (Finance)

(सुब्रत कुमार राय)
कंपनी सचिव

(Subrata Kumar Ray)
Company Secretary

एमएसटीसी लिमिटेड MSTC LIMITED

31 मार्च 2016 को समाप्त वर्ष के लिए समेकित लाभ एवं हानि का विवरण

CONSOLIDATED OF PROFIT & LOSS FOR THE YEAR ENDED 31 MARCH, 2016

(रु. लाख में)/(₹ in Lacs)

विवरण	Particulars	टिप्पणी सं. Note No.	2015-2016	2014-2015
I. परिचालन से राजस्व	I. Revenue from Operations	18	322570	568903
II. अन्य आय	II. Other Income	19	8,252	8,943
III. **कुल राजस्व** (I+II)	III. **Total Revenue (I + II)**		**3,30,822**	**5,77,846**
IV. **व्ययः**	IV. Expenses :			
उपभोग की गई सामग्रियों की लागत	Cost of Materials Consumed	34	3,714	3,364
व्यापारगत माल की खरीददारी	Purchases of Stock-in-Trade	20	2,55,384	5,26120
स्टॉक में बदलाव	Changes in Inventories	14	13,154	(11,078)
कर्मचारी हितलाभ पर व्यय	Employee Benefits Expense	21	16,878	14,675
वित्तीय व्यय	Finance Costs	22	9,731	8,771
मूल्यह्रास एवं परिशोधन व्यय	Depreciation and Amortization Expense	9	1,335	839
अन्य व्यय	Other Expenses	23	18,842	19,938
कुल व्यय	**Total Expenses**		**3,19,038**	**5,62,629**
V. अतिविशिष्ट मद एवं कर से पूर्व लाभ (III-IV)	**V. Profit before Exceptional Items and Tax (III – IV)**		11,784	15,217
VI. अतिविशिष्ट मद	**VI. Exception Item**		40	2
VII. **कर पूर्व लाभ (V-VI)**	**VII. Profit before Tax (V – VI)**		11,744	15,215
कर व्ययः	**VIII.** Tax Expense :			
(1) चालू कर	(1) Current Tax		5,108	7,793
(2) आस्थगित कर	(2) Deferred Tax		(821)	(2,919)
IX. अवधि के लिए लाभ (हानि) (VII-VIII)	**IX. Profit (Loss) for the period (VII – VIII)**		**7,457**	**10,341**
X. प्रति इक्विटी शेयर अर्जनः	X. Earnings per Equity Share :			
(i) बेसिक	(1) Basic		85	118
(ii) डायलूटेड	(2) Diluted		85	118
महत्त्वपूर्ण लेखा नीतियां	Significant Accounting Policies	1		

संलग्न टिप्पणियां 1 से 47 वित्तीय विवरण के अभिन्न अंग हैं। The accompanying notes numbering 1 to 47 are an integral part of the Financial Statements.
यह लाभ एवं हानि विवरण तारीख के हमारे प्रतिवेदन के संदर्भ में है। This is the Profit & Loss Statement referred to in our report of even date.

कृते एमएसटीसी लिमिटेड For MSTC Limited

कृते राय एंड कं.
सनदी लेखापाल
पंजीकरण सं. 313124ई

सीए एस पी बसु
साझेदार
एम नं. 050209

तारीख : 03.08.2016
स्थान : कोलकाता

For Ray & Co.
Chartered Accountants
Regn. No. 313124E

CA S P. Basu
Partner
M no. 050209

Dated : 03.08.2016
Place : Kolkata

(बी.बी. सिंह)
अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक
(B. B. Singh)
Chairman-cum-Managing Director

(आर के चौधुरी)
महाप्रबंधक (वित्त एवं लेखा)
(R. K. Chaudhuri)
General Manager (Finance & Accounts)

(ए के बासु)
निदेशक (वित्त)
(A. K. Basu)
Director (Finance)

(सुब्रत कुमार राय)
कंपनी सचिव
(Subrata Kumar Ray)
Company Secretary

1. समेकित खातों पर महत्त्वपूर्ण लेखा नीतियां

1.1 समेकित विवरण की तैयारी का आधार

क) कंपनी का यह समेकित वित्तीय विवरण कंपनी अधिनियम, 2013 के संबंधित प्रावधानों के अधीन निर्दिष्ट लेखा मानकों के साथ भारत में साधारण रूप से स्वीकृत लेखा नीतियों (जीएएपी) के अनुसार तैयार किया गया है।

ख) समेकित वित्तीय विवरण एमएसटीसी लिमिटेड (कंपनी) तथा फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड, इसकी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायिकी कंपनी से संबंधित है। समेकित वित्तीय विवरण निम्नलिखित आधार पर तैयार किया गया है :

क) लेखा मानक (एएस) 21 - समेकित वित्तीय विवरण के अनुसार कंपनी एवं इसकी सहायिकी का वित्तीय विवरण लाइन-बाई-लाइन आधार पर संयुक्त रूप से तैयार किया गया है, इसमें आस्तियों, देयताओं, आय एवं व्यय, अंतः-समूह शेष तथा अंतः-समूह लेनदेनों को पूरी तरह से समाप्त कर जैसे मदों के खाता मूल्यों को एक साथ संयोजन किया गया है।

ख) सहायिकियों में शेयर अधिग्रहण के समय निवल आस्तियों पर सहायिकी में निवेश की लागत के बीच के अंतर को स्थिति के अनुसार वित्तीय विवरण में साख अथवा पूंजी आरक्षित के रूप में दिखाया गया है।

ग) जहां तक संभव हो सका है, समान लेनदेनों तथा समतुल्य परिस्थितियों में अन्य मुद्दों के लिए एक समरूप लेखा नीतियों का इस्तेमाल कर समेकित वित्तीय विवरण तैयार किया गया है एवं कंपनी के पृथक वित्तीय विवरण के जैसा ही उसी प्रारूप में प्रस्तुत किया गया है।

1.2 लेखा की तैयारी का आधार

समूह अपना खाता कंपनी अधिनियम, 2013 के प्रावधानों तथा कंपनी अधिनियम, 2013 के संबंधित प्रावधानों के अधीन निर्दिष्ट लेखा मानकों के अनुसार साधारण रूप से स्वीकृत लेखा नीतियों (जीएएपी) के अनुसार रखरखाव करता है।

1.2 आंकलन का उपयोग

वित्तीय विवरणों की तैयारी के लिए जरूरत है कंपनी के प्रबंधन द्वारा किए गए आंकलन एवं अनुमानों, जो वित्तीय विवरण की तिथि को आस्तियों और देयताओं के उल्लिखित राशि को तथा रिपोर्टिंग अवधि के दौरान राजस्व एवं व्यय की उल्लिखित राशि को प्रभावित करता है। वास्तिवक परिणाम एवं आंकलन के अंतर, यदि कोई हो, को उसी अवधि में स्वीकृत किया गया है, जिस अवधि में वह ज्ञात/कार्यान्वित हुआ है।

1.3 आस्तियां एवं मूल्यह्रास

स्थाई आस्तियों को क्रय मूल्य से संचित मूल्यह्रास तथा नुकसान, यदि है, को घटाकर संशोधित मूल्य समायोजित कर/केंद्रीय मूल्य योजित कर के निवल लागत पर दिखाया गया है।

1. SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES ON CONSOLIDATED ACCOUNTS

1.1 BASIS OF PREPARATION OF CONSOLIDATED STATEMENTS

A)These consolidated financial statements have been prepared to comply with the Generally Accepted Accounting Principles in India (Indian GAAP), including the Accounting Standards notified under the relevant provisions of the Companies Act, 2013.

B)The consolidated financial statements relate to MSTC Limited ('the Company') and Ferro Scrap Nigam Limited its wholly owned Subsidiary Company. The consolidated financial statements have been prepared on the following basis:

a) The financial statements of the Company and its subsidiary company are combined on a line-by-line basis by adding together the book values of like items of assets, liabilities, income and expenses, after fully eliminating intra-group balances and intra-group transactions in accordance with Accounting Standard (AS) 21 - "Consolidated Financial Statements"

b) The difference between the cost of investment in the subsidiary, over the net assets at the time of acquisition of shares in the subsidiaries is recognised in the financial statements as Goodwill or Capital Reserve, as the case may be.

c) As far as possible, the consolidated financial statements are prepared using uniform accounting policies for like transactions and other events in similar circumstances and are presented in the same manner as the Company's separate financial statements.

1.2 BASIS OF ACCOUNTING

The Group maintains its accounts on accrual basis following the historical cost convention in accordance with generally accepted accounting principles ["GAAP"], in compliance with the provisions of the Companies Act' 2013 and the Accounting Standards as specified under the relevant provisions of the Companies Act' 2013.

1.2 USE OF ESTIMATES

The preparation of financial statements requires estimates and assumptions to be made that affect the reported amount of assets and liabilities on the date of the financial statements and the reported amount of revenues and expenses during the reporting period. The difference between the actual results and estimates, if any are recognised in the period in which the results are known / materialised.

1.3 ASSETS AND DEPRECIATION

Fixed Assets are stated at cost net of eligible modvat / cenvat less accumulated depreciation and impairments, if any.

लीज पर ली गई जमीन लीज अवधि में परिशोधित है।

सॉफ्टवेयर को, जहां यह संभावित है कि वह भविष्य में आर्थिक लाभ देगा, पूंजी में परिणत किया गया है तथा उसे अमूर्त आस्तियां के रूप में दिखाया गया है।

स्थाई आस्तियों पर मूल्यह्रास का प्रावधान कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची II में निर्धारित प्रारूप में सीधे तौर-तरीके पर किया गया है। तथापि, सहायिकी कंपनी के मामले में नीचे उल्लेखित आस्तियों की श्रेणी के लिए मूल्यह्रास तकनीकी रूप से आंकलित अनुमानित इस्तेमाल के योग्य जीवन काल के आधार पर सुनिश्चित एवं प्रभारित किया गया है।

हॉट स्लैग के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले संयंत्र एवं मशीनरी -	5 वर्ष
डोजर -	7 वर्ष
एक्सकेवटर 1.2 से 5 घन मी -	7 वर्ष
क्रेन -	15 वर्ष
मैग्नेटिक सेपरेटर -	15 वर्ष

उपरोक्त-9 में उल्लेखित आस्तियों को छोड़कर "संयंत्र एवं मशीनरी" के अधीन सभी आस्तियाँ - 19 वर्ष।

रु. 5 हजार से कम मूल्य की आस्तियां - सौ प्रतिशत।

सौर संयंत्र - 10 वर्ष।

अमूर्त आस्ति के रूप में वर्गीकृत कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर - 6 वर्ष।

सहायिकी के मामले में :

(i) पूंजी जारी कार्य को लागत पर मूल्यांकित किया गया है एवं उसमें पारगमन में उपकरण तथा स्थाई आस्तियों जो निर्दिष्ट तिथि को अपने इच्छुक प्रयोग के लिए अब तक तैयार नहीं है की लागत शामिल है। रद्दी/व्यर्थ स्थाई आस्तियों का मूल्यांकन शुद्ध खाता मूल्य तथा अनुमानित शुद्ध प्राप्य मूल्य से कम किया गया है।

(ii) निपटाने के लिए प्रतीक्षारत स्थाई आस्तियों को "अन्य गैर-चालू आस्तियों" के अधीन उनके शुद्ध अवलेखित मूल्य पर वर्गीकृत किया गया है, चूंकि संबंधित आस्तियों को सामान्य नियमित परिचालन के लिए पहले ही हटा दिया गया है एवं सिर्फ बिक्री/नीलामी के लिए रखा गया है। इसके अलावा, प्रबंधन को कथित आस्तियों के किसी भी अंश के प्रति यह संभावना है कि तुलन पत्र की तारीख के एक वर्ष के अंदर निपटान करना होगा, उसे चालू आस्तियों के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

1.4 निवेश

जो निवेश एक वर्ष से अधिक के लिए हैं/किए जाने हैं, उन्हें दीर्घकालीन निवेश माना जाता है। निवेशों की गणना लागत के अनुसार की जाती है। लाभ-हानि को केवल बिक्री के वक्त आय/खर्च के रूप में जोड़ा जाता है। वर्तमान निवेश की लागत कम आंका जाता है तथा उचित मूल्य का निर्धारण व्यक्तिगत निवेश के आधार पर किया जाता है।

1.5 स्टॉक

मार्गस्थ सामान सहित व्यापारगत स्टॉक की मूल्य गणना उसके लागत मूल्य या अनुमानित शुद्ध प्राप्य कीमत, दोनों में जो भी कम हो, के आधार पर की जाती है। सहायिकी कंपनी के मामले में :

i) स्टॉक मदों, जो तीन वर्षों से अधिक समय से अविचल है को स्थिर

Leasehold land is amortised over the lease period.

Software is capitalized where it is expected to provide future enduring economic benefits and same is shown under Intangible Assets.

Depreciation on fixed assets has been provided on Straight-line method in the manner prescribed in Schedule II of Companies Act 2013. However in case of subsidiary, for the following class of assets depreciation has been determined and charged on the basis of technically assessed estimated useful life.

Plant and Machinery used for hot slag handling	- 5 Years
Dozer	- 7 Years
Excavators 1.2 to 5 Cum	- 7 Years
Cranes	- 15 Years
Magnetic Separators	- 15 Years

All assets under " Plant and Machinery " except assets mentioned above - 9.19 Years

Assets with value less than Rs. 5 Thousand - Hundred percent.

Solar Plant - 10 Years

Computer Software classified as Intangible Asset - 6 Years without any residual value.

In case of subsidiary :

(i) Capital Work-in-Progress is valued at cost and includes equipment in transit and the cost of fixed assets that are not yet ready for their intended use at the reporting date. The Scraped/redundant fixed assets are valued at lower of the net book value and estimated net realizable value.

(ii) Fixed Assets Awaiting Disposal" is classified under "Other non-current Assets" at their net written down value since these assets have already been retired from normal continuing operations and is held only for sale/ auction. Further, where the management expects that any part of said asset is likely to be disposed off within one year on the Balance Sheet date, the same are classified as current assets.

1.4 INVESTMENTS

Investments held / intended to be held for a period exceeding one year are classified as long term investments and the same are stated at cost. Gains / losses on long term investments are considered as income/expenditure at the time of sale only. Current investments are stated at lower of cost and fair value determined on an individual investment basis.

1.5 INVENTORIES

Stock in trade including Material-in-transit is valued at cost or estimated net realisable value whichever is less. In case of subsidiary

(i) The inventory items, which have not moved for more

स्टॉक के रूप में दिखाया गया है। इन्हें लागत पर मूल्यांकित किया गया है एवं वर्ष 2001-2002 से प्रत्येक वर्ष लागत पर दस प्रतिशत कटौती की गई है।

ii) रद्द/व्यर्थ भंडार मदों का मूल्यांकन लागत अथवा अनुमानित कुल प्राप्त मूल्य, जो कम है, के आधार पर किया गया है।

1.6 राजस्व गणना

राजस्व की गणना संग्रहण आधार पर किया जाता है, सिर्फ नीचे उल्लिखित मदों को छोड़कर जो वास्तविक वसूली पर लेखांकित किया जाता है। चूंकि आईसीएआई द्वारा जारी एएस-9 के प्रावधान के अनुसार इन मदों की वसूली अनिश्चित है।

i) निष्पादित/विवादित बकाया एवं उस पर ब्याज, यदि कोई है, के लिए निर्णय लंबित है।

ii) अतिशोध्य वसूलीयोग्य रकम पर ब्याज, जिसकी वसूली संदिग्ध है।

iii) आपूर्तिकर्त्ताओं अथवा ठेकेदारों पर परिसमाप्त क्षति।

iv) आयकर/विक्रय कर/वैट तथा उस पर ब्याज की वापसी।

v) बीमा कंपनी द्वारा स्वीकार किए जाने पर बीमा दावे को लेखा में शामिल किया जाता है।

vi) लाभांश प्राप्ति का अधिकार प्राप्त होने पर लाभांश आय की गणना की जाती है।

क्रय

i) आयातित सामग्री को लदान-बिल की तारीख के आधार पर क्रय के रूप में लेखा में शामिल किया जाता है। जहां तक मूल्य का संबंध है, की गई खरीद को वास्तविक प्रेषण के आधार एवं जहां इस तरह का प्रेषण वित्त वर्ष के अंत तक नहीं हुआ हो, पर माल बुक किया गया हो वहां पहले से तय एफईडीएआई स्पॉट विनिमय दरों या अगर अग्रेषण पत्र नहीं लिया गया हो तो वित्त वर्ष के आखिरी दिन को लागू तत्कालीन विनिमय दरों पर, यथास्थिति, लेखा में सी एंड एफ/सीआईएफ के साथ दर्ज किया जाता है एवं तत्पश्चात अंतिम समायोजन अगले वित्त वर्ष में वास्तविक भुगतान पर किया जाता है।

ii) स्वदेशी सामग्री के मामले में, खरीददारी को परिवहन दस्तावेज के आधार पर लेखा में डाला जाता है। जहां तक मूल्य का संबंध है, चालानों पर अंकित मूल्य को ही खरीद मूल्य माना जाता है।

(2) विक्रय

i) हाई-सी बिक्री को हाई-सी विक्रय पत्र निर्गत होने की तारीख के आधार पर लेखे में बुक किया जाता है। जहां तक लागत का संबंध है, यदि माल बुक किया गया हो तो, पहले से तय एफईडीएआई स्पॉट विनिमय दरों पर या अंनतिम रूप से बुक किया गया हो तो वित्त वर्ष के समापन की तारीख पर प्रचलित उपलब्ध विनिमय दरों पर, जहां अग्रेषण पत्र नहीं लिया गया है, मूल्य की गणना सी एंड एफ/सीआईएफ के साथ की जाती है तथा अंतिम समायोजन अगले वित्त वर्ष में भुगतान की तय तारीख पर कर दिया जाता है।

than three years, are considered as nonmoving inventory. These are valued at cost reduced by ten percent of cost every year from the year 2001-2002.

(ii) The scraped /redundant stores items are valued at cost or estimated net realizable value whichever is lower.

1.6 REVENUE RECOGNITION

Revenue is recognized on accrual basis except in the following items which are accounted on actual realization since realisibility of such items is uncertain in accordance with the provisions of AS-9 issued by ICAI.

i) Decrees pending for execution/contested dues and interest thereon, if any.

ii) Interest on overdue recoverables where realisability is uncertain.

iii) Liquidated damages on suppliers or contractors.

iv) Refund of Income-Tax/Sales Tax/VAT and interest thereon.

v) Insurance claims are accounted for on being accepted by the Insurance Company.

vi) Dividend income is recognized when right to receive dividend is established

PURCHASES

i) Imported materials are accounted for as purchase on the basis of date of bill of lading. As regards value, purchase are booked on the basis of actual remittance and where such remittances are outstanding at the close of the year, on the basis of contracted forward exchange rates, if booked, or FEDAI spot exchange rates prevailing on the last date of the financial year, in case forward cover was not taken, as the case may be, which includes C&F / CIF price and usuance interest followed by final adjustments on actual payment in subsequent financial year.

ii) In case of indigenous materials, purchases are booked on the basis of transport documents and as regards value, based on the value of invoices.

SALES

i) High sea sales are booked on the basis of date of issuance of high sea sale letter. As regards value, sales are booked either at contracted forward exchange rates, if booked, or provisionally on the basis of FEDAI spot exchange rates prevailing on the last date of the financial year, where forward cover was not taken, which includes C&F / CIF price, usuance interest followed by final adjustment on due date of payment in subsequent financial year.

ii) स्वदेशी सामग्री के मामले में, बिक्री को परिवहन दस्तावेज के आधार पर लेखा में डाला जाता है। जहां तक मूल्य का संबंध है, चालानों पर अंकित मूल्य के आधार पर लेखा में शामिल किया जाता है। डोर डिलीवरी पर बिक्री के मामले में बिक्री के चालान तिथियों पर बिक्री को लेखा में शामिल किया जाता है।

iii) निर्यात के मामले में बिक्री को शिपमेंट की तारीख के आधार पर लेखा दर्ज किया जाता है। जहां तक मूल्यों का संबंध है, बिक्री या तयशुदा अग्रेषण विनिमय दरों पर यदि बुक की गई है, या माल की निकासी दस्तावेज के अनुसार शिपमेंट की तारीख पर एफईडीएआई दरों में निर्यात के वास्तविक वसूली पर अंतिम समायोजन के बाद लेखे में लिया जाता है।

सेवा शुल्क

फेसिलिटेटर मोड के माध्यम से विपणन विभाग में लेनदेन के लिए, प्रिंसिपलों की ओर से नीलामी, निविदा या अन्य विधियों से बिक्री/ अधिप्राप्ति कार्य करने के वास्ते प्राप्त पारिश्रमिक को सेवा-शुल्क के रूप में लेखा में लिया जाता है।

(क) सेवा शुल्क को तयशुदा दरों पर आय के रूप में निम्नलिखित रूप से लेखा में शामिल किया जाता हैः

i) सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, रक्षा एवं अन्य सरकारी विभागों की ओर से की गई निविदा/नीलामी-बिक्री के मामले में, बिक्री आदेशों/ डिलीवरी आदेशों के जारी होने पर।

(ii) ई-विक्रय की संतोषजनक समाप्ति पर।

उपरोक्त (i) एवं (ii) के संबंध में ऑक्शन के बोली मूल्य पर सेवा शुल्क लेखे में लिया जाता है समायोजन के साथ, अगर है, प्रिंसिपल द्वारा वास्तविक प्रेषण के आधार पर।

(iii) कार्यक्रम होने पर, अगर कार्यक्रम के आधार पर सेवा संविदा है।

(iv) ई-प्रोक्योरमेंट के मामले में सेवा शुल्क निम्न रूप में गणना की जाती हैः

पुराने संस्करण में, कार्यक्रम सम्पूर्ण होने पर, प्रिंसिपल से सेवा शुल्क संग्रहणीय है तथा नए संस्करण में बोलीदाताओं से प्राप्त रसीद पर लेन देन शुल्क लेखादेय है।

(ख) कार्यक्रम के सफलतापूर्वक संचालन पर ई प्रोक्योरमेंट लेनदेन शुल्क गणना की जाती है।

(ग) मध्यस्थ के रूप में क्रय से प्राप्त सेवा शुल्क को तयशुदा दर पर लदान बिल की/रेलवे रसीद/लॉरी रसीद की तारीख के आधार पर, यथा स्थिति, लेखा में लिया जाता है। आयातित सामग्री के लिए मूल्य-निर्धारण या तो अग्रेषण आवरणपत्र में अंकित दर या वित्तीय वर्ष के अंतिम तारीख को प्रचलित एफईडीएआई स्पॉट दर पर किया जाता है। अंतिम समायोजन वास्तविक भुगतान के आधार पर किया जाता है। स्वदेशी सामान के मामले में, मूल्य निर्धारण तयशुदा दर पर किए गए वास्तविक भुगतान के आधार पर किया जाता है।

(घ) सहायिकी कंपनी के मामले में सेवा शुल्क संबंधित इस्पात संयंत्रों द्वारा प्रस्तावित/उनके साथ तय दरों पर कंपनी द्वारा रद्दी की बिक्री तथा विविध कार्यों के लिए अर्जित आय को दर्शाता है।

ई-नीलामी पंजीकरण

ई-नीलामी पंजीकरण के लिए क्रेताओं से पंजीकरण शुल्क लिया जाता है। अगर पंजीयन की वैधता एक वर्ष के लिए है तो इसे चालू वर्ष की आय के रूप में माना जाता है। अगर पंजीकरण आजीवन अवधि के

ii) In case of indigenous material, sales are accounted for on the basis of date of transport documents and as regards value, based on the value of invoices. In case of sale on door delivery basis sales are booked on sales invoice dates.

iii) In case of export, sales are accounted for on the basis of date of shipment. As regards value, sales are booked either at contracted forward exchange rates, if booked, or at the FEDAI rate on the date of shipment as per custom clearance document, followed by final adjustment on actual realization of export proceeds.

SERVICE CHARGES

Remuneration for transaction in Marketing Department through facilitator mode and for conducting sales/procurement on behalf of Principals, by way of auctions, tenders, or any other means, are accounted for as service charges.

(a) Service charges are accounted for as income at contracted rates on :

i) Tender/Auction sale on behalf of Public Sector Undertakings, Defence and other Government Departments on issuance of sale orders / delivery orders.

ii) On satisfactory completion of e-sales.

In respect of (i) & (ii), service charges are accounted for on bid price of auction with adjustments, if any, on the basis of actual delivery by the Principals.

iii) On occurrence of event, in case of service contract on event basis.

iv) In case of E Procurement Service charges are booked:

In old version where service charges are collectable from the Principal, on completion of event, and in the new version, transaction fees are accountable on receipt from the bidders.

(b) E Procurement transaction fees are accounted on successful conduct of event.

(c) Service charges accrued in respect of purchase as facilitator are accounted for at the contracted rate on the basis of date of bill of lading / railway receipt / lorry receipt as the case may be. For imported materials, value is ascertained either at forward cover rate or at FEDAI spot rate prevailing on the last date of the Financial Year. Final adjustment is made on actual payment. In case of indigenous materials, value is ascertained on the basis of actual payment at contracted rate.

(d) In case of subsidiary service charges represent the income earned for processing of scrap and miscellaneous jobs done by the Company at the rates agreed with / offered to the respective Steel Plants.

E-AUCTION REGISTRATION :

E-auction Registration fees collected from buyers is considered as income of the current year if the validity of registration is upto one year. In case of lifelong registration,

लिए है तो पंजीयन शुल्क की प्राप्त राशि को समान रूप से पांच वर्षों में बांट दिया जाता है।

1.7 आय पर कर

i) आयकर अधिनियम, 1961 के प्रावधानों के अनुसार गणना किए गए कर योग्य आय के आधार पर चालू कर निर्धारित किया जाता है।

ii) आस्थिगत कर की स्वीकृति निर्भर करता है, समय के अंतर के विवेचना से एक ही अवधि के कर योग्य आय और लेखा आय के भेद पर एवं एक या अधिक अवधि में पलटने में सक्षम है।

iii) आस्थिगत कर आस्तियों को आगे ले जाने वाली रकम की समीक्षा प्रत्येक तुलन पत्र तिथि को की जाती है।

1.8 पूर्व-अवधि समायोजन

भारत के सनदी लेखापाल संस्थान द्वारा जारी एएस-5 के प्रावधानों के अनुसार पूर्व वर्ष से संबंधित आय और व्यय को "पूर्व-अवधि समायोजन लेखा" शीर्षक के अधीन लेखा में लिया गया है। सहायिकी कंपनी के मामले में प्रत्येक स्थिति में रकम दस हजार रूपये से कम रहने पर उसे इस नीति से दूर रखा जाता है।

1.9 प्रावधान एवं आकस्मिक देयताएं

मात्रा के आंकलन का पर्याप्त डिग्री जिसे तब रेखांकित किया गया है जब वर्तमान दायित्व गत घटना का परिणाम है, को प्रावधान में शामिल किया गया है एवं संभव है कि संसाधन का बहिर्प्रवाह होगा एवं दायित्व राशि के आधार पर एक विश्वसनीय आंकलन किया जा सके। इन सबों पर पुनर्विचार प्रत्येक तुलन-पत्र की तारीख पर किया गया है और वर्तमान उचित आंकलन के सामने इसका समायोजन किया गया है। प्रबंधन/स्वतंत्र विशेषज्ञ के निर्णय के आधार पर आकस्मिक देयताओं का निर्णय किया जाता है। इन सबों पर प्रत्येक तुलन-पत्र की तारीख पर विचार किया गया और प्रबंधन के वर्तमान आंकलन के सामने समायोजन किया गया।

1.10 संदिग्ध ऋणों/अग्रिमों के लिए प्रावधान

साधारण तौर पर, बकाया राशि की अवधि की अपेक्षा किए बिना जहां पर वसूली की अनिश्चितता होती है संदिग्ध ऋणों/अग्रिमों के लिए प्रावधान किया जाता है।

विपणन ग्राहकों के लिए जहां पर बकाया राशि को साधारणतः बंधक स्टॉक द्वारा सुरक्षित किया जाता है, वहां उनकी वसूली के मद्देनजर प्रत्येक वित्तीय वर्ष के अंत में बकाया शेष राशि की वार्षिक समीक्षा की जाती है एवं तदनुसार खाते में पर्याप्त प्रावधान किया जाता है।

ई-कॉमर्स ग्राहकों के लिए जिसमें मुख्य रूप से सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम तथा सरकारी विभाग शामिल होते हैं, जहां वसूली में साधारणतः अधिक समय लगता है। यद्यपि डिलीवरी आर्डरों के जारी होने पर बिल जमा किया जाता है परंतु वास्तविक रूप से डिलीवरी के समापन होने पर भुगतान किया जाता है। इस तरह के देनदारों के लिए तीन वर्षों से अधिक समय के बकाया के लिए पूरा प्रावधान किया जाता है जब तक न रकम को वसूली योग्य माना जाता है।

1.11 कर्मचारी का लाभ

लघु अवधि लाभ

लघु अवधि कर्मचारी हित का लेखा उनके छूट रहित राशि के लिए उस वर्ष में ही किया जाता है, जिस वर्ष में सेवाएं प्रदान की गई हैं।

the amount so collected is distributed in five years equally.

1.7 TAXES ON INCOME

i) Current tax is determined on the basis of taxable income computed in accordance with the provisions of the Income Tax Act, 1961.

ii) Deferred tax is recognized on timing differences between taxable and accounting income/expenditure that originates in one period and are capable of reversal in one or more subsequent period(s).

iii) The Carrying amount of Deferred tax assets are reviewed at each balance Sheet date.

1.8 PRIOR PERIOD ADJUSTMENT

Expenditure/Income relating to previous year is shown in the accounts under the head " Prior period adjustment account" as per the provisions of AS-5 issued by the Institute of Chartered Accountants of India. In case of subsidiary amount less than rupees ten thousand in each case is kept out of this policy.

1.9 PROVISIONS AND CONTINGENT LIABILITIES

Provisions involving substantial degree of estimation in measurement are recognized when there is a present obligation as a result of past events and it is probable that there will be an outflow of resources and a reliable estimate can be made of the amount of the obligation. These are reviewed at each balance sheet date and adjusted to reflect the current best estimate. Contingent liabilities, if material, are disclosed by way of notes. These are reviewed at each balance sheet date and are adjusted to reflect the current estimate of management.

1.10 PROVISIONS FOR DOUBTFUL DEBTS/ADVANCES

In general, provision for doubtful debts/advances is made where there is uncertainty of realization irrespective of the period of its dues.

For Marketing customers where dues are generally secured by pledged stock, outstanding balances are reviewed annually towards the end of each financial year with respect to their realisability and accordingly adequate provisions are made in the books.

For E-Commerce customers which mainly comprise of public sector undertakings and Govt. departments, the realization normally takes more time, although bills are raised on issuing delivery orders but payments are made on completion of actual delivery. For such debtors outstanding over three years full provision is made unless the amount is considered recoverable.

1.11 EMPLOYEE BENEFITS

Short term benefits

Short term employee benefits are accounted for at their undiscounted amount in the accounting period in which the services are rendered.

क) **भविष्य निधि**

भविष्य निधि का संचालन आयकर प्राधिकारी द्वारा मान्यताप्राप्त न्यास द्वारा किया जाता है तथा इस निधि के लिए अंशदान को राजस्व के रूप में लिया जाता है। पेंशनभोगियों के लिए लाभ को कर्मचारी पेंशन योजना 1995 के जरिए सुरक्षित रखा गया है।

(ख) **सेवा ग्रेच्युटी**

सेवा ग्रेच्युटी खाते के तहत देयताएं भारतीय जीवन बीमा निगम की ग्रुप ग्रेच्युटी लाइफ एश्योरेंस स्कीम के तहत रक्षित की गई है तथा कंपनी द्वारा इस उद्देश्य के लिए गठित एक पृथक स्थिर न्यास द्वारा संचालित किया जाता है। इस स्कीम के लिए अंशदान राजस्व के लिए प्रभारित किया गया है।

(ग) **अवकाश प्राप्त चिकित्सा लाभ :**

अस्पताल में दाखिला इस उद्देश्य के लिए गठित एक न्यास द्वारा परिचालित की जाती है। न्यास का प्रबंधन कंपनी द्वारा एक प्रदत्त कॉरपस फंड द्वारा किया जाता है।

अवकाश प्राप्ति के पश्चात डोमिसिलीयरी चिकित्सा के लिए रकम की प्रतिपूर्ति उक्त न्यास द्वारा समय-समय पर निर्धारित अधिकार के अनुसार की जाती है। यदि कोई कमी होती है तो कम्पनी द्वारा प्रतिपूर्ति किया जाता है।

सहायिकी के मामले में बीमांकित मूल्यांकन के आधार पर प्रावधान किया गया है।

(घ) अवकाश प्राप्ति पर छुट्टियों का नकदीकरण भारतीय जीवन बीमा निगम के ग्रुप लीव इंकैशमेंट स्कीम पॉलिसी के तहत रक्षित है। सहायिकी के मामले में वर्ष के अंत में बीमांकित मूल्यांकन के आधार पर प्रावधान किया गया है तथा बीमांकित लाभ/हानि के साथ लाभ एवं हानि खाते में प्रभारित किया गया है।

(ङ) सहायिकी कंपनी के मामले में, कर्मचारी परिवार लाभ योजना के अधीन विकलांग कर्मचारी/मृत कर्मचारियों के संविधिक उत्तराधिकारियों को भावी भुगतान, दीर्घायु सेवा पुरस्कार एवं अन्य सेवानिवृत्ति के उपरांत निपटान लाभ का प्रावधान वर्ष के अंत में बीमांकित मूल्य के आधार पर किया जाता है तथा बीमांकित लाभ/हानि के साथ लाभ एवं हानि खाते में प्रभारित किया गया है।

1.12 संपत्तियों की हानि

आय स्रोत इकाइयों/संपत्तियों की लागत पर हानि का निर्धारण एवं सुनिश्चित तभी किया जाता है कि जब प्राप्त राशि की तुलना में मूल लागत अधिक हो। इस हानि को संबंधित वर्ष के लाभ एवं हानि खाते में दिखाया जाता है, जिस वर्ष में हानि के रूप में संपत्ति को चिन्हित किया गया हो।

सहायिकी कंपनी के मामले में, पूर्ववर्ती वर्षों में, निर्धारित हानि की राशि, यदि कोई हो, को उलट कर दिया जाता है, जब यह संकेत हो कि सम्पत्ति की ज्ञात हानियां अब आगे नहीं होगी अथवा कम हो जाएगी। हालांकि, सम्पत्ति की हानि को उलटने के चलते सम्पत्ति को आगे ले जाने वाली रकम में वृद्धि को उस सीमा तक अनुमोदित किया जाता है, जो निर्धारित (शुद्ध मूल्यह्रास) आगे ले जाने वाली रकम से अधिक न हो एवं पूर्व वर्षों में सम्पत्ति के लिए कोई भी सम्पत्ति की हानि न हो।

a) Provident Fund :

Provident Fund is administered by a Trust recognized by Income Tax Authorities and contribution to this Fund is charged to revenue. Pensioners Benefits are secured through Employees' Pension Scheme 1995.

(b) Service Gratuity :

Liability on account of service gratuity is covered under Group Gratuity Life Assurance Scheme of Life Insurance Corporation of India and is administered through a separate irrevocable trust created by the Company for this purpose. Contribution to the scheme is charged to revenue.

(c) Post Retirement medical benefit :

Hospitalization is covered by Insurance Policy administered by a trust formed for the purpose. The trust is managed with the corpus funded once by the Company.

Medical expenses on account of post retirement domiciliary treatment are reimbursed by the said trust as per entitlement fixed from time to time. The deficit if any is being reimbursed by the Company.

In case of subsidiary the provision is made based on actuarial valuation.

(d) Leave Encashment on retirement are covered by Group Leave Encashment Scheme Policy of Life Insurance Corporation of India. In case of subsidiary the provision is made based on actuarial valuation, as at the end of the year and charged to the profit and loss account along with actuarial gains/losses.

(e) In case of subsidiary the provision towards, future payments to the disabled employee/ legal heirs of deceased employees under the Employees Family Benefit Scheme, long term service award and other post retirement settlement benefits, are made based on the actuarial valuation as at the end of the year and charged to the profit and loss account along with actuarial gains/losses.

1.12 IMPAIRMENT OF ASSETS

Impairment of cash generating units / assets is ascertained and considered where the carrying cost exceeds the recoverable amount being the higher of net realisable amount and value in use. An impairment loss is charged to the profit & loss account in the year in which an asset is identified as impaired.

In case of subsidiary, impairment losses recognized in prior years, if any,are reversed when there is an indication that the recognized impairment losses for the asset, no longer exist or have decreased. However, the increase in carrying amount of an asset due to reversal of an impairment loss is recognized to the extent it does not exceed the carrying amount that would have been determined (net of depreciation) had no impairment loss been recognized for the asset in prior years.

1.13 विदेशी मुद्रा अंतरण

विदेशी मुद्रा में लेनदेन को या तो अग्रिम बुकिंग दर या हाजिर दर के अनुसार लेखे में लिया जाता है, एवं जहां वर्ष के समापन के वक्त ऐसी रकम (वसूली योग्य बकाया राशि जिसकी वसूली संदिग्ध है को छोड़कर) बकाया है वहां तयशुदा अग्रिम विनिमय दरों पर या फिर वित्त वर्ष की आखिरी तारीख को प्रचलित हाजिर विनिमय दरों के आधार पर, यथास्थिति, लेखा में लिया जाता है, अगले वर्ष में वास्तविक भुगतान के समायोजन के साथ। निर्यात के मामले में विदेशी मुद्रा में लेनदेन को अग्रिम बुकिंग दर के आधार पर अथवा कस्टम के क्लीयरेंस प्रमाणपत्र के अनुसार शिपमेंट की तारीख को हाजिर दर पर रिकॉर्ड किया जाता है और वर्ष के अंत में अगर इस तरह की राशि बकाया है तो अगले वर्ष निर्यात के लिए वास्तविक रूप से मिली राशि का समायोजन किया जाता है।

स्पॉट दर एफईडीएआई दरों पर के अनुसार होती है। ग्राहकों के साथ किए गए अनुबंध के अनुसार विदेशी मुद्रा में उतार-चढ़ाव के कारण होने वाले अंतर का वहन ग्राहकों को करना होगा। विदेशी मुद्रा के लाभ/हानि को कंपनी के खाते में नहीं दिखाया जाता है।

1.14 कर्ज की लागत

(i) अधिग्रहण और विशेष आस्तियों के निर्माण के लिए ली गई निधि का पूंजीकरण उन आस्तियों को इस्तेमाल करने की तिथि तक तथा (ii) अन्य उद्देश्यों से ली गयी निधि से संबंधित ऋण लागत को लाभ एवं हानि लेखा में दिखाया गया है।

1.15 खंडवार रिपोर्टिंग

एएस-17 के तहत कंपनी ने विपणन एवं ई-कॉमर्स को दो मुख्य रिपोर्टेबल व्यवसायिक खंडों के रूप में चिन्हित किया है। इसके अलावा, सहायिकी द्वारा प्रबंधित रद्दी की वसूली एवं संबंधित कार्यों को तीसरा रिपोर्टेबल व्यवसायिक खंड के रूप में चिन्हित किया गया है। इसका कोई भी सेकेंडरी खंड नहीं है।

1.16 प्रति शेयर उपार्जन

मूल प्रति शेयर अर्जन की गणना अवधि के लिए बकाया इक्विटी शेयरों की औसत संख्या द्वारा इक्विटी शेयरधारकों की आरोप्य अवधि के लिए निवल लाभ अथवा हानि को विभाजित कर दिया जाता है।

डाइलूटेड प्रति शेयर उपार्जन की गणना के लिए, अवधि के लिए बकाया इक्विटी शेयरों की औसत संख्या द्वारा इक्विटी शेयरधारकों की आरोप्य अवधि के लिए निवल लाभ अथवा हानि को सभी डाइलूटिव भावी इक्विटी शेयरों के प्रभाव के लिए समाजोयित किया जाता है।

1.13 FOREIGN CURRENCY TRANSLATION

Transaction in foreign currency are recorded either on forward booking rate or on spot rate and where such remittance are outstanding at the close of the year (except for overdue recoverables where realisability is uncertain), on the basis of contracted forward exchange rates or spot exchange rates prevailing on the last date of the financial year, as the case may be, with an adjustment on actual remittance in subsequent year. In case of export, transaction in foreign currency are recorded either on forward booking rate or on spot rate on shipment date as per custom clearance document and where such remittances are outstanding at the close of the year, it is adjusted in the subsequent year on actual realization of export proceeds.

The spot rate is as per FEDAI rates. Wherever foreign exchange fluctuations are to be borne by the customers as per agreement with them, foreign exchange gain/ loss are not recognized in the books of the Company.

1.14 BORROWING COST

Borrowing Cost relating to (i) funds borrowed for acquisition/construction of qualifying assets are capitalized upto the dates the assets are put to use, and (ii) funds borrowed for other purposes are charged to Profit & Loss Account.

1.15 SEGMENT REPORTING

In terms of AS-17 the Company has identified Marketing and E-Commerce as its two Primary Reportable Business Segments .In addition to this the business of recovery of scrap and allied jobs handled by subsidiary has been identified as third reportable business segment. There is no Secondary Segment.

1.16 EARNINGS PER SHARE

Basic earnings per share is computed by dividing net profit or loss for the period attributable to equity shareholders by the weighted average number of equity shares outstanding for the period.

For the purpose of calculating diluted earnings per share, the net profit or loss for the period attributable to equity shareholders and the weighted average number of shares outstanding during the period are adjusted for the effects of all dilutive potential equity shares.

टिप्पणी 2 : शेयर पूंजी

Note 2 : Share Capital

(₹ in Lacs) / (रु. लाख में)

शेयर पूंजी Share Capital		मार्च, 2016 को As at 31 March 2016 संख्या Number	₹	मार्च, 2015 को As at 31 March 2015 संख्या Number	₹
प्राधिकृत	**Authorised**				
प्रत्येक रु. 10/- के इक्विटी शेयर	Equity Shares of ₹10/- each	5,00,00,000	5,000	5,00,00,000	5,000
जारी, अभिदत्त एवं पूर्णतः प्रदत्त	**Issued, Subscribed & fully Paid up**				
प्रत्येक रु. 10/- के इक्विटी शेयर	Equity Shares of ₹ 10/- each	88,00,000	880	88,00,000	880
कुल	**Total**	**88,00,000**	**880**	**88,00,000**	**880**

टिप्पणी 2(ए) : प्रतिवेदित अवधि के आरम्भ और समाप्ति पर बकाया शेयरों की संख्या के मिलान का प्राधिकृत विवरणः

Note 2(a) : Reconciliation of the number of shares outstanding at the beginning and at the end of the reporting period :

विवरण Particulars		मार्च, 2016 को As at 31 March 2016 संख्या Number	₹	मार्च, 2015 को As at 31 March 2015 संख्या Number	₹
वर्ष के आरम्भ में बकाया शेयर	Shares outstanding at the beginning of the year	88,00,000	880	88,00,000	880
वर्ष की समाप्ति पर बकाया शेयर	Shares outstanding at the end of the year	88,00,000	880	88,00,000	880

टिप्पणी 2 (बी) : कंपनी में केवल एक ही श्रेणी का सामान्य शेयर (ईक्विटी शेयर) है। सामान्य शेयर (ईक्विटी शेयर) के प्रत्येक धारक प्रति शेयर के लिए एक वोट के हकदार और लाभांश के हकदार हैं तथा बंद किए जाने की स्थिति में अधिशेष यदि है, के भागीदार हैं।

Note 2(b) : The Company has only one class of ordinary shares ('Equity Shares'). Each holder of ordinary shares ('Equity Shareholders') is entitled to one vote per share and are entitled to dividend and to participate in surplus, if any, in the event of winding up.

टिप्पणी 2 (सी) : कंपनी के शेयरों की कुल मात्रा का 5 प्रतिशत से ज्यादा शेयर रखने वाले शेयर धारकः

Note 2(c) : Shares in the company held by each shareholder holding more than 5 percent shares:

शेयरधारक का नाम Name of Shareholder		मार्च, 2016 को As at 31 March 2016 धारित शेयरों की संख्या No. of Shares held	धारण का % प्रतिशत % of Holding	मार्च, 2015 को As at 31 March 2015 धारित शेयरों की संख्या No. of Shares held	धारण का % प्रतिशत % of Holding
भारत के राष्ट्रपति	President of India	79,06,400	89.85%	79,06,400	89.85%

टिप्पणी 2(डी) : वर्ष 2012-13 के दौरान 3:1 के अनुपात में 66,00,000 बोनस शेयरों को जारी किया गया।

Note 2(d) : 66,00,000 bonus shares has been issued during Financial Year 2012-13 in the ratio of 3:1.

टिप्पणी 3 : आरक्षित एवं अधिशेष :

Note 3 : Reserves and Surplus :

(रु. लाख में)/(₹ in Lacs)

विवरण	Particulars	31 मार्च 31 March 2016	31 मार्च 31 March 2015
ए. सामान्य आरक्षित	**a. Capital Reserve**		
आरम्भिक जमा	Opening Balance	3,416	3,416
अंतिम शेष	Closing Balance	**3,416**	**3,416**
बी. सामान्य आरक्षित	**b. General Reserve**		
आरम्भिक जमा	Opening Balance	79504	71518
(+) वर्तमान वर्ष का अंतरण	(+) Current Year Transfer	5157	8079
(-) आस्तियों पर शेष मूल्यह्रास जिनका उपयोगी जीवन कालन दिनांक 1.4.14 को समाप्त हो गया	(-) Balance depreciation on assets whose useful life is over as on 1.4.14	0	93
(+) रिटेन बैक डीडीटी के लिए अतिरिक्त प्रावधान	(+) Excess provision for DDT written back	8	0
अंतिम शेष	**Closing Balance**	**84669**	**79504**
सी. अधिशेष	**c. Surplus**		
आरम्भिक जमा	Opening balance	0	1
चालू वर्ष के लिए (+) शुद्ध लाभ/शुद्ध हानि	(+) Net Profit/(Net Loss) For the current year	7457	10341
(-) प्रस्तावित लाभांश	(-) Proposed Dividends	1804	1822
(-) लाभांश वितरण कर	(-) Dividend Distribution Tax	496	440
(-) आरक्षित में अंतरण	(-) Transfer to Reserves	5157	8079
अंतिम शेष	Closing Balance	**0**	**0**
कुल	**Total**	**88085**	**82920**

टिप्पणी 4: अन्य दीर्घावधि देयताएं :

Note 4 : Other Long Term Liabilities:

विवरण	Particulars	31 मार्च 31 March 2016	31 मार्च 31 March 2015
(ए) व्यापारगत देय	(a) Trade Payable	2	2
(बी) ई-नीलामी पंजीकरण से अग्रिम प्राप्त आय	(b) Income received in advance - E auction	368	291
(सी) कर्मचारी हित के लिए देयताएं	(c) Liability for staff benefit	187	198
(डी) ग्राहकों से जमा	(d) Deposit from customers	259	424
(ई) अन्य	(e) Others	26	26
(एफ) इएफबीएस योजना के तहत जमा	(f) Deposits under EFBS Scheme	375	346
कुल	**Total**	**1217**	**1287**

दिनांक 31.03.2016 को सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों से कोई भी बकाया नहीं हैं (पिछला वर्ष कुछ नहीं)।

There are no outstanding with Micro, Small and Medium Enterprises as at 31.03.16.(Perevious year Nil).

टिप्पणी 4(ए): दीर्घावधि

Note 4(a) : Long Term Provisions :

विवरण	Particulars	31 मार्च 31 March 2016	31 मार्च 31 March 2015
कर्मचारी लाभ के लिए प्रावधान	Provision for employee benefits		
कर्मचारी निपटान लाभ निधि (अनिधिक)	Employee Settlement Benefit fund (unfunded)	37	38
छुट्टी का नकदीकरण	Leave Encashment	1937	1952
सेवानिवृत्ति के उपरांत चिकित्सा लाभ	Post Retirement Medical Benefit	2064	1883
दीर्घायु सेवा पुरस्कार	Long Service Award	3	4
कर्मचारी परिवार लाभ योजना	Employee Family Benefit Scheme	281	275
अन्य	Others		
वृद्धि दावे के तहत विक्रेता को भुगतेय दावा	Claim payable to vendor against escalation claim	258	247
कुल	**Total**	**4580**	**4399**

टिप्पणी 5 : अल्पावधि कर्ज :

Note 5 : Short Term Borrowings :

विवरण	Particulars	31 मार्च 31 March 2016	31 मार्च 31 March 2015
प्रतिभूत	**Secured**		
मांग पर ऋण प्रतिदेय	**Loans repayable on demand**		
बैंकों से (मियादी जमा रसीद पर लियेन द्वारा प्रतिभूत रु. 71,326 लाख, गत वर्ष रु. 76,354 लाख)	From Banks (Secured by lien on FDR ₹ 71326 Lacs, Previous year ₹ 76,354 Lacs)	19060	41786
कार्यशील पूंजी ऋण (चालू आस्तियों के बदले में प्रतिभूत) टिप्पणी (ए)	Working Capital loan (Secured against Current Assets) Note(a)	11910	44464
		30970	86250
अप्रतिभूत	**Unsecured**		
मांग पर ऋण प्रतिदेय	**Loans repayable on demand**		
बैंकों से टिप्पणी (बी)	From Bank Note(b)	34362	24362
		34362	24362
कुल	**Total**	**65332**	**110612**

उपरोक्त में शामिल है :

क) इंडियन ओवरसिज बैंक (आईओबी) से ऋण राशि रु. 138 लाख (दिनांक 19.9.2011 से पड़ा हुआ)

यह राशि बैंक ने अपने दावे की प्रतिरक्षा के लिए कानूनी कार्यवाही शुल्क के रूप में भुगतान किया है। कंपनी ने इसका बैंक के समक्ष प्रतिवाद किया है। इसके अतिरिक्त एमएसटीसी ने माननीय कोलकाता उच्च न्यायालय के पास आईओबी के विरुद्ध रु. 3656 लाख (जिसमें रु. 2798 लाख एलसी मूल्य डेबिट हेतु एवं रु. 858 लाख कानूनी खर्च के लिए डेबिट शामिल है) के लिए मामला किया है।

ख) स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक से रु. 14362 लाख का ऋण :

वित्तीय वर्ष 2008-09 के दौरान स्वर्ण आभूषण के निर्यात का कुल प्राप्य रु. 63821 लाख में से स्टैंडर्ड चार्डर्ड बैंक (एससीबी) ने रिसिवेबल परचेज एग्रीमेंट के तहत रु. 18466 लाख का प्राप्य खरीदा था। इस खाते में बकाया राशि रु. 16916 लाख के तहत, एससीबी ने रु. 2500 लाख और रु. 54 लाख, उस पर साथ एमएसटीसी के जमा से। रु. 14362 लाख की शेष राशि 31.03.2016 पर के रूप में बकाया रहता है। एससीबी ने विदेशी ग्राहकों से इस राशि को डेबिट किया एवं प्रारंभिक रूप से प्रत्येक ग्राहकों के लेखे के विरुद्ध एमएसटीसी में क्रेडिट किया है एवं ग्राहकों से प्राप्त भुगतान डेबिट के विरुद्ध है। वर्ष 2009 में इन सभी भुगतान की देय तिथि समाप्त है। चूंकि तब से ग्राहकों से भुगतान नहीं आ रहा था, मार्च, 2012 में एससीबी ने कुल शेष को बकाया बीजक में अंतरण किया है। ब्याज सहित कुल रु.19158 लाख एमएसटीसी का ऋण है एवं एमएसटीसी के विरुद्ध डीआरटी मुंबई में मामला दर्ज किया है। एससीबी ने खरीदारों द्वारा भुगतान करने में असमर्थ होने के लिए आईसीआईसीआई लॉम्बार्ड के साथ प्राप्य क्रय करार के तहत उनके द्वारा कुल खरीदी गई राशि के तहत बीमा किया है। हालांकि, बीमा कंपनी द्वारा ऊपर उल्लिखित बकाया प्राप्य के लिए उनके दावे को इंकार करने के कारण एससीबी ने तदुपरांत बीमा कंपनी आईसीआईसीआई लॉम्बार्ड के विरुद्ध बम्बई उच्च न्यायालय में मामला दायर किया है, जो लंबित है। आईसीआईसीआई लॉम्बार्ड के विरुद्ध मामला दर्ज करने के बदले एससीबी ने पहले अवैध रूप से बकाया को एससीबी के पास एमएसटीसी के ऋण में अंतरण किया है और जैसे कि ऊपर में बताया गया है कि एमएसटीसी के विरुद्ध डीआरटी में प्रक्रिया

Above includes :

a) Loan from Indian Overseas Bank (IOB) amounting to ₹ 138 lacs: (lying since 19.9.2011)

This amount represents legal fees paid by the bank in defending their claims to which the Company has lodged its protest with the Bank. MSTC has filed a case in Hon'ble High Court of Calcutta against IOB for ₹ 3656 lacs (which includes ₹ 2798 lacs towards debit of LC value & ₹ 858 lacs as debit towards legal expenses).

b) Loan from Standard Chartered Bank of ₹ 14362 lacs :

Out of the total export of ₹ 63821 lacs on account of export of gold jewellery during FY 2008-09, Standard Chartered Bank (SCB) had purchased receivables amounting to ₹ 18466 lacs under a Receivable Purchase Agreement. Against amount outstanding ₹ 16916 lacs on this account, SCB has adjusted ₹ 2500 lacs and ₹ 54 lacs, from MSTC's deposit with thereon. Balance amount of ₹ 14362 lacs remains outstanding as on 31.3.2016. SCB had debited this amount to the foreign buyer and credited the amount to MSTC against each individual buyer's account initially and set off the payments received from the buyers against the debit. The due dates of all these payments expired by 2009. As payments were not forthcoming from the buyers since then, in March 2012, SCB converted the total balance against the outstanding invoices including interest aggregating to ₹ 19158 lacs into debt of MSTC and filed a case against MSTC in DRT, Mumbai. SCB had also insured the total amount purchased by them against the Receivable Purchase Agreement with ICICI Lombard for default in payment by the buyers. SCB has subsequently filed a suit against ICICI Lombard, the Insurance Co. in hon'ble Bombay High Court for repudiation of their claim which is pending. Instead of initiating a legal case against ICICI Lombard, SCB first illegally converted the outstanding as debt of MSTC to SCB and proceeded in DRT against MSTC as

किया गया है। एमएसटीसी ने इसको डीआरटी में आपत्ति की एवं आईसीआईसीआई लॉम्बार्ड एवं एससीबी के विरुद्ध अलीपुर कोर्ट में मामला दर्ज किया है कि उनके प्राप्य को एससीबी द्वारा ऋण में परिवर्तन करने की रोकथाम में तथा एससीबी को बीमाकर्त्ता से उनके दावे को प्राप्त करने के लिए लगे रहना चाहिए।

कंपनी ने इसके बुक में एससीबी के रु. 31366 लाख के कुल दावे के विरुद्ध ब्याज सहित रु. 22251 लाख देयताओं में दर्शाया है। रु. 9115 लाख शेष दावे को आकस्मिक देयताओं में दर्शाया गया है, कानूनी मामले का निर्णय लंबित है।

सहायिकी कंपनी के मामले में : उपरोक्त ऋणों को कंपनी की स्थाई जमाओं को गिरवी रख कर सुरक्षित किया गया है, जो बैंकर के पास गिरवी है। इंडियन बैंक के साथ ओवरड्राफ्ट सीमा रु. 1483 लाख, आंध्र बैंक के साथ रु. 496 लाख एवं भिलाई में बैंक ऑफ बड़ोदा के साथ रु. 545 लाख है।

stated above. MSTC challenged this in DRT and also filed a case against SCB and ICICI Lombard in Alipore Court to stop giving effect of converting their receivables into debt by SCB and also that SCB should pursue its claim with the insurer and not against MSTC.

Against the total claim of ₹ 31366 lacs of SCB, the Company has already shown as liability in its books for ₹ 22251 lacs inclusive of interest. Balance claim of ₹ 9115 lacs has been shown as contingent liability, pending the outcome of the legal cases.

In case of Subsidiary : The above loans are secured by pledge on fixed deposits of the company held with the banker. Overdraft limit with Indian Bank ₹ 1483 lacs, Andhra Bank ₹ 496 lacs and Bank of Baroda ₹ 545 lacs at Bhilai.

टिप्पणी 6 : व्यापारगत देयताएं :
Note 6 : Trade Payables :

(रु. लाख में) / (₹ in Lacs)

विवरण	Particulars	31 मार्च, 2016 31 March 2016	31 मार्च, 2015 31 March 2015
व्यापार देनदारियां	Trade Payables	214672	302949
कुल	**Total**	**214672**	**302949**

दिनांक 31.03.2016 तक (पिछला वर्ष कुछ नहीं) ऐसा कोई भी सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम के पास कोई राशि बकाया नहीं है।
There are no outstanding with Micro, Small and Medium Enterprises as at 31.03.16 (Previous year NIL).

टिप्पणी 7 : अन्य चालू देयताएं :
Note 7 : Other Current Liabilities :

विवरण	Particulars	31 मार्च 31 March 2016	31 मार्च 31 March 2015
(ए) ब्याज प्रद्भूत लेकिन उधार पर देय नहीं	(a) Interest accrued but not due on borrowings	7889	7889
(बी) ब्याज प्रद्भूत एवं उधार पर देय	(b) Interest accrued and due on borrowings	0	101
(सी) ई-नीलामी पंजीकरण से अग्रिम आय प्राप्ति	(c) Income received in advance - E auction Registration	218	206
(डी) अप्रदत्त लाभांश	(d) Unpaid dividends	61	59
(ई) अन्य देय	(e) Other payables		
i) लेखा परीक्षकों का पारिश्रमिक	i) Auditor's Remuneration	5	5
ii) देय बिक्री कर	ii) Sales Tax Payable	697	1758
iii) देय टीडीएस	iii) TDS Payable	320	630
iv) पार्टियों से अग्रिम	iv) Advance from parties	470	434
v) ईएमडी/सुरक्षा जमा	v) EMD/Security Deposit	75440	76070
vi) अन्य*	vi) Others*	3349	3270
vii) कर्मचारी से संबंधित देयताएं	vii) Employees Related Liabilities	494	491
viii) संविधिक बकाया	viii) Statutory Dues	564	440
ix) अन्य देयताएं	ix) Other Liabilities	3911	1029
कुल	**Total**	**93418**	**92382**

* पार्टियों से प्राप्त की गई राशि, बकाया खर्चे आदि शामिल हैं।
* Includes amount received from Parties, Outstanding Expenses etc.

टिप्पणी 8 : अल्पावधि प्रावधान :

Note 8 : Short Term Provisions :

विवरण	Particulars	31 मार्च 31 March 2016	31 मार्च 31 March 2015
(ए) कर्मचारी हित के लिए प्रावधान	**(a) Provision for employee benefits***	4246	4574
सेवानिवृत्ति उपरांत लाभ योजना के तहत	**Towards Post Retirement Benefit Scheme**		
छुट्टी नकदीकरण (अनिधिक)	Leave Encashment (unfunded)	97	124
सेवानिवृत्ति के उपरांत चिकित्सा लाभ (अनिधिक)	Post Retirement Medical Benefit (unfunded)	60	49
दीर्घायु सेवा पुरस्कार (अनिधिक)	Long Service Award (unfunded)	2	2
कर्मचारी के परिवार लाभ योजना (अनिधिक)	Employee Family Benefit Scheme (unfunded)	84	76
सेवानिवृत्ति (अनिधिक)	Superannuation (unfunded)	620	3
(बी) अन्य-	**(b) Others -**		
i) आय कर हेतु प्रावधान (शुद्ध अग्रिम कर एवं टीडीएस)	i) Provision for Income Tax (net of Advance Tax and TDS)	196	0
ii) लाभांश पर आयकर का प्रावधान	ii) Provision for Income Tax on Dividend	374	380
iii) प्रस्तावित लाभांश	ii) Proposed Dividends	1804	1822
iv) अन्य प्रावधान	iii) Other Provisions	279	182
कुल	**Total**	**7762**	**7212**

* मंत्रालय द्वारा कर्मचारियों के पेंशन लाभ, योजना के लंबित अनुमोदन हेतु प्रावधान के बाबत रु. 1108 लाख (पूर्व वर्ष में रु. 1014 लाख) शामिल है।

* Includes ₹ 1108 lakhs (previous year ₹ 1014 lakhs) towards provision for pension benefit of employees,pending approval of the Scheme by the Ministry.

टिप्पणी 9 : अचल सम्पत्तियां

Note 9 : Fixed Assets

(रु. लाख में) / (₹ in Lacs)

अचल सम्पत्तियाँ **Fixed Asset**	सकल सम्पत्ति **Gross Block**			संचित मूल्यह्रास **Accumulated Depreciation**				शुद्ध सम्पत्ति **Net Block**	
	1 अप्रैल 2015 को शेष Balance as at 1 April 2015	जोड़/ (निपटान) Addition/ (Disposals)	31 मार्च 2016 को शेष Balance as at 31 March 2016	1 अप्रैल 2015 को शेष Balance as at 1 April 2015	वर्ष के लिए मूल्यह्रास Depreciation charge for the year	निपटान पर Adjustment/ (Disposal)/ (Deductions)	31 मार्च 2016 को शेष Balance as at 31 March 2016	31 मार्च 2016 को शेष Balance as at 31 March 2016	31 मार्च 2015 को शेष Balance as at 31 March 2015
क. गैर भौतिक सम्पत्तियां **a. Intangible Asset**									
Intangible Asset	16	9	25	11	3	0	14	11	5
ख. भौतिक सम्पत्तियां **b. Tangible Assets**									
पट्टे वाली भूमि एवं बिल्डिंग Leasehold Land & Buildings	1671	(1234)	437	389	192	(406)	175	262	1282
कंपनी के फ्लैट्स Company Flats	171	0	171	66	2	0	68	103	105
एयर कंडीशनर एवं वाटर कूलर Air Conditioner & Water Cooler	77	0	77	40	12	0	52	25	37
संयंत्र एवं उपकरण Plant & Equipment	16958	79	17037	11714	908	(826)	11796	5241	5244
फार्नीचर एवं फिक्सचर Furniture and Fixtures	399	20	419	269	50	0	319	100	130
कार्यालय के उपकरण Office equipment	467	6	473	368	30	(8)	390	83	99
पार्टिशन एवं क्यूबिकल्स Partition & Cubicles	256	4	260	155	47	(1)	201	59	101
मोटर वाहन Motor vehicles	407	11	418	285	22	(27)	280	138	122
ईडीपी EDP	694	(5)	689	500	69	(23)	546	143	194
कुल **Total**	**21116**	**(1110)**	**20006**	**13797**	**1335**	**(1291)**	**13841**	**6165**	**7319**
विगत वर्ष Previous Year	21662	(546)	21116	14839	853	(1895)	13797	7319	6823
पूंजी डब्ल्यूआईपी **c. Capital WIP**	191	224	415						
विगत वर्ष Previous Year	235	(43)	191						

पूंजी जारी कार्य

Capital Work in Progress

ब्यौरा **Particulars**		31 मार्च 2016 का **Balance as at 31st March, 2016**	31 मार्च 2016 को **Balance as at 31st March, 2015**
पूंजी जारी कार्य	Capital Work in Progress	415	124
विकास के अधीन अमूर्त संपत्ति	Intangible Assets under Development	0	67

(ए) : वर्ष 2015-16 के दौरान लीज होल्ड भूमि हल्दिया डक कॉम्प्लेक्स को सुपुर्द कर दिया गया है। तदनुसार वित्तीय वर्ष 2015-16 के दौरान सुपुर्दगी की तारीख को सुपुर्द मूल्य का शुद्ध समर्पण मूल्य आरोपित किया गया है।

(बी) ई-कॉमर्स एप्लिकेशन साफ्टवेयर अमूर्त सम्पत्ति के रूप में दर्शाया गया है जिसे इन-हाउस विकसित किया गया जिसकी लागत सुनिश्चित नहीं की जा सकती है।

एफएसएनएल के मामले में

(सी) राउरकेला, बर्नपुर, भिलाई, बोकारो, **वाईजैग**, दुर्गापुर एवं दुबई में अवस्थिति भूमि जिस पर कम्पनी के प्लांट एवं भवन है वे न तो फ्रीहोल्ड है और न ही लीज होल्ड।

कम्पनी **सेवा करार के एक अंग के रूप में भूमिधारकों से** निःशुल्क उपयोग का अधिकार प्राप्त किया है। कम्पनी ने तथापि, 29 दिसम्बर, 1988 से 33 वर्ष के निरंतर लीज पर सेल-बी.एस.पी. से लीजहोल्ड भूमि अर्जित किया है जिस पर पंजीकृत कार्यालय का निर्माण किया है, लीजहोल्ड भूमि लीज अवधि पर परिशोधित की गई है, तथापि लीज होल्ड भूमि पर निर्माण किया गया पंजीकृत कार्यालय भवन कम्पनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची II के अधीन उपरोक्त संदर्भित लीज दस्तावेज के खंड 6 के तहत 33 वर्ष की आगे की अवधि हेतु आगे नवीनीकृत किया गया है को विचार करते हुए निर्धारित दर में मूल्यह्रास किया गया है।

(a) During the year 2015-16 the lease hold land has been surrendered to Haldia Dock Complex. Accordingly the residual value net of surrender value as on the date of surrender has been charged off during F.Y 2015-16

(b) e-Commerce application software shown under intangible assets represents software application developed in house for which cost could not be ascertained.

In case of FSNL

(c) The land on which the plant and building of the company are situated at Rourkela, Burnpur, Bhilai, Bokaro, Vizag, Durgapur and Duburi are neither freehold nor leasehold.

The company has acquired right of free use from landholders as a part of service agreement. The company has however, acquired leasehold land from SAIL - B.S.P., on perpetual lease of 33 years w.e.f. 29th December 1988 on which the Registered Office Building has been constructed, the lease hold land has been amortised over the lease period, however Registered office building constructed on the lease hold land has been depreciated at rate prescribed under Schedule II of Companies Act, 2013 considering that perpetual lease agreement shall be renewed for a further period of 33 years pursuant to clause 6 of lease deed referred above.

टिप्पणी 10 : गैर-चालू निवेश - सहायिकी में निवेश

मेसर्स फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड के कुल 15000 अदद इक्विटी शेयरों में से एमएसटीसी ने वित्त वर्ष 1979-80 के दौरान 9000 अदद इक्विटी शेयरों का अधिग्रहण किया, जिसके जरिए यह एमएसटीसी लिमिटेड की सहायिकी कंपनी बनी। तदुपरांत मेसर्स फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड के 20000 अदद इक्विटी शेयरों में एमएसटीसी ने वित्त वर्ष 1984-85 के दौरान (कुल धारित शेयर - 12000 अदद इक्विटी शेयर) 3000 इक्विटी शेयर अधिग्रहण किया। शेष 8000 अदद इक्विटी शेयरों का अधिग्रहण एमएसटीसी द्वारा वित्त वर्ष 2002-03 में किया गया, जो मेसर्स फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड को 100 प्रतिशत सहायिकी कंपनी बनाती है।

Note 10 : Non- Current Investments – Investments in Subsidiary

MSTC had acquired 9000 no. of equity shares during F.Y. 1979-80 out of the total 15000 no. of equity shares of M/s Ferro Scrap Nigam Limited, making it subsidiary Company of MSTC Limited. Subsequently MSTC acquired 3000 no. of equity shares during F.Y. 1984-85 (Total holding - 12000 no. of equity shares) out of the 20000 no. of equity shares of M/s Ferro Scrap Nigam Limited. Balance 8000 no. of equity shares were acquired by MSTC in the F.Y. 2002-03, making M/s Ferro Scrap Nigam Limited 100% Subsidiary Company.

(रु. लाख में) / (₹ in Lacs)

	अवधि **Period**	प्रदत्त इक्विटी शेयर की सं. **Paid up no. of Equity Share**	एमएसटीसी शेयर **MSTC Shares**	प्रतिशत **% Age**	निवेश की लागत एमएसटीसी बुक **Cost of Investment MSTC books**
31 मार्च, 1980 को	As on 31st March, 1980	15000	9000	60%	90
31 मार्च, 1985 को	As on 31st March, 1985	20000	12000	60%	120
31 मार्च, 2003 को	As on 31st March, 2003	2000	20000	100%	1581

(रु. लाख में) / (₹ in Lacs)

विवरण	Particulars	31 मार्च, को 1980 **As on 31st March, 1980**	31 मार्च, 1985 **As on 31st March, 1985**	31 मार्च, 2003 को **As on 31st March, 2003**	कुल **Total**
एफएसएनएल की खाता पुस्तिका में	**In FSNL books of account**				
इक्विटी शेयर	Equity Share	150	200	200	200
आरक्षित एवं अधिशेष	Reserves & Surplus	45	631	11596	11596
निवल मूल्य	**Net Worth**	**195**	**831**	**11796**	**11795**
एमएसटीसी का इक्विटी हिस्सा	**MSTC Portion of equity**	**117**	**125**	**4718**	**4960**
घटाव : निवेश की लागत	Less : Cost of Investment	90	30	1461	1581
आरक्षित पूंजी	**Capital Reserve**	**(27)**	**(95)**	**(3257)**	**(3379)**

आरक्षित पूंजी टिप्पणी सं. 3 में आरक्षित एवं अधिशेष में शामिल है

Capital Reserve is included in 'Reserves and Surplus' in Note No.3

टिप्पणी 11 : आस्थिगत कर परिसंपत्तियाँ (देयताओं) निम्न हैं :

Note 11 : Deferred Tax Assets/(Liabilities) are as under :

(रु. लाख में) / (₹ in Lacs)

विवरण	Particulars	31.03.2015 को **As on 31.03.2015**	वर्ष के लिए प्रभावी कर / **Tax effect for the year**	31.03.2016 को **As on 31.03.2016**
संदिग्ध व्यापारगत प्राप्य के लिए प्रावधान	Provision for Doubtful Trade Receivables	15039	631	15670
अन्य व्यय 40(ए), 43बी के तहत प्रावधान	Provision against other expenses 40(a), 43B	1281	0	1281
मूल्यह्रास में अंतर	Difference in depreciation	(72)	43	(29)
आस्थिगत कर परिसंपत्तियाँ	Deferred Tax-Assets	604	147	751
कुल	**Total**	**16852**	**821**	**17673**

टिप्पणी 12 : दीर्घावधि ऋण एवं अग्रिम :

Note 12 : Long Term Loans and Advances :

(रु. लाख में) / (₹ in Lacs)

विवरण	Particulars	31 मार्च 31 March 2016	31 मार्च 31 March 2015
ए. जमा	**a. Deposits**		
अनारक्षित असंदेहात्मक*	Unsecured, considered good *	801	759
बी. अन्य ऋण एवं अग्रिम	**b. Other loans and advances**		
सुरक्षित असंदेहात्मक - कर्मचारी अग्रिम	Secured, considered good - Staff advances	550	508
आयकर एवं टीडीएस का अग्रिम भुगतान (शुद्ध प्रावधान)	Advance Payment of Income Tax & TDS (net of provisions)	906	1276
असुरक्षित, असंदेहात्मक - पार्टी को अग्रिम	Unsecured, considered good - Advance to parties	10	6
कुल	**Total**	**2267**	**2549**

* केएमपी से बकाया राशि रु. 1 लाख (विगत वर्ष रु. 2 लाख)

* बिक्री पर प्राधिकरण के पास जमा रु. 520 लाख (रु. 478 लाख) शामिल है। यह जमा उनके द्वारा उठाए गए दावे के विरुद्ध है। लेकिन कंपनी ने इसका विरोध किया है।

* Amount due from KMP ₹ 1 lac (Previous year ₹ 2 lac)

* Includes ₹ 520 lac (₹ 478 lac) deposit with Sales Tax Authorities against demand raised by them which is contested by the Company.

टिप्पणी 13 : अन्य गैर-वर्तमान परिसंपत्तियां :

Note 13 : Other Non-Current Assets :

(रु. लाख में) / (₹ in Lacs)

विवरण	Particulars	31 मार्च 31 March 2016		31 मार्च 31 March 2015	
अचल वस्तुसूची का स्टॉक (3 वर्षों से अधिक अवधि के लिए धारित)	Stock of non-moving inventory (held for period more than 3 years)	230		265	
घटाव, अचल वस्तुसूची के मूल्य में कमी के लिए प्रावधान	Less, Provision for Diminution in the value of Non-Moving Inventory		124	132	
			106		133
खराब वस्तुसूची का स्टॉक	Stock of Obsolete Inventory	23		23	
खराब वस्तुसूची के लिए घटाव, प्रावधान	Less, Provision for Obsolete Inventory	15		15	
			8		8
निपटान के लिए प्रतीक्षारत स्थाई सम्पत्तियां	Fixed Assets Awaiting Disposal		56		56
प्राप्य दावा एवं अन्य अग्रिम (12 महीने से अधिक की मूल परिपक्वता के साथ)	Claim Recoverable & Other Advances (with Original Maturity of more than 12 months)		14		17
सुरक्षित असंदेहात्मक - कर्मचारी ऋण पर बकाया ब्याज	Secured, considered good – Interest due on employee loans		5		7
असुरक्षित, असंदेहात्मक - पूर्वदत्त खर्च	Unsecured, considered good – prepaid expenses		12		37
कुल	**Total**		**201**		**258**

टिप्पणी 14 : स्टॉक :

Note 14 : Inventories :

(रु. लाख में) / (₹ in Lacs)

विवरण	Particulars	31 मार्च 31 March 2016	31 मार्च 31 March 2015
भंडारगत-माल (लागत मूल्य)	Stock-in-trade (Valued at cost)		
प्रारम्भिक शेष	Opening Balance	14683	3605
(–) अंतिम शेष	(–) Closing Balance	1529	14683
भंडार एवं अतिरिक्त पूर्जों के साथ में खुदरा यंत्र	Stores & Spare parts including loose tools	269	269
जोड़, पारगमन में माल	Add, Goods in transit	1	49
जोड़, लंबित समायोजन की कुल कमी*	Add, Net shortage pending adjustments*	13	13
		283	**331**
मुद्रण एवं लेखन सामग्रियां	Printing & Stationery items	11	11
रद्दी (निपटान के लिए लंबित)	Scrap (pending for disposal)	4	4
स्टॉक में बदलाव	**Changes in Inventories**	**13154**	**(11078)**
अंतिम शेष	**Closing Balance**	**1827**	**15029**

***** सहायिकी कंपनी के मामले में : स्टॉक कमी लंबित समायोजन के तहत प्रावधान को टिप्पणी सं. 8 में 'अन्य प्रावधान में' शामिल किया गया है।

* In case of Subsidiary : Provision against inventory shortage pending adjustment is included 'in Other Provision' in Note No.8.

टिप्पणी 15 : व्यापार प्राप्य :

Note 15 : Trade Receivables :

विवरण	Particulars	31 मार्च 31 March 2016	31 मार्च 31 March 2015
भुगतान की देय तिथि से छह महीने से ज्यादा अवधि के लिए बकाया व्यापार प्राप्त	Trade receivables outstanding for a period exceeding six months from the date they are due for payment		
प्रतिभूत, असंदेहात्मक	Secured, considered good	68407	109982
अनारक्षित, असंदेहात्मक	Unsecured, considered good	65580	77040
अनारक्षित, संदेहात्मक	Unsecured, considered doubtful	45318	43488
घटाएं : संदेहात्मक ऋण के लिए प्रावधान	Less: Provision for doubtful debts	45318	43488
		133987	187022
भुगतान की देय तिथि से छह महीने कम अवधि के लिए बकाया व्यापार प्राप्त	Trade receivables outstanding for a period less than six months from the date they are due for payment		
सुरक्षित, असंदेहात्मक	Secured, considered good	152322	216954
असुरक्षित, असंदेहात्मक	Unsecured, considered good	44543	11390
		196865	228344
कुल	**Total**	**330852**	**415366**

15 (ए) : 31.03.2016 को वर्ष समाप्ति पर अप्राप्त निर्यात ऋण यूएस डॉलर 137498823.73 (वित्तीय वर्ष 2008-09 के दौरान रु. 59863 लाख के बराबर) था, इतना ही वित्त वर्ष की शुरुआत में था। वित्त वर्ष के अंतिम दिन पर व्याप्त विनिमय दर (यूएसडी 1 = रु. 66.255) को लेते हुए ऋण का वर्षांत शेष रु. 31236 लाख बढ़ कर रु. 91099 लाख हो गया होता तथा लेनदारी में रु. 30768 लाख का इजाफा होता। इस खाते में अनुमानित रु. 468 लाख की राष्ट्रीय आय होती जिसमें स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक द्वारा क्रय किए गए प्राप्यों के खाते में रु. 132 लाख शामिल है। विचाराधीन होने के चलते लेखा नीति की पैरा 1.13 के तहत बकाया राशि की वसूली में अनिश्चितता के कारण शुद्ध लाभ रु. 336 लाख का लेखा नहीं किया गया है।

15 (बी) : वित्त वर्ष 2008-09 में कुल निर्यात राशि यूएस डॉलर 146971624.00 (रु. 63821 लाख के बराबर) में से 31.03.2014 को बकाया राशि यूएसडी 137498823.73 (रु. 85937 लाख के बराबर) था एवं इस वर्ष के लिए लेखा बंद तारीख यानी 31.03.2016 को वही है। (दिनांक 31.03.2015 को व्याप्त विनिमय दर यूएसडी 1 = रु. 66.255 में रु. 91099 लाख के बराबर है)। ईसीजीसी के पास रु. 45075 लाख का दावा किया गया है। इसी प्रकार स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक ने आईसीआईसीआई लॉम्बर्ड जनरल इंश्योरेंस कंपनी के पास यूएसडी 36762828.14 (वित्त वर्ष के अंतिम दिन व्याप्त विनिमय दर यूएसडी 1 = रु. 66.255 में रु. 24357 लाख के बराबर है)। निर्दिष्ट इंश्योरेंस कंपनी द्वारा दोनों दावे इंकार कर दिए गए हैं। एमएसटीसी ने क्रेताओं के ऋण के लिए ईसीजीसी द्वारा बीमाकृत क्रेताओं के लिए ईसीजीसी के विरुद्ध 36 मामले राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग, दिल्ली (एनसीडीआरसी) के पास आरम्भ किए हैं। राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग, दिल्ली (एनसीडीआरसी) द्वारा दिनांक 16.4.2014 को दिए गए आदेश के अनुसार मामले को सिविल कोर्ट अथवा अन्य उपयुक्त फोरम में जाने को कहा गया है। एमएसटीसी ने इस आदेश के विरुद्ध माननीय सर्वोच्च न्यायालय में अपील दायर किया है। माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने दो पार्टियों को पंचाट में जाने का निर्देश दिया है। तदनुसार मामला पंचाट (पीएसयू हेतु पंचाट के लिए सरकारी तंत्र) को संदर्भित किया गया है। पंचाट प्रगति में है।

एमएसटीसी ने यूएई, सिंगापुर एवं कुवैत में विदेशी क्रेताओं के विरुद्ध 46 कानूनी मामले दायर किए हैं। एमएसटीसी के पक्ष में सभी 46 निर्णय दिए गए हैं एवं उक्त सभी निष्पादन के अधीन है। सभी छह सहायक आपूर्तिकर्ताओं के विरुद्ध बीमा करने के लिए उनके द्वारा मनोनित विदेशी क्रेताओं द्वारा भुगतान में असफल होने एवं ईसीजीसी तथा आईसीआईसीआई लॉम्बर्ड जनरल इंश्योरेंस कं. द्वारा अनुमोदित पत्र के बाबत पंचाट में कार्यवाही भी प्रारम्भ की गई है। तीनों मामलों में फैसला एमएसटीसी के पक्ष में दिया गया है, जो निष्पादन की प्रक्रिया में हैं।

एशोसिएट्स में से एक मेसर्स उस्मा ज्वेलरी एण्ड पैकेजिंग एक्सपोर्ट्स (प्रा.) लि. ने रु. 12400 लाख (सरकार पंजीकृत मूल्यांनकर्त्ता द्वारा वर्ष 2014 में मूल्यांकन) मूल्य का स्थावर संपत्ति गिरवी रखा है। उक्त गिरवी संपत्ति के विक्रय/हस्तांतरण के लिए मुंबई उच्च न्यायालय में रिट याचिका दायर की गई है। सीबीआई एवं ईडी विषय की जांच कर रहे हैं तथा रु. 24040 लाख (रु. 12400 लाख मूल्य की जमीन एवं रु. 3979 लाख की चल संपत्ति सहित) की परिसंपत्तियां तथा संपत्तियां जब्त कर लिया है। एमएसटीसी ने रु. 900 लाख मूल्य को अपने पक्ष में हस्तांतरण की अनुमति के लिए सीबीआई कोर्ट में अनुरोध किया, यह रकम वित्तीय वर्ष 2013-14 के दौरान प्राप्त हो गई थी।

प्रबंधन विदेशी क्रेताओं/इंश्योरेंस कंपनियों/एशोसिएट सप्लायरों से यथासंभव ब्याज, कानूनी खर्चे आदि सहित कर्ज वसूली के लिए हर संभव कदम उठा

15 (a) : At the year end 31.03.2016 unrealized export debtors remains USD 137498823.73 (equivalent to ₹ 59863 lacs during the FY 2008-09) which were the same as were at the beginning of the financial year. Considering the exchange rate (i.e. USD 1 = ₹ 66.255) prevailing on the last day of the financial year, the closing balance of debtors would have been increased by ₹ 31236 lacs to ₹ 91099 lacs and the creditors would have increased by ₹ 30768 lacs. There would have been a notional gain of ₹ 468 lacs on this account which includes an amount of ₹ 132 lacs on account of receivables purchased by Standard Chartered Bank. The net gain of ₹ 336 lacs has not been accounted for due to uncertainity in realisation of the dues in terms of para 1.13 of accounting policy. This is also subjudice.

15 (b) : Out of total export of USD 146971624.00 (equivalent to ₹ 63821 lacs) during the financial year 2008-09, there was an outstanding balance of USD 137498823.73 (equivalent to ₹ 85937lacs) as on 31.3.2015 and the same is continued for this year on closing date i.e 31.3.2016 (equivalent to ₹ 91099 lacs at the exchange rate of USD 1= ₹ 66.255 prevailing on 31.03.2016). Claims had been lodged with ECGC for ₹ 45075 lacs. Similarly Standard Chartered Bank had also lodged claims with ICICI Lombard General Insurance Company for USD 36762828.14 (equivalent to ₹ 24357 lacs considering the exchange rate as USD 1 = ₹ 66.255 prevailing on the last day of the financial year). Both the claims were repudiated by the respective Insurance Companies. MSTC initiated 36 cases against ECGC for the dues against buyers insured by them with National Consumer Disputes Redressal Commission (NCDRC), Delhi. National Consumer Disputes Redressal Commission (NCDRC) by an order dated 16.04.2014 referred the matter to Civil Court or in other appropriate forum. MSTC filed an appeal to Hon'ble Supreme Court against this order.The Honb'le Supreme Court directed both theparties to go for arbitration. Accordingly matter has been referred to Permanent Machinery of Arbitration (A Government machinery for arbitration for PSUs).Arbitration is in progress.

MSTC had filed 46 legal cases against the foreign buyers in UAE, Singapore and Kuwait. All the 46 judgments have been awarded in favour of MSTC and all the same are under execution. “Arbitration proceedings have also been initiated against all the six associate suppliers for indemnifying against the failure in payment by the foreign buyers nominated by them and later on approved by ECGC and ICICI Lombard General Insurance Co. Award has been received in favour of MSTC in three cases,which is also in the process of execution.

One of the Associates, namely, M/s Ushma Jewellery & Packaging Exports (P) Ltd has mortgaged landed property worth ₹ 12400 lacs (valuation done in 2014 by Govt Registered valuer). A writ petition for sale/transfer of the said mortgaged property has been filed at the Mumbai High Court. CBI and ED investigating the matter have seized assets and properties worth ₹ 24040 lacs (including land valued ₹ 12400 lacs & liquid assets worth ₹ 3979 lacs). MSTC had approached CBI Court requesting for permission to transfer of an amount

रहा है। तथापि, बकाया राशि के काफी पुरानी हो जाने की वजह से वास्तव रूप में वसूली के लिए लंबित अशोध्य एवं संदिग्ध कर्ज के रूप में रु. 23578 लाख रकम के लिए प्रावधान किया गया है।

15 (सी) : व्यापार प्राप्त में शामिल रु. 6055 लाख, जो सेसा इंटरनेशनल के पास बकाया है। पार्टी ने दस्तावेज में विसंगतियों के कारण इसको स्वीकार करने से इंकार किया है जो एमएसटीसी द्वारा इंडियन ओवरसीज बैंक (बैंक) को सूचित किया गया है। बैंक पर विदेशी अदालतों के आदेश अनुसार विभिन्न तिथियों पर बैंक ने आदेश के तहत एमएसटीसी खाते से डेबिट कर सप्लायर्स के बैंक को रकम भेज दी है। चूंकि यह समझौता ज्ञापन की शर्तों के अनुसार अदालत के आदेश के विरुद्ध है, ऐसे में सेसा इंटरनेशनल एमएसटीसी को क्षतिपूर्ति के लिए बाध्य है। तदनुसार, एमएसटीसी ने सेसा इंटरनेशनल के विरुद्ध मध्यस्थम कार्रवाई शुरू किया है, जो प्रक्रियाधीन है। अतएवं प्रबंधन रकम वसूली के प्रति आशान्वित है। पोर्ट में पड़ी हुई सामग्रियों के निपटान के विरुद्ध कोर्ट ने रु. 223 लाख प्राप्त किए हैं, जिसे व्यापारगत प्राप्य के तहत समायोजित कर दिया गया है। कोर्ट के आदेश के अनुसार रु. 102 लाख की शेष सामग्री की विक्रय प्रक्रिया प्रापक के पास मियादी जमा के रूप में रखा गया है। एमएसटीसी ने आईओबी के विरुद्ध एमएसटीसी खाते में रु. 3656 लाख की रकम गलत डेबिट किए जाने के खिलाफ भी मामला दायर किया है। इसमें एमएसटीसी की स्थिति काफी मजबूत है। लंबित पंचाट/कानूनी मामले के निपटान के लिए रु. 4000 लाख का प्रावधान अशोध्य और संदिग्ध अग्रिम के रूप में खाते में प्रावधान किया गया है।

15 (डी) : व्यापार से प्राप्य में हल्दिया पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड (एचपीएल) से बकाया रु. 34376 लाख शामिल है। इसके विरुद्ध कोई भी गिरवी स्टॉक उपलब्ध नहीं है। एचपीएल ने वित्त वर्ष 2013-14 में एमएसटीसी से बिना कोई स्वीकृति प्राप्त किए गिरवी रखे गए स्टॉक 74655 एमटी नैप्था उठा लिया। एचपीएल एवं कंपनी के बीच पारस्परिक सहमति के अनुसार, माननीय कलकत्ता उच्च न्यायालय ने दिनांक 05.05.2015 को अनुमोदित, एचपीएल बकाया शेष राशि फरवरी, 2021 तक चुकाने को सहमति जताई है। न्यायालय के आदेश के अनुसार अप्रैल, 2015 से भुगतान आरम्भ कर दिया है।

15 (ई) : मेसर्स एसपीएस स्टील रोलिंग मिल्स लिमिटेड से व्यापार से प्राप्य रु. 24083 लाख बकाया है। माननीय न्यायाधीश ने जून 2018 तक मूल राशि भुगतान करने के संबंध में दिनांक 19.07.2014 को जारी एक आदेश किया है तथा उस पर ब्याज की राशि उसके उपरांत 12 महीने के अंदर भुगतान करने का आदेश दिया है। वित्त वर्ष 2015-16 के दौरान पार्टी ने रु. 2400 लाख का भुगतान किया है।

15 (एफ) : कंपनी के पास गिरवी रखे गए/लेनदारों द्वारा प्रत्याभूत स्टॉक, जो लागू हो, के लिए संबंधित पार्टियों की बकाया शेष राशि के आधार पर व्यापार से प्राप्त की सिक्योरिटी पर विचार किया गया है।

सहायिकी कंपनी के मामले : 15(जी) : कंपनी सावधिक रूप से संग्रह के लिए कंपनी के प्रति सभी ग्राहकों के बकाया राशि का मूल्यांकन करती है। निर्धारित बकाया राशि के संग्रहण, ग्राहक जिस उद्योग में व्यवसाय करते हैं उसमें जोखिम के अनुभव, साधारण आर्थिक अवयव, जो ग्राहकों की निपटान क्षमता को प्रभावित कर सकता है, सम्मिलित विभिन्न तथ्यों के आधार पर प्रावधान की जरूरतों का आंकलन किया जाता है। कंपनी बकाया राशि की वसूली आंशिक अथवा पूरी तरह से प्राप्त करने का प्रयास करती है। कंपनी साधारण तौर पर तुलन पत्र की तारीख अथवा बीजक तिथि से तीन वर्षों अथवा अधिक समय के लिए देनदारों के बकाया राशि के लिए प्रावधान करती है।

of ₹ 900 lacs which was received during FY 2013-14.

The Management is taking all possible steps to recover the dues as much as possible along with interest, legal expenses, etc. from the foreign buyers/Insurance Cos/Associate suppliers.However,since the dues have become very old, a provision has already been made for an amount of ₹ 23578 lacs as bad and doubtful debts pending actual realisation.

15 (c): Trade Receivables includes ₹ 6055 lacs due from Sesa International. The party had refused to accept the documents due to discrepancy therein, which were intimated to Indian Overseas Bank ('Bank') accordingly by MSTC. But pursuant to Foreign Court order on Bank, they have remitted to supplier's Bank by debiting MSTC's account on various dates. As it is against Court order, as per MOA terms Sesa International is bound to indemnify MSTC. "Accordingly, MSTC have invoked arbitration proceeding against Sesa International which is under process and the management is hopeful to recover the amount. Against disposal of goods lying at port through Court receiver an amount of ₹ 223 lacs has been received which has been adjusted against Trade Receivables. Sale proceeds for balance material amounting to ₹ 102 lacs is kept with the receiver as fixed deposit as per Court order. MSTC has also filed a suit against IOB for their wrong debit to MSTC account for an amount of ₹ 3656 lacs in which MSTC is in a very strong position. Pending disposal of arbitration/legal suit an amount of ₹ 4000 lacs has already been provided in accounts as bad & doubtful advance.

15(d) Trade Receivables includes ₹ 34376 lacs due from Haldia Petrochemicals Ltd(HPL).No pledged stock is available against this.HPL had lifted the pledged stock of Naptha of 74655 MT without any authorisation from MSTC in the F.Y 2013-14. As per mutual settlement between HPL and the company, as approved by the Honb'le Calcutta Highcourt on 05.05.2015, HPL have agreed to liquidate the outstanding balance by February 2021. HPL has been making payment from April 2015 as per court order.

15(e)Trade Receivable includes ₹ 24083 lacs due from M/s SPS Steel Rolling Mills Ltd.Ld.Arbitrator passed an award on 19.07.2014 for payment of principal amount within June 2018 and accrued interest thereafter within 12 months.During the F.Y 2015-16 the party have paid ₹ 2400 lac.

15(f): Security of Trade Receivables has been considered based on the balance outstanding of respective parties for the stock pledged with the company/secured by creditors wherever applicable.

In case of Subsidiary : 15(g): Periodically the company evaluates all customer dues to the company for collectibility. The need for provision is assessed based on various factors including collectibility of specific dues, risk perception of the industry in which the customer operates, general economic factors which could affect the customers ability to settle. The company pursues the recovery of the dues, in part or full. The Company normally provides for debtors dues outstanding for three years or longer from the invoice date, as at the Balance Sheet date.

टिप्पणी 16 : नकद एवं नकद समान :
Note 16: Cash & Cash equivalents :

(रु. लाख में) / (₹ in Lacs)

विवरण	Particulars	31 मार्च 31 March 2016		31 मार्च 31 March 2015	
ए. बैंक शेष	a. Balances with banks				
चालू खाता में*	In Current Accounts		25707	0	35192
लाभांश लेखा में	In Dividend Accounts		61	0	59
सावधि जमा खाता में	In Term Deposit Accounts		0		0
स्थायी जमा	Fixed Deposit		80052	0	99775
समाहित :	This includes :				
ऋण के तहत सिक्योरिटी	Security against borrowings	55200		71327	
गारंटी	Guarantees	903		4706	
एलसी मार्जिन	LC Margin	0		4986	
12 महीने से अधिक अवधि की परिपक्वता हेतु बैंक में जमा	Bank deposits with more than 12 months maturity*	5062		504	
3 महीने से अधिक की मूल परिवक्वता के साथ जमा	Deposits with Original maturity of less than 3 months	200		0	
3 महीने से अधिक परंतु 12 महीने से कम की मूल परिपक्वता के साथ जमा*	Deposits with Original maturity of more than 3 months but less than 12 months#	5756		10723	
बी. दस्ती चेक	b. Cheques in hand		0		0
सी. दस्ती नकद	c. Cash in hand		5		5
कुल	**Total**		**105825**		**135031**

एफएसएनएल के मामले में- उपरोक्त जमा में रु. 3,467.05 लाख (विगत वर्ष रु. 3,715.16 लाख) बैंक प्रत्याभूत एवं ओवरड्राफ्ट सुविधा के बाबत इंडियन बैंक एवं बैंक ऑफ बड़ोदा के साथ प्रतिज्ञित शामिल है।

*एफएसएनएल के मामले में- उपरोक्त जमा में रु. 2,340.00 (विगत वर्ष रु. शून्य) बैंक प्रत्याभूत एवं ओवरड्राफ्ट सुविधा के बाबत बैंक ऑफ बड़ोदा एवं आंध्र बैंक के साथ प्रतिज्ञित शामिल है।

In case of FSNL- The above deposits includes ₹ 3,467.05 Lacs (PY ₹ 3,715.16 Lacs) pledged with Indian Bank and Bank of Baroda against Bank Guarantee & Overdraft facility

* In case of FSNL- The above deposits includes ₹ 2,340.00 Lacs (PY ₹ NIL) pledged with Bank of Baroda and Andhra Bank against Bank Guarantee & Overdraft facility

टिप्पणी 17 : अल्पावधि ऋण एवं अग्रिम :

Note 17 : Short-term loans and advances :

विवरण	Particulars	31 मार्च 31 March 2016	31 मार्च 31 March 2015
सुरक्षित असंदेहात्मक - कर्मचारी अग्रिम*	Secured, considered good - Staff advances*	261	362
असुरक्षित, असंदेहात्मक - अन्य	Unsecured, considered good - Others	1093	1113
बिक्री कर एवं वैट पर अग्रिम भुगतान	Advance Payment of Sales Tax & VAT	22	24
जमानत जमा	Security Deposits	7569	6539
आगत सेवा कर	Input Service Tax	3	2
कुल	**Total**	**8948**	**8040**

* केएमपी से बकाया रकम रु. 2 लाख (विगत वर्ष रु. 1 लाख)।

*Amount due from KMP ₹ 2 lac (previous year ₹ 1 lac).

टिप्पणी 17(ए) : अन्य चालू सम्पत्तियां :
Note 17(a) : Other Current Assets :

विवरण	Particulars		31 मार्च 31 March 2016		31 मार्च 31 March 2015
निपटान के लिए प्रतीक्षारत अचल सम्पत्तियां	Fixed Assets awaiting Disposal		212		217
वसूलीयोग्य दावा एवं अन्य अग्रिम असुरक्षित, असंदेहात्मक माल	Claim Recoverable & Other Advance Unsecured, Considered Good	107		81	
असुरक्षित, संदिग्ध	Unsecured, Considered Doubtful	25		25	
कमी, संदिग्ध	Less, Considered Doubtful	25		25	
			107		**81**
मियादी जमा पर उपार्जित ब्याज	Interest Accured on Term Deposit		512		1101
सेवा कर सेट ऑफ	Service Tax Set Off		324		236
इस्पात संयंत्रों एवं अन्य पार्टियों के पास जमानती जमा	Security Deposit with Steel plants & Other Parties		556		293
कर्मचारी अग्रिमों पर बकाया ब्याज	Interest due on staff advances		2		3
पूर्वदत्त व्यय	Prepaid Expenses		60		75
कुल	**Total**		**1773**		**2006**

टिप्पणी 18 : परिचालन से राजस्व :
Note 18 : Revenue from operations :

(रु. लाख में) / (₹ in Lacs)

विवरण	Particulars	2015-2016	2014-2015
सामग्री की बिक्री	Sale of Goods	269480	518052
सेवा शुल्क	Service Charges	15191	16623
अन्य परिचालित राजस्व	Other Operating Revenues	4483	7818
रद्दी एवं अन्य विविध कार्यों के संसाधन से सेवा शुल्क	Service Charges from processing of Scrap & other miscellaneous jobs	33160	26097
गोदाम प्रबंधन सेवा के लिए अभिरक्षक सेवाओं से आय	Income from Custodian Services for Warehouse Management Service	256	313
कुल	**Total**	**322570**	**568903**

(ए) वर्ष के दौरान ई-नीलामी पंजीकरण हेतु रु. 369 लाख (विगत वर्ष रु. 264 लाख) संग्रह किया गया था। चालू वर्ष के समय कुल संग्रह से रु. 296 लाख (विगत वर्ष रु. 211 लाख) देयताओं के पास रखा गया है, जो चार वर्षों में वितरित किया जाएगा, क्योंकि यह पंजीकरण आजीवन वैध है। अवितरित शेषों का संचयन 31.03.2016 को रु. 586 लाख (विगत वर्ष रु. 497 लाख) है। शेष राशि, जिसके लिए पंजीकरण एक वर्ष के लिए वैध है उसको चालू वर्ष के आय के रूप में लिया जाता है।

(बी) अन्य परिचालित राजस्वों में पार्टियों से ब्याज रु. 2493 लाख (विगत वर्ष रु. 6453 लाख) भी शामिल है।

(सी) सेवा शुल्क पर स्रोत पर कर की कटौती एवं ब्याज आय रु. 1756 लाख (विगत वर्ष रु. 1597 लाख) है।

(a) During the year, an amount of ₹ 369 lacs (previous year ₹ 264 lacs) was collected towards E-auction Registration. Out of total collection of current year, an amount of ₹ 296 lacs (previous year ₹ 211 lacs) has been kept in liabilities to be distributed in subsequent four years, since that registration is valid for life long. Accumulated undistributed balance standing as on 31.03.2016 is ₹ 586 lacs (previous year ₹ 497 lacs). Balance amount for which registration is valid upto one year is accounted for as income during the current year.

(b) Other Operating Revenues also includes Interest from parties ₹ 2493 lacs (previous yr. ₹ 6453 lacs).

(c) Tax deducted at source on Service Charge and Interest income amounts to ₹ 1756 lacs (previous year ₹ 1597 lacs).

टिप्पणी 19 : अन्य आय

Note 19 : Other Income :

विवरण	Particulars	2015-2016	2014-2015
ब्याज से आय	Interest Income		
i) स्थायी जमा पर ब्याज	i) Interest on fixed deposit	7139	8615
ii) कर्मचारी द्वारा लिए गए अग्रिम पर ब्याज	ii) Interest on Employee Advances	39	36
iii) अन्य ब्याज	iii) Interest others	2	2
विविध आय	Miscellaneous Income	13	36
लिखित बैंक देयता	Liability written back	710	0
परिसमापित नुकसान एवं अन्य वसूली	Liquidated damages & other recoveries	9	19
उप असेंबलियों की बिक्री	Sale of Sub-assemblies	2	61
अचल संपत्तियों की बिक्री (नेट)	Sale of Fixed Assets (Net)	23	28
कभी भी वापस नहीं लिखे जाने वाला प्रावधान	Provision no longer required written back	315	146
कुल	**Total**	**8252**	**8943**

बैंक जमा के ऊपर ब्याज से स्रोत पर कर कटौती रु. 574 लाख (विगत वर्ष रु. 663 लाख)।

Tax deducted at source from interest on bank deposits amounted to ₹ 574 lacs (previous year ₹ 663 lacs).

टिप्पणी 20 : भंडारगत माल का क्रय :

Note 20 : Purchase of Stock-in-Trade :

(रु. लाख में) / (₹ in Lacs)

विवरण	Particulars	2015-2016	2014-2015
सामग्री की खरीद	Purchase of goods	255384	526120
कुल	**Total**	**255384**	**526120**

टिप्पणी 21 : कर्मचारी हितलाभ व्यय :

Note 21 : Employee Benefits Expense :

विवरण	Particulars	2015-2016	2014-2015
(ए) वेतन एवं इनसेंटिव	(a) Salaries and incentives	10224	10368
(बी) पीएफ में नियोक्त का अंशदान	(b) Employer Contribution to PF	938	814
(सी) ग्रेच्यूटी निधि में अंशदान	(c) Gratuity fund contributions	3073	544
(डी) कर्मचारी कल्याण पर व्यय	(d) Staff welfare expenses	1871	2030
(ई) अवकाश नकदीकरण	(e) Leave encashment	772	919
कुल	**Total**	**16878**	**14675**

परिभाषित लाभ दायित्वों के संबंध में कर्मचारी लाभ पर लेखा मानक - 15 (संशोधित 2005) के अंतर्गत वांछित प्रकटीकरण :-
तालिका दिनांक 31.03.16 को दायित्वों के वर्तमान मूल्य में परिवर्तन प्रकट कर रही है।

Disclosure as required under Accounting Standard – 15 (Revised 2005) on "Employees Benefits" in respect of Defined Benefit obligations :-

Table showing changes in present value of obligation as on 31.03.16

(रु. लाख में) / (₹ in Lacs)

विवरण	Particulars	उपदान Gratuity	छुट्टी वेतन Leave Salary
वर्षारंभ में दायित्व की वर्तमान स्थिति	Present value of obligations as at beginning of the year	1213	1122
ब्याज लागत	Interest cost	97	90
वर्तमान सेवा लागत	Current service cost	25	77
चुकाए गए हित	Benefits paid	(241)	(164)
दायित्व पर बीमांकिक (लाभ/हानि)	Actuarial (Gain)/Loss on obligations	38	(79)
वर्षांत में दायित्व की वर्तमान स्थिति	Present value of obligations as at end of the year	1132	1046

तालिका 31.03.2016 तक की योजना संपत्ति के उचित मूल्य में परिवर्तन को प्रकट कर रही है।

Table showing changes in the fair value of plan assets as on 31.03.16

विवरण	Particulars	उपदान Gratuity	छुट्टी वेतन Leave Salary
वर्ष के प्रारम्भ में योजना संपत्ति का उचित मूल्य	Fair value of plan assets at beginning of the year	1405	1079
योजना संपत्ति पर संभावित आय	Expected return on plan assets	108	86
अंशदान	Contributions	25	43
चुकाए गए हित	Benefits paid	(241)	(164)
योजना संपत्ति पर बीमांकिक (लाभ/हानि)	Actuarial gain/(loss) on plan assets	–	–
वर्षांत में योजना संपत्ति का उचित मूल्य	Fair value of plan assets at the end of the year	1297	1044
निधिक स्थिति	Funded status	165	(2)

31.03.2016 को बीमांकित लाभ/हानि के रूप में पहचान।

Acturial Gain/Loss recognized as on 31.03.16

विवरण	Particulars	उपदान Gratuity	छुट्टी वेतन Leave Salary
दायित्व पर बीमांकिक (लाभ)/हानि	Actuarial (gain)/loss on obligations	(38)	79
वर्ष की योजना संपत्ति के लिए बीमांकिक (लाभ)/हानि	Actuarial (gain)/loss for the year – plan assets	–	–
दायित्व पर बीमांकिक (लाभ)/हानि	Actuarial (gain)/loss on obligations	38	79
वर्ष में बीमांकिक (लाभ)/हानि के रूप में पहचान	Actuarial (gain)/loss recognized in the year	38	79

तुलन-पत्र एवं लाभ हानि लेखा के विवरण में स्वीकृत राशि।

The amounts to be recognized in the balance sheet and statements of profit and loss.

विवरण	Particulars	उपदान Gratuity	छुट्टी वेतन Leave Salary
वर्षांत में दायित्व का वर्तमान मूल्य	Present value of obligations as at the end of the year	1132	1046
वर्षांत में योजना संपत्ति का उचित मूल्य	Fair value of plan assets as at the end of the year	1297	1044
निधिक स्थिति	Funded status	165	(2)
तुलन-पत्र में स्वीकृत निवल आस्तियां (देयताएं)	Net asset/(liability) recognized in balance sheet	165	2

लाभ एवं हानि लेखा विवरण में स्वीकृत खर्च

Expenses recognized in statement of Profit and loss.

(रु. लाख में) / (₹ in Lacs)

विवरण	Particulars	उपदान Gratuity	छुट्टी वेतन Leave Salary
वर्तमान सेवा लागत	Current service cost	25	77
ब्याज लागत	Interest cost	97	90
योजना संपत्तियों पर संभावित आय	Expected return on plan assets	(108)	(86)
वर्ष में बीमांकिक निवल (लाभ)/हानि	Net actuarial (gain)/loss recognized in the year	38	(79)
स्वीकृत खर्च लाभ-हानि लेखा विवरण में	Expenses recognized in statement of profit and loss	52	2

सहायिकी कंपनी के मामले में

परिभाषित लाभ दायित्वों के संबंध में कर्मचारी लाभों पर लेखा मानक - 15 (संशोधित 2005) के अंतर्गत वांछित प्रकटीकरण (ग्रेच्युटी को छोड़कर जिसके लिए प्रकटीकरण नहीं किया गया है) :-

क) अनुमानित लाभ दायित्वों के वर्तमान मूल्य का मिलान :-

In case of Subsidiary

Disclosure as required under Accounting Standard – 15 (Revised 2005) on "Employees Benefits" in respect of Defined Benefit obligations.

a) Reconciliation of present value of projected benefit obligations :-

क्रमांक Sr.	विवरण Particulars	अवकाश नकदीकरण Leave Encash-ment	सेवानिवृत्ति उपरांत चिकित्सा लाभ Post retirement Medical Benefit	सेवानिवृत्ति निपटान लाभ Post retirement Settlement Benefit	दीर्घकालीन उपरांत पुरस्कार Long Term Service Award	कर्मचारी सेवा परिवार लाभ योजना Employees Family Benefit Scheme	उपदान योजना Gratuity Scheme	सेवानिवृत्ति पश्चात चिकित्सा सुविधा योजना में अंशदान Contributory Post Retirement Medical Benefit Scheme	कुल Total
i	1 अप्रैल, 2015 को अनुमानित लाभ दायित्व का वर्तमान मूल्य Present Value of projected benefit obligation as at 1st April, 2015	2076	1932	42	6	351	2071	0	6478
ii	सेवा लागत Service Cost	262	78	2	0	0	61	0	403
iii	ब्याज लागत Interest Cost	144	149	3	1	24	134	0	455
iv	बीमांकित (लाभ)/हानि Actuarial (Gain)/Loss	7	(187)	2	(1)	76	3021	198	3116
v	विगत सेवा लागत Past Service Cost	0	0	0	0	0	0	0	0
vi	भुगतान किया हुआ लाभ Benefit Paid	(456)	(46)	(9)	(1)	(85)	(701)	0	(1298)
vii	अधिग्रहण लागत/(उधार) Acquisition Cost/(credit)	0	0	0	0	0	0	0	0
viii	31 मार्च, 2016 को अनुमानित लाभ दायित्व का वर्तमान मूल्य (i)+(ii)+(iii)+(iv)+(v)+(vi)+(vii) Present Value of projected benefit obligation as on 31st March, 2016 (i)+(ii)+(iii)+(iv)+(v)+(vi)+(vii)	2033	1926	40	5	366	4586	198	9154

ख) 31 मार्च, 2015 को समाप्त वर्ष के लिए लाभ एवं हानि लेखा के विवरण में स्वीकृत व्यय

b) Expenses recognized in the statement of Profit and Loss Account for the year ended 31st March, 2015

(रु. लाख में) / (₹ in Lacs)

क्रमांक Sr.	विवरण Particulars	अवकाश नकदीकरण Leave Encashment	सेवानिवृत्ति उपरांत चिकित्सा लाभ Post retirement Medical Benefit	सेवानिवृत्ति निपटान लाभ Post retirement Settlement Benefit	दीर्घकालीन उपरांत पुरस्कार Long Term Service Award	कर्मचारी सेवा परिवार लाभ योजना Employees Family Benefit Scheme	उपदान योजना Gratuity Scheme	सेवानिवृत्ति पश्चात चिकित्सा सुविधा योजना में अंशदान Contributory Post Retirement Medical Benefit Scheme
i	सेवा लागत Service Cost	262	79	2	1	0	61	0
ii	ब्याज लागत Interest Cost	144	149	3	1	24	134	0
iii	बीमांकित (लाभ)/हानि Actuarial (Gain)/Loss	7	(187)	2	(1)	76	3029	198
iv	विगत सेवा लागत Past Service Cost	0	0	0	0	0	0	0
v	योजना सम्पत्ति पर संभावित आय Expected return on plan asset	0	0	0	0	0	(181)	0
vii	कर्मचारी लाभ व्ययों के लिए प्रभारित रकम Amount charged to Employee Benefit Expenses	**413**	**41**	**7**	**1**	**100**	**3044**	**198**

ग) बीमांकिक द्वारा पुष्टीकरण के आधार पर दिनांक 31.03.2016 को 5.00 प्रतिशत की दर से चिकित्सा मुद्रास्फीति स्वीकृत किया गया है, चूँकि सेवानिवृत्ति उपरांत चिकित्सा लाभ योजना मेडिक्लेम पॉलिसी द्वारा रक्षित है।

घ) बीमांकित द्वारा स्वीकृति दी गई है

c) The medical inflation assumed @ 5.00% as on 31.03.2016 as confirmed by actuary since the post retirement medical benefit scheme is covered by Mediclaim Policy.

d) Assumption considered by Actuary

क्रमांक Sr.	विवरण Description	31 मार्च 2016 को As at 31st March 2016
i	रियायत दर Discount Rate	7.80%
ii	वेतन एवं पारिश्रमिक में वृद्धि की दर Rate of Escalation in Salaries & Wages	गैर-कार्यपालक - प्रथम वर्ष के लिए 10.00 प्रतिशत एवं तदुपरांत 6.00 प्रतिशत Non-Executive - 10.00% for first year & 6.00% thereafter कार्यपालक - प्रथम वर्ष के लिए 10.00 प्रतिशत एवं तदुपरांत 5.00 प्रतिशत Executive - 10.00% for first year & 5.00% thereafter
iii	मृत्यु दर और वापसी Mortality and withdrawal	भारतीय बीमाकृत जीवन मृत्युदर (2006-08) (सशोधित) सर्वश्रेष्ठ Indian Assured Lives Mortality (2006-08) (Modified) ultimate
iv	मुद्रास्फीति, वरिष्ठता पदोन्नति एवं अन्य संबंधित उपादानों को ध्यान में रखते हुए भविष्य की वेतन वृद्धि का अनुमान बीमांकित मूल्यों पर किया गया है The estimate of future salary increase is considered in actuarial valuation taking account of inflation, seniority promotion and other relevant factors	

टिप्पणी : 22 : वित्त लागत :

Note 22 : Finance Costs :

विवरण	Particulars	2015-2016	2014-2015
ब्याज व्यय	Interest expense	9731	8771
कुल	**Total**	**9731**	**8771**

टिप्पणी : 23 : अन्य व्यय :

Note 23 : Other Expenses :

(रु. लाख में) / (₹ in Lacs)

विवरण	Particulars	2015-2016	2014-2015
मरम्मत एवं रखरखाव	Repairs and Maintenance	237	201
ईडीपी व्यय	EDP Expenses	280	200
मशीनरी की मरम्मत	Repairs to Machinery	474	274
बीमा	Insurance	49	39
किराया	Rent	307	294
उपकरण किराया	Equipment Rent	10195	6476
बाह्य एजेंसियों के जरिए सेवाओं की लागत	Cost of Services through outside agency	2077	1994
सुरक्षा सेवाएं	Security Services	292	362
किराया एवं कर	Rates and Taxes	56	154
बैंक शुल्क	Bank Charges	690	568
यात्रा व्यय	Travelling Expenses	400	338
विदेश यात्रा	Foreign Travelling	26	13
गाड़ी किराया प्रभार	Car Hire Charges	109	74
बैठक एवं सम्मेलन	Meeting and Conference	73	19
प्रशिक्षण	Training	16	8
निदेशक बैठक शुल्क	Directors' Sitting Fees	2	2
लेखा परीक्षा शुल्क*	Audit Fees*	8	7
आउट ऑफ पॉकेट व्यय (सांविधिक लेखा परीक्षक)	Out-of-Pocket Expenses (Statutory Auditor)	5	4
स्टॉक यार्ड व्यय	Stock Yard Expenses	55	27
टेलेक्स, पोस्टेज एवं टेलीग्राम	Telex, Postage and Telegram	47	48
इलेक्ट्रिसिटी	Electricity	129	115
प्रिंटिंग एवं स्टेशनरी	Printing and Stationery	42	40
मनोरंजन	Entertainment	22	18
टेलीफोन शुल्क	Telephone Charges	59	55
विज्ञापन	Advertisement	119	90
संविधिक व्यय**	Legal Expenses **	290	261
कंसलटैंसी शुल्क	Consultancy Charges	58	175
आंतरिक लेखा परीक्षा शुल्क	Internal Audit fees	2	2
आउट ऑफ पॉकेट व्यय (आंतरिक लेखा परीक्षक)	Out-of-Pocket Expenses (Internal Auditor)	3	3
विविध व्यय	Miscellaneous Expenses	591	390
कर्मचारी नियुक्ति व्यय	Staff Recruitment Expenses	11	6
समाचारपत्र, किताब एवं पत्रिकाएं	Newspaper, Books and Periodicals	5	4
नैगमिक सामाजिक दायित्व	Corporate Social Responsibility	169	133
नीलामी/निविदा व्यय	Auction/Tender Expenses	74	101
संदेहात्मक ऋण के लिए प्रावधान	Provision for Doubtful Debts	1830	7414
देययोग्य दावा के लिए प्रावधान	Provision for Claim Payable	11	13
स्वच्छ भारत सेस	Swachha Bharat Cess	29	0
पूर्व अवधि उत्पाद	Prior period items	0	16
कुल	**Total**	**18842**	**19938**

*कर लेखा परीक्षा शुल्क रु. 1 लाख शामिल है (विगत वर्ष रु. 1 लाख)।

**स्वर्ण आभूषण निर्यात से संबंधित मामले के तहत रु. 36 लाख (लगभग) शामिल है जो विगत वर्ष रु. 53 लाख (लगभग) था।

* Includes Tax Audit fees of ₹ 1 lac (previous yr. ₹ 1 lac)

** Includes ₹ 36 lacs (approx.) prev.yr ₹ 53 lacs (approx.) pertains to cases relating to Gold Jewellary Export.

टिप्पणी : 24 (ए) : विदेशी मुद्रा में व्यय :

Note 24 (a) : Expenditure incurred in Foreign Currency :

(रु. लाख में) / (₹ in Lacs)

विवरण	Particulars	2015-2016	2014-2015
सामानों का आयात	Import of Goods	135936	160334
यात्रा खर्च एवं अन्य	Travelling Expenses & Others	17	14
कुल	**Total**	**135953**	**160348**

टिप्पणी : 24 (बी) : विदेशी मुद्रा में व्यय :

Note 24 (b) : Earnings in Foreign Currency :

विवरण	Particulars	2015-2016	2014-2015
ई-नीलामी पंजीयन शुल्क	E-auction Registration fees	13	1
	Total	**13**	**1**

टिप्पणी : 25 : प्रबंधकीय पारिश्रमिक :

Note 25 : Managerial Remuneration :

(ए) (a)

विवरण	Particulars	2015-2016	2014-2015
निदेशकों के वेतन एवं भत्ते	Director's Salaries & Allowances	174	130
भविष्य निधि में कंपनी का योगदान	Company's Contribution to Provident Fund	7	6
चिकित्सा व्यय की प्रतिपूर्ति	Reimbursement of Medical expenses	2	2

बी) चूंकि निदेशकों को कंपनी द्वारा लिमिटेड माइलेज के लिए कार के निजी व्यवहार की सुविधा प्रदान किए गए हैं, उस सुविधा को हित लाभ/अनुलाभ के रूप में नहीं लिया गया है।

सी) ग्रुप इंश्योरेंस/ग्रुप ग्रैच्यूटी स्कीम की मॉस्टर पॉलिसी के लिए प्रीमियम का भुगतान किया है, जो निदेशकों के लिए भी किया जाता है, अनुलाभ के रूप में नहीं लिया गया है क्योंकि यह अनिश्चित है।

डी) उपरोक्त में वास्तविक भुगतान के आधार पर कार्यनिष्पादन संबंधी वेतन शामिल है

b) Since the facility of private use of car for limited mileage is provided by the Company to Directors, such facility has not been considered as benefit / perquisite.

c) Premium paid for Master policy of Group Gratuity Scheme / Group Insurance which also covers Directors has not been considered as perquisite since it is unascertainable.

d) The above includes Performance related pay on actual payment basis

टिप्पणी : 26 : संबंधित पार्टी का प्रकटीकरण

Note 26 : Related party disclosure

1.ए) शीर्ष प्रबंधकीय कार्मिक (केएमपी) -

श्री एस के त्रिपाठी, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
श्री ए के बसु, निदेशक (वित्त)
श्री बी बी सिंह, निदेशक (वाणिज्य)
श्री एस. के. राय, कंपनी सचिव
श्री राजीब भट्टाचार्य, प्रबंध निदेशक, एफएसएनएल (दिनांक 09/02/2015 को कार्यभार ग्रहण किया)
श्री ए,पी. शर्मा, कम्पनी सचिव, एफएसएनएल

1.a) Key Managerial Personnel (KMP) :

Shri S K Tripathi – Chairman-cum-Managing Director
Shri A.K.Basu – Director (Finance)
Shri B.B. Singh – Director (Commercial)
Shri S.K. Ray – Company Secretary
Shri Rajib Bhattacharya – Managing Director, FSNL (Taken over change on 09/02/2015)
Shri A.P. Sharma – Company Secretary, FSNL

बी) वर्ष के दौरान संबंधित पार्टियों से लेनदेन :

b) Transaction with related party during the year :

लेनदेन की प्रकृति Nature of Transaction	सीवाई CY	केएमपी KMP	पीवाई PY
प्रबंधकीय पारश्रमिक भुगतान	₹ 243 लाख		₹ 144 लाख
Managerial Remuneration Paid	₹ 243 lacs		₹ 144 lacs
सी) अग्रिम शेष राशि बकाया	(₹ 3 लाख)		(₹ 2 लाख)
c) Advance Balance outstanding :	₹ 3 lac		(₹ 2 lac)

डी) कम्पनी ने एफएसएनएल से सीएमडी हेतु व्यय हेतु प्रतिपूर्ति के रूप में कुछ भी प्राप्त नहीं किया (विगत वर्ष रु. 7लाख)

d) The company has received NIL (previous year ₹ 7 lacs) as reimbursement of exprenses for CMD from FSNL.

टिप्पणी : 27 : एएस-17 के अनुसार विभाजित रिपोर्टिंग :

Note 27: Segmental Reporting as per AS – 17:

कंपनी ने एएस-17 की शर्तों के अनुसार ई-कॉमर्स, विपणन और स्क्रैप वसूली व संबंद्ध कार्य को अपने तीन प्राथमिक व्यवसाय प्रभाग के रूप में चिन्हित किया है। यहां कोई गौण क्षेत्र नहीं है।

In terms of AS-17 the Company has identified Marketing, E-Commece and Scrap Recovery & Allied Jobs as its three Primary Reportable Business Segments. There is no Secondary Segment.

(रु. लाख में) / (₹ in Lacs) / (विगत वर्ष) / (previous year)

विवरण **Particulars**	**विपणन** **Marketing**	**ई-कॉमर्स** **E-Commerce**	**अन्य (अनाबंटित)** **Others (unallocated)**	**स्क्रैप वसूली व संबद्ध कार्य** **Scrap Recovery & Allied Jobs**	**कुल** **Total**
कुल राजस्व	281147	12774	3529	34707	332157
Total Revenue	(535637)	(13690)	(849)	(27670)	(577846)
कुल व्यय	278843	377	9738	31455	320413
Total Expenses	(524245)	(309)	(12943)	(25134)	(562631)
परिणाम (कर पूर्व लाभ/हानि (-)	2304	12397	(6209)	3252	11744
Result (Profit/Loss(-) before Tax)	(11392)	(13381)	(-12094)	(2536)	(15215)
कर व्यय			3146	1141	4287
Tax expenses			(4048)	(826)	(4874)
अवधि के लिए लाभ/हानि (-)			5346	2111	7457
Profit/ Loss(-) for the period			(8631)	(1710)	(10341)

आस्तियों एवं देयताओं की अनाबंटित प्रकृति के कारण विभाजित नहीं किया जा सका।

Assets & liabilities could not be segmented due to their unallocable nature.

टिप्पणी : 28 : व्यापार से प्राप्य का शेष, व्यापारगत भुगतेय एवं अग्रिमों में शामिल शेष पुष्टिकरण/मिलान एवं परिणाम स्वरूप समायोजन का विषय है। यदि कोई हो, मिलान को जारी आधार पर लिया गया है। प्रावधान, जहां पर जरूरी है, किया गया है।

Note 28 : Balances of Trade Receivables, Trade Payables and Advances include balances subject to confirmation/reconcilliation and consequential adjustment, if any. Reconciliations are carried out on on-going basis. Provisions, wherever considered necessary, have been made.

टिप्पणी : 29 : प्रति शेयर आय की गणना निम्नानुसार किया है:-

Note 29 : Earning per share has been computed as under :-

(रु. लाख में) / (₹ in Lacs)

विवरण	Particulars	2015-2016	2014-2015
करोपरांत-लाभ (रु. लाख में)	Profit after Tax (₹ in lacs)	7457	10341
शेयरों की संख्या (अदद)	No. of shares (Nos.)	8800000	8800000
करोपरांत लाभ पर प्रति शेयर आय (प्रति शेयर अंकित मूल्य रु.10/-) बेसिक/डाइलूटेड (रु.)*	Earnings per share on profit after tax (face value ₹ 10/- per share) – Basic/Diluted (₹)*	85	118

टिप्पणी : 30 : आकस्मिक देयताओं एवं प्रतिबद्धता (इसके लिए सीमा तक प्रावधान नहीं किया गया)

आकस्मिक देयताओं में शामिल कंपनी के विरुद्ध दावे को ऋण के रूप में नहीं लिया गया :-

Note 30 : Contingent Liabilities and Commitments (to the extent not provided for)

Contingent Liabilities include claims against the Company not acknowledged as debt :-

(i) आकस्मिक देयताओं / Contingent Liabilities

विवरण	Particulars	2015-2016	2014-2015
बिक्री कर एवं सीमा शुल्क	Sales Tax & Customs	4750	4581
धन संबंधी वाद	Money Suits	15605	12875
नौवहन वाद	Admiralty Suits	73	91
विवाचन	Arbitration	2655	4717
विधि व्यय	Legal Expenses	325	325
आयकर	Income Tax	429	677
बकाया बीजी/एलसी	Outstanding BG/LC	64	59
सेवा कर	Service Tax	8350	7841
कुल	**Total**	**32251**	**31166**

(ii) प्रतिबद्धता / Commitments

पूंजी खाते पर निष्पादन होने वाले शेष ठेके की अनुमानित रकम एवं प्रदत्त नहीं किया गया (निवल अग्रिम)	Estimated amount of contracts remaining to be executed on capital account and not provided for (net of advance)	**557**	**90**

टिप्पणी : 31 (ए) : 31 मार्च 2016 को समाप्त वर्ष के लिए शुरुआती स्टॉक, क्रय, विक्रय एवं समाप्त स्टॉक का विवरण :

Note 31 (a) : Statement of Opening Stock, Purchases, Sales and Closing Stock for the year ended 31st March, 2016

(विगत वर्ष) / (previous year) / (मात्रा '000 टन) / (Qty '000 Tonnes) / (रु. लाख में) / (₹ in Lacs)

सामग्री का विवरण Description of material	शुरुआती स्टॉक Opening Stock		क्रय Purchases		विक्रय Sales		बंद स्टॉक Closing Stock	
	मात्रा Qty.	मूल्य Value	मात्रा Qty.	मूल्य Value	मात्रा Qty.	मूल्य Value	मात्रा Qty.	मूल्य Value
क्रूड ऑयल	0	0	0	0	0	0	0	0
Crude Oil	0	0	(155)	(55066)	(155)	(55754)	0	0
कोक/कोल	337	14683	5658	254935	5955	269023	40	1529
Coke / Coal	(86)	(3605)	(11240)	(470809)	(10989)	(461983)	(337)	(14683)
				253406		269023		
				(525875)		(517737)		
			अंतिम बिल समायोजन	449		457		
			Final Bill Adj.	(245)		(315)		
				255384		269480		
				(526120)		(518052)		

टिप्पणी 31 (बी) : ऊपर के अलावा कंपनी ने फेसिलेटर के रूप में निम्नोक्त के अनुसार सामग्री खरीदी है :

Note 31 (b) : In addition to above the Company have also purchased material as facilitator as per details below :

(विगत वर्ष) / (previous year) / (मात्रा '000 टन) / (Qty '000 Tonnes) / (रु. लाख में) / (₹ in Lacs)

सामग्री का विवरण Description of material	मात्रा Qty	खरीद मूल्य Purchase Value	अर्जित सेवा प्रभार Service Charges Earned
एच आर क्वायल्स H R Coils	1 (1)	120 (394)	3 (8)
कोक/कोल Coke / Coal	500 (629)	25840 (66748)	741 (1378)
बिलेट्स Billets	0 (6)	0 (2294)	0 (43)
नेफ्था Naptha	382 (95)	91281 (65376)	1134 (1409)
आयरन ओर Iron Ore / Pellete	525 (503)	24870 (27506)	722 (514)
मैंगेनीज ओर Manganese Ore	18 (44)	1246 (3872)	50 (93)
पिग आयरन Pig Iron	0 (7)	0 (2212)	0 (43)
क्रोम Chrome	4 0	359 0	16 0
विद्युत उपकरण Electrical Equipment	0 0	16119 0	298 0
कुल / Total	**1430**	**159835**	**2964**
	(1285)	**(168402)**	**(3488)**

टिप्पणी 32 : तुलनात्मक बनाने के लिए विगत वर्ष के आकडों को जहां जरूरत है वहां पुनर्व्यवस्थित एवं पुनः समूहित किया गया है।

Note 32 : Figures for the previous year have been rearranged and regrouped wherever necessary to make it comparable.

टिप्पणी 33 : टिप्पणी 33 : कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची III के अधीन सहायिकी के रूप में उद्यमों समेकित के लिए आवश्यक अतिरिक्त सूचना।

Note 33 : Additional Information, as required under Schedule III to the Companies Act, 2013 of enterprises consolidated as Subsidiary.

उद्यम का नाम Name of the Enterprise		निवल सम्पत्तियां यानी कुल सम्पत्तियां Net Assets i.e. Total Assets		लाभ या हानि का अंश Share in Profit or Loss	
		समेकित निवल सम्पत्तियों के प्रतिशत के रूप में As % of Consolidated net assets	रकम Amount (₹ in Lacs)	समेकित लाभ या हानि के प्रतिशत के रूप में As % of Consolidated profit or loss	रकम Amount (₹ in Lacs)
प्रधान	**Parent**				
एमएसटीसी लिमिटेड	MSTC Limited	80.78	71867	71.69	5346
सहायिकी	**Subsidiary**				
फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड	Ferro Scrap Nigam Limited	19.22	17098	28.31	2111

टिप्पणी 34 से टिप्पणी 51 : सहायक कंपनी के मामले में
Note 34 to Note 51 : In case of Subsidiary

टिप्पणी 34 : प्रयुक्त सामग्रियों की लागत
Note 34 : Cost of Material consumed

(रु. लाख में) / (₹ in Lacs)

विवरण	प्रारम्भिक स्टॉक	क्रय	समाप्ति स्टॉक	2015-2016 प्रयुक्त	2014-2015 प्रयुक्त
लैंसिंग ट्यूब्स	12	0	0	59	48
ऑक्सीजन एवं एसिटिलीन	0	0	0	455	330
लुब्रिकेंट्स	24	0	0	164	200
डीजल व गैसोलेन	35	0	0	1729	1903
स्टोर्स एवं स्पेयर पार्ट्स	463	0	0	1220	812
जल, विद्युत	0	0	0	87	71
कुल	**534**	**0**	**0**	**3714**	**3364**

Particulars	Opening Stock	Purchase	Closing Stock	Consumption	Consumption
Lancing Tubes	12	0	0	59	48
Oxygen & Acetylene	0	0	0	455	330
Lubricants	24	0	0	164	200
Diesel & Gasolene	35	0	0	1729	1903
Stores & Spare parts	463	0	0	1220	812
Water, Power	0	0	0	87	71
Total	**534**	**0**	**0**	**3714**	**3364**

टिप्पणी 35 : वर्तमान परिसम्पत्तियां, ऋण एवं अग्रिम अच्छे एवं वसूलीयोग्य है तथा लागत के करीब हैं, यदि व्यापार के सामान्य अवधि में वसूली जाती है और जहाँ तक लेखों में उल्लिखित है। व्यापार देयता की शेष राशि, व्यापार प्राप्य, ऋण एवं अग्रिम मिलान एवं पुष्टिकरण के अधीन है।

Note 35 : The current assets, loans and advances are good and recoverable and are approximately of the values, if realized in the ordinary course of business unless and to the extent stated otherwise in the accounts. Banances of trade payables, trade receivable, loans and advances are subject to reconciliation and confirmation.

टिप्पणी 36 : तुलन पत्र एवं लाभ व हानि खाता उस पर दी गई टिप्पणी के साथ पढ़े, कम्पनी अधिनियम, 2013 के अधीन आवश्यक जानकारियों के खुलासा की ओर ध्यानाकर्षित करने के साथ ही वर्ष के अंत में कंपनी मामले के विवरण तथा आलोच्य वर्ष के अधीन कंपनी का परिणाम की साफ-सुथरी तस्वीर प्रस्तुत करता है।

Note 36 : Balance Sheet and Profit & Loss Account read together with the notes thereon, are drawn up so as to disclose the information required under the Companies Act, 2013 as well as give a true and fair view of the statement of affairs of the Company as at the end of the year and results of the Company for the year under review.

टिप्पणी 37 (ए) : आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद, रायपुर ने अप्रैल, 08 से सितम्बर, 08 की अवधि हेतु भिलाई यूनिट में स्क्रैप की वसूली एवं प्रसंस्करण के कार्य हेतु "कार्गो हैंडलिंग सेवाओं" पर सेवा कर के बाबत रु. 152.05 लाख के लिए कारण बताओ नोटिस जारी किया है। उपरोक्त कारण बताओ नोटिस का प्रत्युत्तर कम्पनी द्वारा पहले दाखिल कर दिया गया है, मामले में व्यक्तिगत सुनवाई संचालित हो रही है हालांकि आदेश अभी तक प्राप्त होने का है।

बी) आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, रायपुर ने अक्टूबर, 2009 से मार्च, 2010 की अवधि हेतु भिलाई यूनिट में स्क्रैप की वसूली एवं प्रसंस्करण के कार्य हेतु "कार्गो हैंडलिंग सेवाओं" पर सेवा कर के बाबत रु. 181.68 लाख का कारण बताओ नोटिस जारी किया है। कारण बताओ नोटिस का प्रत्युत्तर आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क को दाखिल कर दिया गया है, हालांकि व्यक्तिगत सुनावाई लंबित है।

सी) आयुक्त, केन्द्रीय उप्पाद शुल्क, रायपुर ने अक्टूबर, 2008 से सितम्बर, 2009 की अवधि हेतु भिलाई यूनिट में स्क्रैप की वसूली एवं प्रसंस्करण के कार्य हेतु "कार्गो हैंडलिंग सेवाओं" पर सेवा कर के बाबत रु.245.72 लाख का कारण बताओ नोटिस जारी किया है। उपरोक्त कारण बताओ नोटिस का प्रत्युत्तर कम्पनी ने पहले ही दाखिल कर दिया है, मामले में व्यक्तिगत सुनवाई संचालित हो रही है, हालांकि आदेश अभी तक प्राप्त होने का है।

डी) आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, रांची ने फरवरी, 2008 से मार्च, 2010 की अवधि हेतु बोकारो यूनिट में स्क्रैप की वसूली एवं प्रसंस्करण के कार्य हेतु '"व्यापार पूरक सेवाओं' पर सेवा कर के बाबत रु. 146.96 लाख का कारण बताओ नोटिस जारी किया है। उपरोक्त कारण बताओ नोटिस का प्रत्युत्तर कम्पनी ने पहले ही दाखिल कर दिया है, हालांकि व्यक्तिगत सुनवाई लंबित है।

ई) अतिरिक्त आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, बोलपुर ने अक्टूबर, 2008 से सितम्बर, 2009 तक की अवधि हेतु दुर्गापुर यूनिट में स्क्रैप की वसूली एवं प्रसंस्करण के कार्य हेतु "व्यापार पूरक सेवाओं" पर सेवा कर के बाबत रु. 22.20 लाख का कारण बताओ नोटिस जारी किया है। उपरोक्त कारण बताओ नोटिस का प्रत्युत्तर कंपनी द्वारा पहले ही दाखिल कर दिया गया है, हालांकि व्यक्तिगत सुनवाई लंबित है।

एफ) अतिरिक्त आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवा कर, रायगढ़ आयुक्तालय ने वर्ष 2009-10, 2010-11 एवं 2012-13 हेतु डोल्वी यूनिट में स्क्रैप की वसूली एवं प्रसंस्करण के कार्य हेतु '"व्यापार समर्थन सेवा' पर सेवा कर के बाबत रु. 44.40 लाख का कारण बताओ नोटिस जारी किया है। उपरोक्त कारण बताओ नोटिस का प्रत्युत्तर कम्पनी द्वारा पहले ही दाखिल कर दिया गया है, हालांकि व्यक्तिगत सुनवाई लंबित है।.

जी) भिलाई के उपायुक्त, केन्द्रीय उत्पाद, डिवीजन-1 नें रु. 1.08 लाख का कारण बताओ नोटिस इस आधार पर जारी किया है कि सम्बद्ध अवधि में सर्वोच्च दर पर सेवा दी गई। उपरोक्त कारण बताओ नोटिस का प्रत्युत्तर अभी दाखिल किया जाना बाकी है।

Note 37 : (a) The Commissioner, Central Excise of Raipur has issued show cause notice for ₹ 152.05 lakhs towards service tax on "Cargo Handling Services" for the jobs of recovery and processing of scrap at Bhilai unit for the period April'08 to September'08. The reply of above show cause notice is already submitted by the company, personal hearing in the matter is being conducted however order is yet to be received.

(b) The Commissioner, Central Excise of Raipur has issued show cause notice of ₹ 181.68 lakhs towards ervice tax on "Cargo Handling Services" for the job of recovery and processing of scrap at Bhilai unit for the period Oct'2009 to March'2010. The reply to the show cause notice has been submitted to Commissioner, Central Excise, Raipur, however personal hearing is pending.

(c) The Commissioner, Central Excise of Raipur has issued show cause notice of ₹ 245.72 lakhs towards service tax on "Cargo Handling Services" for the job of recovery and processing of scrap at Bhilai unit for the period Oct'2008 to September'2009. The reply of above show cause notice is already submitted by the company, personal hearing in the matter is being conducted however order is yet to be received.

(d) The Commissioner, Central Excise of Ranchi has issued show cause notice of ₹ 146.96 lakhs towards service tax on "Business Auxiliary Services" for the job of recovery and processing of scrap at Bokaro unit for the period February'2008 to March'2010. The reply of above show cause notice is already submitted by the compnay, however personal hearing is pending.

(e) The Addl. Commissioner, Central Excise of Bolpur has issued show cause notice of ₹ 22.20 lakhs towards service tax on "Business Auxiliary Services" for the job of recovery and processing of scrap at Durgapur unit for the period October'2008 to September'2009. The reply of above show cause notice is already submitted by the company, however personal hearing is pending.

(f) The Addl. Commissioner, Central Excise & Service Tax, Raigad Commissionerate issued show cause notice of ₹ 44.40 lakhs towards service tax on "Business Support Service" for the job of recovery and processing of scrap at Dolvi unit for the year 2009-10, 2010-11 and 2012-13. The reply of the above show cause notice already submitted by the company, however personal hearing is pending.

g) The Deputy Commissioner, Central Excise, Division-1 of Bhilai issued show cause notice of ₹ 1.08 lakhs towards interest on the ground that the service rendered at the relevant period was at a higher rate. The reply of above show cause notice is yet to be submitted.

टिप्पणी 38 : कम्पनी की समीक्षा उसकी स्थायी परिसम्पत्तियों की राशि को शामिल कर सम्पूर्ण कंपनी को कैश जेनरेटिंग यूनिट (सीजीयू) के रूप में की जाती है। अतः कम्पनी (सीजीयू के रूप में) ने भविष्य के नकद प्रवाह का वर्तमान मूल्य के साथ अपनी परिसम्पत्तियों की शामिल राशि का तुलना किया है और जिसमें कोई नुकसान नहीं दिखता है।

Note 38 : The company reviews the carrying amount of its fixed assets treating the entire company as a Cash Generating Unit (CGU). Hence, the company (being a CGU) has compared the carrying amount of its fixed assets with present value of future cash flows and it does not show any impairment.

टिप्पणी 39 : एमएसएमई की बकाया राशि (टिप्पणी 7 में प्रकटीकृत जैसा) बहुत हद तक इस मामले को पहचाना गया है। कम्पनी ने सामान्यतया एमएसएमई इकाइयों को निर्धारित समय में भुगतान किया एवं पार्टियों से ब्याज या अधिक बकाया भुगतान हेतु कोई दावा नहीं है। कम्पनी सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों (एमएसई) आदेश 2012 हेतु सार्वजनिक प्रांपण नीति के दिशा-निर्देशों का अनुसरण करती है।

Note 39 : The amount due to MSME (as disclosed in Note 7) is to the extent such undertakings have been identified. The company has normally made payment to MSME units in due time and there are no claim from the parties for interest or overdue payment. The Company is following the guidelines of Public Procurement Policy for Micro & Small Enterprises (MSEs) Order 2012.

टिप्पणी 40 : गैर कार्यकारी कर्मचारियों के वेतन संशोधन हेतु समझौता 31 दिसम्बर, 2011 को समाप्त हो गया है। नया समझौता का अंतिम फैसाल 1 जनवरी, 2012 ले लंबित है, वेतन संशोधन के बाबत वर्ष हेतु रु. 423.07 लाख (विगत वर्ष रु. 969.51 लाख) का प्रावधान अनुमानित एवं प्रदान किया गया है।

Note 40 : The Agreement for Wage revision of Non executive employees expired on 31st December 2011. Pending finalization of the fresh agreement w.e.f. 1st January 2012, a provision of ₹ 423.07lakhs (Previous Year ₹ 969.51 lakhs) for the year towards wage revision has been estimated and provided.

टिप्पणी 41 : कम्पनी ने डीपीई के दिशा निर्देशों के आधार पर कार्यकारी पेंशन निधि के बाबत रु. 616.93 लाख अनुमान एवं प्रदान किया है। प्रस्तावित योजना के अनुसार कार्यकारी जो 01.10.2014 को कम्पनी के रोल पर थे पेंशन के लिए नामांकित होंगे एवं उनके लिए 01.01.2007 से सुपरएनुमेशन लाभ, लंबित अनुमोदन किया गया है।

Note 41 : The company has estimated and provided ₹ 616.93 lakhs towards executive pension fund in line with DPE's guideline. As per proposed scheme executives who were on roll of the company on 01.10.2014 will be entitled for pension and for them provision has been made w.e.f. 01.01.2007 towards superannuation benefit, pending approval.

टिप्पणी 42 : कंपनी भारत में विविध इस्पात संयंत्र में स्क्रैप वसूली एवं सम्बद्ध कार्य के व्यापार में लगी हुई है, आरडब्ल्यूएफ-बेंगलुरू एवं भेल-हरिद्वार, जो कंपनी का प्रधान व्यापार गतिविधि है। स्क्रैप वसूली एवं सम्बद्ध कार्य के साथ ही कंपनी वेयरहाउस प्रबन्धन की सेवाएं भी देती हैं। तथापि, एएस 17 अर्थात "सेगमेंट रिपोर्टिंग" के पैरा 27 (ए) के अनुसार, एक व्यापार क्षेत्र जिसे उल्लेखनीय क्षेत्र के रूप में पहचान किया जाना चाहिए यदि इसका राजस्व बाह्य ग्राहकों को बिक्री एवं अन्य क्षेत्र के साथ लेनदेन से सभी क्षेत्र के कुल राजस्व, बाहरी एवं आंतरिक, का 10 प्रतिशत या अधिक है। वेयरहाउस प्रबंधन से कुल सेवा प्रभार अर्जित राजस्व के दस प्रतिशत से कम है, अतःपूर्व का एक उल्लेखनीय क्षेत्र गठन नहीं है।

आगे जैसा भौगोलिक क्षेत्र का सम्बन्ध है, लेखा मानकों में उल्लिखित अनुसार प्राथमिक मानदंड पर विचार किया जा रहा है जिसका विवरण निम्न रूप में हैः

* आर्थिक एवं राजनीतिक स्थितियों की समानता

* विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में परिचालन के बीच संबंध

* परिचालन सन्निकटता

* विशेष क्षेत्र में परिचालन से सम्बद्ध विशेष जोखिम

* विदेशी मुद्रा नियंत्रण नियमावली

* अंतर्निहित मुद्रा जोखिम

चूंकि कंपनी यूनिट्स को सेवाएं दे रही हैं जो एक जैसी आर्थिक एवं राजनीतिक स्थितियों के अधीन हैं एवं इसलिए परिचालन जोखिम यथा, विदेशी मुद्रा नियंत्रण नियमावली, अंतर्निहित मुद्रा जोखिम, परिचालन सन्निकटता आदि को उजागर करता है। तदनुसार विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में परिचालन का संबंध एक दूसरे से अंतर नहीं करता है और अतः कंपनी या प्रबन्धन के लिए प्रासंगिक नहीं है।

Note 42 : Company is engaged in the business of Scrap Recovery and Allied Jobs in various Steel Plants in India, RWF – Bengaluru and BHEL – Haridwar, whichis the principal business activity of the company. Beside scrap recovery and allied jobs, company has rendered services of warehouse management. However, as per Para 27(a) of AS 17 i.e. "Segmental Reporting", a business segment shoud be identified as a reportable segment if it's revenue from sales to external customers and from transactions with other segments is 10 percent or more of the total revenue, external and internal, of all segments. Total service charges received against warehouse management is less than ten percent of the revenue earned; hence the former does not constitute

a reportable segment.

Further as regards to geographical segment, the primary criteria as envisaged in the accounting standard are being considered of which details are as follows :

* Similarity of economic and political conditions
* Relationship between operations in different geographical areas
* Proximity of operations
* Special risks associated with operations in particular area
* Exchange control regulations
* Underlying currency risks

Since the company is rendering services to units that are subject to same economical and political conditions and are therefore exposed to same operational risks viz, exchange control regulations, underlying currency risks, proximity of operations etc. Accordingly relationship between operations in different geographical areas does not differ from each other and therefore is not relevant for the company or the management.

टिप्पणी 43 : अप्रचलित इन्वेंटरी सामग्रियों की पहचान प्रबंधन द्वारा विधिवत गठित आंतरिक तकनीकी समीक्षा कमिटी द्वारा की गई है। कमिटी ने वित्तीय वर्ष 2013-14 में सभी यूनिट्स हेतु रिपोर्ट दाखिल कर दिया है। कमिटी ने कम्पनी की कुल इन्वेंटरी में से रु. 23.42 लाख के अप्रचलित इन्वेंटरी की पहचान किया है। आगे कमिटी ने इन अप्रचलित इन्वेंटरियों से रु. 8.08 लाख के शुद्ध वसूलीयोग्य मूल्य का आकलन किया है।

Note 43 : Obsolete inventory items are identified by internal technical review committee duly constituted by the management. The committee submitted the report in the FY 2013-14 for all the units. The committee has identified obsolete inventory amount to ₹ 23.42 lacs out of the total inventory of the company. Further committee has estimated net realizable value of ₹ 8.08 lacs against these obsolete inventories.

टिप्पणी 44 : लेखा नीति में परिवर्तन कर कम्प्यूटर साफ्टवेयर (अमूर्त सम्पत्ति) केमामले में अवशिष्ट मूल्य शून्य विचार करने का असर के परिणामस्वरूप 0.17 लाख का अतिरिक्त पूंजी ह्रास हुआ है और उसे चालू वर्ष के पूंजी ह्रास में शामिल किया गया है।

Note 44 : The impact for considering zero residual value in case of Computer Software (intangible assets) by change in accounting policy has resulted in additional depreciation of ₹ 0.17 lacs and the same is included in current year depreciation.

टिप्पणी 45 : कर्मचारी लाभ : परिभाषित लाभ योजना का संक्षिप्त विवरण :

(क) अवकाश का नकदीकरण - पात्र कर्मचारियों के विनियोजन पर देय 300 दिनों (अर्जित अवकाश एवं अर्द्ध-वेतन अवकाश संयुक्त) तक सीमित की गई है, एवं एचपीएल की गणना 300 दिनों की सीमा के गणना हेतु डीपीई दिशानिर्देश के अनुसार नहीं किया जाएगा। संचित अर्जित अवकाश का नकदीकरण भी एक कलेंडर वर्ष में एक बार में 30 दिनों तक ही स्वीकृति होगी।

(ख) अवकाश प्राप्त करने के उपरान्त चिकित्सा लाभ - अवकाश प्राप्त कर्मचारियों को किसी अस्पताल में मेडिक्लेम इंश्योरेंस पॉलिसी के अधीन उपलब्ध होगा।

(ग) अवकाश प्राप्त करने के उपरान्त निपटान लाभ - अवकाश प्राप्त कर्मचारियों की देय राशि का उनके घोषित होम टाउन में निपटान किया जायेगा।

(घ) दीर्घकालीन सेवा अवार्ड- न्यूनतम 25 वर्षों की सेवा देने एवं सेवानिवृत्ति पर भी वस्तु के रूप में देय।

(ङ) कर्मचारी परिवार लाभ योजना - अपंग विनियोजित कर्मचारी/मृत कर्मचारी के सेवानिवृत्ति की तारीख तक निर्धारित जमा के स्थान में मृतक कर्मचारी के कानूनी उत्तराधिकारी को मासिक भुगतान।

(च) भविष्य निधि : बेसिक एवं मंहगाई भत्ता का 12 प्रतिशत कंपनी द्वारा भविष्य निधि ट्रस्ट को दिया जाता है।

(छ) ग्रेच्युटी ; पात्र कर्मचारियों जिन्होंने न्यूनतम 5 वर्षों एवं 30 वर्ष तक अनवरत सेवा दिया है को सेवा के प्रत्येक वर्ष के पूरा होने पर 15 दिनों की दर से वेतन विनियोजन पर देय होगा। ग्रेच्युटी की गणना 30 वर्ष की सेवा में सेवा के प्रत्येक वर्ष के पूरा होने पर कर्मचारी द्वारा आहरित अंतिम एक माह के वेतन की दर में किया जाएगा। कर्मचारी को अधिकतम ग्रेच्युटी का भुगतान ₹ 10 लाख है।

ग्रेच्यूटी भारतीय जीवन बीमा के साथ वित्तपोषित किया जाता है। मार्च 2015 तक कम्पनी ने निधि में प्रत्येक वर्ष प्रिमियम के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा मांग किया जाता है, के आधार पर योगदान किया गया है जिसे प्रीमियम के भुगतान के आधार पर ग्रेच्यूटी के रूम में लेखाकृत किया गया था। इस वित्तीय वर्ष में कम्पनी ने रु. 8.08 करोड़ प्रिमियम के रूप में योगदान किया है। इसके अतिरिक्त कम्पनी ने ग्रेच्यूटी निधि के बिमांकिक मूल्यांक एएस-15(संशोधित) के

अनुसार 31.03.2016 में निधि के कुल दायित्व को सुनिश्चित करने के लिए किया है एवं तदनुसार रु. 22.36 करोड़ की राशि की कमी का लाभ व हानि के विवरण में उल्लेख किया है उक्त राशि को तुलन पत्र में वर्तमान दायित्व के अधीन क्रिडिट किया गया है।

उपरोक्त लेखा नीति के परिवर्तन के कारण ग्रेच्यूटि का दायित्व रु. 8.08 करोड़ के चुकता किये गये प्रीमियम के अतिरिक्त रु. 22.36 करोड़ क्रेडिट किया गया है।

(ज) अवकाशप्राप्त के उपरान्त चिकित्सा सुविधा (आवासीय) हेतु योगदान योजना : अलग हुए कार्यकारियों को चिकित्सा सुविधाएं (आवासीय) का भुगतान कार्यकारियों हेतु अवकाश उपरान्त चिकित्सा सुविधाएं (आवासीय) के लिए अनुदान योजना के अधीन आच्छादित है। यह योजना बोर्ड के अनुमोदन के साथ इस वित्तीय वर्ष में प्रारम्भ किया गया है।

चालू वर्ष में कार्यकारियों हेतु अवकाश प्राप्त के उपरान्त चिकित्सा सुविधा योजना (आवासीय) योगदान के प्रारम्भ होने के कारण कम्पनी ने एएस-15 (संशोधित) के अनुसार 31.03.2016 को योजना के कुल दायित्व को सुनिश्चित करने के लिए बिमांकन मूल्यांकन किया एवं तदनुसार लाभ एवं हानि खाते में रु. 198.21 लाख प्रदान किया गया है एवं रु. 3.00 लाख की राशि संक्षिप्त अवधि प्रावधान के अधीन क्रेडिट किया गया तथा रु. 195.21 लाख दीर्घ अवधि प्रावधान के अधीन तुलन पत्र में क्रेडिट किया गया है।

Note 45 : Employee Benefits : Brief Description of Defined Benefit Scheme :

(a) Leave Encashment - Payable on separation to eligible employees, shall be limited to 300 days (Earned leave and Half-Pay leave combined), and HPL shall not be commuted as per DPE guidelines for calculation of 300 days limit. Encashment of accumulated earned leave is also allowed upto 30 days once in a calendar year.

(b) **Post Retirement Medical benefit :** Available to retired employees at any hospital under the Mediclaim Insurance Policy

(c) **Post retirement settlement benefit :** Payable to retiring employees for settlement at their declared home town.

(d) **Long Term Service Award :** Payable in kind for rendering minimum 25 years of service and also on Superannuation.

(e) **Employees Family Benefit Scheme :** Monthly payment to disabled separated employees/legal heirs of deceased employees in lieu of prescribed deposit till the date of superannuation of deceased employees.

(f) **Provident Fund :** 12% of Basic pay and Dearness allowance contributed to the Provident Fund Trust by the company.

(g) **Gratuity :** Payable on separation at the rate of 15 days pay for each completed year of service to eligible employees who render continuous service for a minimum period of 5 years and upto 30 years. The Gratuity is calculated at the rate of one month's wages last drawn by the employee for every completed year of service in excess of 30 years. The maximum amount of Gratuity payable to employee is ₹ 10 lakhs.

The Gratuity is funded with LIC of India. Till March' 2015 the company contributed in the fund every year as premium on the basis of demand raised by LIC of India which was accounted as Gratuity on the basis of payment of premium. In this financial year company contributed ₹ 8.08 crores as premium. In addition, the company has done actuarial valuation of Gratuity fund in accordance with AS-15 (Revised) to ascertain the total liability of the fund as at 31.03.2016 and accordingly cognized the shortfall of fund amounting to ₹ 22.36 crores in the statement of Profit & Loss and liability for the same amount is created under current liability in the Balance Sheet.

Due to change of above accounting policy liability for gratuity of ₹ 22.36 crores created in addition to premium paid of ₹ 8.08 crores.

(h) **Contributory Scheme for Post-retirement Medical Facilities (Domiciliary) :** The payment of medical facilities (Domiciliary) to the separated executives as covered under Contributory Scheme for Post Retirement Medical Facilities (Domiciliary) for executives. The scheme introduced in this financial year with the approval of board.

Due to introduction of the Contributory Post Retirement Medical Benefit Scheme (Domiciliary) - for Executive in the current year, the company has done actuarial valuation in accordance with AS-15(Revised) to ascertain the total liability of the scheme as at 31.03.2016 and accordingly provided ₹ 198.21 lacs in the statement of Profit & Loss and amounting to ₹ 3.00 lacs is created under short-term provision and ₹ 195.21 lacs is created under long-term provision in the Balance Sheet.

टिप्पणी 46 : कम्पनी ने एमएसटीसी लि. के ई-ऑक्शन हेतु सेवा प्रभार वित्तीय वर्ष 2015-16 में रु. 0.97 लाख (विगत वर्ष रु. 4.22 लाख) भुगतान किया है एवं कम्पनी ने एमएसटीसी लि. के वेयरहाउस प्रबंधन हेतु कस्टोडियम सेवाओं के बाबत रु. 255.54 लाख (विगत वर्ष रु. 341.13 लाख) अर्जित किया है।

Note 46 : The company has paid service charges for e-auction to MSTC Ltd in the FY 2015-16 ₹ 0.97 lakhs (PY ₹ 4.22 lakhs) and the company has earned ₹ 255.54 lakhs (PY ₹ 341.13 lakhs) towards custodian services for the warehouse management of MSTC Ltd.

टिप्पणी 47 : वित्तीय वर्ष 2015-16 के दौरान कम्पनी ने शेयर धारकों के अंतरिम लाभांश रु.600 लाख अर्थात पेड-अप इक्वीटी शेयर पूंजी का 300.00 प्रतिशत की घोषणा किया एवं भुगतान किया है। रु. 122.15 लाख का लाभांश वितरण कर जमा किया गया है।

Note 47 : During the FY 2015-16, the company has declared and paid Interim Dividend of ₹ 600.00 lakhs i.e. 300.00% of paid-up equity share capital to the shareholders. The Dividend Distribution Tax amounting to ₹ 122.15 lakhs has been deposited.

कृते एमएसटीसी लिमिटेड For MSTC Limited

कृते राय एंड कं.
सनदी लेखापाल
पंजीकरण सं. 313124ई

सीए एस पी बसु
साझेदार
एम नं. 050209

तारीख : 03.08.2016
स्थान : कोलकाता

For Ray & Co.
Chartered Accountants
Regn. No. 313124E

CA S P. Basu
Partner
M no. 050209

Dated : 03.08.2016
Place : Kolkata

(बी.बी. सिंह)
अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक

(B. B. Singh)
Chairman-cum-Managing Director

(आर के चौधुरी)
महाप्रबंधक (वित्त एवं लेखा)

(R. K. Chaudhuri)
General Manager (Finance & Accounts)

(ए के बासु)
निदेशक (वित्त)

(A. K. Basu)
Director (Finance)

(सुब्रत कुमार राय)
कंपनी सचिव

(Subrata Kumar Ray)
Company Secretary

एमएसटीसी लिमिटेड MSTC LIMITED

31 मार्च, 2016 को समाप्त वर्ष के लिए नकद प्रवाह विवरण

CASH FLOW STATEMENT FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH 2016

(रु. लाख में) / (₹ in Lacs)

		2015-16	2014-15
परिचालन गतिविधियों से नकद प्रवाह	**Cash Flow from Operating Activities :**		
कराधन एवं असाधरण मद पूर्व निवल लाभ	Net Profit before Taxation and Extraordinary items	11744	15215
मूल्यह्रास हेतु समायोजन	Adjustment for Depreciation	1335	839
पूर्वाअवधि मूल्यह्रास हेतु समायोजन	Adjustment for Prior period depreciation	0	14
सीडब्ल्यूआईपी के समापन हेतु समायोजन	Adjustment for writing off CWIP	0	84
संपत्तियों की बिक्री से हानि हेतु समायोजन	Adjustment for loss on sale of Assets	0	0
ब्याज से आय हेतु समायोजन	Adjustment for Interest Income	(7178)	(8652)
कार्यकारी पूंजी परिवर्तन से पूर्व परिचालन लाभ	**Operating Profit before Working Capital Changes**	5901	7500
विविध देनदार/व्यापार प्राप्य में (वृद्धि)/कमी	(Increase)/Decrease in Sundry Debtors/Trade Receivables	84514	(27674)
अन्य चालू /गैर चालू आस्तियों में (वृद्धि)/कमी	(Increase)/Decrease in Other Current/Non Current Assets	290	686
दीर्घावधि/अल्पावधि ऋण एवं अग्रिम में (वृद्धि)/कमी	(Increase)/Decrease in Long term/Short term Loans & Advances	(996)	(1145)
स्टॉक/इनवेंटरी में (वृद्धि)/कमी	(Increase)/Decrease in Stock/Inventories	13202	(11078)
विविध लेनदार/व्यापार देय/चालू/गैर चालू देयताएं/प्रावधानों में (वृद्धि)/कमी	Increase/(Decrease) in Sundry Creditors/Trade Payables/ Current/Non Current Liabilities/Provisions	(86752)	24994
प्रचालन से नकद प्राप्ति	**Cash Generated from Operation**	16159	(6717)
अग्रिम आयकर भुगतान	Advance Income Tax Paid	(4542)	(8330)
प्रचालन गतिविधियों से शुद्ध नकद प्रवाह (ए)	**Net Cash Flow from Opertaing Activities : (A)**	**11617**	**(15047)**
निवेश गतिविधियों से नकद प्रवाह	**Cash Flow from Investing Activities :**		
अचल परिसम्पत्तियों/सीडब्ल्यूआईपी का संयोजन	Additions of Fixed Assets/CWIP-Net	(405)	(1482)
प्राप्त ब्याज	Interest Received	7178	8652
निवेश गतिविधियों से निवल नकद प्राप्ति (बी)	**Net Cash generated from Investing Activities : (B)**	**6773**	**7170**
वित्तीय गतिविधियों से नकद प्रवाह	**Cash Flow from Financing Activities :**		
अल्पावधि उधार से प्राप्ति	Proceeds from Short Term Borrowings	(45280)	23340
प्रदत्त लाभांश	Dividend Paid	(1822)	0
लाभांश पर कर	Tax on Dividend	(494)	(88)
वित्तीय गतिविधियों में लगा निवल नकद (सी)	**Net Cash used in Financing Activites : (C)**	**(47596)**	**23252**
नकद एवं नकद समानक में निवल वृद्धि (ए+बी+सी)	**Net Increase in Cash & Cash Equivalent (A+B+C)**	**(29206)**	**15375**
नकद एवं नकद समानक-प्रारम्भिक	**Cash & Cash Equivalent – Opening**	135031	119656
नकद एवं नकद समानक-अंतिम	**Cash & Cash Equivalent – Closing**	**105825**	**135031**
टिप्पणी 16 के अनुसार नकद एवं नकद समानक	**Cash & Cash Equivalent as per Note 16**		
नकद एवं स्टैम्प हाथ में	Cash and Stamp on hand	5	5
चालू खाता	Current Accounts	25707	35192
लाभांश खाता	Dividend Accounts	61	59
जमा खाता	Deposit Accounts	80052	99775
		105825	**135031**

टिप्पणी : अवधि के अंत में नकदी एवं नकदी समानक में शामिल दावा नहीं किए गए लाभांश रु. 61 लाख एवं दावे के विरुद्ध सावधि जमा रु. 903 लाख प्रतिभूति (गारंटी) स्वरूप रखे गए हैं जो कंपनी के प्रयोग के लिए उपलब्ध नहीं है।

Note : Cash and Cash equivalents at the end of the period include Unclaimed Dividend of ₹ 61 lakh Term Deposit of ₹ 903 lakh furnished as guarantee against claims which are not available for use to the Company.

सम तारीख के हमारे प्रतिवेदन के संदर्भ में है।

In terms of our report of even date.

कृते एमएसटीसी लिमिटेड For MSTC Limited

कृते राय एंड कं.
सनदी लेखापाल
पंजीकरण सं. 313124ई

सीए एस पी बसु
साझेदार
एम नं. 050209

तारीख : 03.08.2016
स्थान : कोलकाता

For Ray & Co.
Chartered Accountants
Regn. No. 313124E

CA S P. Basu
Partner
M no. 050209

Dated : 03.08.2016
Place : Kolkata

(बी.बी. सिंह)
अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक

(B. B. Singh)
Chairman-cum-Managing Director

(आर के चौधुरी)
महाप्रबंधक (वित्त एवं लेखा)

(R. K. Chaudhuri)
General Manager (Finance & Accounts)

(ए के बासु)
निदेशक (वित्त)

(A. K. Basu)
Director (Finance)

(सुब्रत कुमार राय)
कंपनी सचिव

(Subrata Kumar Ray)
Company Secretary

एम एस टी सी
लिमिटेड
(भारत सरकार का उपक्रम)

MSTC
LIMITED
(A GOVT. OF INDIA ENTERPRISE)

पंजीकृत एवं मुख्य कार्यालय
225 सी, आचार्य जगदीश चन्द्र बोस रोड, कोलकाता - 700 020
दूरभाष : (+91-33) 2290-0964, 2287-7557 / 0568 / 9627
फैक्स : (+91-33) 2287-8547, 2240-4176
ई-मेल : mstcindia@mstcindia.co.in

उत्तरी क्षेत्रीय कार्यालय
जीवन विकास बिल्डिंग, पहला तल, 30-31 A, आसफ अली रोड, नई दिल्ली - 110 002
दूरभाष : (011) 2321-4201, 2321-3945
फैक्स : 011-2321-6713
ई-मेल : mstcnro@mstcindia.co.in

दक्षिणी क्षेत्रीय कार्यालय
लीलावती बिल्डिंग (दूसरा तल), 69, आरमिनियन स्ट्रीट, चेन्नई - 600 001
दूरभाष : (044)2521-9004, 2522-2842, 2523-1584
फैक्स : 044-25220091
ई-मेल : mstcsro@msctindia.co.in

पूर्वी क्षेत्रीय कार्यालय
225-एफ, आचार्य जगदीश चन्द्र बोस रोड, कोलकाता - 700 020
दूरभाष : (+91-33) 2290-0964, 2287-7557/0568/7716/9627/7568
फैक्स : (+91-33) 2287-4915
ई-मेल : mstcero@mstcindia.co.in

पश्चिमी क्षेत्रीय कार्यालय
607-608 रहेजा सेंटर, नरीमन प्वाईंट, मुम्बई - 400021
दूरभाष : (022)2288-6261/2287 2011/2282 2789
ई-ऑक्शन के जानकारी के लिए : (022) 2202-2096
फैक्स : 022-22845130
ई-मेल : mstcwro@mstcindia.co.in

शाखा कार्यालय समूह

बैंगालुरू
करीम टावर, तीसरा तल, 19/5 एंड 19/6, कनिंगहम रोड, बैंगालूरू - 560 052
दूरभाष : (080) 2225-6327, 2226-0054/6417
फैक्स : 080-2225 6367
ई-मेल : mstcblr@mstcindia.co.in

विशाखापत्तनम
जीवन प्रकाश (छठा तल), एलआइसी बिल्डिंग, जीविथा बीमा रोड, विशाखापत्तनम - 530 004
दूरभाष : (0891) 274-6948, 270-1066
फैक्स : 0891-274-7053
ई-मेल : mstcsvzg@mstcindia.co.in

बड़ौदा
कमलांजलि अपार्टमेन्ट (दूसरा तल), टियूब कंपनी के विपरीत, ओल्ड पडरा रोड, अकोटा, बड़ौदा - 390 020
दूरभाष : (0265) 2339 672, 2310 606, 2330 726
फैक्स : 0265-2351 636
ई-मेल : mstcvda@mstcindia.co.in

क्षेत्रीय कार्यालय समूह

भोपाल
महाराणा प्रताप नगर, जोन II, भोपाल - 462001
दूरभाष : (0755) 2552241, 2570 664
फैक्स : (0755) 4075720
ई-मेल : mstcbhopal@mstcindia.co.in

त्रिची
क्वाटर नं. के 3/100 एफ टाइप बी के आर सेक्टर, नेहरू नगर, तिरुचिरापल्ली - 620014
दूरभाष : (0481) 252-1009, 9025793464
ई-मेल : osdtrichy@mstcindia.co.in

हैदराबाद
आकाशगंगा कम्प्लेक्स, ऑफिस नं. 201, दूसरा तल, डोर नं. 6-3-635 एवं 637, खैरताबाद, हैदराबाद - 500 004
दूरभाष : (040) 2330 1039
ई-मेल : hyd@mstcindia.co.in

तिरूपति
टीटीडी विष्णु निवासम कॉम्प्लेक्स, (तिरुपति रेलवे स्टेशन पूर्व के विपरीत), उत्तर पश्चिम ब्लाक, प्रथम तल, मिनि हाल नं. 1, तिरूपति, आंध्र प्रदेश - 517501

लखनऊ
जी-25 /26 तेज कुमार प्लाजा, 1, टी. एन. रोड, हजरतगंज - 226001
ई-मेल - mstclko@mstcindia.co.in
दूरभाष : 0522 2614445

भुबनेश्वर
तोशाली प्लाज़ा, तीसरी मंजिल, कक्ष स. टीपी.-बी/1-03 एवं 08, सत्य नगर, भुबनेश्वर-751 007
दूरभाष : 0674-2571699
ई-मेल : mstcbbs@mstcindia.co.in

त्रिवेंद्रम
#97, 5वीं मंजिल, वन मुख्यालय, वज़हुथाकॉड, तिरुवनंतपुरम-695014
दूरभाष : 0471-2529137
ई-मेल : mstctvm@mstcindia.co.in

Registered & Head Office
225-C, Acharya Jagadish Chandra Bose Road, Kolkata - 700 020
Tel : (+91-33) 2290-0964, 2287-7557 / 0568 / 9627
Fax : (+91-33) 2287-8547, 2240-4176
E-mail : mstcindia@mstcindia.co.in

Northern Regional Office (NRO)
Jeevan Vikas Building, 1st Floor, 30-31 A, Asaf Ali Road (opp : Hamdard), New Delhi - 110 002
Tel : (011) 2321-4201, 2321-3945
Fax : 011-2321-6713
E-mail : mstcnro@mstcindia.co.in

Southern Regional Office (SRO)
Leelavati Building, 2nd Floor, 69, Armenian Street, Chennai - 600 001
Tel : (044)2521-9004, 2522-2842, 2523-1584
Fax : 044-25220091
E-mail : mstcsro@msctindia.co.in

Eastern Regional Office (ERO)
225-F, A.J.C. Bose Road, 3rd Floor, Kolkata - 700 020
Tel : (+91-33) 2290-0964, 2287-7557/0568/7716/9627/7568
Fax : (+91-33) 2287-4915
E-mail : mstcero@mstcindia.co.in

Western Regional Office (WRO)
607-608 Raheja Centre, Nariman Point, Mumbai - 400021
Tel : (022)2288-6261 /2287 2011/2282 2789
For e-Auction Registration Enquiry : (022) 2202-2096
Fax : 022-22845130
E-mail : mstcwro@mstcindia.co.in

Branch Offices :

Bangaluru
Kareem Tower, 3rd Floor, 19/5 & 19/6, Cunningham Road, Bangalore - 560 052
Tel : (080) 2225-6327, 2226-0054/6417
Fax : 080-2225 6367
Email : mstcblr@mstcindia.co.in

Visakhapattanam
6th Floor "Jeevan Prakash" LIC Building, Jeevitha Bima Road, Visakhapatnam - 530 004
Tel : (0891) 274-6948, 270-1066
Fax : 0891-274-7053
E-mail : mstcsvzg@mstcindia.co.in

Vadodara
21, Kamalanjali Apartment, 2nd Floor, Opp. Tube Company, Old Padra Road, Akota, Vadodara - 390 020
Tel : (0265) 2339 672, 2310 606, 2330 726
Fax : 0265-2351 636
E-mail : mstcvda@mstcindia.co.in

Field Offices

Bhopal
76-77(R), First Floor, Maharana Pratap Nagar, Zone II, Bhopal - 462001
Tel : (0755) 2552241, 2570 664
Fax : (0755) 4075720
E-mail : mstcbhopal@mstcindia.co.in

Trichy
Quarter No. K3/100F, Type 'B' KR Sector, Nehru Nagar, Tiruchirapally - 620014
Tel : (0481) 252-1009, 9025793464
E-mail : osdtrichy@mstcindia.co.in

Hyderabad
Akash Ganga Complex, Office No. 201, 2nd Floor, Door No. 6-3-635 & 637, Khairtabad, Hyderabad - 500004
Tel. : (040) 2330 1039
email : hyd@mstcindia.co.in

Tirupati
TTD Vishnu Nivasam Complex, (Oppsosite: Tirupati Railway Station - East), North West Block, 1st Floor, Mini Hall No.1, Tirupati, Andhra Pradesh - 517501

Lucknow
G-25/26, Tej Kumar Plaza, 1, T.N. Road, Hajratganj - 226001
e-mail : mstclko@mstcindia.co.in
Tel. : 0522 2614445

Bhubaneswar
Toshali Plaza, 3rd Floor, Room No.TP-B/1-03&08, Satya Nagar, Bhubaneswar-751007
Tel. : 0674-2571699
E-mail : mstcbbs@mstcindia.co.in

Trivandrum
#97, 5th Floor, Forest Headquarters, Vazhuthacaud, Thiruvananthapuram-695014
Tel : 0471-2529137
E-mail : mstctvm@mstcindia.co.in

Visit us at : http://www.mstcauction.co.in http://www.mstcindia.co.in

- Mumbai
- New Delhi
- Chennai
- Bangalore
- Visakhapatnam
- Vadodara
- Hyderabad
- Bhopal
- Trivandrum
- Tiruchirapalli
- Lucknow
- Jaipur
- Bhubaneswar
- Raipur
- Guwahati
- Ranchi

एम एस टी सी
लिमिटेड
(भारत सरकार का उपक्रम)

MSTC
LIMITED
(A GOVT. OF INDIA ENTERPRISE)

225C, A.J.C. BOSE ROAD, KOLKATA - 700 020. INDIA
PHONE : 91-33-2290-0964, 2287-7557 / 0568 / 7716 / 9627 / 7568
website : www.mstcindia.co.in • www.mstcecommerce.com
CIN : U27320WB1964GOI026211

adunique